पञ्जाबी-संस्कृत शब्दकोश

PUNJABI-SANSKRIT GLOSSARY

प्रधान सम्पादक

डॉ० गयाचरण त्रिपाठी

प्राचार्य

डा० बाबूराम [illegible]

[illegible]

सम्पादक

डॉ० शिवकुमार मिश्र

प्रवाचक

डॉ० आजाद मिश्र

प्रवाचक

डॉ० शैलकुमारी मिश्र

प्रवक्ता
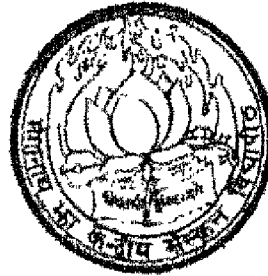
गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ

चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद-211002

प्रकाशक

डॉ० गयाचरण त्रिपाठी

आचार्य

गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ

चन्द्रशेखर आजाद पार्क

इलाहाबाद-२११००२

●

●

मूल्य

●

मुद्रक

शाकुन्तल मुद्रणालय

३४, बलरामपुर हाउस

इलाहाबाद २

FOREWORD

It is matter of extreme satisfaction that the Punjabi Sanskrit Dictionary Project of this Vidyapeetha which was started 7 years ago has now reached its successful completion. The Project was taken into hand towards the end of 1979 at the suggestion of Shri K. K. Sethi, the then Director of the Rashtriya Sanskrit Sansthan as a part of the programme of the Sansthan to simplify the teaching of Sanskrit. The main aim of this Project has been to place before the learners of Sanskrit having Punjabi as their mother tongue a list of those Sanskrit words which are still in use both in spoken as well as in written Punjabi language. Such lists were to form the basis of preliminary Sanskrit courses which are to be especially developed for the Punjabi knowing people. This will fecilitate the learning of Sanskrit, on the one hand, and on the other, shall make the learners conscious of the rich heritage of Sanskrit that their language possesses. To the philologically more inquisitive mind it shall also demonstrate the phonetic and semantic devepment of the words of their language form the old Indo-Aryan down to the modern times. There are a number of other linguistic objectives too which the Glossary could be put to depending upon the requirements and needs of the teacher and the taught.

It is our first endeavour in this field. If the Glossary is received favourably by the public and is capable of serving the purposes for which it is meant and has been prepared, we shall be encouraged to undertake similar works in other languages too.

We have been fortunate all along to receive kind co-operation and help of a number of Punjabi and Sanskrit scholars in the planning and execution of this Project, Their names have been mentioned and the assistance acknowledged at the proper place in the Hindi preface. I express my deep gratitude to all of them once again.

I also have to thank sincerely my three colleagues, Dr. Shiva Kumar Mishra (Reader and Head of the Liguistic Unit of this Vidyapeeth), Dr. Azad Mishra (Formerly Lecturer in this Vidyapeetha and now Reader at the Lucknow Vidyapeetha) and Dr. (Mrs.) Shail Kumari Mishra (Lecturer in the Language Unit of this Vidyapeetha) who have spared no pains to make this Glossary academically sound and scientifically perfect, although Punjabi is not the mother tongue of anyone of them. All of them have willingly and voluntarily acquired the working knowledge of Punjabi in order to do justice to this academic venture. They have executed the task assigned to them to my entire satisfaction.

The printing of the Dictionary was a problem to us. Allahabad has no printing press which might undertake the job of Gurmukhi printing. Shri Upendra Tripathi of Shakuntal Madranalaya, however, took up this challenge. He went to Punjab and Delhi to procure Gurmukhi types and made his compositors learn Punjabi language and Gurmukhi script so that they could carry out this job well. My special thanks and blessings are due to this young entrepreneur,

Any comments or suggestion of the scholars towards the improvement of this scheme shall be most gratefully received, and seriously considered.

G. N. Jha Kendriya Sanskrit Vidyapeeth
Allahabad
December 5th, 1987

G. C. Tripathi
Principal

पंजाबी-संस्कृत-शब्दकोश

भूमिका

1. संकल्पना (Concept)

सुदीर्घकाल तक पराधीनता के कारण मुस्लिम शासन-काल में फारसी तथा ब्रिटिश-काल में अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित होने पर संस्कृत शनैः शनैः सरकारी एवं लोक-व्यवहार-क्षेत्र से दूर होती चली गयी। तब वह स्वैच्छिक रूप से राजाओं, जमींदारों तथा मन्दिर-मठों के द्वारा स्थापित संस्कृत-विद्यालयों में तथा व्यावसायिक दृष्टि से आयुर्वेद, चिकित्सा, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड में जीवित रही। इस समय तक भाषा के रूप में उसका प्रभाव कर्मकाण्ड, चारों धाम एवं सप्त तीर्थों तक सीमित रह गया, जहाँ से इसने भारत की सांस्कृतिक एकता को सुरक्षित रखा।

स्वातंत्र्योत्तर काल में संस्कृत के प्रति लोक में परस्पर दो विरोधी धारणाएँ फैलीं। कुछ असहिष्णु लोग "संस्कृत भाषा जटिल है", "संस्कृत धार्मिक भाषा है", "संस्कृत समुदाय-विशेष की भाषा है," "संस्कृत मृत भाषा है" आदि-आदि कटूक्तियों द्वारा संस्कृत पर अनवरत प्रहार करने लगे। दूसरी ओर संस्कृत यद्यपि जनता के भाषिक जगत् से दूर चली गयी, तथापि इसके प्रति लोगों की श्रद्धा एवं आस्था में ह्रास नहीं हुआ। भारतीय संस्कृति एवं विद्याओं में आस्था रखने वाले और अनेक प्रकार से संस्कृत के महत्त्व को समझने वाले अब भी संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन में निःस्वार्थ भाव से लगे रहे। संस्कृत के ह्रास का एक कारण आधुनिक शिक्षा-पद्धति का बहु-आयामी होना भी रहा है। इस काल में ज्ञान-क्षेत्र में विस्फोट के कारण छात्रों पर अनेक विषयों का बोझ लदता गया। भाषा के रूप में संस्कृत की अपेक्षा हिन्दी एवं अंग्रेजी का वर्चस्व होने के कारण भी संस्कृत के प्रति लोकरुचि कम हुई। उधर पाठशालाओं में संस्कृत के साथ अनेक आधुनिक विषय पढ़ाये जाने के कारण संस्कृत के गहन अध्ययन की परिपाटी चरमरा गयी। सरकारी शिक्षा-नीति के निरन्तर परिवर्तनशील होने के कारण संस्कृत-शिक्षा चौराहे पर आ खड़ी हुई। त्रिभाषा-सूत्र के आने से विद्यालयों में संस्कृताध्ययन के अवसर क्षीण हो गये। अनेक प्रदेशों में क्षेत्रीय भाषा (कन्नड आदि), हिन्दी तथा अंग्रेजी का पठन-पाठन होने लगा। कहीं-कहीं तो केवल दो ही भाषायें पढ़कर छात्र छुट्टी पाने लगे; जैसे तमिलनाडु में तमिल एवं अंग्रेजी और उत्तर-प्रदेश में हिन्दी एवं अंग्रेजी।

इस स्थिति में पारम्परिक शैली से संस्कृत-शिक्षण व्यर्थ सिद्ध हो गया। परिणामतः संस्कृत-जिज्ञासुओं को संस्कृत-भाषा का ज्ञान अल्प समय में किस विधि से दिया जाय, प्रारम्भिक स्तर पर किस प्रकार की शैक्ष सामग्री दी जाय, इत्यादि ज्वलन्त प्रश्न हमारे समक्ष उठ खड़े हुए। संस्कृत-शिक्षण के सरलीकरण तथा आधुनिकीकरण का श्री-गणेश यहीं से प्रारम्भ होता है।

आधुनिक विद्यालयों एवं पारम्परिक पाठशालाओं में संस्कृत-अध्येताओं के अतिरिक्त भी संस्कृत-भाषा के शिक्षार्थियों एवं जिज्ञासुओं के अनेक स्तर होने के कारण संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि की आवश्यकता अनुभूत हुई। सरकारी सेवा-निवृत्त कुछ ऐसे उत्साही शिक्षित लोग हैं, जो अपने अध्ययन-काल में तो संस्कृत-शिक्षा से वंचित रह गये, किन्तु अब संस्कृत के सांस्कृतिक एवं शाश्वत मूल्य को जानने के पश्चात् मौलिक रूप से संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। कुछ ऐसे विदेशी भाषाविद् हैं जो संसार की अत्यन्त प्राचीन भाषाओं में अन्यतम संस्कृत के ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध राशि को मूल रूप में जानना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो केवल रामायण, महाभारत, गीता अथवा कालिदास के साहित्य का ही अवगाहन करना चाहते हैं। विभिन्न शिक्षास्तर एवं विभिन्न भाषा-भाषी क्षेत्र से आने के कारण इन समस्त संस्कृत-ज्ञान-पिपासुओं को परम्परा-प्राप्त-प्रणाली से संस्कृत सिखाना समयसाध्य, श्रमसाध्य एवं द्रव्यसाध्य होगा। इनके लिये संस्कृत-शिक्षण की विधियों में सरलता के उपाय ढूंढने होंगे, जिससे अल्प समय में जिज्ञासु संस्कृत की अमूल्य राशि का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

एक बात और। हिन्दी-भाषा-प्रेमी को जिस पद्धति से संस्कृत सिखलायी जायेगी, ठीक उसी पद्धति से फ्रेंच भाषा-भाषी को संस्कृत नहीं सिखलाई जा सकती। संस्कृत-शिक्षण में एक मलयालम भाषा-भाषी जिन आवश्यकताओं का अनुभव करेगा, ठीक उन्हीं आवश्यकताओं का अनुभव पंजाबी भाषा-भाषी भी करे, आवश्यक नहीं। आवश्यकताएं एवं अपेक्षाएं बदल जाने पर विधि एवं शैक्ष सामग्री भी बदल जायगी। शब्द-भण्डार बदलेंगे, वाक्य-संरचनाएं बदलेंगी, व्याकरण-मूलक जिज्ञासाएं बदल जायेंगी। अतएव आवश्यकता है, विभिन्न भाषा-भाषियों के लिये उनकी माँग एवं अपेक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम एवं शैक्ष सामग्री का निर्माण करके उन्हें संस्कृत सिखलाने की।

किसी भी भाषा के शिक्षण में दो प्रमुख प्रतिबन्धक तत्त्व होते हैं—व्याकरण एवं शब्दावली। संस्कृत में ये दोनों ही तत्त्व अन्य भाषाओं की तुलना में अधिक जटिल हैं। संस्कृत में उपसर्ग, प्रत्यय, समास आदि के द्वारा एक शब्द के समानान्तर अनेक शब्द गढ़ने की अद्भुत क्षमता है। शिक्षार्थी समानान्तर एवं पर्यायवाची शब्दों के अरण्य में अपने को घिरा देख कर घबरा जाता है। शब्दों के रूप एवं उनके लिङ्ग की समस्या कुछ कम कठिन नहीं है। यह तथ्य है कि संस्कृत (वैदिक तथा लौकिक) अधिकांश आधुनिक भारतीय भाषाओं की जननी तथा आर्येतर भारतीय भाषाओं की संपोषिका है। अतएव संस्कृत से विकसित होने के कारण इन आधुनिक भारतीय भाषाओं में संस्कृत के प्रायः अस्सी प्रतिशत शब्द लेखन, पठन एवं व्यवहार में नित्य प्रयुक्त होते हैं। यदि आधुनिक भारतीय भाषाओं में से संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दों का चयन करके उसके आधार पर संस्कृत में प्रान्तीय तथा राष्ट्रिय पाठ्यक्रम

तथा शैक्ष्य सामग्री का निर्माण किया जाय तो कम-से-कम शब्दावली की समस्या का समाधान अवश्य हो जायगा। इससे संस्कृत का शिक्षण निश्चित रूप से सरल होगा और स्वल्प काल मे ही संस्कृत शिक्षण के अधिलक्ष्य उद्देश्य पूरे हो सकगे। इसी पृष्ठभूमि मे प्रस्तुत शब्द-कोश का जन्म हुआ है।

यह कार्य सर्व प्रथम पंजाबी-भाषा से आरंभ किया गया है। पंजाबी-भाषा से योजनारंभ के पीछे अन्य भाषाओं के प्रति हमारा अनादरभाव नहीं है। सभी भाषाएँ महान् हैं। परन्तु, कहीं से तो प्रारंभ करना ही था। पंजाब वेदों की भूमि रहा है। भाषा-विकास की दृष्टि से पंजाबी संस्कृत से अधिक निकट है। अतएव यहीं से कार्यारंभ की संगति भी बैठती है। प्रस्तुत शब्द-कोश मे अति प्रचलित शब्दों को छाँटकर उनके आधार पर पंजाबी भाषा-भाषी क्षेत्र के लिये यदि संस्कृत मे पाठ्यक्रम एवं शैक्ष्य सामग्री का निर्माण किया जाय, तो संस्कृत-शिक्षण अवश्य ही प्रभावी तथा सरल हो सकेगा। शब्दावली की जटिलता के समाप्त हो जाने पर शिक्षिक्षुओं के समक्ष अब केवल व्याकरण-संबंधी समस्या ही शेष रहेगी। भारत की अन्य भाषाओं में यदि इस प्रकार की संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दावलियों का चयन किया जाय और फिर, उन चयनित शब्दावलियों की परस्पर तुलना की जाय, तो एक ऐसी समन्वित शब्दावली प्रकाश में आएगी जिसके आधार पर संस्कृत में राष्ट्रिय पाठ्यक्रम का विकास किया जा सकता है।

ऊपर संस्कृत-शिक्षण के सरलीकरण के प्रसङ्ग में प्रस्तुत कोश के शैक्षणिक मूल्य की विस्तार से चर्चा की गयी। एतदतिरिक्त यह कोश राष्ट्र की भाषात्मक एवं भावात्मक एकता को सुदृढ़ बनाने मे सहायक सिद्ध होगा। अतः इसका राष्ट्रीय मूल्य भी कुछ कम नहीं है। यह सत्य है कि भारत का राज्यों में विभाजन भाषा के आधार पर हुआ है, जो चिन्तकों के विचार से समुचित नहीं हुआ। देश के समक्ष जूझने के लिए पूर्व से ही जाति, धर्म, सम्प्रदाय, वर्ग और वर्ण-भेद की समस्याएँ कुछ कम नहीं थीं। अब भाषा-विवाद भी उनमें जुड़ गया। यह भाषायी विवाद दिनानुदिन गहराता जा रहा है। इस स्थिति में उक्त प्रकार के द्विभाषीय तुलनात्मक कोश सम्पूर्ण राष्ट्र में भावनात्मक एकता के विकास में योगदान कर सकते हैं। जब व्यक्ति सुदूर प्रदेश में अपनी ही भाषा के शब्दों के प्रयोग देखता-सुनता है, तब वहाँ की भाषा के प्रति उसका प्रेमभाव जागृत होता है। इस भाषा से उसका परिचय ज्यों-ज्यों बढ़ता है, वैमनस्य भाव कम होता जाता है। फिर उस भाषा में बोलने वाले व्यक्तियों तथा उनके रीति-रिवाजों के प्रति हमारी आदर-भावना बढ़ती है। इस प्रकार शनैः शनैः एकात्मकता की भावना दृढ़ होती है। यदि भारतीय भाषाओं के बीच लिपि की दीवार हटा दी जाय तो हमारा विश्वास है कि भाषागत विवाद पचास प्रतिशत कम हो जायेंगे; क्योंकि समस्त भारतीय भाषाओं की धमनियों में संस्कृत का ही रक्त प्रवाहित हो रहा है। इस बात की परमावश्यकता है कि प्रथम चरण में संस्कृत के साथ समस्त आधुनिक भारतीय भाषाओं और द्वितीय चरण में परस्पर आधुनिक भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक कोशों का निर्माण किया जाय।

इतना ही नहीं, यदि पश्चिम की प्राचीनतम समृद्ध भाषाओं में ग्रीक तथा लैटिन तथा पूर्व की भाषाओं में संस्कृत तथा अवेस्ता के परस्पर तुलनात्मक कोश तैयार किये जायें तो पता चलेगा कि इनमें भाषागत प्रचुर साम्य है। यही नहीं, हमें यह जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि इन भाषाओं की छत्रछाया

में पनपी संस्कृतियों में भी विलक्षण साम्य है। तब गोरे और काले तथा पूर्व और पश्चिम का भेद-भाव स्वतः निर्मूल हो जायगा। तब हम देखेंगे कि समस्त प्रदेशों, देशों, जातियों एवं धर्मों में केवल दृष्टि-भेद है। मूलतः सभी एक ही नृवंश से सम्बन्धित हैं। और वे एक ही स्थान से चलकर विभिन्न दिशाओं में फैले हैं। दक्षिणपूर्व एशिया के देश—थाईलैण्ड, कम्बोडिया, इन्डोचीन, बर्मा, जावा, सुमात्रा इत्यादि देश तो भारतीय संस्कृति से पूर्ण प्रभावित हैं। समीक्षकों की सम्मति है कि उक्त प्रकार के कोश अन्य आवश्यक शैक्षिक अथवा साहित्यिक कार्यों में तो सहायक सिद्ध होंगे ही, साथ-साथ पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में इनका प्रचुर उपयोग किया जा सकता है। शोधकार्य की दिशा में यह कोश अधिक उपादेय होगा।

2. विधि (Procedure)

संस्कृत अधिसंख्य आधुनिक भारतीय भाषाओं एवं क्षेत्रीय भाषाओं की जननी है तथा समस्त भारतीय आर्येतर भाषाओं की सम्पोषिका है। इस कारण संस्कृत के लगभग अस्सी प्रतिशत शब्द तत्सम या तद्भव रूप में भारत की समग्र भाषाओं में नित्य लेखन, पठन तथा व्यवहार में आते हैं। इस कारण भाषा-शास्त्रीय दृष्टि से इसका प्रचुर महत्त्व है। संस्कृत-वाङ्मय की शब्द-सम्पदा विशाल है और इसका व्याकरण अत्यन्त वैज्ञानिक है। शब्द-सम्पदा की विशालता एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता जहाँ एक ओर संस्कृत की विशिष्टता है, दूसरी ओर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में ये कुछ कठिनाइयाँ भी उत्पन्न करती हैं। इसी कारण संस्कृत-शिक्षण के आधुनिकीकरण एवं सरलीकरण की माँग बराबर उठती रहती है।

संस्कृत से सम्बद्ध शिक्षाविदों, भाषाविदों, शिक्षाधिकारियों एवं संस्कृतज्ञों का मत है कि प्रत्येक प्रादेशिक या क्षेत्रीय भाषा में प्रचलित संस्कृत की तत्सम एवं तद्भव शब्दावली का संकलन करके यदि उस क्षेत्र के लिये संस्कृत का एक पृथक् पाठ्यक्रम विकसित किया जाय और तदनुरूप शैक्ष सामग्री प्रदान की जाय, तो उस क्षेत्र के लोगों के लिये संस्कृत-शिक्षण निश्चित रूप से सरल होगा; क्योंकि उन्हें संस्कृत के नये शब्द सीखने का अतिरिक्त परिश्रम नहीं करना पड़ेगा। ये शब्द उनके लिये चिर-परिचित होंगे।

इस तथ्य को ध्यान में रखकर शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्कालीन भाषा-निदेशक एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निदेशक श्रीमान् के० के० सेठी ने 1979 ई० में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अन्तर्गत गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के विद्वान् प्राचार्य डा० रमाकान्त त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में इसी विद्यापीठ के भाषानुभाग को यह कार्य सौंपा। भाषा-निदेशक ने यह ठीक ही अनुभव किया कि चूँकि पंजाब वैदिक भाषा एवं संस्कृति का मुख्य केन्द्र रहा है, अतएव सर्वप्रथम पंजाबी-भाषा से ही संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दों का संचयन करके इसके आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा पंजाबी-क्षेत्र में संस्कृत-शिक्षण का कार्य आरम्भ किया जाय। इसके लिये सर्वप्रथम श्री आर० एल० टर्नर प्रणीत "ए कम्परेटिव डिक्शनरी आफ इण्डो आर्यन लैंग्वेजेज", शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी वर्ड्स कामन टु अदर इण्डियन लैंग्वेजेज' का हिन्दी-पंजाबी-प्रखण्ड एवं "पंजाबी बोली" से शब्द-संकलन का कार्यविश्लेषण-सहित पृथक्-पृथक् शब्द-पत्रों पर किया गया। उक्त ग्रन्थों से लगभग तीन हजार शब्द संकलित किये जाने पर शब्द-पत्रों में पंजाबी शब्दों की गुरुमुखी लिपि, उनकी बारम्बारता तथा लिङ्गादि-व्याकरण-विश्लेषण और पंजाबी तथा संस्कृत-शब्दों की समानार्थता के

निश्चयन एवं प्रमाणीकरण को आवश्यक जानकर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्कालीन निदेशक श्रीसेठी महोदय ने संस्कृत एवं पंजाबी-भाषा के मर्मज्ञ विद्वानों, भाषाविदों एवं शिक्षाविदों की एक गोष्ठी आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की। गोष्ठी द्वारा कार्य एक मेज से उठकर देश के विभिन्न कोने से पधारे विद्वानों के समक्ष जाता है। इससे एक ओर जहाँ विद्वज्जनों के वैदुष्य का लाभ प्राप्त होता है, दूसरी ओर उक्त कार्य का प्रचार-प्रसार भी होता है।

उक्त कार्य के लिये भाषानुभाग की प्रथम 'पंजाबी-संस्कृत-कार्यगोष्ठी' दिनांक 15-3-80 से 20-3-80 की अवधि में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूतपूर्व संस्कृतविभागाध्यक्ष एवं वयोवृद्ध प्रोफेसर श्री साधुराम शास्त्री ने की थी। उक्त गोष्ठी के आदरी (आनरेरी) निदेशक डा० हरभजन सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आधुनिक भारतीय भाषा-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने गोष्ठी का उद्घाटन किया था। इस गोष्ठी में 3000 शब्द-पत्रों का वाचन एवं संशोधन-पुरस्सर प्रमाणीकरण किया गया। उक्त गोष्ठी के समापनसमारोह की अध्यक्षता दिल्ली वि० वि० के तत्कालीन कुलपति प्रो० उदित नारायण सिंह ने की थी। उस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य देते हुए लोक-सभाध्यक्ष चौधरी श्री बलराम जाखड़ ने कहा था कि संस्कृत देववाणी है और पंजाबी गुरुवाणी। अतएव संस्कृत-पंजाबी का भाषाशास्त्रीय तुलनात्मक अध्ययन एक ओर जहाँ राष्ट्र में भाषात्मक एवं भावात्मक एकता की दिशा में अत्यन्त उपादेय होगा, दूसरी ओर इसके आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा पंजाबी-क्षेत्र के लिये संस्कृत-शिक्षण सुकर हो सकेगा। लोक-सभाध्यक्ष ने उस समय सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर निराशा खेद प्रकट करते हुए कहा था कि योजनाएं प्रारम्भ तो होती हैं, किन्तु उनके परिणाम सामने नहीं आते। उनका यह उद्बोधन हमारे लिये सदा चुनौती का कार्य करता रहा।

इसी क्रम में द्वितीय कार्यगोष्ठी गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के परिसर में दि० 15-12-80 से दि० 20-12-80 की अवधि में सम्पन्न हुई। इस बीच भाषानुभाग ने पुनः 4500 शब्दों का संकलन कर लिया था। इस गोष्ठी में 4500 शब्दपत्रों की पूर्वरीति से समीक्षा की गयी तथा भाषानुभाग द्वारा निर्मित "पंजाबी-भाषा क्षेत्रीय संस्कृत-पाठ्यक्रम" के प्रारूप का प्रथम वाचन करके अपेक्षित संशोधन भी किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के गुरु नानक अध्ययन-विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रोफेसर डा० प्रीतमसिंह ने की थी। इस गोष्ठी के प्रतिभागी विद्वानों ने सुझाव दिया कि इस शब्दावली का संकलन-कार्य तब तक परिपूर्ण नहीं कहा जा सकता, जब तक भाषा-विभाग, पटियाला का 'पंजाबी-हिन्दी कोश', तथा भाई कान्ह सिंह के 'महान् कोश' से शब्द-संग्रह न कर लिये जायें।

इस गोष्ठी के तत्काल पश्चात् भाषानुभाग ने सर्वप्रथम "पंजाबी हिन्दी कोश" उपलब्ध करके पूर्व संकलित 7500 शब्दों के अतिरिक्त इस 'पंजाबी हिन्दी कोश' तथा 'भारतीय व्यवहार-कोश' से 4500 शब्दों का संकलन किया। इसी बीच भाई कान्ह सिंह का विश्रुत, किन्तु दुर्लभ 'महान् कोश' पुनः मुद्रित हो गया। इसके उपलब्ध होते ही इससे तथा 'पंजाबी इंग्लिश डिक्शनरी' से लगभग 4000 शब्दों का संकलन किया गया। 8500 नवनिर्मित शब्द-पत्रों के प्रमाणन एवं द्वितीय कार्य-गोष्ठी में

विकसित 'पंजाबी क्षेत्रीय संस्कृत-शिक्षण-पाठ्यक्रम' को अन्तिम रूप प्रदान करने के लिये गोष्ठियों की शृङ्खला में पंजाबी-संस्कृत-भाषाविदों एवं शिक्षाविदों की तृतीय कार्यगोष्ठी दि० 26-3-82 से 30-3-82 की अवधि में गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के परिसर में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यातिथि के रूप में आमन्त्रित शीर्षस्थ भाषाविद् प्रो० उदय नारायण तिवारी ने किया तथा अध्यक्षता वैयाकरण पं० भूपेन्द्रपति त्रिपाठी ने की (अब दोनों दिवंगत हो चुके हैं)। इस गोष्ठी के समापन-समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० उदित नारायण सिंह, तत्कालीन कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद पधारे थे तथा समारोह की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो० बाबूराम सक्सेना ने की थी। इस गोष्ठी में लगभग 4000 शब्द-पत्रों का प्रमाणन हो पाया तथा पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप प्रदान कर दिया गया। गोष्ठी के विद्वानों ने परामर्श दिया कि भाषानुभागी अधिकारी भी कतिपय दिवसों के लिये संयोजक आकर आवश्यकतानुसार पुस्तकालयों एवं विशेषज्ञों से परामर्श लेकर शेष कार्य पूरा करें। फिर गोष्ठी की आवश्यकता नहीं होगी।

तृतीय गोष्ठी के प्रस्तावानुसार भाषानुभाग के दोनों अधिकारियों ने मई, 1983 के द्वितीय सप्ताह में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के परिसर में रहकर डा० ओमप्रकाश वशिष्ठ एवं डा० अजमेर सिंह के सहयोग से शेष शब्द-पत्रों का प्रमाणन किया। इस प्रकार इस कोश में पंजाबी के संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक कुल 16000 शब्दों का संकलन-विश्लेषण पुरस्सर किया गया है। यह कहना सर्वथा अनुपयुक्त होगा कि पंजाबी में संस्कृत-मूलक समानार्थी शब्द मात्र इतने ही हैं। यदि पंजाबी की समस्त प्राचीन एवं आधुनिक तथा लिखित एवं अलिखित बोल-चाल के साहित्य एवं भाषा से शब्द-संकलन किये जायें तो निश्चय ही अच्छी खासी संख्या में संस्कृतमूलक समानार्थक शब्द प्राप्त होंगे।

3. व्यवस्था (Arrangement)

अभिधान

प्रस्तुत ग्रन्थ का नाम 'पंजाबी-संस्कृत-शब्दकोश' (Punjabi Sanskrit Glossary) रखा गया है। यहाँ यह शंका स्वाभाविक है कि 'शब्दकोश' के लिये अंग्रेजी में प्रचलित शब्द 'डिक्शनरी' (Dictionary) है। फिर शब्दकोश के लिये अंग्रेजी अभिधान में "ग्लॉसरी" शब्द का प्रयोग किस उद्देश्य से किया गया? अथवा यदि इस कोश के आंग्लभाषीय अभिधान "Punjabi Sanskrit Glossary" को आधार मानकर विचार किया जाय तो भी शंका की गुंजाइश रहेगी ही। अंग्रेजी के 'ग्लॉसरी' का रूपान्तर है—'शब्दावली', 'शब्द-संग्रह' 'शब्द-संकलन' इत्यादि। फिर क्यों नहीं हिन्दी अभिधान में 'शब्दकोश' के स्थान पर 'शब्दावली' 'शब्द-संग्रह' अथवा 'शब्द-संकलन' रखा गया? तथ्य यह है कि उपर्युक्त दोनों विकल्पों में किसी एक विकल्प को स्वीकार कर लेने पर हमारी बात नहीं बनती। प्रस्तुत ग्रन्थ न तो सम्पूर्णतया 'शब्दकोश' है और न ही 'ग्लॉसरी'। 'शब्दकोश' में सामान्यतया अकारादि क्रम से शब्द, शब्दों का उच्चारण, उनकी निरुक्ति तथा व्याकृतियाँ, उनके विभिन्न अर्थ, उनके पर्याय और विपर्याय तथा उनसे सम्बद्ध विभिन्न प्रयोग भी दिये गये होते हैं। इसके अन्तर्गत उस भाषा के शब्दों के सम्बन्ध में सम्पूर्ण सूचनाएँ दी गयी हो सकती हैं अथवा सूचनाओं का केवल एक भाग भी दिया गया हो सकता है। किन्तु इस कोश में ऐसा नहीं है। यहाँ शब्दों

के प्राय: दो अथवा तीन ही अर्थ दिये गये हैं। शब्दों के पर्याय एवं विपर्याय तथा शब्दों से सम्बद्ध विभिन्न प्रयोगों का इसमें अविकलतया अभाव है। पुनश्च पंजाबी भाषा के असंख्य शब्दों को इसमें स्थान भी नहीं प्राप्त हुआ है। अतएव इस कोश की तुलना दैनिक व्यवहार में प्रचलित सामान्य कोशों से नहीं की जा सकती। इसे 'ग्लॉसरी' मात्र कहना भी समुचित नहीं है, क्योंकि 'ग्लॉसरी' में अकारादि क्रम से शब्द तो दिये गये होते हैं, किन्तु शब्दकोश के समान इन शब्दों से सम्बद्ध अनेक सूचनाएँ नहीं दी गयी होती हैं। ग्लॉसरी प्राय: ग्रन्थान्त में दी जाती है। किन्तु इस कोश में शब्दों के संग्रह के अतिरिक्त ध्वन्यङ्कन, व्याकरणिक टिप्पणियाँ एवं अर्थ भी दिये गये हैं। यह सब 'ग्लॉसरी' में नहीं होता। अतएव इस कोश के लिये 'ग्लॉसरी' अभिधान भी समुचित नहीं है। इसका एक कारण यह भी है कि इसमें शब्दों का संकलन न तो सामान्यतया प्रचलित कोशों के अनुसार किया गया है और न ही 'ग्लॉसरी' में संगृहीत शब्दावली के समान। वस्तुत: इसे पंजाबी-संस्कृत-शब्दों का 'विशिष्ट कोश' कहना अधिक उपयुक्त होगा। विशिष्टता का आधार यह है कि इस कोश में पंजाबी भाषा के उन्हीं शब्दों को स्थान दिया गया है, जो संस्कृत-भाषा से विकसित होकर पंजाबी में आये हैं तथा जिन्होंने अपने में संस्कृत के अर्थ आज भी सुरक्षित रखे हैं। तात्पर्य यह है कि इस शब्दकोश में उन्हीं शब्दों का संचयन किया गया है, जो पंजाबी तथा संस्कृत में ध्वनि एवं अर्थ की दृष्टि से समान हैं। इस कोश में पंजाबी-भाषा के वे समग्र शब्द छोड़ दिये गये हैं, जिनका विकास संस्कृत से न होकर किसी अन्य भाषा से हुआ है अथवा वे शब्द देशज हैं। इसमें उन शब्दों का भी संग्रह नहीं किया गया है, जिनका अर्थ पंजाबी तथा संस्कृत-भाषा में असमान हो। इस कोश की एक विशिष्टता यह भी है कि इसमें नागरी तथा रोमन लिपि में शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है।

अनुक्रम

इस कोश में संगृहीत शब्दावली का प्रारम्भ गुरुमुखी लिपि में निबद्ध पंजाबी-शब्दों से होता है। चूंकि पंजाबी-भाषा के शब्दों को आधार मानकर इनके संस्कृत-मूल तक पहुँचने का प्रयास किया गया है, अतएव कोश का आरम्भ पंजाबी-शब्दों से होना स्वाभाविक था। इस प्रकार के कोशों की प्रक्रिया भी यही होती है। अनेक विवरणों के साथ गुरुवाणी से देववाणी तक पहुँचने का यह प्रथम प्रयास है, यह विनम्रतापूर्वक कहा जा सकता है।

कोश के विवेच्य इन प्रमुख शब्दों (Catch words) के पश्चात् नागरी तथा रोमन लिपि में इन शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है। पंजाबी-शब्दों के उच्चारणों का दो लिपियों में ध्वन्यङ्कन देने के मूल में यह उद्देश्य रहा है कि इस कोश का विपुल प्रसार हो सके तथा इसके पाठकों की संख्या में पर्याप्त अभिवृद्धि हो सके। "यथावत् ध्वन्यङ्कन का प्रयास किया गया है"—यह व्याख्या-सापेक्ष है। कोश में वस्तुत: किसी भी भाषा के शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन करना दुस्तर कार्य होता है। कारण, एक ही शब्द प्रदेश-भिन्नता एवं वक्तृ-भिन्नता के कारण भिन्न-भिन्न रूप से उच्चारित होता है। कोश में इन समस्त भिन्न उच्चारणों का ध्वन्यङ्कन असम्भव है। अतएव कोशों में उनके मानक उच्चारण का ही ध्वन्यङ्कन किया जाता है। ध्वन्यङ्कन की यह कठिनाई तब और भी बढ़ जाती है, जब किसी भाषा-विशेष की लिपि में न दिया जाकर भाषान्तर की लिपि में दिया जाता है। इसका कारण यह है कि भाषा-विशेष के सभी वर्णों के लिये भाषान्तर में न तो पर्यायवाची वर्ण होते

हैं और न ही ध्वनि-संकेत । प्रत्येक लिपि जिस भाषा के लिये निर्मित होती है, उसी भाषा की समस्त ध्वनियों को व्यक्त करने में अक्षम होती है, फिर अन्य भाषा की ध्वनियों की अभिव्यक्ति की बात तो दूर ही है । बोलने और लिखने में समन्वय का दावा करना धृष्टता है । एक उदाहरण—संस्कृत में 'घर' शब्द का उच्चारण पंजाबी में अन्य प्रकार से होता है । पंजाबी में 'घर' की 'घ' ध्वनि 'क' और 'ग' के बीच की मिश्रित ध्वनि-जैसी उच्चारित होगी । इसका ध्वनि-संकेत कुछ (क ह्र् र) ऐसा होगा । पंजाबी के 'भगवान' और 'भाभी' आदि शब्दों का उच्चारण भी इसी प्रकार होगा । पंजाबी-भाषा में शब्द के प्रारम्भ में किसी वर्ग का सघोष महाप्राण वर्ण आने पर उसका उच्चारण अघोष अल्पमहाप्राण की तरह होकर उस पर अधिक बल दिया जाता है ।

ध्वन्यङ्कन की इसी कठिनाई को दृष्टि में रखकर कतिपय कोशकारों ने शब्दों का लिप्यन्तरण-मात्र करके छोड़ दिया है । इससे पाठक अथवा भाषा सीखने वालों में अशुद्ध उच्चारण का अभ्यास बढ़ता जा रहा है । "अकरणात् मन्दकरणं श्रेयः" इस सदुक्ति का अवलम्ब लेकर प्रस्तुत कोश में यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है । हमारा तो यह भी उद्देश्य है कि पंजाबीतर पाठक भी पंजाबी भाषा के शब्दों का सही उच्चारण सीख सकें । सम्भव है, इस प्रसङ्ग में अनेक स्थलों पर त्रुटियाँ रह गयी हों, सुधी पाठक क्षमा करेंगे ।

ध्वन्यङ्कन के पश्चात् कोष्ठक में कहीं तो [1], कहीं [2], तथा कहीं [3] संख्या दर्शायी गयी है । कोष्ठकों के अन्दर की ये संख्यायें पंजाबी-भाषा में प्रयोग तथा प्रचलन के आधार पर तत्तत् शब्दों की बारम्बारता (Frequency) को सूचित करती हैं । बारम्बारता का निर्धारण केवल पंजाबी भाषा के शब्दों का ही किया गया है । पंजाबी-भाषा में कम प्रचलित शब्दों को संख्या [1] से, प्रचलित शब्दों को [2] से तथा अतिप्रचलित शब्दों को [3] से दर्शाया गया है । परिशिष्ट भाग के शब्दों के आगे कोई भी कोष्ठक नहीं है । इसका कारण यह है कि परिशिष्टगत शब्दों की बारम्बारता के विषय में विद्वानों में मतभेद है । इस प्रसङ्ग में कुछ विद्वान् कट्टरवादी हैं जिनका कथन है कि परिशिष्टगत ये सभी शब्द वर्तमान पंजाबी में बिल्कुल अप्रचलित हैं । इनका प्रचलन शून्य की कोटि का है । अतएव कोश के सन्दर्भ में इन पर विचार करना तथा इन्हें कोश में स्थान देना व्यर्थ है । किन्तु विद्वानों का एक वृन्द उदारवादी है जिसका दृष्टिकोण है कि अनुभव के आधार पर यह कथन सर्वथा तथ्यरहित है कि इन शब्दों का प्रचलन अब पंजाबी में नहीं होता । ऐसा दावा कोई कर भी नहीं सकता; क्योंकि पंजाबी-भाषा की आज कई बोलियाँ हैं । बहुत सम्भव है, किसी-न-किसी बोली में इनका प्रचलन अब भी होता हो । थोड़ी देर के लिये यह स्वीकार भी कर लिया जाय कि पंजाबी की किसी भी बोली में इन शब्दों का प्रयोग अब नहीं होता, तो भी यह निर्विवाद है कि कोशों तथा साहित्यिक-धार्मिक ग्रन्थों में इनका प्रयोग हुआ है तथा इनका अध्ययन-मनन अब भी होता है । अतएव बारम्बारता की दृष्टि से इनको शून्य कोटि में रखना तर्कसङ्गत नहीं प्रतीत होता है ।

इन दो विरुद्ध मतों में समन्वय कैसे किया जाय ? वास्तव में दोनों ही मतों में बल है । दोनों ही मतों का अपना-अपना पुष्ट आधार है । निरवधि काल एवं विपुल पृथ्वी को दृष्टि में रखकर यह कहना समुचित प्रतीत नहीं होता कि अमुकामुक शब्दों का प्रचलन अब नहीं होता । पूरी-की-पूरी हिब्रू भाषा एक युग के अन्तराल के बाद भी जब प्रचलन में आ सकती है, तो फिर शब्दों का क्या कहना ?

अतएव प्रयोग की दृष्टि से शून्य कोटि का होने पर भी अमुकामुक शब्द शब्दकोश की सम्पत्ति होने में बाधक नहीं है और जहाँ तक भाषाशास्त्रीय आधार पर भाषा विकास का प्रश्न है यह सत्य है कि परिशिष्टगत पंजाबी-शब्द संस्कृत-भाषा से विकसित है। अतएव ये इस कोश की सम्पदा होने के अधिकारी है।

यहाँ यह कह देना अत्यन्त प्रासङ्गिक होगा कि बारम्बारता के निर्धारण के लिये यहाँ कोई निर्धारित वैज्ञानिक प्रक्रिया नहीं अपनायी गयी है। यहाँ बारम्बारता का निर्धारण वस्तुनिष्ठ न होकर व्यक्तिनिष्ठ है। वैज्ञानिक प्रक्रिया के अनुसार इन समस्त शब्दों के बारम्बारता-निर्धारण में अपार समय अपेक्षित था और तब यह कोश अधिक विलम्ब से प्रकाशित होता। बारम्बारता का निर्धारण इस प्रसङ्ग मे आयोजित गोष्ठियों में भाग लेने वाले पंजाबी-विद्वानों ने किया है।

बारम्बारता के पश्चात् पंजाबी-शब्दों की व्याकरणिक टिप्पणियाँ दी गई हैं। इन शब्दो के संज्ञा (नाम) होने पर पुंल्लिग अथवा स्त्रीलिङ्ग के संकेताक्षर 'पुं०' अथवा 'स्त्री०' से, सर्वनाम होने पर 'सर्व०' से, विशेषण होने पर 'वि०' से, अव्यय होने पर 'अ०' से तथा क्रिया-विशेषण होने पर 'क्रि० वि०' में दर्शाया गया है। शब्दों के क्रिया होने पर उनको सकर्मक अथवा अकर्मक के संकेताक्षर 'सक० क्रि०' अथवा 'अक० क्रि०' से दिखाया गया है। पंजाबी की कोई क्रिया यदि संस्कृत के किसी सिद्ध क्रियापद से विकसित हुई है, तो उसके वर्तमान-कालिक होने पर 'वर्त०', भूतकालिक होने पर 'भूत०' और भविष्यत्कालिक होने पर 'भवि०' से निर्दिष्ट किया गया है। यथा—

> वसेंगा वससि Vasasi भवि० अक० क्रि०
> वत्स्यसि (भ्वादि अक० लृट्) रहेगा, निवास करेगा।

पंजाबी-शब्दों के सामने की सूचनाएँ यहीं समाप्त होती हैं। पंजाबी-शब्दों का यह विश्लेषण अधिकांशतया एक ही पंक्ति में समाप्त हो गया है, किन्तु कहीं-कहीं दो पंक्तियों तक भी चला गया है।

पंजाबी-शब्दों के विश्लेषण के अनन्तर द्वितीय पंक्ति से संस्कृत-शब्दों का विश्लेषण आरम्भ होता है। संस्कृत-भाषा के जिस मूल शब्द से पंजाबी-शब्द का विकास हुआ है, उस संस्कृत-मूल को काले-मोटे अक्षरों से दिखलाया गया है। यहाँ ध्यातव्य है कि संस्कृत-शब्दों के संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम अथवा अव्यय होने पर इनका प्रातिपदिक (मूल शब्द) रूप ही दिया गया है, न कि पद। यथा—'ਊਠ' को 'उष्ट्र' से विकसित दिखलाया गया है, न कि पद 'उष्ट्रः' से। हाँ, पंजाबी-क्रियाओं के विकास को दिखलाने के लिए संस्कृत की मूल धातु से न दिखलाकर उस धातु के वर्तमान कालिक (लट् लकार) प्रथम पुरुष के एक वचन के रूप में दिखलाना समुचित समझा गया। यथा, पंजाबी के 'ਉੱਕਰਨਾ' को संस्कृत की उत्-उपसर्ग सहित कृ-धातु के लट्-लकार प्रथम पुरुष एकवचन के रूप 'उत्किरति' से विकसित दिखलाया गया है। पंजाबी-क्रियाओं के विकास को दिखलाने की यही प्रक्रिया इस कोश में आसर्वत्र अपनायी गयी है। इस पद्धति से दोनों ही भाषाओं की क्रियाओं का साम्य-बोध अटिलि हो जाता है। इस पद्धति से क्रिया आत्मनेपद की है अथवा परस्मैपद की—इसका भी ज्ञान तत्काल हो जाता है। इस कोश के अन्तर्गत पंजाबी की जितनी भी क्रियायें संगृहीत की गयी हैं, सभी प्रत्ययान्त हैं। अतएव इनका संस्कृत-मूल भी प्रत्ययान्त ही दिया गया है। यदि पंजाबी-क्रियाओं का संस्कृत-मूल केवल धातु का निर्देश-मात्र करके दिखलाया जाता, तो कई विसंगतियों के उत्पन्न होने की संभावनाएं थीं। महान् कोशकार आर० एस० टर्नर ने भी अपने कोश में यही प्रक्रिया को अपनाया है।

संस्कृत-शब्दों के आगे कोष्ठकों में पंजाबी-शब्दों के समान ही उनकी व्याकरणिक टिप्पणियाँ दी गयी हैं। संस्कृत-शब्दों के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय या क्रिया-विशेषण होने पर पंजाबी शब्दों के समान ही संकेताक्षरों का प्रयोग किया गया है। किन्तु क्रिया होने पर कोष्ठक में उस धातु के गण-निर्देश के साथ-साथ धातु के सकर्मक होने पर 'सक०' तथा अकर्मक होने पर 'अक०' से निर्देश किया गया है। यदि यह धातु प्रेरणार्थक है तो इसका 'प्रेर०' से उल्लेख किया गया है। किन्तु पंजाबी-क्रिया के संस्कृत के सिद्ध क्रिया-पद से विकास की स्थिति में संस्कृत-शब्दों के आगे कोष्ठकों में लकार एवं वचन का निर्देश किया गया है। यथा—

ਲਖਮ लखाम् Lakham सक० वर्त० क्रि०
लक्षयामि (चुरादि लट् उ० पु० सक०) मैं देखता हूँ; मैं जानता हूँ।

इसके पश्चात् शब्दार्थों की बारी आती है। यह पहले ही कहा गया है कि इस शब्द-कोश में पंजाबी-भाषा से उन्हीं शब्दों का संचयन कर विश्लेषण किया गया है, जो पंजाबी तथा संस्कृत में अर्थ की दृष्टि से समान हैं। इस दृष्टि से संस्कृत-शब्दों के आगे जितने भी अर्थ दिये गये हैं, वे पंजाबी तथा संस्कृत—दोनों भाषाओं में समानार्थी हैं। हाँ, यह तथ्य पृथक् है कि यत्र-तत्र किसी-किसी शब्द का यदि संस्कृत में अर्थ-विस्तार हुआ है, तो पंजाबी में अर्थ-संकोच और यदि पंजाबी में अर्थ-विस्तार हुआ है तो संस्कृत में अर्थ-संकोच, पर मूलार्थ (अभिधार्थ) उभयत्र समान है। जहाँ एक ही शब्द के दो-तीन भिन्न अर्थ देने की आवश्यकता पड़ी है, वहाँ सेमीकोलन से उन भिन्न अर्थों को दिखलाया गया है। पर्याय देने पर अर्ध विराम (कॉमा) का प्रयोग किया गया है।

संस्कृत-शब्दों के आगे जितने भी अर्थ दिये गये हैं तथा उनको व्यक्त करने वाले शब्दों में जो भी शब्द ध्वनि-साम्य की दृष्टि से संस्कृत-शब्द के समीप है, उसको अर्थों की शृंखला में सर्वप्रथम स्थान दिया गया है। यथा, पंजाबी 'ਉਠਾਣ' के लिये संस्कृत 'उत्थान' के अर्थाभिव्यञ्जक शब्दों में 'उठान' ध्वनि की दृष्टि से संस्कृत 'उत्थान' के अधिक समीप है, 'उन्नति' आदि शब्द दूर चले गये हैं। अतएव 'उठान' को सबसे पहले रखा गया है। यही रीति सर्वत्र अपनायी गयी है।

प्रस्तुत कोश में कहीं-कहीं मुख्य शब्द (catch word) के ऊपर 1, 2, 3, या 4 की संख्याएँ दर्शायी गयी हैं। ऐसा विशेष स्थिति में ही करना पड़ा है। जब पंजाबी के एक या अनेक शब्द वर्तनी एवं उच्चारण की दृष्टि से तो समान रहे हैं, किन्तु अर्थ-भिन्नता के कारण उनका संस्कृत-मूल भी भिन्न रहे हों, तभी उनको इन संख्याओं से निर्दिष्ट करना पड़ा है। यथा—ਊਠ। पंजाबी में 'ਊਠ'— का विकास 'ऊँट' के अर्थ में संस्कृत के 'उष्ट्र' शब्द से हुआ है, किन्तु 'होंठ' के अर्थ में इसका संस्कृत-मूल 'ओष्ठ' है। अतएव संस्कृत-मूल की भिन्नता के कारण एक ही शब्द का उल्लेख कई बार करना पड़ा है।

व्यवस्था की दृष्टि से विचारणीय है शब्दों का क्रम। प्रस्तुत कोश में शब्दों का क्रम पंजाबी की वर्णमाला के क्रमानुसार रखा गया है। पंजाबी-वर्णमाला का क्रम इस प्रकार है—

स्वर

ਉ ਊ ਓ ਅ ਆ ਐ ਅ ਔ ਇ ਈ ਏ

व्यञ्जन

ਸ	ਸ	ਹ		
ਕ	ਖ	ਗ	ਘ	ਙ
ਚ	ਛ	ਜ	ਝ	ਞ
ਟ	ਠ	ਡ	ਢ	ਣ
ਤ	ਥ	ਦ	ਧ	ਨ
ਪ	ਫ	ਬ	ਭ	ਮ
ਯ	ਰ	ਲ	ੜ	

पंजाबी के स्वरादि शब्दों में सर्वप्रथम ੳ से आरंभ होने वाले शब्दों को रखा गया है, अनन्तर ਅ, ੲ आदि स्वरों से आरंभ होने वाले शब्दों को; क्योंकि पंजाबी की स्वर-माला में ੳ ही आदि स्वर है। इसी प्रकार व्यंजनादि शब्दों में सर्वप्रथम ਸ-ਹ से आरंभ होने वाले शब्दों को रखा गया है, बाद में ਕ, ਖ आदि व्यंजनों से आरंभ होने वाले शब्दों को; क्योंकि पंजाबी की व्यंजन-माला में सर्वप्रथम स्थान ਸ का ही है।

यहाँ ध्यातव्य है कि स्वर से प्रारम्भ होने वाले शब्दों का क्रम तो पंजाबी-वर्णमाला के स्वरों के क्रमानुसार ही रखा गया है, किन्तु व्यंजन के साथ संयुक्त होने पर स्वरों का क्रम देवनागरी वर्णमाला के स्वरों के क्रमानुसार रखा गया है। इस स्थिति में व्यंजन-संयुक्त स्वरों का क्रम होगा— ਸ, ਸਾ, ਸਿ··· ਸੰ। जो व्यंजन स्वर-रहित हैं, उनको सबसे अन्त में स्थान प्राप्त हुआ है। तात्पर्य है कि ਸ, ਸਾ, ਸਿ···· ਸੰ की समाप्ति के पश्चात् ही स्वर-रहित व्यंजन आये हैं। यथा—स्थ, स्न आदि। पंजाबी-भाषा के सुप्रसिद्ध कोश 'महान् कोश' में भी उपर्युक्त क्रम ही अपनाया गया है।

4. आभार (Gratitude)

कोश-निर्माण के इस दीर्घ अन्तराल में अनेक विद्वज्जनों का योगदान रहा है। हम सबके हृदय से आभारी हैं। उनमें कुछ लोगों का नामतः स्मरण करना हम अपना पावन कर्त्तव्य समझते हैं। इस क्रम में सर्वप्रथम उन शब्दकोशों अथवा शब्दावलियों के विद्वान् सम्पादकों एवं लेखकों के प्रति हम अपनी अखण्ड श्रद्धा अर्पित करते हैं, जिनसे हमने इस कोश में पंजाबी के शब्दों का संचयन किया है। इस प्रसङ्ग में शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी वर्ड्स कामन टू अदर-इण्डियन लैंग्वेजेज' का हिन्दी-पंजाबी-प्रखण्ड, श्रीयुत आर० एल० टर्नर प्रणीत 'ए कम्परेटिव डिक्शनरी ऑफ इण्डो आर्यन लैंग्वेजेज, 'सबकी बोली', श्रीविश्वनाथ दिनकर नरवणे द्वारा रचित 'भारतीय व्यवहार-कोश,' भाई काह्न सिंह द्वारा सम्पादित 'महान् कोश,' भाषा-विभाग पटियाला का 'पंजाबी-हिन्दी कोश' तथा 'पंजाबी-इंग्लिश डिक्शनरी' विशेषतः उल्लेखनीय है। कोशों की शृङ्खला में स्व० चतुर्वेदी द्वारका प्रसाद शर्मा तथा पण्डित तारिणीश झा द्वारा सम्पादित 'संस्कृत-शब्दार्थ कौस्तुभ' तथा सर मोनियर विलियम द्वारा प्रणीत 'संस्कृत-इंग्लिश डिक्शनरी' एवं डा० हरदेव बाहरी का 'बृहद् अंग्रेजी-हिन्दी कोश' भी नितान्त उल्लेखनीय है, जिनसे अर्थों के निर्धारण एवं अनेकानेक शंकाओं के समाधान में प्रचुर सहायता प्राप्त हुई है। सिद्धान्त-ग्रन्थों में भट्टोजिदीक्षित द्वारा रचित 'सिद्धान्त कौमुदी' ने हमारी अनेकानेक गुत्थियाँ सुलझाई हैं।

क्षेत्रीय भाषाओं की शब्दावलियों के आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा संस्कृत-शिक्षण की इस योजना की मूल संकल्पना एवं कार्यान्वयन का सम्पूर्ण श्रेय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्कालीन निदेशक एवं शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार के भाषा-निदेशक श्रीयुत केवल कृष्ण सेठी, आई० ए० एस० को जाता है, जिन्होंने न केवल यह योजना दी, अपितु भाषानुभाग द्वारा विकसित शब्द-पत्रों में उल्लिखित तथ्यों के प्रमाणन-हेतु गोष्ठी आयोजित करने की संस्वीकृति भी प्रदान की, जिसके अभाव में यह कोश सम्भवतः पूरा नहीं होता। जब तक संस्थान से उनका सम्बन्ध रहा, तब तक इस योजना के विषय में औपचारिक पत्राचार, दूरभाष अथवा अन्यान्य प्रकार से हमें उनकी प्रेरणा तथा उत्साह प्राप्त होता रहा। संस्थान से उनका औपचारिक सम्बन्ध छूट जाने पर भी अनौपचारिक रूप से इस योजना के सम्बन्ध में वे जिज्ञासा करते रहे। उनके प्रति आभार के टकसाली दो शब्द कहकर यदि मैं हृदय-संभार को कुछ कम करना चाहूँ, तो छल के अतिरिक्त कुछ नहीं होगा। उनके प्रति हमारी असीम श्रद्धा विनयावनत है।

पूर्वचर्चित गोष्ठीत्रय में मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष के रूप में पधारे गणमान्य विद्वानों एवं मनीषियों, जिनका नामतः उल्लेख हम पिछले पृष्ठों में कर आये हैं, का अनुग्रह हम हृदय से स्वीकार करते हैं, जिनका उद्बोधन तथा अनुप्रेरण-भाषण हमें सर्वदा अनुप्रेरित करता रहा और हम आगे बढ़ते रहे। इन गोष्ठियों में देश के कोने-कोने से प्रतिभागी के रूप में समागत विद्वज्जनों के अमूल्य परामर्श, सुझाव एवं सहयोग सदा-सदा स्मृत होते रहेंगे। इन सब के प्रति हम हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। अस्थानीय प्रतिभागियों में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के 'पंजाबी इंग्लिश डिक्शनरी विभाग' से पधारे शब्दकोश-विज्ञान के दो विशेषज्ञों—डा० ओम प्रकाश वशिष्ठ, रीडर तथा डा० अजमेर सिंह, प्रवक्ता का नामतः उल्लेख करना चाहूँगा, जिनके अमूल्य सुझाव एवं सहयोग से, वास्तव में, यह ग्रन्थ शब्दावली के धरातल से उन्नीत होकर कोश की समीपता का संस्पर्श कर सका है। इन विद्वानों ने पंजाबी-शब्दों के ध्वन्यङ्कन, बारम्बारता तथा लिङ्गादि-निर्धारण में पर्याप्त सहायता प्रदान की है। हम इनके आभार-भार से संकुचित रहने में ही गौरव का अनुभव करते हैं। अस्थानीय प्रतिभागियों में ही श्री विद्यानिधि पाण्डेय तथा श्री श्रीकृष्ण सेमवाल के नाम सहसा मानस-पटल पर आ जाते हैं, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित प्रथम गोष्ठी के आयोजन में अनेकानेक निःस्वार्थ सेवाएँ अर्पित कीं। स्थानीय प्रतिभागियों में भाषा एवं शिक्षा के मर्मज्ञ श्रीमान् महावीर-प्रसाद लखेड़ा, जो अब संसार में नहीं है, का नाम भी निःसङ्कोच उल्लिखित करना चाहूँगा, जिनके औपचारिक-अनौपचारिक छोटे-बड़े सुझाव एवं अवदान इस कोश को अत्यन्त सहज भाव से निरन्तर प्राप्त होते रहे हैं। सौ पाठों में सौ शिक्षण-बिन्दुओं द्वारा संस्कृत-शिक्षण की कल्पना इन्हीं के मस्तिष्क की उद्भावना है। कोश एवं पाठ्यक्रम के प्रति स्व० लखेड़ा के समस्त अवदान के प्रति हम हृदय से आभारी हैं। स्थानीय व्यक्तियों में ही आदरणीय डा० हरदेव बाहरी के प्रति हम सप्रश्रयावनत हैं, जिन्होंने इस कोश की रूपरेखा तैयार करने तथा पंजाबी विद्वानों के नाम सुझाने में हमारी सहायता की है। इसी क्रम में खालसा इण्टर कालेज, इलाहाबाद की प्राध्यापिका श्रीमती अमरजीत कौर सोढ़ी साधुवादार्ह हैं, जिन्होंने पंजाबी-शब्दों के व्याकरण-सम्बन्धी बिन्दुओं का पुनरीक्षण अत्यन्त सहज भाव से सम्पन्न किया।

कोई भी योजना कुशल निर्देशन एवं उदार शासन के सद्भाव में ही समुचित परिणाम देती

है। अन्यथा 'विनायकं प्रकुर्वाणो रचयामास वानरम्' के समान हास्यास्पद हो जाती है। सौभाग्य से इस योजना को इस विद्यापीठ के विद्वान् प्राचार्य डा० गयाचरण त्रिपाठी के कुशल निर्देशन एवं उदार संरक्षण—दोनों ही निरन्तर प्राप्त होते रहे। डा० त्रिपाठी चूँकि पौरस्त्य एवं पाश्चात्य—अनेक भाषाओं के अधिकारी विद्वान् हैं और साथ ही भाषा-शास्त्र में इनकी गम्भीर पैठ भी है। अतएव इनके वैदुष्य का अनायास लाभ इस कोश को क्षण-क्षण मिला है। राजकीय बन्धन को जितना भी शिथिल किया जा सकता था, शिथिल करके उन्होंने इस कोश के निर्माण के लिये अवसर जुटाये हैं। उनके प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन के दो शब्द कहकर इस सम्पूर्ण योजना के प्रति उनकी सहज आत्मीयता एवं भाषानुभाग के प्रति स्नेहसिक्त अनुग्रह का अवमूल्यन करने का दुःसाहस मुझमें नहीं है।

संस्थान के भूतपूर्व निदेशक आदरणीय डा० रामकरण शर्मा ने कोश-निर्माण में पदे-पदे प्रोत्साहन दिया है तथा वर्तमान निदेशक माननीय डा० मण्डन मिश्र ने इस कोश के प्रकाशन की संस्वीकृति अत्यन्त सहज भाव से प्रदान कर हमारा अत्यधिक उत्साह-वर्द्धन किया है। हम इन विद्वानों के प्रति सम्प्रश्रयावनत हैं।

स्व-स्व कर्म में निरत रहते हुए भी अपने सुहृद्वर सर्वश्री डा० किशोरनाथ झा प्रवाचक, डा० राघवप्रसाद चौधरी प्रवक्ता, डा० जगन्नाथ पाठक प्रवक्ता तथा सुश्री अर्चना चतुर्वेदी शोधसहायिका ने कोश के निर्माण में अनेक प्रकार की सेवाएं अर्पित की हैं। सम्प्रति डा० पाठक, रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू में प्राचार्य तथा डा० चौधरी शिक्षा-विभाग के अध्यक्ष हैं। हम इनके अत्यन्त आभारी हैं। पुस्तकालयीय नियमों को ढीला करके आवश्यकतानुसार कोश एवं सिद्धान्त-ग्रन्थों को उपलब्ध कराने के लिए सामान्यतया पुस्तकालय के समस्त कर्मचारी और विशेषतया श्री सूरजबहादुर वर्मा, श्री रामानन्द थपलियाल, श्री अनिलकुमार सिंह तथा श्री ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव धन्यवादार्ह हैं।

श्रम एवं सावधानी से कोश-मुद्रण-हेतु शाकुन्तल मुद्रणालय के प्रबन्धक श्री उपेन्द्र त्रिपाठी को धन्यवाद दिये बिना रह नहीं सकता।

भाषानुभाग
गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद

शिवकुमार मिश्र
अध्यक्ष

संकेताक्षर-सूची

अ०	अव्यय
अक०	अकर्मक
आज्ञा०	आज्ञार्थक
ए०	एकवचन
उ०	उत्तम
कर्मवा०	कर्मवाच्य
क्रि०	क्रिया
द्र०	द्रष्टव्य
नपुं०	नपुंसकलिङ्ग
पु०	पुरुष
पुं०	पुल्लिङ्ग
प्र०	प्रथम
प्रेर०	प्रेरणार्थक
ब०	बहुवचन
भवि०	भविष्यत्
भाव०	भाववाच्य
भूत०	भूतकाल
भा० सं०	भाववाचक संज्ञा
म०	मध्यम
व०	वचन
वर्त०	वर्तमान
वि०	विशेषण
सक०	सकर्मक
सप्त०	सप्तम्यन्त
स्त्री०	स्त्रीलिङ्ग

पंजाबी-संस्कृत शब्दकोश

(PUNJABI-SANSKRIT GLOSSARY)

ੳ

ਉਆ[1] उआ Uā [1] सर्व०
अदस् >असौ (सर्व०) उस, वह शब्द की विकृति जिसका 'ने' 'को' इत्यादि विभक्ति के साथ ही प्रयोग होता है।

ਉਆ[2] उआ Uā [3] अ०
ओह (अ०) ओह, विस्मय या कष्ट अथवा विषाद सूचक शब्द।

ਉਇ उइ Ui [3] सर्व०
अदस् (सर्व०) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का बोधक शब्द।

ਉਈ उई Ui [3] अ०
ओह (अ०) ओह, पीड़ा-सूचक शब्द।

ਉਸ उस् Us [3] सर्व०
अदस् >असौ (सर्व०) वह, उसने, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु।

ਉਸਕਣਾ[1] उस्कणा Uskaṇā [3] अक० क्रि०
उच्छ्वसिति (अदादि अक०) उच्छ्वास लेना; उसाँस भरना, लम्बी साँसे लेना।

ਉਸਕਣਾ[2] उस्कणा Uskaṇā [3] अक० क्रि०
उत्कर्षति (भ्वादि अक०) उभरना, ऊपर उठना।

ਉਸਟ[1] उसट् Usaṭ [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉਸਟ[2] उसट् Usaṭ [3] पुं०
ओष्ठ (पुं०) ओठ, होठ।

ਉਸ਼ਟ उषट् Uṣaṭ [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉਸਟਨ उस्टन् Usṭan [3] पुं०
उत्सर्जन (उत्सृष्ट) (नपुं०) धोने का भाव, छाँटने का भाव; त्याग।

ਉਸਟਰ उस्टर् Usṭar [1] पुं०
द्र०—ਉਸਟ[1]।

ਉਸਟੰਡ[1] उस्टण्ड् Usṭaṇḍ [3] पुं०
उषितान्ध्य (नपुं०) अन्धेरे में बैठने की क्रिया या भाव; बिना विचारे किसी काम को करने का हठ; उपद्रव; निन्दा; झगड़ा।

ਉਸਟੰਡ[2] उस्टण्ड् Ustaṇḍ [3] वि०
उच्चण्ड (वि०) बड़ा क्रोधी ।

ਉਸਟ੍ਰ उसट्र Ustra [1] (पुं०)
द्र०—ਉਸਟ[1] ।

ਉਸਟ੍ਰੀ[1] उसट्री Ustrī [1] वि०
उष्ट्रीय (वि०) ऊँट से संबन्धित ।

ਉਸਟ੍ਰੀ[2] उसट्री Ustrī [1] स्त्री०
उष्ट्री (स्त्री०) ऊँटनी, ऊँट की मादा ।

ਉਸਤਤ उस्तत् Ustat [3] स्त्री०
स्तुति (स्त्री०) स्तुति; प्रशंसा, तारीफ ।

ਉਸਤਤਿ उस्तति Ustati [3] स्त्री०
द्र०—ਉਸਤਤ ।

ਉਸਤਤਿਵ੍ਯਾਜਨਿੰਦਾ उस्ततिव्याज्निन्दा Ustativyājnindā [3] स्त्री०
स्तुतिव्याजनिन्दा (स्त्री०) बड़ाई के बहाने निन्दा करना; एक अर्थालङ्कार ।

ਉਸਤਰਾ उस्तरा Ustarā [3] पुं०
क्षुर (उत्क्षुर ?) (पुं०) छुरा, उस्तरा ।

ਉਸਤੁਰ उस्तुर् Ustur [1] पुं०
द्र०—ਉਸਟ[1] ।

ਉਸਤੋਤ੍ਰ उस्तोत्र् Ustotr [2] पुं०
स्तोत्र (नपुं०) स्तोत्र; स्तुतिवाक्य, तारीफ ।

ਉਸਨ उसन् Usan [1] वि०/पुं०
उष्ण (वि० / पुं०) वि०—उष्ण, गरम; फुर्तीला। पुं०—ग्रीष्मऋतु; नरक विशेष; अग्नि; सूर्य ।

ਉਸਨਕ उस्नक् Usnak [1] वि०
उष्णक (वि०) फुर्तीला; चालाक; तापक, गर्म करने वाला ।

ਉਸਨਤਾਪ उसन्ताप् Usantāp [3] पुं०
उष्णताप (पुं०) पित्तज्वर; पित्तविकार; गर्मी से होने वाला ताप ।

ਉਸਨਾ उस्ना Usnā [2] पुं०/क्रि० वि०
उशनस् (पुं०/क्रि० वि०) पुं०-शुक्र, दैत्यों के गुरु। क्रि० वि०—प्रसन्नतापूर्वक; तत्काल ।

ਉਸਨੀਸ उस्नीस् Usnīs [1] पुं०
उष्णीष (पुं०) जो सिर को गर्मी से बचावे, पगड़ी; ताज, मुकुट ।

ਉਸਨੀਕ उस्नीक् Usnīk [1] पुं०
द्र०—ਉਸਨੀਸ ।

ਉਸਰਨਾ उसर्ना Usarnā [3] अक० क्रि०
उत्सरति (भ्वादि अक०) ऊपर चढ़ना, उठना; हटना ।

ਉਸਾਸ उसास् Usās [3] पुं०
उच्छ्वास (पुं०) उच्छ्वास, ऊपर को खींची हुई लम्बी साँस ।

ਉਸਾਸਾ उसासा Usāsā [3] पुं०
द्र०—ਉਸਾਸ ।

ਉਸਾਹ उसाह् Usāh [1] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, हौसला; हिम्मत ।

ਉਸਾਹੀ उसाही Usāhī [1] वि०
उत्साहिन् (वि०) उत्साही; हिम्मतवाला; उद्यमी ।

ਉਸਾਣ उसाण् Usaṇ [1] पुं०
अवसान (नपुं०) अवसान, अन्त ।

ਉਸਾਰ उसार् Usār [2] पुं०
उशीर (पु०, नपु०) खस ।

ਉਸਾਰਣ उसारण् Usāraṇ [1] पुं०
उत्सर्जन (नपुं०) बनाने या रचने का भाव ।

ਉਸਾਰਣਾ उसारणा Usārṇā [3] पुं०
द्र०—ਉਸਾਰਣ ।

ਉਸਾਰੂ उसारू Usārū [3] वि०
उत्सर्जक (वि०) बनानेवाला, रचयिता ।

ਉਸ਼ੀਨਰ उशीनर् Uśīnar [3] पुं०
उशीनर (पु०) गांधार देश; राजा शिवि के पिता ।

ਉਸ਼ੀਰ उशीर् Uśīr [2] पुं०
उशीर (नपुं०) खस, पन्ही की जड़ ।

ਉਸੇਸ उसेस् Uses [3] पुं०
उच्छ्वास (पुं०) ठंडी साँस ।

ਉਸੇਨਾ उसेना Usenā [1] सक० क्रि०
उष्णयति (नामधातु सक०) उष्ण करना, तपाना; सेंकना; रीन्हना; उबालना ।

ਉਸ਼ੇਰ उशेर् Uśer [3] स्त्री०
उषोवेला (स्त्री०) उषवेल > उषेल > उशेर् । उषा काल, सवेरा ।

ਉਸ਼ਟ੍ਰ उष्ट्र Uṣṭra [1] पुं०
द्र०—ਉਸਟ[1] ।

ਉਸਤੁਤਿ उस्तति Ustati [1] स्त्री०
द्र०—ਉਸਤਤ ।

ਉਹ[1] उह् Uh [3] सर्व०
अदस् >असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु ।

ਉਹ[2] उह् Uh [3] अ०
उह/ओह (अ०) ओह; आह; संबोधन बोधक शब्द ।

ਉਹਾਂ उहाँ Uhā̃ [3] सर्व०
तत्स्थाने (सर्व० सप्तम्यन्त) वहाँ, उस स्थान पर ।

ਉਹੀਂ उहीं Uhī̃ [2] सर्व०
द्र०—ਉਹਾਂ ।

ਉਕਸਣਾ उक्सणा Uksaṇā [2] अक० क्रि०
उत्कर्षति (भ्वादि अक०) क्रुद्ध होना, उत्तेजित होना, भड़कना; ऊपर उठना ।

ਉਕਸਨਾ उक्सना Uksanā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕਸਾਉਟ उक्साउट् Uksauṭ [3] पुं०
उत्कर्षण (नपुं०) उकसाने अथवा भड़काने का भाव ।

ਉਕਸਾਉਣਾ उक्साउणा Uksauṇā [3] प्रेर० क्रि०
उत्कर्षयति (भ्वादि प्रेर०) उकसाना, भड़काना ।

ਉਕਸਾਵਟ उक्सावट् Uksāvaṭ [2] पुं०
द्र०—ਉਕਸਾਉਟ ।

ਉਕਤ[1] उकत् Ukat [3] स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय ।

ਉਕਤ[2] उक्त् Ukt [3] वि०
उक्त (वि०) कहा हुआ, कथित ।

ਉਕਤ[3] उकत् Ukat [3] पुं०
उक्थ (पुं०) प्राण, जीव ।

ਉਕਤ[4] उक्त् Ukt [3] पुं०
उक्त (नपुं०) कथन, बयान ।

ਉਕਤਾ उक्ता Ukta [1] पुं०
वक्तृ (वि०) वक्ता, कहने वाला; कवि ।

ਉਕਤਾਉਣਾ उक्ताउणा Uktauṇa [3] अक० क्रि०
उत्क्वथति (भ्वादि अक०) उकताना, उद्विग्न होना ।

ਉਕਤਿ[1] उकति Ukati [3] स्त्री०
उक्ति (स्त्री०) कथन, वचन; उक्ति-वैचित्र्य ।

ਉਕਤਿ[2] उक्ति Ukti [2] स्त्री०
उक्ति (स्त्री०) दलील, तर्क ।

ਉਕਤਿਬਿਲਾਸ उक्तिबिलास् Uktibilas [2] पुं०
उक्तिविलास (पुं०) कथन का चमत्कार, मनोहर उक्ति ।

ਉਕਤਿਵਿਲਾਸ उक्तिविलास् Uktivilas [2] पुं०
द्र०—ਉਕਤਿਬਿਲਾਸ ।

ਉਕਥ उकथ् Ukath [1] पुं०
द्र०—ਉਕਤ[3] ।

ਉਕੱਥ उकत्थ् Ukatth [1] पुं०
उक्ति (स्त्री०) उक्ति; लोकोक्ति, कहावत ।

ਉਕਰਣਾ उकर्णा Ukarṇa [3] सक० क्रि०
उत्कृन्तति (तुदादि सक०) कुतरना, काटना, टुकड़े करना ।

ਉਕਰਨਾ उकर्ना Ukarna [1] सक० क्रि०
द्र०—ਉਕਰਣਾ ।

ਉਕਲੇਦ उक्लेद् Ukled [3] पुं०
उत्क्लेद (पुं०) वमन, उल्टी ।

ਉਕੜੂ उक्ड़ू Ukṛū [3] पुं०
उत्कुटक (पुं०) बैठना या टेढ़े बैठने का भाव ।

ਉਕਾਉਣਾ उकाउणा Ukauṇa [3] सक० क्रि०
उत्क्राम्यति (भ्वादि सक०) भुलावे में डालना, बहकाना ।

ਉਕਾਸਣਾ[1] उकास्णा Ukasṇa [2] सक० क्रि०
उत्कासयति (चुरादि सक०) परावर्तित करना, लौटाना ।

ਉਕਾਸਣਾ[2] उकास्णा Ukasṇa [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕਾਸਨਾ उकास्ना Ukasna [2] सक० क्रि०
द्र० ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕੇਰਾ उकेरा Ukera [3] पुं०
उत्किर (पुं०) उत्कीर्ण करनेवाला, नक्काशी करने वाला; खोदने वाला ।

ਉੱਕਣਾ उक्कणा Ukkaṇa [2] अक० क्रि०
उत्क्रामति (भ्वादि अक०) भूल करना, चूकना ।

ਉੱਕਰਨਾ उक्कर्ना Ukkarna [3] सक० क्रि०
उत्किरति (भ्वादि अक०) उत्कीर्ण करना, खोदना, उकेरना ।

ਉਖਲ उखल् Ukhal [3] स्त्री०
उलूखल (पुं०) ऊखल, ओखली ।

ਉਖਲੀ उख्ली Ukhli [3] स्त्री०
उलूखली (स्त्री०) छोटी ऊखल ।

ਉਖੱਲਣਾ उखल्लणा Ukhallaṇa [1] सक० क्रि०
उत्खुरति (तुदादि सक०) चमड़ा उतारना, उधेड़ना ।

ਉੱਖਣ उक्खण् Ukkhaṇ [1] सक० क्रि०
उत्खनन (नपुं०) खनने या खोदने का भाव ।

ਉੱਖਣਨਾ उक्खण्ना Ukkhanna [3] सक० क्रि०
उत्खनति (भ्वादि सक०) खोदना, नक्कासी करना ।

ਉੱਖਲ उक्खल् Ukkhal [3] पुं०
उलूखल (पुं०) ऊखल, ओखली ।

ਉੱਖਲੀ उक्खली Ukkhli [3] स्त्री०
उलूखली (स्त्री०) छोटी ऊखल, ओखली ।

ਉਗਮਣਾ उगम्णा Ugamṇa [3] अक० क्रि०
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) सूर्य का उगना; उछलना; प्रवेश करना ।

ਉਂਗਰਨਾ उंगर्ना Ungarna [1] सक० क्रि
अङ्कुरयति (चुरादि अक०) अंकुरित होना, उगना ।

ਉਗਰਾਹ । उग्राहा Ugraha [3] पुं०
उद्ग्राहक (पुं०) कर-संग्राहक, टैक्स वसूलने वाला ।

ਉਗਰਾਹੀ उग्राही Ugrahi स्त्री०
उद्ग्राह (पुं०) उगाही, वसूली; इकट्ठी की हुई चन्दा आदि राशि ।

ਉਗਰਾਹੀਆ उग्राह्या Ugrahya [3] पुं०
उद्ग्राहिन् (वि०) उगाही करने वाला वसूली करने वाला ।

ਉਗਰਾਹੁਣਾ उग्राहुणा Ugrahuṇa [3] सक० क्रि०
उद्गृह्णाति (क्र्यादि सक०) उगाहना, वसूली करना, इकट्ठा करना ।

ਉਂਗਲ उंगल् Ungal [3] स्त्री०
अङ्गुलि (स्त्री०) अँगुली ।

ਉਗਲਣਾ उगल्णा Ugalṇa [3] सक० क्रि०
उद्गिलति (तुदादि सक०) उगलना, मुँह से बाहर करना ।

ਉਗਲਨਾ उगल्ना Ugalna [1] सक० क्रि०
द्र०—ਉਗਲਣਾ ।

ਉਂਗਲੀ उंग्ली Ungli [1] (स्त्री०)
अङ्गुलि (स्त्री०) अंगुली, ऊँगली ।

ਉਗਵਣ उग्वण् Ugvaṇ [1] **पुं०**
उद्गमन (नपुं०) उगना, अंकुरित होने का भाव।

ਉਗਵਨ उग्वन् Ugvan [1] **पुं०**
द्र०— ਉਗਵਣ।

ਉਗਾਹ उगाह् Ugāh [1] **पुं०**
उद्ग्राह (पुं०) उगाहने अथवा उठाने का भाव, प्रत्युत्तर; प्रतिवाद।

ਉਗਾਹਣਾ उगाह्णा Ugāhṇā [3] **सक० क्रि०**
उद्गृह्णाति (क्र्यादि० सक०) उगाहना, वसूल करना, जमा करना, इकट्ठा करना।

ਉਗਾਲ उगाल् Ugāl [3] **पुं०**
उद्गार (पुं०) जुगाली, पशुओं के चबाने और झाग निकालने का भाव।

ਉਗਾਲਣਾ उगाल्णा Ugālṇā [3]
सक०/अक० क्रि०
उद्गिलति (तुदादि सक०/अ०) उगलना, वमन करना; थूकना।

ਉਗੂਰ उगूर् Ugūr [1] **पुं०**
अङ्कुर (नपुं०) अङ्कुर, अंखुआ।

ਉੱਗਣਾ उग्ग्णा Uggṇā [3] **अक० क्रि०**
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) उगना, अंकुरित होना, उत्पन्न होना।

ਉੱਗਰਣ उग्गरण् Uggaraṇ [3] **पुं०**
उद्गिरण (नपुं०) उगलने या उल्टी करने का भाव, वमन।

ਉੱਗਰਨਾ उग्गर्ना, Uggarnā [3] **सक० क्रि०**
उद्गुरते (तुदादि सक०) ऊपर उठाना।

ਉਗ੍ਰ उग्र् Ugr [3] **वि०**
उग्र (वि०) उग्र, घोर, विकराल।

ਉਗ੍ਰਸੇਣ उग्रसेण् Ugraseṇ [3] **पुं०**
द्र०—ਉਗ੍ਰਸੇਨ।

ਉਗ੍ਰਸੇਨ उग्रसेन् Ugrasen [3] **पुं०**
उग्रसेन (पुं०) उग्रसेन नाम का मथुरा का राजा, जो कंस का पिता था।

ਉਗ੍ਰਸੈਨ उग्रसैन् Ugrasain [3] **पुं०**
द्र०—ਉਗ੍ਰਸੇਨ।

ਉਗ੍ਰਕਰਮਾ उग्रकर्मा Ugrakarmā [3] **वि०**
उग्रकर्मन् (वि०) भयंकर कर्म करने वाला, दयाहीन, बेरहम।

ਉਗ੍ਰਧਨਯਾ उग्रधन्या Ugradhanyā [1] **वि०**
द्र०— ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਵਾ।

ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਵਾ उग्रधन्वा Ugradhanvā [2] **वि०**
उग्रधन्वन् (वि०/पुं०) त्रि०—उग्र (विशाल) धनुष रखने वाला। पुं०—इन्द्र; शिव।

ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਵੀ उग्रधन्वी Ugradhanvī [2] **वि०**
द्र०—ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਵਾ।

ਉਗ੍ਰਾ उग्रा Ugrā [2] **स्त्री०/वि०**
उग्रा (स्त्री०/वि०) स्त्री०—काली देवी, कालिका। वि०—क्रोधवाली स्त्री।

ਉਗ੍ਰਾਯੁਧ उग्रायुध् Ugrāyudh [3] पुं॰
उग्रायुध (नपुं॰/पुं॰) नपुं॰—एक भयानक तेज शस्त्र। पुं॰—एक प्रतापी राजा।

ਉਗ੍ਰੇਸ਼ उग्रेश् Ugreś [2] पुं॰
उग्रेश (पुं॰) उग्रा (काली) का स्वामी अर्थात् भगवान् शिव।

ਉਘਟਤ उघ्टत् Ughṭat [1] वि॰
उद्घटित (वि॰) घटित, उत्पन्न।

ਉਘਟਨ उघटन् Ughaṭan [1] पुं॰
उद्घाटन (नपुं॰) उद्घाटन; प्रकट करने का भाव।

ਉਘਟਨਾ[1] उघट्ना Ughaṭnā [1] सक॰ क्रि॰
उद्घाटयति (चुरादि सक॰) उद्घाटन करना, प्रकट करना।

ਉਘਟਨਾ[2] उघट्ना Ughaṭnā [1] सक॰ क्रि॰
उद्घटयति (चुरादि सक॰) रचना, बनाना।

ਉਘਰਨਾ उघर्ना Ugharnā [3] अक॰ क्रि॰
उद्घटते (भ्वादि अक॰) उघाड़ होना, प्रकट होना।

ਉਘੜ-ਦੁਘੜਾ उघड़् - दुघ्ड़ा
Ughaṛ-Dughṛā [2] वि॰
दुर्घट (वि॰) ऊबड़-खाबड़; विषम; अस्त-व्यस्त।

ਉਘੜਵਾਉਣਾ उघड़्वाउणा Ughaṛvāuṇā [3] प्रेर॰ क्रि॰
उद्घाटयति (चुरादि प्रेर॰) उघड़वाना, खोलवाना, अनावृत कराना।

ਉਘਾੜ उघाड़् Ughāṛ [3] पुं॰
उद्घाट (पुं॰) उघाड़, प्रकट होने का भाव।

ਉਘਾੜਨਾ उघाड़्ना Ughāṛnā [3] सक॰ क्रि॰
उद्घाटयति (चुरादि सक॰) उघाड़ना, पर्दा हटाना; नंगा करना; दिखाना।

ਉਘਾੜਾ उघाड़ा Ughāṛā [3] पुं॰
उद्घाटन (नपुं॰) उद्घाटन; नग्नता; दिखलाने का भाव।

ਉਘੇੜਨਾ उघेड़्ना Ugheṛnā [3] सक॰ क्रि॰
द्र॰—ਉਘਾੜਨਾ।

ਉੱਘੜਨਾ उग्घड़्ना Ugghaṛnā [3] अक॰ क्रि॰
उद्घटते (भ्वादि अक॰) उघड़ना; प्रकट होना।

ਉਚਕਨਾ उचक्ना Ucaknā [2] अक॰ क्रि॰
उच्चटति (भ्वादि अक॰) उदासीन होना, मन का उखड़ना।

ਉਚਟ उचट् Ucaṭ [2] स्त्री॰
उच्चाट (पुं॰) उदासीनता, उदासी, मन के उखड़ने का भाव।

ਉਚਟਨਾ उचट्ना Ucaṭnā [3] अक॰ क्रि॰
उच्चटति (भ्वादि अक॰) मन का उदास होना, विरक्त होना।

ਉਚਰਣ उच्‌रण् Ucraṇ [1] पुं०
उच्चारण (नपुं०) उच्चारण, कथन, बोलने का भाव।

ਉਚਰਣਾ उचर्‌णा Ucarṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਰਨਾ।

ਉਚਰਨਾ[1] उचर्‌ना Ucarnā [3] सक० क्रि०
उच्चारयति (चुरादि सक०) उच्चारण करना, कहना, बोलना।

ਉਚਰਨਾ[2] उचर्‌ना Ucarnā [2] सक० क्रि०
(उद्)चरति (भ्वादि सक०) चरना, भक्षण करना।

ਉਚਵਾਉਣਾ उच्‌वाउणा Ucvāuṇā [2] सक० क्रि०
उच्चयते (भ्वादि सक०) ऊँचा ले जाना, उठाना।

ਉਚਵਾਣਾ उच्‌वाना Ucvāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਵਾਉਣਾ।

ਉਚੜਨਾ उचड़्‌ना Ucaṛnā [3] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) मन का उदास होना, विरक्त होना।

ਉਚੜਾ उच्‌ड़ा Ucṛā [1] पुं०
द्र०—ਉਚਾਟ।

ਉਚੜੀ उच्‌ड़ी Ucṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਉਚਾਟ।

ਉਚਾਉਣਾ उचाउणा Ucāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਵਾਉਣਾ।

ਉਚਾਈ उचाई Ucāī [3] स्त्री०
उच्चता (स्त्री०) ऊँचाई, उन्नत होने का भाव।

ਉਚਾਟ उचाट् Ucāṭ [3] पुं०
उच्चाट (पुं०) उदासीनता, उदासी, उचाट।

ਉਚਾਟਨ उचाटन् Ucāṭan [3] पुं०
उच्चाटन (नपुं०) उच्चाटन, मन का उदासीन होना; उखड़ने का भाव।

ਉਚਾਣ उचाण् Ucāṇ [3] पुं०
उच्चस्थान (नपुं०) ऊँचा स्थान, ऊँचाई।

ਉਚਾਨ उचान् Ucān [1] पुं०
द्र०—ਉਚਾਣ।

ਉਚਾਰਣ उचारण् Ucāraṇ [3] पुं०
उच्चारण (नपुं०) उच्चारण, कथन, बोलने का भाव।

ਉਚਾਰਨ उचारन् Ucāran [3] पुं०
द्र०—ਉਚਾਰਣ।

ਉਚਾਰਾ उचारा Ucārā [3] वि०
उच्चारित (वि०) कथित, कहा हुआ।

ਉਚਾਲਾ उचाला Ucālā [2] वि०
उच्चालित (वि०) चलाया हुआ, नष्ट किया हुआ।

ਉਚਾਵੱਚ उचावच्च् Ucāvacc [1] वि०
उच्चावच (वि०) ऊँच-नीच, सम-विषम; भला-बुरा ।

ਉਚਿਸਟ उचिसट् Ucisaṭ [1] वि०
द्र०—ਉਛਿਸਟ ।

ਉਚਿਤ उचित् Ucit [3] वि०
उचित (वि०) उचित, समीचीन; योग्य ।

ਉਚਿਤਾ उचिता Ucita [2] स्त्री०
उचितता (स्त्री०) औचित्य; योग्यता ।

ਉਚਿਤਾਨੁਚਿਤ उचितानुचित् Ucitanucit [3] वि०
उचितानुचित (वि०) उचित-अनुचित; योग्य-अयोग्य ।

ਉਚੇਰਾ उचेरा Ucera [3] वि०
उच्चतर (वि०) अधिक ऊँचा ।

ਉਚੇੜਨਾ उचेड़्ना Ucerna [3] सक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि सक०) पृथक् करना, उचेड़ना; उचाटना ।

ਉੱਚ उच्च् Ucc [3] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत; बुलन्द ।

ਉੱਚਸੁਰ उच्चसुर् Uccasur (पुं०) [3]
द्र०—ਉੱਚਸ੍ਰਵਾ ।

F. 2

ਉੱਚਸ੍ਰਵਾ उच्च्श्रवा Uccśrava[3](पुं०/वि०)
उच्चश्रवस् (पुं०/वि०) पुं०—उच्चश्रवा घोड़ा जो श्वेत वर्ण का होता है। वि०—ऊँची कीर्ति वाला ।

ਉੱਚਰਨਾ उच्चर्ना Uccarna [3] सक० क्रि०
उच्चरति (भ्वादि सक०) उचारना, उच्चारण करना; बोलना ।

ਉੱਚੜਨਾ उच्चड़्ना Uccaṛna [3] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) चिपकी हुई वस्तु का अलग होना ।

ਉੱਚਾ उच्चा Ucca [3] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत ।

ਉੱਚਾਟ उच्चाट् Uccāṭ [3] पुं०
द्र०—ਉਚਾਟ ।

ਉੱਚਾਥਲ उच्चाथल् Uccāthal [3] पुं०
उच्चस्थल (नपुं०) ऊँचा स्थान; परम-धाम; ऊर्ध्वलोक ।

ਉੱਚਾਵਚ उच्चावच् Uccāvac [2] वि०
द्र०—ਉਚਾਵੱਚ ।

ਉਂਛ उञ्छ् Uñch [1] पुं०
उञ्छ (पुं०) क्षेत्रादि में पतित अन्नों को चुगने की क्रिया ।

ਉਂਛਸੀਲ उञ्छ्शील् Uñchsil [3] स्त्री०
उञ्छशील (वि०) उञ्छवृत्ति द्वारा जीवन-यापन करने वाला ।

ਉਛਕ उछक् Uchak [3] स्त्री०
शल्क (नपुं०) छाल, छिलका; वल्कल ।

ਉਛਕਨ उछ्कन् Uchkan [1] स्त्री०
द्र०—ਉਛਕ ।

ਉਂਛਬ੍ਰਿੱਤਿ उञ्छ्ब्रित्ति Uñchbritti [3] स्त्री०
उञ्छवृत्ति (स्त्री०) क्षेत्रादि से अन्न चुग करके जीवन-निर्वाह करने की क्रिया, उञ्छकर्म ।

ਉਛਰਨ उछ्रन् Uchran [1] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछाल, उछलने का भाव ।

ਉਛਲਣਾ उछल्णा Uchalṇa [3] अक० क्रि०
उच्छलति (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना ।

ਉਛਲਨ उछलन् Uchalan [2] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछाल, उछलने का भाव ।

ਉਛਲਨਾ उछल्ना Uchalna [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉਛਲਣਾ ।

ਉਛਵ उछव् Uchav [1] पुं०
उत्सव (पुं०) उत्सव, समारोह, मङ्गल-कार्य ।

ਉਛਾਹ उछाह् Uchah [1] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, उमंग ।

ਉਛਾਰਨ उछारन् Ucharan [1] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछलने या कूदने का भाव ।

ਉਛਾਲ उछाल् Uchal [1] पुं०
द्र० – ਉਛਾਰਨ ।

ਉਛਾਲਣਾ उछाल्णा Uchalṇa, [3] सक० क्रि०
उच्छालयति (भ्वादि प्रेर०) उछालना, ऊपर फेंकना ।

ਉਛਾਲਨਾ उछाल्ना Uchalna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਛਾਲਣਾ ।

ਉਛਾਲਾ उछाला Uchala [3] पुं०
उच्छाल (पुं०) उछाल, ऊपर जाने का भाव; तरंग ।

ਉਛਾਲੀ उछाली Uchali [3] स्त्री०
उच्छर्दिका (स्त्री०) वमन, कै ।

ਉਛਿਸਟ उछिसट् Uchisaṭ [3] वि०
उच्छिष्ट (वि०) उच्छिष्ट, जूठा ।

ਉਛੇਦਨ उछेदन् Uchedan [3] पुं०
उच्छेदन (नपुं०) काटने, खोदने या नाश करने का भाव ।

ਉਛੇਰ ਚਰਣਾ उछेर् चर्णा Ucher Charṇa [1] पुं०
स्वैरसञ्चार (पुं०) इच्छापूर्वक विचरण करने का भाव, स्वच्छन्द विचरण ।

ਉਛੰਗ उछंग् Uchang [1] पुं०
उत्संग (पुं०) गोद, गोदी ।

ਉੱਛਣਾ उच्छ्णा Ucchṇa [1] कर्म० क्रि०
उच्छिद्यते (रुधादि कर्म०) पीड़ित होना, कष्ट सहना ।

ਉੱਛਲ उच्छल् Ucchal [3] स्त्री०
उच्छल (पुं०) लहर के ऊपर उठने का भाव, उछाल ।

ਉੱਛਲਣਾ उच्छल्णा Ucchalṇa [3] अक० क्रि०
उच्छलति (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना ।

ਉਂਜਲ उंजल् Uñjal [3] पुं०
अञ्जलि (पुं०) अञ्जलि, कर-सम्पुट ।

ਉਜਲਾ उज्ला Ujla [3] वि०
द्र०—ਉਂਜਲ ।

ਉਜਾਗਰ उजागर् Ujagar [3] वि०
उज्जागर (वि०) उजागर, प्रकट, प्रसिद्ध ।

ਉਜਾਨ उजान् Ujān [2] पुं०
उच्चयान (नपुं०) विमान, आकाश मार्ग से जाने वाली सवारी ।

ਉਜਾਨਾ उजाना Ujāna [1] वि०
उच्चयान (वि०) विमानवाला, विमान से जानेवाला ।

ਉਜਾਨੀ उजानी Ujāni [1] स्त्री०
द्र०—ਉਜਾਲਾ ।

ਉਜਾਲਣਾ उजाल्णा Ujalṇa [1] सक० क्रि०
उज्ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) उजाला करना, प्रकाशित करना ।

ਉਜਾਲਾ उजाला Ujala [3] पुं०
उज्ज्वाल (पुं०) उजाला, प्रकाश ।

ਉਜਾੜ उजाड़् Ujaṛ [3] स्त्री०
उज्जाट (पुं०) उजाड़, ध्वंस; शून्यता ।

ਉਜਾੜਨਾ उजाड़्ना Ujaṛna [3] सक० क्रि०
उज्जटति (भ्वादि सक०) उजाड़ना, नष्ट करना ।

ਉਜੈਨ उजैन् Ujain [2] स्त्री०
उज्जयिनी (स्त्री०) ग्वालियर राज्य के मध्य मालव देश की राजधानी, उज्जैन ।

ਉੱਜਲ उज्जल् Ujjal [3] वि०
उज्ज्वल (वि०) उज्ज्वल, उजला, स्वच्छ ।

ਉੱਜਲਣਾ उज्जल्णा Ujjalṇa, [3] अक० क्रि०
उज्ज्वलति (भ्वादि अक०) उज्ज्वल होना, चमकना ।

ਉੱਜੜ उज्जड़् Ujjaṛ [3] वि०
उज्जट उद्० √जट् -अ > उज्जट (वि०) उजाड़, रिक्त, ध्वस्त ।

ਉੱਜੜਨਾ उज्जड़ना Ujjarna [3] अक० क्रि०
उज्जटति (भ्वादि अक०) उजड़ना, नष्ट होना।

ਉਟ उट् Uṭ [1] पुं०
क्षुण्ट (पुं०) झाड़ी; घास-फूस।

ਉਟਕਣਾ उटकणा Uṭakṇa [3] अक० क्रि०
उत्कूर्दते (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना; खेलना।

ਉਠ उठ् Uṭh [1] सक० क्रि०
ओठति (भ्वादि सक०) मारना, ताड़ना; नीचे गिराना।

ਉਠਣਾ उठ्णा Uṭhṇa [3] अक० क्रि०
उत्तिष्ठति (भ्वादि अक०) उठना, खड़ा होना; नींद से जगना।

ਉਠਾਉਣਾ उठाउणा Uṭhauṇa [3] प्रेर० क्रि०
उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उठाना, खड़ा करना; नींद से जगाना।

ਉਠਾਣ उठाण् Uṭhaṇ [3] (स्त्री०)
उत्थान (नपुं०) उठान, उठने का भाव; उन्नति।

ਉਠਾਨ उठान् Uṭhan [2] पुं०
द्र०—ਉਠਾਣ।

ਉਠਾਰਨਾ उठार्ना Uṭharna [2] प्रेर०क्रि०
उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) खड़ा करना; जगाना।

ਉਠਾਲਨਾ उठाल्ना Uṭhalna [2] प्रेर० क्रि०
द्र०—ਉਠਾਰਨਾ।

ਉਠਾਲਿ उठालि Uṭhali [2] क्रि० वि०
उत्थाप्य (अ०) उठाकर, खड़ा करा-कर; जगा कर।

ਉੱਠ उट्ठ Uṭṭha [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉੱਠਣਾ उट्ठणा Uṭṭhaṇa [3] अक० क्रि०
उत्तिष्ठति (भ्वादि अक०) उठना, खड़ा होना; जगना।

ਉਡਗ उड्ग् Uḍag [3] पुं०
द्र०—ਉਡੁਗ।

ਉਡਗਿੰਦ उड्गिन्द् Uḍgind [3] पुं०
उडुगेन्द्र (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा।

ਉਡਛਾ उड्छा Uḍcha [1] पुं०
ओड्रदेश (पुं०) उड़ीसा प्रान्त।

ਉਡਣਾ उड्णा Uḍṇa [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉੱਡਣਾ।

ਉਡਨਾ उड्ना Uḍna [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉੱਡਣਾ।

ਉਡਵਾ उड्वा Uḍva [3] पुं०
द्र०—ਉਡੁਗ।

ਉਡਾਉਣਾ उडाउणा Uḍauṇa [3] सक० क्रि०
उड्डाययति (भ्वादि प्रेर०) उड़ाना ।

ਉਡਿੰਦ उडिन्द् Uḍind [3] पुं०
द्र०—ਉਡਗਿੰਦ ।

ਉਡੀਸਾ उडीसा Uḍisa [3] पुं०
ओड्रदेश (पुं०) उड़ीसा प्रान्त ।

ਉਡੀਕ उडीक् Uḍik [3] स्त्री०
उद्‌ईक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजारी ।

ਉਡੀਕਣਾ उडीकणा Uḍikṇa [3] सक० क्रि०
उद्वीक्षते (भ्वादि सक०), ऊपर की ओर मुंह करके देखना; प्रतीक्षा करना, इन्तजार करना ।

ਉਡੀਕਨਾ उडीकना Uḍikna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਡੀਕਣਾ ।

ਉਡੀਣ उडीण् Uḍiṇ [2] पुं०
उदीर्ण (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ ।

ਉਡੀਣਾ उडीणा Uḍiṇa (पुं०) [3]
उदीर्ण (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ ।

ਉਡੀਣੀ उडीणी Uḍiṇi [3] स्त्री०
उदीर्णा (स्त्री०) व्याकुल, घबरायी हुयी ।

ਉਡੀਨ उडीन् Uḍin [2] पुं०
उड्डीन, (नपुं०) उड़ान, उड़ने का भाव ।

ਉਡੁ उडु Uḍu [1] पुं०
उडु (पुं०) तारा; पक्षी; जल ।

ਉਡੁਗ उडुग् Uḍug [1] पुं०
उडुगण (पुं०) नक्षत्रमण्डल, तारे ।

ਉਡੁਗਣ उडुगण् Uḍugaṇ [2] पुं०
उडुगण (पुं०) तारामण्डल, तारे ।

ਉਡੁਗਨਾਥ उडुग्नाथ् Uḍugnath [2] पुं०
उडुगनाथ (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा ।

ਉਡੁਪ उडुप् Uḍup [1] पुं०
उडुप (पुं०) जलपति (वरुण); नौका; चन्द्रमा; गरुड़ ।

ਉਡੁਪਤਿ उडुपति Uḍupati [3] पुं०
उडुपति (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा ।

ਉੱਡਣਾ उड्‌ड़णा Uḍḍṇa [3] अक० क्रि०
उड्डयते (भ्वादि अक०) उड़ना ।

ਉਢਾਉਣਾ उढाउणा Uḍhauṇa [3] सक० क्रि०
ऊर्णोति (अदादि सक०) ओढ़ाना, ढकना, आच्छादन करना ।

ਉਣਤਾਲੀ उण्ताली Uṇtali [3] वि०
ऊनचत्वारिंशत् (स्त्री०) उन्तालीस, 39 ।

ਉਣੱਤੀ उणत्ती Uṇatti [3] (वि०)
ऊनत्रिंशत् (स्त्री०) उनतीस, 29 ।

ਉਣਨਾ उण्ना Unna [3] सक० क्रि०
वयति (भ्वादि सक०) बुनना।

ਉਣਮਣ उण्मण् Unman [3] वि०
उन्मनस् (वि०) उन्मना, उदासीन।

ਉਣਵੰਜਾ उण्वञ्जा Unvañja [3] वि०
एकोनपञ्चाशत् (स्त्री०) उन्चास, 49।

ਉਣਾਉਣਾ उणाउणा Unauna [3] प्रेर० क्रि०
वाययति (भ्वादि प्रेर०) बुनाना, बुनाई कराना।

ਉਣਾਸਠ उणासठ् Unasath [3] वि०
ऊनषष्टि (स्त्री०) उनसठ, एक कम साठ, 59।

ਉਣਾਸੀ उणासी Unasi [3] वि०
एकोनाशीति (स्त्री०) उनासी, एक कम अस्सी, 79।

ਉਣਾਹਟ उणाहट् Unahat [3] वि०
ऊनषष्टि (स्त्री०) उनसठ, एक कम साठ, 59।

ਉਣਾਨਵੇ उणान्वे Unanve [3] वि०
एकोननवति (स्त्री०) नवासी, 89।

ਉਣਾਲਾ उणाला Unala [1] वि०
और्णक (वि०) ऊन सम्बन्धी।

ਉਣੀਦਾ उणीदा Unida [3] पुं०
उन्निद्र (वि०) निद्रा रहित, तन्द्रायुक्त।

ਉਣੰਜਾ उणञ्जा Unañja [3] वि०
एकोनपञ्चाशत् (स्त्री०) उनचास, 49।

ਉਣਹੱਤਰ उण्हत्तर् Unhattar [3] वि०
ऊनसप्तति (स्त्री०) उनहत्तर, 69।

ਉਤ उत् Ut [2] अ०
उत (अ०) कदाचित्, शायद।

ਉਤਸਰਗ उत्सरग् Utsarag [3] पुं०
उत्सर्ग (पुं०) उत्सर्ग, त्याग; दान; अन्त।

ਉਤਸਰਪਿਣੀ उत्सर्पिणी Utsarpini [2] स्त्री०
उत्सर्पिणी (स्त्री०) जैन सम्प्रदाय के अनुसार एक कल्प-मान।

ਉਤਸਵ उत्सव् Utsav [3] पुं०
उत्सव (पुं०) उत्सव, समारोह, जलसा।

ਉਤਸਾਹ उत्साह् Utsah [3] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, वेग, प्रबलता।

ਉਤਸਾਹੀ उत्साही Utsahi [3] पुं०
उत्साहिन् (वि०) उत्साही, उत्साह वाला।

ਉਤਸੁਕ उत्सुक् Utsuk [3] वि०
उत्सुक (वि०) उत्सुक, किसी बात को जानने की बहुत इच्छा वाला, उत्कण्ठित।

ਉਤਸੁਕਤਾ उत्सुक्ता Utsukta [3] स्त्री०
उत्सुकता (स्त्री०) उत्सुकता, उत्सुक होने का भाव, उत्कण्ठा।

ਉਤਕਟ उत्कट् Utkaṭ [3] **वि०**
उत्कट (वि०) कठिन, विकट; प्रचण्ड ।

ਉਤਕਰਸ਼ उत्करष् Utkaraṣ [3] **पुं०**
उत्कर्ष (पुं०) उत्कर्ष, उन्नति, वृद्धि; प्रशंसा; अधिकता ।

ਉਤਕਰਖ उत्करख् Utkarakh [3] **पुं०**
द्र०—ਉਤਕਰਸ ।

ਉਤਕਲ उत्कल् Utkal [3] **पुं०**
उत्कल (पुं०) सुद्युम्न राजा का पुत्र जिसके नाम पर प्रदेश विशेष का नाम पड़ा, उड़ीसा ।

ਉਤਕਲਾ उत्कला Utkalā [1] **स्त्री०**
द्र०—ਉਤਕਾ ।

ਉਤਕਾ उत्का Utkā [1] **स्त्री०**
उत्कता (स्त्री०) उत्सुकता, उत्कण्ठा ।

ਉਤਕੰਟਕ उत्कण्टक् Utkaṇṭak [3] **पुं०**
उत्कण्टक (नपुं०) करौंदा फल ।

ਉਤਕੰਠਾ उत्कण्ठा Utkaṇṭha [3] **स्त्री०**
उत्कण्ठा (स्त्री०) उत्कण्ठा, प्रबल इच्छा, उत्सुकता ।

ਉਤਕੰਠਿਤਾ उत्कण्ठिता Utkaṇṭhita [3] **स्त्री०**
उत्कण्ठिता (स्त्री०) उत्कण्ठिता; उत्सुका; उत्कण्ठिता नायिका ।

ਉਤਕ੍ਰਿਸ਼ਟ उत्क्रिश्ट् Utkriṣṭ [3] **वि०**
उत्कृष्ट (वि०) उत्कृष्ट, उत्तम, श्रेष्ठ ।

ਉਤਖੇਪਣ उत्खेपण् Utkhepaṇ [3] **पुं०**
उत्क्षेपण (नपुं०) ऊपर फेंकने या उछालने का भाव ।

ਉਤੱਥ उतत्थ् Utatth [3] **पुं०**
उतथ्य (पुं०) एक ऋषि जो अंगिरा और श्रद्धा के पुत्र थे तथा जिन्होंने सोम की पुत्री भद्रा से विवाह किया था ।

ਉਤਨਾ उत्ना Utnā [3] **सर्व०**
तावत् (सर्व०) उतना, उस परिमाण का ।

ਉਤਪਤਿ उत्पति Utpati]3] **स्त्री०**
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश; सृष्टि; रचना ।

ਉਤਪਲ उत्पल् Utpal [3] **पुं०**
उत्पल (नपुं०) नीलकमल, कमल पुष्प ।

ਉਤਪਾਟਨ उत्पाटन् Utpāṭan [3] **पुं०**
उत्पाटन (नपुं०) उत्पाटन, उखाड़ने का भाव ।

ਉਤਪਾਤ उत्पात् Utpāt [3] **पुं०**
उत्पात (पुं०) उत्पतन, उड़ने का भाव; उपद्रव ।

ਉਤਪਾਤਿ उत्पाति Utpāti [3] **स्त्री०**
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश; सृष्टि; रचना ।

ਉਤਪਾਦਕ उत्पादक् Utpadak [3]**वि० /पुं०**
उत्पादक (वि०/पुं०) वि० —उत्पन्न करने वाला, जनक; ऊपर पैरोंवाला। पुं०—शरभ जाति का एक जीव।

ਉਤਪਾਦਨ उत्पादन् Utpadan [3] **पुं०**
उत्पादन (नपुं०) उत्पादन, उत्पन्न करने का भाव।

ਉਤਪੰਨ उत्पन्न् Utpann [3] **वि०**
उत्पन्न (वि०) उत्पन्न, पैदा हुआ।

ਉਤਪ੍ਰੇਕਸ਼ਾ उत्प्रेक्शा Utpreksa [3] **स्त्री०**
उत्प्रेक्षा (स्त्री०) कल्पना; सम्भावना; एक अर्थालङ्कार।

ਉਤਪ੍ਰੇਖਿਆ उत्प्रेख्या Utprekhya[3]**स्त्री०**
द्र०—ਉਤਪ੍ਰੇਕਸ਼ਾ।

ਉਤਭਿਜ उत्भिज् Utbhij [3] **पुं०**
उद्भिद् (नपुं०) धरती फाड़कर अंकुरित होने वाली वनस्पति।

ਉਤਭੁਜ[1] उत्भुज् Utbhuj [3] **पुं०**
उद्भिद् (नपुं०) भूमि से अंकुरित होने वाली वनस्पति।

ਉਤਭੁਜ[2] उत्भुज् Utbhuj [3] **वि०**
उद्भुज (वि०) विस्तीर्ण बाहुवाला।

ਉਤਰਸ उत्रस् Utras [1] **सक० क्रि०**
उत्तरिष्यति (भ्वादि भवि० सक०) उतरेगा, पार होगा।

ਉਤਰਣ उत्रण् Utran [3] **पुं०**
अवतरण (नपुं०) पार उतरने या पार होने का भाव।

ਉਤਰਣਾ उतर्णा Utarna [3] **सक० क्रि०**
अवतरति (भ्वादि सक०) पार उतरना, पार होना; उतरना, ऊपर से नीचे आना।

ਉਤਰਨਾ उतर्ना Utarna [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਉਤਰਣਾ।

ਉਤਰਾਉ उत्राउ Utrau [3] **पुं०**
अवतार (पुं०) उतरने का भाव।

ਉਤਰਾਇਣ उत्राइण् Utrain [3] **स्त्री०**
उत्तरायण (नपुं०) उत्तरायण-काल, मकरसंक्रान्ति से मिथुन संक्रान्ति तक का समय।

ਉਤਰੀਆ उत्रीआ Utria [3] **वि०**
उत्तारक (वि०) पार उतारने वाला; उद्धारक।

ਉਤਵਤ उत्वत् Utvat [3] **पुं०**
उदावर्त (पुं०) जल की भौंरी; अफारा।

ਉਤਾਉਲਾ उताउला Utaula [1] **पुं०**
उत्तापल (वि०) उतावला, अधीर।

ਉਤਾਣਾ उताणा Utana [2] **पुं०**
उत्तान (वि०) उत्तान, तना हुआ; फैला हुआ।

ਉਤਾਨਪਾਦ उतान्पाद् Utanpad [3] पुं०
उत्तानपाद (पुं०) एक राजा जो मनु-शतरूपा के पुत्र और ध्रुव के पिता थे।

ਉਤਾਰ उतार् Utar [3] पुं०
अवतार (पुं०) उतार, ढलान, ढलाव।

ਉਤਾਰਣਾ उतार्णा Utarṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਤਾਰਨਾ।

ਉਤਾਰਨਾ उतार्ना Utarna [3] सक० क्रि०
अवतारयति (भ्वादि प्रेर०) उतारना, पार कराना।

ਉਤਾਰਾ उतारा Utara [2] पुं०
उत्तार (पुं०) ठहराव, पड़ाव; प्रतिलिपि करने का भाव।

ਉਤਾਵਲਾ उताव्ला Utavla [3] वि०
उत्तापल (वि०) उतावला, अधीर।

ਉਤੇ उते Ute [3] क्रि० वि०
ततः (अ०) उधर, उस तरफ; आगे।

ਉਤੰਸ उतंस् Utans [2] पुं०
अवतंस (पुं०) भूषण, गहना।

ਉਤੰਕ उतंक् Utank [2] पुं०
द्र० ਉੱਤੰਕ।

ਉਤੰਗ उतंग् Utang [3] वि०
उत्तुङ्ग (वि०) बहुत ऊँचा, उन्नत।

F.—3

ਉੱਤਣਾ उत्तणा Uttaṇna [2] सक० क्रि०
उत्तनोति (तनादि सक०) फैलाना, विस्तीर्ण करना।

ਉੱਤਮ उत्तम् Uttam [3] वि/पुं०
उत्तम (वि०/पुं०) वि०—उत्तम, श्रेष्ठ। पुं०—ध्रुव का सौतेला भाई।

ਉੱਤਮਤਾ उत्तम्ता Uttamta [3] स्त्री०
उत्तमता (स्त्री०) श्रेष्ठता; खूबी; नेकी।

ਉੱਤਮਾ उत्तमा Uttama [3] स्त्री०
उत्तमा (स्त्री०) उत्तम स्त्री; उत्तमा नायिका, उत्तमा दूती।

ਉੱਤਰ उत्तर् Uttar [3] पुं०
उत्तर (नपुं०/स्त्री०/पुं०) नपुं०—उत्तर, जवाब। स्त्री०—उत्तर दिशा। पुं०—राजा विराट् का पुत्र।

ਉੱਤਰਨਾ उत्तर्ना Uttarna [3] सक० क्रि०
अवतरति (भ्वादि सक०) उतरना, पार होना।

ਉੱਤਰਪੱਖ उत्तर्पक्ख् Uttarpakkh [3] पुं०
उत्तरपक्ष (पुं०) समाधान का पक्ष, प्रतिवादी का पक्ष।

ਉੱਤਰਮੀਮਾਂਸਾ उत्तर्मीमांसा Uttarmīmānsa [3] स्त्री०
उत्तरमीमांसा (स्त्री०) अन्तिम विचार; आत्मविद्या, वेदान्त।

ਉੱਤਰਾ उत्तरा Uttarā [3] स्त्री॰
उत्तरा (स्त्री॰) राजा विराट् की पुत्री, अभिमन्यु की पत्नी, राजा परीक्षित की माता; उत्तर दिशा।

ਉੱਤਰਾਧਿਕਾਰੀ उत्तराधिकारी Uttarādhikārī [3] पुं॰
उत्तराधिकारी (वि॰) उत्तराधिकारी, वारिश, दाय भागी।

ਉੱਤਰਾਰਧ उत्तरारध् Uttarāradh [3] पुं॰
उत्तरार्ध (नपुं॰) पिछला आधा भाग; किसी ग्रन्थ का पिछला आधा भाग।

ਉੱਤਾ Uttā [1] पुं॰/वि॰
उत्तरीय (नपुं॰/वि॰) नपुं॰—ऊपर का वस्त्र; ओढ़नी; चादर। वि॰—पिछला भाग।

ਉੱਤਾਨਪਾਦ उत्तान्पाद् Uttānpād [3] पुं॰
उत्तानपाद (पुं॰) उत्तानपाद नाम का राजा जो मनु-शतरूपा के पुत्र एवं ध्रुव के पिता थे।

ਉੱਤੀਰਣ उत्तीरण् Uttīraṇ [3] वि॰
उत्तीर्ण (वि॰) उत्तीर्ण, पार हुआ; सफल।

ਉੱਤੇਜਕ[1] उत्तेजक् Uttejak [3] वि॰
उत्तेजक (वि॰) उत्तेजना प्रदान करने वाला; उभारने वाला।

ਉੱਤੇਜਕ[2] उत्तेजक् Uttejak [2] पुं॰
उत्तेजक (पुं॰) उत्तेजक शीशा; उत्तेजक-मणि, सूर्यकान्तमणि।

ਉੱਤੇਜਨ उत्तेजन् Uttejan [3] पुं॰
उत्तेजन (नपुं॰) प्रेरणा; उकसाने का भाव।

ਉੱਤੰਕ उत्तंक् Uttaṅk [3] पुं॰
उत्तङ्क (पुं॰) एक ऋषि जो वेदमुनि के शिष्य थे, गौतम ऋषि के एक शिष्य।

ਉਥਾਨ उथान् Uthān [3] पुं॰
उत्थान (नपुं॰) खड़े होने का भाव; आरम्भ; उन्नति।

ਉਥਾਨਕਾ उथान्का Uthānkā [2] पुं॰
उत्थानिका (स्त्री॰) भूमिका, उपोद्घात।

ਉਥਾਪਨ उथापन् Uthāpan [3] पुं॰
उत्थापन (नपुं॰) उठाने का भाव।

ਉੱਥੇ उत्थे Utthe [3] अ॰
तस्मिन् स्थाने (अ॰) वहाँ, उधर।

ਉਦਕ उदक् Udak [3] पुं॰
उदक (नपुं॰) उदक, जल।

ਉਦਕਣਾ उदक्णा Udakṇā [2] अक॰ क्रि॰
उत्कूर्दते (भ्वादि अक॰) ऊपर उछलना, कूदना।

ਉਦਕਰਖ उद्करख् Udkarakh [3] पुं॰
उत्कर्ष (पुं॰) उन्नति; अधिकता; वृद्धि।

ਉਦਗਾਰ उद्गार् Udgār [3] **पुं०**
उद्गार (पुं०) उद्गार, डकार; वमन, उबाल; दुःख।

ਉਦਭੱਟ उद्भट्ट Udbhaṭṭa [2] **वि०**
उद्भट (वि०) प्रबल; प्रसिद्ध; उत्तम।

ਉਦਭਵ उद्भव् Udbhav [3] **पुं०**
उद्भव (पुं०) उत्पत्ति, जन्म; वृद्धि सृष्टि।

ਉਦਭੂਤ उद्भूत् Udbhūt [3] **वि०**
उद्भूत (वि०) उद्भूत, उत्पन्न हुआ।

ਉਦਮਾਤ उद्मात् Udmāt [2] **पुं०**
उन्माद (पुं०) उन्माद, पागलपन।

ਉਦਮਾਦ उद्माद् Udmād [1] **पुं०**
द्र० — ਉਦਮਾਤ।

ਉਦਯਾਚਲ उद्याचल् Udyācal [3] **पुं०**
उदयाचल (पुं०) उदयगिरि, उदयाचल।

ਉਦਯੋਗ उद्योग् Udyog [3] **पुं०**
उद्योग (पुं०) उद्यम, यत्न।

ਉਦਯੋਗੀ उद्योगी Udyogī [3] **वि०**
उद्योगिन् (वि०) उद्योगी, पुरुषार्थी।

ਉਦਰ उदर् Udar [3] **पुं०**
उदर (नपुं०) पेट, जठर।

ਉਂਦਰ उन्दर् Undar [2] **पुं०**
उन्दर (पुं०) चूहा, मूषक।

ਉਦਰ-ਅਗਨੀ उदर्-अग्नी Udar-Agnī [3] **स्त्री०**
उदराग्नि (पुं०) जठराग्नि, पेट की आग।

ਉਦਵਰਤਨ उद्वर्तन् Udvartan [3] **पुं०**
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, लेप-विशेष।

ਉਦਵਾਹ उद्वाह् Udvāh [3] **पुं०**
उद्वाह (पुं०) ले जाने की क्रिया; विवाह।

ਉਦਵੇਗ उद्वेग् Udveg [3] **पुं०**
उद्वेग (पुं०) व्याकुलता, घबराहट।

ਉਦਾਸ उदास् Udās [3] **वि०**
उदास (वि०) उदास, खिन्नचित्त, दुःखी; मोहरहित, विरक्त।

ਉਦਾਸੀ उदासी Udāsī [3] **स्त्री०**
उदासीनता (स्त्री०) उदासीनता, दुःख।

ਉਦਾਹਰਣ उदाहर्ण् Udāharṇ [3] **पुं०**
उदाहरण (नपुं०) उदाहरण, दृष्टान्त।

ਉਦਾਤ उदात् Udāt [3] **पुं०**
उदात्त (नपुं०) उच्चस्वर से उच्चारित वर्ण; उदात्तस्वर; एक अर्थालङ्कार।

ਉਦਾਨ उदान् Udān [2] पुं०
उदान (नपुं०) उदान नामक वायु जो नाभि-देश में स्थित रहती है।

ਉਦਾਰ उदार् Udār [3] वि०
उदार (वि०) उदार, दानी; श्रेष्ठ, उत्तम।

ਉਦਾਰਤਾ उदार्ता Udārtā [3] स्त्री०
उदारता (स्त्री०) उदारता; दानशीलता।

ਉਦੀਚੀ उदीची Udīcī [3] स्त्री०
उदीची (स्त्री०) उत्तर दिशा।

ਉਦੀਪਨ उदीपन् Udīpan [3] पुं०
उद्दीपन (नपुं०) भड़काने की क्रिया, ऐसी वस्तु जो कामादि को उत्तेजित करे; उद्दीपन विभाव।

ਉਦੀਰਣ[1] उदीरण् Udīraṇ [1] पुं०
उदीरण (नपुं०) कथन; व्याख्या।

ਉਦੀਰਣ[2] उदीरण् Udīraṇ [1] वि०
उदीर्ण (वि०) उद्दीप्त; क्षुब्ध।

ਉਦੇ उदे Ude [3] पुं०
उदय (पुं०) उदय, निकलने या प्रकट होने का भाव; वृद्धि।

ਉਦੇਸ਼[1] उदेश् Udeś [3] पुं०
उद्देश (पुं०) प्रयोजन, कारण; अभिलाष।

ਉਦੇਸ਼[2] उदेश् Udeś [3] पुं०
उद्देश्य (नपुं०) उद्देश्य, लक्ष्य।

ਉਦੰਡ उदंड् Udaṇḍ [2] वि०
उद्दण्ड (वि०) उद्दण्ड; निडर।

ਉਦੰਤ उदन्त् Udant [1] पुं०
उदन्त (नपुं०) वृत्तान्त; प्रसंग।

ਉੱਦਮ उद्दम् Uddam [3] पुं०
उद्यम (पुं०) उद्यम, उद्योग, यत्न।

ਉੱਦਮੀ उद्दमी Uddamī [3] वि०
उद्यमिन् (वि०) उद्यमी, उद्योगशील, परिश्रमी।

ਉਦ੍ਰੇਕ उद्रेक् Udrek [2] पुं०
उद्रेक (पुं०) आधिक्य, वृद्धि।

ਉਧਰ उधर् Udhar [3] क्रि० वि०
ततः (अ०) उधर, उस तरफ।

ਉਧਰਣ[1] उधृरण् Udhraṇ [3] पुं०
उद्धरण (नपुं०) किसी युक्ति या कथन को अन्यत्र अविकल रखा जाना, अवतरण; ऊपर उठने की क्रिया; मुक्त होने का भाव।

ਉਧਰਣ[2] उधृरण् Udhraṇ [2] पुं०
उद्धारण (नपुं०) उद्धार करने का भाव; पार करने का या मुक्त करने का भाव; उदाहरण देने का भाव।

ਉਧਰਨਾ उधर्ना Udharna [3] अक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि सक०/अक०) सक०—उद्धार करना। अक०—उभरना, उद्धृत होना।

ਉਧਰਿਤ उध्रित् Udhrit [3] वि०
उद्धृत (वि०) उठाया हुआ; उद्धार किया हुआ; चुना हुआ; किसी ग्रन्थ से लिया हुआ अंश।

ਉਧਾਰ उधार् Udhar [3] पुं०
उद्धार (पुं०) मुक्ति, छुटकारा; उधार।

ਉਧਾਰਨਾ उधार्ना Udharna [3] सक० क्रि०
उद्धारयति (भ्वादि प्रेर०) उद्धार करना; बचाना; उठाना।

ਉਧੇੜਨਾ उधेड़्णा Udherna [3] सक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि सक०) उधेड़ना, विच्छेद करना, अलग करना।

ਉੱਧ उद्ध् Uddh [1] वि०
उद्धत (वि०) उद्धत, उजड्ड, असभ्य।

ਉੱਧੜਨਾ उद्धड़्णा Uddharna [3] अक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि अक०) उधड़ना, विच्छिन्न होना, अलग होना।

ਉਨਤਾਲੀ उन्ताली Untali [3] वि०
एकोनचत्वारिंशत् (स्त्री०) उनतालीस (39)।

ਉਨੱਤੀ उनत्ती Unatti [3] वि०
ऊनत्रिंशत् (स्त्री०) उनतीस (29)।

ਉਨਮੱਤ उन्मत्त् Unmatt [3] वि०
उन्मत्त (वि०) उन्मत्त, मतवाला; पागल।

ਉਨਮਨ[1] उन्मन् Unman [3] वि०
उन्मनस् (वि०) क्षोभयुक्त, व्याकुल, उदासीन मनवाला।

ਉਨਮਨ[2] उन्मन् Unman [3] पुं०
उन्नतमनस् (नपुं०) ऊँचा मन, विशाल-हृदय।

ਉਨਮਨਾ उन्मना Unmana [3] पुं०
उन्मनस् (वि०) उन्मना, क्षोभयुक्त, व्याकुल; उदासीन मनवाला।

ਉਨਮਨੀ उन्मनी Unmani [3] स्त्री०
उन्मनी (स्त्री०) योग की एक मुद्रा; ज्ञानावस्था।

ਉਨਮਾਦ[1] उन्माद् Unmad [3] पुं०
उन्माद (पुं०) मस्ती; खुमारी; रोग विशेष।

ਉਨਮਾਦ[2] उन्माद् Unmad [3] वि०
उन्मत्त (वि०) उन्मत्त, मतवाला; पागल।

ਉਨਮਾਦੀ उन्मादी Unmadi [3] वि०
उन्मादिन् (वि०) उन्मादी, उन्मत्त; पागल।

ਉਨਮਾਨ उन्मान् Unmān [1] पुं०
अनुमान (नपुं०) अनुमान; विचार।

ਉਨਮਾਰਗ उन्मारग् Unmarag [2] पुं०
उन्मार्ग (पुं०) कुमार्ग; कुरीति।

ਉਨਮੂਲਨ उन्मूलन् Unmūlan [3] पुं०
उन्मूलन (नपुं०) जड़ सहित उखाड़ने की क्रिया; नाश करने का भाव।

ਉਨਮੇਖ उन्मेख् Unmekh [2] पुं०
उन्मेष (नपुं०) आँख का झपकना; पलक गिरने तक का काल।

ਉਨਾਸੀ उनासी Unāsī [3] वि०
ऊनाशीति (स्त्री०) उन्यासी (79)।

ਉਨਾਨਵੇਂ उनान्वें Unānvẽ [3] वि०
ऊननवति (स्त्री०) नवासी (89)।

ਉਨੀਂਦਰ उनींदर् Unīdar [3] पुं०
उन्निद्रा (स्त्री०) ऊँघ, ऊँघने का भाव; आलस्य।

ਉਨੀਂਦਰਾ उनींद्रा Unīdrā [3] पुं०
उन्निद्र (वि०) ऊंघने वाला, तन्द्रा-युक्त, नींद का अनुभव करने वाला।

ਉੱਨ उन्न् Unn [3] स्त्री०
ऊर्णा (स्त्री०) ऊन।

ਉੱਨਤ उन्नत् Unnat [3] वि०
उन्नत (वि०) ऊँचा; प्रतिष्ठित।

ਉੱਨਤੀ उन्नती Unnatī [3] स्त्री०
उन्नति (स्त्री०) वृद्धि, तरक्की; श्रेष्ठता।

ਉੱਨਾ उन्ना Unnā [1] वि०
और्णक (वि०) ऊन सम्बन्धी।

ਉੱਨੀ उन्नी Unnī [3] वि०
ऊनविंशति (स्त्री०) उन्नीस (19)।

ਉਪ उप् Up [3] स्त्री०
उपमा (स्त्री०) उपमा, तुलना; एक अलङ्कार।

ਉਪਿੰਦਰ उप्इन्दर Upindar [3] पुं०
उपेन्द्र (पुं०) वामन भगवान्, विष्णु।

ਉਪਸਥ उप्सथ् Upsath [3] पुं०
उपस्थ (नपुं०) स्त्री एवं पुरुष की जननेन्द्रिय; कूल्हा।

ਉਪਸਥਿਤ उपस्थित् Upasthit [3] वि०
उपस्थित (वि०) उपस्थित, विद्यमान, मौजूद; पास बैठा हुआ।

ਉਪਸਥਿਤੀ उपस्थिती Upasthiti [3] स्त्री०
उपस्थिति (स्त्री०) उपस्थिति, हाज़िरी, मौजूदगी; पास बैठने की क्रिया।

ਉਪਸ਼ਮ उपशम् Upśam [3] पुं०
उपशम (पुं०) इन्द्रियों का संयम; वासना का निग्रह; रोग दूर करने का यत्न।

ਉਪਸਰਗ उप्सरग् Upsarag [3] **पुं॰**
उपसर्ग (पुं॰) उपसर्ग, रोग; उपद्रव; शकुन; विघ्न ।

ਉਪਸੰਹਾਰ उप्संहार् Upsanhar [3] **पुं॰**
उपसंहार (पुं॰) समाप्ति; अपनी ओर खींचने की क्रिया; सिद्धान्त; नतीजा ।

ਉਪਹਾਸ उप्हास् Uphas [3] **पुं॰**
उपहास (पुं॰) हँसी; मखौल, मजाक ।

ਉਪਹਾਰ उप्हार् Uphar [3] **पुं॰**
उपहार (पुं॰) भेंट; समीप ले जाने की क्रिया; पूजा ।

ਉਪਹਿਤ उप्हित् Uphit [2] **वि॰**
उपहित (वि॰) उपाधिवाला; धारण किया हुआ; मिला हुआ ।

ਉਪਕਰਣ उप्करण् Upkarn [3] **पुं॰**
उपकरण (नपुं॰) सामग्री, सामान; किसी वस्तु को सिद्ध करने की सामग्री ।

ਉਪਕਰਤਾ उप्कर्ता Upkarta [3] **वि॰**
उपकर्तृ (वि॰) उपकार करने वाला, सहायक ।

ਉਪਕਾਰ उप्कार् Upkar [3] **पुं॰**
उपकार (पुं॰) भलाई, नेकी; सहायता; अनुकूलता; नौकरी-चाकरी ।

ਉਪਕਾਰੀ उप्कारी Upkari [3] **वि॰**
उपकारिन् (वि॰) उपकारी, सहायक, उपकार करने वाला; कृपालु ।

ਉਪਕੰਠ उप्कण्ठ् Upkanth [2] **क्रि॰ वि॰**
उपकण्ठम् (अ॰) कण्ठ के पास; समीप; किनारे ।

ਉਪਕ੍ਰਮ उप्क्रम् Upkram [3] **पुं॰**
उपक्रम (पुं॰) आरम्भ; भूमिका; संसार की रचना का क्रम ।

ਉਪਕ੍ਰਿਤ उप्क्रित् Upkrit [3] **वि॰**
उपकृत (वि॰) जिसका उपकार किया गया हो, अनुगृहीत ।

ਉਪਗ੍ਰਹ उप्ग्रह् Upgrah [3] **पुं॰**
उपग्रह (पुं॰) उपग्रह, अपेक्षाकृत छोटा ग्रह; आकाश में प्रक्षिप्त आधुनिक वैज्ञानिक-यन्त्र ।

ਉਪਚਾਰ उप्चार् Upcar [2] **पुं॰**
उपचार (पुं॰) सेवा; यत्न; इलाज; मंत्र के जप की विधि ।

ਉਪਚਾਰਕ उप्चारक् Upcarak [3] **पुं॰**
उपचारक (वि॰) इलाज करने वाला; सेवा करने वाला; मन्त्र सिद्ध करने वाला; गौण शब्द ।

ਉਪਜਣਾ उप्जणा Upjṇā [3] **अक० क्रि०**
उपजायते (दिवादि अक०) उत्पन्न होना, उपजना; बढ़ना।

ਉਪਜਨ उप्जन् Upjan [2] **स्त्री०**
उपजन (पुं०) वृद्धि; उत्पत्ति; अंकुरण।

ਉਪਜਾਪ उप्जाप् Upjāp [2] **पुं०**
उपजाप (पुं०) कान में कहने की क्रिया; मंत्रजाप की विधि, उपांशु जप।

ਉਪਜੀਵਿਕਾ उप्जीविका Upjīvika [3] **स्त्री०**
उपजीविका (स्त्री०) आजीविका, रोजी, जीवन यापन का साधन।

ਉਪਠਾ उप्ठा Upṭhā [1] **वि०**
उत्पृष्ठ (वि०) औंधा, अधोमुख।

ਉਪਤਾਪ उप्ताप् Uptāp [3] **पुं०**
उपताप (पुं०) ताप, जलन; रोग की पीड़ा; चिन्ता; विपदा; ताप से उत्पन्न ताप।

ਉਪਦਿਸ਼ਾ उप्दिशा Updiśā [2] **स्त्री०**
उपदिशा (स्त्री०) दो दिशाओं के मध्य की दिशा, कोण।

ਉਪਦੇਸ਼ उप्देश् Updeś [3] **पुं०**
उपदेश (पुं०) शिक्षा; हित की बात; गुरुदीक्षा; देशान्तर्गत देश।

ਉਪਦੇਸ਼ਕ उप्देशक् Updeśak [2] **पुं०**
उपदेशक (वि०) उपदेश करने वाला, शिक्षक।

ਉਪਦੇਸ਼ਣ उप्देशण् Updeśaṇ [3] **स्त्री०**
उपदेशिनी (स्त्री०) उपदेशिका, उप-देश देने वाली।

ਉਪੱਦਰ उपद्दर् Upaddar [3] **पुं०**
उपद्रव (पुं०) उपद्रव, उत्पात; अत्याचार।

ਉਪੱਦਰਵ उपद्द्रव् Upaddrav [3] **पुं०**
द्र०—ਉਪੱਦਰ।

ਉਪੱਦਰਵੀ उपद्द्रवी Upaddravi [3] **वि०**
उपद्रविन् (वि०) उपद्रवी, उत्पाती; अत्याचारी।

ਉਪੱਦਰੀ उपद्दरी Upaddarī [3] **वि०**
उपद्रविन् (वि०) उपद्रवी, उत्पाती।

ਉਪਧਾਤ उप्धात् Updhāt [3] **पुं०**
उपधातु (पुं०) धातु की मैल; दो का मिश्रित धातु।

ਉਪਧਾਨ उप्धान् Updhān [3] **पुं०**
उपधान (नपुं०) तकिया; मन्त्रविशेष।

ਉਪਨਤ उप्नत् Upnat [2] **वि०**
उपनत (वि०) प्राप्त; प्रकट; आगे की तरफ झुका हुआ; शरणागत।

ਉਪਨਯਨ उप्नयन् Upnayan [3] पुं॰
उपनयन (नपुं॰) यज्ञोपवीत संस्कार; जनेऊ, समीप ले जाने की क्रिया।

ਉਪਨਾਮ उप्नाम् Upnām [3] पुं॰
उपनामन् (नपुं॰) दूसरा नाम, उपाधि।

ਉਪਨਿਆਸ उप्न्यास् Upnyās [3] पुं॰
उपन्यास (पुं॰) कथन, उपन्यास; त्याग; धरोहर, अमानत; पास रखने की क्रिया।

ਉਪਨਿਸ਼ਦ उप्निशद् Upniśad [3] पुं॰
उपनिषद् (स्त्री॰) उपनिषद् ग्रन्थ, वेदान्त, वेदों का अन्तिम भाग; पास बैठने की क्रिया।

ਉਪਨਿਯਮ उप्नियम् Upniyam [3] पुं॰
उपनियम (पुं॰) गौण नियम, नियमान्तर्गत नियम।

ਉਪਨੀਤ उप्नीत् Upnīt [2] वि॰
उपनीत (वि॰) उपनयन संस्कार युक्त; जनेऊधारी; समीप लाया हुआ।

ਉਪਨੇਤਰ उप्नेतर् Upnetar [3] पुं॰
उपनेत्र (नपुं॰) ऐनक, चश्मा; ज्ञानचक्षु।

ਉਪਨੇਤਾ उप्नेता Upnetā [2] वि॰
उपनेतृ (वि॰) लाने वाला; जनेऊ धारण कराने वाला आचार्य।

F.—4

ਉਪਪਤੀ उप्पती Uppatī [3] पुं॰
उपपति (पुं॰) जार, दूसरा पति।

ਉਪਪੁਰਾਣ उप्पुराण् Uppurāṇ [3] पुं॰
उपपुराण (नपुं॰) उपपुराण जिनकी संख्या 18 है।

ਉਪਬਨ उप्बन् Upban [3] पुं॰
उपवन (नपुं॰) बगीचा, बाग।

ਉਪਭੋਗ उप्भोग् Upbhog [3] पुं॰
उपभोग (पुं॰) पदार्थों का सेवन, इस्तेमाल; स्वाद लेने की क्रिया।

ਉਪਮਾ उप्मा Upmā [3] स्त्री॰
उपमा (स्त्री॰) समान, तुल्य; तौलने की क्रिया; समानता; दृष्टान्त; एक अर्थालङ्कार।

ਉਪਮਾਤਾ उप्माता Upmātā [2] स्त्री॰
उपमातृ (स्त्री॰) दाई; मौसी; चाची।

ਉਪਮਾਨ उप्मान् Upmān [3] पुं॰
उपमान (नपुं॰) जिससे उपमा दी जाय, उपमान; एक मात्रिक छन्द।

ਉਪਮੇਯ उप्मेय् Upmey [2] पुं॰
उपमेय (नपुं॰) जिसकी उपमा दी जाय।

ਉਪਯੁਕਤ उप्युक्त् Upyukt [3] **वि०**
उपयुक्त (वि०) योग्य, ठीक; सम्बन्धित।

ਉਪਯੋਗ उप्योग् Upyog [3] **पुं०**
उपयोग (पुं०) व्यवहार; प्रयोजन; उपयुक्तता।

ਉਪਯੋਗੀ उप्योगी Upyogī [3] **वि०**
उपयोगिन् (वि०) काम देने वाला; सहायक; अनुकूल।

ਉਪਰ उपर् Upar [3] **क्रि० वि०**
उपरि (अ०) ऊपर, ऊर्ध्व देश।

ਉਪਰਤ उप्रत् Uprat [2] **वि०**
उपरत (वि०) संसार में विरक्त, उदासीन; मृत।

ਉਪਰਤਨ उप्रतन् Upratan [3] **पुं०**
उपरत्न (नपुं०) घटिया किस्म का रत्न।

ਉਪਰਾਗ उप्राग् Uprāg [2] **पुं०**
उपराग (पुं०) रंग, वर्ण; रंगने की क्रिया।

ਉਪਰਾਜ उप्राज् Uprāj [2] **पुं०**
उपराज (पुं०) राजा का प्रतिनिधि; युवराज।

ਉਪਰਾਂਤ उप्रान्त् Uprānt [3] **क्रि० वि०**
उपरान्तम् (अ०) तत्पश्चात्, अनन्तर।

ਉਪਰਾਮ उप्राम् Uprām [2] **पुं०**
उपराम (पुं०) त्याग, वैराग्य; विश्राम, आराम।

ਉਪਰੋਕਤ उप्रोकत् Uprokat [3] **वि०**
उपर्युक्त (वि०) पूर्वोक्त; ऊपर कहा हुआ।

ਉਪਰੋਧ उप्रोध् Uprodh [2] **पुं०**
उपरोध (पुं०) रुकावट, रोक; दुःख; विघ्न।

ਉਪਰੋਧਕ उप्रोधक् Uprodhak [2] **पुं०**
उपरोधक (वि०) रोकने वाला, विघ्नकारक, बाधक।

ਉਪਲ उपल् Upal [2] **पुं०**
उपल (पुं०) पत्थर; ओला; बादल।

ਉਪਲੱਖਣ उप्लक्खण् Uplakkhaṇ [3] **पुं०**
उपलक्षण (नपुं०) उपलक्षण, किसी अन्य वस्तु का बोध कराने वाला शब्द।

ਉਪਲੱਛਣ उप्लच्छण् Uplacchaṇ [3] **पुं०**
उपलक्षण (नपुं०) किसी अन्य वस्तु का बोध कराने वाला शब्द।

ਉਪਲਬਧ उप्लबध् Uplabadh [3] **वि०**
उपलब्ध (वि०) प्राप्त; ज्ञात।

ਉਪਲਬਧੀ उप्लब्धी Uplabdhī [3] **स्त्री०**
उपलब्धि (स्त्री०) प्राप्ति; ज्ञान।

ਉਪਵਾਸ उप्वास् Upvās [3] **पुं०**
उपवास (पुं०) व्रत, उपवास ।

ਉਪਵਾਹ उप्वाह् Upvah [3] **पुं०**
उद्वाह (पुं०) विवाह; वहन करने का भाव ।

ਉਪਵੇਸ਼ਨ उप्वेशन् Upveśan [1] **पुं०**
उपवेशन (नपुं०) बैठने की क्रिया ।

ਉਪਵੇਦ उप्वेद् Upved [2] **पुं०**
उपवेद (पुं०) चार उपवेद (आयुर्वेद, गान्धर्ववेद, धनुर्वेद और स्थापत्यवेद)।

ਉਪਾ उपा Upā [3] **पुं०**
उपाय (पुं०) उपाय; यत्न; साधन ।

ਉਪਾਉ उपाउ Upāu [3] **पुं०**
उपाय (पुं०) यत्न; साधन; पास आने की क्रिया; उपचार ।

ਉਪਾਉਣਾ उपाउणा Upāuṇa[3] **सक० क्रि०**
उत्पादयति (दिवादि प्रेर०) उत्पन्न करना, उपजाना; बढ़ाना ।

ਉਪਾਇਆ उपाइआ Upāiā [3] **वि०**
उत्पादित (वि०) उत्पन्न किया हुआ; निर्मित ।

ਉਪਾਸ਼ਕ उपाशक् Upāśak [3] **पुं०**
उपासक (वि०) पूजक, भक्त; पास बैठने वाला ।

ਉਪਾਸ਼ਨਾ उपाश्ना Upāśna[3] **स्त्री०**
उपासना (स्त्री०) उपासना, भक्ति ।

ਉਪਾਖਿਆਨ उपाख्यान् Upākhyan[3] **पुं०**
उपाख्यान (नपुं०) पुरानी कथा, इतिहास; किसी कथा से संबद्ध करने वाली कथा ।

ਉਪਾਤ उपात् Upāt [1] **स्त्री०**
उत्पाद (पुं०) जन्म, पैदाइश ।

ਉਪਾਦਾਨ उपादान् Upādān [3] **पुं०**
उपादान (नपुं०) लेना, ग्रहण करना, प्राप्ति; ज्ञान; अपने विषय में इन्द्रियों की प्रवृत्ति; वह कारण जो कार्य में परिवर्तित हो जाय ।

ਉਪਾਦੇਯ उपादेय् Upādey[3] **वि०**
उपादेय (वि०) प्राप्त करने योग्य, ग्रहण योग्य; जानने योग्य, श्रेष्ठ कार्य ।

ਉਪਾਧ उपाध् Upādh [3] **स्त्री०**
उपाधि (पुं०) उत्पात, उपद्रव; झगड़ा ।

ਉਪਾਧਣ उपाधण् Upādhaṇ [3] **स्त्री०**
उपाधिमती (स्त्री०) उत्पात करने वाली स्त्री ।

ਉਪਾਧਿਆਇ उपाध्याय् Upādhyay [2] **पुं०**
उपाध्याय (पुं०) आचार्य, जिसके पास जाकर पढ़ा जाय, पुरोहित ।

ਉਪਾਧੀ उपाधी Upadhi [3] **स्त्री०**
उपाधि (पुं०) उपाधि, मान-पत्र; उप-नाम; योग्यता प्रमाण; पदवी; छल; वस्तुबोधक वह कारण जो उस वस्तु से भिन्न हो।

ਉਪਾਰਜਨ उपार्जन् Uparjan [3] **पुं०**
उपार्जन (नपुं०) जमा करना, इकट्ठा करना; कमाने या मेहनत से धन पैदा करने का भाव।

ਉਪਾਲੰਭ उपालम्भ् Upalambh [2] **पुं०**
उपालम्भ (पुं०) उलाहना, शिकवा।

ਉਪੇਖਿਆ उपेख्या Upekhya [3] **स्त्री०**
उपेक्षा (स्त्री०) उदासीनता; निरादर, तिरस्कार; त्याग।

ਉਪੰਗ उपंग् Upang [3] **पुं०**
उपाङ्ग (नपुं०) अंग का भाग, अंग के तुल्य; कृत्रिम अंग; एक प्रकार का बाजा।

ਉੱਪਰ उप्पर् Uppar [3] **अ०**
उपरि (अ०) ऊपर।

ਉਫਟਨ उफ्टन् Uphtan [2] **पुं०**
स्फुटन (नपुं०) फूल इत्यादि का खिलना, स्फुटित होना; फुदकने या, उछलने का भाव।

ਉਫਣਨਾ उफण्ना Uphanna [3] **अक० क्रि०**
उत्फणति (भ्वादि अक०) उफनना, उबलना; जोश खाना।

ਉਫਾਣ उफाण् Uphan [3] **पुं०**
उत्फाण (पुं०) उफान; उबाल; जोश।

ਉਬਸਣਾ उबस्णा Ubasna [1] **अक० क्रि०**
उद्वस्यते (भ्वादि अक० भाव०) दुर्गन्धित होना, सड़ना।

ਉਬਸਾਉਣਾ उब्साउणा Ubsauna [2] **सक० क्रि०**
उद्वास्यते (भ्वादि प्रेर० कर्म०) दुर्गन्धित करना, सड़ाना, नष्ट करना।

ਉਬਟ उबट् Ubat [2] **पुं०**
उद्वाट (पुं०) विकट मार्ग, ऊबड़-खाबड़ रास्ता; घाटी।

ਉਬਟਣਾ उब्टणा Ubtana [2] **पुं०**
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, चन्दन-चिरौंजी-तिल आदि पदार्थों का लेप।

ਉਬਟਾਉਣਾ उब्टाउणा Ubtauna [3] **सक० क्रि०**
अपवर्तते (भ्वादि सक०) पीछे मोड़ना, पलटना।

ਉਬਰਨ उब्रन् Ubran [1] **पुं०**
उद्धरण (नपुं०) ऊपर आना; बुरी हालत से अच्छी दशा में होने का भाव।

ਉਬਰਨਾ उबर्ना Ubarna [1] अक० क्रि०
उपब्रूते (अदादि सक०) बोलना, आवाज करना।

ਉਬਾਸਣਾ उबास्णा Ubāsṇā [3] सक० क्रि०
उद्वासयति (चुरादि प्रेर०) सड़ाना, दुर्गन्धित करना।

ਉਬਾਰਨਾ उबार्ना Ubārna [1] सक० क्रि०
उद्धारयति (चुरादि सक०) उद्धार करना, उठाना; मुक्त करना; बचाना, रक्षा करना।

ਉਬਾਲਣਾ उबाल्णा Ubālṇa [3] सक० क्रि०
उद्वालयति (भ्वादि प्रेर०) उबालना, उकालना।

ਉਬਾਲਾ उबाला Ubala [3] पुं०
उद्वाल (पुं०) उबाल, उफान, खौलाव।

ਉਬਾਲੀ उबाली Ubālī [3] स्त्री०
द्र०—ਉਬਾਲਾ।

ਉੱਬਲਣਾ उब्बलणा Ubbalṇa
[3] अक० क्रि०
उद्बलते (भ्वादि अक०) उबलना, खौलना।

ਉਭਰਨ उभ्रन् Ubhran [3] पुं०
उद्भरण (नपुं०) ऊपर की ओर जाने या उठने का भाव; भड़काने या निकलने का भाव।

ਉਭਾਰ उभार् Ubhar [3] पुं०
उद्भार (पुं०) उभार; उठान।

ਉਭਾਰਨਾ उभार्ना Ubharna [3] पुं०
उद्भारयति (भ्वादि प्रेर०) उभारना; ऊँचा करना, उठाना; उद्धार करना।

ਉਭੇਸਾਹ उभेसाह् Ubhesah [3] पुं०
ऊर्ध्वश्वास (पुं०) ऊँची साँस; शोक अथवा कफादि रोग से साँस के ऊँचा अथवा रुक-रुक कर चलने का भाव।

ਉਭੈ उभै Ubhai [1] सर्व०
उभय (सर्व०) दोनों।

ਉੱਭਰਨਾ उब्भर्ना Ubbharna
[3] अक० क्रि०
उद्भरति (भ्वादि अक०) उठना, उभरना।

ਉਮਗਣਾ उमग्णा Umagṇa [1] अक० क्रि०
द्र०—ਉਮੰਗਣਾ।

ਉਮਾ उमा Uma [3] स्त्री०
उमा (स्त्री०) शिव की स्त्री पार्वती; प्रभा।

ਉਮੰਗਣਾ उमंग्णा Umāgṇa [1] अक० क्रि०
उन्मज्जति (तुदादि अक०) खूब प्रसन्न होना, आनन्दित होना।

ਉਰ[1] उर् Ur [3] पुं०
उरु (पुं०) जाँघ, जंघा।

ਉਰ[2] उर् Ur [1] पुं०
उरस् (नपुं०) छाती, वक्ष स्थल।

ਉਰਗ उरग् Urag [1] पुं०
उरग (पुं०) पेट के बल चलने वाला प्राणी; सर्प।

ਉਰਜ[1] उरज् Uraj [1] पुं०
उरोज (पुं०) छाती के बीच उत्पन्न होने वाला अर्थात् स्तन।

ਉਰਜ[2] उरज् Uraj [1] पुं०
ऊर्ज्ज (पुं०) कार्तिक मास।

ਉਰਬਰਾ उर्बरा Urbara [3] स्त्री०
उर्वरा (स्त्री०) उपजाऊ।

ਉਰਬੀ उर्बी Urbī [3] स्त्री०
उर्वी/उर्व्वी (स्त्री०) पृथिवी, धरती।

ਉਰਲਾ उर्ला Urla [3] वि०
अवरतर (वि०) इस तरफ का, नीचे का, निम्न।

ਉਰਵਸ਼ੀ उर्वशी Urvaśī [3] स्त्री०
उर्वशी (स्त्री०) उर्वशी नामक अप्सरा।

ਉਰੇ उरे Ure [3] क्रि० वि०
अवरम् (अ०) पास, समीप; नीचे; क्षुद्र, निकृष्ट; अन्तिम; छोटा।

ਉਰੇਰੇ उरेरे Urere [3] वि०
अवरतर (वि०) समीपतर, निकट।

ਉਲਕਾ उल्का Ulka [3] स्त्री०
उल्का (स्त्री०) उल्का, प्रकाश की रेखा; आकाश से टूटने वाला तारा।

ਉਲਝਣ उल्झण् Uljhaṇ [2] स्त्री०
अवरुन्धन (नपुं०) उलझन, उलझने का भाव।

ਉਲਝਣਾ उल्झणा Uljhaṇa [3] अक०/सक० क्रि०
उपरुणद्धि (रुधादि अक०/सक०) अक०—उलझना, बाधा में पड़ना। सक०—रोकना।

ਉਲਟਣਾ उल्टणा Ulṭaṇa [3] सक० क्रि०
उल्लटति (भ्वादि सक०) उलटना-पलटना।

ਉਲਾਸ उलास् Ulās [3] पुं०
उल्लास (पुं०) उल्लास, हर्ष; उत्साह; प्रकाश; चमत्कार।

ਉਲਾਂਭਾ उलाम्भा Ulāmbha [3] पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना; भर्त्सना।

ਉਲਾਰਨਾ उलार्ना Ulārna [3] सक० क्रि०
उल्लालयते (चुरादि सक०) उछालना।

ਉਲਾਲਣਾ उलाल्णा Ulālṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਲਾਰਨਾ।

ਉਲੀਕਣਾ उलीक्णा Ulīkṇa [3] सक० क्रि०
उल्लिखति (तुदादि सक०) लकीर खींचना, रेखाङ्कित करना।

ਉਲੀਚਣ उलीचण् Ulīcan [3] पुं०
उल्लुञ्चन (नपुं०) उलीचने का भाव, गड्ढे या पात्रादि से पानी निकालने का भाव।

ਉਲੀਚਣਾ उलीच्णा Ulīcṇa [3] सक० क्रि०
उल्लुञ्चति (भ्वादि सक०) उलीचना, हाथ या पात्र के द्वारा पानी को गड्ढे आदि से बाहर निकालना।

ਉਲੇਖ उलेख् Ulekh [3] पुं०
उल्लेख (पुं०) लेख, लिपि; एक अर्थालङ्कार।

ਉਲੰਘਣ उलंघण् Ulaṅghaṇ [3] पुं०
उल्लङ्घन (नपुं०) अतिक्रमण, लाँघने का भाव।

ਉਲੰਘਣਾ उलंघ्णा Ulaṅghṇa [3] अक० क्रि०
उल्लङ्घयति (चुरादि सक०) लाँघना, पार करना।

ਉੱਲੂ उल्लू Ullū [3] पुं०
उलूक (पुं०) उल्लू, घूक; वैशेषिक शास्त्र के कर्ता कणाद ऋषि।

ਉਵਾਚ उवाच् Uvāc [2] अक० क्रि० परोक्षभूत
उवाच (अदादि सक० लिट्) बोला।

ਉੜਨਾ उड़्ना Uṛna [3] अक० क्रि०
उड्डयते (भ्वादि अक०) उड़ना।

ਊ

ਊ ऊ Ū [3] अ०
ओह् (अ०) ओह्, भय एवं शोक बोधक शब्द।

ਊਸਰ ऊसर् Ūsar [2] वि०
ऊसर (वि०) ऊसर, अनुपजाऊ।

ਊਸ਼ਾ ऊशा Ūśa [3] स्त्री०
उषा (स्त्री०) उष: काल, सबेरा, प्रात:।

ਊਕਲੂ ऊक्लू Ūklū [1] पुं०
उत्कट (पुं०) एक प्रकार की घास, ईख।

ਊਚ ऊच् Ūc [2] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत (पद / जाति में)।

ਊਠ ऊठ् Ūṭh [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਊਠਣੀ ऊठ्णी Ūṭhṇī [3] स्त्री०
उष्ट्री (स्त्री०) ऊँटनी, ऊँट की मादा।

ਊਣ ऊण् Ūṇ [3] वि०
ऊन (वि०) न्यून, कम।

ਊਨਾ ऊणा Ūṇa [3] वि०
ऊना (वि०) न्यून, कम, अपूर्ण, अभावयुक्त।

ਊਦਕ ऊदक् Ūdak [3] पुं०
उदक (नपुं०) जल, पानी।

ਊਧਮ ऊधम् Ūdham [3] पुं०
उद्धम (पुं०) उधम, उपद्रव।

ਊਧਵ ऊधव् Ūdhav [3] पुं०
उद्धव (पुं०) देवभाग यादव के पुत्र, कृष्ण के चाचा।

ਊਂਧਾ ऊँधा Ūdhā [3] पुं०
अवमूर्घ (वि०) औंधा, जिसका मुख नीचे को उलटा हो।

ਊਨੀ ऊनी Ūnī [3] वि०
और्णिक (वि०) ऊन का, ऊन से निर्मित।

ਊਭ ऊभ् Ūbh [1] वि०
ऊर्ध्व (वि०) सीधा, ऊपर।

ਊਰਧ ऊरध् Ūradh [3] वि०
ऊर्ध्व (वि०) ऊँचा, बड़ा।

ਊਰਧਰੇਤਾ ऊरध्रेता Ūradhretā [3] पुं०
ऊर्ध्वरेतस् (पुं०) भीष्मपितामह; हनुमान; शिव; सनकादि मुनि; बालब्रह्मचारी।

ਊਰਧਲੋਕ ऊरध्लोक् Ūradhlok [3] पुं०
ऊर्ध्वलोक (पुं०) वैकुण्ठ लोक; स्वर्ग; आकाश।

ਊਰਾ ऊरा Ūrā [3] वि०
अपूर्ण (वि०) पूरा नहीं, न्यून; मूर्ख, विद्याविहीन।

ਓ

ਓ ओ O [3] अ०
ओ (अ०) अये, अवस्था या पद में छोटे व्यक्ति के लिये सम्बोधन सूचक शब्द; ब्रह्मा।

ਓਅੰਕਾਰ ओअंकार् Oaṅkār [3] पुं०
ओङ्कार (पुं०) प्रणव-ध्वनि, ऊँकार।

ਓਸ[1] ओस् Os [3] सर्व०
असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का सूचक शब्द।

ਓਸ[2] ओस् Os [3] स्त्री०
अवश्याय (पुं०) ओस, तुषार, कुहरा।

ਓਸ਼ਠ ओशठ् Osaṭh [3] पुं०
ओष्ठ (पुं०) ओठ, होंठ, विशेषरूप से ऊपरी होंठ।

ਓਹ[1] ओह् Oh [3] सर्व०
असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का बोधक शब्द।

ਓਹ[2] ओह् Oh [3] अ॰
ओह (अ॰) अहह, शोक बोधक शब्द।

ਓਕ ओक् Ok [3] पुं॰
ओकस् (नपुं॰) निवास-स्थान, मकान, गृह।

ਓਕੜੂ ओकड़ू Okṛū [3] क्रि॰ वि॰
उत्कुटक (नपुं॰) पैरों के बल बैठने का भाव।

ਓਜ ओज् Oj [3] पुं॰
ओजस् (नपुं॰) बल, ताकत; प्रकाश; तेज; काव्य का एक गुण।

ਓਜੱਸਵੀ ओजस्सवी Ojassavī [3] पुं॰
ओजस्विन् (त्रि॰) ओजस्वी, तेजस्वी; प्रतापी; शक्तिशाली।

ਓਜਣਾ ओज्णा Ojṇā [3] अक॰ क्रि॰
ओजति/यति/ते (भ्वादि/चुरादि अक॰) शक्तिमान् होना; बढ़ना; जीना।

ਓਝਾ ओझा Ojhā [3] पुं॰
उपाध्याय (पुं॰) पढ़ाने वाले ब्राह्मणों का एक वर्ग; ब्राह्मणों का एक उपनाम।

ਓਠਾ ओठा Oṭhā [2] वि॰
औष्ट्रक (वि॰) ऊँट सम्बन्धी, ऊँट का।

ਓਢਣੀ ओढ्णी Oḍhṇī [3] स्त्री॰
अवगुण्ठन (नपुं॰) ओढ़नी, शिर पर ओढ़ने का वस्त्र।

ਓਢਾਉਣਾ ओढाउणा Oḍhauṇā [3] सक॰ क्रि॰
अवगुण्ठयति (चुरादि सक॰) ओढ़ाना, पहिराना।

ਓਤ ओत् Ot [3] पुं॰
ओत (नपुं) ताना हुआ सूत।

ਓਤਪੋਤ ओत् पोत् Otpot [2] पुं॰
ओत-प्रोत (नपुं॰) ताना-बाना; सम्मिश्रित।

ਓਤਾ ओता Otā [3] वि॰
अपुत्र (त्रि॰) पुत्रहीन।

ਓਦਣ ओदण् Odaṇ [3] पुं॰
ओदन (पुं॰/नपुं॰) भात, पका चावल।

ਓਦਰਨਾ ओदर्ना Odarnā [2] अक॰ क्रि॰
अवदलति (भ्वादि अक॰) उदास होना, दिल न लगना।

ਓਪਰਾ ओप्रा Oprā [3] वि॰
अपर (सर्व॰) अपर, दूसरा, पराया।

ਓਲ ओल् Ol [3] **पुं०**
ओल (नपुं०) जमीकन्द, सूरण; साड़ी का पल्ला; झोली; गोद।

ਓਲਾ ओला Ola [3] **पुं०**
उपल (पुं०) ओला, पत्थर; पहाड़ी पत्थर, शिला।

ਅ

ਅਸ अस् As [3] **स्त्री०**
असि (पुं०) तलवार, कृपाण।

ਅਸਹਿ असह् Asah [3] **वि०**
असह्य (वि०) असहनीय, जो सहा न जा सके।

ਅਸ਼ਕਤ अश्कत् Aśkat [3] **वि०**
असक्त (वि०) आसक्ति-रहित; विरक्त; मुक्त, स्वतन्त्र।

ਅਸਗੰਧ अस्गन्ध् Asgandh [3] **स्त्री०**
अश्वगन्धा (स्त्री०) असगन्ध, औषध-विशेष।

ਅਸਚਰਜ अस्चर्ज् Ascarj [3] **पुं०**
आश्चर्य (नपुं०) आश्चर्य, अचरज।

ਅਸੱਜਣ असज्जण् Asajjaṇ [3] **वि०**
असज्जन (वि०) दुष्ट, दुर्जन, पामर।

ਅਸ਼ਟ अशट् Aśaṭ [3] **वि०**
अष्टन् (वि०) आठ (8)।

ਅਸ਼ਟ-ਪਦੀ अशट्-पदी Aśaṭpadī [3] **स्त्री०**
अष्टपदी (स्त्री०) आठ प्रकार के छन्दों में लिखा ग्रन्थ।

ਅਸ਼ਟਮੀ अश्टमी Aśṭamī [3] **स्त्री०**
अष्टमी (स्त्री०) कृष्ण और शुक्ल पक्ष की आठवीं तिथि।

ਅਸ਼ਟਾਵਕਰ अश्टावकर् Aśṭavakar [3] **पुं०**
अष्टावक्र (पुं०) एक ऋषि, उद्दालक की पुत्री सुमति से कहोड ब्राह्मण द्वारा उत्पन्न पुत्र।

ਅਸਤ अस्त् Ast [3] **वि०/पुं०**
अस्त (वि०/पुं०) वि०—छिपा हुआ, अन्तर्हित; नष्ट। पुं०—अस्ताचल।

ਅਸਤਰ अस्तर् Astar [3] **पुं०**
अस्त्र (नपुं०) फेंक कर मारने वाला हथियार, चक्र-गोला आदि।

ਅਸੱਤ असत्त् Asatt [3] **वि०**
असत्य (वि०) झूठ, मिथ्या, अवास्तविक।

ਅਸਥਾਈ असथाई Asthāī [3] **वि०**
अस्थायिन् (वि०) अस्थिर; विनाशी।

ਅਸਥਿਰ असथिर् Asthir [3] **वि०**
अस्थिर (वि०) चंचल, विनाशी।

ਅਸਥੀ अस्थी Asthī [3] **स्त्री०**
अस्थि (नपुं०) अस्थि, हड्डी।

ਅਸਥੂਲ अस्थूल् Asthūl [3] **वि०**
अस्थूल (वि०) सूक्ष्म, लघु।

ਅਸਦ੍ਰਿਸ਼ अस्द्रिश् Asdriś [3] **वि०**
असदृश (वि०) जिसके समान दूसरा नहीं, असमान।

ਅਸ਼ਨਾਨ अश्नान् Aśnān [3] **पुं०**
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने की क्रिया।

ਅਸਪਰਸ਼ अस्परश् Asparaś [3] **वि०**
अस्पृश्य (वि०) छूने के योग्य नहीं, अछूत।

ਅਸਪਾਤ अस्पात् Aspāt [3] **पुं०**
अयस्पत्र (नपुं०) लोहे का टुकड़ा जिससे तलवार बनती है; आरा।

ਅਸਫਲ अस्फल् Aspal [3] **वि०**
असफल (वि०) निष्फल, फलरहित; परिणाम रहित।

ਅਸਫੁਰਿਤ असफुरित् Asphurit [3] **वि०**
स्फुरित (वि०) चंचल, चलायमान; प्रतिभासित।

ਅਸਭਿਅ असभ्य् Asabhy [3] **वि०**
असभ्य (वि०) गँवार, अशिक्षित, जो सभा के मध्य बैठना या बोलना नहीं जानता।

ਅਸੱਭਿਆ असब्भ्या Asabbhyā [3] **वि०**
द्र०—ਅਸਭਿਅ।

ਅਸਮ असम् Asam [3] **वि०**
असम (वि०) विषम, जो सम न हो, ऊँचा-नीचा।

ਅਸ਼ਮ अशम् Aśam [3] **पुं०**
अश्मन् (पुं०) पत्थर; पहाड़, पर्वत; बादल।

ਅਸਮਰੱਥ अस्मरत्थ् Asmaratth [3] **वि०**
असमर्थ (वि०) अशक्त, अयोग्य।

ਅਸਮੰਜਸ अस्मंजस् Asmañjas [3] **वि०**
असमञ्जस (वि०) असंगत; दोषपूर्ण।

ਅਸਰੂਪ अस्रूप Asrūp [3] **वि०**
अस्वरूप (वि०) स्वरूपरहित, जिसका स्वरूप नहीं, अरूप।

ਅਸ਼ਲੀਲ अश्लील् Aślīl [3] **वि०**
अश्लील (वि०) शोभारहित, निन्दित; गंवारी बोली।

ਅਸ਼ਲੀਲਤਾ अश्लील्ता Aślīltā [3] **स्त्री०**
अश्लीलता (स्त्री०) अश्लीलता, अशोभनीयता, भद्दापन।

ਅਸ਼ਵਮੇਧ अशव्मेध Asavmedh [3] **पुं०**
अश्वमेध (पुं०) अश्वमेध नामक वैदिक यज्ञ।

ਅਸਵਾਰ अस्वार् Asvar [2] **पुं०**
अश्ववार (पुं०) घुड़सवार, अश्वरोही।

ਅਸਾਂ असाँ Asā̃ [3] **सर्व०**
अस्मद् (सर्व०) हम, उत्तम पुरुष।

ਅਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ अशास्त्री Asastri [3] **पुं०**
अशास्त्रिन् (वि०) जो शास्त्र नहीं जानता; अशिक्षित; शास्त्र विरोधी कर्म करने वाला।

ਅਸ਼ਾਂਤੀ अशान्ती Asānti [3] **स्त्री०**
अशान्ति (स्त्री०) शान्ति का अभाव, क्षोभ।

ਅਸਾਧ[1] असाध् Asadh [3] **वि०**
असाध्य (वि०) जो साध्य न हो; ऐसा रोग जो दूर न हो सके।

ਅਸਾਧ[2] असाध् Asadh [3] **वि०**
असाधु (वि०) असज्जन, दुष्ट, बुरा।

ਅਸਾਧਾਰਣ असाधारण् Asadharan [3] **वि०**
असाधारण (वि०) असामान्य, विशेष, खास।

ਅਸਿਖਿਅਤ असिख्यत् Asikhyat [3] **वि०**
अशिक्षित (वि०) शिक्षाहीन, शिक्षारहित, गंवार।

ਅਸੀਂ असीं Asī [3] **सर्व०**
अस्मद् (सर्व०) हम सब; उत्तम पुरुष।

ਅਸੀਸ असीस् Asis [3] **स्त्री०**
आशीष् (नपुं०) आसीस, आशीर्वाद।

ਅਸੀਮ असीम् Asim [3] **वि०**
असीमन् (वि०) सीमारहित, निस्सीम।

ਅਸ਼ੀਲ अशील् Asil [3] **वि०**
अशील (पुं०/वि०) पुं०—शील का अभाव; वि०—शील रहित।

ਅਸ਼ੁੱਧ अशुद्ध Asuddha [3] **वि०**
अशुद्ध (वि०) अपवित्र, मलिन; गलत।

ਅਸ਼ੁੱਧੀ अशुद्धी Asuddhi [3] **स्त्री०**
अशुद्धि (स्त्री०) अपवित्रता, मलिनता; त्रुटि।

ਅਸ਼ੁਭ अशुभ् Asubh [3] **वि०**
अशुभ (वि०) जो शुभ नहीं; बुरा, अमङ्गल।

ਅਸੁਰ असुर् Asur [3] **पुं०**
असुर (पुं०) (देवता को) फेंकने वाला, दैत्य; भूत-प्रेत; मूर्ख।

ਅਸ਼ੋਕ अशोक् Asok [3] **पुं०**
अशोक (पुं०) शोक का अभाव, आनन्द; अशोक वृक्ष जिसके पत्ते सदा हरे रहते हैं; अशोक एक राजा।

ਅਸੋਚ अशोच् Aśoc [3] वि०
अशोच्य (वि०) न सोचने योग्य ।

ਅਸੋਤਾ असोता Asota [3] पुं०
असुप्ति (स्त्री०) जागरण ।

ਅਸੌਚ असौच् Asauc [3] पुं०
अशौच (नपुं०) अपवित्रता, अशुद्धि ।

ਅਸੰਖ असंख् Asaṅkh [3] वि०
असंख्य (वि०) संख्याहीन, अगणित, अनन्त ।

ਅਸੰਗ असंग् Asaṅg [3] वि०
असङ्ग (वि०) संग रहित, अकेला; आसक्ति रहित, निर्लेप ।

ਅਸੰਗਤ असंगत् Asaṅgat [3] वि०
असङ्गत (वि०) अयोग्य, अनुचित ।

ਅਸੰਗਤੀ असंगती Asaṅgtī [3] स्त्री०
असंगति (स्त्री०) अयोग्यता, अनौचित्य; एक अर्थालङ्कार ।

ਅਸੰਗ੍ਰਹ असंग्रह् Asaṅgrah [3] पुं०
असङ्ग्रह (पुं०) संग्रह का अभाव, असंचय ।

ਅਸੰਚਿਤ असंचित् Asañcit [3] वि०
आसञ्जित (वि०) जोड़ा हुआ ।

ਅਸੰਤ असन्त् Asant [3] वि०
असत् (वि०) सन्त का अभाव, असज्जन, खोटा ।

ਅਸੰਭਾਵਨਾ असम्भावना Asambhavanā [3] स्त्री०
असम्भावना (स्त्री०) संभावना का अभाव, अनहोनापन ।

ਅਸੰਮਤ असम्मत् Asammat [3] वि०
असम्मत (वि०) जो सम्मत नहीं, जो पसन्द नहीं; परामर्श से विरुद्ध ।

ਅੱਸੀ अस्सी Assī [3] स्त्री०
अशीति (स्त्री०) अस्सी (80) ।

ਅੱਸੂ अस्सू Assū [3] पुं०
अश्वयुज (पुं०) आश्विन मास ।

ਅਸ੍ਰਮ अश्रम् Aśram [3] वि०
अश्रम (वि०) परिश्रमशून्य, थकान-रहित; क्लेश-हीन ।

ਅਹਲਿਆ अहलिआ Ahalia [3] स्त्री०
अहल्या (स्त्री०) अहल्या, गौतम की पत्नी ।

ਅਹਿੰਸਾ अहिंसा Ahinsā [3] स्त्री०
अहिंसा (स्त्री०) हिंसा का अभाव; जीवों के प्राण न लेने का व्रत ।

ਅਹਿਣ ऐह्ण् Aihṇ [3] पुं०
अशनि (पुं०) वज्र, कुलिश; ओले ।

ਅਹਿਤ अहित् Ahit [3] वि०
अहित (वि०) हित के विरुद्ध; वैरी, विरोधी ।

ਅਹਿਨਿਸ ऐह्निस् Aihnis [3] क्रि० वि०
अहर्निशम् (अ०) अहर्निश, दिन-रात; नित्य; निरन्तर।

ਅਹਿਰਣ ऐह्रण् Aihran [3] स्त्री०
अधिकरणी (स्त्री०) निहाई, जहाँ लोहार लोहा कूटता है; आधार; सहारा।

ਅਹਿਲਕੀ ऐह्लकी Aihlki [2] वि०
अलस (वि०) आलसी, निष्क्रिय।

ਅਹੀਰ अहीर् Ahir [3] पुं०
आभीर (पुं०) अहीर, ग्वाला, जाति-विशेष।

ਅਹੋਣੀ अहोणी Ahoni [3] वि०
अभवनीय (वि०) न होने योग्य, असंभव।

ਅਹੰ अहम् Aham [3] सर्व०
अहम् (सर्व० प्रथमान्त) मैं, उत्तम पुरुष।

ਅਹੰਕਾਰ अहंकार् Ahankar [3] पुं०
अहङ्कार (पुं०) अभिमान, घमण्ड।

ਅਹੰਕਾਰੀ अहंकारी Ahankari [3] वि०
अहंकारिन् (वि०) अहंकार करने वाला, अभिमानी, घमण्डी।

ਅਕਸਮਾਤ अकस्मात् Akasmat [3] क्रि० वि०
अकस्मात् (अ०) अचानक, इत्तफाकन।

ਅਕਹਿ अकह् Akah [3] वि०
अकथ्य (वि०) न कहने योग्य, अकथनीय।

ਅਕਥ अकथ् Akath [3] वि०
द्र० —ਅਕਹਿ।

ਅਕਪਟ अकपट् Akapat [3] वि०
अकपट (वि०) बिना कपट वाला; छल रहित।

ਅਕਰਤਾ अकर्ता Akarta [3] वि०
अकर्तृ (वि०) न करने वाला।

ਅਕਰਮਾ अकर्मा Akarma [3] वि०
अकर्मन् (वि०) कर्म-हीन, मन्दभागी बदनसीब।

ਅਕਲਪਿਤ अकल्पित् Akalpit [3] वि०
अकल्पित (वि०) कल्पनातीत; अकस्मात्।

ਅਕਲੰਕ अकलंक Aklank [3] वि०
अकलङ्क (वि०) निष्कलङ्क, दोषरहित।

ਅਕਲੰਕਿਤ अकलंकित् Aklankit [3] वि०
अकलङ्कित (वि०) कलंक-रहित, निर्दोष।

ਅਕਾਰ अकार् Akar [3] पुं०
अकार (पुं०) 'अ' अक्षर।

ਅਕਾਰਣ अकारण् Akaran [3] वि०
अकारण (वि०/पुं०) वि०—कारण रहित; पुं०—स्वयंभू, भगवान्।

ਅਕਾਲ अकाल् Akal [3] पुं०
अकाल (पुं०) असमय, अनुपयुक्त काल; कालातीत।

ਅਕਿਰਤਘਣ अकिर्त्घण् Akirtghaṇ [3] **वि०**
कृतघ्न (वि०) जो किये हुये उपकार को न माने, उपकार भूल जाने वाला।

ਅਕੁਲਾਉਣਾ अकुलाउणा Akulauṇa [3] **अक० क्रि०**
आकोलति (भ्वादि अक०) अकुलाना, व्याकुल होना।

ਅੱਕ अक्क् Akk [3] **पुं०**
अर्क (पुं०) आक, मदार का पौधा।

ਅਕ੍ਰਿਤਘਣ अक्रित्घण् Akritghaṇ [3] **वि०**
द्र० — ਅਕਿਰਤਘਣ।

ਅਖਰੋਟ अख्रोट् Akhroṭ [3] **पुं०**
अक्षोट (पुं०) अखरोट।

ਅਖਾਣ अखाण् Akhaṇ [3] **पुं०**
आख्यान (नपुं०) कथा, कहानी; व्याख्या, कथन।

ਅਖਾੜਾ अखाड़ा Akhaṛa[3] **पुं०**
अक्षपाट/अक्षवाट (पुं०) अखाड़ा, कुश्ती का स्थान; रंगमंच, जनसमूह के एकत्रित होने का स्थान।

ਅਖਿਲ अखिल् Akhil [3] **वि०**
अखिल (वि०) समग्र, पूरा।

ਅਖੰਡ अखण्ड् Akhṇḍ [3] **वि०**
अखण्ड (वि०) अखण्ड, सब, समग्र।

ਅੱਖ अक्ख Akkh [3] **स्त्री०**
अक्षि (नपुं०) आँख, नेत्र।

ਅੱਖਰ अक्खर् Akkhar [3] **पुं०**
अक्षर (पुं०/नपुं०) पुं०—नित्य, अविनाशी। नपुं०—अकारादि वर्ण।

ਅਗਰ अगर् Agar [3] **पुं०**
अगरु (पुं०, नपुं०) अगर, सुगन्धित हवनीय काष्ठ।

ਅਗਰਗਾਮੀ अगर्गामी Agargami [3] **वि०**
अग्रगामिन् (वि०) अग्रगामी, आगे चलने वाला।

ਅਗਰਬੱਤੀ अगर्बत्ती Agarbatti [3] **स्त्री०**
अगरुवर्त्ति (स्त्री०) अगरबत्ती, धूपबत्ती।

ਅਗਲਾ अग्ला Agla [3] **वि०**
अग्रिम (वि०) अगला, प्रथम।

ਅਗਵਾਨ अग्वान् Agvan [3] **वि०**
अग्रयावन् (वि०) आगे जाने वाला, नेता।

ਅਗਵਾਨੀ अग्वानी Agvani [3] **स्त्री०**
अग्रयान (नपुं०) अगवानी, आगे रहने का भाव।

ਅਗਵਾੜਾ अग्वाड़ा Agvaṛa[3] **पुं०**
अग्रवाट (पुं०) घर के आगे की घिरी जमीन, अगवार।

ਅਗਵਾੜੀ अग्वाड़ी Agvaṛi [3] **स्त्री०**
द्र० — ਅਗਵਾੜਾ।

ਅਗਾਊ अगाऊ Agāū [2] **वि॰**
अग्रगामिन् (वि॰) अग्रगामी, आगे रहने वाला।

ਅਗਾਊਂ अगाऊँ Agaū̃ [3] **वि॰**
अग्रिम (वि॰) अग्रिम, आगे का।

ਅਗਾਹ अगाह् Agāh [3] **वि॰**
अगाध (वि॰) अथाह, गभीर, अपार।

ਅਗਾੜੀ अगाड़ी Agāṛī [3] **क्रि॰ वि॰/वि॰**
अग्र (क्रि॰ वि॰/वि॰) क्रि॰ वि॰—आगे, पहले, सामने। वि॰—अगला, पहला, ।

ਅਗਿਆਤ अग्यात् Agyāt [3] **वि॰**
अज्ञात (वि॰) न जाना हुआ, अपरिचित।

ਅਗਿਆਨ अग्यान् Agyān [3] **पुं॰**
अज्ञान (नपुं॰) ज्ञान का अभाव, मूर्खता; अविद्या।

ਅਗੇਤ अगेत् Aget [3] **स्त्री॰**
अग्रेत्वन् (स्त्री॰) पहले होने का भाव; पूर्व भाव।

ਅਗੇਤਰਾ अगेत्रा Agetrā [3] **वि॰**
द्र॰—ਅਗੇਤਾ।

ਅਗੇਤਾ अगेता Agetā [3] **वि॰**
अग्रेतन (वि॰) पूर्वभावी, पहले होने वाला।

ਅਗੰਮ अगम्म् Agamm [3] **वि॰**
अगम्य/अगम (वि) अगम, अथाह, जहाँ गति न हो सके।

ਅੱਗ अग्ग् Agg [3] **स्त्री॰**
अग्नि (पुं॰) अग्नि, आग।

ਅੱਗਾ अग्गा Aggā [3] **पुं॰**
अग्रभाग (पुं॰) अगला, आगे का।

ਅੱਗੇ अग्गे Agge [3] **क्रि॰ वि॰**
अग्रे (अ॰) आगे, आगे की तरफ।

ਅਘੋਰ अघोर् Aghor [3] **वि॰/पुं॰**
अघोर (वि॰/पुं॰) **वि॰**—जो भयंकर नहीं, सुन्दर। पुं॰—भगवान् शिव।

ਅਚਲ अचल् Acal [3] **वि॰**
अचल (वि॰) स्थिर, नित्य, ध्रुव।

ਅਚਾਰਜ अचारज् Acāraj [3] **पुं॰**
आचार्य (पुं॰) आचार्य, शिक्षा-दीक्षा देने वाला।

ਅਚਿਰ अचिर् Acir [3] **क्रि॰ वि॰**
अचिरम् (अ॰) शीघ्र, जल्दी।

ਅਚੰਭਾ अचम्भा Acambhā [3] **पुं॰**
अस्कम्भन (नपुं॰) अचम्भा, आश्चर्य।

ਅਛੇਦ अछेद् Ached [3] **वि॰**
अच्छेद्य (वि॰) अखण्ड, जिसका छेदन न हो सके।

ਅੱਛਾ अच्छा Acchā [3] **वि०**
अच्छ (वि०) अच्छा, बढ़िया ।

ਅਜਸ[1] अजस् Ajas [3] **वि०**
अयशस् (वि०) यशोहीन, बदनाम ।

ਅਜਸ[2] अजस् Ajas [3] **पुं०**
अपयशस् (नपुं०) अपकीर्त्ति, बदनामी ।

ਅਜਗਰ अज्गर् Ajgar [3] **पुं०**
अजगर (पुं०) अजगर, बड़ा साँप ।

ਅਜਵਾਇਣ अज्वाइण् Ajvāiṇ [3] **स्त्री०**
यवानी (स्त्री०) अजवाइन ।

ਅਜਾਣ अजाण् Ajāṇ [2] **वि०**
अज्ञान (वि०) अज्ञान, ज्ञान-हीन; अन-जान, नादान ।

ਅਜਾਤ[1] अजात् Ajāt [3] **वि०**
अजात (वि०) जो जन्मा नहीं, अजन्मा ।

ਅਜਾਤ[2] अजात् Ajāt [3] **वि०**
अज्ञात (वि०) न ज्ञात, अपरिचित ।

ਅਜਿੱਤ अजित्त् Ajitt [3] **वि०**
अजित (वि०) अजित, अजेय ।

ਅਜੀਰਣ अजीरण् Ajīraṇ [3] **वि०/पुं०**
अजीर्ण (वि०/नपुं०) वि०—जो पुराना न हो, नवीन । नपुं०—अपच ।

F. 6

ਅਜੇ अजे Aje [3] **क्रि० वि०**
अद्यैव (अ०) अभी, आज ही ।

ਅੱਜ अज्ज् Ajj [3] **अ०**
अद्य (अ०) आज ।

ਅਝਕਣਾ अझक्णा Ajhakṇā [2] **क्रि०**
अध्यास्ते (अदादि अक०) झिझकना, हिचकना ।

ਅਞਾਣਾ अञाणा Añāṇā [3] **वि०**
अज्ञान (वि०) अज्ञानी, नादान, मासूम, भोला ।

ਅਟਕਾ अट्का Aṭkā [3] **पुं०**
अट्टक (पुं०) विराम, अवरोध ।

ਅਟਲ अटल् Aṭal [3] **वि०**
अटल (वि०) न टलने वाला, अविचल, स्थिर, दृढ़ ।

ਅਟਵੀ अट्वी Aṭvī [3] **स्त्री०**
अटवी (स्त्री०) जङ्गल, वन ।

ਅਟਾਰੀ अटारी Aṭārī [3] **स्त्री०**
अट्टालिका (पुं०) अट्टालिका, इमारत ।

ਅਟੁੱਟ अटुट्ट् Aṭuṭṭ [3] **वि०**
अत्रुटित (वि०) न टूटा हुआ; त्रुटि-रहित ।

ਅੱਟਣ अट्टण् Aṭṭaṇ [3] **पुं॰**
घृष्ट (?) (नपुं॰) घट्टा, रगड़ से पड़ा चिह्न ।

ਅੱਟਾ अट्टा Aṭṭā [3] **पुं॰**
अट्ट (नपुं॰, पुं॰) बंडल, पुलिन्दा, गट्ठड़ ।

ਅੱਟੀ Aṭṭī [3] **स्त्री॰**
अट्ट (पुं॰) सूत का बंडल, गट्ठड़ ।

ਅਠਤਾਲੀ अठ्ताली Aṭhtālī [3] **वि॰**
अष्टाचत्वारिंशत् (स्त्री॰) अड़तालीस; 48 ।

ਅਠੱਤਰ अठत्तर् Aṭhattar [3] **वि॰**
अष्टसप्तति (स्त्री॰) अठहत्तर; 78 ।

ਅਠੱਤੀ अठत्ती Aṭhattī [3] **वि॰**
अष्टात्रिंशत् (स्त्री॰) अड़तीस; 38 ।

ਅਠਵਾਰਾ अठ्वारा Aṭhvārā [3] **पुं॰**
अष्टवार (नपुं॰) आठ दिन, सप्ताह ।

ਅਠਵੰਜਾ अठ्वंजा Aṭhvañjā [3] **वि॰**
अष्टपञ्चाशत् (स्त्री॰) अट्ठावन, 58 ।

ਅਠਾਈ अठाई Aṭhāī [3] **वि॰**
अष्टाविंशति (स्त्री॰) अट्ठाईस; 28 ।

ਅਠਾਈਵਾਂ अठाईवां Aṭhāīvā̃ [3] **वि॰**
अष्टाविंशतितम (वि॰) अट्ठाईसवाँ ।

ਅਠਾਸੀ अठासी Aṭhāsī [3] **वि॰**
अष्टाशीति (स्त्री॰) अट्ठासी; 88 ।

ਅਠਾਸੀਵਾਂ अठासीवाँ Aṭhāsīvā̃ [3] **वि॰**
अष्टाशीतितम (वि॰) अट्ठासीवाँ ।

ਅਠਾਹਟ अठाहट् Aṭhāhaṭ [3] **वि॰**
अष्टाषष्टि (स्त्री॰) अड़सठ; 68

ਅਠਾਨਵੇਂ अठान्वें Aṭhānvẽ [3] **वि॰**
अष्टानवति (स्त्री॰) अट्ठान्वे; 98 ।

ਅਠਾਰਾਂ अठारां Aṭhārā̃ [3] **वि॰**
अष्टादशन् (वि॰) अठारह; 18 ।

ਅਠਿਆਨੀ अठ्यानी Aṭhyānī [3] **स्त्री॰**
अष्टाणक (नपुं॰) अठन्नी, 50 पैसे ।

ਅੱਠ अट्ठ् Aṭṭh [3] **वि॰**
अष्टन् (वि॰) आठ; 8 ।

ਅੱਠਮੀ अट्ठमी Aṭṭhamī [3] **स्त्री॰**
द्र॰—ਅੱਠੇਂ ।

ਅੱਠਵਾਂ अट्ठवाँ Aṭṭhavā̃ [3] **वि॰**
अष्टम (वि॰) आठवाँ ।

ਅੱਠਵੀਂ अट्ठवीं Aṭṭhavī̃ [3] **स्त्री॰**
अष्टमी (स्त्री॰) आठवी तिथि इत्यादि ।

ਅੱਠਾ अट्ठा Aṭṭhā [3] **वि॰**
अष्टक (वि॰) ताश का अट्ठा; आठ संख्या वाला ।

ਅੱਠੇ अट्ठे Atthe [3] **वि०**
अष्टमी (स्त्री०) अष्टमी तिथि; आठवीं।

ਅਡੰਬਰ अडम्बर् Adambar [3] **पुं०**
आडम्बर (नपुं०) पाखण्ड, कृत्रिमता; तम्बू।

ਅੱਡਣਾ अड्डणा Addna [3] **सक० क्रि०**
अर्दति (भ्वादि सक०) माँगना; झोली आदि फैलाना; मुँह खोलना।

ਅਣਹੋਣੀ अण्होणी, Anhoni [3] **स्त्री०**
अभवनीय (वि०) अनहोनी, असभाव्य।

ਅਣਗਿਣਤ अण्गिणत् Anginat [3] **वि०**
अगणित (वि०) अनगिनत, असंख्य; बेहिसाब।

ਅਣਜਾਣ अण्जाण् Anjan [3] **वि०**
अज्ञान (वि०) अनजान, अजानी, मूर्ख; गँवार।

ਅਣਡਿੱਠ अण्डिट्ठ् Anditth [3] **वि०**
अदृष्ट (वि०) अदृष्ट, जो देखा न गया हो।

ਅਣਥੱਕ अण्थक्क् Anthakk [3] **वि०**
अस्थगित (वि०) अनथक, बिना रुके।

ਅਣਮੁੱਲ अण्मुल्ल् Anmull [3] **वि०**
अमूल्य (वि०) अनमोल, बहुमूल्य।

ਅਣਮੁੱਲਾ अण्मुल्ला Anmulla [3] **वि०**
अमूल्य (वि०) अमूल्य, जिसका मूल्य न हो, अनमोल।

ਅਣਵਾਦ अणूवाद् Anūvad [3] **पुं०**
अणुवाद (पुं०) वैशेषिक दर्शन जिसमें परमाणु संयोग से जगत् की उत्पत्ति मानी गई है।

ਅਤਰ अतर् Atar [3] **पुं०**
इत्र (नपुं०) इत्र, अतर।

ਅਤਰਕ अत्रक् Atrak [3] **वि०**
अतर्क्य (वि०) तर्क से परे, जिसके विषय में तर्क न हो।

ਅਤਿਅੰਤ अत्यन्त् Atyant [3] **वि०**
अत्यन्त (वि०) अतिशय, बहुत अधिक।

ਅਤਿਸਾਰ अतिसार् Atisar [3] **पुं०**
अतिसार (पुं०) एक रोग, हैजा; तत्त्व का निचोड़।

ਅਤਿਰਿਕਤ अतिरिकत् Atirikat [3] **वि०**
अतिरिक्त (वि) अन्य, भिन्न, अलावा।

ਅਤਿਰੋਗ अतिरोग् Atirog [3] **पुं०**
अतिरोग (पुं०) कोढ़; असाध्य रोग।

ਅਤੀਤ अतीत् Atit [3] **वि०**
अतीत (वि०) बीता हुआ, गुजरा हुआ।

ਅਤੁੱਲ अतुल्ल् Atull [3] **वि०**
अतुल्य (वि०) अतुलनीय, अनुपम।

ਅੱਤ अत्त् Att [3] **क्रि० वि०**
अति (अ०) अधिक, बहुत ।

ਅੱਤਤਾਈ अत्तताई Attatai [3] **वि०**
आततायिन् (वि०) अत्याचारी, पापी; हत्यारा ।

ਅਤ੍ਰਿਪਤ अत्रिपत् Atripat [3] **वि०**
अतृप्त (वि०) असन्तुष्ट; लोभी ।

ਅਥਾਹ अथाह् Athāh [3] **वि०**
अस्थाघ (पुं०) अथाह, अगाध ।

ਅੱਥਰ अत्थर् Atthar [3] **स्त्री०**
अश्रु (नपुं०) आंसू, नेत्र-जल ।

ਅੱਥਰੂ अत्थरू Attharū [3] **पुं०**
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल ।

ਅਦਭੁਤ अद्भुत् Adbhut [3] **वि०**
अद्भुत (वि०) विचित्र, अलौकिक ।

ਅਦਰਕ अद्रक् Adrak [3] **पुं०**
आर्द्रक (नपुं०) अदरक, आदी ।

ਅਦਿਤ अदित् Adit [3] **पुं०**
आदित्य (पुं०) अदिति की सन्तान; सूर्य ।

ਅਦਿਤੀ अदिती Aditī [3] **स्त्री०**
अदिति (स्त्री०) दक्ष की पुत्री एवं कश्यप की स्त्री; पृथ्वी ।

ਅਦੁੱਤੀ अदुत्ती Aduttī [3] **वि०**
अद्वितीय (वि०) अद्वितीय, प्रथम ।

ਅਦੰਡ अदण्ड् Adaṇḍ [3] **वि०**
अदण्डच (वि०) जो दण्डनीय न हो, अदण्डनीय ।

ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਟ अद्रिश्ट् Adriṣṭ [3] **वि०/पुं०**
अदृष्ट (वि० / पुं०) वि०—अनदेखा । पुं०—कर्मांश; भाग्य, प्रारब्ध ।

ਅਧਰਮੀ अधर्मी Adharmī [3] **वि०**
अधर्मिन् (वि०) अधर्मी, विधर्मी ।

ਅਧਰੰਗ अध्रंग् Adhraṅg [3] **पुं०**
अर्धाङ्गिका (स्त्री०) लकवा रोग, पक्षाघात ।

ਅਧਵਾਟਾ अध्वाटा Adhvāṭā [3] **पुं०**
अर्द्धवाट (पुं०) आधा रास्ता ।

ਅਧਵਾੜ अध्वाड़् Adhvāṛ [3] **पुं०**
अर्धपाट (पुं०) किसी वस्तु का आधा भाग, अर्द्धभाग ।

ਅਧਿਆਤਮ अधिआतम् Adhiātam [3] **पुं०**
अध्यात्म (नपुं०) आत्मा संबंधी, आत्म-विद्या ।

ਅਧਿਸ਼ਟਾਤਾ अधिष्टाता Adhiṣṭātā [3] **वि०**
अधिष्ठातृ (वि०) व्यवस्था करनेवाला, मुखिया, प्रधान ।

ਅਧਿਪਤੀ अधिपती Adhipatī [3] **पुं०**
अधिपति (पुं०) स्वामी; राजा।

ਅਧਿਭੌਤਿਕ अधिभौतिक् Adhibhautik [3] **वि०**
आधिभौतिक (वि०) पदार्थ-सम्बन्धी।

ਅਧੀਨ अधीन् Adhīn [3] **वि०**
अधीन (वि०) अधीन, आधीन, वश्य।

ਅਧੀਨਤਾ अधीनुता Adhīntā [3] **स्त्री०**
अधीनता (स्त्री०) अधीनता, परवशता, परतन्त्रता।

ਅਧੀਰ अधीर् Adhīr [3] **वि०**
अधीर (वि०) धैर्यरहित, व्याकुल।

ਅਧੂਰਾ अधूरा Adhūrā [3] **पुं०**
अर्धपूरक (वि०) आधा किया हुआ, अपूर्ण।

ਅਧੇੜ अधेड़् Adheṛ [3] **वि०**
अर्धायुस् (वि०) अधेड़, जिसकी लगभग आधी आयु बीत चुकी हो।

ਅੱਧ अद्ध् Addh [3] **पुं०**
अर्ध (पुं० / नपुं०) पुं०—आधा भाग। नपुं०—बीच, मध्य।

ਅੱਧਸੇਰ अद्धसेर् Addhaser [2] **पुं०**
अर्धसेटक (नपुं०) आधे सेर का बाट।

ਅੱਧਕਚਰਾ अद्धकच्रा Addhkacrā [3] **पुं०**
अर्द्धकच्चर (पुं०) अधकचरा, कूड़ा, करकट।

ਅੱਧਮਾਸੀ अद्धमासी Addhmāsī [3] **पुं०**
अर्द्धमाष (नपुं०) आधे मासे का तौल।

ਅੱਧਾ अद्धा Addhā [3] **पुं०**
अर्द्ध (वि०) आधा; अधूरा।

ਅੱਧਿਆਏ अद्ध्याए Addhyāe [3] **पुं०**
अध्याय (पुं०) अध्याय, भाग, परिच्छेद।

ਅੱਧੀ अद्धी Addhī [3] **वि०**
आर्ध (वि०) आधी, आधा भाग।

ਅੱਧੋ-ਅੱਧ अद्धो-अद्ध् Addho-addh [3] **वि०**
अर्धम् अर्धम् (वि०) आधा-आधा।

ਅੱਧੋਰਾਣਾ अद्धोराणा Addhorāṇā [1] **वि०**
अर्धपुराण (वि०) कुछ पुराना वस्त्र।

ਅਨਪੜ੍ਹ अन्पढ़् Anpaṛh [3] **वि०**
अपठित (वि०) अनपढ़, अपढ़, अशिक्षित।

ਅਨਮਨਾ अन्मना Anmanā [2] **वि०**
अन्यमनस् (वि०) बेमन; उदासीन।

ਅਨਰਥ अन्रथ् Anrath [3] **वि०**
अनर्थ (वि०) व्यर्थ, उल्टा अर्थ; उत्पात; निष्फल।

ਅਨਾਜ अनाज् Anāj [3] **पुं०**
अन्नाद्य (नपुं०) अन्न, अनाज।

ਅਨਾਮਾ अनामा Anāmā [3] **स्त्री०**
अनामिका (स्त्री०) कनिष्ठिका के पास की अँगुली अनामिका।

ਅਨਾੜੀ अनाड़ी Anāṛī [3] **वि०**
अनार्य (वि०) ज्ञानहीन; अपरिपक्व।

ਅਨਿਆਂ अन्यां Anyā̃ [3] **पुं०**
अन्याय (पुं०) अन्याय, न्याय का अभाव।

ਅਨਿਆਈ अन्याई Anyāī [3] **वि०**
अन्यायिन् (वि०) अन्यायी, न्याय नहीं करने वाला।

ਅਨਿੰਨ अनिन्न् Aninn [3] **वि०**
अनन्य (वि०) अन्य से संबध नहीं रखने वाला; एक का ही।

ਅਨਿਰਵਚਨੀ अनिर्वच्नी Anirvacnī [3] **वि०**
अनिर्वचनीय (वि०) जिसका कथन नहा हो सके, अकथ्य; माया; ब्रह्म।

ਅਨੀਲ अनील् Anīl [3] **वि०**
अनेनस् (वि०) पाप रहित, निष्पाप।

ਅਨੁਸੂਤ अनुसूत् Anusūt [3] **वि०**
अनुस्यूत (वि०) व्याप्त, ओत-प्रोत।

ਅਨੁਕਤ अनुकत् Anukat [3] **वि०**
अनुक्त (वि०) जो कहा न गया हो, अकथित।

ਅਨੁਕੂਲ अनुकूल Anukūl [3] **वि०**
अनुकूल (वि०) अनुकूल, जो विपरीत न हो।

ਅਨੁਦਾਤ अनुदात् Anudāt [3] **वि०**
अनुदात्त (वि०) जो उदात्त न हो अर्थात् छोटा, ओछा, अनुदार।

ਅਨੁਰਾਗ अनुराग् Anurāg [3] **पुं०**
अनुराग (पुं०) राग, प्रेम, स्नेह।

ਅਨੁਰਾਗੀ अनुरागी Anurāgī [3] **वि०**
अनुरागिन् (वि०) अनुराग वाला, प्रेमी।

ਅਨੁਵਾਦ अनुवाद् Anuvād [3] **पुं०**
अनुवाद (पुं०) अनुवाद; रूपान्तर।

ਅਨੇਕ अनेक् Anek (वि०) अनेक, एक से अधिक।

ਅਨੰਨਤਾ अनन्नता Anannatā [3] **स्त्री०**
अनन्यता (स्त्री०) दूसरे से संबध का अभाव, अनन्य का भाव।

ਅਨ੍ਹੇਰ अन्हेर् Anher [3] **पुं०**
अन्धकार (पुं०) अन्धेरा, अन्धकार।

ਅਨ੍ਹੇਰਾ अन्हेरा Anherā [3] **पुं०**
अन्धकार (पुं०) अन्धकार, अन्धेरा।

ਅਪਸ਼ਗਨ अप्शगन् Apśagan [3] **पुं०**
अपशकुन (नपुं०) अपसगुन, अशुभ-लक्षण।

ਅਪਕਰਸ਼ अप्करष् Apkaraṣ [3] **पुं०**
अपकर्ष (पुं०) नीचे खींचने का भाव; अवनति; निरादर।

ਅਪਕੀਰਤੀ अप्कीर्ती Apkirtī [3] **स्त्री०**
अपकीर्त्ति (स्त्री०) अपयश, निन्दा।

ਅਪੱਛਰਾਂ अपच्छरां Apaccharā̃ [3] **स्त्री०**
अप्सरस् (स्त्री०) अप्सरा, देवाङ्गना।

ਅਪਜਸ अप्जस् Apjas [3] **पुं०**
अपयशस् (नपुं०) अपकीर्ति, बदनामी; निन्दा।

ਅਪਦਾ अप्दा Apdā [3] **स्त्री०**
आपदा (स्त्री०) आपदा, आपत्ति, आफत।

ਅਪਮਾਨ अप्मान् Apmān [3] **पुं०**
अपमान (पुं०) अपमान, तिरस्कार, निरादर।

ਅਪਰਾਧ अप्राध् Aprādh [3] **पुं०**
अपराध (पुं०) अपराध, दोष, त्रुटि।

ਅਪਰਾਧੀ अप्राधी Aprādhī [3] **वि०**
अपराधिन् (वि०) अपराधी, दोषी।

ਅਪਰੋਖ अप्रोख् Aprokh [3] **वि०**
अपरोक्ष (वि०) जो परोक्ष न हो, सामने, प्रत्यक्ष।

ਅਪਵਾਦੀ अप्वादी Apvādī [3] **वि०**
अपवादिन् (वि०) निन्दक; झगड़ालू; कटुभाषी।

ਅਪਵਿੱਤਰ अप्वित्तर् Apvittar [3] **वि०**
अपवित्र (वि०) अशुद्ध, मलयुक्त।

ਅਪੁੱਠਾ अपुट्ठा Apuṭṭhā [3] **पुं०**
उत्पृष्ठ (त्रि०) अधोमुख औंधा।

ਅਪੁੱਤਾ अपुत्ता Aputtā [3] **वि०**
अपुत्र (वि०) अपुत्र, पुत्रहीन।

ਅਪੂਰਬ अपूरब् Apūrab [3] **वि०**
अपूर्व (वि०) जो पहले नहीं हुआ हो, अनोखा।

ਅਪੇਖਿਆ अपेख्या Apekhyā [3] **स्त्री०**
अपेक्षा (स्त्री०) ईच्छा, चाह; आवश्यकता।

ਅੱਪੜ अप्पड़् Appaṛ [3] **वि०**
अपृत (वि०) वह जमीन जो जोती न गई हो, अनजुती भूमि।

ਅੱਪੜਨਾ अप्पड़्ना Appaṛnā [3] **सक० क्रि०**
आप्नोति (स्वादि सक०) पहुँचना, प्राप्त करना।

ਅਫੀਮ अफीम् Aphīm [3] **स्त्री०**
अहिफेन (नपुं०) अफीम, मादक वस्तु।

ਅਫੀਮੀ अफीमी Aphimi [3] **वि०**
अहिफेनिन् (वि०) अफीमची, अफीम-खाने वाला।

ਅਫੁਰ अफुर् Aphur [3] **वि०/पुं०**
अस्पृह (वि०/पुं०) वि०—निष्पृह, ईच्छा-रहित। पुं०—अव्यक्त, ईश्वर।

ਅਫੁਰਣ अफुरण् Aphuraṇ [3] **पुं०**
द्र०—ਅਫੁਰ।

ਅਬਗਤ अब्गत् Abgat [3] **वि०**
अपगत (वि०) दुर्गत, दुर्गति से युक्त।

ਅਬਰਕ अब्रक् Abrak [3] **पुं०**
अभ्रक (नपुं०) अभ्रक नाम का खनिज पदार्थ जो औषध के काम आता है।

ਅਬਲਾ अब्ला Abla [3] **स्त्री०**
अबला (स्त्री०) स्त्री, नारी।

ਅਬਾਧ अबाध् Abadh [3] **वि०**
अबाध (वि०) बिना बाधा के, निर्विघ्न।

ਅਬੁਝ अबुझ् Abujh [3] **वि०**
अबुध (वि०) अज्ञानी, अपण्डित।

ਅਬੁਝਣਾ अबुझ्णा Abujhṇa [3] **पुं०**
अबोधन (नपुं०) अज्ञान, नासमझी।

ਅਭਉ अभौ Abhau [3] **वि०**
अभय (वि०) निर्भय, निडर।

ਅਭੱਖ अभक्ख Abhakkha [3] **वि०**
अभक्ष्य (वि०) अखाद्य, जो भक्षण के योग्य न हो।

ਅਭਗਤ अभ्गत् Abhgat [1] **पुं०**
अभक्त (पुं०) भक्तिहीन, श्रद्धारहित।

ਅਭਾਗ अभाग् Abhag [3] **वि०**
अभाग्य (नपुं०) दुर्भाग्य, दुर्दैव।

ਅਭਾਗਾ अभागा Abhaga [3] **पुं०**
अभाग्य (वि०) अभागा, भाग्यहीन।

ਅਭਿਆਸ अभ्यास् Abhyas [3] **पुं०**
अभ्यास (पुं०) पुनरावृत्ति, बार-बार आवर्तन; यत्न, प्रयास।

ਅਭਿਆਸੀ अभ्यासी Abhyasi [3] **वि०**
अभ्यासिन् (वि०) अभ्यास करने वाला, साधना करने वाला।

ਅਭਿਨੰਦਨ अभिनन्दन् Abhinandan [3] **पुं०**
अभिनन्दन (नपुं०) स्वागत; स्तुति, प्रशंसा; आनन्द।

ਅਭਿਮਾਨ अभिमान् Abhiman [3] **पुं०**
अभिमान (पुं०) घमण्ड, अहंकार।

ਅਭਿਰਿਠ अभिरिठ् Abhiriṭh [3] **वि०**
अभीष्ट (वि०) मनोवांछित; सुखदाई।

ਅਭਿਲਾਖਾ अभिलाखा Abhilakha [3] **स्त्री०**
अभिलाष (पुं०) अभिलाषा, इच्छा।

ਅਭਿਲਾਖੀ अभिलाखी Abhilakhī [3] **वि०**
अभिलाषिन् (वि०) इच्छा करने वाला, चाहने वाला ।

ਅਭੇਦ अभेद् Abhed [3] **पुं०**
अभेद (पुं०) भेद का अभाव, एकता ।

ਅਭੈ अभै Abhai [3] **वि०**
अभय (वि०) अभय, भयरहित, निडर ।

ਅਭੰਗੀ अभङ्गी Abhaṅgī [3] **वि०**
अभङ्गिन् (वि०) पूर्ण, अखण्ड ।

ਅਮਕਾ अमुका Amkā [3] **वि०**
अमुक (वि०) अमुक, वह व्यक्ति या वस्तु ।

ਅਮਰ अमर् Amar [3] **वि०**
अमर (वि०) अमर, मृत्यु रहित ।

ਅਮਲ अमल् Amal [3] **वि०/पुं०**
अम्ल (वि०/पु०) वि०—खट्टा । पु०—खटाई; सिरका; तेजाब ।

ਅਮਾਵਸ अमावस् Amāvas [3] **स्त्री०**
अमावस्या (स्त्री०) अमावस, कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि ।

ਅਮਿਤੋਜ अमितोज् Amitoj [3] **वि०**
अमितौजस् (वि०) जिसके बल का कोई अन्त नहीं, अमित बलशाली ।

ਅਮੂਰਤ अमूरत् Amūrat [3] **वि०**
अमूर्त्त (वि०) जिसकी मूर्त्ति न हो, निरङ्कार; आकाश; दिशा; जीवात्मा ।

ਅਮ੍ਰਿਤ अम्रित् Amrit [3] **पुं०**
अमृत (नपुं०) अमृत, सुधा ।

ਅਯਾਣਾ अयाणा Ayāṇā [3] **वि०**
अजानत् (वि०) अज्ञानी, अपरिपक्व ।

ਅਯਾਲ अयाल् Ayāl [2] **स्त्री०**
द्र०—ਅਯਾਲੀ ।

ਅਯਾਲੀ अयाली Ayālī [3] **पुं०**
अविपाल (पुं०) भेड़-बकरी चराने वाला, चरवाहा ।

ਅਯੋਗ अयोग् Ayog [3] **वि०**
अयोग्य (वि०) अयोग्य, जो योग्य न हो ।

ਅਰ अर् Ar [3] **पुं०**
अर (पुं०) पहिये की तिल्ली, अरा ।

ਅਰਕ[1] अर्क् Ark [3] **पुं०/स्त्री०**
अरत्नि (पुं०) कुहनी ।

ਅਰਕ[2] अरक् Arak [3] **पुं०**
अर्क (पुं०) सूर्य; धतूरा ।

ਅਰਗਲ अर्गल् Argal [3] **स्त्री०**
अर्गला (स्त्री०) सांकल, चटखनी ।

ਅਰਘ अरघ् Aragh [3] पुं०
अर्घ (पु०) भेंट, पूजा; मूल्य; जल।

ਅਰਚਨ अर्चन् Arcan [1] पुं०
अर्चन (नपुं०) पूजा; सत्कार, आदर।

ਅਰਜਨ अर्जन् Arjan [3] पुं०
अर्जन (नपुं०) कमाने का भाव; संग्रह करने का भाव।

ਅਰਣਵ अर्णव् Arṇav [1] पुं०
अर्णव (पु०) समुद्र, सागर।

ਅਰਥ अर्थ् Arath [3] पुं०
अर्थ (पुं०) शब्द का भाव; प्रयोजन, मतलब; धन; पदार्थ।

ਅਰਥਾਤ अर्थात् Arthāt [3] अ०
अर्थात् (अ०) यानी, सचमुच।

ਅਰਧ[1] अरध् Aradh [3] वि०/पुं०
अर्ध (वि०/पुं०) वि०—आधा। पुं०—खण्ड, टुकड़ा।

ਅਰਧ[2] अरध् Aradh [3] क्रि० वि०
अधरम् (क्रि० वि०) अधोभाग में, नीचे।

ਅਰਧਾਂਗੀ अर्धांगी Ardhāṅgī [3] स्त्री०
अर्धाङ्गिनी (स्त्री०) पत्नी, भार्या।

ਅਰਧੰਗ अर्धंग् Ardhaṅg [3] पुं०
अर्धाङ्ग (नपुं० / पुं०) नपुं०—आधा अङ्ग। पुं०—शिव (अर्धनारीश्वर)।

ਅਰਨਾ अर्ना Arnā [3] वि०
आरण्य (वि०) जंगल में रहने वाला, जंगली।

ਅਰਪਣ अर्पण् Arpaṇ [3] पुं०
अर्पण (पुं०) भेंट, दान।

ਅਰਬ अरब् Arab [3] पुं०
अर्बुद (नपुं०) दस करोड़।

ਅਰਲ अर्ल् Arl [3] स्त्री०
अररी/अररि (स्त्री०/पुं०) लकड़ी की चिटकनी जो किवाड़ में संलग्न होती है।

ਅਰਲੀ अर्ली Arlī [3] स्त्री०
द्र० — ਅਰਲ।

ਅਰੜਾਉਣਾ अर्ड़ाउणा Arṛāuṇā [3] अक० क्रि०
आरटति (भ्वादि सक०) रटना, चिल्लाना।

ਅਰਾਇਣ अराइण् Arāiṇ [3] स्त्री०
आरामिकी (स्त्री०) साग-सब्जी बोने वाली जाति की स्त्री; अराईं की पत्नी।

ਅਰਾਈਂ अराईं Arāī̃ [3] पुं०
आरामिक (पुं०) शाक-सब्जी उगाने वाली एक जाति।

ਅਰਾਧਨਾ अराधना Arādhnā [3] स्त्री०
आराधना (स्त्री०) पूजा, अर्चना।

ਅਰਿੰਡ अरिण्ड् Arinḍ [3] **स्त्री॰**
एरण्ड (पुं॰) रेड़ का पौधा या फल, एरण्ड।

ਅਰੁਚ अरुच् Aruc [3] **वि॰**
अरुच्च (वि॰) अरुचिकर, अस्वादु।

ਅਰੂੜ अरूड़् Arūṛ [3] **वि॰**
आरूढ (वि॰) चढ़ा हुआ, स्थित।

ਅਰੋਗ अरोग् Arog [3] **वि॰**
अरोग (वि॰) नीरोग, स्वस्थ।

ਅਰੋਗੀ अरोगी Arogī [3] **वि॰**
अरोगिन् (वि॰) अरोगी, नीरोगी, स्वस्थ।

ਅਲਸੀ अल्सी Alsī [3] **स्त्री॰**
अतसी (स्त्री॰) अलसी, तीसी।

ਅਲਕਸ अल्कस् Alkas [3] **स्त्री॰**
आलस्य (नपुं॰) आलस्य, स्फूर्ति का अभाव।

ਅਲਗ अलग् Alag [3] **वि॰**
अलग्न (वि॰) पृथक्, असंयुक्त।

ਅਲੱਗ अलग्ग् Alagg [3] **वि॰**
अलग्न (वि॰) असंयुक्त, पृथक्, अलग।

ਅਲੱਜ अलज्ज् Alajj [3] **वि॰**
अलज्ज (वि॰) लज्जाहीन, बेशर्म।

ਅਲਤਾ अल्ता Alta [3] **पुं॰**
अलक्तक (पुं॰) आलता, महावर, लाल रंग।

ਅਲਪ अलप् Alap [3] **वि॰**
अल्प (वि॰) थोड़ा, कम; तुच्छ।

ਅਲਪੱਗ अल्पग्ग् Alpagg [3] **वि॰**
अल्पज्ञ (वि॰) अल्पज्ञ, अल्पज्ञान वाला।

ਅਲੱਭ अलब्भ् Alabbh [2] **वि॰**
अलभ्य (वि॰) अप्राप्य, जो मिल न सके।

ਅਲਰਕ अल्रक् Alrak [3] **पुं॰**
अलर्क (पुं॰) मदालसा के गर्भ से उत्पन्न, कुवलयाश्व; कुत्ता।

ਅਲਾਉਣਾ अलाउणा Alauṇa [3] **अक॰ क्रि॰**
आलपति (भ्वादि सक॰) बातचीत करना, संलाप करना।

ਅਲਾਪ अलाप् Alāp [3] **पुं॰**
आलाप (पुं॰) आलाप, तान, संगीत में अलाप करने की क्रिया।

ਅਲਿੰਗਨ अलिंगन् Aliṅgan [3] **पुं॰**
आलिङ्गन (नपुं॰) गले लगाने का भाव, आश्लेष।

ਅਲੂੰ अलूँ Alū̃ [3] **वि॰**
अलोमन् (वि॰) दाढ़ी-बाल से रहित, रोम रहित।

ਅਲੂਣਾ अलूणा Alūṇa [3] **वि०**
अलवण (वि०) अलोना, नमक रहित ।

ਅਲੰਬ अलंब Alamb [3] **पुं०**
आलम्ब (पुं०) आश्रय, आसरा, शरण ।

ਅਵਸਥਾ अवसथा Avastha [3] **स्त्री०**
अवस्था (स्त्री०) स्थिति, दशा, हालत; आयु ।

ਅਵਸ਼ੇਸ਼ अवशेष् Avaśeṣ [3] **वि०/पुं०**
अवशेष (पुं०) शेष, बचा हुआ ।

ਅਵਕੀਰਣ अव्कीरण् Avkiraṇ [3] **वि०**

अवकीर्ण (वि०) विकीर्ण, बिखरा हुआ ।

ਅਵਗੁਣ अवगुण् Avaguṇ [3] **पुं०**
अवगुण (पुं०) दोष, त्रुटि ।

ਅਵਤਾਰ अवतार् Avatār [3] **पुं०**
अवतार (पु०) अवतार, प्रकटता ।

ਅਵਰਣ अव्रण् Avraṇ [3] **वि०**
अवर्ण (वि०) वर्ण-हीन, रंग-रहित, बदरंग ।

ਅਵਰੋਹੀ अव्रोही Avrohī [3] **वि०/पुं०**
अवरोहिन् (वि० / पुं०) वि०—नीचे उतरने वाला । पु०—निषाद से षड्ज तक के अवरोह स्वर ।

ਅਵਲੋਕਨ अव्लोकन् Avlokan [3] **पुं०**
अवलोकन (नपुं०) अवलोकन, देखने का का भाव, निरीक्षण ।

ਅਵਾਈ अवाई Avāī [3] **स्त्री०**
अपवाद (पुं०) अफवाह, अप्रामाणिक दोष-कथन, निन्दा ।

ਅਵਿਕਲਪ अविकलप् Avikalap [2] **वि०**
अविकल्प (वि०) बिना विकल्प के; निःशङ्क ।

ਅਵਿਦਿਆ अविद्या Avidyā [3] **स्त्री०**
अविद्या (स्त्री०) अज्ञानता, मूर्खता; आध्यात्मिक अज्ञान, माया ।

ਅਵਿਨਾਸ਼ अविनाश् Avinās [3] **वि०**
अविनाश (वि०) विनाशरहित, अनश्वर ।

ਅਵਿਵੇਕ अविवेक् Avivek [3] **पुं०**
अविवेक (पुं०) विचार का अभाव, नासमझी ।

ਅਵੇਰ अवेर् Aver [3] **स्त्री०**
अवेला (स्त्री०) विलम्ब, देरी; कुसमय ।

ਅਵੇਰਾ अवेरा Avera [3] **पुं०**
द्र०—अवेर ।

ਅਵੇਰੇ अवेरे Avere [3] **क्रि० वि०**
अवेलायाम् (क्रि० वि०) देर से; विलम्ब से ।

ਅੱਵਿਅਵ अव्व्यव् Avvyav [3] **पुं०**
अवयव (पुं०) अवयव, अंग; हिस्सा ।

ਅੜਨਾ अड़्ना Arna [3] **अक० क्रि०**
अडुति (भ्वादि अक०) अड़ना, अटकना; हठ करना ।

ਅੜਾਉਣਾ अड़ाउणा Arauna [3] **सक० क्रि०**
अड्डयति (भ्वादि प्रेर०) अड़ाना, अटकाना, विघ्न डालना ।

ਅੜੋਸ-ਪੜੋਸ अड़ोस्-पड़ोस् Aros-Paros [1] **पुं०**
प्रतिवेश (पुं०) अड़ोस-पड़ोस, आस-पास ।

ਆ

ਆਉਣਾ आउणा Auna [3] **क्रि०**
आयाति (अदादि सक०) आना, पहुँचना ।

ਆਉਲਾ औंला Aula [3] **पुं०**
आमलक (पुं०/नपुं) पुं०—आँवला वृक्ष । नपुं०—आँवले का फल ।

ਆਇਆ आया Aya [3] **वि०**
आगत (वि०) आया हुआ, पहुँचा हुआ ।

ਆਇਸ आइस् Ais [1] **वि०**
आयस (वि०/पुं०) वि०—लोहे का । पुं०—लौहमय; कवच ।

ਆਇਤ आइत् Ait [3] **पुं०**
आदित्य (पुं०) सूर्य, सूरज ।

ਆਇਤਨ आइतन् Aitan [3] **पुं०**
आयतन (नपुं०) घर, आवास; परिधि ।

ਆਈ आई Ai [3] **स्त्री०**
आपद् (स्त्री०) आफत, आपत्ति; दुर्भाग्य ।

ਆਸ आस् As [3] **स्त्री०**
आशस् (नपुं०) आशा, आकांक्षा; अपेक्षा ।

ਆਸਕਤ आसक्त् Asakt [3] **वि०**
आसक्त (वि०) प्रेमी; लवलीन ।

ਆੱਸਣ आस्सण् Assan [3] **पुं०**
आसन (नपुं०) आसन, चटाई ।

ਆਸਤਰ आस्तर् Astar [3] **पुं०**
आस्तर (पुं०) बिछावन-बिस्तर ।

ਆਸਤਿਕ आस्तिक Astik [3] **पुं०**
आस्तिक (वि०) आस्तिक, वेदों में विश्वास या आस्था रखने वाला ।

ਆਸਤੀਕ आस्तीक् Āstīk [3] पुं०
आस्तीक (पुं०) आस्तीक एक ऋषि जो वासुकि नाग की बहन मनसा के गर्भ से उत्पन्न जरत्कारु ऋषि की सन्तान।

ਆਸਰਾ आस्रा Āsra [3] पुं०
आश्रय (पुं०) आधार, सहारा; आसरा, भरोसा।

ਆਸ਼ਾ आशा Āśa [3] स्त्री०
आशा (स्त्री०) प्राप्ति की इच्छा, उम्मीद।

ਆਸ਼ੀਰਵਾਦ आशीर्वाद Āśirvad [3] पुं०
आशीर्वाद (पुं०) आशीर्वाद, आशिष।

ਆਂਸੂ आँसू Āsū [3] पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल।

ਆਸ਼੍ਰਮ आश्रम् Āśram [3] पुं०
आश्रम (पुं०) आश्रम, ऋषियों का वास-स्थान।

ਆਹਣਾ आह्णा Āhṇa [2] सक० क्रि०
ब्रू > आह > (अदादि सक०) कहना, बोलना।

ਆਹਾ आहा Āha [3] अ०
अहा (अ०) अहा, आश्चर्यबोधक शब्द।

ਆਹਾਰ आहार् Āhar [3] पुं०
आहार (पुं०) आहार, भोजन, भोज्य पदार्थ।

ਆਹੂਤੀ आहूती Āhūtī [3] स्त्री०
आहुति (स्त्री०) आहुति, होम, हवन।

ਆਕਰਸ਼ਣ आकर्षण् Ākarṣaṇ [3] पुं०
आकर्षण (नपुं०) खिंचाव, आकृष्ट करने का भाव; हल जोतने का कर्म।

ਆਕਾਸ਼ आकाश् Ākaś [3] पुं०
आकाश (पुं०) आकाश, गगन, नभ।

ਆਕਾਸ਼ੀ आकाशी Ākaśī [3] वि०
आकाशीय (वि०) आकाश से संबंधित, आसमानी।

ਆਕਾਂਖਿਆ आकाख्या Ākākhya [3] स्त्री०
आकांक्षा (स्त्री०) आकांक्षा, इच्छा।

ਆਕ੍ਰਿਤੀ आक्रिती Ākritī [3] स्त्री०
आकृति (स्त्री०) आकृति, आकार, स्वरूप।

ਆਖਣਾ आख्णा Ākhṇa [3] सक० क्रि०
आख्याति (अदादि सक०) कहना, बोलना।

ਆਖਾ आखा Ākha [2] पुं०
आख्या (स्त्री०) आख्या, प्रतिवेदन; कथन।

ਆਖਿਆ आख्या Ākhya [3] वि०
आख्यात (वि०) कथित, घोषित।

ਆਖੇਟੀ आखेटी Ākheṭī [3] वि०
आखेटिन् (वि०) अहेरी, शिकारी।

ਆਖੇਪ आखेप् Ākhep [3] पुं॰
आक्षेप (पुं॰) फेंकने की क्रिया; दोषारोपण; एक अर्थालङ्कार।

ਆਗਤ आगत् Āgat [3] स्त्री॰
आगत (वि॰/नपुं॰) वि॰—आया हुआ। नपुं॰—आय, आमद, आमदनी।

ਆਂਗਨ आँगन् Āgan [3] पुं॰
अङ्गण (नपुं॰) आँगन; सहन; ड्योढ़ी।

ਆਗਲ आगल् Āgal [1] पुं॰
अर्गला (स्त्री॰) सांकल; जंजीर।

ਆਗਿਯਾ आग्या Āgya [3] स्त्री॰
आज्ञा (स्त्री॰) आज्ञा, आदेश।

ਆਗ੍ਰਹਿ आग्रह् Āgrah [3] पुं॰
आग्रह (पुं॰) आग्रह, हठ, जिद्द।

ਆਘਾਉਣਾ आघाउणा Āghāuṇā [1] सक॰ क्रि॰
आघ्रापयति (भ्वादि प्रेर॰) तृप्त होना, अघाना।

ਆਂਚ आँच् Āc [2] स्त्री॰
अर्चिस् (नपुं॰) आँच, अग्नि कण।

ਆਚਮਨ आच्मन् Ācman [3] पुं॰
आचमन (नपुं॰) आचमन, पूजा में जल पीने की क्रिया।

ਆਚਰਣ आच्रण् Ācraṇ [3] पुं॰
आचरण (नपुं॰) आचरण, व्यवहार, चाल-चलन।

ਆਚਰਣੀ आचर्णी Ācharṇī [3] वि॰
आचरणीय (वि॰) आचरण करने योग्य, व्यवहार करने योग्य।

ਆਂਚਲ आँचल् Ācal [3] पुं॰
अञ्चल (पुं॰) आँचल, साड़ी का वह छोर जो शिर पर रहता है; क्षेत्र, भू-भाग।

ਆਚਾਰੀਆ आचार्या, Ācārya [3] पुं॰
आचार्य (पुं॰) आचार्य, उपदेशक।

ਆਛੰਨ आछन्न् Āchann [3] वि॰
आच्छन्न (वि॰) ढका हुआ, आच्छादित।

ਆਜੀਵਿਕਾ आजीविका Ājīvika [3] स्त्री॰
आजीविका (स्त्री॰) आजीविका, जीने की वृत्ति।

ਆਝਾ आझा Ājha [3] वि॰
अनाथ (वि॰) अनाथ, दीन, दुखिया।

ਆਟਾ आटा Āṭa [3] पुं॰
अट्ट (नपुं॰) आटा, गेहूँ या किसी अन्न का पिसा हुआ आटा।

ਆਠਾ आठा Āṭha [3] वि॰
अष्टन् (वि॰) आठ का अंक, 8।

ਆਂਡਲ आण्डल् Āṇḍal [3] पुं०
आण्डल (वि०) बड़े एवं क्रूर नेत्रों वाला।

ਆਂਡਾ आंडा Āḍā [3] पुं०
अण्ड (नपुं०) अंडा।

ਆਂਡੂ आण्डू Āṇḍū [1] पुं०
आण्ड (वि०/नपुं०) (वि०)—अण्डकोष-युक्त। (नपुं०) अण्डकोष थैली।

ਆਡੰਬਰ आडम्बर् Āḍambar [3] पुं०
आडम्बर (नपुं०) आडम्बर, ऊपरी ठाट-बाट, ढोंग।

ਆਣ आण् Āṇ [3] स्त्री०
आनि (स्त्री०) आज्ञा, आदेश; सम्मान, इज्जत; शपथ, सौगन्ध।

ਆਂਤ आँत् Āt [3] स्त्री०
आन्त्र (नपुं०) आँत, अँतड़ी।

ਆਤਮ आतम् Ātam [3] पुं०
आत्मन् (पु०) आत्मा, परमात्मा।

ਆਤਮਘਾਤ आतम्घात् Ātamghāt [3] पुं०
आत्मघात (पु०) आत्मघात, स्वयं प्राण दे देने का भाव।

ਆਤਮਾ आत्मा Ātmā [3] स्त्री०
आत्मन् (पुं०) आत्मा, प्राण।

ਆਤਮਿਕ आत्मिक् Ātmik [3] वि०
आत्मिक (वि०) आत्मा संबंधी; अपना, मानसिक।

ਆਂਤਰਿਕ आन्त्रिक् Āntrik [3] वि०
आन्तरिक (वि०) भीतरी, अन्दर का।

ਆਤੁਰ आतुर् Ātur [2] वि०
आतुर (वि०) आतुर, व्याकुल, दुःखी।

ਆਤੰਕ आतङ्क् Ātank [3] पुं०
आतङ्क (पुं०) डर, भय; प्रताप, दबदबा।

ਆਥ[1] आथ् Āth [2] अ०
अथ (अ०) प्रारंभ और मङ्गल सूचक।

ਆਥ[2] आथ् Āth [3] पुं०
अथ (पुं०) धन; प्रयोजन; इन्द्रियों का विषय।

ਆਥਣ आथण् Āthaṇ [3] पुं०
द्र०—ਆਥਣਾ

ਆਥਣਾ आथ्णा Āthṇā [3] पुं०
अस्तमयन (नपुं०) सूर्यास्त का समय, सायंकाल।

ਆਥਰੀ आथ्री Āthrī [3] स्त्री०
आस्तर (पुं०) चद्दर, बिस्तर।

ਆਦਰ आदर् Ādar [3] पुं०
आदर (पुं०) सम्मान।

ਆਂਦਰ आन्दर Āndar [3] स्त्री॰
आन्त्र (नपुं॰) आंत, अँतड़ी, भीतरी भाग।

ਆਦਰਸ਼ आदरश् Ādaraś [3] पुं॰
आदर्श (पुं॰) दर्पण, शीशा; टीका; नमूना; सिद्धान्त; अभिप्राय।

ਆਦਾ आदा Āda [3] पुं॰
आर्द्रक (नपुं॰) अदरक, आदी।

ਆਦਿ आद् Ād [3] पुं॰/वि॰
आदि (पुं॰/वि॰) पुं॰—आरम्भ, मूल-कारण। वि॰—प्रथम, पहला, मुख्य; इत्यादि।

ਆਦੇਸ਼ आदेश् Ādeś [3] पुं॰
आदेश (पुं॰) आदेश, आज्ञा, हुक्म।

ਆਧਾਰ आधार् Ādhar [3] पुं॰
आधार (पुं॰) आधार, आश्रय।

ਆਨਾ आना Āna [3] पुं॰
आण्डक (पुं॰) आँख की पुतली।

ਆਨੰਦ आनन्द् Ānand [3] पुं॰
आनन्द (पुं॰) आनन्द, आमोद, हर्ष।

ਆਪ आप् Āp [3] पुं॰/स्त्री॰
आत्मन् (पुं॰) स्वयं, खुद।

F.—8

ਆਥਣਾ आथ्णा Āthṇa [3] संबन्ध
आत्मनः (षष्ठयन्त) अपना, स्वयं का।

ਆਪੱਤੀ आपत्ती Āpattī [3] स्त्री॰
आपत्ति (स्त्री॰) आपत्ति, आपदा, विपदा।

ਆਪੇ आपे Āpe [3] क्रि॰ वि॰
आत्मना (तृतीयान्त) अपने से, स्वयं, खुद।

ਆਫਰਨਾ आफर्ना Āpharna [3] अक॰ क्रि॰
आस्फरति (तुदादि अक॰) वायु द्वारा पेट का फूलना।

ਆਭਾ आभा Ābha [3] स्त्री॰
आभा (स्त्री॰) शोभा; प्रकाश; दीप्ति, चमक।

ਆਭਾਸ आभास् Ābhas [3] पुं॰
आभास (पुं॰) प्रकाश; प्रतीति, एहसास; प्रतिबिम्ब।

ਆਭੂਸ਼ਣ आभूषण् Abhūṣaṇ [3] पुं॰
आभूषण (नपुं॰) आभूषण, आभरण, गहना।

ਆਮ੍ਹਣੇ-ਸਾਮ੍ਹਣੇ आह्मणे-साह्मणे Āhmaṇe-Sāhmaṇe [3] क्रि॰ वि॰
आमुख (क्रि॰ वि॰) आमने-सामने।

ਆਯਾਤ आयात् Āyat [3] वि॰
आयात (वि॰) आया हुआ।

ਆਯੂ आयू Āau [3] **स्त्री०**
आयुष् (नपुं०) आयु, उम्र, अवस्था ।

ਆਰ आर् Ār [3] **स्त्री०**
आरा (स्त्री०) अंकुश, चमड़ा सीनेवाले सूए का अग्रभाग ।

ਆਰਸੀ आर्सी Ārsī [3] **स्त्री०**
आदर्श (नपुं०) आदर्श, दर्पण, शीशा; सुन्दर नमूना ।

ਆਰਕਤ आर्कत् Ārkat [3] **वि०**
आरक्त (वि०) लाल, सुर्ख ।

ਆਰਜਤਾ आरज्ता Ārajtā [3] **स्त्री०**
आर्यता (स्त्री०) सभ्यता; श्रेष्ठता; सरलता, निष्कपटता ।

ਆਰਤ आरत् Ārat [3] **वि०**
आर्त्त (वि०) कातर, कायर; दुःखी, पीड़ित ।

ਆਰਤੀ आर्ती Ārtī [3] **स्त्री०**
आरात्रिक (नपुं०) पूजन सम्बन्धी आरती ।

ਆਰਦਰ आर्दर् Ārdar [1] **वि०**
आर्द्र (वि०) गीला, भीगा ।

ਆਰਾ आरा Ārā [3] **पुं०**
आरा (स्त्री०) आरा, लकड़ी चीरने का एक लम्बा नुकीला एवं दांतेदार औजार ।

ਆਰਾਮ आराम् Ārām [3] **पुं०**
आराम (पुं०) आराम, विश्राम ।

ਆਰੀ[1] आरी Ārī [3] **स्त्री०**
आरिका (स्त्री०) छोटी आरी जिससे लकड़ी फाड़ी जाती है ।

ਆਰੀ[2] आरी Ārī [2] **वि०**
असुरक्षित ? (वि०) अनारक्षित ।

ਆਰੀਆ आर्या Āryā [3] **वि०**
आर्य (वि०) उत्तम, श्रेष्ठ; पूज्य ।

ਆਰੀਆਵਰਤ आर्यावर्त् Āryāvart [3] **पुं०**
आर्यावर्त (पुं०) आर्यावर्त, भारतवर्ष; विन्ध्याचल और हिमालय के मध्य का भूभाग ।

ਆਰੂੜ आरूड़ Ārūṛ [3] **वि०**
आरूढ (वि०) चढ़ा हुआ, सवार ।

ਆਰੰਭ आरम्भ् Ārambh [3] **पुं०**
आरभ (पुं०) प्रारम्भ, शुरुआत ।

ਆਰੰਭਣਾ आरम्भणा Ārambhaṇā [3] **सक० क्रि०**
आरम्भते (भ्वादि सक०) प्रारम्भ करना, शुरू करना ।

ਆਲਸ आलस् Ālas [3] **पुं०**
आलस्य (नपुं०) शिथिलता, निष्क्रियता,

ਆਲਸੀ आलसी Ālsī [3] **वि०**
अलस (वि०) आलसी, निष्क्रिय, शिथिल।

ਆਲਕ आलक् Ālak [1] **पुं०**
अलस (वि०) शिथिलता या निष्क्रियता युक्त, आलसी।

ਆਲਾ आला Ālā [3] **पुं०**
आलय (पुं०, नपुं०) ताखा, दीपक आदि रखने का दीवाल में बना स्थान।

ਆਲਾਪੀ आलापी Ālāpī [3] **वि०**
आलापिन् (वि०) आलाप करने वाला; संलाप करने वाला।

ਆਲੀ आली Ālī [2] **स्त्री०**
आलयिका (स्त्री०) ताखी, दीवार में बना दीपक आदि रखने का छोटा स्थान।

ਆਲੂ आलू Ālū [3] **पुं०**
आलुक (नपुं०) आलू, एक प्रकार की सब्जी।

ਆਲੋਕ आलोक् Ālok [3] **पुं०**
आलोक (पुं०) प्रकाश; दर्शन।

ਆਲੋਚਨਾ आलोच्ना Alocnā [3] **स्त्री०**
आलोचना (स्त्री०) आलोचना, समीक्षा।

ਆਲ੍ਹਣਾ आह्लणा Āhlaṇā [3] **पुं०**
आलयन (नपुं०) घोसला; विश्राम-स्थल।

ਆਵਣਾ आव्णा Āvṇā [3] **पुं०**
आगमन (नपुं०) आने की क्रिया; जन्म धारण करने का भाव।

ਆਵਰਕ आवरक् Āvarak [1] **वि०**
आवारक (वि०) आवरण करने वाला, ढँकने वाला।

ਆਵਰਤ आवरत् Āvarat [3] **पुं०**
आवर्त्त (पुं०) भौंरी, पानी का चक्कर।

ਆਵਾ आवा Āvā [3] **पुं०**
आपाक (पुं०) आवा, भट्ठा, भट्ठी; भाड़।

ਆਵਿਰਭਾਵ आविर्भाव् Āvirbhāv [3] **पुं०**
आविर्भाव (पुं०) प्रकट होने का भाव, जन्म, उत्पत्ति।

ਆਵੀ आवी Āvī [3] **स्त्री०**
आपाकिका (स्त्री०) छोटा आवा, भट्ठी।

ਆੜ आड़् Āṛ [3] **स्त्री०**
आवृति (स्त्री०) आड़, आवरण।

ਆੜੂ आड़ू Āṛū [3] **पुं०**
आरुक (पुं०/नपुं०) पुं०—आड़ू का वृक्ष। नपुं०—आड़ू का फल।

ਆੜ੍ਹਤ आढ़त् Āṛhat [3] **स्त्री०**
आधत्त (नपुं०) कमीशन, आढ़त।

ਆੜ੍ਹਤੀ आढ़्ती Āhṛtī [2] **पुं०**
आधायक (वि०) आढ़ती, आढ़त करने वाला।

ਐ

ਐਂ एँ Ai [2] अ०
द्र०—ਐਉਂ।

ਐਉਂ ऐउँ Aiū [1] अ०
एवमेव (अ०) ऐसा ही, इसी तरह।

ਐਂਠਣਾ ऐंठ्णा Aiṭhṇa [2] सक० क्रि०
आवेष्टते (भ्वादि सक०) ऐंठना, आवेष्टित करना, लपेटना।

ਐਣ ऐण् Aiṇ [2] पुं०
अयन (नपुं०) मार्ग; धान्यकोष्ठ से धान्य निकालने का नीचे का मार्ग।

ਐਤਵਾਰ ऐत्वार् Aitvar [3] पुं०
आदित्यवार (पुं०, नपुं०) इतवार, रविवार।

ਐਵੇਂ ऐवें Aivē [3] अ०
एवमेव (अ०) यों ही, ऐसे ही।

ਔ

ਔਸ਼ਧੀ औष्धी Ausdhi [3] स्त्री०
ओषधि (पुं०, स्त्री०) ओषधि, जड़ी-बूटी, वनस्पति।

ਔਸਰ औसर् Ausar [1] पुं०
अवसर (पुं०) अवसर, उचित समय।

ਔਂਸੀ औंसी Aūsi [3] स्त्री०
अवनिसीता (स्त्री०) जमीन के उपर खींची गई लकीर; यह एक प्राचीन शकुन विचार है।

ਔਹ औह् Auh [3] अ०
ओह (अ०) ओह, शोकबोधक अव्यय।

ਔਕੜ औकड़् Aukaṛ [3] स्त्री०
अपकृति (स्त्री०) अपकार; कठिनाई, बाधा; दुःख।

ਔਖ औख् Aukh [3] स्त्री०
अवक्षय (पुं०) कठिनाई, मुश्किल।

ਔਖਾ औखा Aukha [3] वि०
अवक्षीण (वि०) कठिन, मुश्किल।

ਔਗੁਣ औगुण् Augun [3] पुं०
अवगुण (पुं०) अवगुण, दोष।

ਔਗੁਣੀ औगुणी Auguṇi [3] वि०
अपहरणीय ? (वि०) अपहार्य, चुराने योग्य; छिपाने योग्य; आयु-हीन।

ਔਟਲਣਾ औटल्णा Autalṇa [3] सक० क्रि०
अपवर्तते (भ्वादि सक०) भूलना, भटकना।

ਔਤਰਾ औत्रा Autra [3] पुं०
अपुत्र (वि०) पुत्र-हीन, पुत्ररहित।

ਔਤਾਰ औतार् Autār [1] पुं०
अवतार (पुं०) उतरने का भाव; ईश्वर का भूलोक में प्रादुर्भाव।

ਔਂਧ औंध् Aūdh [2] वि०
अपमूर्धन् (वि०) औंधा, उल्टा, मुँह के बल।

ਔਰ और् Aur [3] वि०
अपर (वि०) दूसरा, अन्य; अधिक, ज्यादा।

ਔਲ औल् Aul [2] स्त्री०
अवरा (स्त्री०) नाभिनाल, नाभि से अपरा तक जाने वाली नली।

ਔਲਾ औला Aula [3] पुं०
आमलक (पुं०/नपुं०) पुं०—आँवले का वृक्ष। नपुं०—आँवले का फल।

ਔੜ औड़् Auṛ [3] स्त्री०
अपूर्ति (स्त्री०) अपूर्णता, अभाव; वर्षा की कमी।

ਔੜਣਾ औड़्णा Auṛṇa [2] सक० क्रि०
आपतति (भ्वादि सक०) सूझना, दिमाग में आना।

ਅਂ

ਅੰਸ਼ अंश् Anś [3] पुं०
अंश (पुं०) भाग, हिस्सा।

ਅੰਕ अंक् Aṅk [3] पुं०
अङ्क (पुं०) अंक, संख्या।

ਅੰਕੁਸ਼ अंकुश् Aṅkuś [3] पुं०
अङ्कुश (पुं०) अंकुश; वश, अधिकार।

ਅੰਗ[1] अंग् Aṅg [1] पुं०
अङ्क (पुं०) अंक, संख्या।

ਅੰਗ[2] अंग् Aṅg [3] पुं०
अङ्ग (नपुं०) भाग, हिस्सा; अवयव।

ਅੰਗਣਾ अंग्णा Aṅgṇa [2] पुं०
अङ्कते (भ्वादि सक०) अंकित करना, अनुमान करना, अन्दाज लगाना।

ਅੰਗਰਖਾ अँगर्खा Āgarkha [3] पुं०
अङ्गरक्षक (नपुं०) अँगरखा, कुर्ता, चपकन।

ਅਗਾਰ अगार् Angar [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगार, बुझा कोयला।

ਅੰਗਾਰਾ अंगारा Angara [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगारा, बुझा कोयला।

ਅੰਗਿਆਰ अँग्यार् Āgyar [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगार या बुझा कोयला।

ਅੰਗਿਆਰੀ अँग्यारी Āgyari [3] स्त्री०
अङ्गारिका (स्त्री०) चिनगारी, स्फुलिङ्ग, अग्निकण।

ਅੰਗੀ[1] अंगी Angi [3] स्त्री०
अङ्गिका (स्त्री०) अँगिया, चोली।

ਅੰਗੀ[2] अंगी Angi [3] पुं०
अङ्गिन् (पुं०) शरीर, भागीदार, हिस्सेदार।

ਅੰਗੀਆ अँगीआ Āgia [3] स्त्री०
अङ्गिका (स्त्री०) चोली, कुर्ती।

ਅੰਗੀਠਾ अँगीठा Āgitha [3] पुं०
अग्निष्ठ (पुं०) अँगीठा, आग रखने का बड़ा पात्र।

ਅੰਗੀਠੀ अँगीठी Āgithi [3] स्त्री०
अग्निष्ठ (पुं०) अँगीठी, आग रखने का छोटा पात्र।

ਅੰਗੂਠਾ अंगूठा Angūtha [3] पुं०
अङ्गुष्ठ (पुं०) अँगूठा, मुख्य मोटी अंगुली।

ਅਗੂਠੀ अगूठी Anguthi [3] स्त्री०
अङ्गुष्ठिका (स्त्री०) अँगूठी, मुद्रिका।

ਅੰਗੂਰ अंगूर् Angūr [3] पुं०
अङ्कुरण (नपुं०) अंकुरित होने का भाव; घाव भरने की क्रिया।

ਅੰਗੂਰੀ अंगूरी Angūri [3] वि०
अङ्कुरित (वि०) अंकुरवाला, जिसमे अंकुर निकल गया हो।

ਅੰਗੋਛਾ अंगोछा Angocha [3] पुं०
अङ्गोञ्छ (पुं०) अंगोछा, गमछा।

ਅੰਜਨ अंजन् Añjan [3] स्त्री०
अञ्जन (नपुं०) अंजन, काजल, सुरमा।

ਅੰਜਲੀ अंज्ली Añjli [3] स्त्री०
अञ्जलि (पुं०) अंजली, अँजुरी।

ਅੰਜੀਰ अंजीर् Añjir [3] पुं०
अञ्जीर (नपुं० / पुं०) नपुं०—अंजीर फल। पुं०—अंजीर का वृक्ष, गूलर।

ਅੰਡ अण्ड् And [1] पुं०
आण्ड (नपुं०) अण्डकोश की थैली।

ਅੰਡਾ अण्डा Anda [3] पुं०
अण्ड (नपुं०) अंडा।

ਅੰਤਹਕਰਣ अन्तह्करण् Antahkaran [3] पुं०
अन्तःकरण (नपुं०) मन, बुद्धि, चित्त, एवं अहंकार का समूह अन्तःकरण कहलाता है।

ਅੰਤਜ अन्तज् Antaj [1] पुं०
अन्त्यज (पुं०) शूद्र, चाण्डाल; नीच।

ਅੰਤਰਗਤ अन्तर्गत् Antargat [3] वि०
अन्तर्गत (वि०) अन्दर प्राप्त।

ਅੰਤਰਜਾਮੀ अन्तर्जामी Antarjāmī
[3] पुं०
अन्तर्यामिन् (वि०) मन की बात जानने वाला।

ਅੰਤਰਧਾਨ अन्तर्धान् Antardhān
[3] वि०
अन्तर्धान (नपुं०/वि०) नपुं०—छिपाव, अदर्शन। वि०—गुप्त, लुप्त।

ਅੰਤਰਧਿਆਨ अन्तर्ध्यान् Antardyān
[3] वि०
अन्तर्धान (नपुं०) अन्तर्धान, आँखों से ओझल होने का भाव।

ਅੰਤਰਵੇਦ अन्तर्वेद् Antarved [3] पुं०
अन्तर्वेद (पुं०) गंगा और यमुना के मध्य का भूभाग; दुआब।

ਅੰਤਰਿਕਸ਼ अन्त्रिकष् Antrikaṣ [3] पुं०
अन्तरिक्ष (नपुं०) आकाश; परलोक।

ਅੰਤੜੀ अंतड़ी Antaṛī [3] स्त्री०
अन्त्र (नपुं०) आँत, अँतड़ी; आहारनली।

ਅੰਦਰ अन्दर् Andar [3] अ०
अन्तर् (अ०) अन्दर, भीतर।

ਅੰਧ अन्ध् Andh [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन।

ਅੰਧਰਾਤਾ अन्ध्राता Andhrata [3] स्त्री०
रात्र्यान्ध्य (नपुं०) रतौंधी, आँख में एक प्रकार का रोग।

ਅੰਧਲਾ अन्ध्ला Andhla [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन।

ਅੰਧਾ अन्धा Andha [3] पुं०
द्र० – ਅੰਧ।

ਅੰਨ अन्न् Ann [3] पुं०
अन्न (नपुं०) अनाज, भोज्य पदार्थ।

ਅੰਨਪੂਰਣਾ अन्नपूर्णा Annpūrṇa [3] स्त्री०
अन्नपूर्णा (स्त्री०) अन्नपूर्णा देवी।

ਅੰਨ੍ਹਾ अन्न्हा Annha [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन।

ਅੰਨ੍ਹੀ अंन्ही Annhī [3] स्त्री०
अन्धक (पुं०) आँधी; तूफान।

ਅੰਬ अम्ब् Amb [3] पुं०
आम्र (पुं०/नपुं०) आम का वृक्ष/फल।

ਅੰਬਚੂਰ अम्ब्चूर् Ambcūr [3] पुं०
आम्रचूर्ण (नपुं०) अमचूर, आम का चूर्ण।

ਅਬਣਾ अम्बणा Ambna [2] अक० क्रि०
आम्रदते (भ्वादि अक०) थकना; फूलना, सूजना।

ਅੰਬਰੀਕ अम्ब्रीक् Ambrik [3] पुं०
अम्बरीष (पुं०) एक राजा; भट्ठी, तावा।

ਅੰਬੜੀ अम्बड़ी Ambṛī [3] स्त्री०
अम्बा (स्त्री०) माँ, माता, जननी।

ਅੰਬਾਉਣਾ अम्बाउणा Ambauṇa [2] सक० क्रि०
आम्रादयति (भ्वादि प्रेर०) थकाना; सुजा देना, फुला देना।

ਅੰਬਾਹਟ अम्बाहट् Ambāhṭ [3] स्त्री०
आम्रदन (नपुं०) सूजन; थकावट।

ਅੰਬੀ अम्बी Ambī [3] स्त्री०
आम (पुं०) कच्चा आम, अम्बौरी।

ਅੰਮਾ अम्मा Ammā [3] स्त्री०
अम्बा (स्त्री०) अम्बा, माता, माँ।

ਇ

ਇਉਂ इउँ Iũ [3] अ०
एवम् (अ०) ऐसा, इस प्रकार से।

ਇਆਣਾ इआणा Iāṇa [3] पुं०
अज्ञान (वि०) अज्ञानी, नादान; बच्चा।

ਇਸ਼ਟ इश्ट् Işṭ [3] वि०
इष्ट (वि०) धर्म-कार्य, यज्ञ; पूज्य देव; मित्र; वांछित; प्यारा।

ਇਸ਼ਨਾਨ इश्नान् Iśnān [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहान।

ਇਸ਼ਨਾਨੀ इश्नानी Iśnānī [3] वि०
स्नायिन् (वि०) नित्य स्नान करने वाला।

ਇਹ इह् Ih [3] पुं०
एषः (सर्व० प्रथमान्त) यह, निकटस्थ व्यक्ति या वस्तु।

ਇਹਾ इहा Iha [3] वि०
ईदृश (वि०) ऐसा, इसकी तरह, इस जैसा।

ਇਹੋ इहो Iho [3] वि०
एतदेव (सर्व०) यह ही, यही।

ਇਕ इक् Ik [3] वि०
एक (वि०) एक, केवल।

ਇਕਸਾਰ इक्सार् Iksar [3] वि०
(एक) सदृश (वि०) समान, तरह।

ਇਕਹੱਤਰ इक्हत्तर् Ik hattar [3] वि०
एकसप्तति (स्त्री०) इकहत्तर, एकहत्तर; 71 ।

ਇਕਹਿਰਾ इकहिरा Ikahira [2] वि०
कृश (वि०) कृश, दुबला-पतला ।

ਇਕੱਠ इकट्ठ् Ikatth [3] पुं०
एकस्थ (वि०) इकट्ठा, एकत्रित ।

ਇਕੱਠਾ इकट्ठा Ikattha [3] वि०
एकस्थ (वि०) एकत्रित, एक स्थान में स्थित ।

ਇਕਤਾਈ इक्ताई Iktāī [3] स्त्री०
एकता (स्त्री०) एकता, एक होने का भाव ।

ਇਕਤਾਰਾ इक्तारा Iktārā [3] पुं०
एकतन्त्री (स्त्री०) एकतन्त्री, एकतारा वाद्य यन्त्र ।

ਇਕਤਾਲੀ इक्ताली Iktālī [3] वि०
एकचत्वारिंशत् (स्त्री०) एकतालीस; 41 ।

ਇਕੱਤਰ इकत्तर् Ikattar [3] क्रि० वि०
एकत्र (अ०) एक स्थान पर रखा हुआ, इकट्ठा ।

ਇਕੱਤੀ इकत्ती Ikattī [3] वि०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) इकतीस; 31 ।

ਇਕੱਤ੍ਹਰ इकत्त्हर् Iktthar [3] वि०
एकसप्तति (स्त्री०) एकहत्तर; 71 ।

ਇਕਲੌਤਾ इक्लौता Iklautā [3] पुं०
एकलपुत्र (पुं०) इकलौता, अकेला पुत्र ।

ਇਕੱਲ इकल्ल् Ikall [3] वि०
एकलता (वि०) अकेलापन, अकेला होने का भाव ।

ਇਕੱਲਾ इकल्ला Ikallā [3] वि०
एकल (वि०) अकेला, केवल ।

ਇਕਵੰਜਾ इक्वंजा Ikvañjā [3] वि०
एकपञ्चाशत् (स्त्री०) इक्यावन; 51 ।

ਇਕਾਸੀ इकासी Ikāsī [3] वि०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी; 81 ।

ਇਕਾਹਟ इकाहट् Ikāhaṭ [3] वि०
एकषष्टि (स्त्री०) एकसठ; 61 ।

ਇਕਾਗਰ इकागर् Ikāgar [3] वि०
एकाग्र (वि०) एकचित्त, सावधान, स्थिर ।

ਇਕਾਂਗੀ इकांगी Ikāṅgī [3] पुं०
एकाङ्क (पुं०) एक अंक वाला, एकांकी रूपक ।

ਇਕਾਂਤ इकान्त् Ikānt [3] वि०
एकान्त (वि०) शून्य, निर्जन ।

ਇਕਾਂਤਤਾ इकान्तता Ikantata [3] स्त्री०
एकान्तता (स्त्री०) निर्जनता, शून्यता।

ਇਕਾਦਸ਼ੀ इकादशी Ikadaśī [3] स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि अथवा व्रत।

ਇਕਾਨਵੇਂ इकान्वें Ikanvē [3] वि०
एकनवति (स्त्री०) इकानवे; 91।

ਇਕੇਰਾਂ इकेराँ Ikerā̃ [3] क्रि० वि०
एकवार (क्रि० वि०) एक बार में।

ਇਕੋਤਰਸੌ इकोतर् सौ Ikotarsau [3] वि०
एकोत्तरशत (नपुं०) एक सौ एक; 101।

ਇੱਕਸ इक्कस् Ikkas [3] वि०
एकस् (प्रथमान्त) एक, अकेला।

ਇੱਕੜ इक्कड़् Ikkaṛ [3] वि०
एकल (वि०) अकेला, एकाकी।

ਇੱਕਾ इक्का Ikka [3] वि०
एक (सर्व०) एक; 1।

ਇੱਕੀ इक्की Ikkī [3] वि०
एकविंशति (स्त्री०) इक्कीस; 21।

ਇੱਕੇ इक्के, Ikke [3] वि०
एकैव (वि०) एक ही।

ਇੱਖ इक्ख् Ikkh [3] पुं०
इक्षु (पुं०) ईख, गन्ना।

ਇੰਗਤ इगत् Ingt [3] वि०/पुं०
इङ्गित (वि० / पुं०) वि०—चिह्नित, संकेतित। पुं०—संकेत, इशारा।

ਇੱਛਾ इच्छा Iccha [3] स्त्री०
इच्छा (स्त्री०) इच्छा, मनोरथ, चाह।

ਇੱਛਿਤ इच्छित् Icchit [3] वि०
इच्छित (वि०) इच्छित, वांछित।

ਇੱਜੜ इज्जड़् Ijjaṛ [3] पुं०
अविकट (पुं०) भेड़ों का समूह।

ਇੱਟ इट्ट् Iṭṭ [3] स्त्री०
इष्टका (स्त्री०) ईंट।

ਇਤਨਾ इत्ना Itna [3] वि०
इयत् (वि०) इतना, इस परिमाण का।

ਇਤਿਹਾਸ इतिहास् Itihas [3] पुं०
इतिहास (पुं०) इतिहास, इतिवृत्त।

ਇਤਿਹਾਸਕ इतिहासक् Itihasak [3] वि०
ऐतिहासिक (वि०) इतिहास-सम्बन्धी; इतिहास का ज्ञाता।

ਇੱਥੇ इत्थे Itthe [3] वि०
एतत्स्थाने (नपुं० सप्तम्यन्त) इधर, यहाँ।

ਇੰਦ इन्द् Ind [3] पुं०
इन्द्र (पुं०) देवराज, स्वर्गपति।

ਇੰਦਰ इन्दर् Indar [3] **पुं०**
द्र० —ਇੰਦ्र ।

ਇੰਦਰ-ਧਨੁਸ਼ इन्दर्-धनुष् Indar-Dhanuṣ [3] **पुं०**
इन्द्रधनुष् (नपुं०) आकाश का इन्द्रधनुष।

ਇੰਦਰੀ इन्द्री Indri [3] **स्त्री०**
इन्द्रिय (नपुं०) इन्द्रिय; पुरुष-जननेन्द्रिय।

ਇੰਨਾ इन्ना Innā [3] **वि०**
इयत् (वि०) इतना, इस परिमाण का।

ਇੰਨੂ इन्नू Innū [3] **पुं०**
इण्डुव (पुं०) वस्त्र या रस्सी आदि से बना चक्राकार शिरस्त्राण जिसे घड़ा आदि भार-वहन करते समय शिर पर रखा जाता है, बिट्ठी, बीठा या बिठई।

ਇੰਨ੍ਹਣ इन्न्हण् Innhaṇ [3] **पुं०**
इन्धन (नपुं०) जलाने के काम आने वाली लकड़ी, तेल इत्यादि।

ਇਮਲੀ इम्ली Imlī [3] **स्त्री०**
अम्लिका (स्त्री०) इमली का पेड़ या फल।

ਇਰਾ इरा Irā [3] **स्त्री०**
इला (स्त्री०) पृथ्वी, नदी।

ਇਲਗਣ इल्गण् Ilgaṇ [3] **स्त्री०**
अधिलग्नी (स्त्री०) अरगनी, वस्त्र सुखाने के लिये बाँधी गयी रस्सी या तार।

ਇਲਗਣੀ इल्गणी Ilgaṇī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਇਲਗਣ।

ਇਲਾਇਚੀ इलाइची Ilāicī [3] **स्त्री०**
एला (स्त्री०) इलाइची।

ਇਲਾਵਰਤ इलावरत् Ilāvarat [3] **पुं०**
इलावर्त्त (पुं०) जम्बुद्वीप का एक भाग, प्रदेश विशेष। नीलगिरि से दक्षिण तथा निषिद पर्वत से उत्तर का भू-भाग।

ਇੱਲ इल्ल् Ill [3] **स्त्री०**
चिल्ल (पुं०) चील या चील्ह पक्षी।

ਇਵੇਂ इवें Ivē [3] **क्रि० वि०**
एवमेव (अ०) ऐसे ही, इसी प्रकार।

ਇੜਾ इड़ा Iṛā [3] **स्त्री०**
इडा (स्त्री०) योग शास्त्र में मान्य एक नाडी, जिसे चन्द्रनाडी भी कहते हैं। गौ; पृथ्वी; पुरुरवा की माँ; वैवस्वत मनु की पत्नी।

ਈ

ਈਸ਼ ईश् Īś [3] **पुं०**
ईश (पुं०) स्वामी, मालिक; कर्त्तार।

ਈਸ਼ਰ ईशर् Īśar [3] **पुं०**
ईश्वर (पुं०) ईश्वर, भगवान्।

ਈਰਖਾ ईर्‌खा Īrkhā [3] स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਈਰਖਾਲੂ ईर्‌खालू Īrkhalū [3] वि०
ईर्ष्यालु (वि०) ईर्ष्यालु, ईर्ष्या से युक्त।

ਏ

ਏਕਤਾ एक्‌ता Ekta [3] स्त्री०
एकता (स्त्री०) एकता, एक होने का भाव।

ਏਕਾ[1] एका Eka [3] वि०
एक (सर्व०) एक की संख्या; एक संख्या से युक्त।

ਏਕਾ[2] एका Eka [3] पुं०
ऐक्य (नपुं०) एक होने का भाव, एकता।

ਏਕਾਖਰ एकाखर् Ekakhar [3] पुं०
एकाक्षर (नपुं०) एक अक्षर, एक वर्ण; अविनाशी ब्रह्म।

ਏਰਨਾ एर्‌ना Erna [3] वि०
आरण्य (वि०) जंगली, वनैला।

ਏਰਾਵਤ एरावत् Eravat [3] पुं०
ऐरावत (पुं०) इन्द्र का हाथी जो श्वेत-वर्ण का है तथा जो समुद्र-मन्थन से निकला था।

ਏਰਾਵਤੀ एरावती Eravati [3] स्त्री०
इरावती (स्त्री०) रावी नदी जो पंजाब प्रान्त में बहती है।

ਸ

ਸਉਲ सउल् Saul [1] पुं०
शकुल (पुं०) सौरा मछली।

ਸਵਿਤਾ सविता Svita [1] पुं०
सवितृ (पुं०) पैदा करने वाला; पिता; सूर्य।

ਸ਼ਸਤਰ शश्‌तर् Śastar [3] पुं०
शस्त्र (नपुं०) हथियार, जो हाथ में रख-कर चलाया जाये।

ਸ਼ਸਤਰ-ਵਸਤਰ शस्‌तर्-वस्‌तर् Sastar-Vastar [3] पुं०
शस्त्र-वस्त्र (नपुं०) शस्त्र और वर्दी।

ਸ਼ਸਤਰੀਬਲ शस्तरीबल् Śastarībal [3] पुं॰
शस्त्रिबल (नपुं॰) शस्त्रधारी सेना।

ਸ਼ਸਤਾਉਣਾ ससताउणा Sastāuṇa
[2] अक॰ क्रि॰
श्वसिति (अदादि अक॰) श्वास लेना; थोड़े समय तक विश्राम के लिये ठहरना।

ਸਸਤ੍ਰਨੀ सस्त्रनी Sastranī [3] स्त्री॰
शस्त्रिणी (स्त्री॰) शस्त्र रखने वाली सेना।

ਸੱਸ सस्स् Sass [3] स्त्री॰
श्वश्रू (स्त्री॰) सास, श्वसुर की पत्नी।

ਸੱਸੂ सस्सू Sassū [1] स्त्री॰
द्र॰—ਸੱਸ।

ਸਹਜ सह्ज् Sahj [3] वि॰/पुं॰
सहज (वि॰/पुं॰) वि॰—साथ पैदा होने वाला। पुं॰—स्वभाव, आदत।

ਸਹਾ सहा Saha [3] पुं॰
शशक (पुं॰) खरगोश, खरहा।

ਸਹਾਇ सहाइ Sahāi [3] स्त्री॰
साहाय्य (नपुं॰) सहायता, सहारा।

ਸਹਾਇਕ सहाइक् Sahāik [3] वि॰
सहायक (वि॰) सहायता करने वाला, मददगार।

ਸਹਾਇਤੀ सहाइती Sahāiti [3] वि॰
सहायक (वि॰) सहायक, सहायता करने वाला।

ਸਹਿਆ सहिआ Sahia [3] पुं॰
शशक (पुं॰) खरगोश, खरहा।

ਸਹਿਸਾ[1] सहिसा Sahisa [1] अ॰
सहसा (अ॰) अकस्मात्, अचानक।

ਸਹਿਸਾ[2] सह्सा Sahsa [3] पुं॰
संशय (पुं॰) संशय, सन्देह, शंका।

ਸਹਿਸੁਭਾ सहिसुभा Sahisubha
[1] क्रि॰ वि॰
सहजस्वभाव (पुं॰) सहज स्वभाव, पैदाइसी आदत।

ਸਹਿਕਣਾ सहिक्णा Sahikṇa [3] अक॰ क्रि॰
श्वसिति (अदादि अक॰) अंतिम साँस लेना।

ਸਹਿਚਰ सहिचर् Sahicar [3] पुं॰
सहचर (वि॰) साथ रहने वाला, साथी।

ਸਹਿਜਾਇਆ सह्जाइआ Sahjāia [3] वि॰
सहजात (वि॰) साथ पैदा हुआ, एक ही साथ उत्पन्न।

ਸਹਿਜੇ सहिजे Sahije [3] क्रि॰ वि॰
सहज (क्रि॰ वि॰) सहजता से।

ਸਹਿਣਹਾਰ सहिण्हार् Sahiṇhār [3] वि०
सहनहार (वि०) सहनशील, सहन करने वाला।

ਸਹਿਣਾ सहिणा Sahiṇā [3] सक० क्रि०
सहते (भ्वादि सक०) सहना, बर्दास्त करना।

ਸਹਿੰਦੜ सहिन्दड़् Sahindaṛ [3] वि०
सोढ़ृ (वि०) सहन करने वाला, सहनशील।

ਸ਼ਹਿਨਾਈ शह्नाई, Śahnāī [3] स्त्री०
सानेयी/सानेकी (स्त्री०) सहनाई, एक प्रकार का वाद्य यंत्र।

ਸਹਿਲਾ सहिला Sahilā [3] वि०
सहज (वि०) सहज, सरल।

ਸਹੀਅੜ सहीअड़् Sahīaṛ [3] पुं०
द्र०—ਸਹਾ।

ਸਹੁੰ सहुँ Sahũ [3] स्त्री०
शपथ (नपुं०) शपथ, सौगन्ध।

ਸਹੁਰਾ सहुरा Sahurā [3] पुं०
श्वसुर (पुं०) ससुर, श्वसुर, पति या पत्नी का पिता।

ਸਹੁਰੀ सहुरी Sahurī [3] स्त्री०
श्वश्रू (स्त्री०) सास; ससुरी (एक प्रकार की गाली)।

ਸਹੇਲ सहेल् Sahel [3] पुं०
सख्य (नपुं०) सख्य भाव, परस्पर सखी होने का भाव।

ਸਹੇਲਪੁਣਾ सहेल्पुणा Sahelpuṇā [3] पुं०
सखिपण (पुं०) सखीपना, मित्रता।

ਸਹੇਲਾ सहेला Sahelā [3] पुं०
सखि (पुं०) मित्र, दोस्त।

ਸਹੇਲੀ सहेली Sahelī [3] स्त्री०
सखी (स्त्री०) सहेली, सखी।

ਸਹੋਰਾ सहोरा Sahorā [3] पुं०
शशपोत (पुं०) खरगोश का बच्चा।

ਸਹੋਦਰ सहोदर् Sahodar [3] वि०
सहोदर (पुं०) एक पेट से उत्पन्न भाई।

ਸਹੰਸ सहंस् Sahans [3] वि०
सहस्र (नपुं०) हजार; दस सौ।

ਸਹੰਸਰ सहंसर् Sahansar [3] वि०
सहस्र (नपुं०) हजार; दश सौ।

ਸਕਣਾ सकणा Sakṇā [3] अक० क्रि०
शक्नोति (स्वादि अक०) सकना, समर्थ होना।

ਸ਼ਕਤ शकत् Śakat [1] स्त्री०
शक्ति (स्त्री०) शक्ति, सामर्थ्य, जोर।

ਸਕਤਾ सक्ता Sakta [3] वि०
शक्त (वि०) शक्त, सामर्थ्ययुक्त, समर्थ ।

ਸ਼ਕਤੀ शक्ती Śaktī [3] स्त्री०
शक्ति (स्त्री०) शक्ति, बल; प्रभाव ।

ਸਕਣਾ सक्ना Sakna [3] अक० क्रि०
द्र०—ਸਕਣਾ ।

ਸਕਾ सका Sakā [3] पुं०
स्वक (सर्व०) सगा, आत्मीय, स्वकीय ।

ਸਕਾਰਥ सकारथ् Sakārath [3] वि०
सार्थक (वि०) सार्थक, सफल ।

ਸਕੀਆ सकीआ Sakīa [1] पुं०
सापत्न (वि०) सौत का पुत्र ।

ਸਕੁੱਤਰ सकुत्तर् Sakuttar [1] पुं०
सपत्नीपुत्र (पुं०) सौतेला पुत्र ।

ਸਕੇਲਾ सकेला Sakelā [1] स्त्री०
शङ्कुला (स्त्री०) सरौता, जो सुपाड़ी काटने के काम आता है ।

ਸਕੰਧ सकन्ध् Sakandh [3] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा; ग्रन्थ का भाग ।

ਸੱਕ सक्क Sakk [3] पुं०
शल्क (नपुं०) छाल; खण्ड ।

ਸ਼ੱਕ शक्क् Śakk [3] वि०
शक्य (वि०) सामर्थ्य के अनुकूल; करने योग्य ।

ਸੱਕਰ सक्कर् Sakkar [2] स्त्री०
द्र०—ਸ਼ੱਕਰ ।

ਸ਼ੱਕਰ शक्कर् Śakkar [3] स्त्री०
शर्करा (स्त्री०) शक्कर, चीनी, खांड़ ।

ਸੱਕੜ सक्कड़् Sakkaṛ [2] पुं०
द्र०—ਸੱਕ ।

ਸੱਕਾ सक्का Sakkā [1] पुं०
द्र०—ਸਕਾ ।

ਸ਼ੱਕੀ सक्की Sakkī [3] वि०
शङ्किन् (वि०) शंका करनेवाला, संशयी, सन्देही ।

ਸਖਾ सखा Sakhā [3] पुं०
सखि (पुं०) मित्र, साथी ।

ਸਖੀ सखी Sakhī [3] स्त्री०
सखी (स्त्री०) सहेली, साथिन ।

ਸਖੋਪਤ सखोपत् Sakhopat [1] स्त्री०
सुषुप्ति (स्त्री०) सुषुप्ति, प्रगाढ़ निद्रा ।

ਸੱਖਣਾ सक्खणा Sakkhṇā [3] वि०
(स)क्षीण (वि०) खाली; दुर्बल ।

ਸਗਨ सगन् Sagan [1] पुं०
शकुन (नपुं०) शकुन, सगुन ।

ਸ਼ਗਨ शगन् Śagan [3] पुं०
शकुन (नपुं०) सगुन, लक्षण ।

ਸਗਲ सगल् Sagal [3] वि०
सकल (वि०) समग्र, सम्पूर्ण।

ਸਗਲਾ सगला Sagla [2] वि०
सकल (वि०) सकल, समस्त, सारा।

ਸਗਾਈ सगाई Sagāī [3] स्त्री०
स्वकीयता (स्त्री०) सगाई, विवाह से पूर्व की एक रीति, वर-रक्षा, सम्बन्ध, रिश्ता।

ਸਗੂੜ़ सगूढ़् Sagūṛh [3] वि०
सुगूढ (वि०) गुप्त; गड़ा हुआ; गुच्छा; प्रगाढ़।

ਸਗੋਚਾ सगोचा Sagoca [1] पुं०
संकोच (पुं०) संकोच, झिझक, शर्म; सिमटने का भाव।

ਸਚਾਈ सचाई Sacāī [3] स्त्री०
सत्यता (स्त्री०) सत्य, सच्चाई।

ਸਚਾਵਾ सचावा Sacāvā [3] वि०
सत्य (वि०) सच्चा, सत्यवादी।

ਸਚਿਆਈ सच्याई Sacyāī [3] स्त्री०
सत्यता (स्त्री०) सत्यता, सच्चाई, सच्चापन।

ਸਚਿਆਰ सच्यार Sacyār [3] पुं०
सत्यकार (पुं०) सच्चा आदमी; ज्ञानी।

ਸਚਿਵ सचिव् Saciv [3] पुं०
सचिव (पुं०) मन्त्री, सलाहकार।

ਸੱਚ सच्च् Sacc [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सच, सत्य।

ਸੱਚਾ[1] सच्चा Saccā [3] वि०
सत्य (वि०) सच्चा, सत्यवादी।

ਸੱਚਾ[2] सच्चा Saccā [3] पुं०
सञ्चक (नपुं०) साँचा, जिससे ईंट आदि गढ़ी जाती है।

ਸਜੱਗ सजग्ग् Sajagg [3] वि०
सजागर (वि०) जागरण सहित; सावधान, जागरूक।

ਸਜਾਉਣਾ सजाउणा Sajāuṇā [3] सक० क्रि०
सज्जयति (भ्वादि प्रे०) सजाना, सज्जित करना।

ਸਜੀਵ सजीव् Sjīv [3] वि०
सजीव (वि०) जीव सहित, चेतन।

ਸੱਜਣ सज्जण् Sajjaṇ [3] पुं०
सज्जन (पुं०) सज्जन, भला आदमी।

ਸੱਜਣਾਈ सज्जणाई, Sajjaṇāī [3] स्त्री०
सज्जनता (स्त्री०) सज्जनता, नेकी।

ਸੱਜਨ सज्जन् Sajjan [3] पुं०
सज्जन (पुं०) भला आदमी, नेक जन।

ਸਪੁੱਤ सपुत्त् Saputt [3] पुं०
सुपुत्र (पुं०) सुपुत्र, भला पुत्र।

ਸਪੁੱਤੀ सपुत्ती Saputtī [3] स्त्री०
सपुत्रा (स्त्री०) पुत्रों वाली स्त्री।

ਸਪੋਲੀਆ सपोल्या Sapolyā [3] पुं०
सर्पपोतक (पुं०) सांप का छोटा बच्चा।

ਸੱਪ सप्प् Sapp [3] पुं०
सर्प (पुं०) साँप।

ਸੱਪਕੁੰਜ सप्प्कुंज Sappkuñj [3] स्त्री०
सर्पकञ्चुक (पुं०) साँप की केंचुली।

ਸੱਪਣੀ सप्पणी Sappaṇī [3] स्त्री०
सर्पिणी (स्त्री०) साँपिन, सर्पिणी।

ਸਫਟਕ सफ्टक् Saphṭak [3] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक मणि, सूर्यकान्त मणि, विल्लौर पत्थर।

ਸਫਟਿਕ सफ्टिक् Saphṭik [3] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक, फटिक, सूर्यकान्त मणि।

ਸਫਲ सफल् Saphal [3] वि०
सफल (वि०) फल सहित; सार्थक।

ਸਫਾਲ सफाल् Saphāl [2] पुं०
स्फाल (पुं०) स्फूर्ति, स्फुरित होने का भाव।

ਸਫੁਟ सफुट् Saphuṭ [3] वि०
स्फुट (वि०) प्रकट, जाहिर, स्पष्ट।

ਸਫੋਟਕ सफोटक् Saphoṭak [3] पुं०
स्फोटक (नपुं०) फोड़ा, फुन्शी।

ਸਫੋਟਨ सफोटन् Saphoṭan [3] पुं०
स्फोटन (नपुं०) फोड़ने का भाव, भेदन।

ਸਬ सब् Sab [2] वि०
सर्व (सर्व०) सब, तमाम।

ਸਬਦ सबद् Sabad [3] पुं०
शब्द (पुं०) शब्द, वर्ण; ध्वनि, आवाज।

ਸਬਦ-ਕੋਸ਼ शबद् कोश् Śabadkoś [3] पुं०
शब्दकोश (पुं०) शब्दकोश, शब्दों का कोश, जिसमें शब्दों का अर्थ आदि निरूपित रहता है।

ਸਬਲੀ सब्ली Sablī [3] स्त्री०
शबली (स्त्री०) चितकबरी गौ; कामधेनु।

ਸਬੇਰ सबेर् Saber [2] स्त्री०
सुवेला (स्त्री०) प्रातः समय, अमृत वेला।

ਸਬੇਰਾ सबेरा Saberā [3] स्त्री०
द्र०—ਸਬੇਰ।

ਸੱਬਲ सब्बल् Sabbal [3] स्त्री०
सर्वला (स्त्री०) सब्बल, लौह-दण्ड।

ਸਭ सभ Sabh [3] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, तमाम ।

ਸਭਾ सभा Sabhā [3] पुं०
सभा (स्त्री०) सभा, जहाँ सभ्य लोग उपस्थित हों ।

ਸੱਭ सब्भ् Sabbh [2] वि०
सभ्य (वि०) सभ्य, शिक्षित; समझदार ।

ਸੱਭਤਾ सब्भता Sabbhatā [3] स्त्री०
सभ्यता (स्त्री०) सभ्यता, सभ्य का भाव या धर्म ।

ਸੱਭੇ सब्भे Sabbhe [2] सर्व०
द्र०—ਸਭ ।

ਸਮ सम् Sam [3] अ०
शम् (अ०) कल्याण, मङ्गल; सुख; शान्ति ।

ਸਮਸਤ समसत् Samsat [3] वि०
समस्त (वि०) सब, तमाम, सम्पूर्ण ।

ਸਮਸਰ समसर् Samsar [3] वि०
सदृश् (वि०) समान, तरह, तुल्य ।

ਸਮਸਾਨ समसान् Samsān [3] पुं०
श्मशान (नपुं०) श्मशान जहाँ मुर्दे जलाये जाते हों या दफनायें जाते हों, मरघट, मुर्दासराय ।

ਸਮੱਖ समक्ख् Samakkh [3] क्रि० वि०
समक्षम् (क्रि० वि०) आँखों के सामने, प्रत्यक्ष ।

ਸਮਗ੍ਰੀ समग्री Samagrī [3] स्त्री०
सामग्री (स्त्री०) वस्तु, सामान, असबाब ।

ਸਮਜ समज् Samaj [3] पुं०
समज (पुं०) पशुओं का समूह या झुण्ड ।

ਸਮਝ समझ Samajh [3] स्त्री०
सम्बोध (पुं०) पूर्ण ज्ञान, सम्यक् ज्ञान ।

ਸਮਝਣਾ समझणा Samajhṇā
[3] सक० क्रि०
सम्बुद्ध्यते (दिवादि सक०) समझना, जानना ।

ਸਮਝਾਉਣਾ समझाउणा Samjhāuṇā
[3] सक० क्रि०
सम्बोधयति (भ्वादि प्रेर०) सही ज्ञान कराना, सम्यक् ज्ञान कराना ।

ਸਮਤਾ समता Samtā [3] पुं०
समता (नपुं०) समता, समानता, सम-भाव ।

ਸਮਧਾ समधा Samdhā [1] स्त्री०
समिध् (स्त्री०) हवन की लकड़ी, समिधा ।

ਸਮਧੀ समधी Samdhī [1] पुं०
सम्बन्धिन् (पुं०) रिश्तेदार, कुटुम्ब; वर-वधू का पिता ।

ਸਤਭ सतम्भ् Satambh [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा; रुकने की क्रिया, स्तम्भन ।

ਸੱਤ सत्त् Satt [3] वि०
सप्तन् (वि०) सात; 7 ।

ਸੱਤਗੁਣਾ सत्त्-गुणा Satt-guna [3] वि०
सप्तगुणक (वि०) सात-गुना ।

ਸੱਤਮੀ सत्त्मी Sattmī [3] स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०) सप्तमी, सातवीं ।

ਸੱਤਰ सत्तर् Sattar [3] वि०
सप्तति (स्त्री०) सत्तर; 70 ।

ਸੱਤਵਾਂ सत्त्वां Sattvā̃ [3] पुं०
सप्तम (वि०) सातवां ।

ਸੱਤਵੀਂ सत्त्वीं Sattvī̃ [3] स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०) सप्तमी तिथि; सातवीं ।

ਸੱਤਾ[1] सत्ता Sattā [3] स्त्री०
सत्ता (स्त्री०) सत्ता, विद्यमानता ।

ਸੱਤਾ[2] सत्ता Sattā [3] पुं०
सप्तन् (नपुं०) सात संख्या, 7 ।

ਸੱਤਿਆ सत्त्या Sattyā [3] स्त्री०
सत्त्व (नपुं०) शक्ति, ताकत ।

ਸੱਤੂ सत्तू Sattū [3] पुं०
सक्तु (पुं०) सत्तू, भुने चने या जौ का चूर्ण ।

ਸੱਤੇਂ सत्तें Sattẽ [3] स्त्री०
द्र०—ਸੱਤਮੀ ।

ਸਤ੍ਰੂਘਨ सत्रुघन् Satrughan [3] वि०/पुं०
शत्रुघ्न (वि०/पुं०) वि०—शत्रुओं को मारने वाला । पुं०—लक्ष्मण का छोटा भाई ।

ਸਥਲ सथल् Sathal [3] पुं०
स्थल (नपुं०) भूमि, जमीन, जगह ।

ਸਥਾਈ सथाई Sathāī [3] वि०
स्थायिन् (वि०) दीर्घकाल तक स्थित रहने वाला, अचल ।

ਸਥਾਈ-ਭਾਵ सथाई-भाव् Sathāī-Bhav [3] पुं०
स्थायिभाव (पुं०) रति-हास आदि काव्य के नव रसों के उपादान ।

ਸਥਾਨ सथान् Sathān [3] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान; आश्रय, ठिकाना ।

ਸਥਾਨੀ सथानी Sathānī [1] वि०
स्थानिन् (वि०) स्थान वाला, किसी स्थान से जिसका संबंध हो वह ।

ਸਥਾਰ सथार्, Sathār [1] पुं०
संहार (पुं०) संहार, काटकर ढेर लगाने का भाव ।

ਸਥਾਵਰ सथावर् Sathāvar [3] वि०
स्थावर (वि०) स्थिर, अचल ।

ਸਥਿਤ सथित् Sathit [3] वि०
स्थित (वि०) विद्यमान; दृढ़, अचल ।

ਸਥਿਤਿ सथिति Sathiti [3] स्त्री०
स्थिति (स्त्री०) विद्यमानता; परिस्थिति, अवस्था, दशा ।

ਸਥਿਰ सथिर् Sathir [3] वि०
स्थिर (वि०) अचल, गतिहीन, स्थायी ।

ਸਥਿਰਤਾਈ सथिर्ताई Sathirtāī [3] स्त्री०
स्थिरता (स्त्री०) स्थिरता, स्थैर्य ।

ਸਥੂਲ सथूल् Sathūl [3] वि०
स्थूल (वि०) मोटा, बड़े आकार का; तुन्दिल, बड़ा पेट वाला ।

ਸਥੰਭ सथम्भ् Sathambh [1] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा, थूना; रुक जाने की क्रिया, स्तम्भन ।

ਸੱਥ सत्थ् Satth [3] स्त्री०
सधस्थ (नपुं०) साथ बैठना, गाँव के लोगों का एक जगह एकत्र होना ।

ਸੱਥਰ सत्थर् Satthar [3] पुं०
स्रस्तर (पुं०) कुशा का आसन, चटाई, तरई ।

ਸੱਥਰਾ सत्थ्रा Satthrā [3] पुं०
शस्त्र (नपुं०) बढई का लकड़ी काटने का औजार, वसूला या रुखानी ।

ਸੱਥਰੀ सत्थ्री Satthrī [3] स्त्री०
द्र०—ਸੱਥਰਾ ।

ਸਦ सद् Sad [1] अ०
सदा (अ०) हमेशा, निरन्तर, नित्य ।

ਸਦਗੁਣ सद्गुण् Sadguṇ [3] पुं०
सद्गुण (पुं०) सद्गुण, अच्छे गुण ।

ਸਦਾ सदा Sadā [3] अ०
सदा (अ०) सदा, निरन्तर ।

ਸਦਾਉਣਾ सदाउणा Sadāuṇā [3] सक० क्रि०
शब्दाययति (चुरादि सक०) बुलवाना, बुलावा भेजना ।

ਸਦੀ सदी Sadī [3] स्त्री०
शती (स्त्री०) शती, शताब्दी ।

ਸਦੀਵ सदीव् Sdīv [3] अ०
सदैव (अ०) सदैव, सदा ही ।

ਸੱਦ सद्द् Sadd 3] पुं०
शब्द (पुं०) पुकार, बोल; काव्य विशेष ।

ਸੱਦਣਹਾਰ सद्‌णहार् Saddaṇhar [3] पुं०
शब्दकार (वि०) बुलाने वाला ।

ਸੱਦਣਹਾਰਾ सद्‌णहारा Saddaṇhara [3] पुं०
द्र०—ਸੱਦਣਹਾਰ ।

ਸੱਦਣਾ सद्‌णा Saddṇa [3] वि०
शब्दायते (नाम० अक०/सक०) अक०—शब्द करना । सक०—आवाज देना, बुलाना ।

ਸੱਦਾ सद्दा Sadda [3] पुं०
शब्द (पुं०) निमन्त्रण, बुलावा ।

ਸਧਰਨਾ सधर्ना Sadharna [3] पुं०
संहरण (नपुं०) संहार, नाश ।

ਸਧਾ सधा Sadha [3] स्त्री०
सुधा (स्त्री०) अमृत; चूना, कली ।

ਸਧਾਰ सधार् Sadhar [3] वि०
साधार (वि०) आधार सहित, सप्रमाण ।

ਸਧਾਰਣ सधारण् Sadharaṇ [3] वि०
साधारण (वि०) साधारण, सामान्य ।

ਸਧਾਰਨ सधारन्, Sadharan [3] वि०
द्र०—ਸਧਾਰਣ ।

ਸਨੱਧ सनद्ध् Sanaddh [1] वि०
सन्नद्ध (वि०) अच्छी तरह बँधा हुआ; सज्जित, तैयार (विशेषतया युद्ध के लिये) ।

ਸਨਬੰਧ सन्‌बन्ध Sanbandh [1] पुं०
संबन्ध (पुं०) संबन्ध, योग, रिश्ता ।

ਸਨਮਾਨ सन्‌मान् Sanman [3] पुं०
सम्मान (पुं०) आदर, सत्कार ।

ਸਨਮਾਨਣਾ सन्‌मान्‌णा Sanmanṇa [2] सक० क्रि०
सन्मानयति (चुरादि सक०) संमानित करना, आदर करना ।

ਸਨਮੁਖ सन्‌मुख् Sanmukh [3] क्रि० वि०
सम्मुख (क्रि० वि०) सामने, समक्ष ।

ਸਨਾਸੀ सनासी Snasī [2] पुं०
संन्यासिन् (पुं०) संन्यासी, संन्यास लिया हुआ साधु ।

ਸਨਾਥਾ सनाथा Sanatha [3] पुं०
सनाथ (वि०) नाथ सहित; मालिक वाला, स्वामि-युक्त ।

ਸਨਾਨ सनान् Snan [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने का भाव ।

ਸਨਿਆਸ सन्यास् Sanyas [2] पुं०
संन्यास (पुं०) वैराग्य, प्रव्रजन, सब का त्याग ।

ਸਨਿਸਚਰ सनिस्‌चर् Saniscar [3] पुं०
द्र०—ਸਨਿੱਚਰ ।

ਸਨਿਗਧ सनिगध् Sanigadh [3] **वि०**
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेहवान्; कोमल।

ਸਨਿੱਚਰ सनिच्चर् Saniccar [3] **पुं०**
शनैश्चर (पुं०) शनि, शनिश्चर; क्रूर-व्यक्ति।

ਸਨੂਖਾ सनूखा Sanūkhā [1] **स्त्री०**
स्नुषा (स्त्री०) पुत्र की पत्नी, पुत्र-वधू।

ਸਨੇ-ਸਨੇ सने-सने Sane-Sane [3] **क्रि० वि०**
शनैः शनैः (अ०) शनैः शनैः, धीरे-धीरे।

ਸਨੇਹ सनेह् Saneh [3] **पुं०**
स्नेह (पुं०) प्रेम; तेल।

ਸਨੇਹਾ सनेहा Sanehā [3] **पुं०**
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार; सूचना।

ਸਨੇਹੀ सनेही Sanehī [3] **पुं०**
स्नेहिन् (वि०) स्नेही, प्रेमी।

ਸਨੇਤ सनेत् Sanet [3] **वि०**
सन्निहित (वि०) उपस्थित, पास में स्थित, मौजूद।

ਸਨੰਦ सनंद् Sanand [1] **पुं०**
सनन्दन (वि०) पुत्र सहित; पुत्र वाला।

ਸਪ[1] सप् Sap [1] **सक० क्रि०**
शपते (भ्वादि सक०) शाप देना, गाली देना।

ਸਪ[2] सप् Sap [1] **पुं०**
सप (पुं०) लिङ्ग, पुरुष जननेन्द्रिय।

ਸਪਸਟ सपसट् Sapasṭ [3] **वि०**
स्पष्ट (त्रि०) स्पष्ट, व्यक्त; जाहिर, प्रकट।

ਸਪਤ[1] सपत् Sapat [2] **स्त्री०**
शपथ (पुं०) सौगन्ध, कसम।

ਸਪਤ[2] सपत Sapat [3] **वि०**
सप्तन् (वि०) सात; 7।

ਸਪਤਸ੍ਰਿੰਗ सपत्स्रिंग् Sapatsring [3] **पुं०**
शतशृङ्ग (पुं०) हेमकूट पर्वत; नासिक जिले के चान्दरे की पर्वत चोटी।

ਸਪਤਕ सप्तक् Saptak [3] **पुं०**
सप्तक (वि०) सात का समुदाय; स्वर-सप्तक।

ਸਪਤਰਿਸੀ सपत्रिसी Sapatrisī [3] **पुं०**
सप्तर्षि (पुं०) सप्तर्षि मण्डल जिसमें मरीचि, अत्रि, पुलह, पुलस्त, क्रतु, अंगिरा और वशिष्ठ ये सात ऋषि आते हैं।

ਸਪਰਸ਼ सपर्श् Sapars̒ [3] **पुं०**
स्पर्श (पुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਸਪਰਧਾ सपर्धा Sapardhā [3] **स्त्री०**
स्पर्द्धा (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह, जलन।

ਸੱਜਨਤਾ सज्जनता Sajjanta [3] स्त्री०
सज्जनता (स्त्री०) साधुता, नेकी, भलाई ।

ਸੱਜਰ सज्जर् Sajjar [3] अ०
सद्यः (अ०) ताजा; तत्काल ।

ਸੱਜਰਾ सज्जरा Sajjra [3] वि०
द्र०—ਸੱਜਰ ।

ਸੱਜਾ[1] सज्जा Sajjā [3] पुं०
सव्येतर (वि०) दायाँ, दाहिना ।

ਸੱਜਾ[2] सज्जा Sajja [3] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, पलंग ।

ਸੱਜੀ सज्जी Sajjī [3] स्त्री०
सर्जि (स्त्री०) सज्जी, क्षार विशेष ।

ਸੱਟਣਾ सट्टणा Saṭṭṇa [2] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਟਣਾ ।

ਸੱਠ सट्ठ् Saṭṭh [3] वि०
षष्टि (स्त्री०) साठ, 60 ।

ਸ਼ਠ शठ् Śaṭh [3] वि०
शठ (वि०) धूर्त; शरारती; झूठा ।

ਸੱਠਣਾ सट्ठणा Saṭṭhṇa [3] प्रेर० क्रि०
श्लेषयति (दिवादि प्रेर०) जोड़ना, मिलाना; चिपकाना ।

ਸੱਠੀ सट्ठी Saṭṭhī [3] स्त्री०
षष्टिका (स्त्री०) साठी-धान; साठ दिन में पकने वाली फसल; मक्का, मकई ।

ਸੱਠੀਰਾਤ सट्ठीरात् Saṭṭhīrat [3] स्त्री०
षष्ठी रात्रि (स्त्री०) बच्चा पैदा होने के बाद की छठवीं रात, छठी ।

ਸਣ सण् Saṇ [3] स्त्री०
सण/शण (पुं०) सन, सनई ।

ਸਤਸੰਗ सत्संग् Satsang [3] पुं०
सत्सङ्ग (पुं०) सज्जनों की संगति, भले लोगों की संगति ।

ਸ਼ਤਕ शतक् Śatak [3] पुं०
शतक (नपुं०) सौ का समूह ।

ਸਤਕਾਰ सत्कार् Satkār [3] पुं०
सत्कार (पुं०) सम्मान, आदर, स्वागत ।

ਸਤਗੁਰ सत्गुर् Satgur [3] पुं०
सद्गुरु (पुं०) सद्गुरु, सच्चा गुरु; परमात्मा ।

ਸਤਜੁਗ सत्जुग् Satjug [3] पुं०
सत्ययुग (नपुं०) सत् युग, चारों युगों में से पहला युग ।

ਸਤਣਾ सत्णा Satṇa [3] अक० क्रि०
संतपति (भ्वादि अक०) संतप्त होना; परेशान होना ।

ਸਤੱਤਰ सतत्तर् Satattar [3] वि०
सप्तसप्तति (स्त्री०) सतहत्तर, 77।

ਸਤਨਾਜਾ सत्नाजा Satnaja [3] पुं०
सप्तान्न (नपुं०) सात प्रकार के अन्न।

ਸਤਪੁਰਖ सत्पुरख् Satpurakh [3] पुं०
सत्पुरुष (पुं०) सत्पुरुष, सज्जन, श्रेष्ठ पुरुष; ईश्वर भक्त।

ਸਤਬਚਨ सत्बचन् Satbacan [3] पुं०
सद्वचन (नपुं०) बिल्कुल सच बात, सत्य वचन; शिक्षा की बात।

ਸਤਮਾਹਾ सत्माहा Satmaha [3] पुं०
सप्तमास (वि०) सात मास का, सत-मासा बच्चा आदि।

ਸਤਵਾਂ सत्वाँ Satvā̃ [3] पुं०
सप्तम (वि०) सातवाँ।

ਸਤਵੰਜਾ सत्वञ्जा Satvañja [3] वि०
सप्तपञ्चाशत् (स्त्री०) सत्तावन; 57।

ਸਤਾਉਣਾ सताउणा Sataụṇa
[3] सक० क्रि०
सन्तापयति (भ्वादि प्रेर०) सताना, सन्ताप देना, दु:खी करना।

ਸਤਾਈ सताई Sataī [3] वि०
सप्तविंशति (स्त्री०) सताईस; 27।

ਸਤਾਸੀ सतासी Satasī [3] वि०
सप्ताशीति (स्त्री०) सत्तासी; 87।

ਸਤਾਹਟ सताहट् Satahaṭ [3] वि०
सप्तषष्टि (स्त्री०) सड़सठ, 67।

ਸਤਾਨਵੇਂ[1] सतानवें Satanvē [3] वि०
सप्तनवतितम (वि०) सत्तानवेवाँ, 97वाँ।

ਸਤਾਨਵੇਂ[2] सतानवें Satanvē [3] वि०
सप्तनवति (स्त्री०) सत्तानवे, 97।

ਸਤਾਰਾਂ सतारां Satarā̃ [3] वि०
सप्तदशन् (वि०) सत्रह, 17।

ਸਤਿ सत् Sat [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सत्य, सच।

ਸਤਿਗੁਰੂ सत्-गुरू Sat-gurū [3] पुं०
सद्गुरु (पुं०) सद्गुरु, उत्तम गुरु।

ਸਤੋਗੁਣ सतोगुण् Satoguṇ [3] पुं०
सत्त्वगुण (पुं०) सत्त्व गुण, तीनों गुणों में से एक।

ਸਤੋਤਰ सतोतर् Satotar [3] पुं०
स्तोत्र (नपुं०) स्तोत्र, स्तुति वाक्य।

ਸਤੋਨਾ सतोना Satona [1] पुं०
द्र०—ਸਤਨਾਜਾ।

ਸਤੌਣਾ सतौणा Satauṇa [1] वि०
शतगुण (वि०) सौ गुना, शत गुना।

ਸਤੌਨਾ सतौना Satauna [1] वि०
द्र०—ਸਤੌਣਾ।

ਸਮਰਣ समरण् Samaraṇ [3] पुं०
स्मरण (नपुं०) याद करने का भाव, स्मृति; चिन्तन।

ਸਮਰਥ समृरथ् Samrath [3] वि०
समर्थ (वि०) सामर्थ्यवान्, शक्तिमान्; योग्य।

ਸਮਰਪਣ समर्पण् Samarpaṇ [3] पुं०
समर्पण (नपुं०) सम्यक् अपर्ण, भेंट, त्याग।

ਸਮਾਉਣਾ समाउणा Samauṇa [3] अक० क्रि०
समवैति (अदादि अक०) समा जाना, समाना, अटना।

ਸਮਾਹਰ समाहर् Samahar [1] पुं०
समाहार (पुं०) संग्रह, जमाव; एक समास।

ਸਮਾਹਰਾ समाहरा Samahra [1] वि०
समाहृत (वि०) जमा किया हुआ, संकलित, संगृहीत।

ਸਮਾਗ समाग् Samag [1] पुं०
समागम (पुं०) मेल-मिलाप, संयोग; आगमन; मैथुन।

ਸਮਾਗਾ समागा Samaga [1] वि०
समागत (वि०) प्राप्त हुआ; मिला हुआ।

ਸਮਾਚੀ समाची Samaci [3] वि०
समीचीन (वि०) योग्य, ठीक; पूर्ण।

F.—11

ਸਮਾਧ समाध् Samadh [3] स्त्री०
समाधि (पुं०) मन की एकाग्रता, उपास्य में अन्तःकरण का लीन होना; एक पौराणिक वैश्य का नाम।

ਸਮਾਪਤ समापत् Samapat [3] वि०
समाप्त (वि०) खत्म हुआ; अच्छी तरह पहुँचा हुआ।

ਸਮਾਪਤੀ समाप्ती Samapti [3] स्त्री०
समाप्ति (स्त्री०) समाप्त होने का भाव; सम्यक् प्राप्ति; भोग।

ਸਮਾਰ समार् Samar [3] पुं०
स्मार (पुं०) चिन्तन, स्मरण।

ਸਮਾਰਤ समारत् Samarat [1] वि०
स्मार्त्त (वि०) स्मृति से संबन्धित; स्मृति में उपदिष्ट धर्म।

ਸਮਿਤ समित् Samit [1] वि०
स्मित (वि०) हास युक्त, मुस्कान से युक्त।

ਸਮਿਤੀ समिती Samiti [3] स्त्री०
समिति (स्त्री०) सभा, मण्डली; मेल-मिलाप; युद्ध; माप सहित।

ਸਮੀਤਾ समीता Samita [1] वि०
समवेत (वि०) समाया हुआ, मिला हुआ, अभिन्न।

ਸਮੀਪਤ समीपत् Samipat [3] वि०
समीपतर (वि०) अधिक समीप।

ਸਮੀਲ਼ਾ समीला Samila [3] वि०
सम्मिलित (वि०) मिला हुआ, सम्मिलित ।

ਸਮੁਹ समुह् Samuh [1] क्रि० वि०
सम्मुखम् (क्रि० वि०) सामने, नजदीक ।

ਸਮੁਖ समुख् Samukh [2] क्रि० वि०
द्र०—ਸਮੁਹ ।

ਸਮੁਚਾ समुचा Smuca [3] पुं०
समुच्चय (पुं०) समूह, समुदाय; सम्पूर्ण ।

ਸਮੁੱਚਾ समुच्चा Samucca [3] वि०
समुच्चय (पुं०) समूचा, सारा; समुदाय, ढेर ।

ਸਮੁੱਛਤ समुच्छत् Samucchat [2] वि०
समुच्छ्रित (वि०) बढ़ा हुआ; ऊँचा ।

ਸਮੁੰਦ समुन्द् Samund [3] पुं०
समुद्र (पुं०) समुद्र, सागर ।

ਸਮੁੰਦਰ समुन्दर् Samundar [3] पुं०
समुद्र (पुं०) समुद्र, सागर ।

ਸਮੁੰਦ समुन्द्री Samundrī [3] वि०
समुद्रीय (वि०) समुद्र-सम्बन्धी ।

ਸਮੁਦਾਇ समुदाइ Samudāi [3] पुं०
समुदाय (पुं०) समूह, झुण्ड; युद्ध; उन्नति, प्रगति ।

ਸਮੁਦ੍ਰਿਕ समुद्रिक् Samudrik [3] पुं०
सामुद्रिक (नपुं०) समुद्र ऋषि द्वारा प्रचारित विद्या, हस्तरेखा-विज्ञान विज्ञान, सामुद्रिक शास्त्र ।

ਸਮੁਧਰਿਆ समुधर्या Samudharya [2] वि०
समुद्धृत (वि०) उद्धार किया हुआ निकाला हुआ; मुक्त; उदाहृत ।

ਸਮੂਹਕ समूहक् Samūhak [3] वि०
सामूहिक (वि०) सामूहिक, समूह सम्बन्धी ।

ਸਮੂਚਾ समूचा Samūca [2] पुं०
द्र०—ਸਮੁਚਾ ।

ਸਮੂਰਤ समूरत् Samūrat [1] पुं०
सुमुहूर्त (नपुं०) शुभ मुहूर्त, शुभ लग्न ।

ਸਮੂਲਚਾ समूल्चा Samūlcā [3] वि०
समूल (वि०) समूल, मूल सहित, जड़ के साथ ।

ਸਮੇਉ समेउ Sameu [1] वि०
द्र०—ਸਮਾਉਣਾ ।

ਸਮੇਹ समेह् Sameh [3] वि०
समेघ (वि०) मेघ सहित, वर्षा के साथ

ਸਮੇਟਣਾ समेट्णा Sametṇā [3] सक० क्रि०
संवेष्टते (भ्वादि सक०) समेटना बटोरना; बाँधना ।

ਸਮੇਤ समेत् Samet [3] वि०
समेत (वि०) युक्त; साथ आया हुआ ।

ਸਮੇਰ समेर् Samer [2] पुं०
सुमेरु (पुं०) सुमेरु-पर्वत ।

ਸਮੈ समै Samai [3] पुं०
समय (पुं०) समय, वेला ।

ਸਮੋਣਾ[1] समोणा Samoṇā [3] सक० क्रि०
संवपति (भ्वादि सक०) मिलाना, आत्म-सात् करना ।

ਸਮੋਣਾ[2] समोणा Samoṇā [3] प्रेर० क्रि०
सीवयति (भ्वादि प्रेर०) सिलाना, सीने का काम कराना ।

ਸਮੋਧ समोध् Samodh [1] पुं०
सम्बोध (पुं०) सम्यक् ज्ञान, अच्छा ज्ञान ।

ਸਮ੍ਹਾਲਨਾ सम्हाल्ना, Samhālnā
[1] सक० क्रि०
द्र०— ਸੰਭਾਲਣਾ ।

ਸਯੰਦਨ सयन्दन् Sayandan [1] पुं०
स्यन्दन (पुं०/नपुं०) पुं०—रथ । नपुं०—टपकाव, बहाव ।

ਸਰ[1] सर् Sar [3] पुं०
सरस् (नपुं०) सरोवर, तालाब ।

ਸਰ[2] सर् Sar [3] पुं०
शर (पुं०) सरपत, सरकण्डा ।

ਸਰਸਪ सर्सप् Sarsap [1] पुं०
सर्षप (पुं०) सरसों ।

ਸਰਸੌ सर्सौ Sarsau [2] वि०
सरस (वि०) रसदार, रसीला ।

ਸਰਕਣ सर्कण् Sarkaṇ [3] पुं०
सर्पण (नपुं०) सरकन, सरकने का भाव खिसकाव ।

ਸਰਕਣਾ[1] सर्कणा Sarkaṇā [3] अक० क्रि०
सरति (भ्वादि सक०) सरकना, खिसकना ।

ਸਰਕਣਾ[2] सर्कणा Sarkaṇā [3] अक० क्रि०
सर्पति (भ्वादि सक०) सरकना, खिसकना, धीरे-धीरे चलना ।

ਸਰਕੜਾ सर्कड़ा Sarkaṛā [3] पुं०
शरकाण्ड (पुं०, नपुं०) सरकण्डा, सरपत ।

ਸਰਕਾਉਣਾ सर्काउणा Sarkāuṇā
[3] सक० क्रि०
सारयति (भ्वादि प्रेर०) सरकाना, खिसकाना ।

ਸਰਕਾਨ सर्कान् Sarkān [1] पुं०
द्र०— ਸਰਕੜਾ ।

ਸਰਗ सरग् Sarag [3] पुं०
सर्ग (पुं०) त्याग; अध्याय; सृष्टि, उत्पत्ति; जगत्; जलस्रोत; प्रकृति ।

ਸਰਗੁਣ सर्गुण् Sarguṇ [3] पुं०
सगुण (पुं०) सगुण ब्रह्म, ईश्वर ।

ਸਰਜੀ सर्जीउ Sarjīu [3] वि०
सजीव (वि०) जीव सहित, प्राणधारी ।

ਸਰਜੀਵਨ सर्जीवन् Sarjīvan [1] पुं०
संजीवन (वि०) जीवन देने वाला, जीवन-दायक ।

ਸਰਜੀਵਨਬੂਟੀ सरजीवन्बूटी Sarjivanbuti [1] स्त्री०
संजीवनबूटी (स्त्री०) संजीवन-बूटी ।

ਸਰਜੀਵਨੀ सर्जीवनी Sarjivani [1] स्त्री०
संजीवनी (स्त्री०) संजीवनी, जीवन-दायिनी ।

ਸਰਜੂ सर्जू Sarjū [3] स्त्री०
सरयू (स्त्री०) सरयू नदी ।

ਸਰਟ सरट् Saraṭ [3] पुं०
शरट (पुं०) गिरगिट ।

ਸਰਣਾਈ सर्णाई Sarṇāī [3] वि०
शरणागत (वि०) शरण में आया हुआ ।

ਸਰਦੂਲ सर्दूल् Sardūl [3] पुं०
शार्दूल (पुं०) सिंह, बब्बर शेर ।

ਸਰਧਿ सर्धि Sardhi [1] वि०
श्रद्धेय (वि०) श्रद्धा के योग्य, उपास्य ।

ਸਰਨ सरन् Saran [1] स्त्री०
शरणि (स्त्री०) पक्षाघात; पशु की टाँग में एक प्रकार का दोष ।

ਸ਼ਰਨ शरन् Śaran [3] पुं०
शरण (नपुं०) शरण, आश्रय, घर ।

ਸਰਨਾ सर्ना Sarnā [3] पुं०
द्र०—ਸਰਨ ।

ਸਰਪ सरप् Sarap [3] पुं०
सर्प (पुं०) साँप, सर्प ।

ਸਰਬ सरब् Sarab [3] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, तमाम ।

ਸਰਬਸ सर्बस् Sarbas [3] पुं०
सर्वस्व (नपुं०) सारा धन, सारी विभूति ।

ਸਰਬੱਗ सर्बग्ग् Sarbagg [3] वि०
सर्वज्ञ (वि०) सर्वज्ञ, सब कुछ जानने वाला ।

ਸਰਬੱਤ सर्बत्त् Sarbatt [3] अ०
सर्वत्र (अ०) सब जगह, सभी स्थानों पर ।

ਸਰਬਥਾ[1] सर्बथा Sarbathā [3] अ०
सर्वथा (अ०) सब प्रकार से ।

ਸਰਬਦਾ[2] सर्बदा Sarbadā [3] अ०
सर्वदा (अ०) सदा, हमेशा, नित्य ।

ਸਰਬਲੋਹ सरब्लोह् Sarabloh [3] वि०
सर्वलौह (वि०) सम्पूर्ण लोहे का ।

ਸਰਬਾਲਾ सर्बाला Sarbālā [3] पुं०
सहचर (पुं०) सहबाला, दुल्हे के साथ पालकी में बैठने वाला लड़का ।

ਸਰਬੇਸ सर्बेस् Sarbes [3] पुं०
सर्वेश (पुं०) सब का मालिक, सबके स्वामी ।

ਸਰਬੇਸੁਰ सर्बेसुर् Sarbesur [3] पुं०
सर्वेश्वर (पुं०) सबका मालिक, सबका स्वामी; भगवान् ।

ਸਰਬਧ[1] सर्बन्ध् Sarbandh [1] पुं०
सर्गबन्ध (पुं०) सर्गबन्ध, प्रबन्ध, महा-काव्य ।

ਸਰਬੰਧ[2] सर्बन्ध् Sarbandh [1] पुं०
संबन्ध (पुं) संबन्ध, योग, रिश्ता ।

ਸਰਲ सरल् Saral [3] वि०
सरल (वि०) सरल, सीधा, ऋजु ।

ਸਰਵਣ सर्वण् Sarvaṇ [3] पुं०
श्रवण (पुं०) श्रवणकुमार; नेत्रहीन; अन्धक वैश्य ऋषि के पुत्र ।

ਸਰਵਰੁ सर्वरु Sarvaru [3] पुं०
सरोवर (पु०) उत्तम तालाब; ताल, झील ।

ਸਰਵਾਹ सर्वाह् Sarvāh [3] स्त्री०
शिरोव्याधि (स्त्री०) शिर की पीड़ा, शिर-दर्द ।

ਸਰਾਸ सरास् Sarās [3] पुं०
शरासन (नपुं०) धनुष, कमान ।

ਸਰਾਹ सराह् Sarāh [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई ।

ਸਰਾਹਨ सराहन् Sarāhan [3] पुं०
श्लाघन (नपुं०) प्रशंसा, बड़ाई, स्तुति ।

ਸਰਾਹਨਾ सराह्ना Sarāhnā [3] सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) बड़ाई करना, सराहना ।

ਸਰਾਹੁਣਾ सराहुणा Sarāhuṇā [3] सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) सराहना, बड़ाई करना ।

ਸਰਾਘਾ सराघा Sarāghā [1] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) श्लाघा, प्रशंसा, बड़ाई ।

ਸਰਾਧ सराध् Sarādh [2] पुं०
श्राद्ध (नपुं०) श्राद्ध, मरणोपरान्त श्राद्ध नाम से अनुष्ठेय कर्म विशेष ।

ਸਰਾਪ सराप् Sarāp [3] पुं०
शाप (पुं०) शाप, अभिशाप देने का भाव, दुराशीष ।

ਸਰਾਪਣਾ सराप्णा Sarāpṇā [3] सक० क्रि०
शपते (भ्वादि सक०) शाप देना ।

ਸਰਾਪਿਆ सराप्या Sarāpyā [3] वि०
शापित (त्रि०) अभिशप्त, शाप से युक्त ।

ਸਰਿਆ सरिआ Sariā [1] वि०
सज्जित (वि०) रचित, बनाया हुआ, श्रेष्ठ ।

ਸਰਿੱਠਾ सरिट्ठा Sariṭṭhā [1] तृतीयान्त
सृष्ट्या (तृतीयान्त) सृष्टि द्वारा, रचना से ।

ਸਰੀਂਹ सरींह् Sarīh [3] पुं०
शिरीष (नपुं०) शिरीष पुष्प अथवा वृक्ष ।

ਸਰੀਂਹ शरीह् Sarih [3] पुं०
शिरीष (पुं० / नपुं०) पुं०—शिरीष का पौधा। नपुं०—शिरीष का पुष्प।

ਸਰੀਖ सरीख् Sarikh [3] वि०
द्र०—ਸਰੀਖਾ।

ਸਰੀਖਾ सरीखा Sarikha [3] वि०
सदृक्ष (वि०) सरीखा, सदृश, समान।

ਸਰੀਰ सरीर् Sarir [3] पुं०
शरीर (नपुं०) शरीर, देह।

ਸਰੀਰਾ सरीरा Sarira [3] पुं०
शरीरिन् (पुं०) शरीर वाला, आत्मा, जीवात्मा।

ਸਰੂਪ सरूप् Sarūp [3] पुं०
स्वरूप (नपुं०) स्वरूप, आकार, शक्ल।

ਸਰੂਪੀ सरूपी Sarūpi [3] पुं०
सुरूपिन् (वि०) सुन्दर रूपवाला, खूब सुन्दर।

ਸਰੇਸਟ सरेसट् Saresat [2] वि०
श्रेष्ठ (वि०) उत्तम, प्रशंसनीय।

ਸਰੇਵਣ सरेवण् Sarevan [3] पुं०
संसेवन (नपुं०) उत्तम रीति की सेवा, उपासना।

ਸਰੇਵਤ सरेवत् Sarevat [1] सक० वर्त० क्रि०
संसेवते (भ्वादि सक० लट्) सेवा करता है, उपासना करता है।

ਸਰੋਆ सरोआ Saroa [3] पुं०
स्रुक् (स्त्री०) स्रुवा, जिससे हवन में घी डाला जाता है।

ਸਰੋਤ सरोत् Sarot [3] पुं०
श्रोत्र (नपुं०) कान, कर्णेन्द्रिय।

ਸਰੋਤਾ सरोता Sarota [2] पुं०
श्रोतृ (श्रोता) (वि०) श्रोता, सुनने वाला।

ਸਰੋਤੀ सरोती Saroti [3] वि०
श्रोतव्य (वि०) सुनने योग्य, श्रवणीय।

ਸਰੋਦਾ सरोदा Saroda [3] पुं०
स्वरोदय (पुं०) स्वरोदय, प्रश्वास से शुभाशुभ का विचार करने वाला शास्त्र।

ਸਰੌਤਾ सरौता Sarauta [3] पुं०
सरपत्र (नपुं०) सरौता, सुपारी काटने की कैंची।

ਸਰੌਤੀ सरौती Sarauti [3] स्त्री०
सारपत्री (स्त्री०) सरौती, छोटा सरौता।

ਸਰੰਗੀ सरंगी Sarangi [3] स्त्री०
सारङ्गी (स्त्री०) सारंगी, वाद्ययन्त्र विशेष।

ਸਰੰਗੀਆ सरंगीआ Sarangia [3] पुं०
सारङ्गिक (वि०) सारंगी वादक।

ਸਰ੍ਹਾਣਾ सर्हाणा Sarhana [3] पुं०
शिरोधान (नपुं०) सिरहाना, तकिया।

ਸਰ੍ਹਾਂਦ सर्हांद् Sarhād [3] स्त्री०
शिरोधान (नपु०) सिरहाना, तकिया।

ਸਰ੍ਹਾਂਦੀ सर्हांदी Sarhādi [3] स्त्री०
द्र०—ਸਰ੍ਹਾਂਦ।

ਸਰ੍ਹੋਂ सर्हों Sarhõ [3] पुं०
सर्षप (पुं०) सरसों, सर्षप।

ਸਲਣਾ सल्णा Salṇa [1] सक० क्रि०
शलते (भ्वादि सक०) जाना; चुभना।

ਸਲਭ सलभ् Salabh [3] पुं०
शलभ (पुं०) टिड्डी, पतंग।

ਸਲਾ सला Sala [1] स्त्री०
शलभ (पुं०) टिड्डी, पतंग।

ਸਲਾਈ सलाई Salāī [3] स्त्री०
शलाका (स्त्री०) सलाई, जिससे आँखों में सुरमा लागाया जाता है।

ਸਲਾਹ सलाह् Salāh [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई।

ਸਲਾਹਣ सलाहण् Salāhaṇ [3] पुं०
द्र०—ਸਰਾਹਨ।

ਸਲਾਹਤ सलाहत् Salāhat [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ।

ਸਲਾਹੀ सलाही Salāhi [3] वि०
श्लाघनीय (वि०) बड़ाई के योग्य, प्रशंसनीय।

ਸਲਾਹੁਣਾ सलाहुणा Salahuṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸਰਾਹੁਣਾ।

ਸਲਾਹੁਤ सलाहुत् Salāhut [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ।

ਸਲਾਹੁਤਾ सलाहुता Salāhuta [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ।

ਸਲਾਕ सलाक् Salāk [2] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਈ।

ਸਲਾਘਾ सलाघा Salāgha [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई।

ਸਲਿ सलि Sali [1] पुं०
शल्य (नपुं०) घाव, जख्म।

ਸਲਿਸ सलिस् Salis [3] सक०/अक० क्रि०
श्लिष्यति (दिवादि सक०) सक०—आलिङ्गन करना, गले लगाना। अक०—चिपकना, सटे रहना।

ਸਲੂਣਾ सलूणा Salūṇa [3] वि०
सलवण (वि०) नमकीन, नमक से युक्त।

ਸਲੇਸ सलेस् Sales [3] पुं०
श्लेष (पुं०) मिलाप, मेल; एक अर्थालङ्कार।

ਸਲੇਸਿਆ सलेसिआ Salesia [3] वि०
श्लिष्ट (वि०) मिला हुआ; श्लेषार्थ से युक्त।

ਸਲੋਸਣਾ सलोस्णा Salosṇa [3] सक० क्रि०
श्लेषयति (चुरादि सक०) आलिङ्गन करना, गले लगाना, चिपकाना।

ਸਲੋਕ सलोक् Salok [3] पुं०
श्लोक (पुं०) श्लोक, छन्द विशेष।

ਸ਼ਲੋਕ शलोक् Śalok [3] पुं०
श्लोक (पुं०) श्लोक, पद्य संस्कृत में कोई पद्य जो अनुष्टुप् छन्द में हो।

ਸਲੋਣਾ सलोणा, Saloṇa [3] पुं०
सलवण (वि०) नमक सहित, नमकीन।

ਸਲੋਤਰ सलोतर् Salotar [3] पुं०
तोत्र (नपुं०) चाबुक; सोटा, डण्डा।

ਸਲੋਤਰੀ सलोत्री Salotrī [3] पुं०
तोत्रिन् (वि०) चाबुक-डण्डा आदि रखने वाला।

ਸਲੰਘ सलंघ् Salaṅgh [3] स्त्री०
शल्यशङ्कु (पुं०) पांचा या अखइन, काष्ठ या बाँस की वह लम्बी लकड़ी जिसके अग्रभाव में टेढ़ी एवं नुकीली एक-दो-चार या पाँच छोटी-छोटी लकड़ियाँ रहती हैं और उससे पुआल-घास या भूसा आदि को फैलाया या इकट्ठा किया जाता है।

ਸਲੰਘਾ सलंघा Salaṅgha [3] पुं०
द्र० — ਸਲੰਘ।

ਸੱਲ सल्ल् Sall [3] पुं०
शल्य (पुं०/नपुं) घाव, जख्म; छेद।

ਸੱਲਣਾ सल्ल्णा Sallṇa [3] सक० क्रि०
शलते (भ्वादि सक०) चुभना; छेद करना।

ਸਵ सव् Sav [3] पुं०
शव (पुं०) मुर्दा, प्राणरहित देह।

ਸਵਗੁਣ सव्गुण Savguṇ [2] वि०
शतगुण (वि०) सौ गुना।

ਸਵੱਛ सवच्छ् Savacch [3] वि०
स्वच्छ (वि०) स्वच्छ, निर्मल, साफ।

ਸਵਰਗ स्वर्ग् Svarg [3] पुं०
स्वर्ग (पुं०) स्वर्ग, देवलोक।

ਸਵਰਣ सवरण् Savaraṇ [3] वि०
सवर्ण (वि०) समान वर्ण का; उसी जाति का; समान स्थानिक अक्षर।

ਸਵਰਾਜ सव्राज् Savraj [3] पुं०
स्वराज्य (नपुं०) अपना राज्य, स्वतन्त्र राज्य।

ਸਵਾ सवा Sava [3] वि०
सपाद (वि०) सवा, एक और चौथाई।

ਸਵਾਉਣਾ सवाउणा Savauṇa [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, सोने की प्रेरणा देना।

ਸਵਾਇਆ सवाइआ Savaia [3] वि०
सपाद (वि०) सवा, एक और चौथाई।

ਸਵਾਸ सवास् Savas [3] पुं०
श्वास (पुं०) श्वास, साँस।

ਸਵਾਸਣ सवासण् Savasan [3] स्त्री०
स्ववासिनी (स्त्री०) सुहागिन स्त्री, सधवा, जिसका पति जीवित हो।

ਸਵਾਸਥ सवास्थ् Savasth [3] पुं०
स्वास्थ्य (नपुं०) उत्तम शारीरिक स्थिति, नीरोगता।

ਸਵਾਂਗ सवाँग् Savãg [3] पुं०
समाङ्ग (पुं०) स्वाँग, नाटकीय रूप, अपनाया हुआ परकीय रूप।

ਸਵਾਂਗੀ सवाँगी Savãgi [3] वि०
समाङ्गिक (वि०) स्वाँग करने वाला, दूसरे का रूप धारण करने वाला।

ਸਵਾਦ सवाद् Savad [3] पुं०
स्वाद (पुं०) स्वाद, जायका, रुचि।

ਸਵਾਦੀ सवादी Savadi [3] वि०
स्वादु (वि०) स्वादु, स्वादिष्ट, रुचिकर।

ਸਵਾਧੀਨ सवाधीन् Savadhin [3] वि०
स्वाधीन (वि०) स्वाधीन, स्वतन्त्र, आजाद।

ਸਵਾਰਣਾ सवार्णा Savarna [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना।

ਸਵੇਰ सवेर् Saver [3] स्त्री०
सुवेला (स्त्री०) सुन्दर समय; सबेरा प्रातः काल।

ਸਵੰਤੀ सवन्ती Savanti [2] अक० क्रि०
स्वपन्ति (अदादि अक० लट् प्र० पु० बहुवचन) सोते हैं।

ਸਵੰਬਰ सवम्बर् Savambar [3] पुं०
स्वयंवर (पुं०) स्वयम्बर, स्वयं पति के वरण की क्रिया।

ਸੜਕੜਾ सड़्कड़ा Saṛkaṛa [2] पुं०
शरकाण्ड (पुं० / नपुं०) पुं०—सरकण्डा। नपुं०—सरपत।

ਸੜਨਾ सड़्ना Saṛna [3] अक० क्रि०
शटति (भ्वादि अक०) सड़ना, विकृत होना।

ਸਾ सा Sa [1] सर्व०
सा (सर्व० प्रथमान्त) वह स्त्री।

ਸਾਉਣ साउण् Saun [3] पुं०
श्रावण (पुं०) सावन, श्रावण मास।

ਸਾਉਣੀ साउणी Sauni [3] वि०
श्रावणिक (वि०) सावन से सम्बन्धित, श्रावण में बोयी गयी फसल।

ਸਾਉਲਾ साउला Saula [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्यामवर्ण वाला।

ਸਾਉਂਲਾ साउँला Saũla [2] वि०
द्र०—ਸਾਉਲਾ।

ਸਾਉ साऊ Sau [3] वि०
साधु (वि०) सभ्य, सुशील, सज्जन।

ਸਾਇਣ साइण् Saiṇ [3] स्त्री०
स्वामिनी (स्त्री०) स्वामिनी, मालकिन।

ਸਾਇਣੀ साइणी Saiṇī [3] स्त्री०
स्वामिनी (स्त्री०) स्वामिनी, मालकिन।

ਸਾਈ[1] साई Saī [3] अ०
सैव (सर्व०, अ०) वही।

ਸਾਈ[2] साई Saī [3] पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, मालिक; पति।

ਸਾਈਂ साईं Saī̃ [3] पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी; पति, मालिक।

ਸਾਈਆਂ साईआँ Saiā̃ [3] पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, मालिक; पति।

ਸਾਸ सास् Sās [3] स्त्री०
द्र०—ਸਵਾਸ।

ਸਾਂਸ साँस् Sā̃s [3] स्त्री०
श्वास (पुं०) श्वास, साँस।

ਸਾਸਤ सासत् Sāsat [2] पुं०
शास्त्र (नपुं०) वह पुस्तक जिसमें तत्त्व-चिन्तन हो, शास्त्र।

ਸਾਸਤਰ सास्तर् Sāstar [3] पुं०
शास्त्र (नपुं०) वह पुस्तक जो तत्त्व-परक हो, शास्त्र।

ਸਾਸਤ੍ਰਗੀ सास्त्रगी Sāstragī [3] वि०
शास्त्रज्ञ (वि०) शास्त्रज्ञ, शास्त्र को जानने वाला।

ਸਾਸਤ੍ਰੀ सास्त्री Sāstrī [3] पुं०
शास्त्रिन् (वि०) शास्त्र का ज्ञाता, श[illegible] का पण्डित; संस्कृत की एक परीक्ष[illegible]

ਸਾਸਨ सासन् Sāsan [1] पुं०
शासन (नपुं०) आदेश देने का [illegible] दण्ड देने का भाव; पीटने का भाव

ਸਾਹ साह् Sāh [3] पुं०
श्वास (पुं०) साँस, श्वास।

ਸਾਹਸਤ साह्सत् Sāhsat [3] पुं०
साहसशक्ति (स्त्री०) साहस की श[illegible] साहस-बल।

ਸਾਹਮਣਾ साह्मणा Sāhmaṇā [3] पुं०
संमनस् (पुं०) समकक्ष, बराबर का।

ਸਾਹਵੇਂ साह्वें Sāhvẽ [3] क्रि० वि०
समक्षम् (क्रि० वि०) सामने, समक्ष।

ਸਾਹੀ साही Sāhī [3] पुं०
साहाय्य (नपुं०) सहायता, सहारा।

ਸਾਹੂ साहु Sāhu [1] पुं०
साधु (पुं०) व्यापारी, बनिया, साहू।

ਸਾਹੂਕਾਰ साहूकार् Sāhūkār [3] पुं०
साधुकार (पुं०) धनवान्; व्यापारी।

ਸਾਕ[1] साक् Sāk [3] वि०
स्वक (वि०) स्वकीय, स्वसंबंधी।

ਸਾਕ[2] साक् Sāk [3] पुं०
शाक (पुं०) बल, शक्ति; सहायता; मि[illegible] साग-सब्जी; शाकद्वीप।

ਸਾਕਤ साकत् Sākat [3] वि०
शाक्त (वि०) शक्ति देवी के उपासक।

ਸਾਂਕਰੀ साँकरी Sākarī [1] पुं०
शाङ्करि (पुं०) शङ्कर का पुत्र गणेश; अग्नि, आग।

ਸਾਂਕਲ साँकल् Sãkal [2] स्त्री०
शृङ्खल (पुं०) साँकल, लोहे की जंजीर।

ਸਾਕਾ साका Sākā [3] पुं०
शक (पुं०) शक संवत् जिसे राजा शालिवाहन ने चलाया था।

ਸਾਕਿਛੁ साकिछु Sākichu [3] पुं०
शकृत् (नपुं०) विष्ठा; गन्दगी।

ਸਾਕਿਨੀ साकिनी Sākinī [3] स्त्री०
शाकिनी (स्त्री०) शाक वाली भूमि अर्थात् जिसमें शाग-सब्जी उत्पन्न होती है; शाकिनी एक योगिनी।

ਸਾਖ साख् Sākh [3] पुं०
साक्ष्य (नपुं०) साक्ष्य, गवाही।

ਸਾਂਖ सांख् Sāṅkh [2] पुं०
साङ्ख्य (नपुं०) सांख्य शास्त्र, सांख्य दर्शन।

ਸਾਖਸਾਤ साख्सात् Sākhsāt [1] अ०
साक्षात् (अ०) साक्षात्, प्रत्यक्ष।

ਸਾਖਾ साखा Sākhā [3] स्त्री०
शाखा (स्त्री०) वृक्ष की डाली, टहनी; भुजा; गोत्र, वंश; सम्प्रदाय; वेद के भाग।

ਸਾਖਿਆਤ साख्यात् Sākhyāt [3] वि०
द्र०—ਸਾਖਸਾਤ।

ਸਾਖੀ[1] साखी Sākhī [3] स्त्री०
साक्ष्य (नपुं०) साक्ष्य, गवाही।

ਸਾਖੀ[2] साखी Sākhī [3] पुं०
साक्षिन् (पुं०) साक्षी, गवाह।

ਸਾਖੋਚਾਰ साखोचार् Sākhocār [3] पुं०
शाखोच्चार (पुं०) गोत्रोच्चार, वंश अनुकथन।

ਸਾਗ साग् Sāg [3] पुं०
शाक (नपुं०) सब्जी, भाजी।

ਸਾਂਗ[1] साँग् Sãg [1] स्त्री०
शङ्कु (पुं०) कील (लोहे इत्यादि की)।

ਸਾਂਗ[2] सांग् Sãg [3] पुं०
समाङ्ग (पुं०) स्वाँग, नकल, अभिनय।

ਸਾਂਗ[3] साँग् Sãg [3] पुं०
स्वाङ्ग (नपुं०) स्वाँग, नकल, अभिनय।

ਸਾਗਰ सागर् Sāgar [3] पुं०
सागर (पुं०) सागर, समुद्र।

ਸਾਂਗੀ सांगी Sāṅgī [1] स्त्री०
शङ्कु (पुं०) कील, (लोहे आदि की) खूँटी।

ਸਾਂਗੇ साँगे Sãge [1] अ०
सङ्गे (क्रि० वि०) साथ में।

ਸਾਚ साच् Sāc [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सत्य, यथार्थ।

ਸਾਚਤ साचत् Sācat [1] **वि०**
संचित (वि०) इकट्ठा किया हुआ।

ਸਾਂਚਾ[1] साँचा Sā̃ca [3] **वि०**
द्र०—ਸੱਚਾ।

ਸਾਂਚਾ[2] साँचा Sā̃ca [3] **पुं०**
सञ्चक (नपुं०) साँचा जिससे ईंट इत्यादि गढ़ी जाती है।

ਸਾਜਣਾ साजणा Sajṇa [3] **सक० क्रि०**
सृजति (तुदादि सक०) सृजन करना, निर्माण करना।

ਸਾਂਝ सांझ् Sā̃jh [2] **स्त्री०**
सन्ध्या (स्त्री०) साँझ, शाम।

ਸਾਟਕ साटक् Saṭak [1] **पुं०**
साटक (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा; एक छन्द।

ਸਾਟੀ साटी Saṭī [1] **स्त्री०**
शाटी (स्त्री०) साड़ी; ओढ़नी।

ਸਾਠ साठ् Saṭh [3] **वि०**
षष्टि (स्त्री०) साठ; 60।

ਸਾਂਡ सांड् Sā̃ḍ [1] **पुं०**
साण्ड (पुं०) अण्ड सहित, जिसका अण्ड हो, साँढ़ आदि प्राणी।

ਸਾਂਡੀ[1] साण्डी Sanḍī [1] **पुं०**
शौण्डिन् (वि०) शुण्ड वाला, हाथी।

ਸਾਂਡੀ[2] साण्डी Sanḍī [1] **स्त्री०**
सण्डिका (स्त्री०) साँढनी; गाली विशेष।

ਸਾਢ साढ् Saḍh [3] **वि०**
सार्द्ध (वि०) सार्ध, आधे से युक्त।

ਸਾਂਢਾ साँढा Sā̃ḍha [3] **पुं०**
षण्ड (पुं०) सांड, अण्डकोश युक्त बैल।

ਸਾਢੂ साढू Saḍhū [3] **पुं०**
द्र०—ਸਾਂਢੂ।

ਸਾਂਢੂ साँढू Sā̃ḍhū [3] **पुं०**
स्यालीवोढ़ृ (पुं०) साढ़ू, पत्नी की बहिन का पति।

ਸਾਢੇ साढे Saḍhe [3] **वि०**
सार्द्ध (वि०) आधे के साथ, अर्द्ध-युक्त।

ਸਾਣ साण् Saṇ [3] **स्त्री०**
शान (पुं०) कसौटी, शान रखने का पत्थर, तीखा करने का पत्थर।

ਸਾਣਥ साणथ् Saṇath [3] **पुं०**
सान्निध्य (नपुं०) समीपता, नजदीकी।

ਸਾਤ सात् Sat [3] **वि०**
सप्तन् (वि०) सात; 7।

ਸਾਂਤ सान्त् Sant [3] **वि०**
शान्त (वि०) शान्ति वाला; क्रोध रहित; ठण्डा; मुर्दा।

ਸਾਤਕ सातक् Satak [1] **वि०**
सात्त्विक (वि०) सत्त्वगुण वाला, सतोगुणी।

ਸਾਤਕਿ सातकि Sataki [1] **पुं०**
सात्यकि (पुं०) यादव सत्य का पुत्र जिसका दूसरा नाम युयुधान है।

ਸਾਤਾ[1] साता Sata [3] **वि०**
सप्तन् (वि०) सात की संख्या से युक्त; 7।

ਸਾਤਾ[2] साता Sata [1] **पुं०**
साप्त (वि०) सात का समूह, सात संख्या वाला।

ਸਾਤਿ[1] साति Sati [1] **स्त्री०**
शान्ति/सात (स्त्री०/नपुं०) शान्ति, अमन-चैन, निश्चिन्तता।

ਸਾਤਿ[2] साति Sati [1] **स्त्री०**
साति (स्त्री०) धन-विभूति; सुख; दान।

ਸ਼ਾਂਤੀ शान्ती Śāntī [3] **स्त्री०**
शान्ति (स्त्री०) शान्ति, अमन-चैन; उपद्रव राहित्य।

ਸਾਤੈ सातै Satai [1] **स्त्री०**
सप्तमी (स्त्री०/वि०) स्त्री०—चन्द्रमा की सप्तमी तिथि। वि०—सातवी।

ਸਾਥ साथ् Sath [2] **अ०**
सार्थम् (अ०) साथ, सहभाव।

ਸਾਥਣ साथण् Sathaṇ [3] **स्त्री०**
सार्थिनी (स्त्री०) सहेली, साथ देने वाली स्त्री, सखी।

ਸਾਥੀ साथी Sāthī [3] **पुं०**
सार्थिक (वि०) साथी, साथ देने वाला, सहयोगी, मित्र।

ਸਾਦੂ सादु Sādu [1] **पुं०**
द्र०—ਸਵਾਦ।

ਸਾਦ੍ਰਿਸ਼ साद्रिश् Sādriś [3] **पुं०**
सादृश्य (नपुं०) समानता, बराबरी, सदृश होने का भाव।

ਸਾਧ साध् Sadh [3] **पुं०**
साधु (वि० / पुं०) वि०—उत्तम, श्रेष्ठ। पुं०—सन्त, सज्जन, महात्मा।

ਸਾਧਸੰਗਤ साध्संगत् Sādhsaṅgat [3] **स्त्री०**
साधुसंगति (स्त्री०) सज्जनों की संगति।

ਸਾਧਣਾ साध्णा Sādhṇā [3] **सक० क्रि०**
साध्नोति (स्वादि सक०) साधना, पूरा करना, सिद्ध करना।

ਸਾਂਧਨ साँधन् Sãdhan [3] **पुं०**
सन्धान (नपुं०) अच्छी तरह रखने का भाव; निशाना लगाने का भाव।

ਸਾਧਾਰਨ साधारन् Sādhāran [3] **वि०**
साधारण (वि०) सामान्य, मामूली।

ਸਾਧਿਕ साधिक् Sādhik [3] **वि०**
साधक (वि०) साधना करने वाला।

ਸਾਧੀ साधी Sādhī [3] **वि०**
साधित (वि०) सिद्ध किया हुआ, सिद्ध।

ਸਾਧੀਏ साधीए Sādhīe [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸਾਧਣਾ।

ਸਾਧੁਨੀ साधुनी Sādhunī [3] **स्त्री०**
साध्वी (स्त्री०) साहू की स्त्री; संन्यासिनी, वैरागन।

ਸਾਧੁਰੜਾ साधुरड़ा Sādhurṛā [1] **पुं०**

श्वसुरालय (पु०) ससुराल ससुर का घर।

ਸਾਧੂ साधू Sādhū [3] पुं०
साधु (पुं०) साधु, सन्त, महात्मा।

ਸਾਨ੍ਹ सान्ह् Sānh [3] पुं०
षण्ड (पुं०) साँढ़, साँड़।

ਸਾਨ੍ਹਾ सान्हा Sānha [1] पुं०
द्र०—ਸਾਨ੍ਹ।

ਸਾਪ साप् Sāp [3] पुं०
द्र०—ਸੱਪ।

ਸਾਂਪਹੇਰਾ साँप्हेरा Sāphera [3] पुं०
सर्पहारक (वि०) सपेरा, सर्प ले जाने वाला, सर्प रखने वाला, साँप से जोविका चलाने वाला।

ਸਾਪਣੀ साप्नी Sāpnī [2] स्त्री०
सर्पिणी (स्त्री०) साँपिनी, मादा साँप।

ਸਾਪੁਰਸ सापुरस् Sāpuras [1] पुं०
सत्पुरुष (पुं०) उत्तम जन, सज्जन।

ਸਾਂਪ੍ਰਦਾਈ सांप्रदाई Sāmpradāī [3] वि०
साम्प्रदायिक (वि०) सम्प्रदाय से सम्बन्धित; परम्परा से उपदेशादि देने वाला।

ਸ਼ਾਬਦ शाब्द् Śābad [1] वि०
शाब्द (वि०) शब्द सम्बन्धी; शब्द जन्य ज्ञान आदि।

ਸ਼ਾਬਦਿਕ शाब्दिक् Sābdik [3] वि०
शाब्दिक (वि०) शब्दशास्त्र का अध्येता अथवा ज्ञाता।

ਸਾਬਰ साबर् Sābar [2] पुं०
शम्बर (पुं०) पशुविशेष (साबर), साबर चमड़ा।

ਸਾਂਭ साँभ् Sābh [3] स्त्री०
सम्भालन (नपुं०) सम्हाल, सम्भालने का भाव, सुरक्षा।

ਸਾਂਭਣਾ साँभ्णा Sābhṇā [3] सक० क्रि०
सम्भालयति (चुरादि सक०) सम्हालना देख-भाल करना, रख-रखाव करना।

ਸਾਮ साम् Sām [3] पुं०
सामन् (नपुं०) सामवेद।

ਸ਼ਾਮ शाम् Śām [3] स्त्री०
सायम् (अ०) सायम्, शाम।

ਸਾਮਗ੍ਰੀ सामग्री Sāmagrī [3] स्त्री०
सामग्री (स्त्री०) वस्तु, सामान; कार्य सिद्ध करने का कारण।

ਸਾਮਰ सामर् Sāmar [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्याम वर्ण वाला, श्यामल।

ਸਾਮਰਤੱਖ सामर्तक्ख् Sāmartakkh [3] क्रि० वि०
सम्प्रत्यक्षम् (क्रि० वि०) आँखों के सामने।

ਸਾਮਰਥ सामर्थ् Sāmrath [3] स्त्री०
सामर्थ्य (नपुं०) शक्ति, बल, योग्यता।

ਸਾਮਰਾਜ सामराज् Sāmraj [3] पुं०
साम्राज्य (नपुं०) महाराजों की पदवी; सम्राट्पन, सारी पृथ्वी की हुकूमत ।

ਸਾਮੁਦ੍ਰਕ सामुद्रक् Sāmudrk [3] पुं०
सामुद्रिक (नपुं०) सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान ।

ਸਾਮ੍ਹਣੇ साम्हणे Sāmhaṇe [3] क्रि० वि०
समक्षम् (क्रि० वि०) सामने, सम्मुख ।

ਸਾਯਰ सायर् Sāyar [1] पुं०
सागर (पुं०) सागर, समुद्र ।

ਸਾਯੰਕਾਲ सायंकाल् Sāyankāl [3] पुं०
सायंकाल (पुं०) सन्ध्या का समय, शाम ।

ਸਾਰ सार् Sār [3] पुं०
सार (पुं०) सार, निष्कर्ष, निचोड़; शक्ति ।

ਸਾਰਸ सारस् Sāras [3] पुं०
सारस (पुं० / वि०) पुं०—सारस पक्षी । वि०—सरोवर संबन्धी ।

ਸਾਰਸਤ सार्सत् Sārsat [3] पुं०/वि०
सारस्वत (पुं० / वि०) पुं०—सारस्वत ब्राह्मण । वि०—सरस्वती से संबंधित ।

ਸਾਰਸੁਤ सार्सुत् Sārsut [3] वि०/पुं०
सारस्वत (वि०/पुं०) वि०—सरस्वती से सम्बन्ध रखने वाला । पुं०—ब्राह्मणों का भेद ।

ਸਾਰਸੁਤੀ सार्सुती Sārsutī [3] स्त्री०
सरस्वती (स्त्री०) विद्या की अधिष्ठात्री देवी, शारदा ।

ਸਾਰਕ सारक् Sārak [3] स्त्री०
सारिका (स्त्री०) मैना पक्षी ।

ਸਾਰਖਾ सार्खा Sārkhā [3] वि०
सदृक्ष (वि०) समान, सरीखा ।

ਸਾਰਣ सारण् Sāraṇ [3] पुं०
सारण (नपुं०/पुं०) नपुं० —फैलाने का भाव पसारना । पुं०—रावण का एक मन्त्री

ਸਾਰਥ सारथ् Sārath [3] वि०
सार्थ (वि०) अर्थ सहित, धनी ।

ਸਾਰਥਕ सार्थक् Sārthak [3] वि०
सार्थक (वि०) सफल, लाभदायक ।

ਸਾਰਦੂਲ सार्दूल् Sārdūl [3] पुं०
शार्दूल (पुं०) सिंह, केशरी ।

ਸਾਰਬਭੂਮ सारब्भूम् Sārbbhūm [3] पुं०
सार्वभौम (वि०) समग्र भूमि का स्वामी

ਸਾਰਵ सारव् Sārav [3] वि०
सार्व (वि०) सब से सम्बद्ध ।

ਸਾਰਵਭੌਮ सारव्भौम् Sāravbhaum [3] पुं०
द्र०—ਸਾਰਬਭੂਮ ।

ਸਾਰਾ सारा Sārā [3] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, सारा, तमाम ।

ਸਾਰਾਨ सारान् Sārān [3] वि०
शरण्य (वि०) शरणागत की रक्षा करने वाला, शरण में आये हुये का पालन करने वाला ।

ਸਾਰਿ सारि Sari [3] स्त्री०
शारि (पुं०) चौपड़ और शतरंज का वस्त्र जिस पर मुहरें रखकर खेला जाता है; गोटी अथवा मुहरा।

ਸਾਰੰਗਾ सारङ्गा Saranga [2] पुं०
सारङ्गी (स्त्री०) सारंगी वाद्य, विशेष।

ਸਾਰੰਗੀਆ सारंगीआ Sarangia [3] वि०
सारङ्गिक (वि०) सारंगी-वादक; सारंगी सम्बन्धी।

ਸਾਲ[1] साल् Sal [3] पुं०
शाल (पुं०) साल वृक्ष।

ਸਾਲ[2] साल् Sal [3] वि०
सार (वि०) श्रेष्ठ, उत्तम; निष्कर्ष।

ਸ਼ਾਲ शाल् Śal [3] पुं०
शाल (पुं०) शाल वृक्ष, सेमर का पेड़।

ਸਾਲਸ सालस् Salas [3] पुं०
सालस (वि०) आलस्य-युक्त, कमजोर, सुस्त, आलसी।

ਸਾਲਗਰਾਮ सालग्रामु Salagram [3] पुं०
शालिग्राम (पुं०) भगवान् शालिग्राम की काली व छोटी पत्थर मूर्ति।

ਸਾਲੱਤਾ सालत्ता Salatta [1] पुं०
श्यालपुत्र (पुं०) सरपुत, साले का बेटा; साले की सन्तान।

ਸਾਲਮਲੀ साल्मली Salmali [3] स्त्री०
शाल्मली (स्त्री०) सेमर वृक्ष; एक द्वीप जिसमें सेमर के बहुत वृक्ष हैं।

ਸਾਲਾ साला Sala [3] पुं०
श्यालक/स्याल (पुं०) साला, पत्नी का भा

ਸਾਲਾਹ सालाह् Salah [1] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई

ਸਾਲਾਹੀ सालाही Salahi [1] वि०
श्लाघनीय (वि०) प्रशंसनीय, स्तुति योग्य, बड़ाई के योग्य।

ਸਾਲਾਹੁਣਾ सालाहुणा Salahuna [3] सक० क्रि०

द्र० : ਸਲਾਹੁਣਾ।

ਸਾਲਿ सालि Sali [1] स्त्री०
शालि (पुं०) धान, चावल।

ਸਾਲੀ साली Sali [3] स्त्री०
श्याली (स्त्री०) साली, पत्नी की बहिन

ਸਾਲੂ सालू Salū [3] पुं०
शालु (नपुं०) लाल रंग का वस्त्र, जनानी धोती; शाल।

ਸਾਵ साव् Sav [3] पुं०
शाव (पुं०) शिशु, बच्चा।

ਸਾਂਵਕ सांवक Sāvak [1] पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ (धान्य-विशेष), वर्षा-ऋतु में दो मास में पकने वाली फसल।

ਸਾਵਜ सावज् Savaj [1] पुं०
सामज (पुं०) जंगली हाथी।

ਸਾਵਣ सावण् Savan [3] पुं०
श्रावण (पुं०) श्रावण, सावन मास।

ਸਾਵਤ सावँत् Sāvat [1] पुं०
सामन्त (पुं०) मण्डल का स्वामी, छोटे-छोटे राज्यों का स्वामी।

ਸਾਂਵਰਤ साँवरत् Sāvarat [1] पुं०
सांवर्त (पुं०) मेघों का राजा, वह देवता जिसके अधीन मेघमाला रहती है।

ਸਾਵਰਾ साव्रा Savrā [1] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्याम वर्ण वाला।

ਸਾਵਲਾ साव्ला Savla [3] पुं०
द्र०—ਸਾਵਰਾ।

ਸਾਂਵਲਾ साँव्ला Sāvla [3] पुं०
द्र०—ਸਾਵਰਾ।

ਸਾਵਾ सावा Sava [3] पुं०
श्याव (वि०) गहरा हरा, अधिक हरित वर्ण का।

ਸਾਵਾਂ सावाँ Savā [3] वि०
समाङ्क (वि०) बराबर; सन्तुलित।

ਸਾਂਵਾ साँवा Sāva [1] पुं०
श्याम (वि०) गाढ़ा नीला; गाढ़ा हरा।

ਸਾਵਿਤ੍ਰ सावित्र् Savitr [3] पुं०
सवितृ (पुं०) सूर्य; शिव।

ਸਾੜਨਾ साड़्ना Sāṛnā [3] सक० क्रि०
शालते/सादयति (भ्वादि/चुरादि सक०) सताना, कष्ट पहुँचाना।

ਸਾੜੂ साड़ू Saṛū [3] पुं०
सादक (वि०) सताने वाला, संताप देने वाला, दुःखदायी।

ਸਾੜ੍ਹਸਤੀ साढ़्सती Saṛhsati [3] स्त्री०
सार्धसाप्तिक (वि०) शनि ग्रह की साढ़े साती की दशा।

ਸਾੜ੍ਹੀ साढ़ी Saṛhī [3] स्त्री०
शाटी (स्त्री०) साड़ी, कीमती जनाना धोती।

ਸਿਉਂਕ सिउँक् Siūk [3] पुं०
सीमिक (पुं०) दीमक, लाल चींटी।

ਸਿਉਣਾ सिउणा Siuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸੀਣਾ।

ਸਿਉਤਾ सिउता Siutā [3] वि०
स्यूत (वि०) सिला हुआ; गूँथा हुआ, पिरोया हुआ; अनुस्यूत, ओत-प्रोत।

ਸਿਉਨਾ सिउना Siunā [3] पुं०/वि०
सुवर्ण (पुं० / वि०) पुं०—सोना, सुवर्ण। वि० चमकीला, सुनहला।

ਸਿਆਉ स्याउ Syau [1] वि०
श्याम (वि०) साँवला; काला।

ਸਿਆਤਾ स्याता Syata [3] वि०
सुज्ञात (वि०) सम्यक् रूप से ज्ञात, जाना हुआ, पहचाना हुआ।

ਸਿਆਨ स्यान् Syan [1] पुं०
सुज्ञान (नपुं०) सम्यक् ज्ञान, बोध, पहचानने का भाव।

ਸਿਆਪਾ सयापा Syapa [3] पुं०
शवप्रलाप (पुं०) मृत्यु के समय का रोदन, स्यापा ।

ਸਿਆਮ स्याम् Syam [3] पुं०
श्याम (वि०/पुं०) वि०—साँवला; काला । पुं०—भगवान् श्रीकृष्ण ।

ਸਿਆਮਲ स्यामल् Syamal [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला; सुन्दर ।

ਸਿਆਮਾ स्यामा Syama [3] स्त्री०
श्यामा (स्त्री०) जवान स्त्री; काली दुर्गा; काले रंग की गौ; गुग्गुल ।

ਸਿਆਰ स्यार् Syar [3] पुं०
शृगाल (पुं०) सियार, गीदड़ ।

ਸਿਆਰੀ स्यारी Syari [2] स्त्री०
शृगाली (स्त्री०) सियारिन, मादा शृगाल।

ਸਿਆਲ[1] स्याल् Syal [3] पुं०
शीतकाल (पुं०) शीतकाल, सर्दी का मौसम ।

ਸਿਆਲ[2] स्याल् Syal [1] पुं०
द्र०—ਸਿਆਰ ।

ਸਿਆਲਾ स्याला Syala [2] पुं०
द्र०—ਸਿਆਲ[1] ।

ਸਿਆਲੀ स्याली Syali [1] स्त्री०
द्र०—ਸਿਆਰੀ ।

ਸਿਆਲੂ स्यालू Syalū [1] पुं०
द्र०—ਸਿਆਲ[1] ।

ਸਿਆੜ सयाड़ Syaṛ [3] स्त्री०
सीता (स्त्री०) जोते गये खेत में हल रेखा; जोती हुई जमीन; किसा[illegible] खेती; जनक की पुत्री और श्रीरामच[illegible] की भार्या,जानकी ।

ਸਿਆੜਨਾ स्याड़्ना Syaṛna [3] अक० क्रि
सीतायते (नामधातु अक०) हल जोतन खेत जोतना ।

ਸਿਸ सिस् Sis [1] पुं०
शिशु (पुं०) शिशु, बच्चा, बालक ।

ਸਿਸਟ सिस्ट् Sisṭ [1] वि०
सृष्ट (वि०) रचित, बनाया हुआ ।

ਸਿਸਟਿ सिस्टि Sisṭi [2] स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) रचना; जगत्, संसार ।

ਸਿਸਨ सिसन् Sisan [2] पुं०
शिश्न (नपुं०) लिङ्ग, जननेन्द्रिय ।

ਸਿਸਰ सिसर् Sisar [2] स्त्री०
शिशिर (पुं० / नपुं०) शिशिर ऋतु, माघ-फाल्गुन की ऋतु ।

ਸਿਸੀਅਰ सिसीअर् Sisiar [2] स्त्री०
द्र०—ਸਿਸਰ ।

ਸਿਸੁਪਾਲ सिसुपाल् Sisupal [3] पुं०
शिशुपाल (पुं०) चेदि देश का द्वापर युगीन एक राजा, जिसका वध भगवान् श्रीकृष्ण ने किया था ।

ਸਿਹ सेह् Seh [3] स्त्री०

श्वाविध्/सेधा (पुं०/स्त्री०) साही, एक जंगली जन्तु, जिसके शरीर पर लम्बे लम्बे काँटे होते हैं।

ਸਿਹਜ ਸਿह्ज् Sihj [1] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, पलंग, खाट।

ਸਿਹਜਾ सिह्जा Sihja [1] स्त्री०
द्र०—ਸਿਹਜ।

ਸਿਹਰਾ सेह्रा Sehra [3] पुं०
शेखर (पुं०) शिरोमाल्य, सेहरा; मुकुट।

ਸਿਹਾ सिहा Siha [3] पुं०
शशक (पुं०) खरगोश, खरहा।

ਸਿਕੋਰਨ सिकोरन् Sikoran[1] पुं०
सङ्कोचन (नपुं०) सिकोड़ने का भाव, संकोच, सिमटाव।

ਸਿੱਕੜ सिक्कड़् Sikkar [1] पुं०
द्र०—ਸੱਕ।

ਸਿਖ सिख् Sikh [1] पुं०
द्र०—ਸਿੱਖ।

ਸਿਖਰ सिखर् Sikhar [3] पुं०
शिखर (नपुं०) पहाड़ की चोटी; मन्दिर का कलश, गुम्बज।

ਸਿਖਲਾਉਟ सिख्लाउट् Sikhlaut [2] स्त्री०
द्र०—ਸਿਖਲਾਈ।

ਸਿਖਲਾਈ सिख्लाई Sikhlai [3] पुं०
शिक्षण (नपुं०) शिक्षण, अध्यापन।

ਸਿਖਲਾਵਟ सिख्लावट् Sikhlavat [2] स्त्री
द्र० ਸਿਖਲਾਈ।

ਸਿਖਾ शिखा Sikha [3] स्त्री०
शिखा (स्त्री०) चोटी; टीला।

ਸਿਖਾਉਣਾ सिखाउणा Sikhauna [3] सक० क्रि०
शिक्षयति (भ्वादि प्रेर०) सिखाना, शिक्षा देना, सीख देना।

ਸਿਖਾਲਨਾ सिखाल्ना Sikhalna[3] सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਖਾਉਣਾ।

ਸਿਖਿਆ सिख्या Sikhya [3] स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) शिक्षा, किसी विद्या को सीखने या सिखाने की क्रिया, तालीम।

ਸਿੱਖ सिक्ख् Sikkh [3] पुं०
शिष्य (पुं०) शासन योग्य; चेला; सिक्ख समुदाय या उसका सदस्य।

ਸਿੱਖਣਾ सिक्ख्णा Sikkhna [3] सक० क्रि०
शिक्षते (भ्वादि सक०) सीखना, शिक्षा लेना, पढ़ना।

ਸਿੱਖਿਅਕ सिक्ख्यक् Sikkhyak [3] पुं०
शिक्षक (पुं०) शिक्षक, अध्यापक।

ਸਿੱਖਿਆ सिक्ख्या Sikkhya [3] स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) शिक्षा, तालीम, किसी विद्या को सीखने या सिखलाने की क्रिया।

ਸਿੰਗ सिंग् Sing [3] पुं०
शृङ्ग (पुं०) सींग; पर्वत की चोटी।

ਸਿੰਗਾਰ सिङ्गार Singar [3] पुं०
शृङ्गार (पुं०) साज-सज्जा, सजावट; साहित्य में एक रस ।

ਸ਼ਿੰਗਾਰ शिङ्गार् Śingār [3] पुं०
शृङ्गार (पुं०) शृङ्गार, सजावट ।

ਸ਼ਿੰਗਾਰਨਾ शिगार्ना Śingārnā [3] सक० क्रि०
शृङ्गारयति (नामधातु सक०) शृंगार करना, भूषित करना, सजाना ।

ਸਿੰਗੀ[1] सिंगी Singī [3] वि०
शृङ्गिन् (वि०/पुं०) वि०—सींगों वाला । पुं०—भगवान् शंकर का वाहन नन्दी बैल ।

ਸਿੰਗੀ[2] सिंगी Singī [3] स्त्री०
शृङ्गी (स्त्री०) सिंगी, तुरही वाद्य, जो सींग का बना होता है ।

ਸਿੰਘ सिंघ् Singh [3] पुं०
सिंह (पुं०) सिंह, शेर ।

ਸਿੰਘਣੀ सिंघ्णी Singhṇī [3] स्त्री०
सिंही (स्त्री०) सिंघनी, शेर का मादा ।

ਸਿੰਘਤ सिंघत् Singhat [3] स्त्री०
सिंहस्थ (पुं०) सिंह राशि में स्थित गुरु का समय ।

ਸਿੰਘ-ਦੁਆਰ सिंघ्-दुआर् Singh-Duār [3] पुं०
सिंहद्वार (नपुं०) राज-भवन का प्रमुख-द्वार, प्रधान दरवाजा ।

ਸਿੰਘਾਸਣ सिंघासण् Singhāsaṇ [3] पुं०
सिंहासन (नपुं०) सिंहासन, राजा का आसन; महन्थों की गद्दी; शाही तख्त

ਸਿੰਜਣ सिंजण् Sinjaṇ [3] पुं०
सेचन (नपुं०) सींचने की क्रिया, सिंचन

ਸਿੰਜਣਾ सिञ्जणा Sinjṇā [3] सक० क्रि०
सिञ्चति (तुदादि सक०) सींचना; छींट देना; प्रोक्षण करना ।

ਸਿੰਜਾਈ सिंजाई Sinjāī [3] स्त्री०
सेचन (नपुं०) सिंचाई; छींटा देने या प्रोक्षण का भाव, सिञ्चन ।

ਸਿੱਜਣਾ[1] सिज्जणा Sijjṇā [1] अक० क्रि०
सिच्यते (तुदादि कर्मवाच्य) सिञ्चित होना, भीगना ।

ਸਿੱਜਣਾ[2] सिज्जणा Sijjṇā [2] अक० क्रि०
स्विद्यति (दिवादि अक०) पसीने आदि से नम होना; भीगना; पसीना छूटना; पसीजना; पिघलना ।

ਸਿੱਜਾ सिज्जा Sijjā [2] पुं०
स्विन्न (वि०) पसीने आदि से गीला हुआ ।

ਸਿੱਝ सिज्झ् Sijjh [3] पुं०
सिद्ध (पुं०) प्रकाशमान सूर्य ।

ਸਿੱਟਣਾ सिट्टणा Siṭṭaṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਟਣਾ ।

ਸਿਠਾਣੀ सिठाणी Siṭhāṇī [3] स्त्री०
श्रेष्ठिनी (स्त्री०) सेठानी, सेठ की स्त्री ।

ਸਿੱਠਣੀ सिट्ठणी Sitthaṇī [3] **स्त्री०**
शिष्टता (स्त्री०) विवाह आदि में दी जाने वाली उपहासात्मिका गाली।

ਸਿਥਲ सिथल् Sithal [3] **वि०**
शिथिल (वि०) शिथिल, ढीला, आलसी; निर्बल, कमजोर।

ਸਿਥਲਤਾ सिथलता Sithaltā [3] **स्त्री०**
शिथिलता (स्त्री०) शिथिलता, ढिलाई, सुस्ती; कमजोरी।

ਸਿੱਥਾ सित्था Sitthā [2] **पुं०**
सिक्थ (नपुं०) मधुमक्खी का मोम।

ਸਿੰਧ सिन्ध् Sindh [3] **पुं०**
सिन्धु (स्त्री०/पुं०) स्त्री०—सिन्धु नदी। पुं०—सिन्ध प्रदेश।

ਸਿਧਾਂਤ सिधान्त् Sidhant [3] **पुं०**
सिद्धान्त (पुं०) सिद्धान्त, सिद्ध मत, निर्णय।

ਸਿਧਾਂਤਕ सिधान्तक् Sidhāntak [3] **वि०**
सैद्धान्तिक (वि०) सैद्धान्तिक, सिद्धान्त सम्बन्धी, सिद्धान्त-सम्मत।

ਸਿਧਾਂਤੀ सिधान्ती Sidhāntī [3] **पुं०**
सिद्धान्तिन् (वि०) सिद्धान्ती, सिद्धान्त वाला, सिद्धान्तवादी।

ਸਿਧਾਰਨਾ सिधार्ना Sidharnā [3] **अक० क्रि०**
सेधति (भ्वादि सक०) सिधारना, जाना, गमन करना।

ਸਿੰਧੂਰ सिन्धूर् Sindhūr [3] **पुं०**
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर, स्त्रियों की माँग में लगाने का लाल द्रव्य।

ਸਿੱਧ सिद्ध् Siddh [3] **वि०/पुं०**
सिद्ध (वि० / पुं०) वि०—सिद्ध, सम्पन्न, परिपूर्ण; प्रमाणित। पुं०—सिद्धि-प्राप्त, महात्मा, योगी।

ਸਿੱਧ-ਗੋਸ਼ਟ सिद्ध गोषट् Siddhagoṣaṭ [3] **पुं०**
सिद्धगोष्ठी (स्त्री०) सिद्धों की गोष्ठी, महात्माओं की सभा।

ਸਿੱਧੀ सिद्धी Siddhī [3] **स्त्री०**
सिद्धि (स्त्री०) अलौकिक शक्ति; सफलता; सम्पदा, विभूति; विजय; बुद्धि।

ਸਿੰਨਾ सिन्ना Sinnā [3] **पुं०**
स्निह् (वि०) सीलन-युक्त, भीगा हुआ, नम।

ਸਿੰਨ੍ਹਣਾ सिन्न्हणा Sinnhaṇā [3] **सक० क्रि०**
सन्धत्ते (जुहोत्यादि सक०) सन्धान करना, चढ़ाना, खींचना।

ਸਿੱਪ सिप्प् Sipp [3] **स्त्री०**
शिप्रा (स्त्री०) कवच का वह भाग जो गला को ढक लेता है।

ਸਿੱਪੀ सिप्पी Sippī [3] **स्त्री०**
शुक्ति (स्त्री०) सीप, शुक्ति, जिससे बच्चों को दवाई आदि पिलाई जाती है।

ਸਿਫਤ सिफत् Siphat [3] **स्त्री०**
स्तुति (स्त्री०) स्तुति, प्रशंसा, बड़ाई।

ਸਿੰਬਲ सिम्बल् Simbal [2] पुं०
शिम्बल/शिम्बा (पुं०/स्त्री०) सेम, मटर आदि की फली, छीमी।

ਸਿੰਮਣਾ सिम्मणा Simmaṇa [3] अक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि अक०) टपकना, चूना; झरना; बहना।

ਸਿਮਰਤ सिम्रत् Simrat [3] वि०
स्मृत (वि०) स्मरण किया हुआ, चिन्तित।

ਸਿਮਰਤੀ सिम्रती Simrati [3] स्त्री०
स्मृति (स्त्री०) स्मृति, स्मरण, यादगार।

ਸਿਮਰਨ सिम्रन् Simran [3] पुं०
स्मरण (नपुं०) स्मरण, चिन्तन, याद करने का भाव।

ਸਿਮਰਨਾ सिमर्ना Simarna [3] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, याद करना।

ਸਿਰ सिर् Sir [3] पुं०
शिरस् (नपुं०) सिर, मस्तक।

ਸਿਰਹਾਣਾ सिर्हाना Sirhana [3] पुं०
शिरोधान (नपुं०) तकिया, सिरहाना।

ਸਿਰਜਣ सिर्जण् Sirjaṇ [3] पुं०
सर्जन (नपुं०) रचने का भाव, रचना।

ਸਿਰਮੌਰ सिर्मौर् Sirmaur [3] पुं०
शिरोमौलि (पुं०) सिरमोर, मुकुट।

ਸਿਰਲੇਖ सिर्लेख् Sirlekh [3] पुं०
शीर्षलेख (पुं०) शीर्षक, वह शब्द या वाक्य जो विषय का परिचय कराने के लिए किसी लेख या प्रबन्ध के ऊपर लिखा जाता है।

ਸਿਰਾਲ सिराल् Siral [1] पुं०
शिरोबाल (पुं०) सिर के बाल, मस्तक के केश।

ਸਿਰੀ सिरी Siri [3] पुं०
शिरस् (नपुं०) छोटे आकार का सिर; पशु आदि का सिर।

ਸਿਲ[1] सिल् Sil [3] स्त्री०
शिला (स्त्री०) शिला, सिल, मसाला आदि पीसने का पत्थर।

ਸਿਲ[2] सिल् Sil [3] पुं०
शिल (नपुं०/पुं०) खेत काटने के पश्चात् उसमें बिखरे हुए दाने अथवा बालियाँ।

ਸ਼ਿਲਪ शिलप् Śilap [3] पुं०
शिल्प (नपुं०) मूर्तिकला आदि चौसठ कलायें, कारीगरी।

ਸਿਲਾ सिला Sila [2] स्त्री०
शिल (पुं० / नपुं०) खेत के कट जाने के पश्चात् उसमें बिखरे दाने या अन्न की बालियाँ।

ਸ਼ਿਲਾ शिला Śila [3] स्त्री०
शिला (स्त्री०) शिला, चट्टान, प्रस्तर-खण्ड।

ਸਿਲਾਉਣਾ सिलाउणा Silauṇa [3] सक० क्रि०
सीवयति (दिवादि प्रेर०) सिलाना, सिलाई कराना।

ਸ਼ਿਲਾਜੀਤ शिलाजीत् Śilajit [3] **पुं०**
शिलाजतु (नपुं०) शिलाजीत, पत्थर की लाख, सूर्य की गर्मी से पत्थरों से चूने वाला पदार्थ विशेष।

ਸਿਲੇਹਰ सिलेहर् Silehar [2] **पुं०**
शिलाहारिन् (पुं०) शिलोञ्छ कर्म करने वाला।

ਸਿੱਲ੍ਹ सिल्ल्ह् Sillh [3] **स्त्री०**
शीतल (नपुं०) आर्द्रता, नमी।

ਸਿੱਲ੍ਹਾ सिल्ल्हा Sillha [3] **वि०**
शीतल (वि०) सीलन से युक्त, नम, ठंडा।

ਸ਼ਿਵ शिव् Śiv [3] **पुं०**
शिव (पुं०/नपुं०) पुं०—भगवान् शिव, महादेव। नपुं०—सुख, कल्याण; मुक्ति।

ਸ਼ਿਵਦੁਆਰਾ शिव्दुआरा Śivduara [3] **पुं०**
शिवद्वार (पुं०, नपुं०) शिवद्वार, शिवालय, शिव-मन्दिर।

ਸ਼ਿਵਦੁਆਲਾ शिव्दुआला Śivduala [1] **पुं०**
द्र०— ਸ਼ਿਵਦੁਆਰਾ

ਸ਼ਿਵਰਾਤ शिव्रात् Śivrat [3] **स्त्री०**
शिवरात्रि (स्त्री०) महाशिवरात्रि, फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी जिसमें शिव की पूजा एवं उपासना होती है।

ਸਿਵਾ सिवा Siva [3] **पुं०**
शवस्थान (नपुं०) शवस्थान, श्मसान।

ਸ਼ਿਵਾਲਾ शिवाला Śivala [2] **पुं०**
शिवालय (पुं०) शिवालय, शिवमन्दिर।

ਸੀ¹ सी Si [1] **भूत० क्रि०**
आसीत् (अदादि, अनद्यतन भूत प्र० पु० ए० व०) था, हुआ था।

ਸੀ² सी Si [1] **स्त्री०**
शीत (नपुं०) ठंड, आर्द्रता।

ਸੀਂ¹ सीं Sĩ [1] **स्त्री०**
द्र०—*ਸਿਆੜ*।

ਸੀਂ² सीं Sĩ [3] **स्त्री०**
सीमन् (स्त्री०) सीमा, सरहद, हद, मर्यादा; सीमा-चिह्न।

ਸੀਉਣ सीउण् Siun [3] **स्त्री०**
सीवन (नपुं०) सिलाई सीखने का भाव।

ਸੀਉਣਾ सीउणा Siuna [3] **सक० क्रि०**
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े आदि सीना, सिलाई करना।

ਸੀਊਣਾ सीऊणा Siūna [3] **सक० क्रि०**
द्र०—*ਸੀਉਣਾ*।

ਸੀਸ सीस् Sis [3] **पुं०**
शीर्ष (नपुं०) शिर, सिर।

ਸ਼ੀਸ਼ਮ शीशम् Śiśam [3] **पुं०**
शिंशपा (स्त्री०) शीशम का पेड़; अशोक वृक्ष।

ਸ਼ੀਸ਼ਾ शीशा Śiśa [3] **पुं०**
शीशक (नपुं०) शीशा, काँच।

ਸੀਂਹ शीह् Sīh [1] पुं०
द्र०—ਸਿੰਘ।

ਸ਼ੀਂਹਣੀ शींहणी Śīhaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਸਿੰਘਣੀ।

ਸੀਖ सीख् Sīkh [2] स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) सीख, उपदेश, नसीहत।

ਸ਼ੀਘਰ शीघर् Śīghar [1] अ०
शीघ्र (क्रि० वि०) शीघ्र, तत्काल, जल्दी।

ਸੀਣਾ सीणा Sīṇā [3] सक० क्रि०
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े सीना, सिलाई करना।

ਸੀਤਲ सीतल् Sītal [3] वि०
शीतल (वि०) ठंडा, सर्द।

ਸੀਤਲਤਾ सीतल्ता Sītaltā [3] स्त्री०
शीतलता (स्त्री०) शीतलता, ठंडक।

ਸੀਤਾਫਲ सीताफल् Sataphal [3] पुं०
सीताफल (नपुं०) शरीफा फल।

ਸੀਤੋਸ਼ਣ सीतोशण् Sītośaṇ [3] वि०
शीतोष्ण (वि०) शीत-उष्ण, ठंडा-गर्म।

ਸੀਧ सीध् Sīdh [3] वि०
सिद्ध (वि०) पूर्ण, सम्पन्न।

ਸੀਰ सीर् Sīr [3] पुं०
स्रव (पुं०) रिस-रिस कर निकलने वाला जल-धार।

ਸੀਰਨਾ सीर्ना Sīrnā [3] अक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि अक०) रिसना, टपकना।

ਸੀਰੀ सीरी Sīrī [1] पुं०
सीरिन् (वि०/पुं०) वि०—हल चलाने हलवाहा। पुं०—बलराम, बलदेव

ਸੀਲ सील् Sīl [3] स्त्री०
शील (नपुं०) शील, स्वभाव; नम्रत

ਸੀਵੇਂ सीवें Sīvẽ [1] क्रि० वि०
समीपे (क्रि० वि०) समीप में।

ਸੀੜ੍ਹੀ सीड़ी Sīṛī [3] स्त्री०
निःश्रेणी (स्त्री०) नसैनी, सीढ़ी।

ਸੁਅਸਤ सुवसत् Svasat [3] अ०
स्वस्ति (अ०) कुशल-मंगल व आशीर्वाद; हाँ, ठीक।

ਸੁਆਉਣਾ सुवाउणा Svāuṇā [3] पुं०
द्र०—ਸਵਾਉਣਾ।

ਸੁਆਸ सुवास् Svās [3] पुं०
श्वास (पुं०) साँस, श्वास।

ਸੁਆਹ सुवाह् Svāh [3] पुं०
स्वाहा (अ०) भस्म, राख।

ਸੁਆਹਾ सुवाहा Svāhā [3] अ०/स्त्री०
स्वाहा (अ०/स्त्री०) अ०—आहुति का शब्द। स्त्री०—अग्नि की स

ਸੁਆਂਕ सुवाँक् Svāk [1] पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ, बरसात एक फसल।

ਸੁਆਣੀ सुवाणी Svāṇī [3] स्त्री०
स्वानीता (स्त्री०) स्वकीया, पत्नी, ब्याह कर लाई गई पत्नी।

ਸੁਆਤ ਸ੍ਵਾਨ੍ਤ੍ Svant [3] स्त्री०
स्वाती (स्त्री०) स्वाती नक्षत्र ।

ਸੁਆਦ ਸ੍ਵਾਦ੍ Svad [3] पुं०
स्वाद (पुं०) रस, रुचि, जायका ।

ਸੁਆਦਲਾ ਸ੍ਵਾਦ੍ਲਾ Svadla [3] वि०
स्वादु (वि०) सुस्वादु, स्वादिष्ठ, रुचिकर ।

ਸੁਆਦੀ ਸ੍ਵਾਦੀ Svadi [3] वि०
द्र०—ਸੁਆਦਲਾ ।

ਸੁਆਦੀਕ ਸ੍ਵਾਦੀਕ੍ Svadik [1] वि०
द्र०—ਸੁਆਦਲਾ ।

ਸੁਆਨ ਸ੍ਵਾਨ੍ Svan [3] पुं०
श्वान (पुं०) कुत्ता, कुक्कुर ।

ਸੁਆਮੀ ਸ੍ਵਾਮੀ Svami [3] पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, पति, मालिक ।

ਸੁਆਮੀਤਾ ਸ੍ਵਾਮੀਤਾ Svamita [1] स्त्री०
स्वामिता (स्त्री०) स्वामित्व, अधिकार ।

ਸੁਆਰ[1] ਸ੍ਵਾਰ੍ Svar [2] पुं०
अश्वारोहिन् (पु०) अश्वारोही, घुड़सवार ।

ਸੁਆਰ[2] ਸ੍ਵਾਰ੍ Svar [1] पुं०
सोमवार (पुं०, नपुं०) सोमवार, चन्द्रवार ।

ਸੁਆਰਥ ਸ੍ਵਾਰਥ੍ Svarath [3] पुं०
स्वार्थ (पुं०) अपना प्रयोजन, अपनी गरज ।

ਸੁਆਰਥੀ ਸ੍ਵਾਰ੍ਥੀ Svarthi [3] वि०
स्वार्थिन् (वि०) स्वार्थी, मतलबी, अपना प्रयोजन सिद्ध करने वाला ।

ਸੁਆਰਨਾ ਸ੍ਵਾਰ੍ਨਾ Svarna [3] अक० क्रि०
संवरयति (चुरादि सक०) संवारना सजाना, सुसज्जित करना ।

ਸੁਆਲਣਾ ਸ੍ਵਾਲ੍ਣਾ Svalna [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना, सोने की प्रेरणा देना ।

ਸੁਸਰਾਲ ਸੁਸ੍ਰਾਲ੍ Susral [3] स्त्री०
श्वसुरालय (पुं०) ससुराल, ससुर का घर

ਸੁਸਿਖਿਅਤ ਸੁਸਿਖ੍ਯਤ੍ Susikhyat [2] वि०
सुशिक्षित (वि०) पढ़ा-लिखा, सभ्य ।

ਸੁਹਣੱਪ ਸੁਹ੍ਣੱਪ੍ Suhnapp [3] पुं०
शोभनत्व (नपुं०) सुन्दरता, खूबसूरती ।

ਸੁਹਣਾ ਸੁਹ੍ਣਾ Suhna [3] वि०
शोभन (वि०) सुहावना, सुन्दर ।

ਸੁਹਣੇਰਾ ਸੁਹ੍ਣੇਰਾ Suhnera [3] वि०
शोभनतर (वि०) अधिक सुहावन, अपेक्षा-कृत अधिक सुन्दर ।

ਸੁੰਹਦਾ ਸੁੰਹ੍ਦਾ Suhda [3] वि०
शोभन/शुभद (वि०) सुहावना, सुन्दर; सुमङ्गल; मंगलप्रद ।

ਸੁਹੱਪਣ ਸੁਹੱਪਣ੍ Suhappan [3] पुं०
शोभनत्व (नपुं०) सुहावनापन, सुन्दरता, चारुता, मनोहरता ।

ਸੁਹਾਉਣਾ ਸੁਹਾਉਣਾ Suhauna [3] अक० क्रि०
शुभायते (नामधातु अक०) सुहावना लगना, मन को भाना ।

ਸੁਹਾਗ सुहाग Suhag [3] पुं०
सौभाग्य (नपुं०) सुहाग, अहिवात, सधवापन; धन्यभाग्य।

ਸੁਹਾਗਣ सुहागण् Suhagaṇ [3] स्त्री०
सौभाग्यवती (स्त्री०) सुहागिन, सधवा।

ਸੁਹਾਗਾ सुहागा Suhaga [3] पुं०
सभागक (पुं०) हेंगा, सुहागा, जोती जमीन को बराबर करने वाला पटरा।

ਸੁਹਾਂਜਣਾ सुहाँज्णा Suhãjṇa [3] पुं०
शोभाञ्जन (नपुं०) सहजन की फली, मुनगा।

ਸੁਹਾਣਾ सुहाणा Suhaṇa [3] वि०
शोभन (वि०) शोभन, सुन्दर, सुहावना।

ਸੁਹਾਵਣਾ सुहाव्णा Suhavṇa[3] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁਹਾਉਣਾ।

ਸੁਹਾਵਾ सुहावा Suhava [3] पुं०
सुभग / सुभाग्य (वि०) सुभग, सुन्दर, बड़भागी, सुन्दर भाग्यवाला।

ਸੁਹਿਰਦ सुहिरद् Suhirad [3] पुं०
सुहृद् (पुं०) मित्र, दोस्त।

ਸੁਹੇਲਾ सुहेला Suhela [3] वि०
सुलभ (वि०) सुगम, सरलता से प्राप्य।

ਸੁਹੰਜਣਾ सुहंज्णा Suhañjṇa [3] स्त्री०
शोभाञ्जन (पुं०/नपुं०) पुं०—सहिजन वृक्ष। नपुं०—उसका फल।

ਸੁਕਚਣਾ सुकचणा Sukacna [1] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਕਚਣਾ।

ਸੁਕਲ शुकल् Śukal [3] वि०/पुं०
शुक्ल (वि० / नपुं० / पुं०) वि०—सफेद, श्वेत। नपुं०—चाँदी, मक्खन। पुं०—शिव, श्वेत वर्ण।

ਸੁਕੜਨਾ सुकड़्ना Sukaṛna [3] अक० क्रि०
संकुटति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना, संकुचित होना, सिमटना।

ਸੁਕੜੂ सुकड़ू Sukṛū [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਕੜ।

ਸੁਕਾਉਣਾ सुकाउणा Sukauṇa [3] सक० क्रि०
शोषयति (दिवादि प्रेर०) सुखाना, शुष्क करना; शोषण करना।

ਸੁਕਾਈ सुकाई Sukaī [3] स्त्री०
शोष (पुं०) सुखाई, सूखा करने का भाव।

ਸੁਕੁਤਰ सुकुतर् Sukutar [2] पुं०
सपत्नीपुत्र (पुं०) सौत का पुत्र, सौतेला पुत्र।

ਸੁਕੇੜਨਾ सुकेड़्ना Sukeṛna [3] सक० क्रि०
संकोचयति (तुदादि प्रेर०) सिकोड़ना, संकुचित करना, समेटना।

ਸੁੱਕੜਾ सुक्कड़ा Sukkṛa [3] अक० क्रि०
शुष्यति (दिवादि अक०) सूखना, शुष्क होना; कृश होना।

ਸ਼ੁੱਕਰ शुक्कर् Śukkar [3] पुं०
शुक्र (पुं०) शुक्र ग्रह; शुक्राचार्य, दैत्यों के गुरु; शुक्रवार ।

ਸੁੱਕੜ सुक्कड़् Sukkaṛ [3] वि०
शुष्क (वि०) सूखा हुआ; दुबला-पतला ।

ਸੁੱਕਾ सुक्का Sukkā [3] पुं०
शुष्क (वि०) शुष्क, सूखा ।

ਸੁੱਕੇਅੰਬਰ सुक्केअंबर् Sukkeambar [3] क्रि० वि०
शुष्काम्बरे (क्रि० वि०) निर्मल आकाश में ।

ਸੁਖ सुख् Sukh [3] पुं०
सुख (नपुं०) सुख, आनन्द; अनुकूलता ।

ਸੁਖਜੀਊੜਾ सुख्जीऊड़ा Sukhjīūṛā [3] पुं०
सुखजीवन (वि०) सुखजीवी, आराम-तलब ।

ਸੁਖਦਾਈ सुख्दाई Sukhdāī [3] वि०
सुखदायिन् (वि०) सुख देने वाला, सुखदायक, सुख-प्रद ।

ਸੁਖਦੇਈ सुख्देई Sukhdeī [2] स्त्री०
सुखदेवी (स्त्री०) सुख की देवी; रजाई ।

ਸੁਖਦੇਵ सुख्देव् Sukhdev [3] पुं०
शुकदेव (पुं०) व्यास के पुत्र शुकदेव मुनि ।

ਸੁਖਨਿਧਾਨ सुख्निधान् Sukhnidhān [3] पुं०
सुखनिधान (नपुं०) सुख का भण्डार, सुखागार, आनन्द-सागर ।

ਸੁਖਮਣਾ सुख्मणा Sukhmaṇā [3] स्त्री०
सुषुम्णा (स्त्री०) सुषुम्ना नाड़ी ।

ਸੁਖਮਨਾ सुख्मना Sukhmanā [3] स्त्री०
सुषुम्ना (स्त्री०) सुषुम्ना नाड़ी, शरीरस्थ तीन प्रधान नाड़ियों में से एक जो इडा और पिंगला के बीच में है ।

ਸੁਖਾਉਣਾ सुखाउणा Sukhāuṇā [3] अक० क्रि०
सुखयति (चुरादि अक०) सुख देना, प्रिय लगना, अनुकूल होना ।

ਸੁਖੀਆ सुखीआ Sukhīā [3] वि०
सुखिन् (वि०) सुखी, सुख-सम्पन्न ।

ਸੁਖੁਪਤੀ सुखुप्ती Sukhuptī [3] स्त्री०
सुषुप्ति (स्त्री०) गहरी नींद; अज्ञान ।

ਸੁਖੈਨ सुखैन् Sukhain [3] वि०
सुखायन (वि०) सुगम, सरल ।

ਸੁੱਖ सुक्ख् Sukkh [3] वि०
सुख (नपुं०) सुख-शान्ति, चैन ।

ਸੁੱਖ-ਸਾਂਦ सुक्ख् सांद् Sukkhsā̃d [3] स्त्री०
सुख-शान्ति (स्त्री०) सुख, शान्ति, चैन ।

ਸੁਗਤ सुगत् Sugat [1] पुं०
स्वगत (वि०/नपुं०) वि०—अपने आप प्राप्त । नपुं०—मन की बात, गोपनीय बात, रहस्य-वार्ता ।

ਸੁੰਗਰੀ सुंग्री Suṅgrī [1] पुं०
सूकर (पुं०) सुअर, सूकर ।

ਸੁੰਗੜਣਾ सुंगड़्णा Suṅgaṛṇā [3] अक० क्रि०
संकुटति (स्वादि अक०) सिकुड़ना, संकुचित होना ।

ਸੁੰਗੜਵਾਂ सुंगड़वाँ Sungarvā̃ [3] वि०
सकुटित/सकुचित (वि०) सिकुड़ा हुआ, संकुचित।

ਸੁਗਾਤ सुगात् Sugāt [3] वि०
सुगात्र (वि०) सुन्दर शरीर वाला, सुडौल।

ਸੁੰਗੇੜਨਾ सुंगेड़्ना Sungeṛnā [3] सक० क्रि०
संकोटयति / संकोचयति (तुदादि प्रेर०) संकुचित करना, सिकोड़ना।

ਸੁਗੰਧ सुगन्ध् Sugandh [3] स्त्री०
सुगन्ध (पुं०) सुगन्ध, सुन्दर गन्ध।

ਸੁਗੰਧਿਆ सुगन्धिआ Sugandhiā [3] वि०
सुगन्धित (वि०) सुगन्धित, सुगन्ध से युक्त।

ਸੁੰਘਟੀਆ सुंघटीआ Sunghaṭīā [2] वि०
शिङ्घक (वि०) सूँघने वाला, गन्ध लेने वाला, आघ्राता।

ਸੁੰਘਣਾ सुंघ्णा Sunghṇā [3] सक० क्रि०
शिङ्घति (भ्वादि सक०) सूँघना, आघ्राण करना।

ਸੁੰਘਵਈਆ सुंघ्वईआ Sunghvaīā [3] पुं०
शिङ्घयितृ (वि०) सुँघाने वाला, आघ्रापक।

ਸੁੱਘੜ सुग्घड़् Sugghaṛ [3] वि०
सुघट (वि०) सुघड़; सुन्दर, सव्याकृत।

ਸੁੱਘੜਤਾਈ सुग्घड़्ताई Sugghaṛtāī [3] स्त्री०
सुघटता (स्त्री०) सुघड़ता, सुन्दर गढ़न

ਸੁਚੱਜ सुचज्ज् Sucajj [3] पुं०
सुचर्या (स्त्री०) सदाचार, नेक व्यवहार या चाल-चलन, शिष्टाचार।

ਸੁਚੱਜਾ सुचज्जा Sucajjā [3] वि०
सुचर्य (वि०) सदाचारी, नेक चलन शिष्टाचारी।

ਸੁਚੇਤ सुचेत् Sucet [3] वि०
सचेतस् (वि०) चेतनता सहित, सचेतन सावधान, सचेत।

ਸੁੱਚ सुच्च् Succ [3] स्त्री०
शुचि (पुं०) पवित्रता, अच्छाई।

ਸੁੱਚਮ¹ सुच्चम् Succam [3] स्त्री०
शुचिता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਸੁੱਚਮ² सुच्चम् Succam [3] वि०
शुचितम (वि०) शुद्धि पर अधिक ध्यान देने वाला, पवित्रतम।

ਸੁੱਚਮਤਾ सुच्चम्ता Succamtā [3] स्त्री०
शुचिमत्ता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਸੁੱਚਮਤਾਈ सुच्चम्ताई Succamtāī [3] स्त्री०
द्र०—ਸੁੱਚਮਤਾ।

ਸੁੱਚਾ सुच्चा Succā [3] वि०
शुचि (वि०) पवित्र, अच्छा।

ਸੁਜਸ ‌ सुजस् Sujas [3] पुं०
सुयशस् (नपुं०/वि०) नपुं०—सुन्दर कीर्ति, नेकनामी। वि०—सुन्दर यशवाला, नेकनाम।

ਸੁਜਾਉਣਾ सुजाउणा Sujauṇā [3] सक० क्रि०
श्वाययति (भ्वादि प्रेर०) सुजाना, शोथ डालना, फुलाना।

ਸੁਜਾਖਾ सुजाखा Sujākhā [3] पुं०
सुचक्षुष् (वि०) सुन्दर अथवा उत्तम आँखों वाला, जिसके नेत्र सुन्दर हों।

ਸੁਜਾਗ सुजाग् Sujāg [1] वि०
सुजागरित (वि०) जागृत; सचेत, सावधान।

ਸੁਜਾਗਾ सुजागा Sujāgā [3] वि०
द्र०—ਸੁਜਾਗ।

ਸੁਜਾਨ सुजान् Sujān [3] वि०
सुज्ञान (नपुं०/वि०) नपुं०—उत्तम ज्ञान, यथार्थ ज्ञान। वि०—सुन्दर अथवा यथार्थ ज्ञान वाला, चतुर, ज्ञानी।

ਸੁਜੋਗ[1] सुजोग् Sujog [3] वि०
सुयोग्य (वि०) सुयोग्य, लायक।

ਸੁਜੋਗ[2] सुजोग् Sujog [3] पुं०
सुयोग (पुं०) उत्तम योग या सम्बन्ध।

ਸੁਜੋਤ सुजोत् Sujot [3] स्त्री०
सुज्योतिस् (नपुं० / वि०) नपुं०—उत्तम प्रकाश। वि०—श्रेष्ठ प्रकाश वाला।

ਸੁੱਜਣਾ सुज्जणा Sujjaṇā [3] अक० क्रि०
शूयते (भ्वादि भाव०) सूजना, फूलना।

ਸੁੰਝ सुंझ् Suñjh [3] स्त्री०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁੰਝਾ सुंझा Suñjhā [3] वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁਝਾਉ सुझाउ Sujhāu [3] पुं०
संबोध (पुं०) सुझाव, परामर्श।

ਸੁਝਾਊ सुझाऊ Sujhāū [3] वि०
सम्बोधक (वि०) सुझाने वाला, सलाह देने वाला।

ਸੁਝਾਈ सुझाई Sujhāī [3] स्त्री०
द्र०—ਸੁਝਾਉ।

ਸੁੱਝਣਾ सुज्झणा Sujjhaṇā [3] अक० क्रि०
संबुध्यते (भ्वादि कर्म०) सूझना, प्रतीत होना।

ਸੁੰਞਾ सुंञा Suññā [3] वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁੱਟਣਾ सुट्टणा Suṭṭaṇā [3] अक० क्रि०
सुक्षिपति (तुदादि सक०/भ्वादि सक०) फेंकना, दूर भगाना; गँवाना; व्यर्थ खर्च करना।

ਸੁੰਡ सुण्ड् Suṇḍ [3] पुं०
शुण्डा (स्त्री०) हाथी की सूँड।

ਸੁਢ ਸुण्ढ् Sundh [3] स्त्री०
शुण्ठी (स्त्री०) सोठ, अदरक।

ਸੁਣਨਾ सुण्ना Sunna [3] सक० क्रि०
शृणोति (भ्वादि सक०) सुनना, श्रवण करना।

ਸੁਤਹ सुतह् Sutah [1] अ०
स्वतः (अ०) अपने-आप, स्वाभाविक।

ਸੁਤੜਾ सुतड़ा Sutra [3] पुं०
सुप्त (वि०) सोया हुआ, निद्रा युक्त।

ਸੁਤਾ सुता Suta [3] स्त्री०
सुरति (स्त्री०) सुरति, ध्यान।

ਸੁਤੇ सुते Sute [3] क्रि० वि०
स्वतः (अ०) स्वतः, अपने-आप।

ਸੁਤੇਸਿੱਧ सुतेसिद्ध् Sutesiddh [3] वि०
स्वतःसिद्ध (वि०) स्वतःसिद्ध, अपने-आप निष्पन्न।

ਸੁਤੇਲਾ सुतेला Sutela [3] पुं०
सापत्न (वि०) सौतेला; पक्षपात पूर्ण।

ਸੁਤੰਤਰ सुतन्तर् Sutantar [3] वि०
स्वतन्त्र (वि०) स्वतन्त्र; स्वाधीन, आजाद।

ਸੁਤੰਤਰਤਾ सुतन्तर्ता Stantarta [3] स्त्री०
स्वतन्त्रता (स्त्री०) स्वतन्त्रता, स्वाधीनता, आजादी।

ਸੁੱਤੜ सुत्तड़् Suttar [3] पुं०
सुप्ततर (वि०) बहुत सोने वाला, अति निद्रालु।

ਸੁੱਤਾ सुत्ता Sutta [3] पु०
सुप्त (वि०) सोया हुआ, नींद से युक्त, निद्रित।

ਸੁਥਨੀ सुथ्नी Suthni [3] स्त्री०
सुस्तनी (स्त्री०) सुन्दर स्तनों वाली।

ਸੁਥਰਾ सुथ्रा Suthra [3] पुं०
सुस्थल (नपुं०) साफ जगह, शुद्ध स्थान।

ਸੁੰਦਰਤਾ सुन्दर्ता Sundarta [3] स्त्री०
सुन्दरता (स्त्री०) सुन्दरता, सौन्दर्य।

ਸੁਦਾਮਾ सुदामा Sudama [3] पुं०
सुदामन् (पुं०) एक कंगाल ब्राह्मण जो श्री कृष्ण के मित्र थे तथा श्रीकृष्ण ने जिनको प्रभूत धन दिया था।

ਸੁੰਧਕਣਾ सुन्धकणा Sundhakna [1] अक० क्रि०
सन्धुक्ष्यते (भ्वादि कर्म०) अन्दर ही अन्दर सुलगना अथवा जलना; थकना।

ਸੁਧਰਨਾ सुधर्ना Sudharna [3] अक० क्रि०
सूद्धरति (भ्वादि अक०) सुधरना, सुधार होना।

ਸੁਧਰਮਾ सुधर्मा Sudharma [3] पुं०
सुधर्मन् (पुं०/वि०) पु०—इन्द्र की सभा, देव-सभा। वि०—उत्तम धर्मवाला, धर्मपरायण।

ਸੁਧਾਉਣਾ सुधाउणा Sudhauna [3] सक० क्रि०
शोधयति (दिवादि प्रेर०) संशोधन करना; कुण्डली आदि पर विचार कराना।

ਸੁਧਾਈ सुधाई Sudhai [3] स्त्री०
शोधकर्म (नपुं०) शुद्ध करने का काम ।

ਸੁਧਾਮ सुधाम् Sudhām [3] पुं०
सुधामन् (नपुं०) सुन्दर घर, आराम-दायक मकान; चन्द्रमा; स्वर्ग ।

ਸੁਧਾਰ सुधार् Sudhār [3] पुं०
समुद्धार (पुं०) सुधारने का भाव, दुरुस्ती,

ਸ਼ੁੱਧਤਾ शुद्धता Śuddhatā [3] स्त्री०
शुद्धता (स्त्री०) शुद्धता, पवित्रता ।

ਸੁੱਧਾ सुद्धा Suddhā [1] वि०
शुद्ध (वि०) शुद्ध, निर्मल, पवित्र ।

ਸ਼ੁੱਧੀ शुद्धी Śuddhī [3] स्त्री०
शुद्धि (स्त्री०) शुद्धि, शुद्धता ।

ਸੁੰਨ सुन्न् Sunn [3] पुं०
शून्य (नपुं०) शून्य, निर्जन, एकान्त ।

ਸੁਨੱਖਾ सुनक्खा Sunakkhā [3] पुं०
स्वक्ष (सुनयनाक्ष) (वि०) सुन्दर आँखों वाला, सुनयन, सुन्दर ।

ਸੁੰਨਤਾ सुन्नता Sunnatā [3] स्त्री०
शून्यता (स्त्री०) शून्यता, सुनसान; खामोशी ।

ਸੁੰਨਾ सुन्ना Sunnā [3] पुं०
शून्य (नपुं०) सूना, निर्जन, एकान्त ।

ਸੁਨਿਆਰ सुन्यार् Sunyār [3] पुं०
स्वर्णकार (पुं०) स्वर्णकार, सुनार ।

ਸੁਨਿਆਰਾ सुन्यारा Sunyara [2] पुं०
द्र०—ਸੁਨਿਆਰ ।

ਸੁਨਿਆਰੀ सुन्यारी Sunyarī [3] स्त्री०
स्वर्णकारिणी (स्त्री०) सुनारिन, सुनारी ।

ਸੁਨੇਹੜਾ सुनेह्ड़ा Sunehṛā [3] पुं०
द्र० – ਸੁਨੇਹਾ ।

ਸੁਨੇਹਾ सुनेहा Sunehā [3] पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार, वृत्तान्त ।

ਸੁਪਤ सुपत् Supat [3] वि०
सुप्त (वि०) सोया हुआ, नींद से युक्त, निद्रित ।

ਸੁਪੱਤਾ सुपत्ता Supatta [1] वि०
सुपात्र (वि०) सुयोग्य; सम्मानित, सज्जन ।

ਸੁਪਨਾ सुप्ना Supnā [3] पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न, सपना; निद्रा, नींद ।

ਸੁਪਾਤਰ सुपातर् Supātar [3] वि०
सुपात्र (वि०) सुपात्र, सुयोग्य; उत्तम आश्रय ।

ਸੁਪੁੱਤ सुपुत्त् Suputt [3] पुं०
सुपुत्र (पुं०) सुपुत्र, सपूत ।

ਸੁਪੁੱਤਰ सुपुत्तर् Suputtar [3] पुं०
द्र०—ਸੁਪੁੱਤ ।

ਸੁਫਨਾ सुफ्ना Suphnā [2] पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न, सपना ।

ਸੁੰਬਾ सुम्बा Sumba [3] पुं०
शिम्बा (स्त्री०) शुम्बा, छेद करने का औजार।

ਸੁੱਬ सुब्ब् Subb [3] पुं०
शुल्व (नपुं०) डोरी, रस्सी।

ਸੁੱਬੜ सुब्बड़् Subbaṛ [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਬ।

ਸੁੱਬਾ सुब्बा Subbā [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਬ।

ਸੁੱਬੀ सुब्बी Subbī [3] स्त्री०
शुल्व (नपुं०) छोटी डोरी, रस्सी।

ਸੁਭਾਉ सुभाउ Snbhāu [3] पुं०
स्वभाव (पुं०) स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ਸੁਭਾਉਕੀ सुभाउकी Subhāukī [3] वि०
स्वाभाविक (वि०) स्वाभाविक, अवस्थानुकूल।

ਸੁਭਾ सुभा Subhā [3] पुं०
स्वभाव (पुं०) स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ਸੁਭਾਇ सुभाइ Subhāi [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਉ।

ਸੁਭਾਇਕ सुभाइक् Subhāik [3] वि०
शोभादायक (वि०) शोभा देने वाला, सुन्दर, सुहावन।

ਸੁਭਾਖ सुभाख् Subhākh [3] पुं०
सुभाष (पुं०) सुन्दर कथन, सुन्दर वचन।

ਸੁਭਾਖਾ सुभाखा Subhākha [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਖ।

ਸੁਭਾਗ सुभाग् Subhāg [3] वि०
सुभाग्य (वि०) उत्तम भाग्यवाला, सौभाग्यशाली।

ਸੁਭਾਗਾ सुभागा Subhāga [3] पुं०
सुभग (वि०) सौभाग्यशाली, भाग्यशाली, बड़भागी।

ਸੁਭਾਣਕ सुभाणक् Subhāṇak [3] स्त्री०
सुभाणक (नपुं०) सुन्दर सन्देश; सुभाषित।

ਸੁਭਾਵ सुभाव् Subhāv [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਉ।

ਸੁਭਾਵਕ सुभावक् Subhāvak [3] वि०
स्वाभाविक (वि०) अवस्थानुकूल, सहज।

ਸੁਭਿੱਖ सुभिक्ख् Subhikkh [1] पुं०
सुभिक्ष (नपुं०) सुन्दर काल, सुकाल, अकाल का विपर्यय।

ਸੁਮੇਲ सुमेल् Sumel [3] पुं०
सुमेल/सुमेलन (पुं०/नपुं०) उचित मेल या योग।

ਸੁਰ सुर् Sur [3] स्त्री०/पुं०
सुर (पुं०) सुर, स्वर, आवाज।

ਸੁਰਸਤੀ सुरसती Sursatī [3] स्त्री०
सरस्वती (स्त्री०) सरस्वती देवी, विद्या की अधिष्ठात्री, देवी।

ਸੁਰਸੁਰਾਉਣਾ सुरसुराउणा Sursurauṇa [3] **सक० क्रि०**
सुर्सुरायते (नामधातु सक०) सारयति, (भ्वादि प्रेर०) सुरसुराना; सहलाना; सरकाना ।

ਸੁਰਹੀ सुर्ही Surhī [3] **स्त्री०**
सुरभि (स्त्री०) सुगन्ध, सौरभ ।

ਸੁਰੱਖਿਅਤ सुरक्ख्यत् Surakkhyat [3] **वि०**
सुरक्षित (वि०) सुरक्षित, रक्षा-सम्पन्न, जिसकी रक्षा की गयी हो; अच्छी तरह से रखा हुआ ।

ਸੁਰਗੀ सुर्गी Surgī [3] **वि०**
स्वर्गीय (वि०) स्वर्गीय, स्वर्ग-सम्बन्धी, अलौकिक ।

ਸੁਰਤ सुरत् Surat [3] **स्त्री०**
सुरति (स्त्री०) ध्यान; श्रेष्ठ प्रेम ।

ਸੁਰਨਾ सुर्ना Surna [1] **सक० क्रि०**
सारयति (भ्वादि प्रेर०) हटाना, दूर करना ।

ਸੁਰਮਾ सुर्मा Surmā [3] **पुं०**
सुरमा (स्त्री०) सुरमा, काजल ।

ਸੁਰਮੀ सुर्मी Surmī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਸੁਰਮਾ ।

ਸੁਰਿਆਲ सुर्याल् Suryal [1] **पुं०**
श्वसुरशाला (स्त्री०) ससुराल, ससुर का घर ।

ਸੁਰਿੰਦ सुरिन्द् Surind [3] **पुं०**
सुरेन्द्र (पुं०) सुरों का राजा, देवराज, इन्द्र ।

ਸੁਰੀਤਾ सुरीता Surīta [3] **स्त्री०**
स्वहृता (स्त्री०) धन से खरीदी गयी पत्नी ।

ਸੁਰੰਗ सुरंग् Suraṅg [3] **स्त्री०**
सुरङ्गा (स्त्री०) सुरंग, भूमिगत मार्ग ।

ਸੁਲਕ शुलक् Śulak [3] **पुं०**
शुल्क (नपुं०) मूल्य, कीमत; कर ।

ਸੁਲੱਖਣਾ सुलक्ख्णा Sulakkhṇa [3] **वि०**
सुलक्षण (वि०) सुलक्षण, शुभ लक्षण-सम्पन्न; भाग्यवान् ।

ਸੁਲੱਛਣਾ सुलच्छ्णा Sulacchṇa [2] **वि०**
द्र०—ਸੁਲੱਖਣਾ ।

ਸੁਲਭ सुलभ् Sulabh [3] **वि०**
सुलभ (वि०) सुलभ, सुगमता से प्राप्त ।

ਸੁਲੱਭ सुलभ्भ् Sulabbh [3] **वि०**
सुलभ्य (वि०) सुलभ्य, सरलता से मिलने योग्य ।

ਸੁਲਾਉਣਾ सुलाउणा Sulauṇā [3] **सक० क्रि०**
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना ।

ਸੁਵਰਣ सुव्रण् Suvraṇ [3] **पुं०**
सुवर्ण (पुं० / नपुं०) पुं०—उत्तम जाति; सुन्दर अक्षर; बढ़िया रंग । नपुं०—सोना, स्वर्ण ।

ਸਵੰਨ सुवन्न् Suvann [3] पुं०/वि०
सुवर्ण (पुं० / वि०) पुं०—उत्तम वर्ण।
वि०—सुन्दर रंग का।

ਸੁਵੰਨੜੀ सुवन्नड़ी Suvannaṛī [3] स्त्री०
सौवर्णी (स्त्री०) सुन्दर वर्ण वाली, अच्छे रंग की।

ਸੁਵੰਨਾ सुवन्ना Suvanna [3] स्त्री०
सुवर्णा (स्त्री०) सुन्दर वर्ण वाली, अच्छे रंग वाली।

ਸੂ सू Sū [3] स्त्री०
सूत (नपुं०) प्रसव, उत्पन्न करने का भाव।

ਸੂਆ[1] सूआ Sūa [3] पुं०
सूत (पुं०) प्रसूति, छोटा बच्चा।

ਸੂਆ[2] सूआ Sūa [3] पुं०
सूची (स्त्री०) सूआ, सूजा, सूई।

ਸੂਆ[3] सूआ Sūa [2] पुं०
शूक (पुं०, नपुं०) जौ आदि का नुकीला भाग, टूँड।

ਸੂਆ[4] सूआ Sūa [1] पुं०
शुक (पुं०) शुक, तोता।

ਸੂਈ सूई Sūī [3] स्त्री०
सूची (स्त्री०) कपड़ा आदि सीने की सूई।

ਸੂਈ-ਭਰ सूईभर् Sūībhar [3] वि०
सूचीभर (वि०) सूई भर, सूई के माप का।

ਸੂਹਣੀ सूहणी Suhṇī [3] स्त्री०
शोधनी (स्त्री०) झाड़ू, बुहारी।

ਸੂਹਾ सूहा Sūha [3] वि०
शोण (वि०) लाल, रक्त।

ਸੂਖਮ सूखम् Sūkham [3] वि०
सूक्ष्म (वि०) सूक्ष्म, महीन; बहुत छोटा; तीक्ष्ण; बहुत थोड़ा।

ਸੂਖਮਤਾ सूखम्ता Sūkhamtā [3] स्त्री०
सूक्ष्मता (स्त्री०) सूक्ष्मता, महीनी; अतिलाघव; तीक्ष्णता।

ਸੂਚੀ सूची Sūcī [3] स्त्री०
सूची (स्त्री०) सूची, अनुक्रमणी।

ਸੂਜ सूज् Sūj [2] स्त्री०
शून (नपुं०) सूजन, शोथ।

ਸੂਣਾ सूणा Sūṇa [3] सक० क्रि०
सूते (अदादि सक०) पैदा करना, जन्म देना, उत्पन्न करना।

ਸੂਤ सूत् Sūt [3] पुं०
सूत्र (नपुं०) सूत, धागा; रस्सी।

ਸੂਤਕ सूतक् Sūtak [3] पुं०
सूतक (नपुं०) अशौच, अशुद्धि जो जन्म एवं मरण के समय होती है।

ਸੂਤਰ सूतर् Sūtar [3] पुं०
सूत्र (नपुं०) सूत्र, नियम, किसी नियम का बोधक व्याख्या-सापेक्ष छोटा वाक्य।

ਸੂਤਰਧਾਰ सूतर्धार् Sūtardhār [3] पुं०
सूत्रधार (पुं०) सूत्रधार, नट, नाटक खेलने वाला।

ਸੂਤਲੀ सूतली Sūtlī [3] स्त्री०
सूत्र (नपुं०) सूतली, रस्सी।

ਸੂਤੀ सूती Sūtī [3] वि०
सौत्रिक (वि०) सूत से निर्मित वस्त्र आदि, सूत से सम्बन्धित।

ਸੂਦ सूद् Sūd [3] पुं०
कुसीद (नपुं०) सूद, ब्याज।

ਸ਼ੂਦਰ शूदर् Śūdar [3] पुं०
शूद्र (पुं०) शूद्र वर्ण, चार वर्णों में से चौथा और अंतिम वर्ण।

ਸੂਰ[1] सूर् Sūr [3] पुं०
शूकर/सूकर (पुं०) सूअर, शूकर।

ਸੂਰ[2] सूर् Sūr [3] पुं०
शूर (वि०) शूर, वीर, बहादुर।

ਸੂਰਜ सूरज् Sūraj [3] पुं०
सूर्य (पुं०) सूरज, सूर्य।

ਸੂਰਾ सूरा Sūrā [2] पुं०
द्र०—ਸੂਰ[2]।

ਸੂਰੀ सूरी Sūrī [3] स्त्री०
शूकरी (स्त्री०) सूअरी, मादा शूकर।

ਸੂਲ सूल् Sūl [3] पुं०
शूल (नपुं०, पुं०) शूल, कण्टक, काँटा।

ਸੂਲੀ सूली Sūlī [3] स्त्री०
शूल (नपुं०, पुं०) शूली, प्राणदण्ड देने का नुकीला साधन-विशेष।

ਸੇ से Se [2] वि०
सः (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੇਉਣਾ सेउणा Seuṇā [3] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, याद करना।

ਸੇਓ सेओ Seo [3] स्त्री०
सेतु (पुं०) सेतु, पुल; बाँध।

ਸੇਈ सेई Seī [3] सर्व०
सैव (अ०) वह ही, वही।

ਸ਼ੇਸ਼ शेष् Śeṣ [3] वि०/पुं०
शेष (वि० / पुं०) वि०—शेष, अवशिष्ट, बाकी। पुं०—शेषनाग; परिणाम।

ਸੇਹ सेह् Seh [3] स्त्री०
शल्य (पुं०) काँटा; कटीली झाड़ी; साही।

ਸੇਹਰਾ सेह्रा Sehrā [3] पुं०
द्र०—ਸਿਹਰਾ।

ਸੇਗਲ सेगल् Segal [1] स्त्री०
सजलता (स्त्री०) नमी, आर्द्रता।

ਸੇਜ सेज् Sej [3] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, बिस्तर।

ਸੇਜਲ सेजल् Sejal [3] स्त्री०
सजलता (स्त्री०) नमी, आर्द्रता।

ਸਜਾ सेजा Seja [3] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, बिस्तर।

ਸੇਂਜਾ सेंजा Sẽja [3] पुं०
सेचन (नपुं०) सींचने का भाव, सिंचन।

ਸੇਂਜੂ सेंजू Sẽjū [3] वि०
सेक्य (वि०) सिंचाई योग्य, सींचने लायक।

ਸੇਠ[1] सेठ् Seṭh [3] वि०
श्रेष्ठ (वि०/पुं०) वि०—उत्तम, बढ़िया। पुं०—सेठ, धनी।

ਸੇਠ[2] सेठ् Seṭh [3] पुं०
श्रेष्ठिन् (पुं०) सेठ, साहूकार।

ਸੇਠਣ सेठण् Seṭhaṇ [3] स्त्री०
श्रेष्ठिनी (स्त्री०) सेठानी, सेठ की स्त्री।

ਸੇਠਣੀ सेठ्णी Seṭhṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਸਿਠਾਣੀ।

ਸੇਤ[1] सेत् Set [1] पुं०
स्वेद (पुं०) स्वेद, पसीना।

ਸੇਤ[2] सेत् Set [1] अ०
समेत (नपुं०) साथ, संग।

ਸੇਤ[3] सेत् Set [1] पुं०
श्वेत (वि०) सफेद, गोरा।

ਸੇਤਜ सेतज् Setaj [3] वि०
स्वेदज (वि०) पसीने से उत्प[न्न] होने वाली जूँ इत्यादि।

ਸੇਤਤਾ सेत्ता Settā [3] स्त्री०
श्वेतता (स्त्री०) श्वेतता, सफेदी, शुभ्रता।

ਸੇਤਾ सेता Setā [3] वि०
श्वेत (वि०) श्वेत, सफेद, गोरा।

ਸੇਤੀ सेती Setī [3] अ०
द्र०—ਸੇਤ[2]।

ਸੇਂਧਾ सेंधा Sẽdhā [2] पुं०
सैन्धव (नपुं०) सेंधा नमक।

ਸੇਬ सेब् Seb [3] पुं०
सेवि/सेव (नपुं०/पुं०) नपुं०—सेव-फल। पुं०—सेव-वृक्ष।

ਸੇਬਾਲ सेबाल् Sebāl [3] पुं०
शैवाल (पुं०, नपुं०) शैवाल, सेवार।

ਸੇਮ सेम् Sem [1] स्त्री०
शिम्बा (स्त्री०) सेम, छीमी।

ਸੇਲਾ सेला Selā [3] पुं०
शल्य (नपुं०) भाला; तीर।

ਸੇਵਕਾਣੀ सेव्काणी Sevkāṇī [2] स्त्री०
सेविका (स्त्री०) सेविका, दासी।

ਸੇਵਕੀ सेव्की Sevkī [3] वि०
सेवकीय (वि०) सेवकों का कार्य या समूह, सेवक से संबन्धित।

ਸੇਵਣਾ सेव्णा Sevṇā [3] सक० क्रि०
सेवते (भ्वादि सक०) सेवा करना; अनुसरण करना।

ਸੇਵਤ सवत् Sevat [1] **वि०**
सेवित (वि०) जिसका सेवन किया गया है; उपास्य, सेव्य।

ਸੇਵਤੀ सेवती Sevti [2] **स्त्री०**
सेमन्ती (स्त्री०) सफेद गुलाब, 'सेवती' नामक गुलाब।

ਸੇਵਾ सेवा Seva [3] **स्त्री०**
सेवा (स्त्री०) सेवा, परिचर्या।

ਸੇਵੀਆਂ सेवीआँ Seviā̃ [3] **स्त्री०**
सेविका (स्त्री०) सेवई, सूतफेनी।

ਸੈ सै Sai [2] **वि०**
शत (नपुं०) सौ, १०० संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੈਈਕਾਰ सैकार् Saikār [1] **पुं०**
सेवाकार (पुं०) सहायक, रक्षक।

ਸੈਈਕਾਰੀ सैकारी Saikārī [1] **स्त्री०**
सेवाकार्य (नपुं०) सेवा का कार्य; सहायता।

ਸੈਂਸਾ सैंसा Saĩsā [2] **पुं०**
संशय (पुं०) संशय, संदेह।

ਸੈਹਾ सैहा Saiha [1] **पुं०**
द्र०—ਸਹਿਆ।

ਸੈਂਕੜਾ सैंकड़ा Saikṛā [3] **वि०**
शतक (नपुं०) सैकड़ा, एक सौ का समूह।

ਸੈ ਚਾ सैचा Saĩcā [3] **पुं०**
संचक (पुं०, नपुं०) साँचा जिससे ईंट आदि ढाली जाती है।

ਸੈਂਚੀ सैंची Saĩcī [3] **स्त्री०**
सञ्चित (नपुं०) किसी ग्रन्थ का भाग या खण्ड जो एक जिल्द में हो।

ਸੈਂਤ सैंत् Saĩt [1] **स्त्री०**
शान्ति (स्त्री०) शान्ति, चैन, आराम।

ਸੈਂਤੀ सैंती Saĩtī [3] **वि०**
सप्तत्रिंशत् (स्त्री०) सैंतीस, 37 संख्या या उससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੈਨ सैन् Sain [1] **पुं०**
स्वजन (पुं०) आत्मीय, सम्बन्धी।

ਸੈਨਤ सैनत् Sainat [3] **स्त्री०**
संकेत (पुं०) संकेत, इंगित, इशारा।

ਸੈਨਾ सैना Sainā [3] **स्त्री०**
सैन्य (नपुं०) सेना, बल।

ਸੋ सो So [3] **सर्व०**
सः (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੋਊ सोऊ Soū [2] **सर्व०**
सैव (अ०) वही, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੋਇਨਾ सोइना Soinā [2] **पुं०**
स्वर्ण (नपुं०) सोना, सुवर्ण।

ਸੋਏ सोए Soe [3] **पुं०**
शतपुष्प (पुं०) सोये का पौधा, सौंफ।

ਸ਼ਸ਼ਣ शोशण Sośaṇ [3] पुं०
शोषण (नपुं०) शोषण, सुखाने का भाव।

ਸੋਹਣ सोहण् Sohaṇ [3] वि०
शोभन (वि०) शोभित, सुन्दर; सुखद।

ਸੋਹਣਾ[1] सोह्णा Sohṇa [3] वि०
द्र०—ਸੋਹਣ।

ਸੋਹਣਾ[2] सोह्णा Sohṇa [3] अक० क्रि०
शोभते (भ्वादि अक०) शोभा पाना, सुन्दर लगना, अच्छा लगना।

ਸੋਂਹਦਾ सोंह्दा Sõhda [3] वि०
शोभन (वि०) शोभा-युक्त, सुन्दर।

ਸੋਹਮ सोहम् Soham [2] वाक्य
सोऽहम् (वाक्य) 'वह मैं' अर्थात् आत्मा परमात्म-स्वरूप है।

ਸੋਹਾਂਜਣਾ सोहाँज्णा Sohãjṇa [3] पुं०
द्र०—ਸੁਹੰਜਣਾ।

ਸੋਹੰਦੜਾ सोहन्दड़ा Sohandṛa [2] पुं०
द्र०—ਸੋਂਹਦਾ।

ਸੋਕ सोक् Sok [1] पुं०
शौष्क्य (नपुं०) सूखने या सुखाने का भाव, शुष्कता।

ਸ਼ੋਕ शोक् Śok [3] पुं०
शोक (पुं०) शोक, दुःख, विपदा।

ਸੋਕਣਾ सोक्णा Sokṇa [3] सक० क्रि०
शोषयति (दिवादि प्रेर०) सोखना, शोषण करना; सुखाना, शुष्क करना।

ਸਕੜਾ साकड़ा Sakṛa [3] पुं०
द्र०—ਸੋਕਾ।

ਸੋਕਾ सोका Soka [3] पुं०
शौष्क्य (नपुं०) सूखने या सुखाने का भाव, शुष्कता।

ਸੋਖਕ सोखक् Sokhak [3] पुं०
शोषक (वि०/पुं०) वि—शुष्क करने वाला। पुं०—पवन; सूरज।

ਸੋਖਣ सोखण् Sokhaṇ [3] पुं०
शोषण (नपुं०) सुखाने का भाव; शोषण।

ਸੋਖਤ सोखत् Sokhat [3] वि०
शोषित (वि०) सुखाया हुआ; शोषित, क्षीण किया हुआ।

ਸੋਗੀ सोगी Sogī [3] पुं०
शोकिन् (वि०) शोकवाला, दुःखी।

ਸੋਂਘਾ सोंघा Sõgha [3] पुं०
सुघ्राण (वि०) सुन्दर घ्राण शक्ति वाला; धरती सूँघकर खारे तथा मीठे पानी का पता लगाने वाला।

ਸੋਚ सोच् Soc [3] स्त्री०
शुचा (स्त्री०) शोक, चिन्ता, फ़िक्र।

ਸੋਚਣਾ सोच्णा Socṇa [3] सक० क्रि०
शोचते (भ्वादि सक०) सोचना, विचारना।

ਸੋਜ सोज् Soj [3] पुं०
शोथ (पुं०) सूजन, फूलने का भाव।

ਸੋਂਜਣਾ सोंज्णा Sõjṇa [1] पुं०
द्र०—ਸੁਹੰਜਣਾ।

ਸੋਤ[1] सोत् Sot [3] पुं०
स्रोतस् (पुं०) सोता, प्रवाह ।

ਸੋਤ[2] सोत् Sot [2] स्त्री०
सुप्ति (स्त्री०) शयन, नींद ।

ਸੋਤਰ सोतर् Sotar [3] पुं०
स्रोतस् (नपुं०) स्रोत, सोता, प्रवाह ।

ਸੋਧ सोध् Sodh [3] स्त्री०
शोध (पुं०) शोधन, शुद्धि, सफाई ।

ਸੋਧਕ शोधक् Śodhak [3] वि०
शोधक (वि०) शोधन करने वाला, शुद्ध करने वाला ।

ਸੋਧਣਾ सोध्णा Sodhṇa [3] सक० क्रि०
शोधयति (दिवादि प्रेर०) शोधन करना, शुद्ध करना ।

ਸੋਂਧਾ[1] सोंधा Sõdha [1] वि०
सुगन्धि (वि०) सुगन्धित, खुशबूदार ।

ਸੋਂਧਾ[2] सोंधा Sõdha [2] पुं०
सुगन्ध (पुं०) सुगन्ध, खुशबू ।

ਸੋਂਧਾ[3] सोंधा Sõdha [2] पुं०
सीमन्त (पुं०) माँग; घेरा, परिधि ।

ਸੋਨਾ सोना Sona [3] पुं०
स्वर्ण (नपुं०) सोना, सुवर्ण ।

ਸੋਪਾਨ सोपान् Sopan [3] पुं०
सोपान (नपुं०) सीढ़ी, नसैनी; पैड़ी, पौड़ी ।

ਸੋਭਤ सोभत् Sobhat [3] वि०
शोभित (वि०) शोभित, शोभा-सम्पन्न ।

ਸੋਭਨੀ शोभ्नी Śobhnī [3] वि०
शोभनीय (वि०) शोभनीय, शोभा योग्य ।

ਸੋਭਾ सोभा Sobha [3] स्त्री०
शोभा (स्त्री०) शोभा, छवि, सौन्दर्य ।

ਸੋਰਠ सोरठ् Soraṭh [3] पुं०/वि०
सौराष्ट्र (वि० / पुं०) वि०—सुराष्ट्र से सम्बन्धित । पुं०—एक राग; प्रदेश विशेष, गुजरात ।

ਸੋਰਠਾ सोर्ठा Sorṭha [3] वि०/पुं०
सौराष्ट्र (वि० / नपुं०) वि०—सुराष्ट्र-गुजरात से सम्बन्धित । नपुं०—सोरठा छन्द ।

ਸੋਰਨਾ सोर्ना Sorna [1] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, ध्यान करना ।

ਸੋਲਾਂ सोलां Solā̃ [3] वि०
षोडशन् (वि०) सोलह, 16 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਸੌ सौ Sau [3] वि०
शत (नपुं०) सौ, 100 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਸੌਂਹੇ सौंहे Saũhe [3] क्रि० वि०
सम्मुख (नपुं०) सम्मुख, सामने ।

ਸੌਂਕ सौंक् Saũk [3] पुं०
श्यामाक (पु०) सावाँ नामक एक बरसाती धान्य जिसके दाने गोल एवं छोटे होते हैं ।

ਸੌਕਣ सौकण् Saukaṇ [3] स्त्री०
सपत्नी (स्त्री०) सौत, दूसरी पत्नी।

ਸੌਖ सौख् Saukh [3] पुं०
सौख्य (नपुं०) सुख, आराम।

ਸ਼ੌਚ शौच् Sauc [3] पुं०
शौच (नपुं०) शुद्धता, पवित्रता।

ਸੌਂਚਲ सौंचल् Saũcal [2] पुं०
सौवर्चल (नपुं०) साँचल नमक, साँभर।

ਸੌਂਡਕ सौंडक् Saũḍak [3] पुं०/वि०
शौण्डिक (पुं०,वि०) पुं०—हाथी; कलाल। वि०—सूँडवाला, शराब बेचने वाला।

ਸੌਣ[1] सौण् Sauṇ [3] पुं०
द्र०—साउਣ।

ਸੌਣ[2] सौण् Sauṇ [3] स्त्री०
स्वप्न (नपुं०) सोना, शयन, नींद।

ਸੌਣਾ सौणा Sauṇā [3] पुं०
स्वपिति (अदादि अक०) सोना, शयन करना, नींद लेना।

ਸੌਣੀ सौणी Sauṇī [3] स्त्री०
श्रावणी (स्त्री०) सावनी, श्रावण सम्बन्धी; सावन में बोये जाने वाली फसल।

ਸੌਤ[1] सौत् Saut [1] पुं०
सपुत्र (पुं०) पुत्रवान्, पुत्र-युक्त।

ਸੌਤ[2] सौत् Saut [1] स्त्री०
द्र०—ਸੌਕਣ।

ਸੌਤਰ सौतर् Sautar [2] पुं०
सपुत्र (पुं०) पुत्रवान्, पुत्र-युक्त।

ਸੌਤਾ सौता Sauta [1] पुं०
द्र०—ਸੌਤਰ।

ਸੌਤ੍ਰਾ सौत्रा Sautrā [1] पुं०
द्र०—ਸੌਤਰ।

ਸੌਂਦਰਯ सौन्दर्य् Saundary [3] पुं०
सौन्दर्य (नपुं०) सुन्दरता, खूबसूरती।

ਸੌਂਧਾ सौंधा Saũdha [2] वि०
सुगन्धित (वि०) सुगन्ध वाला द्रव्य, इत्र आदि।

ਸੌਂਪਣਾ सौंपणा Saũpṇā [3] सक० क्रि०
समर्पयति (चुरादि सक०) सौंपना, देना।

ਸੌਂਫ सौंफ् Saũph [3] पुं०
शतपुष्पा (स्त्री०) सौंफ, सोये का पौधा या उसका फल।

ਸੌਂਲਾ सौंला Saũlā [1] वि०
द्र०—ਸਾਂਵਲਾ।

ਸੰਸਕਾਰ संस्कार् Sanskār [3] पुं०
संस्कार (पुं०) संस्कार, सोलह धार्मिक कृत्य; शव संस्कार।

ਸੰਸਰਗ संसरग् Sansarag [3] पुं०
संसर्ग (पुं०) संसर्ग, संबन्ध, मिलाप।

ਸੰਸਾ संसा Sansā [3] पुं०
संशय (पुं०) संशय, सन्देह।

ਸਸਾਰ ससार Sansar [3] पुं॰
शिशुमार (पुं॰) सूंस; घड़ियाल, मगरमच्छ।

ਸੰਸਾਰਕ संसारक् Sansārak [3] वि॰
सांसारिक (वि॰) सांसारिक, संसार सम्बन्धी।

ਸੰਸਾਰੀ संसारी Sansārī [3] वि॰
संसारिन् (वि॰) संसारी, संसार का।

ਸੰਸੀ संसी Sansī [1] स्त्री॰
संदंशी (स्त्री॰) सँड़सी जिससे आग पर से पात्रादि उठाये जाते हैं।

ਸੰਕਲਪ संकलप् Saṅkalap [3] पुं॰
संकल्प (पुं॰) मनोरथ; प्रतिज्ञा, प्रण।

ਸ਼ੰਕਾ शंका Śaṅkā [3] पुं॰
शङ्का (स्त्री॰) शंका, संशय, सन्देह।

ਸੰਕੀਰਣ संकीरण् Saṅkīraṇ [3] वि॰
संकीर्ण (वि॰) बिखरा हुआ, व्याप्त; ढका हुआ; संकुचित।

ਸੰਕੁਚਣਾ संकुच्णा Saṅkucṇā [3] अक॰ क्रि॰
संकुचति (तुदादि अक॰) संकुचित होना, सिमटना।

ਸ਼ੰਕੂ शंकू Śaṅkū [3] पुं॰
शङ्कु (पुं॰) कील, खूँटी; स्थाणु, ठूँठ।

ਸੰਕੋਚ संकोच् Saṅkoc [3] पुं॰
संकोच (पुं॰) संकोच, सिमटाव, सिकोड़ने का भाव।

F. 16

ਸਕੋਚਣਾ संकोच्णा Saṅkocṇā [3] सक॰ क्रि॰
संकोचति (भ्वादि सक॰) संकुचित करना, समेटना।

ਸੰਕੋਚਵਾਂ संकोच्वाँ Saṅkocvā̃ [3] पुं॰
संकोचक (वि॰) संकोच करने वाला, संकोची।

ਸੰਖ संख् Saṅkh [3] पुं॰
शङ्ख (नपुं॰/पुं॰) नपुं—शंख, एक प्रकार का बड़ा घोंघा जिसे निर्जीव करके बजाया जाता है; हाथी का गण्ड स्थल; दस खर्व की संख्या। पु॰—एक दैत्य।

ਸੰਖਿਪਤ संखिपत् Saṅkhipat [3] वि॰
संक्षिप्त (वि॰) संक्षिप्त, संक्षेप किया हुआ।

ਸੰਖੇਪ संखेप् Saṅkhep [3] पुं॰
संक्षेप (पुं॰) संक्षेप, छोटा करने का भाव।

ਸੰਖੇਪਵਾਂ संखेप्वाँ Saṅkhepvā̃ [3] क्रि॰ वि॰
संक्षेपेण (क्रि॰ वि॰) संक्षेप से, साररूप से।

ਸੰਗ संग् Saṅg [3] पुं॰
सङ्ग (पुं॰) साथ, मेल; समिति।

ਸੰਗਟ संगट् Saṅgaṭ [1] पुं॰
संकट (नपुं॰) संकट, कष्ट, कठिनाई।

ਸੰਗਣਾ संग्णा Saṅgṇā [3] अक॰ क्रि॰
शङ्कते (भ्वादि अक॰) शंका करना; लजाना, शर्माना।

ਸੰਗਤ संगत् Sangat [3] स्त्री०
संगति (स्त्री०) संगति, संग, सम्पर्क; दोस्ती, मैत्री।

ਸੰਗਤਰਾ संग्तरा Sangtara [3] पुं०
सुरङ्ग (पुं०, नपुं०) नारङ्गी, सन्तरा।

ਸੰਗਰ संगर् Sangar [2] स्त्री०
शङ्करी/सङ्कर (स्त्री०/पुं०) साँगरी, शमी वृक्ष का फल।

ਸੰਗਰਾਂਦ सँग्राद् Sãgrād [3] स्त्री०
संक्रान्ति (स्त्री०) संक्रान्ति पर्व; मेल; किसी ग्रह का एक राशि से दूसरी राशि पर गमन।

ਸੰਗਰੀ संग्री Sangrī [3] स्त्री०
सङ्कर (पुं०) साँगरी, खेजड़ी का फल।

ਸੰਗਲ संगल् Sangal [3] पुं०
शृङ्खल (नपुं०, पुं०) सीकड़; शृङ्खला, जंजीर।

ਸੰਗਲਾ संग्ला Sangla [3] पुं०
शङ्कु (पुं०) लकड़ी का पुल; कील; खूँटी।

ਸੰਗਲੀ सँग्ली Sanglī [3] स्त्री०
शृङ्खला (स्त्री०) साँकल, जंजीर।

ਸ਼ੰਗਾਰ शंगार् Śangār [1] पुं०
शृङ्गार (पुं०) शृंगार, साज-सज्जा, सजावट; शृंगार रस।

ਸੰਗੀ संगी Sangī [3] वि०
सङ्गिन् (वि०) संगी, साथी।

ਸੰਗੀਤ संगीत् Sangīt [3] पुं०
संगीत (नपुं०) संगीत, ताल-लय के साथ गाया जाने वाला गीत।

ਸੰਗੁੱਚਣਾ संगुच्चणा Sanguccaṇa [3] अ० क्रि०
संकुचति (तुदादि अक०) सिकुड़ना; संकोच करना; लजाना।

ਸੰਗੋਚਣਾ संगोच्णा Sangocṇa [3] अ० क्रि०
संकोचति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना; संकोच करना; लजाना।

ਸੰਗੋੜ संगोड़् Sangoṛ [3] पुं०
संकोच (पुं०) सिकुड़ने का भाव, संकोच, लज्जा।

ਸੰਗੋੜਨਾ संगोड़्ना Sangoṛna [3] अक० क्रि०
संकोचति (भ्वादि सक०) सिकोड़ना, संकुचित करना।

ਸੰਗ੍ਰਹਣ संग्रहण् Sangrahaṇ [3] पुं०
संग्रहण (नपुं०) संग्रह या इकट्ठा करने का भाव; अधीन करने का भाव।

ਸੰਗ੍ਰਹੀਤ संग्रहीत् Sangrahīt [3] वि०
संगृहीत (वि०) संग्रह किया हुआ, जमा किया हुआ।

ਸੰਘ संघ् Sangh [3] पुं०
सङ्घ (पुं०) संघ, समूह; वर्ग।

ਸੰਘਟ संघट् Saṅghaṭ [3] स्त्री०
संकष्टी (स्त्री०) संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत या तिथि।

ਸੰਘਣਾ संघ्णा Saṅghṇa [3] पुं०
संघन (वि०) घना; गाढ़ा; गहरा।

ਸੰਘਣਾਈ संघ्णाई Saṅghṇāi [3] स्त्री०
संघनत्व (नपुं०) घनापन, गहनता; गाढ़ापन।

ਸੰਘਰ संघर् Saṅghar [3] स्त्री०
संकष्टी (स्त्री०) संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत या तिथि।

ਸੰਘੜ संघड़् Saṅghaṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਸੰਘਰ।

ਸੰਘਾਰ संघार् Saṅghār [3] पुं०
संहार (पुं०) संहार, नाश, प्रलय।

ਸੰਘਾਰਣ संघारण् Saṅghāraṇ [3] पुं०
संहरण (नपुं०) संहार करने का भाव, नाश।

ਸੰਘਾਰਨਾ संघार्ना Saṅghārna
[3] सक० क्रि०
संहारयति (भ्वादि प्रेर०) संहार कराना, नाश कराना।

ਸੰਘਾੜਾ संघाड़ा Saṅghāṛa [3] पुं०
शृङ्गाटक (नपुं०) सिंघाड़ा, एक प्रकार का जलीय फल।

ਸੰਚਰਨਾ संचर्ना Sañcarna [3] अक० क्रि०
संचरति (भ्वादि सक०) संचरण करना, विचरना, घूमना; प्रवेश करना।

ਸੰਚਾ संचा Sañca [3] पुं०
सञ्चक (पुं०, नपुं०) साँचा, जिससे ईंट इत्यादि गढ़ी जाती।

ਸੰਜਮੀ संज्मी Sañjamī [3] पुं०
संयमिन् (वि०) संयमी, संयम वाला।

ਸੰਜੀਵਨੀ संजीव्नी Sañjīvnī [3] स्त्री०
सञ्जीवनी (स्त्री०) संजीवनी बूटी, जड़ी विशेष।

ਸੰਜੁਕਤ संजुकत् Sañjukat [3] वि०
संयुक्त (वि०) संयुक्त, मिला हुआ।

ਸੰਜੁਗਤ संजुगत् Sañjugat [3] वि०
द्र०—ਸੰਜੁਕਤ।

ਸੰਜੋਗ संजोग् Sañjog [3] पुं०
संयोग (पुं०) संयोग; सम्बन्ध; इत्तफाक; ज्योतिष के अनुसार ग्रह-राशि का मेल।

ਸੰਜੋਗੀ संजोगी Sañjogī [3] पुं०
संयोगिन् (वि०) संयोगी, संयोग करने वाला।

ਸੰਜੋਣਾ संजोणा Sañjoṇa [3] पुं०
संयोजन (नपुं०) जोड़ने की क्रिया, मिलाने का भाव।

ਸੰਝ संझ् Sañjh [3] स्त्री०
सन्ध्या (स्त्री०) साँझ, सन्ध्याकाल।

ਸਞਾਣਨਾ सञाणना San hanna
[3] सक० क्रि०
संबुध्यति (दिवादि सक०) समझना, पहचानना।

ਸੰਡ सण्ड् Sand [3] पुं०
षण्ड (पुं०) शुक्राचार्य का पुत्र जिसने प्रह्लाद को पढ़ाया था।

ਸੰਡਾ सण्डा Sanda [3] स्त्री०
षण्डी (स्त्री०) बन्ध्या, बाँझ, सन्तानोत्पादन में असमर्थ स्त्री।

ਸੰਡਾਸੀ सण्डासी Sandasi [3] स्त्री०
संदंशी (स्त्री०) सँडसी जिससे पात्रादि को पकड़कर आग पर से नीचे उतारा जाता है।

ਸੰਡਾਸੀਆ सण्डासीआ Sandasia [1] स्त्री०
द्र०—ਸੰਡਾਸੀ।

ਸੰਢ सण्ढ् Sandh [3] पुं०
सन्धि (पुं०) सन्धि, जोड़, योग, मेल।

ਸੰਢਾ सण्ढा Sandha [3] पुं०
षण्ड (पुं०) साँढ़, अण्डकोश वाला बैल।

ਸੰਢੀ सण्ढी Sandhi [3] स्त्री०
सन्धि (पुं०) सन्धि, जोड़; गाँठ।

ਸੰਤਪਤ सन्तपत् Santapat [3] वि०
सन्तप्त (वि०) बहुत तपा हुआ; अति दुःखी।

ਸੰਤਾਉ सन्ताउ Sntau [1] पुं०
द्र०—ਸੰਤਾਪ।

ਸਤਾਪ सन्ताप Santap [3] पुं०
सन्ताप (पुं०) ताप; कष्ट; पश्चात्ताप।

ਸੰਤਾਲੀ सन्ताली Santali [3] वि०
सप्तचत्वारिंशत् (स्त्री०) सैंतालीस, 47 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੰਤੁਸ਼ਟ सन्तुश्ट् Santust [3] वि०
सन्तुष्ट (वि०) अति प्रसन्न, संतृप्त, सन्तोषी।

ਸੰਤੋਖ सन्तोख् Santokh [3] पुं०
सन्तोष (पुं०) सन्तोष, तृप्ति; प्रसन्नता।

ਸੰਥਾ सन्था Santha [3] स्त्री०
संस्था (स्त्री०) अच्छी तरह ठहरने का भाव; स्थिति; मरने का भाव; संस्थान, प्रतिष्ठान।

ਸੰਦਿਗਧ सन्दिगध् Sandigadh [3] वि०
सन्दिग्ध (वि०) सन्देह युक्त, संशय-सहित।

ਸੰਦੇਹ सन्देह् Sandeh [3] पुं०
सन्देह (पुं०) सन्देह, संशय।

ਸੰਧ सन्ध् Sandh [1] स्त्री०
द्र०—ਸੰਢ।

ਸੰਧੀ सन्धी Sandhi [3] स्त्री०
सन्धि (पुं०) सन्धि; समझौता; प्रतिज्ञा, संकल्प; अङ्गीकार।

ਸੰਧੂਰ सन्धूर् Sandhur [3] पुं०
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर, स्त्रियों की माँग भरने का लाल द्रव्य।

ਸੰਧਰੀ सन्धूरी Sandhuri [3] **वि०**
सैन्दूरिक (वि०) सिन्दूर के रंग का आम आदि द्रव्य ।

ਸੰਧੂਰੀਆ सन्धूरीआ Sandhūria [2] **वि०**
द्र०—संधूरी ।

ਸੰਨਿਆਸੀ सन्निआसी Sanniasi [3] **पुं०**
संन्यासिन् (वि०) त्यागी; संन्यास धारण करने वाला ।

ਸੰਨਿਗਧ सन्निगध् Sannigadh [3] **वि०**
स्निग्ध (वि०) स्नेह-युक्त; चिकना; प्रिय ।

ਸੰਨ੍ਹ सन्न्ह् Sannh [3] **स्त्री०**
सन्धि (पुं०) सेंध; दो के मध्य का रिक्त स्थान ।

ਸੰਨ੍ਹੀ सन्न्ही Sannhī [3] **स्त्री०**
संदंशी (स्त्री०) सँड़सी जिससे पात्रादि को आग पर से उतारा जाता है।

ਸੰਪਟ सम्पट् Sampat [3] **पुं०**
सम्पुट (पुं०) ढकने का भाव, आवरण; सन्दूक; किसी मंत्र को आदि और अन्त में जोड़ने की क्रिया ।

ਸੰਪੱਤੀ सम्पत्ती Sampattī [3] **स्त्री०**
सम्पत्ति (स्त्री०) संपत्ति, धन, ऐश्वर्य ।

ਸੰਪਰਕ सम्परक् Samparak [3] **पुं०**
सम्पर्क (पुं०) संयोग, संबन्ध, मेल ।

ਸੰਪਰਦਾ सम्परदा Samparda [3] **स्त्री०**
सम्प्रदाय (पु०) सम्द्राय; मत; पन्थ ।

ਸਪਰਦਾਈ सम्परदाई Sampardaī [3] **वि०**
साम्प्रदायिक (वि०) किसी सम्प्रदाय से संबन्धित ।

ਸੰਪਾਦਕੀ सम्पादकी Sampadkī [3] **वि०**
सम्पादकीय (वि०) सम्पादक का कार्य, सम्पादक-संबन्धी, सम्पादक का लेख आदि ।

ਸੰਪੂਰਣ सम्पूरण् Sampūraṇ [3] **वि०**
सम्पूर्ण (वि०) सब, तमाम ।

ਸੰਭਲ सम्भल् Sambhal [1] **पुं०**
शाल्मलि/शाल्मली (पुं०/स्त्री०) सेमल वृक्ष जिसमें बड़े-बड़े और लाल-लाल फूल होते हैं।

ਸੰਭਲਣਾ संभल्णा Sambhalṇa
[3] **सक० क्रि०**
संभालयते (चुरादि० सक०) सम्हालना, सुरक्षा करना ।

ਸੰਭਵਤਾ संभव्ता Sambhavtā [3] **स्त्री०**
सम्भविता (स्त्री०) संभावना, कल्पना ।

ਸੰਭਾਉਣਾ संभाउणा Sambhauṇa
[1] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸੰਭਲਣਾ ।

ਸੰਭਾਖਣ संभाखण् Sambhākhaṇ [1] **पुं०**
संभाषण (नपुं०) बातचीत, संलाप ।

ਸੰਭਾਲਣਾ संभाल्णा Sambhālṇa
[3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸੰਭਲਣਾ ।

ਸੰਮ सम्म् Samm [3] स्त्री०, पुं०
शम्ब (पुं०) लोहे का छल्ला जो मूसल आदि के अग्र भाग में रहता है।

ਸੰਮਤ संमत् Sammat [3] पुं०
संवत् (अ०) संवत्, संवत्सर।

ਸੰਜੁਕਤ संयुकत् Sãyukat [3] वि०
संयुक्त (वि०) मिला हुआ, संबन्धित।

ਸੰਰਖਿਅਕ संरख्यक् Sãrakhyak [3] पुं०
संरक्षक (वि०) संरक्षक, अभिभावक, रक्षा करने वाला।

ਸੰਲਗਨ संलगन् Sãlagan [3] वि०
संलग्न (वि०) संलग्न, संयुक्त।

ਸ੍ਰਿਸ਼ਟੀ स्रिशटी Sriṣṭī [3] स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) सृष्टि, रचना, निर्माण।

ਸ੍ਰਿੰਖਲਾ स्रिंखला Srīkhlā [3] स्त्री०
शृङ्खला (स्त्री०) साँकल, जंजीर।

ਸ੍ਰੀ श्री Śrī [3] स्त्री०
श्री (स्त्री०) श्री, लक्ष्मी; शोभा, कान्ति।

ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ स्रेशट् Sreśaṭ [3] वि०
श्रेष्ठ (वि०) उत्तम, बहुत बढ़िया।

ਸ੍ਰੇਸ਼ਟਤਾ श्रेशटता Sreśṭatā [3] स्त्री०
श्रेष्ठता (स्त्री०) श्रेष्ठता, उत्तमता।

ਸ੍ਵਸਥ सवसथ् Savasth [3] वि०
स्वस्थ (वि०) अपने में स्थित; नीरोग।

ਹ

ਹਉ हउ Hau [3] सर्व०
अहम् (सर्व० / अ०) सर्व०—मैं; अ०—अहंभाव।

ਹਉਂ हउं Haū [3] स्त्री०
अहम् (अ०) अहंकार, घमण्ड।

ਹਉਮੈ हउमै Haumai [3] सर्व०
अहं मम (अ०) मैं और मेरेपन का भाव।

ਹਊਆ हऊआ Haūā [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਹਸਤ हसत् Hasat [1] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, भुजा, बाँह।

ਹਸਤਾਖਰ हसताखर् Hastākhar [3] पुं०
हस्ताक्षर (नपुं०) हस्ताक्षर, दस्तखत।

ਹਸਤਾਮਲ हसतामल् Hastāmal [2] पुं०
हस्तामलक (नपुं०) 'हाथ के बीच में आँवला' यह पद संशय-रहित ज्ञान के लिए प्रयुक्त होता है।

ਹਸਮੁਖ हसमुख् Hasmukh [3] वि०
हसन्मुख (वि०) हँसमुख, सदा प्रसन्न।

ਹਸਾਉਣਾ हसाउणा Hasauṇā [3] सक० क्रि०
हासयति (भ्वादि प्रेर०) हँसाना, हास उत्पन्न करना।

ਹਸਾਈ हसाई Hasai [3] स्त्री०
उपहास (पुं०) हँसी, मजाक; अपयश ।

ਹੱਸ[1] हस्स् Hass [3] पुं०
अंस (पुं०) कन्धा, कन्धे की हड्डी ।

ਹੱਸ[2] हस्स् Hass [3] पुं०
हास्य (नपुं०) हँसी, हास, हँसने का भाव ।

ਹੱਸਣਾ हस्सणा Hassaṇa [3] अक० क्रि०
हसति (भ्वादि अक०) हँसना, हास करना ।

ਹੱਸਣੀ हस्सणी Hassaṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਹਾਸੀ ।

ਹਕਾਰਨਾ हकार्ना Hakarna [3] सक० क्रि०
आह्वयति (भ्वादि सक०) बुलाना, आह्वान करना ।

ਹਗਾਉਣਾ हगाउणा Hagauṇa [3] सक० क्रि०
हादयति (भ्वादि प्रेर०) मलोत्सर्ग कराना, दस्त कराना ।

ਹੱਗਣ हग्गण् Haggaṇ [3] पुं०
हदन (नपुं०) मल, दस्त ।

ਹੱਗਣਾ हग्ग्णा Haggṇa [3] अक० क्रि०
हदते (भ्वादि अक०) मलोत्सर्ग करना, दस्त करना ।

ਹਛੇਰਾ हछेरा Hachera [3] वि०
अच्छतर (वि०) बहुत अच्छा; अपेक्षाकृत स्वच्छ ।

ਹੱਛਾ हच्छा Haccha [2] पुं०
अच्छ (वि०) अच्छा, स्वच्छ, सुन्दर ।

ਹਜਾਰਾ हजारा Hajara [3] वि०
सहस्रिन् (वि०) हजार से युक्त ।

ਹੱਟ हट्ट् Hatt [3] स्त्री०
हट्ट (पुं०) हाट, बाजार; दुकान ।

ਹੱਟਾ हट्टा Hatta [1] पुं०
द्र०—ਹੱਟ ।

ਹੱਟੀ हट्टी Hatti [3] स्त्री०
हट्टी (स्त्री०) हाट, बाजार ।

ਹਠਵਾਰਾ हठ्वारा Haṭhvara [3] पुं०
हठवत् (वि०) हठवाला, हठी, आग्रही ।

ਹਠਾ हठा Haṭha [1] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही ।

ਹੱਡ हड्ड् Hadd [3] पुं०
हड्ड (नपुं०) बड़ी हड्डी ।

ਹੱਡਵਾਰ हड्ड्वार् Haḍḍvar [3] स्त्री०
हड्डागार (नपुं०) मृत पशुओं की हड्डी फेंकने का स्थान ।

ਹੱਡੀ हड्डी Haḍḍi [3] स्त्री०
हड्ड (नपुं०) हड्डी, अस्थि ।

ਹੱਡੀ-ਚੂਰਾ हड्डी-चूरा Haḍḍicūra [3] पुं०
हड्डचूर्ण (नपुं०) हड्डी का चूरा जो खाद के काम आता है ।

ਹੱਡੀ-ਧੂੜਾ हड्डीधूड़ा Haḍḍidhūṛa [3] पुं०
हड्डधूलि (स्त्री०) हड्डी का चूर्ण जो खाद के काम आता है ।

ਹਨਵੰਤਰ हण्वन्तर् Hanvantar [3] पुं०
हनुमत् (पुं०) हनुमान् जी, एक राम-भक्त देवता ।

ਹਤਿਆ हत्या Hatya [3] स्त्री०
हत्या (स्त्री०) हत्या, वध, प्राण नाश ।

ਹਤਿਆਰਾ हत्यारा Hatyara [3] पुं०
हत्याकार (वि०) हत्यारा, हत्या करने वाला वधिक ।

ਹਥਨੀ हथ्नी Hathni [3] स्त्री०
हस्तिनी (स्त्री०) हथिनी, मादा हाथी ।

ਹਥਿਆਰ हथ्यार Hathyar [3] पुं०
हतिकार (वि० / पुं०) वि०—हत्यारा, हत्या करने वाला । पुं०—घातक शस्त्र; औजार ।

ਹਥੇਲੀ हथेली Hatheli [3] स्त्री०
हस्ततल (नपुं०) हथेली, करतल ।

ਹਥੌੜਾ हथौड़ा Hathaura [3] पुं०
हस्तकूट (पुं०) हथौड़ा, एक लौह उपकरण जिससे लोहा कूटा जाता है ।

ਹਥੌੜੀ हथौड़ी Hathauri [3] स्त्री०
हस्तकूटिका (स्त्री०) हथौड़ी, छोटा हथौड़ा ।

ਹੱਥ हत्थ् Hatth [3] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, भुजा, बाहु ।

ਹੱਥਰੱਖਾ हत्थरक्खा Hattharakkha [3] पुं०
हस्तरक्षित (नपुं०) हाथ टिकाने का डण्डा या वस्तु अथवा स्थानादि ।

ਹੱਥਲਿਖਤ हत्थलिखत् Hatthalikhat [3] वि०
हस्तलिखित (वि०) हाथ से लिखी हुई पाण्डुलिपि आदि ।

ਹੱਥਲੇਵਾ हत्थ्लेवा Hatthleva [3] स्त्री०
हस्तानयन (नपुं०) हथलेवा, विवाह की एक रीति जिसमें वर अपने हाथ में वधू का हाथ पकड़ता है ।

ਹੱਥਵਾਸਾ हत्थवासा Hatthavasa [3] पुं०
हस्तवासस् (नपुं०) रथगाड़ी का रस्सा; हत्था, दस्ता; ढाल पकड़ने का तस्मा ।

ਹੱਥੀਂ हत्थीं Hatthi [3] क्रि० वि०
हस्तेन (पुं० तृतीयान्त) हाथों से, हाथों द्वारा ।

ਹੱਥੇਂ हत्थें Hatthe [3] वि०
द्र०—ਹੱਥੀਂ ।

ਹੱਥੋਂ हत्थों Hattho [3] वि०
हस्तेन (पुं० तृतीयान्त) हाथों से; पास से ।

ਹਨੇਰ हनेर् Haner [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धेरा; अन्याय ।

ਹਨੇਰਾ हनेरा Hanera [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धकार, अन्धेरा ।

ਹਫੀਮ हफीम् Hphim [2] स्त्री०
द्र०—ਅਫੀਮ ।

ਹਭਾ हभा Habha [1] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, सारा, सम्पूर्ण ।

ਹਮਾ हमा Hama [3] सर्व०
सम (सर्व०) सब, सारा, सम्पूर्ण ।

ਹਮੇਲ हमेल् Hamel [3] स्त्री०
मेखला (स्त्री०) मेखला, हार ।

ਹਰਸ਼ हरश् Haraś [2] पुं०
हर्ष (पुं०) प्रसन्नता, आनन्द, सुख; प्रभाकर वर्धन का पुत्र एवं स्थानेश्वर का राजा हर्षवर्धन ।

ਹਰਖ हरख् Harakh [3] पुं०
हर्ष (पुं०) हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।

ਹਰਖ-ਸੋਗ हरख्-सोग् Harakhsog [3] पुं०
हर्षशोक (पुं०) हर्ष और शोक, खुशी-गमी ।

ਹਰਖੀ[1] हर्खी Harkhī [3] वि०
हर्षित (वि०) प्रसन्न, आनन्दित, खुश ।

ਹਰਖੀ[2] हर्खी Harkhī [3] वि०
अमर्षिन् (वि०) क्रोध-युक्त, कुपित ।

ਹਰਟ हरट् Haraṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट, कूप से जल निकालने का यन्त्र जो बैलों से चलाया जाता है ।

ਹਰਣਾਕਸ਼ हर्णाकश् Harṇākaś [3] पुं०
हिरण्यकशिपु (पुं०) एक दैत्य जो भक्त प्रह्लाद का पिता था ।

ਹਰਤਾ हर्ता Harta [3] पुं०
हर्तृ (वि०) हरण करने वाला, चुराने वाला ।

ਹਰਤਾਲ हर्ताल् Hartal [3] पुं०
हरिताल (नपुं०, पुं०) हरताल, पीले रंग की एक उपधातु जो दवाइयों में काम आती है ।

ਹਰਨ हरन् Haran [3] पुं०
हरिण (पुं०) हरिण, मृग ।

ਹਰਨਾ हर्ना Harna [2] सक० क्रि०
हरति (भ्वादि सक०) ले जाना, पहुँचाना ।

ਹਰਨੀ हर्नी Harnī [1] स्त्री०
हरिणी (स्त्री०) मादा हिरन, मृगी ।

ਹਰਨੋਟਾ हर्नोटा Harnoṭa [3] पुं०
हरिणपोत (पुं०) हिरन का बच्चा, हरनौटा ।

ਹਰਮ हरम् Haram [3] पुं०
हर्म्य (नपुं०) महल, भवन, कोठी ।

ਹਰੜ हरड़् Haraṛ [3] स्त्री०
हरीतकी (स्त्री०) हर्रे, हरड़, ओषधि-विशेष ।

ਹਰਾ हरा Harā [3] पुं०
हरित (वि०) हरा, हरे रंग का ।

ਹਰਾਉਣਾ हराउणा Harauṇa [3] सक० क्रि०
हारयति (भ्वादि प्रेर०) हराना, पराजित करना ।

ਹਰਿਆ हर्या Harya [3] वि०
द्र०—ਹਰਾ ।

ਹਰਿਆਉਲ हर्याउल् Haryaul [3] स्त्री०
हरितावली (स्त्री०) हरियाली, हरीतिमा ।

ਹਰਿਆਈ हर्याई Haryai [3] स्त्री०
हरिताली (स्त्री०) हरियाली, हरीतिमा ।

ਹਰਿਆ-ਭਰਿਆ हर्या-भर्या Harya-Bharya [3] पुं०
हरितभरित (वि०) हरा-भरा; परिपूर्ण ।

ਹਰਿਆਲਾ हर्याला Haryala [3] पुं०
हरित (वि०) हरित, हरे रंग का ।

ਹਰਿਆਵਲ हर्यावल् Haryaval [3] स्त्री०
हरीतिमन् (पुं०) हरीतिमा, हरियाली ।

ਹਰਿੰਡ हरिण्ड् Harinḍ [1] स्त्री०
द्र०—ਅਰਿੰਡ ।

ਹਰੀਚਰ हरीचर् Haricar [3] वि०
हरितचर (वि०) हरी फसल का इच्छुक पशु; नित्य नया संयोगेच्छुक पुरुष ।

ਹਲ हल् Hal [3] पुं०
हल (नपुं०, पुं०) हल जिससे खेत जोता जाता है ।

ਹਲਸ हल्स् Hals [3] पुं०
हलीषा (स्त्री०) हरिस, हल का दण्ड ।

ਹਲਕਾ हल्का Halka [3] वि०
लघु (वि०) लघु, हल्का; छोटा ।

ਹਲਟ हलट् Halaṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट, कूप से बैलों द्वारा जल निकालने का साधन ।

ਹਲਤ-ਪਲਤ हलत्-पलत् Halat-Palat [3] क्रि० वि०
इहत्य परत्र (अ०) यहाँ-वहाँ, इस लोक और परलोक में ।

ਹਲਦੀ हल्दी Haldi [3] स्त्री०
हरिद्रा (स्त्री०) हरिद्रा, हल्दी ।

ਹਲਵਾਹ हल्वाह् Halvah [3] पुं०
हलवाह (पुं०) हलवाहा, हल चलाने वाला किसान ।

ਹਲਵਾਹਾ हल्वाहा Halvaha [3] पुं०
द्र०—ਹਲਵਾਹ ।

ਹਲਾ हला Hla [3] अ०
हला (अ०) अच्छा, ठीक है; स्वीकृति सूचक, आश्चर्य-बोधक और सम्बोधक शब्द ।

ਹਲਾਈ हलाई Halai [3] स्त्री०
हलपाली (स्त्री०) हराई, जोतने के लिये बनाया गया खेत का एक छोटा भाग ।

ਹਲੀਰਾ हलीरा Halira [1] पुं०
हलसीर (पु०) हल का फार जिससे खेत जोता जाता है ।

ਹਲੀਰੀ हलीरी Halirī [1] स्त्री०
हलसीरी (स्त्री०) छोटा हल जिसे मनुष्य खींचता है।

ਹਲੇਰ हलेर् Haler [1] स्त्री०
हलघर (पुं०) हल रखने का घर।

ਹਲ੍ਹਟ हल्हट् Halhaṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट और उसका चक्का।

ਹੜਤਾਲ हड़ताल् Haṛtal [3] स्त्री
हट्टतालक (नपुं०) हड़ताल, कार्याकार्य विरोध।

ਹਾਂ हाँ Hā̃ [3] अ०
आम् (अ०) हाँ, स्वीकार बोधक शब्द।

ਹਾਏ हाए Hāe [3] अ०
हन्त (अ०) हाय, दुःख सूचक शब्द।

ਹਾਇਆ हाइआ Hāia [2] अ०
ओह् (अ०) हाय-हाय, शोक सूचक शब्द।

ਹਾਸੜਾ हासड़ा Hasṛa [3] पुं०
हास/हास्य (पुं०/नपुं०) हास, उपहास, हँसी, मजाक।

ਹਾਸੀ हासी Hāsī [3] स्त्री०
हास्य (नपुं०) हँसी, हास।

ਹਾਹ हाह् Hāh [2] अ०
हा (अ०) विवशता, दुःख या शोक सूचक शब्द, हाय।

ਹਾਟ हाट् Hāṭ [1] स्त्री०
हट्ट (पुं०) हाट, बाजार; दुकान।

ਹਾਠ हाठ् Hāṭh [3] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही, जिद्दी।

ਹਾਠਾ हाठा Hāṭha [3] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही, जिद्दी।

ਹਾਠੀ हाठी Hāṭhī [3] वि०
द्र०—ਹਾਠਾ।

ਹਾਠੀਸਾ हाठीसा Hāṭhīsā [3] स्त्री०
हठेच्छा (स्त्री०) हठ की लालसा, हठ का भाव।

ਹਾਂਡਾ हाँडा Hā̃ḍa [2] पुं०
द्र०—ਹਾਂਡੀ।

ਹਾਂਡੀ हाँडी Hā̃ḍī [3] स्त्री०
हण्डी (स्त्री०) हाँड़ी, भोजन बनाने का बड़ा पात्र।

ਹਾਂਢਣਾ हाँढ्णा Hā̃ḍhṇā [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) हींड़ना; घूमना-फिरना।

ਹਾਣ हाण् Hāṇ [3] पुं०
हान (नपुं०) हानि, नुकसान।

ਹਾਣੀ हाणी Hāṇī [3] स्त्री०
हानि (स्त्री०) हानि, क्षति, घाटा, नुकसान।

ਹਾਥ हाथ् Hāth [3] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, बाहु, भुजा।

ਹਾਥੀ हाथी Hāthī [3] पुं०
हस्तिन् (पुं०) हाथी, गज।

ਹਾਨ हान् Han [3] पुं॰
हान (नपुं॰) हानि, क्षति, नुकसान ।

ਹਾਨ-ਲਾਭ हान्-लाभ् Han-Labh [3] पुं॰
हानिलाभ (पुं॰) हानि और लाभ, नफा-नुकसान ।

ਹਾਨੀ हानी Hani [3] स्त्री॰
हानि (स्त्री॰) हानि, क्षति, नुकसान ।

ਹਾਰ[1] हार् Har [3] पुं॰
हार (पुं॰) हार, माला, आभूषण ।

ਹਾਰ[2] हार् Har [3] स्त्री॰
हारि (स्त्री॰) हार, पराजय ।

ਹਾਲੀ हाली Hali [3] पुं॰
हालिक (पुं॰) हलवाहा, हल वाहक ।

ਹਾੜ੍ਹ हाढ़् Harh [3] पुं॰
आषाढ (पुं॰) आषाढ़ मास ।

ਹਾੜ੍ਹੀ हाढ़ी Harhi [3] स्त्री॰
आषाढीय (वि॰) आषाढ़ी फसल, आषाढ़ मास में वपन की जाने वाली फसल ।

ਹਾੜ੍ਹੂ हाढ़ू Harhu [1] पुं॰
द्र॰—ਹਾੜ੍ਹੀ ।

ਹਿੱਕ हिक्क् Hikk [3] स्त्री॰
हृदय (नपुं॰) हृदय, मन, अन्तःकरण ।

ਹਿੱਕਾ हिक्का Hikka [1] वि॰
एक (वि॰) अकेला, एकाकी ।

ਹਿੰਗ हिंग् Hing [3] स्त्री॰
हिङ्गु (नपुं॰/पुं॰) नपुं॰—हींग । पुं॰—हींग का पौधा ।

ਹਿਚਕੀ हिच्की Hicki [3] स्त्री॰
हिक्का (स्त्री॰) हिचकी ।

ਹਿਠਾਹਾਂ हिठाहाँ Hithahã [3] क्रि॰ वि॰
अधस्स्थाने (नपुं॰ सप्तम्यन्त) अधोभाग में, नीचे ।

ਹਿਠਾੜ हिठाड़् Hithar [3] पुं॰
अधस्स्थान (नपुं॰) अधोभाग, नीचे का स्थान, निम्न-भाग ।

ਹਿੰਡੋਲ हिण्डोल् Hindol [3] पुं॰
हिन्दोल (पुं॰) हिंडोला, झूला; पालकी; संगीत का एक राग ।

ਹਿਣਕਾਰ हिण्कार् Hinkar [3] पुं॰
हिङ्कार (पुं॰) घोड़े के हिन-हिनाने की ध्वनि ।

ਹਿਤਕਾਰ हित्कार् Hitkar [3] पुं॰
हितकार्य (नपुं॰) हित कार्य, लाभ का कार्य, फायदे का काम ।

ਹਿਤੂ हितू Hitu [3] पुं॰
हित (नपुं॰/वि॰) नपुं—हित । वि॰—हितैषी, स्नेही ।

ਹਿਮਵੰਤ हिम्वन्त् Himvant [3] पुं॰
हिमवत् (पुं॰) हिमालय पर्वत, कालकूट और गन्धमादन के बीच का पहाड़ जो हिमालय के ही अन्तर्गत है ।

ਹਿਮਾਚਲ हिमाचल् Himacal [3] पुं०
हिमाचल (पुं०) हिम का पर्वत, हिमालय।

ਹਿਰਸ हिर्स् Hirs [3] स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਹਿਰਣਾਖੀ हिर्णाखी Hirṇakhī [3] स्त्री०
हरिणाक्षी (स्त्री०) मृग-नयनी, हरिण के समान आँखों वाली।

ਹਿਰਦਾ हिर्दा Hirdā [3] पुं०
हृदय (नपुं०) हृदय, मन, चित्त।

ਹਿਰਨੀ हिर्नी Hirnī [3] स्त्री०
हरिणी (स्त्री०) हरिणी, मृगी।

ਹਿਲਣਾ हिल्णा Hilṇā [3] सक० क्रि०।
हिण्डते (भ्वादि अक०) हिलना-डुलना।

ਹੀ ही Hī [3] अ०
हि (अ०) निश्चयपूर्वक, अवश्य; केवल।

ਹੀਂ हीं Hī̃ [1] स्त्री०
ईषा (स्त्री०) खाट की पाटी, हरिस।

ਹੀਸ हीस् Hīs [1] पुं०
हिंस्र (नपुं०) काँटेदार झाड़ी।

ਹੀਣ हीण् Hīṇ [3] वि०
हीन (वि०) हीन, न्यून, कम; अपूर्ण; नीच; निन्दित।

ਹੀਣਤ हीणत् Hīṇat [3] स्त्री०
हीनता (स्त्री०) हीनता, कमी; निरादर, अपमान।

ਹੀਣਤਾ हीण्ता Hīṇtā [3] स्त्री०
द्र०—ਹੀਣਤ।

ਹੀਣਤਾਈ हीण्ताई Hīṇtāī [3] स्त्री०
द्र०—ਹੀਣਤ।

ਹੀਣਾ हीणा Hīṇā [3] वि०
हीन (वि०) हीन, कम, न्यून।

ਹੀਰਾ हीरा Hīrā [3] पुं०
हीर (पुं०) हीरा, रत्न।

ਹੁਸਣਾ हुस्णा Husṇā [2] पुं०
ह्रसन (नपुं०) कमी, घटने का भाव; थकान।

ਹੁੰਗਾਰਾ हुँगारा Hũgārā [3] पुं०
हुङ्कार (पुं०) हुँकारा, स्वीकारोक्ति; आह्वान, बुलाने का भाव।

ਹੁੱਟ हुट्ट् Huṭṭ [3] वि०
उष्ण (वि०) उष्ण; अधिक गर्म।

ਹੁੰਡੀ हुण्डी Huṇḍī [3] स्त्री०
हुण्डिका (स्त्री०) हुण्डी, वस्तु-क्रयण का साधन।

ਹੁਣ हुण् Huṇ [3] अ०
अधुना (अ०) अब, आजकल, इस समय।

ਹੁਣੇ हुणे Huṇe [3] अ०
अधुनैव (अ०) अभी, इसी समय।

ਹੁੰਦਾ हुन्दा Hundā [3] अक० क्रि० वर्त०
भवति (भ्वादि अक० प्र० पु० ए० व०) होता है।

ਹੁਨਾਲ हुनाल् Hunal [3] पुं०
उष्णकाल (पु०) ग्रीष्म ऋतु, गर्मी का मौसम ।

ਹੁਨਾਲਾ हुनाला Hunāla [3] पुं०
द्र०—ਹੁਨਾਲ ।

ਹੁੰਮ हुम्म् Humm [3] वि०
सोष्मन् (वि०) उष्ण, तप्त, गरम ।

ਹੁੰਮ੍ਹ हुँम्ह् Hummh [3] पुं०
ऊष्मन् (पु०) गर्मी, ताप ।

ਹੁਲਸਾਊ हुल्साऊ Hulsāū [3] वि०
हर्षदायक (वि०) हर्षदायक, हर्षप्रद ।

ਹੁਲਸਾਵਾਂ हुल्सावां Hulsāvā̃[3] वि०
द्र०—ਹੁਲਸਾਊ ।

ਹੁਲਾਸ हुलास् Hulās [2] पुं०
हर्षोल्लास (पुं०) उल्लास, उमंग, प्रसन्नता ।

ਹੂ[1] हू Hū [3] स्त्री०
धूम (पुं०) धूम, धूआँ ।

ਹੂ[2] हू Hū [3] अ०
हुम् (अ०) सम्बोधन; स्वीकृति सूचक शब्द ।

ਹੂੰ[1] हूँ Hū̃ [3] स्त्री०
अहम् (अ०) अहंकार, अभिमान ।

ਹੂੰ[2] हूँ Hū̃ [1] अ०
हुम् (अ०) हाँ, स्वीकृति सूचक शब्द ।

ਹੂੰਝਣਾ हूँझणा Hūjhṇa [3] अक० क्रि०
उञ्छति (भ्वादि सक०) खेत में गिरे दाने बीनना, बटोरना ।

ਹੂੰਝਾ हूँझा Hujha [3] पुं०
उञ्छ (पुं०) साफ करने की क्रिया हानि, बरबादी ।

ਹੂਲ हूल् Hūl [3]स्त्री०
शूल (पुं०, नपुं०) तलवार या चाकू आदि की नोक, किसी धारीदार शस्त्र को चुभाने की क्रिया ।

ਹੇ हे He [3] अ०
हे (अ०) हे, भो, सम्बोधन सूचक शब्द ।

ਹੇਂਗਾ हेंगा Hēga [3] पुं०
प्रलङ्ग(पुं०) हेंगा, एक कृषि उपकरण जिससे खेत समतल किया जाता है ।

ਹੇਜ हेज् Hej [3] पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्रेम, प्यार ।

ਹੇਜਲ हेजल् Hejal [3] वि०
स्नेहिल (वि०) स्नेही, नेही, प्रेमास्पद, प्यारा, लाडला ।

ਹੇਜਲਾ हेज्ला Hejla [2] वि०
द्र०—ਹੇਜਲ ।

ਹੇਠਲਾ हेठ्ला Heṭhla [3] वि०
अधस्तन (वि०) नीचे का; घटिया; अधीन ।

ਹੇਠਾਂ हेठाँ Heṭhā̃ [3] वि०
अधस्तात् (अ०) नीचे का, निचला ।

ਹੇਰੂ हेरू Herū [1] पुं०
प्रहरिन् (पुं०) प्रहरी, पहरेदार, चौकीदार; शिकारी, अहेरी ।

ਹੇਲਾ हेला Hela [1] पुं०
हेला (स्त्री०) धक्का; धावा; तिरस्कार।

ਹੇੜਾ हेड़ा Heṛa [1] पुं०
आखेट (पुं०) आखेट, शिकार।

ਹੇੜੀ हेड़ी Heṛī [1] पुं०
आखेटिन् (वि०) अहेरी, शिकारी।

ਹੈਂ हैं Haĩ [3] अ०
ऐ (अ०) प्रश्न, शोक और आश्चर्य का सूचक शब्द।

ਹੈਂਸਿਆਰਾ हैंस्यारा Haĩsyārā [3] पुं०
हिंसारु (वि०) हिंसक, हिंसा करने वाला; निर्दयी; दृढ़निश्चयी; निडर।

ਹੈਕੜ **हैकड़्** Haikaṛ [3] **स्त्री०**
अहंकृति (स्त्री०) अकड़; अहंकार, अभिमान।

ਹੈਂਕੜ हैंकड़् Hakĩaṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਹੈਕੜ।

ਹੈਂਕੜੀ[1] हैंकड़ी Haikṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਹੈਕੜ।

ਹੈਂਕੜੀ[2] हैंकड़ी Haĩkṛī [3] पुं०
अहङ्कृतिन् (वि०) अहंकारी, अभिमानी, घमण्डी।

ਹੋ हो Ho [3] **अक० क्रि० आज्ञा०**
भवतु (भ्वादि अक० लोट् प्र० पु० ए० व०) होवे, हो।

ਹੋਛਾ होछा Hocha [2] पुं०
तुच्छ (वि०) ओछा, नीच; छोटे दिल का; घटिया किस्म का।

ਹੋਠ होठ् Hoṭh [3] पुं०
ओष्ठ (पुं०) होठ, अधर के ऊपर का भाग।

ਹੋਣਾ होणा Hoṇā [3] **अक० क्रि०**
भवति (भ्वादि अक०) होना, उत्पन्न होना।

ਹੋਣੀ होणी Hoṇī [3] **स्त्री०**
भाविनी (स्त्री०) होनी, भावी।

ਹੋਤਰੀ होत्री Hotrī [3] **वि०**
होत्रिय (वि०) होम करने वाला, होता का कार्य या उससे संबन्धित।

ਹੋਤੀ होती Hotī [3] **वि०**
होतृ (वि०) होता, होम करने वाला।

ਹੋਰ होर् Hor [3] **अ०**
अपर (सर्व०) और, एवं, तथा।

ਹੋਰੀ होरी Horī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਹੋਲੀ।

ਹੋਲੀ होली Holī [3] **स्त्री०**
होली (स्त्री०) होली त्योहार, होलिका पर्व।

ਹੋੜਾ होड़ा Hoṛā [3] पुं०
हेठ (पुं०) बाधा, रुकावट, प्रतिबन्ध।

ਹੋੜੀ होड़ी Hoṛī [3] **स्त्री०**
होड (पुं०) छोटा बेड़ा, छोटी नाव।

ਹੌਂਕਣਾ हौंक्णा Haukṇa [3] सक० क्रि०
धुक्षते (भ्वादि सक०) धौंकना; साँस फूलना; दम चढ़ना।

ਹੌਲ हौल् Haul [3] पुं०
लाघव (नपुं०) लाघव, लघुता, हल्कापन।

ਹੌਲਾ हौला Haula [3] वि०
लघु (वि०) लघु; हल्का; तुच्छ, ओछा; साधारण।

ਹੌਲੀ हौली Houli [3] क्रि० वि०
लाघव (क्रि० वि०) धीरे-धीरे, आहिस्ता।

ਹੌਲੇ-ਹੌਲੇ हौले-हौले Haule-Haule [3] क्रि वि०
लाघवेन-लाघवेन (क्रि० वि०) धीरे-धीरे, आहिस्ता-आहिस्ता।

ਹੰਸ हंस् Hans [3] पुं०
हंस (पुं०) हंस पक्षी।

ਹੰਸੀ हँसी Hāsi [3] स्त्री०
हास्य (नपुं०) हंसी, हास-परिहास।

ਹੰਕਾਰ हंकार् Hankār [3] पुं०
अहंकार (पुं०) अभिमान, गर्व।

ਹੰਕਾਰਨਾ हंकार्ना Hankarna [3] अक०क्रि०
अहंकरोति (तनादि अक०) अहंकार करना, घमण्ड करना।

ਹੰਕਾਰੀ हंकारी Hankari [3] पुं०
अहंकारिन् (वि०) अहंकारी, घमण्डी, अभिमानी, गर्वीला।

ਹੰਗਤਾ हंगता Hangata [3] स्त्री०
अहन्ता (स्त्री०) अहंकार, अभिमान।

ਹੰਗਾਲਣਾ हंगाल्णा Hangalṇa [3] सक० क्रि०
क्षालयति (चुरादि सक०) खँघालना, क्षालन करना, धोना।

ਹੰਜੀਰ हंजीर् Hañjīr [2] पुं०
अञ्जीर (पुं०/नपुं०) पुं०—अंजीर नामक गले का एक रोग। नपुं०—अंजीर, एक फल।

ਹੰਝ हंझ् Hañjh [3] स्त्री०
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल।

ਹੰਝੂ हंझू Hañjū [3] स्त्री०
द्र०—ਹੰਝ।

ਹੰਡੋਲਣਾ हंडोल्णा Hanḍolṇa [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) घुटनों तक खड़ी कपास के खेत में हल जोतना।

ਹੰਡੋਲਾ हंडोला Hanḍola [3] पुं०
हिण्डोल (पुं०) हिंडोला, झूला।

ਹੰਢਣ हंढण् Hanḍhaṇ [3] पुं०
हिण्डन (नपुं०) भ्रमण, घूमने-फिरने का भाव।

ਹੰਢਣਾ हंढ्णा Hanḍhṇa [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) चलना, घूमना-फिरना।

ਹੰਢਾਊ हंढाऊ Hanḍhaū [3] वि०
हिण्डक (वि०) खूब चलने वाला; टिकाऊ।

ਹਢਾਉਣਾ हढाउणा Handhauna
[3] सक० क्रि०
हिण्डयति (भ्वादि प्रेर०) भ्रमण कराना, घुमाना; पहनाना।

ਹੰਢਾ[1] हन्दा Handa [3] पुं०
पुरोधस् (पु०) पुरोधा, पुरोहित; ब्राह्मण।

ਹੰਡਾ[2] हन्दा Handa [3] पुं०
अन्धस् (नपुं०) अन्न; भोजन; गुरुद्वारे में प्रतिदिन का निश्चित भोजन।

ਕ

ਕਊਆ कऊआ Kaūā [1] पुं०
काक (पुं०) कौआ, काक पक्षी।

ਕਈ कई Kaī [3] वि०
कति (सर्व० बहुवचन) कई, अनेक।

ਕਸ਼ਟ कशट् Kaśaṭ [3] पुं०
कष्ट (नपुं०) कष्ट, दुःख; संकट।

ਕਸਣਾ कस्णा Kasṇa [3] सक० क्रि०
कर्षति (भ्वादि सक०) कसना; खीचना; दबाना; ठोकना; घी में भूनना।

ਕਸਤੂਰਾ कस्तूरा Kastūra [3] स्त्री०
कस्तूरिका (स्त्री०) पुष्कलक जाति का मृग जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है; कस्तूरी।

ਕਸਤੂਰੀ कस्तूरी Kastūrī [3] स्त्री०
कस्तूरी (स्त्री०) कस्तूरी, मृग-नाभि का गन्ध द्रव्य।

ਕਸਵੱਟੀ कस्वट्टी Kasvaṭṭī [3] स्त्री०
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, निकष।

ਕਸਾ कसा Kasa [3] स्त्री०
कशा (स्त्री०) चाबुक; रस्सी।

ਕਸਾਰ कसार् Kasār [1] पुं०
कंसार (पुं०) कसार, भुने आटे का चीनी मिश्रित लड्डू; पञ्जीरी।

ਕਸਿਆਉਣਾ कस्याउणा Kasyauṇa
[3] अक० क्रि०
कषायति (नामधातु अक०) कषैला होना, पीतल के पात्र में किसी भोज्य वस्तु का स्वाद विकृत होना।

ਕਸੁੰਭਾ कसुंभा Kasumbha [3] पुं०
कुसुम्भ (पुं० / नपुं०) पुं०—कुसुभ का पौधा; कुसुम्ही रंग। नपुं०—केसर।

ਕਸੇਰ कसेर् Kaser [3] स्त्री०
कसेरु (नपुं०) एक जंगली घास।

ਕਸੇਰਾ[1] कसेरा Kasera [3] पुं०
कांस्यकार (पुं०) कसेरा, ठठेरा, पीतल या कांसे का काम करने वाला।

ਕਸੇਰਾ² कसेरा Kasera [3] पुं०
काशहर (वि०) घसेरा, घास गढ़ने वाला।

ਕਸੈਲਾ कसैला Kasaila [3] पुं०/वि०
कषाय (पुं०/वि०) पुं०—कषाय रंग, गेरुआ वर्ण। वि०-कसैला स्वाद; कर्कश, कठोर, कर्ण कटु।

ਕਸੌਟੀ कसौटी Kasauṭi [3] स्त्री०
कषपट्टिका (स्त्री०) कसौटी, निकष।

ਕੱਸ कस्स् Kass [2] पुं०
कष (पुं०) निकष, कसौटी; कसौटी पर घिसने का भाव।

ਕੱਸਣਾ कस्स्णा Kassṇa [3] सक० क्रि०
कषति(भ्वादि सक०) कसना, सोने आदि को घिस कर परीक्षा करना।

ਕਹਾਉਣਾ कहाउणा Kahauṇa [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि प्रेर०) कथन कराना, कहलाना।

ਕਹਾਉਤ कहाउत् Kahaut [3] स्त्री०
कथावार्ता (स्त्री०) कहावत; कथन।

ਕਹਾਣ कहाण् Kahaṇ [3] पुं०
कथानक (नपुं०) कहावत, कहानी; कथन।

ਕਹਾਣਾ कहाणा Kahaṇa [3] पुं०
कथन (नपुं०) कथन, वक्तव्य, बयान।

ਕਹਾਣੀ कहाणी Kahaṇi [3] स्त्री०
कथानक (नपुं०) कथा, कहानी।

ਕਹਾਰ कहार् Kahar [3] पुं०
कहार (पुं०) कहार, पानी भरने ढोने वाला।

ਕਹਿਣ कहिण् Kahiṇ [3] पुं०
कथन (नपुं०) कहने का भाव, वक्तव्य

ਕਹਿਣਾ कहिणा Kahiṇa [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, क[illegible] करना, बोलना।

ਕਹਿਣੀ कहिणी Kahiṇi [3] स्त्री०
कथनीय (वि०) कथन, वक्तव्य, बयान

ਕਹਿੰ कहिं Kahĩ [3] स्त्री०
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु।

ਕੱਕਰ कक्कर् Kakkar [3] पुं०
कर्कर (नपुं०) कंकड़; ओला।

ਕੱਕੜ कक्कड़् Kakkaṛ [2] पुं०
कक्कट (पुं०) मृग के समान एक जंग जानवर।

ਕੱਕੜੀ कक्कड़ी Kakkṛi [3] स्त्री०
कर्कटी (स्त्री०) ककड़ी।

ਕਖਾਈ¹ कखाई Kakhai [3] स्त्री०
कक्षपट्टी (स्त्री०) लँगोटी, लंगोट।

ਕਖਾਈ² कखाई Kakhai [3] वि०
काषाय (वि०) कषाय रंग का, गेरुआ

ਕੱਖ कक्ख् Kakkh [3] पुं०
कक्ष (पुं०) घास-फूस; भूसा।

ਕਚਹਿਰੀ कच्हिरी Kachirī [3] स्त्री०
कृत्यघरिका (स्त्री०) कचहरी, न्यायालय।

ਕਚਕੜਾ कच्कड़ा Kackaṛā [3] पुं०
काचकटक (नपुं०) काच का कड़ा, चूड़ी या मनका।

ਕਚਨਾਰ कच्नार् Kacnār [3] पुं०
कच्चनार (पुं०/नपुं०) पुं—कचनार का वृक्ष। नपुं०—कचनार फूल।

ਕਚਰਾ कच्रा Kacrā [1] पुं०
कर्चरी (स्त्री०) कचरा, कूड़ा-करकट।

ਕਚਰੀ कच्री Kacrī [3] स्त्री०
कर्चरी (स्त्री०) खरबूजे की जाति का फल-विशेष, काचरा; व्यञ्जन-विशेष।

ਕਚੂਰ कचूर् Kacūr [3] पुं०
कर्चूर (नपुं०) एक ओषधि, बूटी-विशेष।

ਕਚੌਰੀ कचौरी Kacaurī [3] स्त्री०
कच्चपूर (नपुं०) कचौड़ी।

ਕੱਚ कच्च् Kacc [3] पुं०
काच (पुं०) काच, शीशा।

ਕੱਚਾ कच्चा Kaccā [3] पुं०
कच्च (वि०) कच्चा, अपक्व।

ਕਛੌਟਾ कछौटा Kachauṭā [3] पुं०
कक्षपट (पुं०) छोटी धोती; घुटरनी; छोटा कच्छा।

ਕੱਛ[1] कच्छ् Kacch [3] स्त्री०
कक्ष (पुं०) कांख, बगल।

ਕੱਛ[2] कच्छ् Kacch [3] पुं०
कच्छ (पुं०/नपुं०) पुं०—नदी तट का भू-भाग, समुद्र-तट। नपुं०—कच्छा, जाँघिया।

ਕੱਛਾ कच्छा Kacchā [3] पुं०
कच्छ (नपुं०) कच्छा; जाँघिया; अधोवस्त्र।

ਕੱਛੀ कच्छी Kacchī [3] स्त्री०
कच्छिका (स्त्री०) छोटा कच्छा; अधोवस्त्र।

ਕੱਛੂ कच्छू Kacchū [3] पुं०
कच्छप (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕੱਛੂ-ਕੁੰਮਾ कच्छू-कुम्मा Kacchū-Kummā [3] पुं०
कच्छपकूर्म (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕਜਲਾ कज्ला Kajlā [2] पुं०
द्र०—ਕੱਜਲ।

ਕਜਲੋਠੀ कज्लोठी Kajloṭhī [2] स्त्री०
कज्जलकोष्ठ (पुं०) कजरौटी, काजल रखने का पात्र।

ਕੱਜਣਾ कज्ज्णा Kajjṇā [3] सक० क्रि०
कर्जति (भ्वादि सक०) ढकना, छिपाना।

ਕੱਜਲ कज्जल् Kajjal [3] पुं०
कज्जल (नपुं०) काजल, आँजन, सुरमा।

ਕਟ कट Kat [1] पुं०
कटि (स्त्री०) कटि, कमर।

ਕਟਹਿਰਾ कटैह्रा Kataihra [3] पुं०
काष्ठघर (नपुं०) कटघरा; दरवाजे की लकड़ी पर नक्काशी वाली चौखट; कटरा, बाजार।

ਕਟਕ कटक् Katak [3] पुं०
कटक (पुं०) कटक, सेना, कुमुक।

ਕਟਾਉਣਾ कटाउणा Katauna [3] सक० क्रि०
कर्तयति (चुरादि सक०) काटना; कतरना; कुतरना।

ਕਟਾਈ कटाई Katai [3] स्त्री०
कर्तन (नपुं०) कटाई, काटने का भाव।

ਕਟਾਖ कटाख् Katakh [3] पुं०
कटाक्ष (नपुं०) कटाक्ष, कनखी से देखने का भाव।

ਕਟਾਖਸ਼ कटाख्श् Katakhś [3] पुं०
द्र०—ਕਟਾਖ।

ਕਟਾਰ कटार् Katār [3] स्त्री०
कट्टार (पुं०) कटार, छुरी-विशेष।

ਕਟਾਰਾ कटारा Katāra [2] पुं०
द्र०—ਕਟਾਰ।

ਕਟਾਰੀ कटारी Katari [3] स्त्री०
द्र०—ਕਟਾਰ।

ਕੱਟਣਾ[1] कट्टणा Kattna [3] पुं०
कर्तन (नपुं०) काटना, काटने का भाव।

ਕੱਟਣਾ[2] कट्टणा Kattna [3] सक० क्रि०
कर्तयति (चुरादि सक०) काटना, टुकड़े करना; नष्ट करना।

ਕਠਪੁਤਲੀ कठ्पुत्ली Kathputli [3] स्त्री०
काष्ठपुत्तलिका (स्त्री०) कठपुतली।

ਕਠਿਨ कठिन्, Kathin [3] वि०
कठिन (वि०) कठिन, मुश्किल; कठोर; ठोस।

ਕਠਿਨਤਾ कठिन्ता Kathinta [3] स्त्री०
कठिनता (स्त्री०) कठिनाई; ठोसपना।

ਕਠਿਨਤਾਈ कठिन्ताई Kathintai [2] स्त्री०
द्र०—ਕਠਿਨਤਾ।

ਕਠੋਰਤਾ कठोर्ता Kathorta [3] स्त्री०
कठोरता (स्त्री०) कठोर का भाव; रूक्षता।

ਕਠੋਰਤਾਈ कठोर्ताई Kathortai [3] स्त्री०
कठोरता (स्त्री०) कठोर का भाव, ठोसपना, कड़ापन।

ਕੱਠ कट्ठ् Katth [3] पुं०
एकस्थ (पुं०) इकट्ठा, एकत्र।

ਕੱਠਾ कट्ठा Kattha [3] वि०
द्र०—ਇਕੱਠਾ।

ਕੱਢਣਾ कड्ढणा Kaddhna [3] सक० क्रि०
निष्कर्षति (भ्वादि सक०) काढ़ना; निकालना; खींचना।

ਕਣ कण् Kan [3] पुं०
कण (पुं०) अन्न, दाना।

ਕਣਕ कणक् Kanak [3] स्त्री०
कणक (पुं०) गेहूँ; अनाज, अन्न।

ਕਣੀ[1] कणी Kani [3] स्त्री०
कण (पुं०) जल-बिन्दु, चावल आदि का छोटा टुकड़ा, कनी।

ਕਣੀ[2] कणी Kani [3] स्त्री०
कणी/कणिका (स्त्री०) कनी, चावल आदि का टूटा छोटा भाग।

ਕਤਰਨਾ कतर्ना Katarna [3] सक० क्रि०
कर्तति (चुरादि सक०) कतरना, काट-छाँट करना; कुतरना।

ਕਤਰਨੀ कतर्नी Katarni [3] स्त्री०
कर्त्तरी (स्त्री०) कैंची; छुरी।

ਕਤੀਆ कतीआ Katia [3] पुं०
कर्तरिका (स्त्री०) लोहार आदि की कैंची।

ਕਤੀਰਾ कतीरा Katira [3] पुं०
कर्तर (पुं०) लोहार और सोनार की कैंची।

ਕੱਤਕ कत्तक् Kattak [3] पुं०
कार्तिक (पुं०) कार्तिक मास, स्वामी कार्तिकेय।

ਕੱਤਣ कत्तण् Kattan [3] पुं०
कर्त्तन (नपुं०) सूत कातने का भाव।

ਕੱਤਣਾ कत्तणा Kattna [3] सक० क्रि०
कृन्तति (तुदादि सक०) कातना; चरखे आदि पर सूत कातना; सूत बाटना।

ਕੱਤਣੀ कत्तणी Kattni [3] स्त्री०
कर्त्तन (नपुं०) सूत कातने की विधि या भाव।

ਕੱਤੇਂ कत्तें Kattẽ [1] पुं०
द्र०—ਕੱਤਕ।

ਕਥ कथ् Kath [1] स्त्री०
कथा (स्त्री०) कथा, कहानी।

ਕਥੱਕੜ कथक्कड़् Kathakkar [3] पुं०
कथक (वि०) कथक्कड़, वाचाल।

ਕਥਣਾ कथ्णा Kathna [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, बयान करना।

ਕਥਾਕ कथाक् Kathak [1] वि०
द्र०—ਕਥੱਕੜ।

ਕਥਿਤ कथित् Kathit [3] वि०
कथित (वि०) कहा हुआ, कथन किया हुआ, उक्त।

ਕਥੂਰੀ कथूरी Kathuri [3] स्त्री०
कस्तूरी (स्त्री०) कस्तूरी, मृगनाभि का गन्ध द्रव्य।

ਕਦ कद् Kad [3] अ०
कदा (अ०) कब, किस समय।

ਕਦੋਂ कदों Kadõ [3] अ०
द्र०—ਕਦ।

ਕਨਪੇੜਾ कन्पेड़ा Kanpera [3] पुं०
कर्णकण्डू (पुं०) कान के पास का फोड़ा।

ਕਨਾਤਰੇ कनात्रे Kanatre [3] पुं०
कर्णान्तर (नपुं०) कर्ण शष्कुली, कान का भीतरी भाग।

ਕਨੂਣੀ कनूणी Kanūṇi [1] स्त्री०
कर्णपुटी (स्त्री०) कान, कर्णपुट, कर्ण-कुहर।

ਕਨੂਰੀ कनूरी Kanūri [1] स्त्री०
द्र०—ਕਨੂਣੀ।

ਕਨੇਠਾ कनेठा Kaneṭha [2] पुं०
कनिष्ठ (वि०) छोटा पुत्रादि, सबसे छोटा।

ਕਨੇਡੂ कनेडू Kaneḍū [3] पुं०
कर्णकण्डू (पुं०) कान के बगल का फोड़ा।

ਕਨੇਰ कनेर् Kaner [3] पुं०
कर्णिकार (पुं०) कनेर, कनैल, कनइल।

ਕਨੇਲ कनेल् Kanel [1] पुं०
द्र०—ਕਨੇਰ।

ਕਨੌਜ कनौज् Kanauj [3] पुं०
कान्यकुब्ज (पुं०) उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र; ब्राह्मणों का एक भेद।

ਕਨੌਤਰੇ कनौत्रे Kanautre [1] पुं०
द्र०—ਕਨਾਤਰੇ।

ਕਨੌਤੀਆਂ कनौतिआँ Kanautiã [3] पुं०
कर्णान्तिक (नपुं०) कर्ण का अन्तिम छोर, कान के पास।

ਕਨ੍ਹੇੜਾ कन्हेड़ा Kanheṛa [2] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूलभाग।

ਕਨ੍ਹੇੜੀ कन्हेड़ी Kanheṛi [2] स्त्री०
द्र०—ਕਨ੍ਹੇੜਾ।

ਕੰਨ कन्न् Kann [3] पुं०
कर्ण (पुं०) कान, श्रवण।

ਕਪਟਭੇਖੀ कपट्भेखी Kapaṭ-Bhekhī [2] वि०
कपटवेषिन् (वि०) कपटी, धोखेबाज।

ਕਪੜਾਂਧ कप्ड़ाँध् Kapṛãdh [3] स्त्री०
कर्पटगन्ध (पुं०) कपड़ा जलने की गन्ध।

ਕਪੜੌਟੀ कप्ड़ौटी Kapṛauṭī [2] स्त्री०
कर्पटपट्टिका (स्त्री०) कपड़े की परत; परत किया हुआ कपड़ा।

ਕਪਾਸ कपास् Kapās [3] स्त्री०
कर्पास (पुं०) कपास का पौधा अथवा रूई।

ਕਪਾਹ कपाह् Kapāh [3] स्त्री०
द्र०—ਕਪਾਸ।

ਕਪਾਹਾ कपाहा Kapaha [1] वि०
कार्पास (वि०) सूती वस्त्र, कपास से सम्बन्धित।

ਕਪਾਹੀ कपाही Kapāhi [1] वि०
द्र०—ਕਪਾਹਾ।

ਕਪਾਲ कपाल् Kapāl [3] पुं०
कपाल (पुं०) शिर, मस्तक।

ਕਪਾਲਕ कपालक् Kapalak [3] **पुं०**
कापालिक (वि० / पुं०) वि०—कपाल धारण करने वाला। पुं०—शिव, महादेव।

ਕਪਿਲ कपिल् Kapil [3] **पुं०**
कपिल (पुं०) सांख्य-शास्त्र के प्रवर्त्तक कपिल मुनि; अग्नि; कुत्ता; शिव; पीतल धातु; सूर्य।

ਕਪੂਤ कपूत् Kapūt [3] **पुं०**
द्र०—ਕਪੁੱਤ।

ਕਪੂਰ कपूर् Kapūr [3] **पुं०**
कर्पूर (पुं०, नपुं०) कपूर, सुगन्धित पदार्थ।

ਕੱਪਣਾ कप्प्णा Kappṇā [1] **क्रि०**
द्र०—ਕੱਟਣਾ।

ਕੱਪੜ कप्पड़् Kappaṛ [1] **पुं०**
कर्पट (नपुं०) कपड़ा, वस्त्र।

ਕੱਪੜ-ਛਾਣ पड़्-छाण् Kappaṛ-chāṇ [3] **पुं०**
कर्पटचालन (नपुं०) कप्पड़छान, कपड़े से छानने की क्रिया।

ਕੱਪੜਾ कप्प्ड़ा Kappṛā [3] **पुं०**
कर्पट (पुं०) कपड़ा, वस्त्र।

ਕਬੱਡੀ कबड्डी Kabaḍḍī [3] **स्त्री०**
कवरी (स्त्री०) कबड्डी, खेल विशेष।

ਕਬਰਾ कब्रा Kabrā [1] **वि०**
कर्बर (वि०) चितकबरा, भूरा।

ਕਬਲਾ कब्ला Kablā [1] **पुं०**
द्र०—ਕਬਰਾ।

ਕਬੂਤਰ कबूतर् Kabūtar [3] **पुं०**
कपोत (पुं०) कबूतर पक्षी।

ਕੱਬ कब्ब् Kabb [2] **स्त्री०**
कर्व (पुं०) कुटिलता, वक्रता।

ਕੱਬਾ कब्बा Kabbā [2] **पुं०**
कर्व (वि०) कुटिल; पतित।

ਕਮਰ कमर् Kamar [3] **वि०**
कमर (वि०) कामासक्त, कामुक, उत्सुक।

ਕਮਰਖ कम्रख् Kamrakh [3] **पुं०**
कर्मरङ्ग (पुं०/नपुं०) पुं०—अमरख वृक्ष। नपुं०—अमरख फल।

ਕਮਾਈ कमाई Kamāī [3] **स्त्री०**
कर्मजा (स्त्री०) कमाई, काम करने की मजदूरी।

ਕਰ कर् Kar [3] **पुं०**
कर (पुं०) कर, लगान, टैक्स।

ਕਰਸੀ कर्सी Karsī [3] **भवि० क्रि०**
करिष्यति (तनादि सक० भवि०) करेगा।

ਕਰਹਲ कर्हल् Karhal [3] **पुं०**
क्रमेलक (पुं०) ऊँट।

ਕਰਹਲਾ कर्हला Karhalā [3] **पुं०**
कलहिन् (पुं०) कलही, झगड़ालू।

ਕਰਹਾ[1] कर्हा Karhā [3] **पुं०**

ਕਰਹਾ² करहा Karha [3] पुं०
करीष (पुं०, नपुं०) सूखे हुए उपलों का छोटा टुकड़ा या चूरा।

ਕਰਕਟ कर्कट् Karkat [3] पुं०
कर्कट (पुं०) केकड़ा, एक जल जन्तु।

ਕਰਕਾ कर्का Karka [2] वि०
करक (वि०) कठोर, कड़ा।

ਕਰਕੁੰਮਾ कर्कुम्मा Karkumma [1] पुं०
कूर्म (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕਰਤਬ कर्तब् Kartab [3] पुं०
कर्तव्य (नपुं०) चमत्कार, कलाबाजी।

ਕਰਤੱਵ करतव्व् Kartavv [3] पुं०
कर्तव्य (नपुं०) कर्तव्य, करने योग्य काम।

ਕਰਤਾ कर्ता Karta [3] पुं०
कर्ता (पुं० प्रथमान्त) करने वाला, करतार; भगवान्।

ਕਰਨਾ कर्ना Karna [3] सक० क्रि०
करोति (तनादि सक०) करना।

ਕਰਨੀ कर्नी Karni [3] स्त्री०
करणीय (वि०) कार्य, कर्म।

ਕਰਪਾਲ कर्पाल् Karpal [3] पुं०
करपाल (वि०) कर वसूलने वाला।

ਕਰਮ-ਖੇਤਰ करम्-खेतर् Karam-khetar [3] पुं०
कर्मक्षेत्र (नपुं०) कर्मक्षेत्र, कर्मभूमि, कार्य-स्थल।

ਕਰਮ-ਛੇਤਰ करम्-छेतर Karam-chetar [1] पुं०
द्र०—ਕਰਮ-ਖੇਤਰ।

ਕਰਮੰਡਲ कर्मण्डल् Karmandal [3] पुं०
कमण्डलु (पुं०) कमण्डल, पात्र विशेष।

ਕਰਵਟ कर्वट् Karvat [3] स्त्री०
करावर्त (पुं०) करवट, एक तरफ से दूसरी तरफ शरीर बदलने की क्रिया।

ਕਰਵਤ कर्वत् Karvat [3] पुं०
करपत्र (नपुं०) आरा, लोहार की आरी।

ਕਰਵੱਤਰ कर्वत्तर् Karvattar [3] पुं०
द्र०—ਕਰਵਤ।

ਕਰਵਾ कर्वा Karva [3] पुं०
करक (पुं०, नपुं०) करवा, झारा, जलपात्र।

ਕਰਵੀਲ कर्वील् Karvil [3] पुं०
करीर (पु०/नपुं०) करील का वृक्ष या फल।

ਕਰੜਾ कर्ड़ा Karra [3] पुं०
कर्दित (वि०) कड़ा, कठोर।

ਕਰਾਉਣਾ कराउणा Karauna [3] सक० क्रि०
कारयति (तनादि प्रेर०) कराना, करने की प्रेरणा देना।

ਕਰਾਂਡੀ करांडी Karadi [3] स्त्री०
करणी (स्त्री०) करनी, राजमिस्त्री का प्लास्टर करने का औजार।

ਕਰਿਆਨਾ कर्याना Karyana [3] पुं०
क्रयाणक (नपुं०) विक्रय-वस्तु।

ਕਰੀਹ करीह् Karīh [3] स्त्री०
करीष (पुं०,नपुं०) उपला, कण्डी; करषी।

ਕਰੀਰ करीर् Karīr [3] पुं०
करीर (पुं०, नपुं०) करीर, केर, कटीली झाड़ी और उसका फल।

ਕਰੁਣਾ करुणा Karuṇā [3] स्त्री०
करुणा (स्त्री०) करुणा, दया।

ਕਰੂ करू Karū [2] पुं०
क्रम (पुं०) एक प्रकार का माप।

ਕਰੂਆ करुआ Karuā [2] पुं०
करक (पुं०, नपुं०) करवा, झारा, जल-पात्र।

ਕਰੂਰ करूर् Karūr [3] वि०
क्रूर (वि०) कठोर, निर्दयी, हिंसक।

ਕਰੇਲਾ करेला Karelā [3] पुं०
कारवेल्लक (पुं०) करैला, सब्जी-विशेष।

ਕਰੋਪ करोप् Karop [3] पुं०
कोप (पुं०) कोप, क्रोध।

ਕਰੋੜ करोड़् Karoṛ [3] वि०
कोटि (स्त्री०) करोड़, सौ लाख।

ਕਰੌਤ करौत् Karaut [3] पुं०
करपत्र (नपुं०) आरा, लकड़ी चीरने का औजार।

ਕਰੌਂਦਾ करौंदा Karaūdā [2] पुं०
करमर्द (पुं०) कलौंदा, करौंदा।

ਕਰੰਗ करंग् Karaṅg [2] पुं०
करङ्क (पुं०) अस्थि-पञ्जर; खोपड़ी।

ਕਰੰਡ करण्ड् Karaṇḍ [3] स्त्री०
करण्ड (पुं०) टोकरी, पिटारी।

ਕਲ[1] कल् Kal [3] स्त्री०
कला (स्त्री०) कला, विद्या; मशीन, यन्त्र।

ਕਲ[2] कल् Kal [3] वि०
कल (वि०) मनोहर, सुन्दर।

ਕਲਸ਼ कलश् Kalaś [3] पुं०
कलश (पुं०) कलश, कलशा, घड़ा।

ਕਲਸਿਰਾ कल्सिरा Kalsirā [3] वि०
कृष्णशिरस् (वि०) काले शिर वाला।

ਕਲਹਾਰਾ कल्हारा Kalhārā [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू।

ਕਲਹਾਰੀ कल्हारी Kalhārī [3] स्त्री०
कलहकारिणी (स्त्री०) कलह करने वाली स्त्री, झगड़ालू स्त्री।

ਕਲਹਿਣਾ कल्हिणा Kalhiṇā [3] पुं०
कलहिन् (वि०) कलही, झगड़ालू।

ਕਲਹਿਣੀ कल्हिणी Kalhiṇī [3] स्त्री०
कलहिनी (स्त्री०) झगड़ालू स्त्री।

ਕਲਕ कलक् Kalak [3] पुं०
कल्क (पुं०, नपुं०) चूर्ण, लुगदी; विष्ठा; पाप; पाखण्ड; कान का मैल।

ਕਲੱਤਰ कलत्तर् Kalattar [3] स्त्री०
कलत्र (नपुं०) कलत्र, पत्नी, भार्या।

ਕਲਪ कलप् Kalap [3] पुं०
कल्प (पुं० / नपुं०) पु०—विधि, करने योग्य कर्म; वेद का एक अङ्ग। नपुं०—ब्रह्मा का एक दिन जो 4320000000 वर्ष का होता है।

ਕਲਪਣਾ[1] कल्पणा Kalpaṇā [3] सक० क्रि०
कल्पयति (चुरादि सक०) कल्पना करना, सोचना-विचारना।

ਕਲਪਣਾ[2] कल्पणा Kalpaṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) कलपना, कातर भाव से रोना, विलाप करना।

ਕਲਪਨਾ कल्पना Kalpanā [3] स्त्री०
कल्पना (स्त्री०) कल्पना; भावना।

ਕਲਾਉਂਤ कलाउंत् Kalaūt [2] वि०
कलावत् (वि०) कलाकार; संगीतज्ञ।

ਕਲਾਈ कलाई Kalāī [3] स्त्री०
कलाची (स्त्री०) कलाई, हाथ और बाँह का सन्धि-स्थान।

ਕਲਾਕਾਰ कलाकार् Kalākār [3] पुं०
कलाकार (पुं०) कलाकार; संगीतज्ञ।

ਕਲਾਚੱਕਰ कलाचक्कर् Kalācakkar [3] पुं०
कालचक्र (नपुं०) कालचक्र, समय; युग।

ਕਲਾਲ कलाल् Kalal [3] पुं०
कल्यपाल (पु०) मदिरा-विक्रेता; स्प्रिट अथवा शराब बेचने या साफ करने वाला; कलवार, एक जाति विशेष।

ਕਲਾਵਾ कलावा Kalāvā [3] पुं०
कलाप (पुं०) आलिंगन, आश्लेष।

ਕਲਿਸ਼ਟ कलिष्ट् Kaliṣṭ [3] वि०
क्लिष्ट (वि०) कठोर, क्लेशसहित, दुःखी।

ਕਲਿਹਾਰ कलिहार् Kalihār [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू।

ਕਲਿਹਾਰਾ कलिहारा Kalihārā [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू।

ਕਲੀ कली Kalī [3] स्त्री०
कली/कलिका (स्त्री०) कली, फूलों की कली; चूने की डली; कलई।

ਕਲੂਖਤ कलूखत् Kalūkhat [3] वि०
कलुषित (वि०) पापी, दोषी; कलङ्की।

ਕਲੇਸ਼ कलेश् Kaleś [3] पुं०
क्लेश (पुं०) दुःख; झगड़ा; चिन्ता; क्रोध; पञ्चक्लेश विशेष।

ਕਲੇਜਾ कलेजा Kaleja [3] पुं०
कालेयक (पुं०) कलेजा, जिगर।

ਕਲੇਜੀ कलेजी Kalejī [3] स्त्री०
कालेयक (नपुं०) कलेजा, यकृत्, जिगर खाद्य मांस।

ਕਲੇਲ ਕਲੇਲ Kalel [3] स्त्री०
कल्लोल (पुं०) किलोल, प्रसन्नता।

ਕਲੇਵਾ कलेवा Kaleva [3] पुं०
कल्यवर्त (पुं०) कलेवा, प्रातःकालीन जलपान, प्रातराश।

ਕਲੋਲ कलोल् Kalol [3] पुं०
कल्लोल (पुं०) पानी की लहर, तरङ्ग; मन की उमंग।

ਕਲੌਂਜੀ कलौंजी Kalaũjī [3] स्त्री०
कृष्णजीरक (नपुं०) काला जीरा; मंगरैल।

ਕਲੌਂਤ कलौंत् Kalaũt [3] वि०
द्र०—ਕਲਾਊਂਤ।

ਕਲੰਜ कलंज् Kalañj [3] पुं०
कलञ्ज (पुं०) जहरीले शस्त्र से घायल पशु या उसका मांस।

ਕਲੰਜਣ कलंजण् Kalañjaṇ [3] पुं०
कुलञ्जन (नपुं०) कुलंजन वृक्ष या उसका औषधरूप काष्ठ-खण्ड, जिससे गला साफ किया जाता है।

ਕੱਲਾ कल्ला Kalla [3] पुं०
एकल (पुं०) अकेला, एकाकी।

ਕੱਲ੍ਹ कल्ह् Kalh [3] पुं०
कल्य (नपुं०) कल, बीता हुआ अथवा आने वाला दिन।

ਕਵਣ कवण् Kavaṇ [3] सर्व०
को जनः (वाक्य) कौन, कौन व्यक्ति।

ਕਵਾੜਾ कवाड़ा Kavāṛā [3] पुं०
अपकार्य (नपुं०) गलत कार्य; कवाड़ा।

ਕਵਿਤਾ कविता Kavitā [3] स्त्री०
कविता (स्त्री०) कविता, कवि-कर्म।

ਕਵਿੱਤ कवित्त् Kavitt [3] पुं०
कवित्व (नपुं०) कवि का भाव, कर्म या धर्म।

ਕਵਿੱਤਰੀ कवित्तरी Kavittarī [3] स्त्री०
कवयित्री (स्त्री०) कवयित्री, कविता करने वाली स्त्री।

ਕਵੀਸ਼ਰ कवीशर् Kavīśar [3] पुं०
कवीश्वर (पुं०) कविश्रेष्ठ, महाकवि।

ਕੜਛਾ[1] कड़्छा Kaṛchā [3] पुं०
कररक्ष (पुं०) कड़छा; कड़ा, हाथ में पहना जाने वाला आभूषण।

ਕੜਛਾ[2] कड़्छा Kaṛchā [3] पुं०
कटच्छु (पुं०) करछुल, कड़छुल, दर्वी।

ਕੜਛੀ कड़्छी Kaṛchī [3] स्त्री०
कटच्छुल (पुं०) छोटी कड़छी, छोटी करछुल।

ਕੜਵਾ कड़्वा Kaṛvā [3] वि०
कटु (वि०) कड़्वा, तिक्त, तीता।

ਕੜਵਾਈ कड़्वाई Kaṛvāī [3] स्त्री०
कटु (पुं०) कड़वाहट, कड़वापन।

ਕੜਾ कड़ा Kaṛa [3] **पुं॰**
कटक (पुं॰, नपुं॰) कड़ा, कलाई में धारण करने का धातु निर्मित कड़ा।

ਕੜਾਹਾ कड़ाहा Kaṛaha [3] **पुं॰**
कटाह (पुं॰) कड़ाह, बड़ा पात्र-विशेष।

ਕੜਾਹੀ कड़ाही Kaṛahi [3] **स्त्री॰**
कटाही (स्त्री॰) कड़ाही, छोटा पात्र-विशेष।

ਕੜੀ[1] कड़ी Kaṛi [3] **स्त्री॰**
कटक (पुं॰, नपुं॰) छोटा कड़ा; जंजीर आदि का गोल कुण्डा।

ਕੜੀ[2] कड़ी Kaṛi [3] **स्त्री॰**
कटि (स्त्री॰) कड़ी, शहतीर, धरण।

ਕੜ੍ਹ कढ़् Kaṛh [2] **पुं॰**
क्वथ/क्वाथ (पुं॰) काढ़ा, क्वाथ।

ਕੜ੍ਹਨਾ कढ़्ना Kaṛhna [3] **सक॰ क्रि॰**
क्वथति (भ्वादि सक॰) काढ़ा बनाना; उबालना; पकाना।

ਕੜ੍ਹੀ कढ़ी Kaṛhi [3] **स्त्री॰**
क्वथित (स्त्री॰ / वि॰) स्त्री॰—कढ़ी। वि॰—उबाली हुई वस्तु।

ਕਾਂ कां Kā̃ [3] **पुं॰**
काक (पुं॰) कौआ, कौवा।

ਕਾਉਂ काऊँ Kaū [2] **पुं॰**
काक (पुं॰) कौआ, कौवा।

ਕਾਉਣੀ काउणी Kauṇi [3] **स्त्री॰**
काकी (स्त्री॰) कौवी, मादा कौआ।

ਕਾਇਆ काइआ Kaia [3] **स्त्री॰**
काय (पुं॰) काया, शरीर, देह।

ਕਾਇਕ काइक् Kaik [2] **वि॰**
कायिक (वि॰) दैहिक, शरीर-सम्बन्धी, शरीर का।

ਕਾਇਰ काइर् Kair [3] **वि॰**
कापुरुष (वि॰) कायर, भीरु, साहसहीन।

ਕਾਇਰਤਾ काइर्ता Kairta [3] **स्त्री॰**
कायरता (स्त्री॰) भीरुता, बुजदिली।

ਕਾਸ਼ਤੀ काश्ती Kasti [3] **स्त्री॰**
द्र॰—किश्ती।

ਕਾਂਸੀ[1] काँसी Kā̃si [3] **स्त्री॰**
काशी (स्त्री॰) काशी, वाराणसी नगर।

ਕਾਂਸੀ[2] काँसी Kā̃si [3] **स्त्री॰**
कांस्य (नपुं॰) काँसा धातु।

ਕਾਹ काह् Kah [2] **पुं॰**
काश (पुं॰) काश, सरकण्डा।

ਕਾਹੀ काही Kahi [3] **स्त्री॰**
काश (पुं॰) काश, सरकण्डा।

ਕਾਕੜਾ काकड़ा Kakṛa [3] **पुं॰**
करका (स्त्री॰) ओला; दुर्गा देवी।

ਕਾਗ काग् Kag [3] **पुं॰**
काक (पुं॰) कौआ, कौवा।

ਕਾਗੁਰ काग़ुर् Kagur [1] पुं०
काकबलि (पुं०) श्राद्धादि में कौओं को दिया जाने वाला अन्न ।

ਕਾਛਲ काछल् Kachal [2] स्त्री०
द्र०—ਕਾਛੜ ।

ਕਾਛੜ काछड़् Kachaṛ [1] स्त्री०
कच्छ (पुं०) नदीतट, नदी का कछार ।

ਕਾਜ काज् Kaj [3] पुं०
कार्य (नपुं०) कार्य, काम ।

ਕਾਂਜੀ काँजी Kãji [3] स्त्री०
काञ्जीक (नपुं०) एक प्रकार का खट्टा रस, जो राई इत्यादि के मेल से बनता है ।

ਕਾਂਟਾ काँटा Kãṭa [3] पुं०
कण्टक (पुं०) काँटा; डंक; रोमांच; व्याधि, रोग ।

ਕਾਠ काठ् Kaṭh [3] पुं०
काष्ठ (नपुं०) काठ, लकड़ी ।

ਕਾਠੀ काठी Kaṭhi [3] स्त्री०
काष्ठी (स्त्री०) काठी, ढाँचा, फ्रेम ।

ਕਾਂਡੀ[1] कांडी Kanḍi [3] स्त्री०
कण्डिका (स्त्री०) करनी, राज मिस्त्री का प्लास्टर करने का औजार ।

ਕਾਂਡੀ[2] कांडी Kãḍi [3] स्त्री०
कण्डिका (स्त्री०) वेद की शाखा; जन्म-पत्री ।

ਕਾਣਾ काणा Kaṇa [3] पुं०
काण (वि०) काना, किसी एक नेत्र में अधिक विकार वाला ।

ਕਾਤ कात् Kat [3] स्त्री०
कर्त्री (स्त्री०) स्वर्णकार अथवा लौहकार की कैंची ।

ਕਾਤਰ कातर् Katar [3] पुं०
कर्तन (नपुं०) कतरन, टुकड़ा ।

ਕਾਤੀ काती Kati [3] स्त्री०
द्र०—ਕਾਤ ।

ਕਾਂਦੂ काँदू Kãdū [3] पुं०
कान्दविक (पुं०) भड़भूजा; हलवाई ।

ਕਾਨਾ काना Kana [3] पुं०
काण (वि०) काणा, काना, एकाक्ष ।

ਕਾਨੀ कानी Kani [3] स्त्री०
काण्ड (पुं०, नपुं०) बाण, तीर ।

ਕਾਨ੍ਹ कान्ह् Kanh [3] पुं०
कृष्ण (वि० / पुं०) वि०—काला, गहरा नीला । पुं०—भगवान् श्रीकृष्ण ।

ਕਾਨ੍ਹਾ कान्हा Kanha [3] पुं०
कृष्ण (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण ।

ਕਾਪੜੀ काप्ड़ी Kapṛi [3] पुं०
कार्पटिक (पुं०) तीर्थयात्री, फकीर ।

ਕਾਪੁਰਖ कापुरख् Kapurakh [3] वि०
कापुरुष (वि०) कायर, डरपोक, भीरु ।

ਕਾਫ਼ਿਰਸਤਾਨ काफ़िर्सतान् Kaphirstan [3] पुं०
कपिशस्थान (नपुं०) अफगानिस्तान और हिन्दुकुशपर्वत के मध्य का देश एवं वहाँ के निवासी।

ਕਾਬਰੀ काब्री Kābri [3] **स्त्री०**
कम्बली / कम्बलिका (स्त्री०) कम्बल, कमली, कमरी।

ਕਾਂਬਾ काँबा Kāba [3] पुं०
कम्प (पुं०) कम्पन, कंपकंपी।

ਕਾਬੁਲ काबुल् Kābul [3] पुं०
कुभा (स्त्री०) एक नदी जो अफगानिस्तान में बहती है तथा अटक के पास सिन्धु नदी में गिरती है।

ਕਾਮ काम् Kām [3] पुं०
कर्मन् (नपुं०) कर्म, काम, कार्य।

ਕਾਮਣ कामण् Kāman [2] पुं०
कार्मण (नपुं०) जादू; तन्त्र-विद्या।

ਕਾਮਧੇਨ कामधेन् Kāmdhen [3] **स्त्री०**
कामधेनु (स्त्री०) समुद्र मन्थन से निकली हुई एक गाय, जो देवलोक में है।

ਕਾਮਨੀ काम्नी Kāmni [3] **स्त्री०**
कामिनी (स्त्री०) सुन्दर स्त्री, कामना वाली।

ਕਾਮਾ कामा Kāma [3] पुं०
कार्म (पुं०) परिश्रमी, खेत का मजदूर।

ਕਾਮਕ कामुक् Kamuk [3 वि०
कामुक (वि०) कामी, कामना वाला, कामनायुक्त।

ਕਾਰਜ कारज् Karaj [3] पुं०
कार्य (नपुं०) कार्य, काम।

ਕਾਰਣ कारण् Karan [3] पुं०
कारण (नपुं०) निमित्त, हेतु।

ਕਾਲ काल् Kal [3] पुं०
काल (पुं०) समय; मृत्यु।

ਕਾਲਖ कालख् Kalakh [3] **स्त्री०**
कालुष्य (नपुं०) कालिख; मलिनता; दोष।

ਕਾਲਜਾ काल्जा Kalja [3] पुं०
कालेयक (पुं०) कलेजा, जिगर।

ਕਾਲਪੁਰਖ काल्पुरख् Kalpurakh [3] पुं०
कालपुरुष (पुं०) अकालपुरुष, परब्रह्म।

ਕਾਲਾ काला Kala [3] पुं०
काल (वि०) काला, गहरा नीला।

ਕਾਲੀਮਿਰਚ कालीमिर्च् Kalimirc [3] **स्त्री०**
कृष्णमरिच (नपुं०) कालीमिर्च।

ਕਾਵਿ काव् Kav [3] पुं०
काव्य (नपुं०/पुं०) नपुं०—कवि का कर्म, रसयुक्त कविता। पुं०—शुक्राचार्य।

ਕਾੜ੍ਹਨਾ काढ़्ना Karhna [2] **सक० क्रि०**
क्वथति (भ्वादि सक०) खौलाना, उबालना; काढ़ा बनाना।

ਕਾੜ੍ਹਾ काढ़ा Katha [2] **पुं०**
क्वाथ (पुं०) क्वाथ, औषधियों का काढ़ा।

ਕਿਉਂ किउँ Kiū [3] **अ०**
किमु (अ०) क्यों, जिज्ञासा बोधक शब्द।

ਕਿਉੜਾ क्योड़ा Kyora [3] **पुं०**
केतकी (स्त्री०) क्योड़ा, क्योड़े का वृक्ष या पुष्प।

ਕਿਆਰਾ क्यारा Kyara [3] **पुं०**
केदार (पुं०) क्यारी, छोटा खेत।

ਕਿਆਰੀ क्यारी Kyari [3] **स्त्री०**
केदारिका (स्त्री०) छोटी क्यारी।

ਕਿਆੜੀ क्याड़ी Kyaṛi [3] **स्त्री०**
कृकाटिका / कृकाटी (स्त्री०) गर्दन की जोड़, खोपड़ी का पिछला भाग।

ਕਿਸਾਣ किसाण् Kisaṇ [3] **पुं०**
कृषाण (पु०) किसान, खेतिहर, कृषक।

ਕਿਹਰ किहर् Kihar [3] **पुं०**
केसरिन् (पुं०) केसरी, सिंह।

ਕਿਹਾ¹ किहा Kiha [3] **वि०**
कथित (वि०) कथित, कहा हुआ।

ਕਿਹਾ² किहा Kiha [3] **पुं०**
कीदृश (वि०) कैसा, किस तरह का।

ਕਿੱਕਰ किक्कर् Kikkar [3] **पुं०**
किङ्कराल (पुं०) कीकर वृक्ष, बबूल का पेड़।

ਕਿਚਰ किचर् Kicar [3] **क्रि० वि०**
कियच्चिरम् (अ०) कितना पुराना, कबतक।

ਕਿਤੜਾ कित्ड़ा Kitra [1] **वि०**
कियत् (सर्व०) कितना, वस्तु के परिमाण-विषयक प्रश्न का वाचक।

ਕਿਥਾਂ किथाँ Kithā̃ [1] **सर्व०**
किं स्थानम् (वाक्य) कौन-सी जगह।

ਕਿੱਥੇ कित्थे Kitthe [3] **अ०**
कस्मिन् स्थाने (क्रि० वि०) कहीं, किस स्थान पर।

ਕਿੱਦਣ किद्दण् Kiddaṇ [3] **अ०**
कस्मिन् दिने (क्रि० वि०) किस दिन, कब।

ਕਿਰਸਾਣ किर्साण् Kirsaṇ [3] **पुं०**
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर, कृषक।

ਕਿਰਸਾਨ किर्सान् Kirsan [3] **पुं०**
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर।

ਕਿਰਖ किरख् Kirakh [3] **स्त्री०**
कृषि (स्त्री०) खेती, कृषि।

ਕਿਰਤ किरत् Kirat [2] **पुं०**
कृत्य (नपुं०) कर्म, काम।

ਕਿਰਤੱਗ किर्तग्ग् Kirtagg [3] **वि०**
कृतज्ञ (वि०) कृतज्ञ, किये हुए उपकार को स्वीकार करने वाला।

ਕਿਰਤਘਣ किर्तघण् Kutaghan [3] **वि०**
कृतघ्न (वि०) कृतघ्न, किये हुए उपकार को न स्वीकार करने वाला।

ਕਿਰਤਮ किर्तम् Kirtam [3] **वि०**
कृत्रिम (वि०) बनावटी, कल्पित।

ਕਿਰਤਾਰਥ किर्तारथ् Kirtarath [3] **वि०**
कृतार्थ (वि०) सफल मनोरथ वाला, कृत-कृत्य, कृतकार्य।

ਕਿਰਤੀ किर्ती Kirti [2] **वि०**
कृत्यिन् (वि०) कृत्य करने वाला, मेहनती।

ਕਿਰਨ किर्न् Kiran [2] **स्त्री०**
किरण (पुं०) प्रकाश; किरण, धूलि।

ਕਿਰਨਾ किर्ना Kirna [3] **सक० क्रि०**
कीर्यते (तुदादि कर्म वा०) बिखरना, पृथक् पृथक् होना।

ਕਿਰਪਣ किर्पण् Kirpaṇ [3] **वि०**
कृपण (वि०) कृपण, कंजूस।

ਕਿਰਪਨ किर्पन् Kirpan [3] **वि०**
द्र०—ਕਿਰਪਣ।

ਕਿਰਪਾ किर्पा Kirpa [3] **स्त्री०**
कृपा (स्त्री०) कृपा, दया।

ਕਿਰਪਾਨ किर्पान् Kirpān [3] **स्त्री०**
कृपाण (पुं०) कृपाण, तलवार।

ਕਿਰਪਾਲ किर्पाल् Kirpal [3] **वि०**
कृपालु (वि०) कृपा करने वाला, दयालु।

ਕਿਰਮ किरम् Kiram [3] **पुं०**
कृमि (पुं०) कीड़ा, कीट।

ਕਿਰਲਾ किर्ला Kirla [2] **पुं०**
कृकलास (पुं०) गिरगिट, सरट्।

ਕਿਰਲੀ किर्ली Kirli [3] **स्त्री०**
कृकलासी (स्त्री०) छिपकली; छोटा गिरगिट।

ਕਿਰੜਨਾ किरड़्ना Kiraṛna [3] **सक० क्रि०**
किटकिटायते (नामधातु सक०) क्रोध में बोलना, दाँत पीसना।

ਕਿਰਾਉਣਾ किराउणा Kirāuṇa [1] **सक० क्रि०**
किरति (तुदादि सक०) बिखरना, छीटना; ढरकाना; लुढ़काना; बोना।

ਕਿਰਿਆ किर्या Kirya [3] **स्त्री०**
क्रिया (स्त्री०) क्रिया, कर्म; श्राद्ध सम्बन्धी क्रिया।

ਕਿਲਕ किलक् Kilak [1] **पुं०**
कीलक (नपुं०) कीला, खूँटा।

ਕਿਲਵਿਖ किल्विख् Kilvikh [3] **पुं०**
किल्विष (नपुं०) पाप; दोष, गुनाह।

ਕਿੱਲ किल्ल् Kill [3] **पुं०**
कील (पुं०, नपुं०) काँटी, कील।

ਕਿੱਲਣਾ किल्लणा Killaṇa [2] **सक० क्रि०**
कीलति (भ्वादि सक०) कील ठोकना, बाँधना, कीलों से मजबूत करना।

ਕਿੱਲਾ किल्ला Killa [3] पुं०
कील (पुं०, नपुं०) खूँटा, किल्ला ।

ਕਿੱਲੀ किल्ली Killi [3] स्त्री०
कीलकी (स्त्री०) खूँटी, किल्ली ।

ਕਿੱਲ੍ਹਣਾ किल्ल्हणा Killhaṇa [2] सक० क्रि०
कीलति (भ्वादि सक०) पूरा जोर लगाना ।

ਕਿਵਾੜ किवाड़ Kivaṛ [3] पुं०
कपाट (पुं०, नपुं०) कपाट, किवाड़ ।

ਕਿਵੇਂ किवें Kivẽ [3] अ०
कथम् (अ०) कैसे, प्रश्न-सूचक शब्द ।

ਕਿੜ किड़ Kiṛ [3] पुं०
कीट (पुं०) कीट-पतंग, कीड़ा ।

ਕਿੜਕੜਾਉਣਾ किड़कड़ाउणा Kiṛkaṛauṇa [3] सक० क्रि०
किटकिटायते (नामधातु सक०) क्रोध में बोलना, दाँत पीसना ।

ਕਿੜਕਿੜਾਉਣਾ किड़किड़ाउणा Kiṛkiṛauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਕਿੜਕੜਾਉਣਾ ।

ਕੀ की Ki [3] अ०
किम् (अ०) क्या, प्रश्न-सूचक ।

ਕੀਟਾਣੂ कीटाणू Kiṭaṇū [3] पुं०
कीटाणु (पुं०) कीटाणु, कीड़ा ।

ਕੀਤਾ कीता Kita [3] वि०
कृत (वि०) सम्पादित, किया हुआ, कार्य ।

ਕੀਰਤ कीरत् Kirat [3] स्त्री०
कीर्ति (स्त्री०) कीर्ति, यश, प्रतिष्ठा ।

ਕੀਰਾ कीरा Kira [1] पुं०
द्र०—ਕੀੜਾ ।

ਕੀਲਣਾ कीलणा Kilṇa [3] सक० क्रि०
कीलति (भ्वादि सक०) कील से बाँधना, मंत्र आदि से एक स्थान पर टिका देना ।

ਕੀੜਾ कीड़ा Kiṛa [3] पुं०
कीट (पुं०) कीड़ा-मकोड़ा ।

ਕੀੜੀ कीड़ी Kiṛi [3] स्त्री०
कीटी (स्त्री०) चींटी; दीमक ।

ਕੁਆਰ[1] क्वार् Kvar [3] पुं०
कौमार्य (नपुं०) कुमारावस्था, कौमार्य ।

ਕੁਆਰ[2] क्वार् Kvar [3] स्त्री०
घृतकुमारी (स्त्री०) घीकुँवार, घृत-कुमारी पौधा ।

ਕੁਆਰਪੁਣਾ क्वार्पुणा Kvarpuṇa [3] पुं०
कुमारपण (पुं०) कुमारपन, कुवाँरापन, कौमार्य ।

ਕੁਆਰਾ क्वारा Kvara [3] पुं०
कुमार (पुं०) कुमार, अविवाहित लड़का, क्वारा ।

ਕੁਆਰੀ क्वारी Kvarī [3] **स्त्री०**
कुमारी (स्त्री०) कुमारी, अविवाहित लड़की, कन्या।

ਕੁਸ਼ਟ कुशट् Kuśaṭ [3] **पुं०**
कुष्ठ (पुं०) कोढ़, रोग-विशेष।

ਕੁਸਮ कुसम् Kusam [3] **पुं०**
कुसुम (नपुं०) पुष्प, फूल।

ਕੁਸਮਾ कुस्मा Kusmā [3] **पुं०**
कुसमय (पुं०) खोटा समय, मुसीबत की घड़ी।

ਕੁਸ਼ਲਖੇਮ कुशल्खेम् Kuśalkhem [3] **पुं०**
कुशलक्षेम (नपुं०) कुशलक्षेम, कुशल-मङ्गल।

ਕੁਸ਼ਲਤਾਈ कुशल्ताई Kuśaltāī [1] **स्त्री०**
कुशलता (स्त्री०) कुशलता, चतुराई।

ਕੁਸ਼ਾ कुशा Kuśā [3] **स्त्री०**
कुश/कुशा (पुं०/स्त्री०) कुश, यज्ञ में प्रयोग में लाई जाने वाली घास-विशेष।

ਕੁਸੁੱਧ कुसुद्ध् Kusuddh [3] **वि०**
कुशुद्ध > अशुद्ध (वि०) अशुद्ध, अपवित्र।

ਕੁਸੁੱਧਾ कुसुद्धा Kusuddhā [3] **वि०**
द्र०—ਕੁਸੁੱਧ।

ਕੁਸੁੰਭ कुसुम्भ् Kusumbh [3] **पुं०/वि०**
कुसुम्भ (पुं० / नपुं० / वि०) पुं०—कुसुमी रंग, कुसुम्भ की बेल। नपुं०—कुसुम्भ पुष्प। वि०—कुसुम्भी रंग वाला।

ਕੁਸੁੰਭਾ कुसुम्भा Kusumbhā [3] **पुं०**
कुसुम्भ (पुं०/नपुं०) पुं०—कुसुंभ पौधा; कुसुम्भी वर्ण। नपुं०—केसर, पराग।

ਕੁਹਾੜਾ कुहाड़ा Kuhāṛā [3] **पुं०**
कुठार (पुं०) कुठार, कुल्हाड़ा, फरसा।

ਕੁਹਾੜੀ कुहाड़ी Kuhāṛī [3] **स्त्री०**
कुठारिका (स्त्री०) कुल्हाड़ी, कुठार।

ਕੁੱਕੜ कुक्कड़् Kukkaṛ [3] **पुं०**
कुक्कुट (पुं०) मुर्गा, पक्षी-विशेष।

ਕੁੱਕੜੀ कुक्कड़ी Kukkṛī [3] **स्त्री०**
कुक्कुटी (स्त्री०) मुर्गी, मादा मुर्गा।

ਕੁੱਖ कुक्ख् Kukkh [3] **स्त्री०**
कुक्षि (पुं०) उदर, पेट, कोख।

ਕੁਚੱਜ कुचज्ज् Kucajj [3] **पुं०**
कुचर्य (नपुं०) काम करने का गलत ढंग, कदाचरण।

ਕੁਚੱਜੀ कुचज्जी Kucajjī [3] **पुं०**
कुचर्यिन् (वि०) बुरे आचरण वाला, दुराचारी।

ਕੁਚਲ कुचल् Kucal [3] **पुं०**
कुचल (पुं०/वि०) पुं०—कुत्सित आचरण, खराब चाल-चलन। वि०—चरित्रहीन।

ਕੁਚਲਾ कुच्ला Kucla [3] पुं०
कच्चीर (पुं०/नपुं०) पुं०—कुचला वृक्ष। नपुं० –कुचला फल।

ਕੁਚਾਲ कुचाल् Kucal [3] वि०/पुं०
कुचाल (वि० / पुं०) वि० –कुचाली, चरित्रहीन। पुं०—कुत्सित आचरण।

ਕੁਚਾਲਾ कुचाला Kucala [3] पुं०
कुचाल (पुं०) कुत्सित आचरण, बुरा आचरण।

ਕੁਚੀਲ कुचील् Kucil [3] पुं०
कुचैल (वि०) मैले कपड़े वाला।

ਕੁੱਚ कुच्च् Kucc [3] पुं०
कूर्च (नपुं०) कूंची; दाढ़ी।

ਕੁੱਛ कुच्छ् Kucch [1] अ०
किञ्चित् (अ०) किञ्चित्, कुछ; थोड़ा।

ਕੁੱਛੜ कुच्छड़् Kucchaṛ [3] स्त्री०
कुक्षिस्थल (पुं०) गोद, क्रोड, उत्संग।

ਕੁੰਜ[1] कुञ्ज् Kuñj [3] स्त्री०
कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सांप आदि की केंचुली।

ਕੁੰਜ[2] कुञ्ज् Kuñj [3] स्त्री०
क्रौञ्च/क्रुञ्च (पुं०) क्रौञ्च; सारस; जलमुर्ग।

ਕੁਜਾਤ कुजात् Kujat [3] वि०
कुजाति (वि०) छोटी जाति का व्यक्ति।

ਕੁੰਜੀ कुंजी Kuñji [3] स्त्री०
कुञ्चिका (स्त्री०) ताली, चाबी, कुंजी।

ਕੁਟਿਲ कुटिल् Kuṭil [3] वि०
कुटिल (वि०) टेढा; कपटी, धूर्त; गुच्छेदार।

ਕੁਟੰਬ कुटुम्ब् Kuṭumb [3] पुं०
कुटुम्ब (पुं०, नपुं०) सम्बन्धी; कुटुम्ब, परिवार।

ਕੁੱਟਣਾ[1] कुट्ट्णा Kuṭṭṇa [3] सक० क्रि०
कूटयते (चुरादि सक०) कूटना; पीटना।

ਕੁੱਟਣਾ[2] कुट्ट्णा Kuṭṭṇa [1] पुं०
कुट्टन (वि०) कुटनाई करने वाला; दलाली करने वाला।

ਕੁੱਟਣੀ कुट्ट्णी Kuṭṭṇī [3] स्त्री०
कुट्टनी (स्त्री०) कुटनी, कुटनाई करने वाली; दूती।

ਕੁੱਟੀ कुट्टी Kuṭṭī [3] स्त्री०
कर्तित (नपुं०) पुआल आदि चारे की कुट्टी।

ਕੁੰਠ कुण्ठ् Kuṇṭh [3] वि०
कुण्ठित (वि०) कुण्ठित, कुण्ठा-ग्रस्त; मूर्ख।

ਕੁੱਠ कुट्ठ् Kuṭṭh [3] स्त्री०
कुष्ठ (पुं०, नपुं०) एक प्रकार की ओषधि जो Auckland Chstus से तैयार की जाती है तथा जिसका व्यवहार ज्वर में किया जाता है।

ਕੁੱਠਣਾ कुट्ठणा Kutthna [3] सक० क्रि०
कुष्णाति (क्र्यादि सक०) जान से मारना, हत्या करना।

ਕੁੰਡ कुण्ड् Kund [3] स्त्री०
कुण्ड (पुं०, नपुं०) कुण्ड; छोटा तालाब; पानी रखने का मटका।

ਕੁੰਡਲ कुण्डल् Kundal [3] पुं०
कुण्डल (नपुं०) कर्णफूल; गोलायित तार; बैल के गर्दन की घण्टी।

ਕੁੰਡਲੀ कुण्डली Kundali [3] स्त्री०
कुण्डली (स्त्री०) गोलायित तार; अंगूठी।

ਕੁੰਡਾਲਾ कुण्डाला Kundala [1] पुं०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का पात्र; छोटा तालाब।

ਕੁੰਢ कुण्ढ् Kundh [2] वि०
कुण्ठ (वि०) मूर्ख, मन्द बुद्धि; मन्द।

ਕੁਣਕਾ कुण्का Kunka [3] पुं०
कणिका (स्त्री०) कण, चावल या दाने का छोटा कण।

ਕੁਤਰਕ कुत्रक् Kutrak [3] पुं०
कुतर्क (पुं०) गलत दलील, असंगत वचन।

ਕੁੱਤਾ कुत्ता Kutta [3] पुं०
कुर्कुर (पुं०) कुत्ता, कुक्कुर, कूकर।

ਕੁੱਤੀ कुत्ती Kutti [3] स्त्री०
कुर्कुरी (स्त्री०) कुत्ती, कुक्कुरी, कूकरी।

ਕੁਥਾਂ कुथाँ Kuthã [3] पुं०
कुस्थान (नपुं०) कुठाँव, कुत्सित स्थान, खराब जगह।

ਕੁਥਾਉਂ कुथाऊँ Kuthaũ [3] स्त्री०
द्र०—ਕੁਥਾਂ।

ਕੁਥਾਏਂ कुथाएँ Kuthaẽ [3] स्त्री०
द्र०—ਕੁਥਾਂ।

ਕੁਦਮ कुदम् Kudam [3] पुं०
कूर्दन (नपुं०) कूदने या उछलने का भाव, उछाल।

ਕੁਦਾਲ कुदाल् Kudal [3] पुं०
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) कुदाल, फावड़ा, खनित्र।

ਕੁਦਾਲਾ कुदाला Kudala [2] पुं०
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) कुदाल, फावड़ा, खनित्र।

ਕੁਦਾਲੀ कुदाली Kudali [2] स्त्री०
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) छोटा कुदाल, छोटा फावड़ा।

ਕੁੱਦ कुद्द् Kudd [1] स्त्री०
कूर्दन (नपुं०) कूद, उछल-कूद, कूदने का भाव।

ਕੁੱਦਣਾ कुद्दणा Kuddna [3] अक० क्रि०
कूर्दते (भ्वादि अक०) कूदना; उछलना।

ਕਨਬਾ कुनबा Kunba [1] पुं०
कुटुम्ब (नपुं०) कुटुम्ब, सम्बन्धी; सजातीय, सगोत्र।

ਕੁੰਨਾ कुंना Kunna [3] पुं०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का कुण्ड; मिट्टी का बड़ा पात्र; छोटा तालाब।

ਕੁਨਾਲਾ कुनाला Kunala [1] पुं०
कुण्ड (नपुं०) मिट्टी की बड़ी परात।

ਕੁਨਾਲੀ कुनाली Kunālī [1] स्त्री०
कुण्ड (नपुं०) मिट्टी की बनी कराही; पानी रखने का घड़ा।

ਕੁੰਨ੍ਹੀ कुन्ही Kunnhī [3] स्त्री०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का मिट्टी का पात्र, बड़ा कूँड़ा।

ਕੁਪੱਥ[1] कुपत्थ् Kupatth [1] पुं०
कुपथ्य (वि०) कुपथ्य, अनुचित आहार, अपच भोजन।

ਕੁਪੱਥ[2] कुपत्थ् Kupatth [1] पुं०
कुपथ (पु०) कुमार्ग, बुरा रास्ता।

ਕੁਪੀਨ कुपीन् Kupīn [3] पुं०
कौपीन (नपुं०) योगियों की पतली लंगोटी।

ਕੁਪੁੱਤ कुपुत्त् Kuputt [3] पुं०
कुपुत्र (पुं०) कुपुत्र, कुत्सित आचरण वाला पुत्र।

ਕੁਪੁੱਤਰ कुपुत्तर् Kuputtar [3] पुं०
द्र०—ਕੁਪੁੱਤ।

ਕੁੱਪਾ कुप्पा Kuppa [3] पुं०
कूपक (पुं०) तेल डालने का कुप्पा-कुप्पी।

ਕੁਬਜ कुबज् Kubaj [3] पुं०
कुब्ज (वि०) कूबड़ा, कूबड़ वाला।

ਕੁਬੜਾ कुब्ड़ा Kubṛa [2] पुं०
कुब्ज (वि०) कूबड़ा, कुब्जक।

ਕੁੱਬ कुब्ब् Kubb [3] पुं०
कुब्ज (नपुं०) कूबड़, ककुद्, पीठ का कूबड़।

ਕੁੰਭ कुम्भ् Kumbh [3] पुं०
कुम्भ (पुं०) पात्र, घड़ा, ताम्रपात्र।

ਕੁੰਭਾ कुम्भा Kumbha [1] पुं०
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ।

ਕੁੰਭੀ कुम्भी Kumbhī [3] स्त्री०
कुम्भी (स्त्री०) कुम्भी, छोटा घड़ा।

ਕੁਮੱਤ कुमत्त् Kumatt [3] स्त्री०
कुमति (स्त्री०) कुमति, दुर्मति, दुर्बुद्धि।

ਕੁਮਿਹਾਰ कुमिहार् Kumihār [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार जाति, मिट्टी से घड़े आदि गढ़ने वाली एक जाति।

ਕੁਮਿਹਾਰੀ कुमिहारी Kumihārī [1] स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हार की स्त्री, कुम्हारिन।

ਕੁੰਮੀਂ कुंमी Kummi [3] स्त्री०
कूर्मी (स्त्री०) कच्छपी, मादा कच्छप।

ਕੁਮ੍ਹਾਰ कुम्हार् Kumhar [2] पुं०
कुम्भकार (वि०) कुम्हार जाति, मिट्टी के घड़े आदि गढ़ने वाली जाति।

ਕੁੰਮਾ कुम्मा Kumma [3] स्त्री०
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ।

ਕੁਰਕਟ कुर्कट् Kurkaṭ [1] पुं०
कुक्कुट (पुं०) मुर्गा, पक्षी-विशेष।

ਕੁਰਛੇਤਰ कुर्छेतर् Kurchetar [3] पुं०
कुरुक्षेत्र (नपुं०) कुरुक्षेत्र जहाँ कौरव पाण्डवों का विश्व विख्यात युद्ध महाभारत हुआ था, एक तीर्थ स्थान।

ਕੁਰਲ कुरल् Kural [3] पुं०
कुरर (पुं०) कुरर पक्षी, क्रौञ्च पक्षी।

ਕੁਰੀਤ कुरीत् Kurit [3] स्त्री०
कुरीति (स्त्री०) कुरीति, कुप्रथा।

ਕੁਰੁੰਡ कुरुंड Kuruṇḍ [1] पुं०
कुरुविन्द (पुं०, नपुं०) माणिक्य, एक प्रकार का बहुमूल्य खनिज पदार्थ।

ਕੁਰੁਨ कुरुन् Kurun [1] पुं०
क्रमुक (पुं० / नपुं०) पुं०—शहतूत का पेड़। नपुं०—शहतूत का फल।

ਕੁਰੂਖੇਤਰ कुरूखेतर् Kurūkhetar [1] पुं०
कुरुक्षेत्र (नपुं०) कुरुक्षेत्र जहाँ कौरव-पाण्डव का विश्व प्रसिद्ध युद्ध महाभारत हुआ था, एक तीर्थ स्थान।

ਕੁਰੂਪ कुरूप् Kurūp [3] पुं०
कुरूप (वि०) भद्दा रूपवाला।

ਕੁਰੰਗ कुरंग् Kuraṅg [1] पुं०
कुरङ्ग (पुं०) कुरंग, एक प्रकार का हरिण, कृष्णसार मृग।

ਕੁਰੰਡੀ कुरन्डी Kurandi [1] स्त्री०
कुण्डली (स्त्री०) साँप की कुण्डली।

ਕੁਲ कुल् Kul [3] पुं०
कुल (नपुं०) वंश, परिवार; उच्च कुल।

ਕੁਲਹਾੜਾ कुल्हाड़ा Kulhaṛa [3] पुं०
कुठार (पुं०) कुल्हाड़ा; फरसा।

ਕੁਲਹਾੜੀ कुल्हाड़ी Kulhaṛi [3] स्त्री०
कुठारी (स्त्री०) कुल्हाड़ी, छोटा-फरसा।

ਕੁਲਹਿਣਾ कुल्हिणा Kulhiṇa [3] स्त्री०
कलहिन् (वि०) कलहकारी, झगड़ालू।

ਕੁਲੱਖਣੀ कुलक्खणी Kulakkhṇi [3] स्त्री०
कुलक्षणी (स्त्री०) कुलक्षणी, बुरे लक्षणों वाली स्त्री।

ਕੁਲੱਛਣ कुलच्छण् Kulacchaṇ [3] वि०
कुलक्षण (वि०) कुलक्षण, दुर्जन, बुरे लक्षणों वाला, अपशकुन-सूचक।

ਕੁਲੱਛਣਾ कुलच्छ्णा Kulacchṇa [3] **पुं०**
कुलक्षण (वि०) कुलक्षण, बुरे लक्षणों वाला, अपशकुन-सूचक।

ਕੁਲਥ कुल्थ् Kulth [1] **पुं०**
कुलत्थ (पुं०) कुल्थी, एक प्रकार की दाल अथवा अनाज।

ਕੁਲਥੀ कुल्थी Kulthī [1] **स्त्री०**
द्र० —ਕੁਲਥ।

ਕੁਲਿੰਜਣ कुलिञ्जण् Kuliñjaṇ [1] **पुं०**
द्र०—ਕੁਲੰਜਣ।

ਕੁਲੰਗ कुलंग् Kulaṅg [1] **पुं०**
कुलिङ्ग (पुं०) कांटेदार पूंछ वाला पक्षी; चूहा-विशेष।

ਕੁਲੰਜਣ कुलञ्जण् Kulañjaṇ [2] **पुं०**
कुलञ्जन (पुं०) एक प्रकार की जड़ (Alpinia galanga) जो गला साफ करने के लिए चबाई जाती है।

ਕੁਵਾਦ कुवाद् Kuvad [1] **पुं०**
कुवाद (पुं०) कुवाद, बकवास।

ਕੁਵੇਲ कुवेल् Kuvel [1] **स्त्री०**
कुवेला (स्त्री०) असमय, विलम्ब, देर।

ਕੁਵੇਲਾ कुवेला Kuvelā [3] **पुं०**
कुवेला (स्त्री०) असमय, विलम्ब, देर।

ਕੁੜੱਕੀ कुड़क्की Kuṛakkī [3] **स्त्री०**
कुटकी (स्त्री०) कुड़की, सरकार के द्वारा की जाने वाली कुड़की, जब्ती।

ਕੁੜੱਤਣ कुड़त्तण् Kuṛattaṇ [3] **स्त्री०**
कटुत्व (नपुं०) कटुता, कड़वापन।

ਕੁੜ੍ਹਨਾ कुढ़्णा Kuṛhṇā [3] **अक० क्रि०**
क्रुध्यति (दिवादि अक०) कुढ़ना, खीझना; क्रोध करना।

ਕੂਆ कूआ Kūā [1] **पुं०**
कूप (पुं०) कूँआ।

ਕੂਹਣ कूहण् Kūhaṇ [1] **स्त्री०**
कूपखनि (पुं०) अन्नागार, अन्नगर्त।

ਕੂਹਣੀ कूह्णी Kūhṇī [3] **स्त्री०**
कफोणी (पुं०, स्त्री०) कुहनी, केहुनी।

ਕੂਹੀ कूही Kūhī [2] **स्त्री०**
कौशिक (पुं०) शिकारी पक्षी।

ਕੂਕ कूक् Kūk [3] **स्त्री०**
कूज (पुं०) आवाज, चीख।

ਕੂਕਰ कूकर् Kūkar [2] **पुं०**
कुर्कुर (पुं०) कुक्कुर, कुत्ता।

ਕੂਕਰੀ कूक्री Kūkrī [1] **स्त्री०**
कुर्कुरी (स्त्री०) कुक्कुरी, कुतिया।

ਕੂਚਣਾ कूच्णा Kūcṇā [3] **अक० क्रि०**
कूर्चति (नामधातु सक०) कूचना; रगड़ना; कूँची से साफ करना।

ਕੂਚਾ कूचा Kūcā [3] **पुं०**
कूर्च (पुं०) ब्रश; लकड़ियों का गट्ठर।

वूची कूची Kūcī [3] **स्त्री०**
कूर्चिका (स्त्री०) कूँची, तूलिका ।

वूम कूज् Kūj [3] **स्त्री०**
क्रुञ्च (पुं०) जलपक्षी; क्रौञ्च पक्षी ।

वूंङा कूंडा Kūḍa [3] **पुं०**
कुण्ड (नपुं०) भोजन पात्र; जलपात्र ।

वूट कूण् Kūṇ [3] **पुं०**
कोण (पुं०) कोना, कोण ।

वूटा कूणा Kūṇa [3] **सक० क्रि०**
कवते (भ्वादि सक०) कहना, बोलना ।

वूरम कूरम् Kūram [3] **पुं०**
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ; एक पुराण ।

वूला कूला Kūla [3] **वि०**
कोमल (वि०) मुलायम, नरम ।

वूलु कूल्ह् Kūlh [3] **पुं०**
कुल्या (स्त्री०) नाला-नाली ।

वूड़ कूड़् Kūṛ [3] **पुं०**
कूट (पुं०) छल; असत्य; कूट पद ।

वूड़ा कूड़ा Kūṛa [3] **पुं०**
कूट (पुं०) कूड़ा, गन्दगी; झूठा ।

वेम केस् Kes [3] **पुं०**
केश (पुं०) केश, बाल ।

वेमर केसर् Kesar [3] **पुं०**
केसर (नपुं०) केसर; वकुल पुष्प; सिंह की गर्दन के बाल ।

वेमावेमी केसाकेसी Kesakesī [3] **क्रि० वि०**
केशाकेशि (क्रि० वि०) केसा-केसी, झोंटा-झोंटी; कलह ।

वेव केक् Kek [3] **पुं०**
द्र०—वेवड़ा ।

वेवड़ा केकड़ा Kekṛa [3] **पुं०**
कर्कट (पुं०) केकड़ा, जल-जन्तु विशेष ।

वेउ केत् Ket [1] **वि०**
द्र०—वेउा ।

वेउा केता Keta [3] **वि०**
कियत् (वि०) कितना, परिमाण-विषयक; प्रश्न-वाचक ।

वें्दरी केन्द्री Kendrī [3] **वि०**
केन्द्रीय (वि०) केन्द्रीय, केन्द्र में सम्बन्धित ।

वेरना केर्ना Kerna [3] **सक० क्रि०**
किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, फैलाना ।

वेल केल् Kel [3] **स्त्री०**
केलि (स्त्री०) क्रीडा, खेल ।

वेला केला Kela [3] **पुं०**
कदली (स्त्री०) केले का पेड़ या फल ।

वेव्ङा केव्ड़ा Kevṛa [1] **पुं०**
द्र०—विउड़ा ।

ਕੈ कै Kai [3] वि०
कति (वि०) कितने, परिमाण विषयक प्रश्न का बोधक शब्द ।

ਕੈਹਾਂ कैहाँ Kaihā̃ [3] पुं०
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु ।

ਕੈਂਚੀ कैंची Kaĩcī [3] स्त्री०
कर्तरी (स्त्री०) कैंची ।

ਕੈਂਠਾ कैंठा Kaĩṭha [3] पुं०
कण्ठक (पुं०) कण्ठा, गले का हार ।

ਕੈਂਤ कैंत् Kaĩt [3] पुं०
कायस्थ (पुं०) कायस्थ, लेखन करने वाली जाति ।

ਕੈਂਥ[1] कैंथ् Kaĩth [2] पुं०
द्र०—ਕੈਂਤ ।

ਕੈਂਥ[2] कैंथ् Kaĩth [2] पुं०
कपित्थ (पुं०/नपुं०) पुं०—कपित्थ, कैंत । नपुं०—कैंत का फल ।

ਕੈਰਾ कैरा Kaira [3] पुं०
केकर (वि०) ऐंचा-ताना, भेंगी आँखवाला ।

ਕੈਲਾ कैला Kaila [3] वि०/पुं०
कपिल (वि०/पुं०) वि०—भूरा, बादामी । पुं०—भूरा या बादामी रंग ।

ਕੋ को Ko [1] सर्व०
कः (प्रथमान्त सर्व०) कौन ।

F. 21

ਕੋਇਲ कोइल् Koil [3] स्त्री०
कोकिल (पुं०) कोकिल, कोयल ।

ਕੋਇਲਾ कोइला Koila [3] पुं०
कोकिल / कृष्णाङ्गार (पुं०) कोइला; अधजली लकड़ी ।

ਕੋਈ कोई Koī [3] सर्व०
कश्चित् (प्रथमान्त सर्व०) कोई ।

ਕੋਸ कोस् Kos [1] पुं०
क्रोश (पुं०) कोस, दो मील की दूरी; चिल्लाहट ।

ਕੋਸਣਾ कोस्णा Kosṇa [3] सक० क्रि०
क्रोशति (भ्वादि सक०) कोसना, फटकारना, डाँटना ।

ਕੋਸਣਾ कोस्णा Kosṇa [3] पुं०
क्रोशन (नपुं०) फटकार, डाँट ।

ਕੋਸਾ कोसा Kosa [1] वि०
कोष्ण (वि०) कुछ उष्ण, गुनगुना ।

ਕੋਹ कोह् Koh [3] पुं०
क्रोश (पुं०) कोस, दो मील की दूरी; चिल्लाहट ।

ਕੋਹਣਾ कोह्णा Kohṇa [3] सक० क्रि०
कुष्णाति (क्र्यादि सक०) आघात करना; मारना; थपथपाना ।

ਕੋਹਰਾ कोह्रा Kohra [3] पुं०
कुहर (पुं०) मेघ का धुआँ, कुहरा, कुहासा, धुंधलापन।

ਕੋਕ कोक् Kok [1] पुं०
कोक (पुं०) चकवा पक्षी।

ਕੋਕੋ कोको Koko [3] स्त्री०
काकी (स्त्री०) मादा काक, काकी, कौवी।

ਕੋਟ कोट् Koṭ [3] पुं०
कोट्ट (पुं०, नपुं०) किला, दुर्ग।

ਕੋਠੜੀ कोठ्ड़ी Koṭhṛi [3] स्त्री०
कोष्ठ (नपुं०) कोठड़ी, कक्ष।

ਕੋਠਾ कोठा Koṭha [3] पुं०
कोष्ठ (नपुं०) अन्नागार, अन्न-भण्डार, अन्न रखने की कोठी।

ਕੋਠੀ कोठी Koṭhi [3] स्त्री०
कोष्ठिका/कोष्ठी (स्त्री०) अन्न रखने की कोठी, अन्नागार, भण्डार-घर।

ਕੋਣ कोण् Koṇ [3] पुं०
कोण (पुं०) कोण, कोना।

ਕੋਣਾ कोणा Koṇa [3] पुं०
कोण (पुं०) कोण, कोना।

ਕੋਤਵਾਲ कोत्वाल् Kotval [3] पुं०
कोट्टपाल (पुं०) कोतवाल, दुर्गपाल।

ਕੋਧਰਾ कोध्रा Kodhra [1] पुं०
कोद्रव (पुं०) कोदो, धान्य-विशेष।

ਕੋਮਲ कोमल् Komal [3] वि०
कोमल (वि०) कोमल, मुलायम, चिकना।

ਕੋਲਾ कोला Kola [3] पुं०
कोकिल (पुं०) कोयल पक्षी।

ਕੋੜਮਾ कोड़्मा Koṛma [2] पुं०
कुटुम्ब (नपुं०, पुं०) कुटुम्ब, सम्बन्धी; सजातीय, सगोत्र।

ਕੋੜ्ह कोढ़् Koṛh [3] पुं०
कुष्ठ (नपुं०) कुष्ठ, कोढ़।

ਕੋੜ੍ਹਾ कोढ़ा Koṛha [3] पुं०
कुष्ठिन् (वि०) कोढ़ी, कुष्ठ रोग से ग्रस्त।

ਕੋੜ੍ਹੀ कोढ़ी Koṛhi [3] पुं०
कुष्ठिन् (वि०) कोढ़ी, कुष्ठ रोग से ग्रस्त।

ਕੌਂ कौं Kaũ [1] पुं०
द्र०—का।

ਕੌਡ कौड् Kauḍ [2] पुं०
कपर्द (पुं०) कौड़ी, प्राचीन भारतीय सिक्के का सबसे छोटा भाग।

ਕੌਡਾ कौडा Kauḍa [3] पुं०
कपर्दक (पुं०) बड़ी कौड़ी।

ਕੌਡੀ[1] कौडी Kauḍī [3] **स्त्री॰**
कपर्दिका (स्त्री॰) छोटी कौड़ी ।

ਕੌਡੀ[2] कौडी Kauḍī [2] **स्त्री॰**
द्र॰—ਕਪੱਡੀ ।

ਕੌਣ कौण् Kauṇ [3] **सर्व॰**
कः पुनर् (सर्व॰/अ॰) कौन ।

ਕੌਪੀਣ कौपीण् Kaupiṇ [2] **स्त्री॰**
कौपीन (नपुं॰) कौपीन वस्त्र, लंगोटी ।

ਕੌਰ कौर् Kaur [1] **पुं॰**
कुमार (पुं॰) कुमार, क्वारा; राजकुमार ।

ਕੌਲ कौल् Kaul [3] **पुं॰**
कपाल (पुं॰, नपुं॰) प्याला; कटोरा ।

ਕੌਲ कौल् Kaul [3] **पुं॰**
कमल (नपुं॰) कमल पुष्प, पद्म, सरोज ।

ਕੌਲਡੋਡਾ कौल्डोडा Kauldoḍā [2] **पुं॰**
कमलदण्ड (पुं॰, नपुं॰) कमलदण्ड, कमलनाल, भे ।

ਕੌਲੀ कौली Kaulī [3] **स्त्री॰**
कपालिका (स्त्री॰) कटोरी, प्याली ।

ਕੌਵੀ कौवी Kauvī [2] **पुं॰**
कपोत (पुं॰) कपोत, कबूतर ।

ਕੌੜ कौड़् Kauṛ [3] **वि॰**
कटु (वि॰) कटु, कड़ुवा, कठोर ।

ਕੌੜਾ कौड़ा Kauṛā [3] **पुं॰**
कटुक (वि॰) कड़वा, तीखे स्वाद का ।

ਕੰਸੇਰਾ कन्सेरा Kanserā [1] **पुं॰**
कांस्यकार (पुं॰) कसेरा, कांसे एवं पीतल का पात्र बनाने एवं बेचने वाला ।

ਕੰਕਰ कंकर् Kaṅkar [3] **पुं॰**
कर्कर (पुं॰) कंकड़, कंकड़ी ।

ਕੰਗਣ कंगण् Kaṅgaṇ [3] **पुं॰**
कङ्कण (नपुं॰) कंगन, कंगना ।

ਕੰਗਲਾ कंग्ला Kaṅglā [3] **पुं॰**
किङ्कर (पुं॰) सेवक, दास ।

ਕੰਗਾਲ कगाल् Kaṅgāl [3] **पुं॰**
कङ्काल (पुं॰) कंगाल, गरीब, निर्धन ।

ਕੰਘਾ कंघा Kaṅghā [3] **पुं॰**
कङ्कत (पुं॰, नपुं॰) कंघा, बाल झारने की बड़ी कंघी ।

ਕੰਘੀ कंघी Kaṅghī [3] **स्त्री॰**
कङ्कतिका (स्त्री॰) कंघी, बाल झारने वाली कंघी ।

ਕੰਚ कंच् Kañc [3] **पुं॰**
काच (पुं॰) काँच, शीशा ।

ਕੰਜ[1] कंज् Kañj [2] **स्त्री॰**
कञ्चुक (पुं॰) केंचुली, सर्पचर्म ।

ਕਜ[2] कज् Kanj [3] स्त्री०
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, बाला।

ਕੰਜਕ कंजक् Kañjak [3] स्त्री०
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, बालिका।

ਕੰਜਕਾ कंज्का Kañjka [3] स्त्री०
द्र०—ਕੰਜਕ।

ਕੰਜਲੀ कंज्ली Kañjli [3] स्त्री०
कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सर्पचर्म।

ਕੰਠਲਾ कंठ्ला Kanthla [3] पुं०
कण्ठिका (स्त्री०) गले में पहनने का हार; तबीज; कण्ठी।

ਕੰਠਾ कण्ठा Kantha [3] पुं०
कण्ठक (पुं०) कण्ठा, गले का हार।

ਕੰਡਾ कण्डा Kanda [3] पुं०
कण्टक (पुं०) काँटा, शूल।

ਕੰਢੀ कण्ढी Kandhī [3] स्त्री०
कण्ठक (पुं०, नपुं०) किनारा, छोर।

ਕੰਧ कन्ध् Kandh [2] स्त्री०
स्कन्ध (पुं०) दीवार, दीवाल, शरीर।

ਕੰਧਾ कन्धा Kandha [3] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल-भाग।

ਕੰਧੇੜਾ कन्धेड़ा Kandheṛā [1] पुं०
द्र०—ਕੰਧਾ।

ਕਨ कन्न Kann [3] पुं०
कर्ण (पुं०) कान, श्रवण।

ਕੰਨਿਆਂ कन्न्याँ Kannyā̃ [3] स्त्री०
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, अविवाहित लड़की।

ਕੰਨ੍ਹਾ कन्न्हा Kannha [2] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल भाग।

ਕੰਬਣਾ कम्ब्णा Kambṇā [3] अक० क्रि०
कम्पते (भ्वा० अक०) कांपना, कम्पन होना।

ਕੰਬਣੀ कम्बणी Kambaṇī [3] स्त्री०
कम्पन (नपुं०) कम्पन, कँपकपी, काँपने का भाव।

ਕੰਬਲ कम्बल् Kambal [3] पुं०
कम्बल (पुं०, नपुं०) कम्बल, कम्बलों।

ਕੰਬਲੀ कंब्ली Kamblī [3] स्त्री०
कम्बलिका / कम्बली (स्त्री०) छोटा कम्बल, कम्बली।

ਕੰਬਾਉਣਾ कम्बाउणा Kambāuṇa [3] प्रेर० क्रि०
कम्पयति (भ्वादि प्रेर०) कँपाना, कम्पन कराना।

ਕੰਮ कम्म् Kamm [3] पुं०
कर्मन् (नपुं०) काम, कार्य।

ਕੰਮੀ कम्मी Kammī [3] **वि०**
कर्मिन् (वि०) कर्मकर, काम करने वाला।

ਕੰਵਰ कँवर् Kāvar [3] **पुं०**
कुमार (पुं०) राजकुमार; कुमार।

ਕੰਵਲ कँवल् Kāval [3] **पुं०**
कमल (नपुं०) कमल, कमल का पौधा।

ਕੰਵਾਰਾ कँवारा Kāvārā [3] **पुं०**
कुमार (पुं०) अविवाहित लड़का।

ਕੰਵਾਰੀ कँवारी Kāvārī [3] **स्त्री०**
कुमारी (स्त्री०) अविवाहित लड़की।

ਕ੍ਰੋੜ क्रोड़ Kroṛ [3] **वि०**
कोटि (स्त्री०) करोड़, सौ लाख।

ਖ

ਖਉ खउ Khau [2] **पुं०**
क्षय (पुं०) विनाश, नाश; क्षय रोग।

ਖਈ खई Khaī [3] **स्त्री०**
क्षय (पुं०) क्षयरोग, टी० बी०।

ਖਸ खस् Khas [2] **पुं०**
खस/खश (पुं०) जाति विशेष; देश विशेष।

ਖਸਰਾ खस्रा Khasrā [2] **पुं०**
खस (पुं०) खुजलाहट; खुजली, खाज।

ਖੱਸਾਲੀ खस्साली Khassālī [2] **स्त्री०**
खश/खस (पुं०) खस जाति की भाषा।

ਖਗ खग् Khag [3] **स्त्री०**
खड्ग (पुं०) तलवार, कृपाण।

ਖਗਧਾਰੀ खग्धारी Khagdhārī [3] **पुं०**
खड्गधारिन् (वि०) तलवार, कृपाण धारण करने वाला।

ਖਗਿੰਦਰ खगिन्दर् Khagindar [2] **पुं०**
खगेन्द्र (पुं०) गरुड़, पक्षिराज।

ਖਗੇਸ खगेस् Khages [3] **पुं०**
खगेश (पुं०) खगेश, गरुड़।

ਖਚਣਾ खच्णा Khacṇā [3] **सक० क्रि०**
खचयति (क्र्यादि प्रेर०) जोड़ना, मिलाना।

ਖੱਚਰ खच्चर् Khaccar [3] **पुं०**
अश्वतर (पुं०) खच्चर, घोड़े से मिलता-जुलता पशु।

ਖਜੂਰ खजूर् Khajūr [3] **पुं०**
खर्जूर (पुं०, नपुं०) खजूर वृक्ष या फल।

ਖਜੂਰੀ खजूरी Khajūrī [3] **नपुं०/वि०**
खार्जूर (नपुं०/वि०) नपुं०—फल, खुर्मा, छुहारा। वि०—खजूर का।

ਖਟ[1] खट् Khaṭ [3] **वि०**
षट् (प्रथमान्त वि०) छः; छः की संख्या।

ਖਟ[2] खट् Khaṭ [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) विवाह के समय की एक रीति।

ਖਟਸ਼ਾਸਤਰ खट्शास्तर् Khaṭśāstar [3] **पुं०**
षट्शास्त्र (नपुं०) षट्शास्त्र, शिक्षा-कल्प-व्याकरण - निरुक्त - छन्द-ज्योतिष—ये छः शास्त्र। सांख्य-योग-न्याय-वैशेषिक - पूर्वमीमांसा - वेदान्त—ये छः दर्शन।

ਖਟਸ਼ਾਸਤਰੀ खट्शास्तरी Khaṭśāstarī [3] **वि०/पुं०**
षट्शास्त्रिन् (वि०) छः शास्त्रों का ज्ञाता।

ਖਟਮਲ खट्मल् Khaṭmal [3] **पुं०**
खट्वामल (पुं०) खाट की मैल से पैदा होने वाला जीव, खटमल।

ਖਟਮੁਖ खट्मुख् Khaṭmukh [3] **पुं०**
षण्मुख (पुं०) छः मुखों वाले शिव के पुत्र कार्तिकेय, षडानन।

ਖਟਰਾਗ खट्राग् Khaṭrāg [3] **पुं०**
षड्राग (पुं०) छः प्रकार के राग।

ਖਟੜੀ खट्ड़ी Khaṭṛī [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला।

ਖਟਾਸ खटास् Khaṭās [3] **स्त्री०**
खट्वरस (पुं०) खट्टा रस, खट्टापन।

ਖਟੀਕ खटीक् Khaṭīk [3] **पुं०**
खट्टीक/खट्टिक (पुं०) चमड़े का काम करने वाला; कसाई; बहेलिया।

ਖਟੋਲੀ खटोली Khaṭolī [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला।

ਖਣਨੀ खण्नी Khaṇnī [3] **स्त्री०**
खननी (स्त्री०) खोदने का साधन, कुदारी, फावड़ा।

ਖਤਰਾਣੀ खत्राणी Khatrāṇī [3] **स्त्री०**
क्षत्रियाणी (स्त्री०) क्षत्रिय जाति की स्त्री।

ਖਤਰੀ खत्री Khatrī [3] **पुं०**
क्षत्रिय (पुं०) क्षत्रिय, जातिविशेष; योद्धा।

ਖਨੂਹਣਾ खनूह्णा Khanūhṇā [3] **सक० क्रि०**
कण्डूयति (कण्ड्वादि सक०) खुजलाना, सहलाना।

ਖਪਣਾ खप्णा Khapṇā [3] **अक० क्रि०**
क्षप्यते (चुरादि कर्म) तंग होना, नष्ट होना; खपना।

ਖਪਰੈਲ खप्रैल् Khaprail [3] **पुं०**
खर्पर (पुं०) खपड़ा, खपड़ैल।

ਖਪਾਉਣਾ खपाउणा Khapauna [3] सक० क्रि०
क्षपयति (चुरादि सक०) नष्ट करना, तंग करना; खपाना।

ਖੱਪਰ खप्पर् Khappar [3] पुं०
कर्पर (पुं०) खोपड़ी, शिर की हड्डी।

ਖਰ खर् Khar [3] पुं०
खर (पुं०) गदहा, गधा।

ਖਰਨਾ खर्ना Kharna [3] अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) टपकना, चूना; बहना, झरना।

ਖਰੀਦਣਾ खरीद्ना Kharīdna [3] सक० क्रि०
क्रीणाति (क्र्यादि सक०) खरीदना, मूल्य देकर वस्तु लेना।

ਖਰੋਟ खरोट् Kharoṭ [1] पुं०
द्र०—ਅਖਰੋਟ।

ਖਲ खल् Khal [3] स्त्री०
खली (स्त्री०) सरसों आदि की खली, खरी, पशु का भोज्य पदार्थ।

ਖਲਵਾੜਾ खल्वाड़ा Khalvāṛā [3] पुं०
खलवाट (पुं०) खलिहान, जहाँ फसलों की मड़ाई होती है।

ਖਲੜੀ खल्ड़ी Khalṛī [3] स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ी, चर्म।

ਖਲਿਹਾਨ खलिहान् Khalihan [3] पुं०
खलधान (नपुं०) खलिहान, जहाँ फसलों की मड़ाई होती है।

ਖੱਲ खल्ल् Khall [3] स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ा, चर्म।

ਖੱਲੜ खल्लड़् Khallaṛ [1] पुं०
द्र०—ਖੱਲ।

ਖਵਾਉਣਾ खवाउणा Khavauṇa [2] सक० क्रि०
खादयति (भ्वादि प्रेर०) खिलाना, खिलवाना।

ਖੜ खड़् Khaṛ [3] पुं०
खट (पुं०) पुआल; फूस; घास विशेष।

ਖੜਕਾਉਣਾ खड़्काउणा Khaṛkauṇa [3] सक० क्रि०
खट्खटायते (नामधातु सक०) खटकाना, दस्तक देना; मारना-धमकाना।

ਖੜਜ खड़ज् Khaṛaj [3] पुं०
षड्ज (पुं०) राग का पहला स्वर।

ਖੜਾਉਂ खड़ाउँ Khaṛaū [3] स्त्री०
काष्ठपादुका (स्त्री०) खड़ाऊँ, चरण-पादुका।

ਖੜਿਆ खड़्या Khaṛya [3] स्त्री०
खटिका (स्त्री०) खड़िया, चॉक।

ਖਾਈ खाई Khaī [3] स्त्री०
खात (नपुं०) खाई, गड्ढा।

ਖਾਸਣਾ खासणा Khasna [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खासना, खो-खो करना।

ਖਾਂਸਣਾ खाँस्णा Khãsṇa [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खाँसना, खों-खों करना।

ਖਾਂਸੀ खाँसी Khãsi [3] स्त्री०
कास (पुं०) खाँसी; कफ।

ਖਾਜ खाज् Khaj [3] स्त्री०
खर्जू (स्त्री०) खुजली, खाज; खुजलाहट।

ਖਾਜਾ खाजा Khaja [3] पुं०
खाद्य (नपुं०) खाद्य पदार्थ, भोज्य पदार्थ, रसद।

ਖਾਟ खाट् Khaṭ [3] स्त्री०
खट्वा (स्त्री०) खटिया, चारपाई।

ਖਾਣ खाण् Khaṇ [3] स्त्री०
खनि (स्त्री०) खान, खदान।

ਖਾਣਾ खाणा Khaṇa [3] सक० क्रि०
खादति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना, भक्षण करना।

ਖਾਤ खात् Khat [3] पुं०
खात्र (नपुं०) खात, गड्ढा, गर्त।

ਖਾਤੀ खाती Khati [3] पुं०
क्षतृ (वि०) काटने वाला; बढ़ई।

ਖਾਧਾ खाधा Khadha [3] वि०
खादित (वि०) खाया हुआ या लिया गया, भुक्त।

ਖਾਪਰ खापर् Khapar [1] पुं०
खर्पर (पुं०) खपड़ा, खपरैल, खप्पड़।

ਖਾਰ खार् Khar [3] पुं०/वि०
क्षार (पुं०/वि०) पुं०—शोरा, रस, क्षारीय पदार्थ, काला नमक। वि०—खारा।

ਖਾਰਣਾ खार्ना Khaṛna [3] सक० क्रि०
क्षारयति (भ्वादि प्रेर०) बहाना, द्रवीभूत करना।

ਖਾਰਾ खारा Khara [3] वि०
क्षार (वि०) खारा, अति नमकीन; तीखा।

ਖਾਲ खाल् Khal [3] पुं०, स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, गड्ढा, खान; नाला।

ਖਾਵਣਾ खाव्णा Khavṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਖਾਣਾ।

ਖਿਆਤ ख्यात् Khyat [3] वि०
ख्यात (वि०) ख्यात, विख्यात, प्रसिद्ध।

ਖਿਆਨ ख्यान् Khyan [1] पुं०
ख्यान (नपुं०) आख्यान, कथन।

ਖਿਸਕਣਾ खिसक्ना Khiskana [3] अक० क्रि०
स्खलति (भ्वादि० सक०) अपने स्थान से हटना, सरकना।

ਖਿਚੜੀ[1] खिचड़ी Khicṛī [3] **स्त्री०**
खिच्चा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल का मिश्रित भोजन।

ਖਿਚੜੀ[2] खिचड़ी Khicṛī [3] **स्त्री०**
कृसरा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल से निर्मित भोजन।

ਖਿੱਚੜ खिच्चड़् Khiccaṛ [2] **पुं०**
खिच्चा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल से निर्मित भोजन।

ਖਿਣ खिण् Khiṇ [3] **पुं०**
क्षण (नपुं०) पल, समय का छोटा भाग।

ਖਿੰਥਾ खिन्था Khinthā [2] **स्त्री०**
कन्था (स्त्री०) गुदड़ी, चिथड़ा।

ਖਿੱਦੋ खिद्दो Khiddo [3] **पुं०**
गेन्दुक (पुं०) गेंद, बॉल।

ਖਿਮਾ खिमा Khimā [3] **स्त्री०**
क्षमा (स्त्री०) क्षमा, सहने की चित्त-वृत्ति; माफी।

ਖਿਰਨੀ खिर्नी Khirnī [1] **स्त्री०**
क्षीरिणी (स्त्री०) एक प्रकार का वृक्ष, मौलसरी की जाति का एक दुधारू वृक्ष अर्थात् दूधवाला वृक्ष।

ਖਿਲਾਉਣਾ खिलाउणा Khilāuṇā [3] **सक० क्रि०**
खेलयति (भ्वादि प्रेर०) खेल कराना, खेलाना।

ਖਿਲਾਣ खिलाण् Khilāṇ [3] **वि०**
खेलक (वि०) खेलने वाला, खिलाड़ी।

ਖਿੜਕ खिड़क् Khiṛk [3] **पुं०**
खटक्किका (स्त्री०) खिड़की, पार्श्व-द्वार।

ਖਿੜਕਾ खिड़का Khiṛkā [3] **पुं०**
द्र०—ਖਿੜਕ।

ਖਿੜਕੀ खिड़की Khiṛkī [3] **स्त्री०**
खटक्किका (स्त्री०) खिड़की, पार्श्व-द्वार।

ਖੀਣ खीण् Khīṇ [3] **वि०**
क्षीण (वि०) पतला-दुबला; कमजोर; घटा हुआ; हीन।

ਖੀਰ खीर् Khīr [3] **स्त्री०**
क्षीर (नपुं०) खीर, पायस, दूध से निर्मित भोजन।

ਖੀਰਾ खीरा Khīrā [3] **पुं०**
क्षीरक (पुं०) खीरा; सुगन्धित पौधे का नाम।

ਖੀਰੀ खीरी Khīrī [3] **स्त्री०**
क्षीरिन् (पुं/वि०) पुं०—थन, दुग्ध-कोश। वि०—क्षीर-युक्त।

ਖੀਵਣਾ खीवणा Khīvṇā [3] **अक० क्रि०**
क्षीबते (भ्वादि अक०) मदोन्मत्त होना; मस्त होना।

ਖੀਵਾ खीवा Khiva [3] पुं०
क्षीब (वि०) मत्त, मतवाला ।

ਖੁਆਣਾ ख्वाणा Khvaṇa [3] सक० क्रि०
खादयति (भ्वादि प्रेर०) खिलाना, भोजन कराना ।

ਖੁਸ਼ਕ खुश्क् Khuśk [3] वि०
शुष्क (वि०) सूखा, खुश्क ।

ਖੁੰਢ खुण्ढ् Khuṇḍh [2] पुं०
मुण्डक (पुं०) ठूंठ, शाखाहीन पेड़ ।

ਖੁੰਢਾ खुण्ढा Khuṇḍha [2] वि०
कुण्ठ (वि०) मुड़ी हुई धार वाला, कुन्द, कुण्ठित; मन्द-बुद्धि ।

ਖੁਣਨਾ खुण्ना Khuṇna [3] सक० क्रि०
खनति (भ्वादि सक०) खनना, खोदना ।

ਖੁੱਥੀ खुत्थी Khutthi [3] स्त्री०
कुस्त्री (स्त्री०) खराब स्त्री, फूहड़ स्त्री ।

ਖੁਧਾ खुधा Khudha [3] स्त्री०
क्षुधा (स्त्री०) भूख, खाने की इच्छा ।

ਖੁਧਿਆਰਥ खुध्यारथ् Khudhyarath [3] वि०
क्षुधार्त्त (वि०) भूख से पीडित, क्षुधा से व्याकुल ।

ਖੁਨਸ खुनस् Khunas [3] वि०
खिन्नमनस् (वि०) दुःखी मन वाला, उदास ।

ਖੁੰਬ[1] खुम्ब् Khumb [2] पुं०
क्षाराम्बु (नपुं०) खारा पानी ।

ਖੁੰਬ[2] खुम्ब् Khumb [3] स्त्री०
क्षुम्प (पु०) कुकुरमुत्ता, छत्रक ।

ਖੁਭਣ खुभण् Khubhaṇ [3] पुं०
क्षोभण (नपु०) क्षुब्ध होने का भाव ।

ਖੁਭਣਾ खुभ्णा Khubhṇa [3] सक० क्रि०
क्षोभते (भ्वादि सक०/अक०) सक०—मथना । अक०—क्रोध करना, गुस्सा होना ।

ਖੁਰ खुर् Khur [3] पुं०
खुर (पु०) खुर, टाप ।

ਖੁਰਕਣਾ खुरक्णा Khurakṇa [3] सक० क्रि०
क्षुरति (तुदादि सक०) खुजलाना, खुरेचना ।

ਖੁਰਚਣਾ[1] खुर्च्णा Khurcṇa [3] पुं०
क्षुरचयन (नपुं०) तीखे धारवाले यन्त्र से किसी वस्तु को छीलने अथवा इकट्ठा करने का भाव ।

ਖੁਰਚਣਾ[2] खुर्च्णा Khurcṇa [3] सक० क्रि०
क्षुरति (तुदादि सक०) खुरेचना; खरोचना ।

ਖੁਰਨਾ खुर्ना Khurna [3] अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) क्षरण होना, क्षीण होना अथवा रिसना ।

ਖੁਰਪਾ खुर्पा Khurpa [3] पुं०
क्षुरप्र (पुं०) खुरपा; कुदाली ।

ਖੁਰਪੀ खुर्पी Khurpī [3] स्त्री०
क्षुरप्री (स्त्री०) खुरपी, छोटा खुरपा; कुदाल फावड़ा।

ਖੁਰੀ खुरी Khurī [3] स्त्री०
खुरी (स्त्री०) पशुओं की छोटी खुर।

ਖੁੱਲਾ खुल्ला Khulla [1] पुं०
क्षुल्ल (वि०) क्षुद्र, नीच।

ਖੁੱਲ੍ਹਣਾ खुल्ल्ह्णा Khullhṇa [3] अक० क्रि०
खोल्यते (भ्वादि कर्म०) खुलना, उद्घाटित होना।

ਖੂਹ खूह् Khūh [3] पुं०
कूप (पुं०) कुआँ, कूप।

ਖੂਹਣੀ खूह्णी Khūhṇī [3] स्त्री०
अक्षौहिणी (स्त्री०) अक्षौहिणी सेना, चतुरंगिनी सेना; सेना का एक परिमाण।

ਖੇਹਨੂ खेह्नू Khehnū [3] पुं०
गेन्दुक (पुं०, नपुं०) गेंद, कन्दुक।

ਖੇਡ खेड् Khed [3] स्त्री०
खेला (स्त्री०) खेल, क्रीड़ा।

ਖੇਡਣਾ खेड्णा Khedṇa [3] अक० क्रि०
खेलति (भ्वादि अक०) खेलना, क्रीडा करना।

ਖੇਤ खेत् Khet [3] पुं०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, भूमि, जमीन।

ਖੇਤਪਾਲ खेत्पाल् Khetpal [3] पुं०
क्षेत्रपाल (वि० / पुं०) वि०—खेत का रखवाला। पुं०—देवता-विशेष।

ਖੇਤਰ खेतर् Khetar [3] पुं०/स्त्री०
क्षेत्र (नपुं०) क्षेत्र, प्रदेश।

ਖੇਤਰਪਾਲ खेतर्पाल् Khetarpal [3] पुं०
क्षेत्रपाल (वि० / पुं०) वि०—क्षेत्रपाल, क्षेत्र का रक्षक। पुं०—गोत्र-विशेष।

ਖੇਤਰਫਲ Khetarphal [3] पुं०
क्षेत्रफल (नपुं०) क्षेत्रफल, भूमि का परिमाण।

ਖੇਤਰੀ खेत्री Khetrī [3] वि०
क्षेत्रीय (वि०) क्षेत्रीय, प्रादेशिक।

ਖੇਤੀ खेती Khetī [3] स्त्री०
क्षेत्रीय (वि०) खेती, फसल।

ਖੇਪ खेप् Khep [3] स्त्री०
क्षेप (पुं०) खेप, फेरा, क्षेपण, फेंकने का भाव।

ਖੇਪਕ खेपक् Khepak [3] पुं०
क्षेपक (वि०) फेंकने वाला।

ਖੇਮ खेम् Khem [3] स्त्री०
क्षेम (पुं०, नपुं०) कुशलता, कुशल-क्षेम; मोक्ष, छुटकारा, मुक्ति।

ਖੇਮਕੁਸ਼ਲ खेम्कुशल् Khemkuśal [3] स्त्री०
क्षेमकुशल (नपुं०) कुशल-क्षेम, कुशलता, कुशल-मङ्गल।

ਖੇਲ खेल् Khel [3] पुं०
क्ष्वेल (पुं०) खेल, क्रीडा।

ਖੇਲਣ खेलण् Khelaṇ [3] पुं०
क्ष्वेलन (नपुं०) खेलने का भाव।

ਖੇਲਣਾ खेल्णा Khelṇa [3] अक० क्रि०
खेलति (भ्वादि अक०) खेलना, क्रीडा करना।

ਖੇਵਟ खेवट् Khevaṭ [3] पुं०
कैवर्त (पुं०) केवट, नौका चलाने वाला, मल्लाह, धीवर।

ਖੇਵਣ खेवण् Khevaṇ [2] पुं०
क्षेपण (नपुं०) नौका चलाने का भाव, नाव खेने की क्रिया।

ਖੇਵਣਾ खेव्णा Khevṇa [3] सक० क्रि०
क्षिपति (तुदादि सक०) खेना, नौका चलाना।

ਖੇਵਾ खेवा Kheva [1] पुं०
क्षेपक (पुं०) केवट, मल्लाह।

ਖੇੜਾ खेड़ा Kheṛa [3] पुं०
खेट (पुं०) ग्राम, गाँव।

ਖੈ[1] खै Khai [3] स्त्री०
क्षति (स्त्री०) हानि, नुकसान।

ਖੈ[2] खै Khai [3] क्रि० वि०
खादित्वा (क्रि० वि०) खाकर, भोजन करके।

ਖੈ-ਕਾਲ खै-काल् Khai-Kal [3] वि०
क्षयकार (वि०) नाश करने वाला, विनाशक; हानिप्रद।

ਖੈਰ खैर् Khair [3] स्त्री०
खदिर (पुं०) खैर, कत्था।

ਖੈਰਾ खैरा Khaira [2] पुं०
खदिरक (वि०) खैरा, कत्थई।

ਖੋਆ खोआ Khoa [3] पुं०
क्षुदपयस् (नपुं०) दूध का मावा, खोआ।

ਖੋਹ[1] खोह् Khoh [1] स्त्री०
खनि (स्त्री०) खान, गुफा।

ਖੋਹ[2] खोह् Khoh [1] स्त्री०
क्षुधा (स्त्री०) भूख, बुभुक्षा।

ਖੋਟ खोट् Khoṭ [3] पुं०
खोट (पुं०) दोष, त्रुटि; सुवर्ण आदि उत्तम वस्तु में बुरी वस्तु की मिलावट।

ਖੋਟਾ खोटा Khoṭa [3] पुं०
खोटि (वि०) खोटा, खराब।

ਖੋਣਾ खोणा Khoṇa [3] सक० क्रि०
क्षपयति (चुरादि सक०) नष्ट करना, खोना; विताना।

ਖੋਪੜ खोपड़ Khopar [3] पुं०
द्र०—खोपड़ी।

ਖੋਪੜੀ खोपड़ी Khopri [3] स्त्री०
खर्पर (पुं०) खोपड़ी, कपाल।

ਖੋਲ खोल् Khol [2] स्त्री०
खोलि (पुं०) खोल, पोल।

ਖੋੜਾ खोड़ा Khora [1] अ०
षोढा (अ०) छः प्रकार का।

ਖੌ खौ Khau [3] पुं०
क्षय (पुं०) नाश, हानि।

ਖੰਘਣਾ खंघणा Khanghana [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खाँसना, खों-खों करना।

ਖੰਘਾਲਣਾ खंघाल्ना Khanghalna [3] सक० क्रि०
सक्षालयति (चुरादि सक०) अच्छी तरह धोना, खंघालना।

ਖੰਡ[1] खण्ड् Khand [3] पुं०
खण्ड (पुं०, नपुं०) खण्ड, भाग, टुकड़ा।

ਖੰਡ[2] खण्ड Khand [3] स्त्री०
खण्डु (पुं, स्त्री०) खाँड, शक्कर।

ਖੰਡਰ खण्डर् Khandar [3] पुं०
खण्डघर (पुं०) खँडहर, खण्डहर, टूटा घर।

ਖੰਨਾ खन्ना Khanna [3] पुं०
खण्ड (पुं०, नपुं०) टुकड़ा, भाग, हिस्सा।

ਖੰਭ खम्भ् Khambh [3] पुं०
स्कम्भ (पुं०) पंख, पक्षियों के पर।

ਖੰਭਾ खम्भा Khambha [3] पुं०
स्तम्भ/स्कम्भ (पुं०) खम्भा, स्तम्भ।

ਗ

ਗਉਰੀ गउरी Gauri [3] स्त्री०
गौरी (स्त्री०) गौरी, पार्वती।

ਗਊ गऊ Gau [3] स्त्री०
गो (स्त्री०/पुं०) स्त्री०—गाय। पुं०—बैल।

ਗਹਣ गह्ण् Gahan [3] वि०
गहन (वि०) कठिन, मुश्किल।

ਗਹਾਉਣਾ गहाउणा Gahauna [3] सक० क्रि०
ग्राहयति (क्र्यादि प्रेर०) ग्रहण कराना, पकड़ाना।

ਗਹਿਣ गहिण् Gahin [3] वि०
गहन (वि०) गहरा, गहन, गभीर।

ਗਹਿਣਾ गहिणा Gahina [1] सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) पकड़ना, लेना।

ਗਹਿਬਰ गहिबर Gahibar [3] **वि०**
गह्वर (वि० / नपुं०) वि०—गहिरा।
नपुं०—गुफा; गड्ढा।

ਗਹਿਬਰ-ਬਣ गहिबर्-वण् Gahibar-ban [3] **पुं०**
गह्वरवन (नपुं०) गहन वन, घना जंगल।

ਗਹਿਰਾ गहिरा Gahira [3] **पुं०**
गभीर (वि०) गहरा, गभीर।

ਗਹੀਰਾ गहीरा Gahīrā [3] **वि०**
गभीर (वि०) गहरा; अथाह।

ਗਗਨ गगन् Gagan [3] **पुं०**
गगन (नपुं०) गगन, आसमान।

ਗੱਛਣਾ गच्छ्णा Gacchṇā [3] **सक० क्रि०**
गच्छति (भ्वादि सक०) जाना, गमन करना।

ਗਜਾਉਣਾ गजाउणा Gajāuṇā [3] **सक० क्रि०**
गर्जयति (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) गर्जन कराना, जोर का शब्द कराना।

ਗੱਜਣਾ गज्ज्णा Gajjṇā [3] **अक० क्रि०**
गर्जति (भ्वादि अक०) गरजना, दहाड़ना।

ਗਠਜੋੜ गठ्जोड़् Gaṭhjoṛ [3] **पुं०**
ग्रन्थियोग (पुं०) गठबंधन, गाँठ का जोड़, समझौता, तालमेल।

ਗਠੜੀ गठड़ी Gaṭhṛī [3] **स्त्री०**
ग्रन्थिका (स्त्री०) गाँठ; गठरी, पोटली।

ਗੱਠ गट्ठ् Gaṭṭh [3] **पुं०**
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, जोड़।

ਗੱਠਣਾ गट्ठणा Gaṭṭhaṇā [3] **सक० क्रि०**
ग्रथ्नाति (क्र्यादि सक०) जोड़ना, बाँधना; गूँथना, पिरोना।

ਗੱਠਾ[1] गट्ठा Gaṭṭhā [3] **पुं०**
ग्रथन (पुं०) गुच्छा, पुंज।

ਗੱਠਾ[2] गट्ठा Gaṭṭhā [3] **पुं०**
पलाण्डु (पुं०) प्याज, सब्जी-विशेष।

ਗਡਰੀਆ गड्रीआ Gadrīā [2] **पुं०**
गड्डरीक (पुं०) गड़ेरिया, भेड़ पालने और चराने वाली जाति।

ਗੱਡੀ गड्डी Gaddī [3] **स्त्री०**
गन्त्री (स्त्री०) गाड़ी; रेलगाड़ी।

ਗੱਢਾ गड्ढा Gaddha [3] **पुं०**
गर्त (नपुं०) गड्ढा, खाई, खन्दक।

ਗਣਪਤ गण्पत् Ganpat [3] **पुं०**
गणपति (पुं०) गणपति, गणेश देवता।

ਗਣਿਕਾ गणिका Gaṇikā [3] **स्त्री०**
गणिका (स्त्री०) वेश्या, रण्डी।

ਗਣਿਤ गणित् Gaṇit [3] **पुं०**
गणित (नपुं०) गणित, अंकशास्त्र।

ਗਤ गत् Gat [3] **स्त्री०**
गति (स्त्री०) गति; सद्गति; मोक्ष।

ਗਤੀ गती Gati [3] स्त्री०
गति (स्त्री०) गति, गमन, पहुँच।

ਗਦਹਾ गद्हा Gadha [3] पुं०
गर्दभ (पुं०) गदहा, गधा।

ਗਦਾ गदा Gadā [3] स्त्री०
गदा (स्त्री०) गदा, आयुध-विशेष, मुद्गर।

ਗੱਦੋਂ गद्दों Gaddō [3] पुं०
द्र०—ਗਧਾ।

ਗਧਾ गधा Gadhā [3] पुं०
गर्दभ (पुं०) गधा, गदहा।

ਗਧੀ गधी Gadhī [3] स्त्री०
गर्दभी (स्त्री०) गदही, गधी।

ਗੱਪ गप्प् Gapp [3] स्त्री०
जल्प (पुं०) गप्प; डींग; दर्प।

ਗੱਪੀ गप्पी Gappī [3] पुं०
जल्पिन् (वि०) डींग मारने वाला, मिथ्याभिमानी।

ਗੱਬਰ गब्बर् Gabbar [3] पुं०
गर्वर (वि०) अभिमानी, घमण्डी।

ਗੱਭ गब्भ् Gabbh [3] पुं०
गर्भ (पुं०) गर्भाशय, भ्रूण; गर्भावस्था।

ਗੱਭਣ गब्भण् Gabbhaṇ [3] स्त्री०
गर्भिणी (स्त्री०) गाभिन, गर्भयुक्त पशु।

ਗਭਰੂ गब्भ्रू Gabbhrū [3] पुं०
गर्भरूप (पुं०) युवक, जवान; पति।

ਗੱਭਾ गब्भा Gabbhā [3] पुं०
गर्भ (पुं०) बछड़ा; मध्य, बीच में।

ਗਮਤਾ गम्ता Gamtā [3] स्त्री०
गम्यता (स्त्री०) पहुँच, सामर्थ्य।

ਗਮਨ गमन् Gaman [3] पुं०
गमन (नपुं०) स्त्रीगमन, सम्भोग।

ਗਮਰੁੱਠ गम्रुट्ठ् Gamruṭṭh [3] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, रूठा हुआ, नाराज।

ਗਰਗ गरग् Garag [3] पुं०
गर्ग (पुं०) वितत्थ के पुत्र एक प्राचीन ऋषि जो ज्योतिष विद्या के आचार्य कहे गये हैं।

ਗਰਤ गरत् Garat [3] पुं०
गर्त (नपुं, पुं०) गड्ढा, खाई; बिल।

ਗਰਧਬ गर्धब् Gardhab [1] पुं०
द्र०—ਗਧਾ।

ਗਰਬ गरब् Garab [3] पुं०
गर्व (पुं०) अहङ्कार, अभिमान, घमंड।

ਗਰਬੀ गर्बी Garbī [3] वि०
गर्विन् (वि०) गर्व वाला, अभिमानी, घमंडी।

ਗਰਬੇਣ गर्बेण् Garbeṇ [3] क्रि० पुं०
गर्वेण (पुं० तृतीयान्त) गर्व से, घमण्ड से।

ਗਰਬੇਨ गर्बेन् Garben [3] **क्रि० वि०**
द्र०—ਗਰਬੇਣ।

ਗਰਭ गर्भ् Garbh [3] **पुं०**
गर्भ (पुं०) गर्भ; गर्भ का बच्चा।

ਗਰਭਣੀ गर्भणी Garbhaṇi [3] **स्त्री०**
गर्भिणी (स्त्री०) गर्भिणी, गर्भवती।

ਗਰਭਵਤੀ गर्भ्वती Garbhvati [3] **स्त्री०**
गर्भवती (स्त्री०) गर्भिणी, गर्भ से युक्त।

ਗਰਭਾਸ਼ਾ गर्भाशा Garbhāśā [3] **पुं०**
गर्भाशय (पुं०) गर्भस्थान, बच्चेदानी।

ਗਰਭਿਤ गर्भित् Garbhit [3] **वि०**
गर्भित (वि०) गर्भयुक्त; भरा हुआ।

ਗਰਮਾਈ गर्माई Garmāī [3] **स्त्री०**
ग्रीष्मता (स्त्री०) गर्मी, उष्णता।

ਗਰੜ गरड़् Garar [1] **पुं०**
गरुड़ (पुं०) गरुड़, पक्षियों का राजा।

ਗਰਲ गरल् Garal [3] **स्त्री०**
गरल (पुं०) जहर; सर्पविष।

ਗਰਵ गर्व् Garv [3] **पुं०**
गर्व (पुं०) गर्व, घमण्ड।

ਗਰਵੀਲਾ गर्वीला Garvīlā [1] **पुं०**
गर्विल (वि०) गर्वीला, घमण्डी।

ਗਰਾਂ गराँ Garā̃ [3] **पुं०**
ग्राम (पुं०) गाँव, ग्राम।

ਗਰਾਈਂ ग्राइँ Grāī̃ [3] **पुं०**
ग्रामिन् (वि०) गाँव वाला, ग्रामवासी।

ਗਰਾਸ गरास् Garās [3] **पुं०**
ग्रास (पुं०) कौर, कवल, ग्रास।

ਗਰਾਹ गराह् Garāh [1] **पुं०**
ग्रास (पुं०) मुँहभर, ग्रास, कवल।

ਗਰਾਹੀ ग्राही Grāhī [3] **स्त्री०**
ग्रास (पुं०) मुँहभर, भोज्य, ग्रास, कवल।

ਗਰਾਲ गराल् Garāl [3] **स्त्री०**
लालारस (पुं०) लार, मुँह का लालारस।

ਗਰਸਿਤ गर्सित् Garsit [1] **वि०**
द्र०—ਗ੍ਰਸਤ।

ਗਰਿਹਸਥੀ गरिहस्थी Garihasthī [3] **पुं०**
गार्हस्थ्य (नपुं०) गृहस्थी, गृहस्थ का भाव या कर्म।

ਗਰੁੜ गरुड़ Garuṛ [2] **वि०**
गारुड (वि०) गरुड़ देवता से सम्बन्धित मन्त्र या औषधि आदि।

ਗਰੁੜਾਗੀ गरुड़ागी Garuṛāgī [1] **पुं०**
गारुडिक (वि०) गरुड़ मन्त्र का ज्ञाता, साँप का विष दूर करने वाला।

ਗਲ गल् Gal [3] **पुं०**
गल (पुं०) गला, गर्दन।

ਗਲਹੱਥਾ गल्हत्था Galhatthā [3] **पुं०**
गलहस्त (पुं०) धकेलने के लिये गले पर रखा हुआ चन्द्र के आकार का हाँथ।

ਗਲਣ गलण् Galaṇ [3] पुं०
गलन (नपुं०) गलने या पिघलने का भाव।

ਗਲਣਾ गल्णा Galṇā [3] अक० क्रि०
गलति (भ्वादि अक०) गलना; पिघलना।

ਗਲਤੀ गल्ती Galtī [3] स्त्री०
गलवलित (नपुं०) गले में लपेटी चादर, उत्तरीय।

ਗਲਮਾਂ गल्माँ Galmā̃ [1] पुं०
द्र०—ਗਲਾਵਾਂ।

ਗਲਵਾਂ गल्वाँ Galvā̃ [1] पुं०
द्र०—ਗਲਾਵਾਂ।

ਗਲਾ गला Galā [3] पुं०
द्र०—ਗਲ।

ਗਲਾਸ गलास् Galās [3] पुं०
गल्वर्क (पुं०) गिलास, पानी पीने का पात्र।

ਗਲਾਵਾਂ गलावाँ Galāvā̃ [3] पुं०
गलदामन् (नपुं०) गुलेबन्द; गले की रस्सी; कुर्ता या कमीज आदि का कॉलर।

ਗਲੋ गलो Galo [2] स्त्री०
गुडूची (स्त्री०) नीम गिलोय, एक प्रकार की लता जो ज्वर में दवा के रूप में प्रयुक्त होती है।

ਗੱਲ गल्ल् Gall [3] स्त्री०
जल्प (पुं०) कथन; गप्प; तर्क, बहस।

ਗੱਲ੍ਹ गल्ल्ह् Gallh [3] स्त्री०
गल्ल (पुं०) गाल, कपोल।

ਗਵਾਂਢ गवाँढ् Gavā̃ḍh [3] पुं०
ग्रामार्द्ध (पुं०) ग्राम के समीप; पड़ोस।

ਗਵਾਂਢਣ गवाँढण् Gavā̃ḍhaṇ [3] स्त्री०
ग्रामार्धिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, प्रतिवेशिनी।

ਗਵਾਂਢੀ गवाँढी Gavā̃ḍhī [3] पुं०
द्र०—ਗੁਆਂਢੀ।

ਗਵਾਰ गवार् Gavār [3] पुं०
ग्रामनर (पुं०) गाँव का आदमी, देहाती; असभ्य, अशिक्षित।

ਗਵਾਲਾ गवाला Gavālā [3] पुं०
गोपाल (पुं०) ग्वाला, चरवाहा।

ਗੜਵਈ गड़्वई Gaṛvaī [3] पुं०
गडुकवाह (वि०) गड़वा उठाने वाला, सेवक, पानी पिलाने वाला।

ਗੜਵਾ गड़्वा Gaṛvā [3] पुं०
गडुक (पुं०) गड़वा, झारा; लोटा।

ਗੜਾ गड़ा Gaṛā [3] पुं०
गड (पुं०) ओला, हिम-उपल।

ਗੜ੍ਹ गढ़् Gaṛh [3] पुं०
गडु (पुं०) घेंघ, गले आदि में एक प्रकार का शोथ-रोग।

ਗਾਂ गाँ Gā̃ [3] स्त्री०
गो (स्त्री०) गाय, गौ, गऊ।

ਗਾਉ गाउ Gau [2] स्त्री॰
द्र॰—ਗਾਂ।

ਗਾਉਂ गाउँ Gaũ [3] पुं॰
ग्राम (पुं॰) ग्राम, गाँव।

ਗਾਉਣਾ गाउणा Gauṇa [2] अक॰ क्रि॰
गायति (भ्वादि सक॰) गाना, गीत गाना।

ਗਾਇਕ गाइक् Gaik [3] पुं॰
गायक (वि॰) गायक, गान करने वाला।

ਗਾਇਣ गाइण् Gaiṇ [3] पुं॰
गान (नपुं॰) गाने का भाव।

ਗਾਇਤਰੀ गाइत्री Gaitri [3] स्त्री॰
गायत्री (स्त्री॰) गायत्री मंत्र या गायत्री देवी।

ਗਾਇਨ गाइन् Gain [3] पुं॰
गान (नपुं॰) गाना, गीत, गाने का भाव।

ਗਾਈ गाई Gaī [2] स्त्री॰
गो (स्त्री॰) गाय, गऊ।

ਗਾਹ गाह्, Gāh [3] पुं॰
गाहन (नपुं॰) अवगाहन, निमज्जन, नहाने का भाव; तोड़ने, हिलाने या नष्ट करने का भाव।

ਗਾਹਕ गाहक् Gahak [3] वि॰
ग्राहक (वि॰) ग्राहक, लेने वाला, खरीदने वाला।

ਗਾਹਕੀ गाह्की Gahkī [3] स्त्री॰
ग्राहकता (स्त्री॰) ग्राहकी, खरीददार का भाव या कर्म।

ਗਾਹਣਾ गाह्णा Gahṇa [3] सक॰ क्रि॰
गाहते (भ्वादि सक॰) विलोडन करना; कुचलना; मसलना। जल में गोता लगाना।

ਗਾਹੁਣਾ गाहुणा Gahuṇa [3] सक॰ क्रि॰
गाहते (भ्वादि सक॰) रौंदना; घूमना; खोजना, ढूँढना।

ਗਾਹੂ गाहू Gāhū [3] पुं॰
ग्राहुक (पुं॰) पकड़ने वाला।

ਗਾਗਨਾ गाग्ना Gagna [1] पुं॰
कङ्कण (नपुं॰) कंगना, कगन।

ਗਾਗਰ गागर् Gāgar [3] स्त्री॰
गर्गर (पुं॰) गागर, घड़ा।

ਗਾਗਰੀ गाग्री Gagrī [2] स्त्री॰
द्र॰—ਗਾਗਰ।

ਗਾਜਰ गाजर् Gajar [3] स्त्री॰
गार्जर (पुं॰) गाजर, एक प्रकार का कन्द जिसे खाया जाता है।

ਗਾਂਜਾ गाँजा Gãja [3] पुं॰
गञ्जा (स्त्री॰) गाँजा; भांग।

ਗਾਟਾ गाटा Gaṭa [3] पुं॰
गट्टक (पुं॰) गर्दन, गला, जिसमें जल पीते समय 'गट्-गट्' की ध्वनि होती है।

ਗਾਠੜੀ गाठ्ड़ी Gathṛi [1] स्त्री०
द्र०—ਗਠੜੀ।

ਗਾੜਰੂ गाड्रू Gaḍrū [1] पुं०
गारुड (पुं०) गारुड मणि, पन्ना; सर्पों को वशीभूत करने वाला मन्त्र।

ਗਾਤਰਾ गात्रा Gatra [3] पुं०
गात्र (नपुं०) देह, शरीर, अङ्ग।

ਗਾਦ गाद् Gad [3] पुं०
गाध (वि०/नपुं०) वि०—पार होने योग्य, उथला। नपुं०—उथली जगह।

ਗਾਂਧਰਵ गान्ध्रव् Gādhrav [3] वि०/पुं०
गान्धर्व (वि०/नपुं०/पुं०) वि०—गन्धर्व से सम्बन्धित। नपुं०—संगीत विद्या। पुं०—घोड़ा; विवाह की एक विधि।

ਗਾਂਧੀ गाँधी Gādhī [1] पुं०
गान्धिक (पुं०) इत्र-विक्रेता, गान्धी एक जाति।

ਗਾਬਾ गाबा Gāba [2] पुं०
गोपोत (पुं०) गाय का दूध पीता बछड़ा।

ਗਾਬੀ गाबी Gābī [2] स्त्री०
गोपोती (स्त्री०) गाय की दूध पीती बछिया।

ਗਾਭਣੀ गाभ्णी Gābhṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਗੱਭਣ।

ਗਾਰਵ गारव् Garav [1] पुं०
द्र०—ਗੌਰਵ।

ਗਾਰੜੀ गार्ड़ी Garṛī [3] पुं०
गारुडिक (पुं०) गरुड़-मंत्र का ज्ञाता, सर्पों का विष झारने वाला व्यक्ति।

ਗਾਰੜੂ गार्ड़ू Gaṛū [1] पुं०
द्र०—ਗਾਰੜੀ।

ਗਾਲਣਾ गाल्णा Galṇa [3] सक० क्रि०
गालयति (भ्वादि प्रेर०) गलाना, पिघलाना।

ਗਾਲ੍ਹ गाल्ह् Galh [3] स्त्री०
गालि (स्त्री०) गाली, अपशब्द।

ਗਾਵਣਾ गाव्णा Gāvṇa [2] पुं०
गायन (नपुं०) गायन करना, गाना।

ਗਾਂਵੜਾ गांव्ड़ा Gāvṛa [1] पुं०
ग्राम / ग्रामटिका (पुं, स्त्री०) गाँव, छोटा गाँव।

ਗਾਵਾਦੁਧ गावादूध् Gāvadūdh [3] पुं०
गोदुग्ध (नपुं०) गोदुग्ध, गाय का दूध।

ਗਾੜ੍ਹ गाढ़् Gaṛh [3] वि०
गाढ (वि०) घना; गहरा; अतिशय, अत्यन्त।

ਗਾੜ੍ਹਾ गाढ़ा Gaṛha [3] पुं०
गाढ (वि०) गाढ़ा, घना; गहरा; अतिशय; पक्का।

ਗਿਆ गिआ Gia [3] वि०
गत (वि०) गया हुआ, बीता हुआ।

ਗਿਆਤ गयात् Gyat [3] वि०
ज्ञात (वि०) जाना हुआ, ज्ञात, विदित ।

ਗਿਆਤਾ ग्याता Gyata [3] पुं०
ज्ञातृ (वि०) जानने वाला, ज्ञानी ।

ਗਿਆਨ ग्यान् Gyan [3] पुं०
ज्ञान (नपुं०) ज्ञान, बोध, समझ; बुद्धि ।

ਗਿਆਨਣ ग्यानण् Gyanaṇ [3] स्त्री०
ज्ञानिनी (स्त्री०) ज्ञानी स्त्री, बोध-युक्ता, समझदार ।

ਗਿਆਨਮਤੀ ग्यान्मती Gyanmatī [3] स्त्री०
ज्ञानवती (स्त्री०) ज्ञान से युक्त स्त्री ।

ਗਿਆਨ-ਵਿਹੂਣਾ ग्यान्-विहूणा Gyan-vihūṇa [3] वि०
ज्ञानविहीन (वि०) ज्ञान विहीन, अज्ञानी ।

ਗਿਆਨਵੰਤ ग्यान्वन्त् Gyanvant [3] पुं०
ज्ञानवत् (वि०) ज्ञानवान्, ज्ञान से युक्त ।

ਗਿਆਨੀ ग्यानी Gyani [3] वि०
ज्ञानिन् (वि०) जानने वाला, ज्ञाता ।

ਗਿਆਰਸ ग्यारस् Gyaras [2] स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि या व्रत ।

ਗਿਆਰਾਂ ग्याराँ Gyarā̃ [3] वि०
एकादशन् (वि०) ग्यारह, 11 संख्या; ग्यारह संख्या से युक्त ।

ਗਿਝਣਾ गिझ्णा Gijhṇa [3] सक० क्रि०
गृध्यति (दिवादि सक०) इच्छा करना; लोभ करना ।

ਗਿੱਠਾ गिट्ठा Gittha [3] वि०
ग्रन्थिल (वि०) ठिगना, नाटा, बौना ।

ਗਿੱਡ गिड्ड् Gidd [2] स्त्री०
किट्ट (नपुं०) नेत्र का मैल; कीट ।

ਗਿਣਤਕਾਰ गिणत्कार् Giṇatkar [3] पुं०
गणितकार (पुं०) लेखाकार, गणितज्ञ; ज्योतिषी ।

ਗਿਣਤੀ गिण्ती Giṇtī [3] स्त्री०
गणिति (स्त्री०) गिनती, गिनने का भाव ।

ਗਿਣਨਾ गिण्ना Giṇna [3] सक० क्रि०
गणयति (चुरादि सक०) गिनना, गिनती करना ।

ਗਿੱਦੜ गिद्दड़् Giddaṛ [3] पुं०
गृध्नुतर (पुं०) गीदड़, सियार ।

ਗਿੱਧ गिद्ध् Giddh [3] पुं०
गृध्र (पुं०) गीध, गिद्ध पक्षी ।

ਗਿਰਹੀ गिर्ही Girhī [1] पुं०
गृहिन् (वि०) गृही, गृहस्थ ।

ਗਿਰਗਟ गिर्गट् Girgaṭ [3] पुं०
गलगति (पुं०) गिरगिट, सरट ।

ਗਿਰਝ गिरझ् Girajh [3] स्त्री०
द्र०—गिॅध ।

ਗਿਰਨਾ गिरना Girna [3] अक० क्रि०
गिरति (तुदादि अक०) गिरना; टपकना।

ਗਿਰਵਰ गिर्वर् Girvar [3] पुं०
गिरिवर (पुं०) श्रेष्ठ पर्वत; हिमालय पर्वत।

ਗਿਰਾਂ गिरां Girā̃ [3] पुं०
ग्राम (पुं०) ग्राम, गाँव।

ਗਿਰਾਉਂ गिराउँ Girāũ [3] पुं०
द्र०—ਗਿਰਾਂ।

ਗਿਰਾਸ गिरास् Girās [3] पुं०
ग्रास (पुं०) ग्रास, कौर; भक्ष्य; नित्य भोजन; निगलना।

ਗਿਰਾਮ गिराम् Girām [1] पुं०
द्र०—ਗਿਰਾਂ।

ਗਿਲਾਨੀ गिलानी Gilānī [3] स्त्री०
ग्लानि (स्त्री०) ग्लानि, घृणा; खिन्नता।

ਗਿਲੋ गिलो Gilo [3] स्त्री०
गुडूची/गिलोय (स्त्री०) नीमगिलोय, एक प्रकार की लता जो ज्वर में दवा के रूप में प्रयुक्त होती है।

ਗਿਲੋਟ गिलोट् Gilot̤ [3] पुं०
गिलोड्य (नपुं०) आलू की जाति का एक जंगली कन्द।

ਗੀਤ गीत् Gīt [3] पुं०
गीत (नपुं०) गीत, गाना।

ਗੁਆਢ ग्वाँढ् Gvā̃ḍh [3] पुं०
ग्रामार्ध (नपुं०) पड़ोस, सामीप्य।

ਗੁਆਂਢਣ ग्वाँढण् Gvā̃ḍhaṇ [3] स्त्री०
ग्रामार्धिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, घर के पास रहने वाली।

ਗੁਆਂਢੀ ग्वाँढी Gvā̃ḍhī [3] पुं०
ग्रामार्द्धिन् (वि०) पड़ोसी, प्रतिवेशी।

ਗੁਆਲ ग्वाल् Gvāl [3] पुं०
गोपाल (पुं०) ग्वाला; चरवाहा; ग्वाला जाति-विशेष।

ਗੁਆਲਾ ग्वाला Gvālā [3] पुं०
गोपालक (पुं०) ग्वाल, ग्वाला।

ਗੁਸਈਆ गुसईआ Gusaīā [1] पुं०
द्र०—ਗੁਸਾਂਈ।

ਗੁਸਈਆਂ गुसईआँ Gusaīā̃ [1] पुं०
द्र०—ਗੁਸਾਈਂ।

ਗੁਸਾਇਣ गुसाइण् Gusāiṇ [3] स्त्री०
गोस्वामिनी (वि० / स्त्री०) वि०—गायों की मालकिन, गोस्वामी या गोसाईं-जाति विशेष की स्त्री।

ਗੁਸਾਇਣੀ गुसाइणी Gusāiṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਗੁਸਾਇਣ।

ਗੁਸਾਈਂ गुसाईं Gusāī̃ [3] पुं०
गोस्वामिन् (वि०/पुं०) त्रि०—गोस्वामी, गायों का मालिक। पुं०—गोस्वामी या गोसाईं जाति-विशेष।

ਗੁਹਜ गुह्ज Guhaj [3] **वि०**
गुह्य (वि०) गुप्त, छिपा हुआ।

ਗੁੱਗਲ गुग्गल् Guggal [3] **पुं०**
गुग्गुल/गुग्गुलु (पुं०) गूगल, सुगन्धित पदार्थ-विशेष।

ਗੁੱਛਾ गुच्छा Gucchā [3] **पुं०**
गुच्छ (पुं०) फल-फूल आदि का गुच्छा।

ਗੁਜਰਾਤ गुज्रात् Gujrāt [3] **पुं०**
गुर्जरराष्ट्र (नपुं०) गुर्जरप्रान्त, गुजरात।

ਗੁਜਰੀ गुज्री Gujrī [3] **स्त्री०**
गुर्जरी (स्त्री०) गूजरी, गूजर जाति की स्त्री।

ਗੁੱਜਰ गुज्जर् Gujjar [3] **पुं०**
गुर्जर (पुं०) ग्वालों की एक जाति, गूजर।

ਗੁੱਝ गुज्झ् Gujjh [3] **स्त्री०**
गुह्य (वि० / नपुं०) वि०—गुप्त, गोप्य। नपुं०—चर्खे का एक गुप्त भाग, चर्खे की धुरी।

ਗੁੱਝਾ गुज्झा Gujjhā [3] **वि०**
गुह्य (वि०) गुप्त, छिपा हुआ, रहस्य।

ਗੁਟਕਾ गुट्का Guṭkā [1] **स्त्री०**
गुटिका (स्त्री०) गुटिका, दवा आदि की वटी; लकड़ी आदि का छोटा टुकड़ा।

ਗੁਣ गुण् Guṇ [3] **पुं०**
गुण (पुं०) उत्तम शील, सद्वृत्ति; सत्त्व आदि गुण।

ਗੁਣ-ਗਾਹਕ गुण्गाहक् Guṇgāhak [3] **वि०**
गुणग्राहक (वि०) गुणग्राही, गुणों का सम्मान करने वाला।

ਗੁਣੱਗ गुणग्ग् Guṇagg [3] **वि०**
गुणज्ञ (वि०) गुण को जानने वाला, गुणग्राही।

ਗੁਣਨਾ गुण्ना Guṇnā [3] **सक० क्रि०**
गुणयति/ते (चुरादि सक०) गिनना, हिसाब करना; गुणा करना।

ਗੁਣਨਿਧਾਨ गुण्निधान् Guṇnidhān [3] **वि०**
गुणनिधान (वि०) गुण-निधान, गुणों की खान।

ਗੁਣਬਾਣੀ गुण्बाणी Guṇbāṇī [1] **स्त्री०**
गुणवाणी (स्त्री०) गुणवाणी, गुणों से विभूषित-वाणी, सद्-वचन।

ਗੁਣਵਾਨ गुण्वान् Guṇvān [3] **पुं०**
गुणवत् (वि०) गुणवान्, गुणी, अच्छे भावों वाला।

ਗੁਣਵੰਤਾ गुण्वन्ता Guṇvantā [3] **वि०**
द्र०—ਗੁਣਵਾਨ।

ਗੁਣਾ गुणा Guṇā [3] **वि०**
गुणित (वि०) गुना, कई बार गिना हुआ।

ਗੁਣਾਢ गुणाढ् Guṇāḍh [3] **वि०**
गुणाढ्य (वि०) गुणों से परिपूर्ण, गुणों का धनी।

ਗੁਣਾਧਾਰ गुणाधार् Gunadhar [3] पुं०
गुणाधार (पुं०) गुणों का आधार, उन्नत भावों का आश्रय ।

ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰ गुणी-गहीर् Guni-Gahir [3] वि०
गुणगम्भीर (वि०) गुणों से गम्भीर, अच्छे भावों के कारण महान् ।

ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰਾ गुणी-गहीरा Guni-Gahira [3] वि०
द्र०—ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰ ।

ਗੁਣੀ-ਗਹੇਰਾ गुणी-गहेरा Guni-gahera [1] वि०
द्र०—ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰਾ ।

ਗੁਣੀ-ਜਨ गुणीजन् Gunijan [3] पुं०
गुणिजन (पुं०) गुणीजन, गुणवान् लोग ।

ਗੁਣੀਤਾ गुणीता Gunita [3] पुं०
गुणवत् (वि०) गुणवान्, गुणी ।

ਗੁਥਾਉਣਾ गुथाउणा Guthauna [3] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (म्वादि प्रेर०) गुँथवाना, गूँथने की प्रेरणा देना ।

ਗੁੱਥਣਾ गुत्थणा Gutthana [3] सक० क्रि०
ग्रथ्नाति/ग्रन्थते (क्र्यादि/म्वादि सक०) गूँथना, पिरोना ।

ਗੁੰਦਣਾ गुन्दणा Gundna [3] सक० क्रि०
ग्रन्थते (म्वादि सक०) गूँथना, पिरोना ।

ਗੁੱਦ गुद्द् Gudd [3] पुं०
गोर्द (नपुं०) गुद्दा, फल के भीतर का भाग ।

ਗੁੱਦਾ गुद्दा Gudda [3] पुं०
द्र०—ਗੁੱਦ ।

ਗੁੰਨ੍ਹਣਾ गुन्न्हणा Gunnhana [2] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) गूँथना; गूँधना ।

ਗੁਨ੍ਹਾਉਣਾ गुन्हाउणा Gunhauna [2] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (म्वादि प्रेर०) गुँथाना, गूँथने की प्रेरणा देना ।

ਗੁਪਤ गुपत् Gupat [3] वि०/पुं०
गुप्त (वि० / पुं०) वि०—रक्षित; छिपा हुआ । पुं०—वैश्य जाति की उपाधि; एक ऐतिहासिक राजवंश ।

ਗੁਪਤਾ गुप्ता Gupta [3] स्त्री०
गुप्ता (स्त्री०) काव्य शास्त्र के अनुसार गुप्ता नायिका जो अपने अभिसरण को छिपाती है ।

ਗੁਪਤੀ गुप्ती Gupti [3] स्त्री०
गुप्ति (स्त्री०) गुप्ति, शस्त्र-विशेष ।

ਗੁਪਾਲ गुपाल् Gupal [3] पुं०
गोपाल (वि० / पुं०) वि०—गायों का रखवाला । पुं०—ग्वाला; भगवान् श्रीकृष्ण ।

ਗੁਫਾ गुफा Gupha [3] स्त्री०
गुहा (स्त्री०) गुफा, कन्दरा ।

ਗੁਮ गुम्म् Gumm [3] **वि०**
लुम्नित (वि०) खोया हुआ, गुम।

ਗੁੰਮਹੀ गुम्म्ही Gummhī [1] **पुं०**
गुल्म (पुं०) गूमड़ा, आघात इत्यादि से उत्पन्न व्रण या शोथ।

ਗੁਰ गुर् Gur [3] **पुं०**
गुरु (पुं०) गुरु, उपदेशक।

ਗੁਰ-ਉਪਦੇਸ਼ गुर्-उपदेश् Gur-updeś [3] **पुं०**
गुरूपदेश (पुं०) गुरु का उपदेश, गुरु को शिक्षा।

ਗੁਰ-ਅੰਸ਼ गुर्-अंश् Gur-ãś [3] **पुं०**
गुरुवंशज (पुं०) गुरु के वंश में उत्पन्न, गुरु वंश का।

ਗੁਰ-ਸਬਦ गुर्सबद् Gur-sabad [3] **पुं०**
गुरुशब्द (पुं०) गुरू के उपदेश; गुरु-मंत्र।

ਗੁਰਸਾਖੀ गुर्साखी Gursākhi [3] **स्त्री०**
गुरुशिक्षा (स्त्री०) गुरु-कथा, गुरु-शिक्षा।

ਗੁਰਕਾਰ गुर्कार् Gurkār [1] **पुं०**
गुरुकार्य (नपुं०) गुरु का कार्य, गुरु-सेवा।

ਗੁਰ-ਕਿਰਪਾ गुर्-किर्पा Gur-Kirpa [3] **स्त्री०**
गुरुकृपा (स्त्री०) गुरु की कृपा, गुरु की दया।

ਗੁਰ-ਗਿਆਨ गुर्ग्यान् Gur-gyān [3] **पुं०**
गुरुज्ञान (नपुं०) गुरु द्वारा प्रदत्त ज्ञान, गुरु से प्राप्त बोध।

ਗੁਰ-ਗਿਆਨੀ गुर्-ग्यानी Gur-gyanī [3] **पुं०**
गुरुज्ञानिन् (वि०) बहुत ज्ञानी, परम ज्ञानवान्।

ਗੁਰ-ਜੋਤੀ गुर्-जोती Gur-jotī [3] **स्त्री०**
गुरुज्योतिस् (नपुं०) महान् ज्योति, आत्मिक प्रकाश, ब्रह्म का साक्षात्कार कराने वाला ज्ञान।

ਗੁਰ-ਦੱਛਣਾ गुर्-दच्छ्णा Gur-dacchna [3] **स्त्री०**
गुरुदक्षिणा (स्त्री०) गुरु दक्षिणा, गुरु के लिये भेंट।

ਗੁਰਦਵਾਰਾ गुरद्वारा Gurdvara [3] **पुं०**
गुरुद्वार (नपुं०) गुरुद्वारा, सिक्खों का धार्मिक स्थान।

ਗੁਰ-ਦੀਖਿਆ गुर्दीख्या Gurdīkhyā [3] **स्त्री०**
गुरुदीक्षा (स्त्री०) गुरुदीक्षा, गुरु से मंत्र लेने का संस्कार-विशेष।

ਗੁਰਦੁਆਰਾ गुर्द्वारा Gurdvara [3] **पुं०**
द्र०—ਗੁਰਦਵਾਰਾ।

ਗੁਰਦੇਵ गुर्देव् Gurdev [3] **पुं०**
गुरुदेव (पुं०) गुरुदेव, गुरु, उपदेशक।

ਗੁਰਧਾਮ गुर्धाम् Gurdhām [3] **पुं०**
गुरुधामन् (नपुं०) गुरुधाम, गुरु का स्थान।

ਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦ गुर्प्रसाद् Gurprasād [3] **पुं०**
गुरुप्रसाद (पुं०) गुरु का प्रसाद, गुरु की कृपा।

ਗੁਰਬਾਣੀ गुरबाणी Gurbani [3] स्त्री०
गुरुवाणी (स्त्री०) गुरुवाणी, गुरुवचन।

ਗੁਰਬੰਸ਼ गुर्बंश् Gurbans [3] पुं०
गुरुवंश (पुं०) गुरु का वंश, गुरु का कुल।

ਗੁਰੂ गुरू Gurū [3] पुं०
गुरु (पुं०) गुरु, गुरुदेव; शिक्षक।

ਗੁਰੋਚਨ गुरोचन् Gurocan [3] पुं०
गोरोचना (स्त्री०) गोरोचन, जिसका मस्तक या शरीर में लेप किया जाता है।

ਗੁਲਾਲ गुलाल् Gulāl [3] पुं०
गुलाल (नपुं०) गुलाल, रंग-विशेष।

ਗੁਲੂਬੰਦ गुलूबन्द् Gulūband [3] पुं०
गलबन्ध (पुं०) गुलेबन्द, कान बाँधने का ऊनी वस्त्र-खण्ड।

ਗੁਲ੍ਹਰ गुल्हर् Gulhar [1] पुं०
द्र०—ਗੂਲਰ।

ਗੁੜ गुड़् Guṛ [3] पुं०
गुड (पुं०) गुड़।

ਗੁੜੰਬਾ गुड़म्बा Guṛamba[3] पुं०
गुडाम्र (नपुं०) गुड़म्बा, कच्चे आम का मुरब्बा।

ਗੁੜੰਭਾ गुड़म्भा Guṛambha [1] पुं०
द्र०—ਗੁੜੰਬਾ।

ਗੂੰਹ गूँह् Gūh [3] पुं०
गूथ (पुं०, नपुं०) विष्ठा, मल।

ਗੁਜਣਾ गुजणा Gujna [3] अक० क्रि०
गुञ्जति (भ्वादि अक०) गुंजार करना; अस्पष्ट बोलना।

ਗੂਠਾ गूठा Gūṭha [1] पुं०
द्र०—ਅੰਗੂਠਾ।

ਗੂਣ गूण् Gūṇ [3] स्त्री०
गोणी (स्त्री०) सन का बोरा या बोरी।

ਗੂਣੀ गूणी Gūṇī [3] स्त्री०
गोणी (स्त्री०) बोरा या बोरी।

ਗੂਤਰ गूतर् Gūtar [1] पुं०
गोमूत्र (नपुं०) गोमूत्र, गाय का मूत्र।

ਗੂਲਰ गूलर् Gūlar [3] पुं०
उदुम्बर (पुं० / नपुं०) पुं०—गूलर का वृक्ष। नपुं०—गूलर का फल।

ਗੂੜ੍ਹ गूढ़् Gūṛh [3] वि०
गूढ (वि०) गुप्त, छिपा हुआ।

ਗੂੜ੍ਹਾਰਥ गूढ़ार्थ् Gūṛharth [3] पुं०
गूढार्थ (पुं०) गुप्त अर्थ, छिपा हुआ भाव; दूसरा अर्थ।

ਗੇਂਦ गेंद् Gẽd [3] स्त्री०
गेन्दुक (पुं०) गेंद, कन्दुक।

ਗੇਰਵਾ गेर्वा Gerva [3] वि०
गैरिक (वि०) गेरू रंग का, गेरुआ।

ਗੇਰੀ गेरी Gerī [1] स्त्री०
द्र०—ਗੇਰੂ।

ਗੇਰੂ गेरू Gerū [3] पुं०
गैरिक (स्त्री०) गेरु; कषाय रंग।

ਗੈਂਡਾ गैंडा Gaiḍa [3] पुं०
गण्डक (पुं०) गैंडा, एक जंगली जानवर।

ਗੈਂਡੀ गैंडी Gaiḍī [3] स्त्री०
गण्डी (स्त्री०) गैंडी (पशु), मादा गैंडा।

ਗੈਂਤੀ गैंती Gaitī [3] स्त्री०
खनित्री (स्त्री०) गैंती, कठिन भूमि खोदने का पतले मुँह का फावड़ा, विशेष प्रकार की खन्ती।

ਗੋਇੰਦ गोइन्द् Goind [3] पुं०
गोविन्द (पुं०) गोविन्द, भगवान् विष्णु।

ਗੋਇਲ गोइल् Goil [1] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोशाला; चरागाह।

ਗੋਇਲੀ गोइली Goilī [1] पुं०
द्र०—ਗੋਇਲ।

ਗੋਸ਼ਟ गोशट् Gośaṭ [2] पुं०
द्र०—ਗੋਸ਼ਟੀ।

ਗੋਸ਼ਟੀ गोश्टी Gośṭī [3] स्त्री०
गोष्ठी (स्त्री०) गोष्ठी, सभा, विद्वत्-समुदाय।

ਗੋਹ गोह् Goh [3] स्त्री०
गोधा (स्त्री०) सर्प जाति का एक विषधर कीड़ा, गोह।

ਗੋਹਰਨ गोह्रन् Gohran [1] स्त्री०
गुदरन्ध्र (पुं०) मलद्वार, गुदा।

ਗੋਹਟਾ गोह्टा Gohṭā [2] पुं०
गोविष्ठा (स्त्री०) गोबर; उपले।

ਗੋਹਾ गोहा Goha [3] पुं०
गोशकृत् (नपुं०) गोबर, गाय-बैल या भैंस का पुरीष।

ਗੋਹਿਆ गोहिआ Gohia [1] पुं०
द्र०—ਗੋਹਾ।

ਗੋਕਲ गोकल् Gokal [3] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोकुल-ग्राम।

ਗੋਖਰੂ गोखरू Gokhrū [3] पुं०
गोक्षुर (नपुं०) गोखरू, एक प्रकार का काँटा।

ਗੋਚਰਮ गोचर्म् Gocarm [1] पुं०
गोचर्मन् (नपुं०) गाय अथवा बैल का चमड़ा, खाल।

ਗੋਠ गोठ् Goṭh [3] स्त्री०
गोष्ठी (स्त्री०) बैठने का ढंग, घुटनों के बल बैठने का भाव।

ਗੋਣਾ गोणा Goṇā [3] सक० क्रि०
गुम्फति (भ्वादि सक०) गूँथना; गुम्फन करना; वस्त्रादि सीना।

ਗੋਤ गोत् Got [3] स्त्री०
गोत्र (नपुं०) कुल, वंश, कुटुम्ब।

ਗੋਤਰ गोतर् Gotar [3] स्त्री०
द्र०—ਗੋਤ।

ਗੋਧੂਲ गोधूल् Godhūl [1] स्त्री०

गोधूलि (स्त्री०) गोधूलि बेला, सायकाल।

ਗੋਪਕਰਣ गोप्करण् Gopkaraṇ [1] पुं०
गोपकरण (नपुं०) गोपन, छिपाने का भाव।

ਗੋਪਨੀ गोप्नी Gopnī [3] वि०
गोपनीय (वि०) गोपनीय, छिपाने लायक।

ਗੋਪਾਲਕ गोपालक् Gopālak [3] पुं०
गोपालक (वि०) ग्वाला, गायों का पालन करने वाला।

ਗੋਪੀ गोपी Gopī [3] स्त्री०
गोपी (स्त्री०) गोपी, ग्वाले की पत्नी।

ਗੋਪੀਆ गोपिआ Gopīā [3] स्त्री०
गोपिका (स्त्री०) ग्वालिन, गोपी।

ਗੋਬਰ गोबर् Gobar [3] पुं०
गोर्बर (नपुं०) गोबर, गोमय।

ਗੋਬਰੀ गोब्री Gobrī [2] स्त्री०
द्र० —ਗੋਬਰ।

ਗੋਬਲਾ गोब्ला Gablā [3] वि०
कोमल (वि०) कोमल, मृदु।

ਗੋਬਿੰਦ गोबिन्द् Gobind [3] पुं०
गोविन्द (पुं०/वि०) पुं०—गोविन्द, भगवान् विष्णु। वि०—गायों को रखने वाला।

ਗੋਬਿੰਦਪੁਰੀ गोबिन्द्-पुरी Gobind-purī [3] स्त्री०
गोविन्दपुरी (स्त्री०) वैकुण्ठलोक, विष्णुधाम।

ਗੋਬੰਸ਼ गोबंश् Gobanś [3] पुं०
गोवंश (पुं०) गोवंश, गायों का वंश।

ਗੋਭੀ गोभी Gobhī [3] स्त्री०
गोजिह्विका (स्त्री०) गोभी, सब्जी-विशेष।

ਗੋਰਖ गोरख् Gorakh [3] पुं०
गोरक्षक (पुं०) पृथ्वीपालक; इन्द्रियों का रक्षक आत्मा।

ਗੋਰਾ गोरा Gorā [3] पुं०
गौर (वि०/पुं०) वि०—गोरा, गौर वर्ण वाला। पुं०—गौर वर्ण।

ਗੋਰੋਚਨ गोरोचन् Gorocan [3] पुं०
गोरोचना (स्त्री०) गोरोचन, एक सुगन्धित पदार्थ जिसका मस्तक व शरीर में लेप किया जाता है।

ਗੋਲ[1] गोल् Gol [3] पुं०
गोल (पुं०) गोल, आवृत्त, घेरा।

ਗੋਲ[2] गोल् Gol [1] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोशाला, गोष्ठ।

ਗੋਲਕ गोलक् Golak [3] पुं०
गोलक (पुं०, नपुं०) गुल्लक, एक प्रकार की पेटी जिसमें रुपये-पैसे रखे जाते हैं।

ਗੋਲਾ गोला Golā [3] पुं०
गोल (पुं०) गेंद, कन्दुक; गोला; गोल वस्तु।

ਗੋਲੀ गोली Golī [3] स्त्री०
गुलिका (स्त्री०) बच्चों के खेलने की गोली या औषध की गोली।

ਗ ਲਾ गोल्ला Golla [3] पुं०
गोलक (पुं०) राजाओं से दासियों में उत्पन्न पुत्र—गोला।

ਗੌਣ गौण् Gauṇ [3] वि०
गौण (वि०) गौण, अप्रधान।

ਗੌਰਜਾਂ गौर्जाँ Gaurjā̃ [3] स्त्री०
गिरिजा (स्त्री०) गिरिजा, पार्वती।

ਗੌਰਵ गौरव् Gaurav [3] पुं०
गौरव (नपुं०) गौरव; यश; महत्त्व।

ਗੌਰਾ गौरा Gaura [3] वि०
गह्वर (वि०) विशाल, महान्।

ਗੌਰਾਂ गौराँ Gaurā̃ [3] स्त्री०
गौरी (स्त्री०) गौरी, पार्वती।

ਗੌੜ गौड़् Gauṛ [3] पुं०/वि०
गौड (पुं०/वि०) पुं०—पूर्व बंगाल और उड़ीसा के मध्य का देश; ब्राह्मणों का एक वर्ग। वि०—गुड़ से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਗੌੜੀ गौड़ी Gauṛī [3] स्त्री०
गौडिकी (स्त्री०) गुड़ की शराब।

ਗੰਗਾਜਲੀ गंगाज्ली Gangajlī [3] स्त्री०
गङ्गाजलिन् (वि०) गंगाजल से भरा पात्र-विशेष।

ਗੰਗਾਤਾ गंगाता Gangata [1] पुं०
गङ्गायात्रा (स्त्री०) स्नान के लिये की जाने वाली तीर्थ-यात्रा।

ਗੰਜ गञ् Ganj [3] पुं०
गञ्ज (पुं०) खान, खजाना, भण्डार, ढेर; गाँजने का भाव।

ਗੰਠੀਆ गँठिआ Gāṭhia [3] पुं०
ग्रन्थिका/ग्रन्थिवात (स्त्री०/पुं०) ग्रन्थि; गँठिया रोग।

ਗੰਡਕਾ गण्ड्का Gaṇḍka [3] स्त्री०
गण्डिका/गण्डकी (स्त्री०) गण्डकी या नारायणी नदी जो उत्तर-प्रदेश और बिहार प्रान्त की सीमा पर बहती है।

ਗੰਡਾ गण्डा Gaṇḍa [3] पुं०
गण्डक (पुं०) चार कौड़ी का एक सिक्का; गँडा; चिह्न; विघ्न।

ਗੰਡੋਆ गँडोआ Gāḍoa [3] पुं०
गण्डुपद (पुं०) केंचुआ, एक बरसाती घिनौना लम्बा कीड़ा।

ਗੰਢ गण्ढ् Gaṇḍh [3] स्त्री०
ग्रन्थि (पुं०) गाँठ, जोड़।

ਗੰਢਣਾ गण्ढ्णा Gaṇḍhṇa [3] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) बाँधना, जोड़ना, गाँठ लगाना।

ਗੰਢੀ गण्ढी Gaṇḍhī [3] स्त्री०
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, बन्धन, जोड़।

ਗੰਦਕ गन्दक् Gandak [1] पुं०
द्र०—दीपक।

ਗੰਧ गन्ध् Gandh [3] स्त्री०
गन्ध (पुं०) सुगन्ध, बास, महक।

ਗੰਧਕ गन्धक Gandhak [3] **पुं०**
गन्धक (पुं०) गन्धक नाम का द्रव्य जो औषध आदि में प्रयुक्त होता है।

ਗੰਧਰਕ गन्धरक् Gandharak [1] **पुं०**
द्र०—ਗੰਧਕ।

ਗੰਭੀਰ गंभीर् Gambhīr [3] **वि०**
गम्भीर (वि०) गम्भीर, गहिरा।

ਗੰਭੀਰਤਾ गम्भीर्ता Gambhīrtā [3] **स्त्री०**
गम्भीरता (स्त्री०) गम्भीरता, गहराई, गाम्भीर्य।

ਗ੍ਰਸਣਾ ग्रस्णा Grasṇā [3] **सक० क्रि०**
ग्रसते (भ्वादि सक०) जोर से पकड़ना, ग्रसना; निगलना।

ਗ੍ਰਸਤ ग्रसत् Grasat [3] **वि०**
ग्रस्त (वि०) ग्रस्त; निगला हुआ; अधीन, वशीभूत।

ਗ੍ਰਹ ग्रह् Grah [3] **पुं०**
गृह (नपुं०, ब० व० में पुं०) गृह, घर।

ਗ੍ਰਹਿ[1] ग्रह् Grah [3] **पुं०**
गृह (नपुं०) गृह, घर।

ਗ੍ਰਹਿ[2] ग्रैह् Graih [3] **पुं०**
ग्रह (पुं०) ग्रह; नक्षत्र।

ਗ੍ਰਹਿਸਥ ग्रैह्सथ् Graihsath [3] **पुं०**
गृहस्थ (पुं०) घर में रहने वाला, घरबारी पुरुष; गृहस्थाश्रम।

ਗ੍ਰਹਿਸਥੀ ग्रैह्स्थी Graihsthī [3] **पुं०**
गृहस्थिन् (वि०) गृहस्थाश्रम में रहने वाला, घरबारी पुरुष।

ਗ੍ਰਹਿਣ ग्रहिण् Grahiṇ [3] **पुं०**
ग्रहण (नपुं०) ग्रहण; धारण, पकड़।

ਗ੍ਰਹਿਣੀ ग्रैह्णी Graihṇī [3] **स्त्री०**
गृहिणी (स्त्री०) गृहिणी, पत्नी।

ਗ੍ਰਹੀਤ ग्रहीत् Grahīt [3] **वि०**
गृहीत (वि०) ग्रहण किया हुआ, लिया हुआ; पकड़ा हुआ; ज्ञात।

ਗ੍ਰਾਸ ग्रास् Grās [3] **स्त्री०**
ग्रास (पुं०) ग्रास, गास, कवल, कौर।

ਗ੍ਰਾਹੀ ग्राही Grāhī [3] **स्त्री०**
ग्रास (पुं०) गास, कवल, मुँह भर।

ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ग्रैह्स्थी Graihsthī [3] **पुं०**
गार्हस्थ्य (नपुं०) गृहस्थी, गृहस्थ का कार्य या भाव, घर का काम-काज।

ਗ੍ਰੀਖਮ ग्रीखम् Grīkham [3] **स्त्री०**
ग्रीष्म (पुं०) ग्रीष्म-ऋतु, गर्मी का मौसम।

ਘ

ਘਸਣ घसण् Ghasaṇ [3] **पुं०**
घर्षण (नपुं०) घिसने का भाव, रगड़; टकराहट।

ਘਸਣਾ घस्णा Ghasṇā [3] **सक० क्रि०**
घर्षति (भ्वादि सक०) घिसना, रगड़ना; पीसना।

ਘਸਮਰ घसमर Ghasmar [3] **वि०**
घस्मर (वि०) खाऊ, पेटू, भक्षणशील ।

ਘਸਵੱਟੀ घस्वट्टी Ghasvaṭṭī [1] **स्त्री०**
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, पत्थर जिसपर घिसकर सोने की परख की जाती है ।

ਘਸਾਉਣਾ घसाउणा Ghasāuṇā [3] **सक० क्रि०**
कर्षति (भ्वादि सक०) घिसना, रगड़ना ।

ਘਸੀਟਣਾ घसीट्णा Ghasīṭṇā [3] **सक० क्रि०**
घर्षति (भ्वादि सक०) घसीटना या घिसना, रगड़ना ।

ਘੱਸਾ घस्सा Ghassā [3] **पुं०**
घर्ष (पुं०) घर्षण, रगड़ ।

ਘਗਰਾ घग्रा Ghagrā [3] **पुं०**
घर्घरी (स्त्री०) बड़ी घगरी, घागरा, लहँगा ।

ਘਗਰੀ घग्री Ghagrī [3] **स्त्री०**
घर्घरी (स्त्री०) घगरी, स्त्रियों का लहँगा ।

ਘੱਗਰ घग्गर् Ghaggar [2] **स्त्री०**
दृषद्वती (स्त्री०) घग्गर, पंजाब देश की एक नदी ।

ਘੱਗਰਾ घग्ग्रा Ghaggrā [3] **पुं०**
घर्घरी (स्त्री०) घघरा, लहंगा ।

ਘੱਗਰੀ घग्ग्री Ghaggrī [3] **स्त्री०**
घर्घरी (स्त्री०) घघरी, लहँगा; पेटीकोट ।

ਘਟ घट Ghaṭ [3] **पु०**
घटी (स्त्री०) घड़ी ।

ਘਟਣਾ[1] घट्णा Ghaṭṇā [3] **अक० क्रि०**
घर्षति (भ्वादि अक०) कम होना, न्यून होना; घिसना ।

ਘਟਣਾ[2] घट्णा Ghaṭṇā [3] **अक० क्रि०**
घटते (भ्वादि अक०) घटित होना ।

ਘਟਨਾ घट्ना Ghaṭnā [3] **स्त्री०**
घटना (स्त्री०) घटना; रचना; जोड़ ।

ਘਟਾ घटा Ghaṭā [3] **स्त्री०**
घटा (स्त्री०) घटा, बादल ।

ਘਟਾਉਣਾ घटाउणा Ghaṭāuṇā [3] **सक० क्रि०**
घर्षयति (भ्वादि प्रेर०) कम करना, न्यून करना ।

ਘਣ घण् Ghaṇ [3] **पुं०**
घन (पुं०) हथौड़ा, घन ।

ਘਣਾ घणा Ghaṇā [3] **पुं०**
घन (वि०) घना, गहन; अधिक ।

ਘੱਤਣਾ घत्त्णा Ghattṇā [3] **अक०/सक० क्रि०**
धारयति (चुरादि प्रेर०) टपकना; टपकाना; ढालना; डालना ।

ਘਨੇਰਾ घनेरा Ghanerā [3] **वि०**
घनतर (वि०) अधिक; अधिक घना, आपेक्षिक गहन ।

ਘਰ घर Ghar [3] पुं०
घर (पुं०) घर, गृह, मकान ।

ਘਰਾਟ घराट् Gharat [3] पुं०
घरट्ट (पुं०) चक्की; गेहूँ पीसने की मशीन; पनचक्की ।

ਘੜਨਾ घड़्ना Gharna [3] सक० क्रि०
घटयति / घटते (चुरादि भ्वादि सक०) गढ़ना; बनाना, रचना ।

ਘੜਵੰਜੀ घड़्वंजी Gharvañji [3] स्त्री०
घटमञ्च (पुं०) जल से पूर्ण घटादि पात्रों को रखने का स्थान ।

ਘੜਾ घड़ा Ghara [3] पुं०
घट (पुं०) घड़ा, कलश ।

ਘੜੀ घड़ी Ghari [3] स्त्री०
घटी (स्त्री०) घड़ी ।

ਘੜੌਂਚ घड़ौंच् Gharaũc [3] पुं०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ ।

ਘੜੌਂਚਾ घड़ौंचा Gharaũca [1] पुं०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ ।

ਘੜੌਂਚੀ घड़ौंची Gharaũci [3] स्त्री०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ ।

ਘਾ घा Gha [2] पुं०
द्र०—ਘਾਉ ।

ਘਾਉ घाउ Ghau [3] पुं०
घात (पुं०) घाव, चोट, छिलन ।

ਘਾਇਕ घाइक् Ghaik [3] वि०
घातक (वि०) मारने वाला, घात करने वाला, हिंसक ।

ਘਾਹ घाह् Ghah [3] पुं०
घास (पुं०) घास, पशुओं का चारा ।

ਘਾਹੀ[1] घाही Ghahi [3] पुं०
घोष (पुं०) अहीरों की बस्ती ।

ਘਾਹੀ[2] घाही Ghahi [3] पुं०
घासिन् (वि०) घास खोदने वाला, घास काटने वाला ।

ਘਾਟ घाट् Ghat [3] पुं०/वि०
घट्ट (पुं०/वि०) पुं०—घाट, पानी भरने या स्नान करने का स्थान; रास्ता; संकल्प । वि०—कम, न्यून ।

ਘਾਟਾ घाटा Ghata [3] पुं०
घट्टता (स्त्री०) घाटा, न्यूनता, कमी; नुकसान ।

ਘਾਠ घाठ् Ghath [3] पुं०
वाट्य (नपुं०) छिलका रहित भूने हुये जौ ।

ਘਾਣ घाण् Ghan [2] पुं०
घातन (नपुं०) वध करने का भाव, हत्या करने की क्रिया, हिंसा ।

ਘਾਣੀ घाणी Ghani [3] स्त्री०
घार (नपुं०) गारा, दिवाल निर्माण हेतु मिट्टी और जल का घोल ।

ਘਾਲ घाल् Ghal [3] स्त्री०

घारणा (स्त्री०) पिघलने या टपकने का भाव; परिश्रम, मेहनत।

ਘਾਲਣਾ घाल्णा Ghalṇa [3] अक० क्रि०
घारयति (चुरादि अक०) पिघलना, टपकना; अधिक परिश्रम करना।

ਘਿਉ घिउ Ghiu [3] पुं०
घृत (नपुं०) देशी घी, घृत।

ਘਿਉਰ घिउर् Ghiur [3] पुं०
घृतपूर (पुं०) घेवर; मालपूआ, पूआ।

ਘਿਆਂਡਾ घिआँडा Ghiāḍa [3] पुं०
घृतभाण्ड (नपुं०) घी रखने का पात्र।

ਘਿਣ घिण् Ghiṇ [2] स्त्री०
घृणा (स्त्री०) घृणा, घिन; अरुचि; दया, रहम; तिरस्कार।

ਘਿਣਾਉਣਾ घिणाउणा Ghiṇauṇa [3] वि०
घृणावत् (वि०) घिनौना, घृणित; तिरस्कृत; दया का पात्र; धिक्कृत।

ਘਿੰਨਣਾ घिन्न्णा Ghinnṇa [3] सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) लेना; खरीदना; ले जाना।

ਘਿਰਣਾ घिर्णा Ghirṇa [3] स्त्री०
घृणा (स्त्री०) घृणा, नफरत, तिरस्कार; धिक्कार।

ਘਿਰਣਿਤ घिर्णित् Ghirṇit [2] वि०
घृणित (वि०) घृणित, घृणास्पद; धिक्कृत; तिरस्कृत।

ਘਿਰਨਾ घिर्ना Ghirna [3] अक० क्रि०
घूर्णते (भ्वादि अक०) चक्राकार घूमना; सिर चकराना; घेरे में आना, घिरना।

ਘੀ घी Ghī [3] पुं०
घृत (नपुं०) देशी शुद्ध घी।

ਘੀਸੀ घीसी Ghīsī [3] स्त्री०
घर्षित (नपुं०) शौच के पश्चात् बच्चे की गुदा को भूमी पर घसीट कर साफ करने की क्रिया।

ਘੁੱਗੂ घुग्गू Ghuggū [2] पुं०
घूक (पुं०) उल्लू पक्षी।

ਘੁੱਟੀ घुट्टी Ghuṭṭī [3] स्त्री०
घुटी (स्त्री०) बच्चों की दवा की गोली, चूर्ण अथवा रसायन।

ਘੁੰਡ घुंड् Ghuṇḍ [3] पुं०
अवगुण्ठन (नपुं०) घूँघट, नकाब।

ਘੁਣ घुण् Ghuṇ [3] पुं०
घुण (पुं०) घुन, काठ या अनाज का कीट-विशेष।

ਘੁੰਮਣ घुंमण् Ghummaṇ [3] पुं०
घूर्णन (नपुं०) घूमने का भाव, भ्रमि।

ਘੁੰਮਣ ਘੇਰ घुम्मण्-घेर् Ghummaṇ-gher [3] स्त्री०
घूर्णन (नपुं०) चक्कर, जल का आवर्त।

ਘੁੰਮਣਾ घुम्म्णा Ghummṇa [3] अक० क्रि०
घूर्णते (भ्वादि अक०) घूमना, चक्कर लगाना, चक्राकार घूमना।

ਘੁਮਾਰ घुमार् Ghumar [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी का पात्र गढ़ने वाला जाति-विशेष।

ਘੁਮਾਰੀ घुमारी Ghumari [3] स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हारिन, कुम्भकार की स्त्री।

ਘੁਮਿਆਰ घुम्यार् Ghumyar [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी का पात्र गढ़ने वाला जाति-विशेष।

ਘੁਮਿਆਰੀ घुम्यारी Ghumyari [3] स्त्री०
द्र०—ਘੁਮਾਰੀ।

ਘੁਲਣਾ[1] घुल्णा Ghulṇa [3] अक० क्रि०
घोरति (स्वादि अक०) घुलना, मिलना।

ਘੁਲਣਾ[2] घुल्णा Ghulṇa [3] अक० क्रि०
घुरति (तुदादि अक०) कुश्ती में गुँथना, कुश्ती लड़ना; गुर्राना; घूरना।

ਘੁੜਸਾਲ घुड़् साल् Ghuṛsal [3] पुं०
घोटकशाला (स्त्री०) घुड़शाला, घोटकशाला, अस्तबल।

ਘੂਰਨਾ घूर्ना Ghūrna [3] अक० क्रि०
घूर्णते (स्वादि / तुदादि अक०) घूरना; चक्राकार घूमना; सिर चकराना।

ਘੇ घे Ghe [3] पुं०
द्र०—ਘਿਉ।

ਘੋਸ਼ घोष् Ghoṣ [3] पुं०
घोष (पुं०) गर्जने का शब्द, ऊँची ध्वनि, ऊँची आवाज।

ਘੋਸ਼ਣਾ घोष्णा Ghosṇa [3] अक० क्रि०
घोषयति / ते (चुरादि सक०) घोषणा करना; ढिंढोरा पीटना; मन में विचार करना; रटना; प्रशंसा करना।

ਘੋਸ਼ਨਾ घोष्ना Ghoṣna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਘੋਸ਼ਣਾ।

ਘੋਸੀ घोसी Ghosi [3] पुं०
घोष (पुं०) अहीरों की बस्ती।

ਘੋਹਾ घोहा Ghoha [3] पुं०
घोष (पुं०) घोषणा करने या जोर से बोलकर जताने का भाव।

ਘੋਗਾ घोगा Ghoga [3] पुं०
घोङ्क (पुं०) घोंघा, नदी या तालाब के तट पर पाया जाने वाला जीव-विशेष, शम्बूक।

ਘੋਟਣਾ घोट्णा Ghoṭṇa [3] सक० क्रि०
घट्टयति / घोटते (चुरादि/स्वादि सक०) घोटना; पीसना; रगड़ना; चूर्ण करना।

ਘੋਲਣਾ घोल्णा Gholṇa [3] सक० क्रि०
घोलयति/घोरयति (स्वादि प्रेर०) घोलना; मिलाना।

ਘੋੜ घोड़् Ghoṛ [3] पुं०
द्र०—ਘੋੜਾ।

ਘੜਸਵਾਰ घोड़सवार Ghor svar [3] पुं०
घोटकाश्वारोह (पुं०) घुड़सवार, घोड़े की सवारी करने वाला।

ਘੋੜਸਵਾਰੀ घोड़्-स्वारी Ghoṛ-svāri [3] स्त्री०
घोटकाश्वारोहीय (नपुं०) घुड़सवारी, घोड़े की सवारी का कर्म या भाव।

ਘੋੜਾ घोड़ा Ghoṛa [3] पुं०
घोटक (पुं०) घोड़ा, अश्व।

ਘੋੜੀ घोड़ी Ghoṛī [3] स्त्री०
घोटकी (स्त्री०) घोड़ी, घोड़े की मादा।

ਘੌਣਾ घौणा Ghauṇā [3] सक० क्रि०
घर्षति (भ्वादि सक०) घिसना; पीसना; पेरना; रगड़ना।

ਘੰਗਾਲਣਾ घंगाल्णा Ghãgalṇa [3] सक० क्रि०
क्षालयति (चुरादि सक०) खंगालना, क्षालन करना, धोना, स्वच्छ करना।

ਘਗਲਣਾ घगोलणा Ghagolna [1] सक० क्रि०
द्र०—ਘੰਗਾਲਣਾ।

ਘੰਟਕ घण्टक् Ghantak [3] पुं०
घण्टा (स्त्री०) घण्टा-घड़ियाल, एक वाद्यविशेष।

ਘੰਟਾ घण्टा Ghanṭā [3] पुं०
घण्टा (स्त्री०) हिलाकर बजाये जाने वाला घण्टा वाद्य।

ਘੰਟੀ घण्टी Ghanṭī [3] स्त्री०
घण्टी / घण्टिका (स्त्री०) छोटा घण्टा, घण्टी।

ਘੰਡਾ घण्डा Ghanḍa [1] पुं०
द्र०—ਘੰਟਾ।

ਘੰਡੀ घण्डी Ghanḍī [3] स्त्री०
घण्टिका (स्त्री०) पशु आदि के गले में बाँधे जाने वाली घण्टिका, घाँटी।

च

ਚਸਕ चसक् Casak [1] पुं०
चषक (नपुं०) प्याला, पान-पात्र, शराब पीने का पात्र।

ਚਹਾ चहा Caha [2] पुं०
चाष (पुं०) नीलकण्ठ पक्षी।

ਚਹੁੰ चहुँ Cahũ [3] वि०
चतुर् (वि०) चार, चार संख्या से युक्त।

ਚਹੇ चहे Cahe [1] पुं०
चक्षुस् (नपुं०) नेत्र, आँख।

ਚਕਚੂੰਧਰ चक्चूँधर् Cakcundhar [3] स्त्री०
द्र० —ਛਛੂੰਦਰ ।

ਚਕਰੀ चक्री Cakrī [3] स्त्री०
चक्रिका (स्त्री०) भँवरी, जलावर्त ।

ਚਕਲੀ चक्ली Caklī [3] स्त्री०
चक्रल (पुं०) घुमावदार गोल तथा चौड़ा चक्का ।

ਚਕਵਾ चक्वा Cakvā [3] पुं०
चक्रवाक (पुं०) चकवा, पक्षी-विशेष ।

ਚਕਵੀ चक्वी Cakvī [3] स्त्री०
चक्रवाकी (स्त्री०) चकवी, चकवे की मादा ।

ਚਕਾਰਾ[1] चकारा Cakārā [3] पुं०
छिक्कार (पुं०) कृष्णसार मृग; मृग-शावक ।

ਚਕਾਰਾ[2] चकारा Cakārā [3] पुं०
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़; शोर-गुल, हल्ला-गुल्ला ।

ਚਕੂੰਧਰ चकून्धर् Cakūndhar [2] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछुन्दरी, चूहे की जाति का प्राणी, मादा छछुन्दर ।

ਚਕੇਟੀ चकेटी Cakeṭī [2] स्त्री०
चेटी (स्त्री०) चेरी, दासी ।

ਚਕੋਣਾ चकोना Cakonā [3] वि०
द्र०—ਚੌਕੋਣਾ ।

ਚਕੋਰ चकोर् Cakor [3] पुं०
चकोर (पुं०) चकोर पक्षी, पहाड़ी तीतर ।

ਚਕੋਰਾ चकोरा Cakorā [2] पुं०
चारक/परिचारक (पुं०) चाकर, नौकर ।

ਚੱਕ चक्क् Cakk [3] पुं०
चक्र (नपुं०, पुं०) चक्का, पहिया ।

ਚੱਕਰ चक्कर् Cakkar [3] पुं०
चक्र (नपुं, पुं०) गोल चक्का, पहिया; गोलाई में घूमने का भाव, चक्कर; जल की भौरी; देश; दिशा; आदेश ।

ਚੱਕਰਵਰਤੀ चक्कर्-वर्ती Cakkar-vartī [3] पुं०
चक्रवर्तिन् (पुं०) चक्रवर्ती; सम्राट् ।

ਚੱਕਰਵਿਊਹ चक्कर्-व्यूह् Cakkar-vyūh [3] पुं०
चक्रव्यूह (पुं०) चक्रव्यूह, युद्ध-भूमि में युद्ध करने की एक संरचना ।

ਚਕਰੀ चक्करी Cakkarī [3] स्त्री०
चक्री (स्त्री०) गेहूँ आदि पीसने की छोटी चक्की; चकरी ।

ਚੱਕਲਾ चक्कला Cakklā [3] पुं०
चक्र/चक्रल (नपुं०) चकला, रोटी बेलने की चौकी ।

ਚੱਕੀ चक्की Cakkī [3] स्त्री०
चक्री (स्त्री०) चक्की, गेहूँ आदि पीसने की चक्की ।

ਚਕ੍ਰਿਤ चक्रित् Cak.it [3] वि०
चकित (वि०) चकित, चौंका हुआ।

ਚਖਸ਼ੂ चख्शू Cakhśū [2] स्त्री०
चक्षुस् (नपुं०) चक्षु, आँख, नेत्र।

ਚਖਾਉਣਾ चखाउणा Cakhauṇa
[3] सक० क्रि०
चाषयति (भ्वादि प्रेर०) चखाना; खिलाना, भक्षण कराना।

ਚੱਖਣਾ चक्खणा Cakkhṇa [3] सक० क्रि०
चषति / ते (भ्वादि सक०) चखना स्वाद लेना।

ਚਚੀਂਡਾ चचींडा Cacinḍa [3] पुं०
चचेण्डा (स्त्री०) चीचींडा, एक प्रकार की बेल और उसका फल जो पतला और लम्बा होता है तथा जिसकी सब्जी बनती है।

ਚਚੂੰਧਰ चचून्धर् Cacūndhar [3] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछुन्दरी, चूहे के आकार का एक जीव।

ਚਟਸਾਲ चट्साल् Catsal [2] स्त्री०
चटुशाला (स्त्री०) पाठशाला, विद्यालय।

ਚਟਕਣਾ चटक्णा Caṭakṇa [3] अक० क्रि०
चाटयति (चुरादि अक०) चटकना, तड़क कर टूटना।

ਚਟਾਣਾ चटाणा Caṭāṇa [3] पुं०
चाटकैर (पुं०) चिड़िये का बच्चा।

ਚੱਠ[1] चट्ठ् Catṭh [3] स्त्री०
चष्टि (स्त्री०) भोजन; भोजनोत्सव।

ਚੱਠ[2] चट्ठ् Catṭh [3] पुं०
चैत्येष्टि (स्त्री०) घर की ईंट; गृह प्रवेश के समय का यज्ञ।

ਚਣਾ चणा Caṇa [3] पुं०
चणक (पुं०) चना अन्न।

ਚਤਰਾ चत्रा Catra [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक, निपुण।

ਚਤੁਰ चतुर् Catur [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक।

ਚਤੁਰਤਾ चतुर्ता Caturta [3] स्त्री०
चतुरता (स्त्री०) चतुरता, चतुराई, चातुरी।

ਚਤੁਰਭੁਜ चतुर्भुज् Caturbhuj [3] पुं०
चतुर्भुज (पुं०) चतुर्भुज भगवान् विष्णु।

ਚਤੁਰਭੁਜਾ चतुर्भुजा Caturbhuja [3] स्त्री०
चतुर्भुजी (स्त्री०) चार भुजाओं वाली।

ਚਤੁਰਵਰਣ चतुर्-वरण् Catur-varaṇ [3] पुं०
चतुर्वर्ण (पुं०) चारों वर्ण, ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य और शूद्र जाति।

ਚਤੁਰਾਈ चतुराई Caturaī [3] स्त्री०
चातुरी (स्त्री०) चातुरी, चतुरता, चतुराई।

ਚਤੁਰਾਂਗ चतुरांग् Caturāg [3] पुं०

चतुरङ्ग (नपुं०) चतुरङ्गिना सेना जिसमें रथ, हाथी, और घोड़ों के अतिरिक्त पैदल सेना भी रहती है।

ਚਨਾਠੀ चनाठी Canathī [3] स्त्री०
चन्दनकाष्ठ (नपुं०) चन्दन की लकड़ी का छोटा भाग, चन्दन की गेंड़ी।

ਚਪੇਟ चपेट् Capeṭ [3] स्त्री०
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚਪੇਟਾ चपेटा Capeṭā [1] पुं०
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚਪੇੜ चपेड़् Capeṛ [3] स्त्री०
चपेटा (स्त्री०) चपेटा, थप्पड़।

ਚਪੇੜਨਾ चपेड़ना Capeṛnā [3] सक० क्रि०
चपेटयति (नामधातु सक०) चपेटा मारना, थप्पड़ लगाना, झापड़ देना।

ਚਬਾਉਣਾ[1] चबाउणा Cabāuṇā [3] सक० क्रि०
चर्वयति (भ्वादि प्रेर०) चबवाना, चर्वण कराना, खिलाना।

ਚਬਾਉਣਾ[2] चबाउणा Cabāuṇā [3] सक० क्रि०
चर्वति (भ्वादि सक०) चबाना; खाना।

ਚਬਾਣਾ चबाणा Cabāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਚਬਾਉਣਾ[2]।

ਚਬੀਣਾ चबीणा Cabīṇā [3] वि०
चर्वणीय (वि०) चबाने योग्य वस्तु, भूने हुये दाने आदि।

ਚਬੂਤਰਾ चबूतरा Cabūtrā [3] पुं०
चत्वर (नपुं०) चबूतरा, समतल भूमि, चौराहा।

ਚੱਬਣ चब्बण् Cabbaṇ [3] पुं०
चर्वण (नपुं०) चबाने का भाव।

ਚੱਬਣਾ चब्बणा Cabbṇā [3] सक० क्रि०
चर्वति (भ्वादि सक०) चबाना, चर्वण करना, खाना।

ਚਮਕਣਾ चमकणा Camakṇā [3] अक० क्रि०
चमत्करोति (तनादि / अदादि अक०) चमकना, प्रकाशित होना।

ਚਮਕਾਰ चम्कार Camkār [3] पुं०
चमत्कार (पुं०) चमकार, प्रभा, प्रकाश।

ਚਮਜੂੰ चम्जूँ Camjū̃ [3] स्त्री०
चर्मयूका (स्त्री०) चमड़ी में लिपटने वाली जूँ।

ਚਮਰ चमर् Camar [3] स्त्री०
चमरी (स्त्री०) चमरी गाय, जिसके बाल का चँवर बनता है।

ਚਮੜਾ चम्ड़ा Camṛā [3] पुं०
चर्मन् (नपुं०) चमड़ा, खाल, चमड़ी, त्वचा।

ਚਮਾਰ चमार् Camār [3] पुं०
चर्मकार (पुं०) चमार, चमड़े का काम करने वाला।

ਚਮਾਰੀ चमारी Camārī [3] स्त्री०

चर्मकारी (स्त्री०) चमारिन, चमार या हरिजन की पत्नी।

ਚਮਿਯਾਰ चम्यार् Camyar [3] पुं०
द्र०—ਚਮਾਰ।

ਚਮਿਆਰੀ चम्यारी Camyari [3] स्त्री०
द्र०—ਚਮਾਰੀ।

ਚਮੇਲੀ चमेली Cameli [3] स्त्री०
द्र०—ਚੰਬੇਲੀ।

ਚਮੇੜਨਾ चमेड़्ना Camerna [3] सक० क्रि०
चर्पयति (चुरादि सक०) चिपकाना, सटाना।

ਚਮੋਟਾ चमोटा Camota [1] पुं०
चर्मपट्ट (पुं०) चर्मरज्जु, चमड़े का पट्टा।

ਚਰਕਣਾ चर्कणा Carkna [2] सक० क्रि०
द्र०—ਚਟਕਣਾ।

ਚਰਜ चरज् Caraj [3] पुं०
द्र०—ਅਸਚਰਜ।

ਚਰਣ चरण् Caran [3] पुं०
चरण / आचरण (नपुं०) आचरण, व्यवहार।

ਚਰਣਾਠੀ चर्णाठी Carnathi [2] स्त्री०
द्र०—ਚਨਾਠੀ।

ਚਰਣਾਮਤ चर्णामत् Carnamat [3] पुं०
चरणामृत (नपुं०) चरणामृत, चरणोदक, मन्दिर में भगवान् के चरणों का धोवन जल।

ਚਰਨਾ चर्ना Carna [3] सक० क्रि०
चरति (भ्वादि सक०) चरना, खाना, आचरण करना; जाना।

ਚਰਨਾਠੀ चर्नाठी Carnathi [3] स्त्री०
द्र०—ਚਨਾਠੀ।

ਚਰਮਖ चर्मख् Carmakh [2] पुं०
चर्माक्ष (नपुं०) चरखे के तकुले की आधारभूत कीली।

ਚਰਵਾਹਾ चर्वाहा Carvaha [3] पुं०
चरवाह (वि०) चरवाहा, पशु चराने वाला।

ਚਰਵਾਕ चर्वाक् Carvak [1] पुं०
द्र०—ਚਰਵਾਹਾ।

ਚਰਾਉਣਾ चराउणा Carauna [3] सक० क्रि०
चारयति (भ्वादि प्रेर०) चराना, खिलाना; भेजना।

ਚਰਾਹਾ चराहा Caraha [1] पुं०
द्र०—ਚਰਵਾਹਾ।

ਚਲਣਾ चल्णा Calna [3] अक० क्रि०
चलति (भ्वादि अक० / सक०) अक०—चलना, हिलना-डुलना, काँपना। सक०—जाना।

ਚਲਾਉਣਾ चलाउणा Calauna [3] सक० क्रि०
चलयति / चालयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना, हिलाना-डुलाना, कँपाना; भेजना, गति देना।

ਚਲਾਊ चलाऊ Calaū [3] पुं०
चालक (वि०) चलाने वाला, चालक।

ਚਲਾਇਮਾਨ चलाइमान् Calaiman [3] वि०
चलायमान (वि०) चलायमान, चञ्चल, अस्थिर।

ਚਲਾਣਾ चलाणा Calaṇa [3] पुं०
चलन (नपुं०) प्रयाण; मौत, मृत्यु।

ਚਲਿੱਤਰ चलित्तर् Calittar [3] पुं०
चरित्र (नपुं०) चरित्र, चाल-चलन; वृत्तान्त।

ਚਲੀਠਾ चलीठा Caliṭha [3] पुं०
चणपिष्ठ (नपुं०) चने का आटा, चूर्ण, बेसन।

ਚੱਲਣਾ चल्ल्णा Callṇa [3] अक० क्रि०
चलति (भ्वादि अक० / सक०) अक०—चलना, हिलना - डुलना; काँपना। सक०—जाना।

ਚਵ੍ਹੀ चव्ही Cavhi [3] वि०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस (24); चौबीस वस्तुयें।

ਚਾਉ चाउ Cau [3] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, उमंग, आनन्द की लहर।

ਚਾਉਣਾ चाउणा Cauṇa [2] सक० क्रि०
चाययति / उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उठाना; खड़ा करना।

ਚਾਕਰ चाकर् Cakar [3] पुं०
चारक (पुं०) परिचारक, नौकर, सेवक।

ਚਾਕੀ चाकी Caki [3] स्त्री०
चक्रिका/चक्की (स्त्री०) आटा पीसने का यन्त्र, चक्की।

ਚਾਟ चाट् Caṭ [2] स्त्री०
चपेटा (स्त्री०) चाँटा, चपेटा, चपत, थप्पड़।

ਚਾਣਾ चाणा Caṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਚਾਉਣਾ।

ਚਾਤਰਤਾਈ चातर्ताई Catartai [1] स्त्री०
द्र०—ਚਤੁਰਾਈ।

ਚਾਤੁਰ चातुर् Catur [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक, निपुण।

ਚਾਂਦੀ चाँदी Cādi [3] स्त्री०
चान्द्री (स्त्री०) चाँदी, धातु-विशेष।

ਚਾਨਣ चानण् Canaṇ [3] पुं०
चान्द्री (वि०) चाँदनी, चन्द्र-किरण; प्रकाश, रोशनी।

ਚਾਨਣਾ चान्णा Canṇa [2] वि०
द्र०—ਚਾਨਣ।

ਚਾਨਣੀ चान्णी Canṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਚਾਨਣ।

ਚਾਰ चार् Car [3] वि०
चतुर (वि०) चार संख्या से युक्त।

ਚਾਰਵਾਕ चारवाक Carvak [3] पुं०
चार्वाक (पुं०) चार्वाक, नास्तिक ।

ਚਾਰਵਾਕੀਆ चार्वाकिआ Carvākia [3] पुं०
चार्वाकीय (वि०) चार्वाक सम्प्रदाय का, चार्वाक से सम्बन्धित ।

ਚਾਰੇਪਹਿਰ चारेपैह्र् Carepaihr [3] क्रि० वि०
चतुःप्रहर (नपुं०) चार पहर, दिन भर ।

ਚਾਲ चाल् Cal [3] स्त्री०
चल्या (स्त्री०) व्यवहार, चाल-चलन; गति; रीति ।

ਚਾਲਾ चाला Cala [3] पुं०
चाल (पुं०) चाल-चलन; व्यवहार; रीति; गति ।

ਚਾਲੀ चाली Cali [3] वि०
चत्वारिंशत् (स्त्री०) चालीस संख्या; चालीस वस्तुयें ।

ਚਾਵਲ चावल् Caval [3] पुं०
तण्डुल (पुं०) चावल, तुष रहित धान ।

ਚਿਕਣਾ चिक्णा Cikṇa [3] पुं०
चिक्कण (वि०) चिकना, मुलायम, मसृण, पिच्छिल ।

ਚਿਕਨਾ चिक्ना Cikna [1] पुं०
द्र०—ਚਿਕਣਾ ।

ਚਿੰਕਾਰ चिंकार् Ciṅkār [3] पुं०
चीत्कार (पुं०) चिंघाड़, चिल्लाने का शब्द, चिल्लाहट ।

ਚਿਕਾਰਾ चिकारा Cikara [2] पुं०
द्र०—ਚਕਾਰਾ[2] ।

ਚਿਕਿਤਸਕ चिकित्सक् Cikitsak [3] पुं०
चिकित्सक (पुं०) चिकित्सक, वैद्य, डाक्टर, हकीम ।

ਚਿਕਿਤਸਾ चिकित्सा Cikitsa [3] स्त्री०
चिकित्सा (स्त्री०) चिकित्सा, इलाज, उपचार ।

ਚਿੱਕੜ चिक्कड़् Cikkaṛ [3] पुं०
चिकिल (पुं०) कीचड़, पङ्क ।

ਚਿੱਟਾ चिट्टा Citta [3] पुं०
श्वित्र (वि०) गोरा, गौर, सफेद ।

ਚਿਣਨਾ चिण्ना Ciṇna [3] सक० क्रि०
चिनोति (स्वादि सक०) जड़ना; इकट्ठे करना; जोड़ना ।

ਚਿਤਕਬਰਾ चित्-कब्रा Cit-kabra [3] पुं०
चित्रकर्बुर (वि०) चितकबरा, अनेक रंगों से युक्त; धब्बेदार ।

ਚਿੰਤਨ चिन्तन् Cintan [3] पुं०
चिन्तन (नपुं०) चिन्तन, ध्यान, स्मृति-जनक मानसिक विचार ।

ਚਿਤਰਾ चित्रा Citra [3] पुं०
चित्रक (पुं०) चीता, एक जंगली जानवर ।

ਚਿਤਲਾ चित्ला Citla [2] पुं०
चित्रक (वि०) धब्बेदार, चितकबरा ।

ਚਿਤਵਾ चित्वा Citva [3] पुं०
द्र०—चितरा ।

ਚਿੰਤਾ चिन्ता Cinta [3] स्त्री०
चिन्ता (स्त्री०) चिन्ता, सोच, शोक; ध्यान, चिन्तन ।

ਚਿਤਾਉਣਾ चिताउणा Citauṇa [3] सक० क्रि०
चेतयति (भ्वादि/चुरादि प्रेर०) सावधान करना, चेताना; होश में लाना ।

ਚਿਤਾਸਾ चितासा Citasa [1] पुं०
चित्ताशय (पुं०) हृदयस्थल, हृद्देश; अन्त:करण का अभिप्राय ।

ਚਿੰਤਾਤੁਰ चिन्तातुर् Cintatur [3] वि०
चिन्तातुर (वि०) चिन्तातुर, चिन्ता से व्याकुल, शोकाकुल ।

ਚਿੰਤਿਤ चिन्तित् Cintit [3] वि०
चिन्तित (वि०) चिन्तित, चिन्तायुक्त, चिन्तातुर ।

ਚਿਤੇਰਾ चितेरा Citera [3] पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार; रङ्गसाज, रञ्जक; नक्कास ।

ਚਿਤੌੜ चितौड़् Citauṛ [3] पुं०
चतुष्कोट (पुं०) चित्तौड़, राजस्थान प्रान्त का एक क्षेत्र ।

ਚਿੱਤ चित् Citt [3] पुं०
चित्त (नपुं०) चित्त, अन्त:करण, मन ।

ਚਿੱਤਣਾ चित्णा Cittṇa [3] सक० क्रि०
चित्रयति (चुरादि सक०) रँगना; सजाना; चित्र बनाना ।

ਚਿੱਤਬਿਰਤੀ चित्तबिर्ती Cittabirti [3] स्त्री०
चित्तवृत्ति (स्त्री०) चित्तवृत्ति, प्रवृत्ति; झुकाव, रुझान ।

ਚਿੱਤਰਕਲਾ चित्तर्कला Cittarkala [3] स्त्री०
चित्रकला (स्त्री०) चित्रकला, चित्र बनाने, रँगने या सजाने की कला ।

ਚਿੱਤਰਕਾਰ चित्तर्कार् Cittarkar [3] पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्र रँगने या सजाने वाला ।

ਚਿੱਤਰਨਾ चित्तर्ना Cittarna [3] सक० क्रि०
चित्रयति (चुरादि सक०) चित्र बनाना, चित्रित करना ।

ਚਿੱਤਰਾ चित्रा Cittra [3] पुं०
चित्र (नपुं०) चित्र, तस्वीर ।

ਚਿੱਤਾ चित्ता Citta [3] पुं०
चित्रक (पुं०) चीता, जंगल का पशु-विशेष ।

ਚਿਤ੍ਰੇਰਾ चित्रेरा Citrera [3] पुं०
द्र०—चितेरा ।

ਚਿਨ੍ਹ चिन्न्ह् Cinnh [3] पुं०
चिह्न (नपुं०) चिह्न, लक्षण, निशान ।

ਚਿੱਭੜ चिब्भड़् Cibbhaṛ [2] **पुं०**
चिर्भट (नपुं०) खरीफ की फसल में होने वाला एक फल जो खटमीठा होता है।

ਚਿਰ चिर् Cir [3] **क्रि० वि०**
चिर (क्रि० वि०) बहुत दिन का, बहुत समय बाद, देरी, विलम्ब।

ਚਿਰਕ चिरक् Cirak [2] **क्रि० वि०**
चिरकाल (नपुं०) चिरकाल से, दीर्घकाल से, बहुत समय बाद।

ਚਿਰਕਾਲ चिर्काल् Cirkal [3] **क्रि० वि०**
चिरकाल (नपुं०) चिरकाल से, बहुत देर बाद, अति विलम्ब से।

ਚਿਰਾਇਤਾ चिराइता Ciraita [3] **पुं०**
चिरतिक्त (नपुं०) चिरायता, पहाड़ों पर होने वाली एक औषधि जो कड़वी और खुश्क होती है तथा ज्वर में दवा के काम आती है।

ਚਿਰਾਕਾ चिराका Ciraka [3] **क्रि० वि०**
द्र०—ਚਿਰਕਾਲ।

ਚਿਰੀਂ चिरीं Cirī [1] **क्रि० वि०**
द्र०—ਚਿਰ।

ਚਿਰੋਕਣਾ चिरोक्णा Cirokṇa [3] **वि०**
चिरन्तन (वि०) चिरन्तन, पुराना, प्राचीन, चिरकालिक।

ਚਿਰੰਕਾਲ चिरंकाल् Cirankal [3] **क्रि० वि०**
द्र०—ਚਿਰਕਾਲ।

ਚਿਰੰਜੀਵੀ चिरंजीवी Ciranjīvī [3] **वि०**
चिरजीविन् (वि०) चिरजीवी, बहुत दिनों तक जीनेवाला।

ਚਿਲਮਿਲਾ चिल्मिला Cilmila [3] **स्त्री०**
चिलमिलिका (स्त्री०) विद्युत्, बिजली।

ਚਿੜਾ चिड़ा Ciṛa [3] **पुं०**
चटक (पुं०) चिड़कला, गौरैया।

ਚਿੜਾਉਣਾ चिड़ाउणा Ciṛauṇa [3] **सक० क्रि०**
चण्डयति (स्वादि प्रेर०) चिढ़ाना, क्रुद्ध, करना, कुपित करना।

ਚਿੜੀ चिड़ी Ciṛī [3] **स्त्री०**
चटका (स्त्री०) चिड़ी, चिरई, मादा, गौरैया।

ਚੀਹੜਾ चीह्ड़ा Cihṛa [3] **पुं०**
चीडा (वि०) कठोर स्वभाव का, चिड़चिड़ा।

ਚੀਕ चीक् Cik [3] **स्त्री०**
चीत्कार (पुं०) चीत्कार, चीख।

ਚੀਕਣਾ[1] चीक्णा Cikṇa [3] **पुं०**
द्र०—ਚਿਕਣਾ।

ਚੀਕਣਾ[2] चीक्णा Cikṇa [3] **अक० क्रि०**
चीत्करोति (तनादि अक०) चीखना, चिल्लाना।

ਚੀਕੁਣਾ चीकुणा Cikuṇa [3] **पुं०**
द्र०—ਚਿਕਣਾ।

ਚੀਜਵਹੁਟੀ चीज्बहुटी Cījvahuṭī [3] **स्त्री०**

इन्द्रवधू (स्त्री०) बीरबहूटी, बरसात में होने वाला एक कीड़ा जिसके रोयें मखमल जैसे होते हैं।

ਚੀਂਟਾ चींटा Cīṭā [1] **पुं०**
चिण्टक (पुं०) चींटा, नर चींटी।

ਚੀਂਟੀ चींटी Cīṭī [3] **स्त्री०**
चिण्टकी (स्त्री०) चींटी, एक छोटा कीड़ा।

ਚੀਣਾ चीणा Cīṇā [3] **पुं०**
चीन (पुं०) चीना, अन्न-विशेष।

ਚੀਤਰ चीतर् Cītar [3] **पुं०**
चित्रमृग (पुं०) चितकबरा मृग, धब्बेदार हिरन।

ਚੀਤਾ चीता Cītā [3] **पुं०**
चित्रक (पुं०) चीता, जंगली पशु-विशेष।

ਚੀਰ चीर् Cīr [3] **पुं०**
चीर (नपुं०) फटा-पुराना वस्त्र, चिथड़ा; धज्जी; छिद्र।

ਚੀਰਣਾ चीर्णा Cīrṇā [3] **सक० क्रि०**
चीरयति (नामधातु सक०) चीरना, फाड़ना, टुकड़े करना।

ਚੀਰਨਾ चीर्ना Cīrnā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਚੀਰਣਾ।

ਚੀਲ चील् Cīl [3] **स्त्री०**
चीडा > चिल्ला (स्त्री०) सरल वृक्ष, तारपीन का वृक्ष।

ਚੀਲ੍ਹ चील्ह् Cīlh [2] **स्त्री०**
चिल्लि (पुं०) चील्ह, एक प्रकार का शिकारी पक्षी।

ਚੀੜ੍ਹ[1] चीढ़ Cīṛh [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚੀਲ।

ਚੀੜ੍ਹ[2] चीढ़ Cīṛh [3] **स्त्री०**
चीड (पुं०) चिड़चिड़ापन; ढिठाई, धृष्टता।

ਚੀੜ੍ਹਾ चीढ़ा Cīṛhā [3] **पुं०**
चीड (वि०) कठोर स्वभाव का, चिड़चिड़े स्वभाव का।

ਚੁਆਉਣਾ चुवाउणा Cuvāuṇā [3] **सक० क्रि०**
च्योतयति (भ्वादि प्रेर०) चुवाना, टपकाना, बूँद-बूँद गिराना।

ਚੁਸਾਈ चुसाई Cusāī [3] **स्त्री०**
चूषण (नपुं०) चुसाई, चूसने का भाव।

ਚੁਹੱਤਰ चुहत्तर् Cuhattar [3] **वि०**
चतुस्सप्तति (स्त्री०) चौहत्तर 74, चौहत्तर संख्या से युक्त।

ਚੁਹੱਤਰਮਾਂ चुहत्तर्माँ Cuhattarmā̃ [3] **वि०**
चतुःसप्ततितम / चतुसप्तत (वि०) चौहत्तरवाँ।

ਚੁਹੱਤਰਵਾਂ चुहत्तर्वाँ Cuhattarvā̃ [3] **वि०**
चतुःसप्ततितम / चतुःसप्तत (वि०) चौहत्तरवाँ।

ਚੁਕਾਠ चुकाठ् Cukāṭh [2] **स्त्री०**
चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौकठ, ड्योढ़ी, दरवाजा।

ਚਕਨਾ चकना Cul ar 1 ॰ पुं॰
चतुष्कर्ण (वि॰) चौकन्ना, सावधान ।

ਚੁਗਾਠ चुगाठ् Cugath [3] स्त्री॰
चतुष्काष्ठ (नपुं॰) चौखट, द्वार-फ्रेम; ड्योढ़ी ।

ਚੁੰਗੀ चुंगी Cungi [3] स्त्री॰
शुल्क (नपुं॰, पुं॰) चुंगी, कर, टैक्स ।

ਚੁੰਘਣਾ चुंघ्णा Cunghna [3] सक॰ क्रि॰
चूषति (भ्वादि सक॰) चूसना ।

ਚੁੰਘੜੀਆ चुंघड़िआ Cungharia [3] पुं॰
चातुर्घटिक (वि॰) चौघड़िया, चार घटी काल का मुहूर्त ।

ਚੁੰਝ चुंझ् Cunjh [3] स्त्री॰
चञ्चु > चुञ्च (स्त्री॰) चोंच, चंचु, पक्षियों के मुख का अग्रभाग ।

ਚੁੰਝ-ਗਿਆਨ चुंझ्-ग्यान् Cunjh-gyan [3] पुं॰
चञ्चुज्ञान (नपुं॰/वि॰) नपुं॰—अल्पज्ञान । वि॰—थोड़ी जानकारी वाला ।

ਚੁਟਕੀ चुट्की Cutki [3] स्त्री॰
छोटिका (स्त्री॰) चुटकी, अंगुष्ठ और मध्यमा अंगुलियों का अग्रभाग या उससे की गयी ध्वनि अथवा उसका परिमाण ।

ਚੁਟੀਆ चुटिया Cutiya [3] स्त्री॰
चोटी (स्त्री॰) शिर की चोटी, शिखा ।

ਚੁੱਡ चुड्ड Cudd [3] स्त्री॰
चुल (पुं॰) चूत, भग, योनि; गुदाद्वार ।

ਚੁਣਨਾ चुण्ना Cunna [3] सक॰ क्रि॰
चिनोति (स्वादि सक॰) चुनना, बटोरना, संग्रह करना ।

ਚੁਤਾਲਾ चुताला Cutala [3] पुं॰
चतुस्ताल (पुं॰) चौताल, संगीत का एक विशेष गान और ताल ।

ਚੁਤਾਲੀ चुताली Cutali [3] वि॰
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री॰) चौवालीस, 44 संख्या या इससे युक्त वस्तु ।

ਚੁੱਤੜ चुत्तड़् Cuttar [3] पुं॰
चुततर (पुं॰) चूतर, नितम्ब, कमर का पिछला उभरा हुआ भाग ।

ਚੁਥਾਈ चुथाई Cuthai [3] स्त्री॰
चतुर्थपादिका (स्त्री॰) चौथाई, चौथा भाग ।

ਚੁਧਰਾਣੀ चुध्राणी Cudhrani [3] स्त्री॰
चतुर्धुरीणा (स्त्री॰) चौधराइन, चौधरी की पत्नी ।

ਚੁਧਰਿਆਣੀ चुध्र्याणी Cudhryani [1] स्त्री॰
द्र॰—ਚੁਧਰਾਣੀ ।

ਚੁਪੱਤਾ चुपत्ता Cupatta [3] पुं॰
चतुष्पत्र (नपुं॰/पुं॰) नपुं॰—चार पत्तों का समूह । पुं॰—एक पौधा जिसके वृन्त में चार-चार पत्ते साथ रहते हैं ।

ਚੁਪਤੀ चुपत्ती Cupatti [3] **स्त्री०**
चतुष्पत्री (स्त्री०) जिसके वृन्त में चार-चार पत्ते साथ रहते हैं, चार पत्तों का समूह।

ਚੁਪਾਇਆ चुपाइआ Cupaia [3] **पुं०**
चतुष्पाद (पुं०) चौपाया, पशु, जानवर।

ਚੁਪਾਈ चुपाई Cupai [3] **स्त्री०**
चतुष्पदी (स्त्री०) चौपाई, हिन्दी का एक छन्द, चार पदों वाला श्लोक जिसमें 32 अक्षर होते हैं।

ਚੁਪੇੜ चुपेड़् Cuper [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚੁਬਾਰਾ चुबारा Cubara [3] **पुं०**
चतुर्द्वार (वि०/नपुं०) वि०—चार द्वारों वाला, जिसमें चारों ओर से दरवाजे हों। नपुं०—चार दरवाजे, चार द्वारों का समूह।

ਚੁੰਮਣ चुम्मण् Cumman [3] **पुं०**
चुम्बन (नपुं०) चुम्बन, चूमने का भाव।

ਚੁੰਮਣਾ चुम्म्णा Cummna [3] **सक० क्रि०**
चुम्बति / ते (भ्वादि सक०) चूमना, चुम्बन करना।

ਚੁਮਾਸਾ चुमासा Cumasa [3] **पुं०**
चातुर्मास्य (नपुं०) चौमासा, वर्षा ऋतु के चार मास; इस काल में किया जाने वाला एक पौराणिक व्रत; कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ के प्रारम्भ में अनुष्ठेय यज्ञ-विशेष।

ਚੁਮਾਹਾ चुमाहा Cumaha [3] **पुं०**
द्र०— ਚੁਮਾਸਾ।

ਚੁੰਮੀ चुम्मी Cummi [3] **स्त्री०**
चुम्बन (नपुं०) चुम्बन, चूमने का भाव।

ਚੁਮੁਖੀਆ चुमुखिआ Cumukhia [3] **वि०**
द्र०— ਚੁਮੁੱਖਾ।

ਚੁਮੁੱਖਾ चुमुक्खा Cumukkha [3] **वि०/पुं०**
चतुर्मुख (वि०/पुं०/नपुं०) वि०—चौमुख, चार मुखों वाला। पुं०—ब्रह्मा, विधाता। नपुं०—चार द्वारों वाला घर।

ਚੁਰਸਤਾ चुरस्ता Curasta [3] **पुं०**
चतुष्पथ (पुं०) चौराहा, चौमुहानी।

ਚੁਰਾਉਣਾ चुराउणा Curauna [3] **सक० क्रि०**
चोरयति / ते (चुरादि सक०) चुराना, चोरी करना।

ਚੁਰਾਸੀ चुरासी Curasi [3] **वि०**
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी, 84 संख्या या इससे युक्त।

ਚੁਰਾਸੀਵਾਂ चुरासिवाँ Crasiva [3] **वि०**
चतुरशीतितम (वि०) चौरासीवाँ।

ਚੁਰਾਹਾ चुराहा Curaha [3] **पुं०**
चतुष्पथ (पुं०) चौराहा; चौमुहानी।

ਚੁਰਾਨਵੇਂ चुरान्वें Curanvē [3] **वि०**

चतुर्णवति (स्त्री०) चौरानवें, 94 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੁਰੰਗਾ चुरंगा Curṅgā [3] पुं०
चतूरङ्ग (वि०) चौरंगा, चार रंगों वाला।

ਚੁਰੰਞਾ चुरंजा Curañjā [3] वि०
चतुःपञ्चाशत् (स्त्री०) चौवन, 54 संख्या से परिच्छिन्न कोई वस्तु।

ਛਨਿੱਛਰ छनिच्छर् Chanicchar [2] पुं०
शनैश्चर (पुं०) शनिग्रह; शनिवार।

ਚੁਲਾ चुला Culā [3] पुं०
चुलुक (पुं०) चुल्लू, अञ्जलि; छोटा बर्तन।

ਚੁਲੀ चुली Culī [3] स्त्री०
चुलुक (पुं०) चुल्लू, मुँहभर जल; अञ्जली।

ਚੁੱਲ੍ਹ चुल्ह् Cullh [2] पुं०
चुल्लि (स्त्री०) बड़ा चूल्हा।

ਚੁਲ੍ਹਾ चुल्हा Culhā [3] पुं०
चुल्लि (स्त्री०) चूल्हा।

ਚੁੱਲ੍ਹੀ चुल्ही Cullhī [1] स्त्री०
चुल्लिका (स्त्री०) चुल्ही, छोटा चूल्हा।

ਚੂਸਣਾ चूस्णा Cūsṇā [2] सक० क्रि०
चूषति (भ्वादि सक०) चूसना।

ਚੂਸੂ चूसू Cūsū [3] वि०
चूषक (वि०) चूसने वाला।

ਚੂਚੀ चूची Cucī [3] स्त्री०
चूचुक (नपुं०) स्तन, स्तनाग्रभाग, चूची के ऊपर की घुण्डी।

ਚੂੰਡਣਾ चूण्ड्णा Cūṇḍṇā [3] सक० क्रि०
चुण्टति/चुण्टयति (भ्वादि/चुरादि सक०) चूर-चूर करना; कतरना; तोड़ना; चुटिया भरना; नोचना।

ਚੂੰਡਾ चूण्डा Cūṇḍā [3] पुं०
चूडा (स्त्री०) जूड़ा; चोटी; चुटिया; चूडाकरण संस्कार; मुर्गा या मोर के सिर की कलँगी।

ਚੂੰਡੀ चूण्डी Cūṇḍī [3] स्त्री०
चुण्टा/चुण्डा (स्त्री०) चूँटी; थोड़ी सी मात्रा; हौज; छोटा कुआँ; छोटी तलैया।

ਚੂਨ चून् Cūn [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) चून, गेहूँ आदि का पिसा हुआ आटा; चूरा; धूल।

ਚੂਨਾ चूना Cūnā [3] पुं०
चूर्ण (पुं०) चूना, खड़िया।

ਚੂਰ चूर् Cūr [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) बारीक कण; धूलि।

ਚੂਰਣਾ चूर्णा Cūrṇā [3] सक०/अक० क्रि०
चूर्यते (दिवादि सक०/अक०) सक०—चूर्ण करना, धूल बना देना; जलाना, भस्म करना। अक०—चूरना; दाल आदि का गलना।
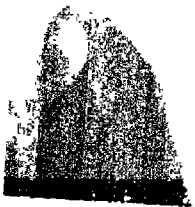
ਚੂਰਨ चूरन् Cūran [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) चूर्ण, चूरन, घिसा हुआ चन्दन; खुशबूदार चूर्ण; धूवल।

ਚੂਰਨਾ चूर्ना Cūrnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਚੂਰਣਾ।

ਚੂਰਾ चूरा Cūrā]3] पुं०
चूर्ण (पुं०, नपुं०) चूर्ण, चूरा; खुशबूदार चूर्ण, पावडर।

ਚੂਲ चूल् Cūl [3] पुं०
क्षुद्र/छिद्र (नपुं०) चूल, लकड़ी आदि के पाये इत्यादि का छिद्र।

ਚੂੜ चूड़् Cūṛ [3] स्त्री०
चूडा (स्त्री०) चोटी, शिखा; कलँगी।

ਚੂੜਾ चूड़ा Cūṛā [3] पुं०
चूडा (स्त्री०) कलाई का आभूषण, चूड़ी; कंकण, वलय।

ਚੂੜਾਮਣੀ चूड़ामणी Cūṛāmaṇī [3] पुं०
चूडामणि (पुं०) चूड़ामणि या जूड़े में धारण करने का मणिजटित आभूषण-विशेष; सर्वोत्तम, सर्वोत्कृष्ट।

ਚੂੜੀ चूड़ी Cūṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਚੂੜਾ।

ਚੇਸ਼ਟਾ चेश्टा Ceśṭā [3] स्त्री०
चेष्टा (स्त्री०) यत्न, उद्योग; हाव-भाव; आचरण।

ਚੇਤ चेत् Cet [3] पुं०
चैत्र (पुं०) चैत्र मास जिससे नया विक्रम संवत् प्रारम्भ होता है।

ਚੇਤਕੀ चेत्की Cetkī [3] स्त्री०
चैत्रकीय (वि०) चैत महीने में पकने वाली फसल।

ਚੇਤਣਾ चेत्णा Cetṇā [3] सक० क्रि०
चेतयते (चुरादि सक०) चिन्तन करना, विचार करना; स्मरण करना।

ਚੇਤਨ चेतन् Cetan [3] वि०/पुं०
चेतन (वि०/पुं०) वि०—चेतन, सजीव, जीवित; दृश्यमान्। पुं०—जीवित प्राणी; जीवात्मा; मन; परमात्मा।

ਚੇਤਨਤਾ चेतन्ता Cetantā [3] स्त्री०
चेतनता (वि०) चेतनता, संज्ञा; समझ; सजीवता।

ਚੇਤਰ चेतर् Cetar [3] पुं०
चैत्र (पुं०) चैत्र मास, जिससे नये विक्रम संवत् का प्रारम्भ होता है।

ਚੇਤੀ चेती Cetī [3] वि०
चैत्रीय (वि०) चैत्रमास से संबन्धित या उस मास में पकने वाली फसल।

ਚੇਤੰਨ चेतन्न् Cetann [3] वि०
चेतन (वि०) चेतन, सजीव, जीवित।

ਚੇਤੰਨੀ चेतन्नी Cetannī [3] स्त्री०
चैतन्य (नपुं०) चेतनता, सजीवता, संज्ञा।

ਰਾ चेरा Cerā [1] पुं०
चेट (पुं०) दास, नौकर।

ਲਾ चेला Celā [3] पुं०
चेटक (पुं०) चेला, शिष्य।

ਸਾ चोसा Cosā [3] वि०
चोष्य (वि०) चूसने योग्य, स्वादिष्ट, स्वादु, रुचिकर।

ਚੋੱਖਾ चोक्खा Cokkhā [3] पुं०
चोक्ष (वि०) अच्छा; साफ सुथरा; शुद्ध; सच्चा; चतुर; प्रिय; मनोहर; तेज।

ਚੋਜ चोज् Coj [3] पुं०
चेतोज (पुं०) उत्साह; कौतुक।

ਚੋਟ चोट् Coṭ [3] स्त्री०
चोट (पुं०) चोट, घाव, जख्म; आघात।

ਚੋਟੀ चोटी Coṭī [2] स्त्री०
चूडा (स्त्री०) शिखर, चोटी; शिखा, चुटिया; केशों का जूड़ा।

ਚੋਣਾ[1] चोणा Coṇā [3] अक० क्रि०
च्यवते (भ्वादि अक०) चूना, रिसना टपकना।

ਚੋਣਾ[2] चोणा Coṇā [3] सक० क्रि०
च्यावयति/ते (भ्वादि० प्रेर०) चुवाना, टपकाना; दोहन करना।

ਚੋਬਾ चोबा Cobā [2] पुं०
चतुर्वेद (पुं०/वि०) पुं०—चौबे ब्राह्मण, ब्राह्मणों का एक वर्ग। वि०—चारों वेदों का अध्येता या ज्ञाता।

ਚੋਮਾਹਾ चोमाहा Comāhā [3] पुं०
द्र०—ਚੁਮਾਸਾ।

ਚੋਰ चोर् Cor [3] पुं०
चोर (पुं०) चोर, चोरी करने वाला।

ਚੋਰੀ चोरी Corī [3] स्त्री०
चौर्य (नपुं०) चोरी, चोर का कर्म।

ਚੋਲਾ चोला Colā [3] पुं०
चोड/चोल (पुं०) चोला, कुर्ता, जैकेट।

ਚੋਲੀ चोली Colī [3] स्त्री०
चोली (स्त्री०) चोली, कुर्ती, अँगिया।

ਚੌਸਰ चौसर् Causar [3] पुं०
चतुस्सारि (पुं०) चौपड़, चौपड़ का खेल।

ਚੌਸਾ[1] चौसा Causā [3] पुं०
चोष्य (वि०) चौसा, एक प्रकार का आम।

ਚੌਸਾ[2] चौसा Causā [3] पुं०
चतुरस्रिका (स्त्री०) बढ़ई का उपकरण विशेष, जिससे लकड़ी में चौकोर छिद्र किया जाता है।

ਚੌਸੀਮਾ चौसीमा Causīmā [3] स्त्री०
चतुस्सीमा (स्त्री०) चारों तरफ की सीमा, चारों ओर की हद।

ਚੌਂਹਟ चौंहट् Caũhaṭ [3] पुं०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौसठ, 64 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਹੱਟਾ चौहट्टा Cauhaṭṭā [1] पुं०
चतुर्हट्ट (पुं०) चौराहे पर स्थित हाट चौराहे का बाजार।

ਚੌਂਹਠ चौंहठ् Caũhaṭh [1] **वि०**
द्र०—ਚੌਂਹਟ।

ਚੌਂਕ चौंक् Caũk [3] **पुं०**
चतुष्क (नपुं०) चौक, चौराहा।

ਚੌਂਕਾ चौंका Caũka [3] **पुं०**
चतुष्क (नपुं०) चौका, रोटी बेलने का काठ का गोलाकार चौका; चार का अंक।

ਚੌਂਕੀ चौंकी Caũkī [3] **स्त्री०**
चतुष्की (स्त्री०) चौकी, लकड़ी का तख्त।

ਚੌਕੋਣਾ चौकोणा Caukoṇa [3] **पुं०**
चतुष्कोण (वि०) चौकोना, चार कोने वाला।

ਚੌਖਟ चौखट् Caukhaṭ [3] **स्त्री०**
चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौखठ, द्वार-फ्रेम।

ਚੌਖਰ चौखर् Caukhar [1] **पुं०**
चतुष्खुर (पुं०) चार खुरों का पशु।

ਚੌਗਣਾ चौगणा Caugṇa [3] **पुं०**
द्र० —ਚੌਗੁਣਾ।

ਚੌਗੁਣਾ चौगुणा Cauguṇa [3] **पुं०**
चतुर्गुण (वि०) चौगुना, चतुर्गुणित।

ਚੌਣਾ चौणा Cauṇa [3] **पुं०**
चतुर्गुण (वि०) चौगुणा; चौड़ा।

ਚੌਤਰੀ चौत्री Cautrī [1] **स्त्री०**
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस (34) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਤਾਰ चौतार् Cautār [3] **पुं०**
चतुस्ताल (पुं०) चौताल, संगीत का एक गायन-प्रकार या एक ताल।

ਚੌਤਾਲ चौताल् Cautāl [3] **पुं०**
द्र०—ਚੌਤਾਰ।

ਚੌਤਾਲੀ चौताली Cautālī [3] **वि०**
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) चौवालीस (44) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਂਤੀ चौंती Caũtī [3] **वि०**
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस (34) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌੱਤੀ चौत्ती Cauttī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚੌਤਰੀ।

ਚੌਥ चौथ् Cauth [3] **स्त्री०**
चतुर्थी (स्त्री०) चौथ, चान्द्रमास की एक तिथि; भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी तिथि जिसे पत्थर चौथ कहते हैं।

ਚੌਥਾ चौथा Cauthā [3] **पुं०**
चतुर्थ (वि०) चौथा, चतुर्थ।

ਚੌਥਾਈ चौथाई Cauthāī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚੁਥਾਈ।

ਚੌਦਸ[1] चौदस् Caudas [3] **स्त्री०**
चतुर्दशी (स्त्री०) चान्द्रमास की चतुर्दशी तिथि, चौदहवीं तिथि।

ਚੌਦਸ਼ चौदश् Caudaś [3] **वि०**

चतुर्दशन् (वि०) चौदह (14) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਦਰਾ चौद्रा Caudrā [3] **वि०**
चतुर्द्वार (वि०) चार द्वारों वाला, जिसमें चारों ओर से दरवाजे हों।

ਚੌਦਾਂ चौदाँ Caudā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दशन् (वि०) चौदह (14) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਦੇਂ चौदें Caudẽ [3] **स्त्री०**
चतुर्दशी (स्त्री०) चन्द्रमास की चौदहवीं तिथि।

ਚੌਦ੍ਹਵਾਂ चौदह्वाँ Caudhvā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ।

ਚੌਧਰਨੀ चौधर्नी Caudharnī [3] **स्त्री०**
चतुर्धरी (स्त्री०) चौधरानी, मुखिया या प्रधान की स्त्री।

ਚੌਧਰੀ चौधुरी Caudhrī [3] **पुं०**
चतुर्धर (पुं०) चौधरी, मुखिया; जाति विशेष।

ਚੌਧਵਾਂ चौध्वाँ Caudhvā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ।

ਚੌਪਈ चौपई Caupaī [3] **स्त्री०**
चतुष्पदी (स्त्री०) चौपाई; चार चरणों वाली कविता।

ਚੌਂਪਕਲੀ चौंप्कली Caũpkalī [3] **स्त्री०**
चम्पाकली (स्त्री०) चम्पाकली, चम्पा पुष्प की कलिका।

ਚੌਪਟ चौपट् Caupaṭ [3] **पुं०**
चतुष्पट्ट (पुं०) चौकोर वस्त्र; रेशमी वस्त्र।

ਚੌਪੱਤਾ चौपत्ता Caupattā [2] **पुं०**
द्र०—चुपੱਤਾ।

ਚੌਪੱਤੀ चौपत्ती Caupattī [2] **स्त्री०**
द्र०—चुपੱਤੀ।

ਚੌਪੜ चौपड़् Caupaṛ [3] **पुं०**
चतुष्पट (पु०) चौपड़, पासा खेलने का वस्त्र।

ਚੌਪਾਇਆ चौपाइआ Caupāiā [2] **पुं०**
चतुष्पाद (पुं०) चार पैरों वाला, चौपाया, पशु।

ਚੌਪਾਈ चौपाई Caupāī [3] **स्त्री०**
चतुष्पादिका (स्त्री०) चार पंक्तियों या चरणों का पद्य; चौपाई।

ਚੌਬਾ चौबा Caubā [3] **पुं०**
चतुर्वेदिन् (वि०/पुं०) वि०—चार वेदों का ज्ञाता। पुं०—ब्राह्मणों की एक उपाधि।

ਚੌਬਾਰਾ चौबारा Caubārā [1] **पुं०**
द्र०—चुबारा।

ਚੌਬੀ चौबी Caubī [3] **वि०**
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस (24) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਮਾਸਾ चौमासा Caumasa [3] **पुं०**
द्र०—ਚੁਮਾਸਾ ।

ਚੌਮਾਸੀ चौमासी Caumasī [3] **वि०**
चातुर्मासिक (वि०) चौमासी, चार मास में समाप्य; चार मास से सम्बन्धित ।

ਚੌਮੁਖਾ चौमुखा Caumukha [3] **पुं०**
चतुर्मुख (वि०) चौमुखा, चार मुखों वाला; चार द्वारों वाला ।

ਚੌਮੁੱਖਾ चौमुक्खा Caumukkha [3] **वि०**
द्र०—ਚੌਮੁਖਾ ।

ਚੌਰ चौर् Caur [3] **पुं०**
चामर (पुं०, नपुं०) चँवर, चामर ।

ਚੌਰਸ चौरस् Cauras [3] **पुं०**
चतुरस्र (पुं०) चार कोने वाला, चतुष्कोण; वर्गाकार ।

ਚੌਰਾਸੀ चौरासी Caurasī [3] **वि०**
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी (84) संख्या या इससे परिच्छिन्न संख्येय ।

ਚੌਰੀ चौरी Caurī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚੌਵਰੀ ।

ਚੌਲ चौल् Caul [2] **पुं०**
तण्डुल (पुं०) चावल, तण्डुल ।

ਚੌਵੀ चौवी Cauvī [3] **स्त्री०**
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौवीस (24) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌਵੀਹਾ चौवीहा Cauvīha [3] **पुं०**
चतुर्विंश (वि०) चौबीसवाँ ।

ਚੌਵੀਹਵਾਂ चौवीह्वाँ Cauvīhvā̃ [3] **वि०**
द्र०—ਚੌਵੀਹਾ ।

ਚੌੜਾ चौड़ा Cauṛa [3] **पुं०**
चतुष्पथ (पुं०) चौड़ा; चौराहा ।

ਚੰਗੜਾ चंगड़ा Caṅgṛa [2] **पुं०**
चङ्ग (वि०) चंगा; अच्छा; नीरोग, हृष्ट-पुष्ट ।

ਚੰਗਾ चंगा Caṅga [3] **पुं०**
चङ्ग (वि०) स्वस्थ; अच्छा ।

ਚੰਗੇਰ चंगेर् Caṅger [3] **स्त्री०**
चङ्गेरी (स्त्री०) टोकरी ।

ਚੰਗੇਰਾ चंगेरा Caṅgera [3] **पुं०**
चङ्गतर (पुं०) अधिक अच्छा, अधिक स्वस्थ ।

ਚੰਘਾੜ चंघाड़् Caṅghaṛ [1] **स्त्री०**
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़, जोर की ध्वनि; दहाड़ ।

ਚੰਚਲ चंचल् Cañcal [3] **वि०**
चञ्चल (वि०) चंचल, अस्थिर, चपल ।

ਚੰਡਾਲ चण्डाल् Caṇḍal [3] **पुं०**
चाण्डाल (पुं०/वि०) पुं०—चाण्डाल, अन्त्यज वर्ण में सबसे नीची जाति, डोम । वि०—क्रूर, नीच कर्म करने वाला व्यक्ति ।

ਚੰਡਾਲਣ चण्डालण् Candalaṇ [3] स्त्री०
चाण्डाली (स्त्री०) चाण्डाल की पत्नी, डोमिन; निम्न कर्म करने वाली स्त्री।

ਚੰਡਾਲਣੀ चण्डाल्णी Candalṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਚੰਡਾਲਣ।

ਚੰਦ चन्द् Cand [3] पुं०
चन्द्र (पुं०) चन्द्रमा, चाँद।

ਚੰਦਗ੍ਰਹਿਣ चन्दग्रैह्‌ण् Candagraihṇ [3] पुं०
चन्द्रग्रहण (नपुं०) चन्द्रग्रहण, पौराणिक मत से राहु द्वारा चन्द्रमा का ग्रसन।

ਚੰਦਨ चन्दन् Candan [3] पुं०
चन्दन (पुं०, नपुं०) चन्दन, एक वृक्ष जिसकी लकड़ी सुगन्धित होती है, सन्दल।

ਚੰਦਰਮਾ चन्दर्मा Candarma [3] पुं०
चन्द्रमस् (पुं०) चन्द्रमा, चाँद।

ਚੰਦੋਆ चंदोआ Candoa [3] पुं०
चन्द्रोदय (पुं०) चाँदनी, चन्द्रोदय; ऊपर तानने का वस्त्र, चाँदनी वस्त्र।

ਚੰਨ चन्न् Cann [3] पुं०
द्र०—ਚੰਦ।

ਚੰਨਣ चन्नण् Cannaṇ [3] पुं०
चन्दन (पुं०, नपुं०) चन्दन, एक वृक्ष जिसकी लकड़ी सुगन्धित होती है, संदल।

ਚੰਪਾ चम्पा Campa [2] पुं०
चम्पक (पुं० / नपुं०) पुं०—चम्पा का वृक्ष। नपुं०—चम्पा का फूल।

ਚੰਬਾ चम्बा Camba [3] पुं०
द्र०—ਚੰਪਾ।

ਚੰਬੇਲੀ चँबेली Cambelī [3] स्त्री०
चम्पवेल्लि (स्त्री०) चमेली, मालती लता या पुष्प।

ਚੰਮ चम्म् Camm [3] पुं०
चर्मन् (नपुं०) चमड़ा, चाम, खाल, त्वचा।

ਚੰਵਰ चँवर् Cāvar [3] पुं०
चमर (पुं०) चँवर, चमरी गाय की पूँछ।

ਚੰਵਰੀ चँव्‌री Cāvri [3] स्त्री०
चामर (नपुं०) चँवर, चौरी।

ਛ

ਛਹਿਣਾ छहिणा Chahiṇa [3] अक० क्रि०
क्षयति (भ्वादि अक०) क्षय होना, नष्ट होना; कम होना; छिपना।

ਛਕਣਾ छकणा Chakṇa [3] सक० क्रि०
छमति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना, तृप्त होना।

ਛਕੜਾ छकड़ा Chakṛā [3] पुं०
शकट (नपुं०, नपुं०) छकड़ा, बैलगाड़ी।

ਛਕਾਉਣਾ छकाउणा Chakāuṇā [3] सक० क्रि०
छमयति (भ्वादि प्रेर०) भोजन कराना, तृप्त करना।

ਛੱਕਾ छक्का Chakkā [3] पुं०
षट्क (नपुं०) छः का समूह अथवा समवाय।

ਛਛੂੰਦਰ छछूँदर् Chachūdar [3] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछूँदर, चूहे की जाति का जन्तु विशेष।

ਛੱਜਾ छज्जा Chajjā [3] पुं०
छदि (स्त्री०) छज्जा, बराण्डे आदि से आगे की ओर निकली हुई छत।

ਛਟ छट् Chaṭ [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी तिथि या छठ व्रत।

ਛਟਾਂਕ छटाँक् Chaṭāk [3] पुं०
षट्टङ्क (पु०) छटाँक, सेर का 16वाँ भाग।

ਛਟੀ छटी Chaṭī [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी, छठवीं।

ਛੱਟਣਾ छट्टणा Chaṭṭaṇā [3] सक० क्रि०
छुटति (तुदादि सक०) अन्न आदि को मूसल से छाँटना या साफ करना।

ਛਠ छठ् Chaṭh [3] स्त्री०
द्र०—ਛਠੀ।

ਛਠੀ छठी Chaṭhī [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी तिथि, चान्द्रमास की छठी तिथि; नामकरण सस्कार का दिन; छठ व्रत।

ਛੱਡਣਾ छड्डणा Chaḍḍaṇā [3] सक० क्रि०
क्ष्विडयति (दिवादि सक०) छोड़ना, त्यागना।

ਛਣਨਾ छण्ना Chaṇnā [3] सक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि सक०) चूना, टपकना; बहना।

ਛਤਰ छतर् Chatar [3] पुं०
छत्र (नपुं०) छत्र, राजचिह्न।

ਛਤਾਲੀ छताली Chatālī [3] वि०
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालिस (46) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛੱਤ छत्त् Chatt [3] स्त्री०
छत्ति (स्त्री०) छत, छज्जा; छादन।

ਛੱਤਕ छत्तक् Chattak [3] पुं०
छत्रक (नपुं०) छत्ता, शहद का छत्ता; कुकुरमुत्ता; छतरी।

ਛੱਤਰੀ छत्त्री Chattrī [3] पुं०
क्षत्रिय (पुं०) क्षत्रिय, चार वर्णों में द्वितीय वर्ण, राजपूत।

ਛੱਤਾ छत्ता Chattā [3] पुं०
छत्र (नपुं०) छाता, छतरी; मधुमक्खियों का छत्ता।

ਛੱਤੀਸ छत्तीस् Chattīs [3] वि०
षट्त्रिंशत् (स्त्री०) छत्तीस (36) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਛਦਮ छद्म् Chadam [3] पुं०
छद्मन् (नपुं०) छद्म, छल, कपट, धोखा; लुकाव-छिपाव; व्याज, बहाना ।

ਛਨਿੱਛਰ छनिच्छर् Chanicchar [2] पुं०
शनैश्चर (पुं०) शनिग्रह, शनिवार ।

ਛਨਿੱਛਰਵਾਰ छनिच्छर्वार् Chanichharvār [3] पुं०
शनैश्चरवार (नपुं०) शनिवार ।

ਛਪੰਜਾ छपञ्जा Chapañja [3] वि०
षट्पञ्चाशत् (स्त्री०) छप्पन (56) संख्या या इससे परिच्छिन्न संख्येय वस्तु ।

ਛੱਪਰ छप्पर् Chappar [3] पुं०
छत्वर (पुं०) घास फूस का छप्पर; झोंपड़ी; घर; लतामण्डप ।

ਛੱਪਰੀ छप्परी Chappari [3] स्त्री०
छत्वरी (स्त्री०) छोटा छप्पर, झोंपड़ी ।

ਛਬ छब् Chab [2] स्त्री०
छवि (स्त्री०) छवि, शोभा ।

ਛੱਬੀ छब्बी Chabbī [3] वि०
षड्विंशति (स्त्री०) छब्बीस (26) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਛੱਬੀਵਾਂ छब्बीवाँ Chabbīvā̃ [3] पुं०
षड्विंशतितम (वि०) छब्बीसवाँ, 26वाँ

ਛਮੱਛਰੀ छमच्छरी Chamacchari [3] स्त्री०
संवत्सरी (स्त्री०) जैनियों का सवत्सरं नामक पर्व ।

ਛਮਾ छमा Chama [1] स्त्री०
क्षमा (स्त्री०) क्षमा, सहनशीलता, धैर्य

ਛੱਰਾ छर्रा Charra [3] स्त्री०
क्षरहरा (स्त्री०) छर्रा, बन्दूक की गोली

ਛਲ छल् Chal [3] पुं०
छल (नपुं०) छल, धोखा, कपट ।

ਛਲਣਾ छल्णा Chalṇa [3] सक० क्रि०
छलयति (नामधातु०) छलना, धोखा देना ।

ਛਲਨਾ छल्ना Chalna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਛਲਣਾ ।

ਛਲਨੀ छल्नी Chalnī [2] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चालनी, छाननी ।

ਛਲੀ छली Chali [1] वि०
छलिन् (वि०) छली, कपटी, धोखेबाज

ਛਲੀਆ छलिआ Chalia [3] वि०
छलिन् (वि०) छली, कपटी, धोखेबाज

ਛਵੰਜਾ छवंजा Chavañja [1] वि०
द्र०—ਛਪੰਜਾ ।

ਛੜੀ छड़ी Chaṛi [3] स्त्री०
यष्टि (स्त्री०) छड़ी, सोटी, यष्टिका

ਛਾ ¹ छा Chā̃ [3] स्त्री०
छाया (स्त्री०) छाया, परछाई।

ਛਾਉਂ छाऊँ Chāū̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਛਾਂ।

ਛਾਉਣਾ छाउणा Chāuṇā [3] अक० क्रि०
छादयति / ते (चुरादि अक०) छाना, ढकना, आच्छादन करना।

ਛਾਉਣੀ छाउणी Chāuṇī [3] स्त्री०
छादन (नपुं०) छाजन, छाउणी, आच्छादन।

ਛਾਇਆ छाइआ Chāiā [3] स्त्री०
द्र०—ਛਾਂ।

ਛਾਇਆਵਾਨ छाइआवान् Chāiāvān [3] वि०
छायावत् (वि०) छायावाला, छायेदार; सामियाना, तम्बू।

ਛਾਈ छाई Chāī [2] स्त्री०
छादि (स्त्री०) छाई, राख, भस्म।

ਛਾਹ छाह् Chāh [3] स्त्री०
छच्छिका (स्त्री०) छाछ, तक्र, मट्ठा।

ਛਾਂਗਾ छाँगा Chā̃gā [3] पुं०
षडङ्गुलिक (वि०) छः अंगुलियों वाला।

ਛਾਂਟਣਾ छाँट्णा Chā̃ṭṇā [3] सक० क्रि०
छन्दति (भ्वादि, चुरादि सक०) छाँटना, अलग करना।

ਛਾਤਰ छातर् Chātar [3] पुं०
छात्र (पुं०) छात्र, शिष्य, विद्यार्थी।

ਛਾਤਰਾ छात्रा Chātrā [3] स्त्री०
छात्रा (स्त्री०) छात्रा, शिष्या, विद्यार्थिनी।

ਛਾਤਾ छाता Chātā [3] पुं०
द्र०—ਛੱਤਾ।

ਛਾਨਣੀ छान्णी Chānṇī [3] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चालनी, चलनी, आटा आदि छानने का साधन।

ਛਾਲਣੀ छाल्णी Chālṇī [3] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चलनी, आटा आदि चालने का साधन।

ਛਾਲਾ छाला Chālā [3] पुं०
छल्लि/छल्ली (स्त्री०) छाल, छिलका।

ਛਿਆਉਣਾ छ्याउणा Chyāuṇā [3] पुं०
षड्गुण (वि०) छह गुना।

ਛਿਆਸੀ छ्यासी Chyāsī [3] वि०
षडशीति (स्त्री०) छियासी, 86 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਆਹਟ छ्याहट् Chyāhaṭ [3] वि०
षट्षष्टि (स्त्री०) छियासठ, 66 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਆਹਠ छ्याहठ् Chyāhaṭh [1] वि०
द्र०— ਛਿਆਹਟ।

ਛਿਆਨਵੇਂ छ्यानवें Chyānvẽ [3] वि०
षण्णवति (स्त्री०) छियानबे, 96 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਆਲੀ छयाली Chyali [3] **वि०**
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालीस, 46 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਛਿਹੱਤਰ छिहत्तर् Chihattar [3] **वि०**
षट्सप्तति (स्त्री०) छिहत्तर, 76 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਛਿਕੜਾ छिकड़ा Chikṛa [2] **पुं०**
शकट (पुं०, नपुं०) छकड़ा, बैलगाड़ी ।

ਛਿਕੋਣ छिकोण् Chikon [3] **पुं०**
षट्कोण (नपुं०/वि०) नपुं०—षट्कोण, छह कोण । वि०—छह कोणों वाला ।

ਛਿੱਕ छिक्क् Chikk [3] **स्त्री०**
छिक्का (स्त्री०) छींक, जुकाम आदि के कारण होने वाली नाक की ध्वनि ।

ਛਿੱਕਾ[1] छिक्का Chikka [3] **पुं०**
शिक्य (नपुं०) छिक्का, सिकहर, दूध-दही के भाण्ड को रखने का स्थान ।

ਛਿੱਕਾ[2] छिक्का Chikka [3] **पुं०**
षट्क (नपुं०) छः का समूह; ताश का छक्का ।

ਛਿੱਕੀ छिक्की Chikki [3] **स्त्री०**
द्र०—ਛਿੱਕਾ[1] ।

ਛਿੱਕੂ छिक्कू Chikkū [3] **पुं०**
द्र०—ਛਿੱਕਾ[1] ।

ਛਿਗੁਣਾ छिगुणा Chiguṇa [3] **पुं०**
षड्गुण (वि०) छह गुना ।

ਛਿੱਜਣਾ छिज्जणा Chijjna [3] **अक० क्रि०**
छिद्यते (रुधादि कर्मवा०) पृथक् होना; फट जाना ।

ਛਿੱਟਾ छिट्टा Chiṭṭa [3] **पुं०**
श्वित्र (नपुं०) छींटा; दाग; कलंक ।

ਛਿਣ छिण् Chiṇ [3] **पुं०**
क्षण (नपुं०) क्षण, निमेष, सूक्ष्म काल ।

ਛਿਣ-ਭੰਗਰ छिण्-भंगर् Chiṇ Bhangar [3] **वि०**
क्षणभङ्गुर (वि०) क्षणभंगुर, नश्वर, नाशवान् ।

ਛਿਣ-ਮਾਤਰ छिण्-मातर् Chiṇ-Matar [3] **क्रि० वि०**
क्षणमात्र (क्रि० वि०) क्षणमात्र, क्षणभर ।

ਛਿਤਾਲੀ छिताली Chitali [3] **वि०**
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालीस, 46 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਛਿਦਣਾ छिद्णा Chidṇa [3] **सक० क्रि०**
छेदयति/ते (चुरादि सक०) छेदना, छेद करना; कतरना ।

ਛਿਦਰਾ छिद्रा Chidra [3] **पुं०**
द्र०—ਛਿੱਦਾ ।

ਛਿੱਦਰ छिद्दर् Chiddar [3] **पुं०**
छिद्र (नपुं०) छेद, सुराख, अवकाश ।

ਛਿੱਦਾ छिद्दा Chidda [3] **पुं०**
छिद्र (वि०) छिदा हुआ, छेददार ।

ਛਿਨਾਲ छिनाल् Chinal [3] **स्त्री०**
छिन्ननारी (स्त्री०) व्यभिचारिणी स्त्री, दुश्चरित्र स्त्री ।

ਛਿਮਾਹਰ छिमाहर् Chimahar [3] **वि०**
षाण्मासिक (वि०) छमाही, छः मास में होने वाला, अर्द्धवार्षिक ।

ਛਿਮਾਹੀ छिमाही Chimāhī [3] **स्त्री०**
षाण्मासिकी (स्त्री०) छः महीने में होने वाली, अर्द्धवार्षिकी ।

ਛਿਲਕਾ छिल्का Chilka [3] **पुं०**
शल्क (नपुं०) छिल्का, ऊपरी परत; त्वचा ।

ਛਿਲਾਰ छिलार् Chilār [3] **पुं०**
छगल (पुं०) बकरी का बच्चा, अज-शिशु ।

ਛਿਲਾਰੂ छिलारू Chilarū [3] **स्त्री०**
द्र०—ਛਿਲਾਰ ।

ਛੀ छी Chī [2] **वि०**
षष् (वि०) छह, 6 संख्या से परिच्छिन्न ।

ਛੀ-ਛੀ छी-छी Chī-Chī [3] **अ०**
छि (अ०) घृणा या आरोप सूचक शब्द ।

ਛੁਹ छुह् Chuh [3] **पुं०**
छोप/स्पर्श (पुं०) छूने का भाव, स्पर्श ।

ਛੁਹਣਾ छुह्णा Chuhṇā [3] **सक० क्रि०**
स्पृशति (तुदादि सक०) छूना, स्पर्श करना ।

ਛੁਹਾਰਾ छुहारा Chuhāra [3] **पुं०**
क्षारक (नपुं०) छुहारा, खजूर का फल ।

ਛੁਟੇਰਾ छुटेरा Chuṭera [3] **पुं०**
तुच्छतर (वि०) अपेक्षाकृत छोटा, बहुत छोटा ।

ਛੁਡਾਉਣਾ छुडाउणा Chudauṇa [3] **सक० क्रि०**
छुरति (तुदादि सक०) छुड़ाना, बन्धन-मुक्त करना; तोड़ना ।

ਛੁਰਾ छुरा Chura [3] **पुं०**
क्षुर (पुं०) छुरा, उस्तरा ।

ਛੁਰੀ छुरी Churī [3] **स्त्री०**
छुरिका (स्त्री०) छुरी, चाकू ।

ਛੂਹ छूह् Chūh [3] **स्त्री०**
द्र०—ਛੋਹ ।

ਛੂਛਕ छूछक् Chūchak [3] **स्त्री०**
सूतकीय (वि०) बच्चा पैदा होने के बाद माँ एवं बच्चे को उपहार में मिलने वाली वस्तुएँ ।

ਛੂਛਾ छूछा Chūcha [3] **पुं०**
तुच्छ (वि०) खाली, रिक्त; हल्का; छोटा; थोड़ा; नीच; निकम्मा ।

ਛੂਤ छूत् Chūt [3] **स्त्री०**
छुप्ति (स्त्री०) छूने का भाव, स्पर्श ।

ਛੇ छे Che [3] **वि०**
षष् (वि०) छः, 6 संख्या से परिच्छिन्न ।

ਛੇਕ छेक् Chek [3] पुं०
छेद (पुं०) छेद, छिद्र, सुराख।

ਛੇਕਣਾ छेक्णा Chekṇā [3] सक० क्रि०
छेदयति / ते (चुरादि सक०) खण्डन करना, बहिष्कार करना; छेद करना।

ਛੇਕਨਾ छेक्ना Chekna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਛੇਕਣਾ।

ਛੇਕੜ छेकड़् Chekaṛ [3] स्त्री०
छेद (पुं०) छेद, सुराख; अन्त, अवसान।

ਛੇਜ छेज् Chej [1] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, बिस्तर।

ਛੇਜਾ छेजा Chejā [3] पुं०
द्र०—ਛੇਜ।

ਛੇਤਰ छेतर् Chetar [1] पुं०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, फसल उपजाने की भूमि।

ਛੇਦਣਾ छेद्णा Chedṇā [3] सक० क्रि०
छेदयति/ते (चुरादि सक०) छेदना, छेद करना; कतरना।

ਛੇਲ छेल् Chel [3] पुं०
छेलक (पुं०) छौना, मेमना।

ਛੇਲਾ छेला Chelā [3] पुं०
छगल (पुं०) छाग, बकरी का एक साल का बच्चा।

ਛੇਲੀ छेली Chelī [3] स्त्री०
छगली (स्त्री०) छागी, बकरी, बकरी की बच्ची।

ਛੇਵਾਂ छेवाँ Chevā̃ [3] पुं०
षष्ठ (वि०) छठा, छठवाँ।

ਛੈਣੀ छैणी Chaiṇī [3] स्त्री०
छेदनी (स्त्री०) छेनी, छेद करने का उपकरण।

ਛੋਹ छोह् Choh [3] स्त्री०
स्पर्श (पुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਛੋਹਣਾ छोह्णा Chohṇā [3] सक० क्रि०
छुपति / स्पृशति (तुदादि सक०) छूना, स्पर्श करना।

ਛੋਹਰ छोहर् Chohar [1] पुं०
शावक (पुं०) शिशु; छोकरा, बच्चा।

ਛੋਕਰਾ छोक्रा Chokrā [3] पुं०
उत्सवकर (पुं०) छोकरा, लड़का।

ਛੋਕਰੀ छोक्री Chokrī [3] स्त्री०
उत्सवकरी (स्त्री०) छोकरी, लड़की, बच्ची।

ਛੌਰ छौर् Chaur [3] पुं०
क्षौर (पुं०) मुण्डन; मुण्डन-संस्कार।

ਛੰਤ छन्त् Chant [3] पुं०
छन्दस् (नपुं०) छन्द, वृत्त।

ਛੰਦ छन्द् Chand [3] पुं०
द्र०—ਛੰਤ।

ਛੰਦਕ छन्दक् Chandak [1] वि०
छान्दस (वि०) छन्द-सम्बन्धी; छन्दःशास्त्र का; वैदिक।

ਛੰਦ-ਬੱਧ छन्द् बद्ध् Chand-Badh [3] **वि०**
छन्दोबद्ध (वि०) छन्द में रची गयी कविता आदि।

ਛੰਦੋਗ छन्दोग् Chandog [3] **पुं०**
छान्दोग (वि०) सामवेद का गायक।

ਛੰਨ छन्न् Chann [3] **स्त्री०**
छन्नि (स्त्री०) घास-फूस का छप्पर, छान्ह।

ਜ

ਜਸ जस् Jas [3] **पुं०**
यशस् (नपुं०) यश, कीर्ति, बड़ाई।

ਜਸਪਤ जस्पत् Jaspat [3] **पुं०**
यशःपति (पुं०) यशस्वी, प्रसिद्ध।

ਜਸਪਤੀ जस्पती Jaspatī [3] **पुं०**
द्र०—ਜਸਪਤ।

ਜਸਵੰਤ जस्वन्त् Jasvant [3] **पुं०**
यशस्वत् (वि०) यश वाला, यशस्वी; प्रसिद्ध।

ਜਸੀ जसी Jasī [2] **वि०**
यशस्विन् (वि०) यशस्वी, ख्याति वाला।

ਜਹਾਉਣਾ जहाउणा Jahāuṇā [3] **सक० क्रि०**
यभयति (भ्वादि प्रेर०) मैथुन की प्रेरणा देना, संभोग कराना।

ਜਹਿਣਾ जहिणा Jahiṇā [3] **सक० क्रि०**
यभति (भ्वादि सक०) मैथुन करना, संभोग करना।

ਜਕੜਨਾ जकड़्ना Jakaṛnā [3] **सक० क्रि०**
यतते (भ्वादि सक०) जकड़ना, संयमित करना, बाँधना।

ਜੱਖ जक्ख् Jakkh [1] **पुं०**
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवयोनि-विशेष।

ਜਗਾਉਣਾ जगाउणा Jagāuṇā [3] **सक० क्रि०**
जागरयति (अदादि प्रेर०) जगाना, नींद से उठाना।

ਜਗਾਦਿ जगादि Jagādi [1] **पुं०**
यज्ञादि (वि०) यज्ञ इत्यादि।

ਜਗਿਆਸਾ जग्यासा Jagyāsā [2] **स्त्री०**
द्र० ਜਿਗਿਆਸਾ।

ਜਗਿਆਸੂ जग्यासू Jagyāsū [3] **पुं०**
जिज्ञासु (वि०) जिज्ञासु, किसी बात को जानने का इच्छुक।

ਜੱਗ[1] जग्ग् Jagg [3] **पुं०**
जगत् (नपुं०) जगत्, संसार।

ਜੱਗ[2] जग्ग् Jagg [3] **पुं०**
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, धार्मिक अनुष्ठान।

ਜੱਗ-ਵੇਦੀ जग्ग्-बेदी Jagg-bedī [3] **स्त्री०**
यज्ञवेदी (स्त्री०) यज्ञ की वेदी, यज्ञ-स्थल।

ਜਗ-ਵੇਦੀ जग्-वेदी Jagg-vedi [3] स्त्री०
द्र०—ਜੱਗ-ਵੇਦੀ ।

ਜਜਮਾਨ जज्मान् Jajman [3] पुं०
यजमान (पुं०) यजमान, यज्ञ का फल-भोक्ता ।

ਜਜਮਾਨੀ जज्मानी Jajmani [3] स्त्री०
यजमानीय (नपुं०) यजमान-संबन्धी कर्म, यजमानी ।

ਜਟ जट् Jat [3] स्त्री०
जटा (स्त्री०) जटा, उलझे और आपस में चिपके हुए बाल ।

ਜਟਧਾਰ जट्धार् Jatdhar [3] पुं०
जटाधारिन् (त्रि०/पुं०) वि०—जटाधारी, ब्रह्मचारी । पुं०—शिव, महादेव ।

ਜਟਾ जटा Jata [3] स्त्री०
जटा (स्त्री०) जटा, उलझे लम्बे बाल ।

ਜਟਿਆਰਾ जट्यारा Jatyara [3] पुं०
जटिल (वि०/पुं०) वि०—जटिल, जटाधारी । पुं०—शिव, महादेव ।

ਜਟੀਲਾ जटीला Jatila [3] वि०/पुं०
जटिल (वि०/पुं०) वि०—जटा वाला; कठिन; ब्रह्मचारी । पुं०—बब्बर शेर; शिव ।

ਜੱਟ जट्ट् Jatt [3] पुं०
जट्ट (पुं०) जाट, जाति-विशेष ।

ਜੱਟੀ जट्टी Jatti [3] स्त्री०
जट्टी (स्त्री०) जाटिन, जाट की पत्नी ।

ਜਠਰ-ਰੋਗ जठर्-रोग् Jathar-rog [3] पुं०
जाठररोग (पुं०) उदर-रोग, पेट की बीमारी ।

ਜਠਰਾਗਨੀ जठ्राग्नी Jathragni [3] स्त्री०
जठराग्नि (पुं०) जठराग्नि, पेट के भीतर खाये हुए अन्न को पचाने वाली आग ।

ਜਠਾਣੀ जठाणी Jathani [3] स्त्री०
ज्येष्ठपत्नी (स्त्री०) जिठानी, पति के बड़े भाई की पत्नी ।

ਜਠੀ जठी Jathi [1] स्त्री०
ज्येष्ठदुहितृ (स्त्री०) जेठ की लड़की पति के बड़े भाई की पुत्री ।

ਜਠੁੱਤ जठुत्त् Jathutt [3] पुं०
ज्येष्ठपुत्र (पुं०) जेठ का लड़का, पति के बड़े भाई का पुत्र ।

ਜਠੁੱਤਰ जठुत्तर् Jathuttar [3] पुं०
द्र०—ਜਠੁੱਤ ।

ਜਠੇਰਾ जठेरा Jathera [3] पुं०
ज्येष्ठतर (पुं०) सबसे बड़े जेठ, पति का सबसे बड़ा भाई ।

ਜਣਨ जणन् Janan [3] पुं०
जनन (नपुं०) जनन, उत्पत्ति ।

ਜਣਨਾ जण्ना Janna [3] सक० क्रि०
जनयति (दिवादि प्रेर०) जनन कर उत्पन्न करना ।

ਜਣਨੀ जण्नी Janni [3] स्त्री०
जननी (स्त्री०) जननी, माता, माँ ।

ਜਣਾ जणा Jaṇa [3] पुं०
जन (पुं०) पुरुष, मनुष्य ।

ਜਣਾਉਣਾ जणाउणा Jaṇauṇa [3] सक० क्रि०
जनयति (दिवादि प्रेर०) पैदा करना, उत्पन्न करना ।

ਜਣੀ जणी Jaṇi [3] स्त्री०
जनि (स्त्री०) पत्नी, वधू ।

ਜਤਨ जतन् Jatan [3] पुं०
यत्न (पुं०) प्रयत्न, प्रयास; उपाय, साधन ।

ਜਤਲਾਉਣਾ जत्लाउणा Jatlauṇa [3] सक० क्रि०
ज्ञापयति/ते (चुरादि सक०) बतलाना, समझाना ।

ਜਤਾਉਣਾ जताउणा Jatauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਤਲਾਉਣਾ ।

ਜਤੀ जती Jati [3] पुं०
यतिन् (वि०) जितेन्द्रिय; संन्यासी; ब्रह्मचारी ।

ਜਥਾਯੋਗ जथायोग् Jathayog [3] क्रि० वि०
यथायोग्य (क्रि० वि०) यथायोग्य, योग्यता के अनुसार ।

ਜੱਥਾ जत्था Jattha [3] पुं०
यूथ (पुं०) जत्था, झुण्ड, समूह ।

ਜਦ जद् Jad [3] क्रि० वि०
यदा (अ०) जब, जिस समय ।

ਜਦਾ जदा Jada [3] क्रि० वि०
द्र०—ਜਦ ।

ਜੱਧਣਾ जद्धणा Jaddhṇa [3] अक० क्रि०
यभति (भ्वादि अक०) मैथुन करना, संभोग करना ।

ਜੱਧੜ जद्धड़् Jaddhaṛ [3] स्त्री०
यब्ध्री (स्त्री०) कामातुर स्त्री, कामुकी ।

ਜੱਧੋ जद्धो Jaddho [3] स्त्री०
द्र०—ਜੱਧੜ ।

ਜਨ जन् Jan [3] पुं०
जन (पुं०) जन, लोग, आदमी ।

ਜਨਤਾ जन्ता Janta [3] स्त्री०
जनता (स्त्री०) जनता, प्रजा ।

ਜਨਤੰਤਰ जन्तंतर् Jantantar [3] पुं०
जनतन्त्र (नपुं०) जनतन्त्र, प्रजातन्त्र, जनता का शासन ।

ਜਨਮ जनम् Janam [3] पुं०
जन्मन् (नपुं०) जन्म, उत्पत्ति ।

ਜਨਮ ਉਤਸਵ जनम्-उत्सव् Jnam-Utsav [3] पुं०
जन्मोत्सव (पुं०) जन्म दिन का त्यौहार ।

ਜਨਮੇਜ जन्मेज् Janmej [3] पुं०
जनमेजय (पुं०) अर्जुन का प्रपौत्र, एक राजा ।

ਜਨੇਊ जनेऊ Janeū [3] पुं०
यज्ञोपवीत (नपुं०) जनेऊ, ग्रन्थियुक्त सूत्र-

विशेष जिसे बाँये कन्धे से शरीर में धारण किया जाता है।

ਜਨੇਤ जनेत् Janet [3] स्त्री०
जन्ययात्रा (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा।

ਜਨੇਤਰ जनेतर् Janetar [1] पुं०
द्र० ਜਨੇਤੀ।

ਜਨੇਤੜ जनेतड़् Janetaṛ [1] पुं०
जन्ययात्रिन् (पुं०) बाराती, बारात के लोग।

ਜਨੇਤਾ जनेता Janeta [3] पुं०
जनयितृ (पुं०) जनयिता, जन्म देने वाला, पिता।

ਜਨੇਤੀ जनेती Janeti [3] पुं०
जन्ययात्रिन् (पुं०) बाराती, बारात के लोग।

ਜਨੇਤੀਆ जनेतिआ Janetia [1] पुं०
द्र० — ਜਨੇਤੀ।

ਜਨੌਰ जनौर् Janaur [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जानवर, जन्तु।

ਜਪਣਾ जपणा Japṇa [3] सक० क्रि०
जपति (भ्वादि सक०) जपना, जप करना।

ਜਪਨਾ जप्ना Japna [3] सक० क्रि०
द्र० ਜਪਣਾ।

ਜਪਨੀ जप्नी Japni [3] स्त्री०
जपनी (स्त्री०) जपमाली, गोमुखी।

ਜਮ जम् Jam [3] पुं०
यम (पुं०) यमराज, मृत्यु के देवता।

ਜਮਰਾਈ जम्राई Jamrai [2] स्त्री०
जृम्भायित (नपुं०) जम्हाई, जृम्भा।

ਜਮਕਾਲ जम्काल् Jamkal [3] पुं०
जन्मकाल (पुं०) जन्म काल, जन्म का समय।

ਜਮਡੰਡ जम्डण्ड् Jamḍanḍ [3] पुं०
यमदण्ड (पुं०, नपुं०) यमराज का दण्ड, कालदण्ड।

ਜਮਦੂਤ जम्दूत् Jamdūt [3] पुं०
यमदूत (पुं०) यमराज का दूत; काक।

ਜਮਨਾ जम्ना Jamna [3] स्त्री०
यमुना (स्त्री०) यमुना नदी, सूर्यदेव की पुत्री।

ਜਮਬਾਹਣ जम्बाहण् Jambahaṇ [1] पुं०
यमवाहन (पुं०) यमराज का वाहन, भैंसा।

ਜਮਰਾਜ जम्राज् Jamraj [3] पुं०
यमराज (पुं०) यम, मृत्यु के देवता।

ਜਮਾਉਣਾ जमाउणा Jamauṇa [3] सक० क्रि०
जेमयति (भ्वादि प्रेर०) जिमाना, भोजन कराना, खिलाना।

ਜਮਾਇਣ जमाइण् Jamain [2] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ।

ਜਮਾਈ जमाई Jamai [3] पुं०
जामातृ (पुं०) जामाता, दामाद।

ਜਮਾਤਰਾ जमात्रा Jamātra [1] पुं०
द्र०—ਜਮਾਈ।

ਜਮੂਆ जमूआ Jamūā [1] पुं०
यमदूत (पुं०) यम का दूत; काक पक्षी।

ਜਮੈਣ जमैण् Jamaiṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ।

ਜੰਮੂਣ जम्मूण् Jammūṇ [3] पुं०
जम्बूल (पुं० / नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष। नपुं०—जामुन का फल।

ਜਰਜਰ जर्जर् Jarjar [3] वि०
जर्जर (वि०) जीर्ण, फटा हुआ; बूढ़ा।

ਜਰਜਰਾ जर्जरा Jarjarā [3] वि०
द्र०—ਜਰਜਰ।

ਜਰਨਾ जर्ना Jarnā [3] अक० क्रि०
ज्वरति (भ्वादि अक०) बुखार आना, ज्वर होना।

ਜਲਹਰ जल्हर् Jalhar [3] पुं०
जलधर (पुं०) मेघ, बादल।

ਜਲਹਰੀ जल्हरी Jalharī [2] स्त्री०
जलधरी (स्त्री०) शिव लिङ्ग के ऊपर स्थित जल-कलश, जलहरी।

ਜਲਕੁੱਕੜ जल्कुक्कड़् Jalkukkaṛ [3] पुं०
जलकुक्कुट (पुं०) जलपक्षी, मुर्गाबी, जलमुर्गी।

ਜਲਕਾਂ जल्कां Jalkā̃ [3] पुं०
जलकाक (पुं०) जल-कौआ, एक प्रकार का जल-पक्षी।

ਜਲਜਾਈ जल्जाई Jaljāī [3] वि०
जलजात (वि०) जल से उत्पन्न कमल इत्यादि।

ਜਲਜੰਤ जल्जन्त् Jaljant [3] पुं०
जलजन्तु (पुं०) जल का प्राणी, जलचर।

ਜਲਣਾ जल्णा Jalṇā [3] अक० क्रि०
ज्वलति (भ्वादि अक०) जलना; प्रकाशित होना।

ਜਲਤੁਰਾ जल्तुरा Jalturā [1] पुं०
जलतुरग (पुं०) दरियाई घोड़ा, जलचर-विशेष।

ਜਲਪਣਾ जल्पणा Jalpaṇā [3] अक० क्रि०
जल्पति (भ्वादि सक०/अक०) सक०—कहना, बकना। अक०—शेखी बघारना।

ਜਲਮਈ जल्मई Jalmaī [3] वि०
जलमय (वि०) जलमय, जल से भरपूर।

ਜਲਮਾਹਣੂ जल्माह्णू Jalmāhṇū [3] पुं०
जलमानुष (पुं०) जल-मानुष, जल में रहने वाला मनुष्य की आकृति का प्राणी-विशेष।

ਜਲਾਉਣਾ जलाउणा Jalauṇā [3] सक० क्रि०
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना; प्रकाशित करना।

ਜਲਾਸ਼ਾ जलाशा Jalaśa [3] पुं०
जलाश्रय (पुं०) जल का भण्डार; समुद्र।

ਜਲਾਜਲ जलाजल् Jalajal [3] पुं०
जलाञ्चल (पुं०, नपुं०) झरना, सोता।

ਜਲਾਵਰਤ जलावरत् Jalāvarat [3] पुं०
जलावर्त (पुं०) जलचक्र, जल की भौंरी।

ਜਲਿਆ जलिआ Jalia [3] वि०
ज्वलित (वि) जला हुआ; प्रकाशित।

ਜਲੋਦਰ जलोदर् Jalodar[3] पुं०
जलोदर (नपुं०) जलोदर रोग, जिसमें पेट में पानी भर जाता है।

ਜਵਾਇਣ ज्वाइण् Jvāiṇ [2] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ।

ਜਵਾਈ जवाई Javāī [3] पुं०
द्र०—ਜਮਾਈ।

ਜਵਾਂਹ जवाँह् Javāh [1] पुं०
यवास (पुं०) जवास, गर्मी में होने वाली एक घास।

ਜਵਾਨ जवान् Javān [3] वि०
युवन् (पुं०) जवान, युवक।

ਜਵਾਰ[1] ज्वार् Jvār [3] पुं०
यवाकार (स्त्री०) ज्वार अन्न, एक प्रकार का मोटा अनाज।

ਜਵਾਰ[2] ज्वार् Jvār [3] पुं०
ज्वाला (स्त्री०) ज्वार, समुद्री पानी का चढ़ाव।

ਜਵਾਲਾ ज्वाला Jvala [3] स्त्री०
ज्वाला (स्त्री०) आग की लपट, ताप, दाह।

ਜਵਾਲਾਦੇਵੀ ज्वालादेवी Jvāladevī [3] स्त्री०
ज्वालादेवी (स्त्री०) ज्वाला देवी, भगवती का एक रूप

ਜਵਾਲਾਮੁਖੀ ज्वालामुखी Jvālāmukhī [3] पुं०
ज्वालामुखी (स्त्री०) ज्वालामुखी, आतिशी पहाड़।

ਜਵਿੱਤਰੀ जवित्त्री Javittri[3] स्त्री०
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री, ओषधि-विशेष।

ਜਵੈਣ जवैण् Javaiṇ [1] पुं०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ।

ਜੜ[1] जड़् Jaṛ [3] स्त्री०
जटा (स्त्री०) जड़, मूल।

ਜੜ[2] जड़् Jaṛ [3] वि०
जड (वि०) निर्जीव, अचेतन; मूर्ख, बुद्धिहीन; सुन्न; अध्ययन में असमर्थ।

ਜੜਨਾ जड़्ना Jaṛnā [3] सक० क्रि०
जटति (भ्वादि सक०) जड़ना, संयुक्त करना।

ਜੜੀ जड़ी Jaṛī [3] स्त्री०
जटी (स्त्री०) जड़ी-बूटी।

ਜੜੁੱਤ जड़ुत् Jaṛutt [3] वि०
युक्त (वि०) संयुक्त, जुड़ा हुआ।

ਜੜ੍ਹਤਾ जड़्ता Jaṛhta [3] स्त्री०
जडता (स्त्री०) जड़ता।

ਜਾਂ जां Jā̃ [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर।

ਜਾਉ जाउ Jāu [1] पुं०
जात (पुं०) जातक, शिशु, बच्चा।

ਜਾਉਣਾ जाउणा Jāuṇā [2] अक० क्रि०
जायते (दिवादि अक०) जन्म लेना, उत्पन्न होना।

ਜਾਇਆ जाइआ Jāiā [3] पुं०
जातक (पुं०) पुत्र, जात।

ਜਾਇਦਾਦ जाइदाद् Jāidād [3] स्त्री०
दायाद्य (नपुं०) दायाद, जायदाद, पैत्रिक संपत्ति।

ਜਾਈ जाई Jāī [3] स्त्री०
जाता (स्त्री०) पुत्री, लड़की।

ਜਾਏਆ जाएआ Jāeā [3] पुं०
द्र०—ਜਾਉ।

ਜਾਹੂ जाहू Jāhū [2] पुं०
याभुक (वि०) कामुक, मैथुनेच्छुक।

ਜਾਗਣਾ जाग्णा Jāgṇā [3] अक० क्रि०
जागर्त्ति (अदादि अक०) जागना, नींद से उठना।

ਜਾਗਦਾ जाग्दा Jāgdā [3] वि०
जागृत (वि०) सावधान, सचेत।

ਜਾਗਨਾ जाग्ना Jāgnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਜਾਗਣਾ।

ਜਾਗਰਤਾ जागर्ता Jāgartā [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾਗਰਤੀ।

ਜਾਗਰਤੀ जागर्ती Jāgartī [3] स्त्री०
जागर्ति (स्त्री०) जागृति, जागरण, जागने का भाव।

ਜਾਗਰਾ जाग्रा Jāgrā [3] पुं०
जागरा (स्त्री०) जागने का भाव, जागरण।

ਜਾਗਰਿਤ जाग्रित् Jāgrit [3] वि०/स्त्री०
जागरित (वि०/नपुं०) वि०—जागा हुआ, सावधान। नपुं०—जागृति, सावधानी।

ਜਾਗੋਟੀ जागोटी Jāgoṭī [3] स्त्री०
जङ्घापट (पुं०) कौपीन, साधुओं की लँगोटी।

ਜਾਗ੍ਰਿਤੀ जाग्रिती Jāgritī [2] स्त्री०
जागर्ति (स्त्री०) जागृति, जागरण, जागने का भाव।

ਜਾਂਘ जांघ् Jā̃gh [3] स्त्री०
जङ्घा (स्त्री०) जाँघ, घुटना और नितम्ब के बीच का भाग।

ਜਾਂਘਿਆ जांघिआ Jā̃ghiā [3] पुं०
जाङ्घिक (नपुं०) जाँघिया, कच्छी, लँगोट।

ਜਾਚਕ जाचक् Jācak [3] पुं०
याचक (वि०) याचक, माँगने वाला, भिक्षुक।

ਜਾਚਣ जाचण् Jacaṇ [3] पुं०
याचन (नपुं०) माँगने का भाव, माँगना।

ਜਾਚਣਾ जाच्णा Jacṇa [3] सक० क्रि०
याचते (भ्वादि सक०) याचना करना, माँगना।

ਜਾਜਕ जाजक् Jajak [1] पुं०
याजक (वि०) यज्ञ करने वाला, यष्टा, यज्ञ-फल का भोक्ता।

ਜਾਣ जाण् Jāṇ [3] स्त्री०
ज्ञान (नपुं०) ज्ञान, बोध।

ਜਾਣਨਾ जाण्ना Jāṇnā [3] सक० क्रि०
जानाति (क्र्यादि सक०) जानना, ज्ञात करना।

ਜਾਣਾ जाणा Jaṇā [3] अक० क्रि०
याति (अदादि सक०) जाना, गमन करना।

ਜਾਣੂ जाणू Jaṇū [3] वि०
ज्ञातृ (वि०) ज्ञाता, जानने वाला।

ਜਾਣੋ जाणो Jāṇo [3] सक० क्रि०
जानातु (क्र्यादि सक० लोट्) जानो।

ਜਾਤ जात् Jāt [3] स्त्री०
जाति (स्त्री०) जाति; जन्म से निश्चित होने वाली जाति।

ਜਾਤਕ जातक् Jātak [3] पुं०
जातक (वि०) शिशु, बच्चा-बच्ची।

ਜਾਤ-ਪਾਤ जात्-पात् Jāt-pāt [3] स्त्री०
जातिपङ्क्ति (स्त्री०) जाति और गोत्र।

ਜਾਤਰਾ जात्रा Jātra [3] स्त्री०
यात्रा (स्त्री०) यात्रा, सफर।

ਜਾਤਰੀ जात्री Jātrī [3] वि०
यात्रिन् (वि०) यात्री, तीर्थस्थान आदि की यात्रा करने वाला।

ਜਾਤਰੂ जात्रू Jātrū [3] पुं०
द्र०—ਜਾਤਰੀ।

ਜਾਤ੍ਰਾ जात्रा Jātrā [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾਤਰਾ।

ਜਾਪ जाप् Jāp [3] पुं०
जप (पुं०) जप, किसी मन्त्र की बार-बार आवृत्ति।

ਜਾਫਰ जाफर् Jāphar [3] पुं०
जातिफल (नपुं०) जायफल, ओषधि-विशेष।

ਜਾਫਲ जाफल् Jāphal [3] पुं०
द्र०—ਜਾਫਰ।

ਜਾਮਣ जामण् Jāmaṇ [3] पुं०
जम्बु (पुं०/नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष। नपुं०—जामुन का फल।

ਜਾਮਣੂ जामणू Jāmṇū [2] पुं०
द्र०—ਜਾਮਣ।

ਜਾਮਨੂ जामनू Jāmnū [1] स्त्री०
द्र०—ਜਾਮਣ।

ਜਾਰ जार् Jār [3] पुं०

जार (पुं०) जार, उपपति, आशिक; व्यभिचारी।

ਜਾਰੀ जारी Jari [3] **स्त्री०**
जारीय (नपुं०) जार-कर्म; व्यभिचार।

ਜਾਲ जाल् Jal [3] **पुं०**
जाल (नपुं०) मछली या चिड़िया आदि पकड़ने का जाल, पास, फन्दा।

ਜਾਲਕ जालक् Jalak [3] **पुं०**
ज्वालक (वि०) जलाने वाला, दाहक।

ਜਾਲਣਾ जाल्णा Jalṇa [3] **सक० क्रि०**
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, तपाना, दाह करना।

ਜਾਲਾ जाला Jala [3] **पुं०**
जाल (नपुं०) मकड़ी का जाला।

ਜਾਲੀ जाली Jali [3] **स्त्री०**
जाल (नपुं०) छोटी जाल, फन्दा।

ਜਾਵਿੱਤਰੀ जावित्त्री Javittri [3] **स्त्री०**
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री, एक प्रकार की ओषधि।

ਜਾੜ੍ਹ जाढ़् Jaṛh [3] **स्त्री०**
दंष्ट्रा (स्त्री०) दाढ़, चबाने वाला दाँत, बड़ा दाँत।

ਜਿਉਂ जिउँ Jiū [3] **क्रि० वि०**
यादृश (क्रि० वि०) जैसे, जिस प्रकार।

ਜਿਉਣ जिउण् Jiuṇ [3] **पुं०**
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜਿਉਣਾ जिउणा Jiuṇa [3] **अक० क्रि०**
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवित रहना।

ਜਿਉਂਦਾ जिउँदा Jiūda [3] **वि०**
जीवित (वि०) जीवित, जिन्दा।

ਜਿਉਨਾਰ जिउनार् Jiunar [2] **स्त्री०**
जेमनार्ह (पुं०) जेवनार, भोज; भोज्य, रसोई।

ਜਿਉੜਾ जिउड़ा Jiuṛa [3] **पुं०**
जीव (पुं०) जीव, प्राण।

ਜਿਊਣ जिऊण् Jiūṇ [3] **पुं०**
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜਿਹੜਾ जिह्ड़ा Jihṛa [3] **क्रि० वि०**
यथा (अ०) जैसे, जिस तरह।

ਜਿਹਾ जिहा Jiha [3] **वि०**
यादृश (वि०) जैसा, जिस प्रकार का।

ਜਿਗਿਆਸਾ जिग्यासा Jigyasa [3] **स्त्री०**
जिज्ञासा (स्त्री०) किसी बात को जानने की इच्छा।

ਜਿਗਿਆਸੂ जिग्यासू Jigyasū [3] **वि०**
जिज्ञासु (वि०) जिज्ञासु, जिज्ञासा वाला।

ਜਿਠਾਣੀ जिठाणी Jiṭhaṇi [3] **स्त्री०**
ज्येष्ठराज्ञी (स्त्री०) जेठ की पत्नी।

ਜਿਠੀ जिठी Jiṭhi [1] **स्त्री०**
ज्येष्ठपुत्री (स्त्री०) जेठ की पुत्री।

ਜਿੱਤ जित्त् Jitt [3] स्त्री०
जित (नपुं०) जीत, जय, विजय।

ਜਿੱਤਣਾ जित्तणा Jittṇa [3] सक० क्रि०
जयति (भ्वादि सक०) जीतना, विजय पाना।

ਜਿੱਥੇ जित्थे Jitthe [3] क्रि० वि०
यस्मिन् स्थाने (क्रि० वि०) जहाँ, जिस स्थान पर।

ਜਿੰਦ-ਦਾਤਾ जिन्द्-दाता Jind data [2] पुं०
जीवनदातृ (वि०) जीवनदाता, जीवन देने वाला।

ਜਿੰਦਰਾ जिन्द्रा Jindra [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) ताला; मिट्टी आदि खींचने की फरुही।

ਜਿੱਦਣ जिद्दण् Jiddaṇ [3] क्रि० वि०
यस्मिन् दिने (क्रि० वि०) जिस दिन।

ਜਿਮਾਉਣਾ जिमाउणा Jimāuṇa
[3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਮਾਉਣਾ।

ਜਿਵਣਾ जिव्णा Jivṇa [1] अक० क्रि०
द्र०—ਜਿਉਣਾ।

ਜਿਵਾਉਣਾ[1] जिवाउणा Jivāuṇa
[3] सक० क्रि०
जीवयति (भ्वादि प्रेर०) जिलाना, बचाना, जीवित करना।

ਜਿਵਾਉਣਾ[2] जिवाउणा Jivāuṇa
[3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਮਾਉਣਾ।

ਜਿਵਾਲਣਾ जिवाल्णा Jivālṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਿਵਾਉਣਾ[1]।

ਜਿਵੇਂ जिवें Jivẽ [3] अ०
यथा (अ०) यथा, जैसे, जिस तरह।

ਜੀ जी Jī [3] पुं०
जीव (पुं०) जीव, प्राणी, शरीरधारी।

ਜੀਉ जीउ Jīu [3] पुं०
जीव (पुं०) आत्मा; प्राण; प्राणी।

ਜੀਉਕਾ जीउका Jīukā [1] स्त्री०
द्र०—ਜੀਵਕਾ।

ਜੀਉਣ जीउण् Jīuṇ [3] पुं०
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜੀਉਣ-ਬੂਟੀ जीउण्-बूटी Jīuṇ-Būṭī
[3] स्त्री०
जीवनवटी (स्त्री०) संजीवनीबूटी, औषध-विशेष।

ਜੀਉਣਾ जीउणा Jīuṇā [3] अक० क्रि०
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवित रहना।

ਜੀਉੜਾ जीउड़ा Jīuṛā [3] पुं०
द्र०—ਜੀਅੜਾ।

ਜੀਅ जीअ Jīa [3] पुं०
द्र०—ਜੀ।

ਜੀਅੜਾ जीअड़ा Jiaṛa [2] पुं०
जीव (पुं०) जीव; हृदय; मन ।

ਜੀਆਘਾਤ जीआघात् Jiaghat [3] पुं०
जीवघात (पुं०) जीव-हिंसा, प्राणि-वध ।

ਜੀਆਘਾਤੀ जीआघाती Jiaghati [3] पुं०
जीवघातिन् (वि०) जीव-हिंसक, हत्यारा ।

ਜੀਆਦਾਨ जीआदान् Jiadan [3] पुं०
जीवदान (नपु०) जीवन-दान, प्राण का दान, प्राणोत्सर्ग ।

ਜੀਣਾ जीणा Jiṇa [3] अक० क्रि०
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवन धारण करना ।

ਜੀਂਦਾ जींदा Jinda [3] पुं०
जीवित (वि०) जीवित, जीवन-युक्त ।

ਜੀਭ जीभ् Jibh [3] स्त्री०
जिह्वा (स्त्री०) जीभ, रसना ।

ਜੀਰਣ[1] जीरण् Jiraṇ [3] वि०
जीर्ण (वि०) जीर्ण, पुराना, कटा-फटा ।

ਜੀਰਣ[2] जीरण् Jiraṇ [3] स्त्री०
अजीर्ण (नपुं०) अजीर्ण, अनपच, बदहजमी ।

ਜੀਰਨ जीरन् Jiran [3] वि०
द्र०—ਜੀਰਣ[1] ।

ਜੀਰਾ जीरा Jira [3] पुं०
जीरक (नपुं०) जीरा, मसाला-विशेष ।

ਜੀਰੀ जीरी Jiri [3] स्त्री०
जीरक (पुं०) धान; चावल का एक प्रकार ।

ਜੀਵਕਾ जीव्का Jivka [3] स्त्री०
जीविका (स्त्री०) जीविका, वृत्ति, रोजी ।

ਜੀਵਨ जीवन् Jivan [3] पुं०
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी ।

ਜੀਵਾਉਣਾ जीवाउणा Jivauṇa [3] सक० क्रि०
जीवयति (भ्वादि प्रेर०) जिलाना, जीवन देना ।

ਜੀਵਾਲਣਾ जीवाल्णा Jivalṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜੀਵਾਉਣਾ ।

ਜੀਵਿਤ जीवित् Jivit [3] वि०
जीवित (वि०) जीवित, जिन्दा ।

ਜੁਅਰ ज्वर् Jvar [3] पुं०
ज्वर (पुं०) ज्वर, ताप, बुखार ।

ਜੁਆਈ ज्वाई Jvai [3] पुं०
जामातृ (पुं०) जामाता, दामाद ।

ਜੁਆਨ ज्वान् Jvan [3] पुं०
युवन् (पुं०) युवक, जवान ।

ਜੁਆਨੀ ज्वानी Jvani [3] स्त्री०
यौवन (नपुं०) जवानी, यौवन, युवावस्था ।

ਜੁਆਰ ज्वार् Jvar [3] स्त्री०
यवाकार (पुं०) ज्वार, अन्न-विशेष ।

ਜਵਾਰਨ जवारन् Jvaran [3] स्त्री०
द्यूतकारिणी (स्त्री०) जुआरी स्त्री, जुआ खेलने वाली।

ਜੁਆਰੀ जुआरी Juari [3] पुं०
द्यूतकारिन् (वि०) जुआरी, जुआ खेलने वाला।

ਜੁਆਰੀਆ जुआरीआ Juaria [3] पुं०
द्र०— ਜੁਆਰੀ।

ਜੁਆਲਾ ज्वाला Jvala [3] स्त्री०
ज्वाला (स्त्री०) ज्वाला, आग की लपट।

ਜੁਆਲਾਮੁਖੀ ज्वालामुखी Jvalamukhi [3] स्त्री०
द्र०— ਜਵਾਲਾਮੁਖੀ।

ਜੁਗ जुग् Jug [3] पुं०
युग (नपुं०) जोड़ा; जगत्; सत्ययुग आदि चारों युग।

ਜੁਗਤ[1] जुगत् Jugat [3] वि०
युक्त (वि०) जुड़ा हुआ, संयुक्त।

ਜੁਗਤ[2] जुगत् Jugat [3] स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय; तर्क; ढंग।

ਜੁਗਮ जुगम् Jugam [3] पुं०
युग्म (नपुं०) जोड़ा; मिलन, समागम।

ਜੁਗਲ जुगल् Jugal [3] पुं०
युगल (नपुं०) जोड़ा, युग्म।

ਜੁਗਾਦਿ जुगादि Jugadi [3] पुं०
युगादि (पुं०) युग का आरम्भ।

ਜੁਗਾਂਤ जुगांत् Jugant [3] पुं०
युगान्त (पुं०) युग का अन्त, युवावस्था।

ਜੁਗੇਸ਼ जुगेश् Juges [3] पुं०
योगेश (पुं०) योगेश्वर, भगवान् कृष्ण या शिव।

ਜੁਗੰਤਰ जुगन्तर् Jugantar [3] पुं०
युगान्तर (नपुं०) दूसरा युग, अन्य युग।

ਜੁਜ जुज् Juj [1] पुं०
यजुष् (नपुं०) यजुर्वेद; गद्य-भाग।

ਜੁਝਊਆ जुझऊआ Jujhaua [3] पुं०
योद्धृ (वि०) जुझारू, लड़ाकू।

ਜੁਝਣਾ जुझ्णा Jujhna [3] अक० क्रि०
युद्धयते (दिवादि अक०) जूझना, युद्ध करना।

ਜੁਝਾਰ जुझार् Jujhar [3] पुं०
योद्धृ (वि०) जुझारू, लड़ाकू।

ਜੁੱਝ जुज्झ् Jujjh [2] स्त्री०
युद्ध (नपुं०) युद्ध, लड़ाई, संग्राम।

ਜੁਟਣਾ जुट्णा Jutna [3] अक० क्रि०
जटति (भ्वादि अक०) जुड़ना, युक्त होना।

ਜੁਠ जुठ् Juth [1] स्त्री०
द्र०—ਜੂਠ।

ਜੁਠਾਉਣਾ जुठाउणा Juthauna [3] सक० क्रि०
जुषते (तुदादि सक०) जूठा करना, उच्छिष्ट करना।

ਜਠਾਲਣਾ जुठालणा Juthalna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜੁਠਾਉਣਾ।

ਜੁੱਠਾ जुट्ठा Juttha [2] पुं०
द्र०—ਜੂਠਾ।

ਜੁਤਣਾ जुतणा Jutna [3] अक० क्रि०
युनक्ति (रुधादि अक०) जुटना, युक्त होना, संलग्न होना।

ਜੁਤਾਉਣਾ जुताउणा Jutauna [3] सक० क्रि०
योजयति (रुधादि प्रेर०) जोड़ना, युक्त करना।

ਜੁੱਤਾ जुत्ता Jutta [3] पुं०
युक्तक (नपुं०) जूता, पनही।

ਜੁੱਤੀ जुत्ती Jutti [3] स्त्री०
युक्तकी (स्त्री०) जूती, छोटा जूता।

ਜੁੱਧ जुद्ध Juddh [3] पुं०
युद्ध (नपुं०) युद्ध, लड़ाई, संग्राम।

ਜੁਵਾਰ जुवार् Juvar [3] पुं०
द्र०—ਜੁਆਰ।

ਜੁੜਨਾ जुड़्ना Jurna [3] अक० क्रि०
जुडति (तुदादि अक०) जुड़ना, मिलना।

ਜੂੰ जूँ Jū [3] स्त्री०
यूका (स्त्री०) जूँ, सिर के बालों में होने वाला जीव-विशेष।

ਜੂਆ जूआ Jūa [3] पुं०
द्यूत (नपुं०) जूआ, चौपड़ का खेल।

ਜੂਝਣਾ जूझणा Jujhna [3] अक० क्रि०
युद्धयते (दिवादि अक०) जूझना, युद्ध करना, लड़ना।

ਜੂਠ जूठ् Jūth [3] वि०
जुष्ट (नपुं०) जूठा, उच्छिष्ट।

ਜੂਠਾ जूठा Jūtha [3] पुं०
द्र०—ਜੂਠ।

ਜੂਨੀ जूनी Jūni [3] स्त्री०
योनि (स्त्री०) योनि, उत्पत्ति-स्थान।

ਜੂੜਾ जूड़ा Jūra [3] पुं०
जूट (पुं०) जूड़ा, केश-पाश।

ਜੂੜੀ जूड़ी Jūri [3] स्त्री०
जूटिका (स्त्री०) छोटा जूड़ा।

ਜੇ जे Je [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर।

ਜੇਉਣਾ जेउणा Jeuna [2] सक० क्रि०
जेमति/ते (भ्वादि सक०) जीमना, भोजन करना।

ਜੇਉੜਾ जेउड़ा Jeura [3] पुं०
ज्या (स्त्री०) रस्सा; डोर।

ਜੇਉੜੀ जेउड़ी Jeuri [3] स्त्री०
द्र०—ਜੇਉੜਾ।

ਜੇਹਾ जेहा Jeha [3] अ०
द्र०—ਜਿਹਾ।

ਜੇਹਾ-ਕੇਹਾ जेहा-केहा Jeha-Keha [3] अ०

ਯਥਾ-ਕਥਾ (ਅ०) ਜੈਸੇ ਤੈਸੇ, ਜਿਸ ਕਿਸੀ ਤਰਹ ਸੇ।

ਜੇਹੀ-ਤੇਹੀ ਜੇਹੀ-ਤੇਹੀ Jehi-Tehi [3] ਅ०
ਯਥਾ-ਤਥਾ (ਅ०) ਜੈਸਾ-ਤੈਸਾ, ਜਿਸ ਕਿਸੀ ਤਰਹ।

ਜੇਠ ਜੇਠ੍ Jeṭh [3] ਪੁਂ०
ਜ੍ਯੇਸ਼੍ਠ (ਪੁਂ०) ਜੇਠ, ਪਤਿ ਕਾ ਬੜਾ ਭਾਈ; ਜ੍ਯੇਸ਼੍ਠ ਮਾਸ।

ਜੇਠਲ ਜੇਠਲ੍ Jeṭhal [3] ਸ੍ਤ੍ਰੀ०
ਜ੍ਯੇਸ਼੍ਠਾ (ਸ੍ਤ੍ਰੀ०) ਪਤ੍ਨੀ ਕੀ ਸਬਸੇ ਬੜੀ ਬਹਨ।

ਜੇਠਾ ਜੇਠਾ Jeṭha [3] ਪੁਂ०
ਜ੍ਯੇਸ਼੍ਠ (ਵਿ०) ਸਬਸੇ ਬੜਾ।

ਜੇਤਾ ਜੇਤਾ Jeta [1] ਸਰ੍ਵ०
ਯਾਵਤ੍ (ਸਰ੍ਵ०) ਜਿਤਨਾ।

ਜੇਤੂ ਜੇਤੂ Jetū [3] ਪੁਂ०
ਜੇਤ੍ਰ (ਵਿ०) ਜੇਤਾ, ਜੀਤਨੇ ਵਾਲਾ।

ਜੇਰ ਜੇਰ੍ Jer [3] ਸ੍ਤ੍ਰੀ०
ਜਰਾਯੁ (ਨਪੁਂ०) ਗਰ੍ਭਾਸ਼ਯ ਕੇ ਊਪਰ ਕੀ ਝਿਲ੍ਲੀ, ਗਰ੍ਭਾਸ਼ਯ; ਭਗ।

ਜੇਰਜ ਜੇਰਜ੍ Jeraj [3] ਵਿ०
ਜਰਾਯੁਜ (ਵਿ०) ਗਰ੍ਭ ਕੀ ਝਿਲ੍ਲੀ ਸੇ ਪੈਦਾ ਹੋਨੇ ਵਾਲੇ ਜੀਵ।

ਜੈਸਲ ਜੈਸਲ੍ Jaisal [3] ਪੁਂ०
ਜਯਸ਼ਾਲ (ਪੁਂ०) ਯਦੁਵਂਸ਼ੀ ਭੱਟੀ ਰਾਜਪੂਤ ਦੁਸ਼ਾਜ ਕੇ ਪੁਤ੍ਰ ਰਾਵਲ ਜੈਸ਼ਲ ਜਿਨ੍ਹੋਂਨੇ ਸਨ੍ 1156 ਮੇਂ ਜੈਸਲਮੇਰ ਨਗਰ ਬਸਾਯਾ ਥਾ।

ਜੈਸਾ ਜੈਸਾ Jaisa [3] ਪੁਂ०
ਯਾਦ੍ਰਿਸ਼ (ਵਿ०) ਜੈਸਾ, ਜਿਸ ਤਰਹ ਕਾ।

ਜੈਸੀ ਜੈਸੀ Jaisī [3] ਸ੍ਤ੍ਰੀ०
ਯਾਦ੍ਰਿਸ਼ੀ (ਸ੍ਤ੍ਰੀ०) ਜੈਸੀ, ਜਿਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀ।

ਜੈਕਾਰਾ ਜੈਕਾਰਾ Jaikara [3] ਪੁਂ०
ਜਯਕਾਰ (ਪੁਂ०) ਜਯਕਾਰ, ਵਿਜਯ-ਘੋਸ਼।

ਜੈਂਡ ਜੈਂਡ੍ Jãid [1] ਵਿ०
ਜਡ (ਵਿ०) ਜੜ, ਮੂਰ੍ਖ।

ਜੈਂਡਾ ਜੈਂਡਾ Jãida [1] ਸਰ੍ਵ०
ਯਸ੍ਯ (ਸਰ੍ਵ० ਸ਼ਸ਼੍ਠ੍ਯਨ੍ਤ) ਜਿਸਕਾ।

ਜੈਂਦਾ ਜੈਂਦਾ Jãida [1] ਸਰ੍ਵ०
ਦ੍ਰ०—ਜੈਂਡਾ।

ਜੈਪਾਲ ਜੈਪਾਲ੍ Jaipal [3] ਪੁਂ०
ਜਯਪਾਲ (ਪੁਂ०) ਜਯਪਾਲ, ਹਿਨ੍ਤਪਾਲ ਕਾ ਪੁਤ੍ਰ ਔਰ ਪਂਜਾਬ ਕਾ ਏਕ ਬ੍ਰਾਹ੍ਮਣ ਰਾਜਾ। ਇਸਕੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਲਾਹੌਰ ਔਰ ਭਟਿਣ੍ਡਾ ਥੀ।

ਜੈਫਲ ਜੈਫਲ੍ Jaiphal [3] ਪੁਂ०
ਜਾਤਿਫਲ (ਨਪੁਂ०) ਜਾਯਫਲ, ਔਸ਼ਧਿ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼।

ਜੋ ਜੋ Jo [3] ਸਰ੍ਵ०
ਯਃ (ਸਰ੍ਵ० ਪ੍ਰਥਮਾਨ੍ਤ) ਜੋ।

ਜੋਸੀ ਜੋਸੀ Josī [3] ਪੁਂ०
ਜ੍ਯੋਤਿਵਿਦ੍ (ਪੁਂ०) ਜ੍ਯੋਤਿਸ਼ੀ; ਬ੍ਰਾਹ੍ਮਣੋਂ ਕੀ ਏਕ ਉਪਾਧਿ।

ਜੋਕ जोक् Jok [3] **स्त्री०**
जलूका (स्त्री०) जोंक, जलीय जन्तु-विशेष।

ਜੋਗ जोग् Jog [3] **पुं०**
योग (पुं०) योग; जोड़; संबन्ध; व्यायाम; ज्योतिष में काल सूचक योग जिनकी संख्या 27 है।

ਜੋਗਣ जोगण् Jogaṇ [3] **स्त्री०**
योगिनी (स्त्री०) योगिनी, योग करने वाली; संन्यासिनी।

ਜੋਗਣੀ जोग्णी Jogṇī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਜੋਗਣ।

ਜੋਗਨਾਥ जोग्नाथ् Jognāth [3] **पुं०**
योगिनाथ (पुं०) योगिनाथ, भगवान् शिव।

ਜੋਗਨਿੰਦਰਾ जोग्निन्द्रा Jognindrā [3] **स्त्री०**
योगनिद्रा (स्त्री०) योग की समाधि; योग-माया; भगवान् की प्रलयकालिक नींद।

ਜੋਗਨੀ जोग्नी Jognī [2] **स्त्री०**
द्र०—ਜੋਗਣ।

ਜੋਗਾ जोगा Jogā [3] **वि०**
योग्य (वि०) उचित, ठीक, समीचीन।

ਜੋਗਾਸਣ जोगासण् Jogāsaṇ [3] **पुं०**
योगासन (नपुं०) योग-साधन का आसन, समाधि में बैठने की विशेष रीति।

ਜੋਗਾਧਾਰੀ जोगाधारी Jogādhārī [3] **पुं०**
योगधारिन् (वि०) योग लगाने वाला, योगी।

ਜੋਗੀ जोगी Jogī [3] **पुं०**
योगिन् (वि०) योगी, सिद्ध महात्मा, अलौकिक शक्ति से सम्पन्न।

ਜੋਗੀਸ਼ਰ जोगीशर् Jogīśar [3] **पुं०**
योगीश्वर (पुं०) योगिराज, भगवान् श्रीकृष्ण या शिव।

ਜੋਗੀਸ਼ਵਰ जोगीश्वर् Jogīśvar [2] **पुं०**
द्र०—ਜੋਗੀਸ਼ਰ।

ਜੋਗੀੜਾ जोगीड़ा Jogīṛā [1] **पुं०**
योगिन् (पुं०) योगी, सिद्ध पुरुष।

ਜੋਣਾ जोणा Joṇā [3] **सक० क्रि०**
योजयति (युजादि प्रेर०) जोड़ना; कार्य प्रारम्भ करना।

ਜੋਤ[1] जोत् Jot [3] **स्त्री०**
ज्योतिष् (नपुं०) ज्योति, प्रकाश; तेज, चमक।

ਜੋਤ[2] जोत् Jot [3] **पुं०**
योक्त्र (नपुं०) जोता, हल के जुए की रस्सी, रस्सी।

ਜੋਤਸ਼ जोतष् Jotaṣ [3] **पुं०**
ज्योतिष् (नपुं०) ज्योति, प्रकाश, रोशनी; नक्षत्र; ज्योतिष शास्त्र।

ਜਤਸੀ जोत्‌षी Jotsi [3] पुं०
ज्योतिषिन् (वि०) ज्योतिषी, ज्योतिष शास्त्र का ज्ञाता, नक्षत्रों की स्थिति-वशात् शुभाशुभ फल का वक्ता ।

ਜੋਤਣਾ जोत्‌णा Jatna [3] सक० क्रि०
योक्त्रयति (नामधातु सक०) जोड़ना, बाँधना, संबद्ध करना ।

ਜੋਤਮਾਨ जोत्‌मान् Jotman [3] पुं०
ज्योतिषमत् (वि०) चमकीला, चमकदार ।

ਜੋਤਰ जोत्‌र Jotar [3] स्त्री०
योक्त्र (नपुं०) जोता, चर्मरज्जु, चमड़े की रस्सी ।

ਜੋਤਰਾ जोत्‌रा Jatra [3] पुं०
द्र०—ਜੋਤਰ ।

ਜੋਤਾ जोता Jota [3] पुं०
ज्यौतिष (वि०) दिन का पूर्वार्द्ध, प्रथम प्रहर ।

ਜੋਧਾ जोधा Jodha [3] पुं०
योद्धृ (वि०) योद्धा, वीर, सैनिक ।

ਜੋਨੀ जोनी Joni [3] स्त्री०
द्र०—ਜੂਠੀ ।

ਜੋਬਨ जोबन् Joban [3] पुं०
यौवन (नपुं०) यौवन, जवानी, युवावस्था ।

ਜੋਵਾਰ जोवार् Jovar [3] पुं०
द्र०—ਜੁਆਰ ।

ਜੋੜ जोड़् Jor [3] पुं०
योग/जोट (पुं०) जोड़, योग ।

ਜੋੜੀ जोड़ी Jori [3] स्त्री०
युगल (नपुं०) जोड़ी, युग्म ।

ਜੌ जौ Jau [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर ।

ਜੌਂ जौं Jaũ [3] पुं०
यव (पुं०) जौ, रबी फसल का एक अन्न ।

ਜੌਖਾਰ जौखार् Jaukhar [3] पुं०
यवक्षार (पुं०) जौ की राख से निर्मित अम्लीय औषध-विशेष ।

ਜੌੜਾ जौड़ा Jaura [3] पुं०
यम (पुं०) जुड़वाँ, सहजात दो बच्चे ।

ਜੰਗਲ जंगल् Jañgal [3] पुं०
जङ्गल (पुं०, नपुं०) जङ्गल, वन ।

ਜੰਘ जंघ् Jangh [3] स्त्री०
जङ्घा (स्त्री०) जाँघ, कटि और घुटने के बीच का भाग ।

ਜੰਞ जंञ् Jañj [3] स्त्री०
जन्या (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा ।

ਜੰਞੂ जंञू Jañjū [3] पुं०
यज्ञोपवीत (नपुं०) जनेऊ, ग्रन्थि-युक्त सूत्र-विशेष जिसे बाँये कन्धे से शरीर में धारण करते हैं ।

ਜੰਤ जन्त Jant [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी ।

ਜੰਤਰ जन्तर् Jantar [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) यन्त्र, औजार, मशीन ।

ਜੰਤਰਿਕ जन्तरिक् Jantrik [3] वि०
यान्त्रिक (वि०) यन्त्र-सम्बन्धी ।

ਜੰਤਾ जन्ता Jantā [3] स्त्री०
जनता (स्त्री०) जनता, प्रजा ।

ਜੰਤੂ जन्तू Jantū [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी, जीव ।

ਜੰਦ जन्द् Jand [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) पनचक्की, पानी से चलने वाली गेहूँ आदि पीसने की मशीन ।

ਜੰਦਰਾ जन्द्रा Jandrā [3] पुं०
द्र०—ਜੰਦਾ ।

ਜੰਦਰੀ जन्द्री Jandrī [3] स्त्री०
द्र०—ਜੰਦੀ ।

ਜੰਦਾ जन्दा Jandā [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) ताला; मशीन ।

ਜੰਦੀ जन्दी Jandī [3] स्त्री०
यन्त्र (नपुं०) छोटा ताला, तार बनाने की मशीन ।

ਜੰਨ जन्न् Jann [3] स्त्री०
जन्या (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा ।

ਜੰਬੂਲ जंबूल् Jambūl [3] पुं०
जम्बूल (पुं० / नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष । नपुं०—जामुन का फल ।

ਜੰਮਣ जंमण् Jammaṇ [3] पुं०
जन्मन् (पुं०) जन्म, उत्पत्ति; उगना ।

ਜੰਮਣ-ਮਰਨ जम्मण्-मरन् Jammaṇ-Maran [3] पुं०
जन्म-मरण (नपुं०) जन्म-मरण, जीना-मरना ।

ਜੰਮਣਾ जम्मणा Jammṇā [3] अक० क्रि०
जायते (दिवादि अक०) उत्पन्न होना; उगना ।

ਜੰਮੂ जम्मू Jammū [2] पुं०
जम्बू (स्त्री०) जामुन का वृक्ष या फल ।

ਝ

ਝੱਸਣਾ झस्सणा Jhassaṇā [3] सक० क्रि०
झषति (भ्वादि सक०) मारना, दुःख देना; मसलना ।

ਝਹਾ झहा Jhahā [3] पुं०
जहका (स्त्री०) झाउ चूहा; साँप की केंचुली ।

ਝੱਜਰ झज्जर् Jhajjar [3] पुं०, स्त्री०
अलिञ्जर (पुं०) पानी की झारी, सुराही, झज्जर ।

ਝਟਪਟ झट्पट् Jhaṭpaṭ [3] क्रि० वि०
झटिति (अ०) झट-पट, जल्दी, तुरन्त ।

ਝਟਾਕ झटाक् Jhaṭāk [2] क्रि० वि०
द्र०—ਝਟਪਟ ।

ਝਟਾਪਟ झटापट् Jhaṭāpaṭ [2] क्रि० वि०
द्र०—ਝਟਪਟ ।

ਝਣਕਾਰ झणकार् Jhaṇkār [3] पुं०, स्त्री०
झङ्कार (पुं०) झंकार, मधुर ध्वनि ।

ਝਣਝਣਾਉਣਾ झणझणाउणा Jhaṇjhaṇāuṇā [3] सक० क्रि०
झणझणायते (नामधातु सक०) झनझनाना, झङ्कार करना ।

ਝਨਕਾਰ झनकार् Jhankār [3] पुं० स्त्री०
द्र०—ਝਣਕਾਰ ।

ਝਰਨਾ झर्ना Jharnā[3] पुं०
झरणा (नपुं०) झरना, निर्झर ।

ਝਰਨੀ झर्नी Jharnī [3] स्त्री०
निर्झरणी (स्त्री०) छोटा झरना ।

ਝਲਕਣਾ झल्कणा Jhalkaṇā [3] अक० क्रि०
झल्लिकायते (नामधातु अक०) झलकना, चमकना, प्रकाशित होना ।

ਝਲਕਾ झल्का Jhalkā [3] पुं०
झल्लिका (स्त्री०) झलक, चमक; प्रकाश ।

ਝੜਨਾ झड्ना Jhaṛnā [3] अक० क्रि०
झृणाति (क्र्यादि अक०) फूल पत्तियों का झड़ना, डाली से टूटकर गिरना ।

ਝਾਊ झाऊ Jhāū [3] पुं०
झावु/झावुक (पुं०) झाऊ नामक पौधा जिससे झाड़ू या टोकरी इत्यादि बनाई जाती है ।

ਝਾਈ झाई Jhāī [3] स्त्री०
उपाध्यायी (स्त्री०) माता, माँ, जननी; आचार्य की पत्नी ।

ਝਾਂਜਰ झांजर् Jhā̃jar [3] स्त्री०
झांजर (पुं०) झाँझ, मजीरा ।

ਝਾਂਜਾ झांजा Jhā̃jā [3] पुं०
झञ्झा (स्त्री०) झंझावात, अन्धड़ ।

ਝਾਮਾ झामा Jhāmā [3] पुं०
झामक (नपुं०) झाँवा ईंट, बहुत जली हुई ईंट ।

ਝਾੜ झार् Jhār [3] पुं०
झाट (पुं०) झाड़, कुँज, लता से ढका स्थान ।

ਝਾਰਾ झारा Jhārā [3] पुं०
झार (पुं०) चलनी, छानने का उपकरण

ਝਾਰੀ झारी Jhārī [3] स्त्री०
द्र०—ਝੰਜਰ ।

ਝਾਲ झाल् Jhāl [3] स्त्री०
ज्वाल (पुं०) ज्वाला, आग की लपट ।

ਝਾਲਰ झालर् Jhālar [3] स्त्री०
झल्लरी (स्त्री०) झांझ, मजीरा, झालर

ਝਾਲਰੀ झाल्री Jhālrī [3] स्त्री०
द्र०—ਝਾਲਰ ।

ਝਾਲਾ झाला Jhala [3] स्त्री०
ज्वाल (पुं०) तेज, प्रकाश ।

ਝਾਂਵਾਂ झाँवाँ Jhãvã [3] पुं०
द्र०—ਝਾਮਾ ।

ਝਾੜ झाड़् Jhaṛ [3] पुं०
झाट (पुं०) झाड़ी, कुंज, लताच्छन्न स्थान ।

ਝਾੜਨਾ झाड़्ना Jhaṛna [3] सक० क्रि०
झर्झति (भ्वादि सक०) फटकारना, निन्दा करना ।

ਝਾੜੀ झाड़ी Jhaṛi [3] स्त्री०
झटि (स्त्री०) छोटी झाड़ी, काँटेदार छोटी बेल ।

ਝਿਊਰ झिऊर् Jhiūr [3] पुं०
धीवर (पुं०) मल्लाह, मछुआरा ।

ਝਿੰਕਾਰ झिंकार् Jhiṅkār [1] स्त्री०
द्र०—ਝਣਕਾਰ ।

ਝਿੰਗ झिंग् Jhiṅg [3] स्त्री०
झीरुका (स्त्री०) झींगुर, कीट-विशेष ।

ਝਿੱਲੀ झिल्ली Jhilli [3] स्त्री०
झिल्लि (स्त्री०) झिंगुर, कीट-विशेष ।

ਝਿੜੀ झिड़ी Jhiṛi [3] स्त्री०
झटि (स्त्री०) झाड़ी, काँटेदार छोटी बेल ।

ਝੀਉਰ झीउर् Jhiur [3] पुं०
द्र०—ਝਿਊਰ ।

ਝੀਉਰੀ झीउरी Jhīuri [3] स्त्री०
धीवरी (स्त्री०) मल्लाहिन, मछुआरिन ।

ਝੀਂਗਰ झींगर् Jhīṅgar [3] पुं०
झीरुका (स्त्री०) झींगुर, कीट-विशेष ।

ਝੀਣਾ झीणा Jhiṇa [3] पुं०
क्षीण (वि०) नष्ट; दुर्बल, कृश ।

ਝੀਨਾ झीना Jhīna [3] पुं०
द्र०—ਝੀਣਾ ।

ਝੁੰਡ झुण्ड् Jhuṇḍ [3] पुं०
झुण्ट (पुं०) झाड़ी, गिरोह, टोली ।

ਝੁਣਕਾਰ झुण्कार् Jhuṇkār [1] स्त्री०
द्र०—ਝਣਕਾਰ ।

ਝੂਣਨਾ झूण्ना Jhūṇna [3] सक० क्रि०
धूनोति (स्वादि सक०) हिलाना, कम्पन करना ।

ਝੂਣਾ झूणा Jhūṇa [3] पुं०
धून (नपुं०) धूनना; कम्पन, हिलाने का भाव ।

ਝੂਨਾ झूना Jhūna [3] पुं०
द्र०—ਝੂਣਾ ।

ਝੂਲਣਾ झूल्णा Jhūlṇa [3] अक० क्रि०
हिन्दोलयति/ते (चुरादि अक०) झूला, झूलना; उचकना; हिलना-डुलना,

ਝੂਲਾ झूला Jhūla [3] पुं०
हिन्दोल (पुं०) हिंडोला, झूला ।

ਟ

ਟਹਾਕਾ टहाका Ṭahākā [1] पुं०
अट्टहास (पुं०) ठहाका, जोर की हँसी।

ਟਕਸਾਲ टक्साल् Ṭaksāl [3] पुं०
टङ्कशाला (स्त्री०) टकसाल, कोषागार।

ਟਕਾ टका Ṭakā [3] पुं०
टङ्क (नपुं०, पुं०) सिक्का।

ਟਕਾਣਾ टकाणा Ṭakāṇā [1] पुं०
द्र०—ਠਿਕਾਣਾ।

ਟਕੋਰ टकोर् Ṭakor [3] पुं०
टङ्कार (पुं०) धनुष खींचने की ध्वनि, टंकार; आवाज।

ਟਟੀਹਰੀ टटीह्री Ṭaṭīhrī [3] स्त्री०
टिट्टिभ (पुं०) टिटिहरी चिड़िया।

ਟਣਕਾਰ टण्कार् Ṭaṇkār [3] स्त्री०
द्र०—ਟਕੋਰ।

ਟਣਕੋਰ टण्कोर् Ṭaṇkor [2] स्त्री०
द्र०—ਟਕੋਰ।

ਟੱਬਰ टब्बर् Ṭabbar [3] पुं०
कुटुम्ब (पुं०, नपुं०) बाल-बच्चे, संतान, परिवार।

ਟਰਕਾਉਣਾ टर्काउणा Ṭarkāuṇā [3] सक० क्रि०
टालयति (भ्वादि प्रेर०) टरकाना, टालना।

ਟਰਕਾਣਾ टर्काणा Ṭarkāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਟਰਕਾਉਣਾ।

ਟਰਨਾ टर्ना Ṭarnā [3] अक० क्रि०
टलति (भ्वादि अक०) हटना; खिसकना; दुःखित होना।

ਟਲਣਾ टल्णा Ṭalṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਟਰਨਾ।

ਟੱਲੀ टल्ली Ṭallī [3] स्त्री०
घण्टाली (स्त्री०) छोटा घण्टा, घण्टी।

ਟਾਂਕਣਾ टाक्णा Ṭā̃kṇā [3] सक० क्रि०
टङ्कति (भ्वादि, चुरादि सक०) बाँधना, जोड़ना, टाँकना।

ਟਾਂਕਾ टांका Ṭā̃kā [3] पुं०
टङ्कण (नपुं०) जोड़, बन्धन।

ਟਾਕੂਆ टाकूआ Ṭākūā [3] पुं०
तर्कु (पुं०) टेकुआ, तकुआ।

ਟਾਲਣਾ टाल्णा Ṭālṇā [3] सक० क्रि०
टालयति (भ्वादि प्रेर०) टालना, हटाना, खिसकाना।

ਟਿਕ टिक् Ṭik [1] स्त्री०
यष्टिका (स्त्री०) छड़ी, लाठी।

ਟਿਕਾਉਣਾ टिकाउणा Ṭikāuṇā [3] सक० क्रि०
टेकते (भ्वादि प्रेर०) टिकाना, रखना; वश में करना।

ਟਿਕਾਣਾ टिकाणा Tikana [2] पु०
द्र०—ठिकाणा ।

ਟਿੱਡ टिड्ड् Ṭiḍḍ [3] पुं०
टिट्टिभ (पुं०) टिड्डा, नर टिड्डी ।

ਟੀਟ टीट् Ṭīṭ [3] वि०
तिक्त (वि०) तीता, कड़वा ।

ਟੀਰਾ टीरा Ṭīrā [3] पुं०
टेरक (वि०) कैरा, ऐंचाताना, भैंगा ।

ਟੁੱਚਾ टुच्चा Ṭuccā [3] पुं०
तुच्छ (वि०) लुच्चा, कमीना, नीच ।

ਟੁੱਟਣਾ टुट्ट्णा Ṭuṭṭṇā [3] अक० क्रि०
त्रुट्यति (तुदादि सक०) टूटना, खण्डित होना ।

ਟੁੰਡਾ टुण्डा Ṭuṇḍā [3] पुं०
रुण्ड (पुं०, नपुं०) धड़, कबन्ध, शिर-रहित शरीर ।

ਟੁਰਨਾ टुर्ना Ṭurnā [3] अक० क्रि०
त्वरते (भ्वादि अक०) जल्दी करना, शीघ्र जाना ।

ਟੂਟੀ टूटी Ṭūṭī [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) पानी की टोंटी; नासा, नाक ।

ਟੇਕਣਾ टेक्णा Ṭekṇā [3] सक० क्रि०
टेकते (भ्वादि सक०) मस्तक आदि टेकना; रखना, सहारा देना ।

ਟੇਕਨਾ टेक्ना Ṭeknā [3] सक० क्रि०
द्र०—टेकणा ।

ਟੋਟਾ टोटा Ṭoṭā [3] स्त्री०
त्रुटि (स्त्री०) कमी, घाटा, अभाव ।

ਟੰਗ टंग् Ṭaṅg [3] स्त्री०
टङ्क (पुं०) टाँग, पैर ।

ਠ

ਠਉਂ ठउँ Ṭhaū [1] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह ।

ਠਹਾਕਾ ठहाका Ṭhahākā [3] पुं०
अट्टहास (पुं०) ठहाका, जोर की हँसी ।

ਠਹਿਰਨਾ ठहिर्ना Ṭhahirnā [3] अक० क्रि०
तिष्ठति (भ्वादि अक०) ठहरना, खड़ा होना; स्थित होना, रुकना ।

ਠਹਿਰਾਉਣਾ ठहिराउणा Ṭhahirauṇā [3] सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) ठहराना, स्थिर करना, रोकना ।

ਠਗ ठग् Ṭhag [3] वि०
स्थग (वि०) धूर्तता से धन हरनेवाला, वञ्चक ।

ਠੱਪਣਾ ठप्प्णा Ṭhappṇā [3] सक० क्रि०

स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) स्थापित करना, बन्द करना; दृढ़ निश्चय करना ।

ਠਰ ठर् Ṭhar [3] पुं०
ठार (पुं०) ठंडा होने की दशा; पाला ।

ਠਰਨਾ ठर्ना Ṭharna [3] अक० क्रि०
स्थलति (भ्वादि अक०) ठरना, ठंडा होना; पाला पड़ना ।

ਠਾਹ ठाह् Ṭhāh [3] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह ।

ਠਾਕਰ ठाकर् Ṭhākar [3] पुं०
ठक्कुर (पुं०) देवता; स्वामी, राजा; राजपूतों की एक उपाधि ।

ਠਾਣ ठाण् Ṭhāṇ [3] पुं०
स्थान (नपुं०) ठाँव, स्थान, जगह ।

ਠਾਰਨਾ ठार्ना Ṭhārnā [3] सक० क्रि०
स्थिरयति (नामधातु सक०) ठंडा करना, शीतल करना ।

ਠਿਕਾਣਾ ठिकाणा Ṭhikāṇa [3] पुं०
स्थान (नपुं०) ठिकाना, आवास-स्थान, पता ।

ਠਿੰਗਾ ठिंगा Ṭhiṅga [1] पुं०
द्र०—ਠੇਂਗਾ ।

ਠੁੱਲ੍ਹਾ ठुल्हा Ṭhullha [3] पुं०
स्थूल (वि०) मोटा; बड़े आकार का ।

ਠੇਂਗਾ ठेंगा Ṭhẽga [3] पुं०
दण्ड > दण्डा > डण्डा > डेंगा > ठेंगा (पुं०) डण्डा, लाठी ।

ਠੇਰਾ ठेरा Ṭhera [3] पुं०
स्थविर (पुं०) वृद्ध, बूढा ।

ਠੋਸਾ ठोसा Ṭhosa [3] पुं०
अङ्गुष्ठ (पुं०) अंगूठा ।

ਠੋਡੀ ठोडी Ṭhoḍi [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) मुख, चोंच ।

ਡ

ਡਸ डस् Ḍas [1] पुं०
दंश (पुं०) काटने या डसने का भाव ।

ਡਸਣਾ डस्णा Ḍasṇa [3] सक० क्रि०
दशति/दंशति (भ्वादि सक०) डँसना, मारना, काटना ।

ਡਸਵਾਉਣਾ डस्वाउणा Ḍasvauṇa [3] सक० क्रि०
दंशयति/ते (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) डँसना, डंक मारना, काटना ।

ਡਸਾਉਣਾ डसाउणा Ḍasauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਡਸਵਾਉਣਾ ।

ਡਹਾਯਾ डहाया Ḍahaya [3] पुं०
दशगात्र (नपुं०) दशगात्र, मृत्यु के दशवें दिन की रीति ।

ਡਕਾਰ डकार Ḍakār [3] पुं०
उद्गार (पुं०) डकार, ऊपर निकलने वाली वायु।

ਡੱਡ डड्ड् Ḍaḍḍ [3] स्त्री०
दर्दुरी (स्त्री०) दादुर, मेढकी।

ਡੱਡੀ डड्डी Ḍaḍḍī [3] स्त्री०
द्र०—ਡੱਡ।

ਡੱਡੂ डड्डू Ḍaḍḍū [3] पुं०
दर्दुर (पुं०) दर्दुर, दादुर, मेढक।

ਡੱਧਨਾ डद्धना Ḍaddhana [1] सक० क्रि०
दह्यते > दग्ध (भ्वादि कर्म०) जलना, दग्ध होना।

ਡੱਨਣਾ डन्नणा Ḍannaṇā [1] सक० क्रि०
दण्डयति/ते (चुरादि सक०) दण्ड देना, जुर्माना करना।

ਡੱਨਾ डन्ना Ḍannā [1] पुं०
द्र०—ਡੰਡਾ।

ਡੱਨੀ डन्नी Ḍannī [1] स्त्री०
द्र०—ਡੰਡੀ।

ਡਮਰੂ डमरू Ḍamrū [3] पुं०
डमरु (पुं०) डमरू, ढक्का।

ਡਰ डर् Ḍar [3] पुं०
दर (पुं०) डर, भय।

ਡਰਣਾ डरणा Ḍarṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਡਰਨਾ।

ਡਰਨਾ डर्ना Ḍarnā [3] अक० क्रि०
दरति (भ्वादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਡਰਾਉਣਾ डराउणा Ḍarāuṇā [3] सक० क्रि०
दरयति (भ्वादि प्रेर०) डराना, भयभीत करना।

ਡਰਾਕੁਲ डराकुल् Ḍarākul [3] वि०
दराकुल (वि०) डर से व्याकुल, भयभीत।

ਡਲਾ डला Ḍalā [3] पुं०
डलक/डल्लक (नपुं०) डला, डली; ढेला।

ਡਵ डव् Ḍav [1] पुं०
दव (पुं०) दावानल, वन की आग।

ਡਾਇਣ डाइण् Ḍāiṇ [3] स्त्री०
डाकिनी (स्त्री०) डाकिनी, डाइन; काली की अनुचरी।

ਡਾਹ डाह् Ḍāh [3] पुं०
दाह (पुं०) डाह, जलन, ईर्ष्या।

ਡਾਹਣਾ डाह्णा Ḍāhṇā [3] सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) जलाना, तपाना।

ਡਾਂਕ डाँक् Ḍā̃k [3] पुं०
दंश (पुं०) डंक मारने का भाव, डसने का भाव।

ਡਾਕਣ डाकण् Ḍākaṇ [1] स्त्री०
द्र०—ਡਾਇਣ।

ਡਾਕੂ डाकू Ḍākū [3] पुं०
दस्यु (पुं०) डाकू, लुटेरा।

ਡਾਂਗ डाँग् Ḍāg [3] पुं०
डण्डक (पुं०) छड़ी, यष्टिका।

ਡਾਂਡੀ डाँडी Ḍāḍī [3] वि०/पुं०
दण्डिन् (त्रि०/पुं०) वि०—दण्ड रखने वाला। पुं०—यमराज, मृत्यु के देवता।

ਡਾਢ डाढ् Ḍāḍh [1] स्त्री०
दाढर्य (नपुं०) दृढ़ता, मजबूती।

ਡਾਢਾ डाढा Ḍāḍhā [3] वि०
दृढ (वि०) दृढ़, मजबूत; कठोर।

ਡਾੱਬੀ डाब्बी Ḍābbī [1] स्त्री०
दर्वी (स्त्री०) करछुल, बड़ा चम्मच, कड़छी।

ਡਾਲ डाल् Ḍāl [3] पुं०
डाल (पुं०) डाल, डाली, शाखा।

ਡਾਲਾ डाला Ḍālā [2] पुं०
डाल (पुं०) बड़ी डाल, शाखा।

ਡਾਲੀ डाली Ḍālī [3] स्त्री०
द्र०—ਡਾਲ।

ਡਿਉਢਾ डिउढा Ḍiūḍhā [3] वि०
सार्द्धक (वि०) डेढ़, $1\frac{1}{2}$।

ਡਿੰਘ डिंघ् Ḍingh [3] स्त्री०
द्व्यङ्घ्रि (स्त्री०) दो पैर; डेढ़ गज की लम्बाई; दो कदम की दूरी।

ਡਿੱਠ डिट्ठ् Ḍitth [3] वि०
दृष्ट (वि०) दृष्ट, देखा हुआ, अवलोकित।

ਡੁਗਡੁਗੀ डुगडुगी Ḍugḍugī [3] स्त्री०
दुन्दुभि (स्त्री०) डुगडुगी, बड़ा ढोल, नगाड़ा।

ਡੁਬਕੀ डुब्की Ḍubkī [3] स्त्री०
ब्रुडन (नपुं०) डुबकी, डूबने का भाव।

ਡੁਬਾਉ डुबाउ Ḍubāu [3] पुं०
ब्रुडन (नपुं०) डुबकी, गोता।

ਡੁੱਬਣਾ डुब्बणा Ḍubbaṇā [3] अक० क्रि०
ब्रुडति (तुदादि अक०) डूबना, गोता लगाना।

ਡੂਗਰ डूगर् Ḍūgar [3] पुं०
तुङ्गगिरि (पुं०) ऊँचा पहाड़, पर्वत की चोटी।

ਡੂਨਾ डूना Ḍūnā [3] पुं०
द्रोण (पुं०, नपुं०) दोना, पत्तों का पात्र-विशेष; 16 या 32 सेर का काष्ठ का एक माप।

ਡੂਮ डूम् Ḍūm [3] पुं०
डोम (पुं०) डोम, निम्न वर्ण का व्यक्ति।

ਡੂਮਣਾ डूमणा Ḍūmṇā [2] पुं०
डोम (पुं०) डोम जाति जिसका काम टोकरी बनाना है।

ਡੂਮਣੀ डूमणी Ḍūmṇī [3] स्त्री०
डोमी (स्त्री०) डोम जाति की स्त्री।

ਡੂਮੜਾ डूमड़ा Ḍūmṛā [1] पुं०
द्र०—ਡੂਮਣਾ।

ਡੇਹਰਾ डेह्रा Ḍehra[1] पुं॰
देवग्रह (पुं॰) देवघर, देवालय, मन्दिर।

ਡੇਮੂੰ डेमूँ Ḍemū [3] पुं॰
द्विमुख (पुं॰) दो मुँह वाला जहरीला जीव, विषैला साँप।

ਡੇਰਾ डेरा Ḍera [3] पुं॰
देवघर (पुं॰) आश्रम; विश्राम-स्थान।

ਡੈਣ डैण् Ḍaiṇ [1] स्त्री॰
द्र—ਡਾਇਣ।

ਡੋਈ डोई Ḍoī [3] स्त्री॰
दर्वी (स्त्री॰) करछुल, कड़छी।

ਡੋਗਰ डोगर् Ḍogar [3] पुं॰
दोग्धृ (पुं॰/वि॰) पुं॰—एक जाति जो राजपूतों से निकली है और इसका मुख्य व्यवसाय दूध का व्यापार है। वि॰—दूहने वाला।

ਡੋਗਰਾ डोग्रा Ḍogra [3] पुं॰
तुङ्गगिरीय (वि॰/पुं॰) वि॰—ऊँचे पहाड़ पर रहने वाली जाती। पुं॰—जम्मू का राजवंश और वहाँ के लोग।

ਡੋਗਰੀ डोग्री Ḍogrī [3] स्त्री॰
तुङ्गगिरीया (स्त्री॰) डोगरा जाति की स्त्री; डोगरा लोगों की भाषा।

ਡੋਂਗਾ डोंगा Ḍōgā [3] पुं॰
उडुप (पुं॰) छोटी नौका, नाँव।

ਡੋਨਾ डोना Ḍonā [3] पुं॰
द्र॰—ਡੂਨਾ।

ਡੋਬਣਾ डोब्णा Ḍobṇā [3] सक॰ क्रि॰
ब्रोडयति (तुदादि प्रेर॰) डुबाना, डूबने की प्रेरणा देना।

ਡੋਮੜਾ डोमड़ा Ḍomṛā [1] पुं॰
द्र॰—ਡੂਮ।

ਡੋਰ डोर् Ḍor [3] स्त्री॰
दवर (पुं॰) रस्सी डोरी; डोरा, धागा।

ਡੋਰਾ डोरा Ḍorā [3] पुं॰
द्र॰—ਡੋਰ।

ਡੋਰੀ डोरी Ḍorī [3] स्त्री॰
द्र॰—ਡੋਰ।

ਡੋਲ डोल् Ḍol [3] पुं॰
डोल (पुं॰) दोल, रहट के पहिए की डोलची; पानी का डोल।

ਡੋਲਣਾ डोल्णा Ḍolṇā [3] अक॰ क्रि॰
दोलयति / ते (चुरादि अक॰) हिलना-डुलना।

ਡੋਲਾ डोला Ḍolā [3] पुं॰
दोला (स्त्री॰) डोला, डोली, पालकी।

ਡੋਲੀ डोली Ḍolī [3] स्त्री॰
द्र॰—ਡੋਲਾ।

ਡੌ डौ Ḍau [1] पुं॰
दव (पुं॰) दावाग्नि; आग की लपट।

ਡੌਣੀ डौणी Ḍauṇī [3] स्त्री॰
उडुप (पुं॰) डोंगी, छोटी नौका।

ਡੌਰੂ डौरू Daurū [3] पुं॰
डमरु (पुं॰) डमरू, ढक्का।

ਡੰਗਣਾ डंग्णा Dangṇā [3] सक॰ क्रि॰
दंशति (भ्वादि सक॰) डँसना, डंक मारना।

ਡੰਗਰ डंगर् Dangar [3] पुं॰
डङ्गर (पुं॰) भूसा; सेवक; नीच।

ਡੰਡ डंड् Daṇḍ [1] पुं॰
दण्ड (पुं॰) सजा, दण्ड।

ਡੰਡਣਾ डंड्णा Daṇḍṇā [1] सक॰ क्रि॰
दण्डयति (चुरादि सक॰) दण्ड देना, सजा देना।

ਡੰਡਧਰ डंड्धर् Daṇḍdhar [1] पुं॰
दण्डधर (वि॰/पुं॰) वि॰—दण्ड धारण करने वाला। पुं॰—दण्डी, संन्यासी।

ਡੰਡਾ डंडा Daṇḍā [3] पुं॰
दण्ड (पुं॰, नपुं॰) डण्डा, लाठी, दण्ड।

ਡੰਡੀ डंडी Daṇḍī [3] स्त्री॰
दण्ड (पुं॰, नपुं॰) डण्डी; छड़ी।

ਡੰਡੌਤ डंडौत् Daṇḍaut [3] पुं॰
दण्डवत् (अ॰) दण्डे के समान सीधे सोकर प्रणाम करने की क्रिया।

ਡੰਨ डन्न् Dann [3] पुं॰
दण्ड (पुं॰, नपुं॰) दण्ड; जुर्माना; सजा।

ਡੰਭਣਾ डम्भ्णा Dambhṇā [3] अक॰/सक॰ क्रि॰
दहति > दग्ध (भ्वादि अक॰ / सक॰) अक॰—जलना। सक॰—जलाना।

ਢ

ਢਹਿਣਾ ढैह्णा Dhaihṇā [3] अक॰ क्रि॰
ध्वंसते (भ्वादि अक॰) ढहना, ध्वंस होना, गिरना।

ਢਕਣਾ ढक्णा Dhakṇā [3] सक॰ क्रि॰
पिधत्ते (जुहोत्यादि सक॰) ढकना, आच्छादन करना।

ਢੱਕਣ ढक्कण् Dhakkaṇ [3] पुं॰
ढक्कन (नपुं॰) ढक्कन, ढकने का भाव, दरवाजा बन्द करने का भाव।

ਢਾਉਣਾ ढाउणा Dhāuṇā [3] सक॰ क्रि॰
ध्वंसयति (भ्वादि प्रेर॰) ढाहना, गिराना; फेंकना।

ਢਾਈ ढाई Dhāī [3] वि॰
सार्द्धद्वि (वि॰) ढाई, 2½ भाग।

ਢਾਹ ढाह् Dhāh [3] पुं॰
ध्वंस (पुं॰) कटाव, पतन, गिरने का भाव।

ਢਾਹਣਾ ढाह्णा Dhāhṇā [3] सक॰ क्रि॰
द्र॰—ਢਾਉਣਾ।

ਢਾਣਾ ढाणा Ḍhaṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਢਾਉਣਾ ।

ਢਾਰਸ ढारस् Ḍharas [3] पुं०
धैर्य (नपुं०) ढाढस, धीरज, धीरता ।

ਢਾਲ ढाल् Ḍhal [3] स्त्री०
ढाल (नपुं०) ढाल, तलवार आदि के के आघात को रोकने के लिए लोहे का बना कछुए की आकृति का एक साधन ।

ਢਾਲਚੀ ढाल्ची Ḍhālci [3] पुं०
ढालधृत् (वि०) ढाल रखने वाला योद्धा ।

ਢਾਵੀ ढावी Ḍhāvī [1] स्त्री०
धव (पुं०) वृक्ष-विशेष जिसकी जड़, फूल, पत्ती आदि दवा के काम आती है ।

ਢੀਂਗ[1] ढींग् Ḍhīg [3] पुं०
ध्वाङ्क्ष (पुं०) काक पक्षी, कौआ ।

ਢੀਂਗ[2] ढींग् Ḍhīg [3] पुं०
ढेङ्क (पुं०) लम्बी टाँग और लम्बी चोंच वाला एक पक्षी ।

ਢੀਠ ढीठ् Ḍhīṭh [3] वि०
धृष्ट (वि०) ढीठ; साहसी, हठी; अशिष्ट ।

ਢੀਠਤਾ ढीठ्ता Ḍhīṭhta [3] स्त्री०
धृष्टता (स्त्री०) ढिठाई, अशिष्टता ।

ਢੀਠਤਾਈ ढीठ्ताई Ḍhīṭhtaī [3] स्त्री०
द्र०—ਢੀਠਤਾ ।

ਢੀਠਾ ढीठा Ḍhīṭha [1] पुं०
द्र०—ਢੀਠ ।

ਢੁਆਉਣਾ ढुआउणा Ḍhuauṇa [3] सक० क्रि०
ढौकयति (भ्वादि प्रेर०) ढुलाना, वहन कराना ।

ਢੁੱਕਣਾ ढुक्क्णा Ḍhukkṇa [3] अक० क्रि०
ढौकते (भ्वादि सक०) पहुँचना, जाना ।

ਢੂੰਡਣਾ ढूँड्णा Ḍhūḍṇa [3] सक० क्रि०
ढुण्ढति (भ्वादि सक०) ढूँढना, खोजना, अन्वेषण करना ।

ਢੇਲਾ ढेला Ḍhela [3] पुं०
लोष्ठ (नपुं०) ढेला, डला, मिट्टी आदि का रोड़ा ।

ਢੇੜ ढेड़् Ḍheṛ [3] पुं०
ध्वाङ्क्ष (पुं०) कौआ; चमार; मूर्ख ।

ਢੋਆ ढोआ Ḍhoa [3] पुं०
ढौक (पुं०) भेंट, उपहार ।

ਢੋਣਾ ढोणा Ḍhoṇa [3] सक० क्रि०
ढौकते (भ्वादि सक०) ढोना, भार वहन करना ।

ਢੋਰ ढोर् Ḍhor [3] पुं०
धुर्य (पुं०) ढोर, हल या गाड़ी में जोतने योग्य पशु ।

ਢੋਲ ढोल् Ḍhol [3] पुं०
ढोल (पुं०) ढोलक, ढोल-वाद्य ।

ਢੋਲਕੀਆ ढोलकिआ Dholkia [3] पुं०
ढोलिन् (पुं०) ढोली, ढोल बजाने वाली जाति का पुरुष।

ਢੋਲਣ ढोलण् Dholaṇ [3] स्त्री०
ढोलिनी (स्त्री०) ढोल बजाने वाली जाति की स्त्री।

ਢਡੋਰਚੀ ढडोर्ची Dhaḍorci [3] पुं०
ढक्कारिन् (वि०) ढँढोरची, ढोल बजाने वाला।

ਢੰਡੋਰਾ ढँडोरा Dhãḍora [3] पुं०
ढक्कारव (पुं०) ढँढोरा, नगारे की ध्वनि।

ਤ

ਤਸਕਰ तस्कर् Taskar [3] पुं०
तस्कर (पुं०) चोर, ठग।

ਤਸਮਈ तस्मई Tasmai [3] स्त्री०
तोषमयी (स्त्री०) खीर, आनन्द देने वाली, संतुष्ट करने वाली।

ਤੱਸ तस्स् Tass [1] स्त्री०
तर्ष (पुं०) तृषा, प्यास, पानी पीने की इच्छा।

ਤੱਕ तक्क् Takk [2] स्त्री०
तर्क (पुं०) ऊहा-पोह; अनुमान, अन्दाज; युक्ति।

ਤੱਕਣਾ तक्कणा Takkṇa [3] सक० क्रि०
तर्कयति (चुरादि सक०) ताकना, झाँकना; अनुमान करना, तर्क करना

ਤੱਕਲਾ तक्कला Takkla [3] पुं०
तर्कु (पुं०) तकुआ, टेकुआ।

ਤੱਕਲੀ तक्कली Takkli [3] स्त्री०
तर्कु (पुं०) तकली, छोटा तकुआ।

ਤਖਾਣ तखाण् Takhaṇ [3] पुं०
तक्षन् > तक्षाणः (पुं०) बढ़ई, लकड़ी का काम करने वाला।

ਤਖਾਣੀ तखाणी Takhaṇi [3] स्त्री०
तक्षणी (स्त्री०) बढ़ई की स्त्री, खातिन।

ਤਖਾਨ तखान् Takhan [3] पुं०
द्र०—ਤਖਾਣ।

ਤੱਛਣਾ तच्छणा Tacchaṇa [2] सक० क्रि०
तक्षति (भ्वादि सक०) काटना; छीलना; चीरना; पैना करना।

ਤੱਛਨਾ तच्छना Tacchana [3] सक० क्रि०
द्र०—ਤੱਛਣਾ।

ਤਜਣਾ तज्णा Tajṇa [3] सक० क्रि०
त्यजति (भ्वादि सक०) तजना, छोड़ना; देना, दान करना।

ਤਜਨਾ तज्ना Tajna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਤਜਣਾ।

ਤਣਨਾ तणना Tanna [3] सक० क्रि०
तनोति / तनुते (भ्वादि सक०) तानना, फैलाना, बढ़ाना।

ਤਣਾ[1] तणा Tana [3] पुं०
प्रतान (पुं०) वृक्ष का तना, डाली, शाखा।

ਤਣਾ[2] तणा Tana [1] पुं०
तनय (पु०) पुत्र, सन्तान।

ਤਣਾਉ[1] तणाओ Tanao [3] पुं०
तनन (नपुं०) तनाव, फैलाव।

ਤਣਾਉਣਾ तणाउणा Tanauna [3] सक० क्रि०
तानयति (भ्वादि प्रेर०) तनवाना, विस्तार कराना।

ਤਣੀ तणी Tani [3] स्त्री०
तनिका (स्त्री०) तनी, बन्धनी; पाश; रस्सी।

ਤਤਕਾਲ तत्काल् Tatkal [3] क्रि० वि०
तत्काल (क्रि० वि०) उसी समय, तत्क्षण, फौरन।

ਤਤਖਿਣ तत्खिण् Tatkhin [3] क्रि० वि०
द्र०—ਤਤਛਣ।

ਤਤਛਣ तत्छण् Tatchan [3] क्रि० वि०
तत्क्षण (क्रि० वि०) तत्काल, फौरन।

ਤਤਛਿਣ तत्छिण् Tatchin [3] क्रि० वि०
द्र०—ਤਤਛਣ।

ਤਤੀਖਿਆ ततीख्या Tatikhya [3] स्त्री०
तितिक्षा (स्त्री०) तितिक्षा, सहिष्णुता, सहनशीलता।

ਤੱਤ तत् Tatt [3] पुं०
तत्त्व (नपुं०) जगत् का मूल; पञ्चमहाभूत; परब्रह्म; सार; मक्खन; वास्तविकता।

ਤੱਤਵ-ਵੇਤਾ तत्तव्-वेता Tattav-Veta [3] वि०
तत्त्ववेतृ (वि०) तत्त्ववेत्ता, तत्त्व को जानने वाला।

ਤੱਤਾ तत्ता Tatta [3] पुं०
तप्त (वि०) गर्म, उष्ण, ताप-युक्त।

ਤੱਥ तत्थ् Tatth [3] पुं०
तथ्य (नपुं०) यथार्थता; सारांश।

ਤਦ तद् Tad [3] क्रि० वि०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤਦਾਂ तदाँ Tadã [2] क्रि० वि०
द्र०—ਤਦੋਂ।

ਤਦਿਨ तदिन् Tadin [2] क्रि० वि०
तद्दिन (क्रि० वि०) उस दिन।

ਤਦੇ तदे Tade [3] क्रि० वि०
तदैव (अ०) तभी, उसी समय।

ਤਦੋਂ तदों Tadõ [3] क्रि० वि०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤਨ तन् Tan [3] पुं०
तनु (स्त्री०) तन, शरीर।

ਤਪਸ तपस Tapas [3] पुं०
तपस् (नपुं०/पुं०) नपुं०—व्रत; तपस्या; नियम; धर्म। पुं०—सूर्य; चन्द्रमा; पक्षी; माघ मास।

ਤਪੱਸਣ तपस्सण् Tapassaṇ [3] स्त्री०
तपस्विनी (स्त्री०) तापसी, तपस्या करने वाली स्त्री।

ਤਪੱਸਣੀ तपस्सणी Tapassaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਤਪੱਸਣ।

ਤਪੱਸਵੀ तपस्सवी Tapassavī [3] पुं०
तपस्विन् (वि०) तपस्वी, तापस।

ਤਪੱਸੀ तपस्सी Tapassī [1] पुं०
द्र०—ਤਪੱਸਵੀ।

ਤਪਣਾ तप्णा Tapṇā [3] अक० क्रि०
तपते (भ्वादि अक०) तपना, गर्म होना, जलना।

ਤਪਤ तपत् Tapat [3] वि०
तप्त (वि०) तपा हुआ, अति उष्ण।

ਤਪਾਉ तपाउ Tapāu [3] पुं०
ताप (पुं०) ताप, आँच, जलन, तपने का भाव।

ਤਪਾਉਣਾ तपाउणा Tapāuṇā [3] सक० क्रि०
तापयति (भ्वादि प्रेर०) तपाना, जलाना; पिघलाना।

ਤਮਚਰ तम्चर् Tamcar [3] पुं०
तमश्चर (वि०/पु०) वि० अन्धकार मे घूमने वाला। पुं०—चोर; उल्लू; राक्षस।

ਤਮਾਖੂ तमाखू Tamākhū [3] पुं०
ताम्राक्ष (पु०) तमाकू, जर्दा।

ਤਰਸਣ तर्सण् Tarsaṇ [3] पुं०
तर्षण (नपुं०) तृषा, प्यास; इच्छा, अभिलाषा।

ਤਰਕ तरक् Tarak [3] पुं०
तर्क (पुं०) तर्क, युक्ति; विचार।

ਤਰਕਣ तर्कण् Tarkaṇ [3] पुं०
तर्कण (नपुं०) बहस, चर्चा, तर्क करने का भाव।

ਤਰਕਣਾ तर्कना Tarkanā [1] सक० क्रि०
तर्कयति (चुरादि सक०) तर्क करना, चर्चा करना।

ਤਰੱਕਲਾ तर्क्कला Tarkklā [3] पुं०
तर्कु (पुं०) तकला, तकुआ।

ਤਰਖਾਣ तर्खाण् Tarkhāṇ [3] पुं०
तक्षन् (पुं०) बढ़ई, लकड़ी का कारीगर, खाती।

ਤਰਜਨ तर्जन् Tarjan [3] पुं०
तर्जन (नपुं०) ताड़ने की क्रिया, धमकी; क्रोध।

ਤਰਜਨੀ तर्जनी Tarjanī [3] स्त्री०
तर्जनी (स्त्री०) वह अँगुली जिससे तर्जन किया जाय, अँगूठे के पास की अँगुली।

ਤਰਣਾ तरणा Tarna [3] अक० क्रि०
द्र०—ਤਰਨਾ ।

ਤਰਨ तर्न् Tarn [1] पुं०
तरुण (वि०) तरुण, युवक; कोमल ।

ਤਰਨਾ तर्ना Tarna [3] अक० क्रि०
तरति (भ्वादि सक० / अक०) सक०—
तैरना, पार करना । अक०—बहना ।

ਤਰਨੀ तर्नी Tarnī [3] स्त्री०
तरणी (स्त्री०) नौका, किश्ती ।

ਤਰਬੂਜ਼ तर्बूज् Tarbūj [3] पुं०
तरस्बूज (नपुं०) तरबूज, मतीरा ।

ਤਰਵਰ तर्वर् Tarvar [3] पुं०
तरुवर (पुं०) उत्तम वृक्ष फलदार पेड़ ।

ਤਰਵਾਰ तर्वार् Tarvar [1] स्त्री०
तरवारि (पुं०) तलवार, कृपाण, खड्ग ।

ਤਰਾਮਾ तरामा Tarama [1] पुं०
द्र० — ਤਾਂਬਾ ।

ਤਰਿਆਸੀ तर्यासी Taryāsī [1] वि०
द्र०—ਤਿਰਾਸੀ ।

ਤਰਿਆਨਵਾਂ तर्यानवाँ Taryānvā̃ [1] वि०
द्र०— ਤਿਰਾਨਵਾਂ ।

ਤਰਿਆਨਵੇਂ तर्यानवें Taryanvẽ [2] वि०
त्रिनवति (स्त्री०) तिरानवे (93) संख्या
या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਤਰਿਹਾਣਾ तरिहाणा Tarihana [1] पुं०
त्रिहायण (वि०) तीन वर्ष का बच्चा ।

ਤਰਿਣੀ तरिणी Tariṇī [1] स्त्री०
तरणी (स्त्री०) नौका, नाव ।

ਤਰੁੱਟਣਾ तरुट्टणा Truttana [3] अक० क्रि०
त्रुट्यति (दिवादि अक०) टूटना; फटना ।

ਤਰੁੱਟਾ तरुट्टा Tarutta [3] वि०
त्रुटित (वि०) टूटा हुआ; फटा हुआ ।

ਤਰੁਣਾਈ तरुणाई Tarunaī [3] स्त्री०
तारुण्य (नपुं०) तरुणाई, यौवन, जवानी ।

ਤਰੇਹ त्रेह् Treh [3] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा, पानी पीने
की इच्छा ।

ਤਰੇਹਟ त्रेहट् Trehaṭ [3] वि०
त्रयष्षष्टि (स्त्री०) तिरसठ (63) संख्या
या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਤਰੇਰ त्रेर् Trer [1] स्त्री०
द्र०—ਤ੍ਰੇੜ ।

ਤਰੇੜ त्रेड़् Treṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਤ੍ਰੇੜ ।

ਤਰੌਦਸ਼ੀ त्रौदशी Traudaśī [3] स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी, तेरस तिथि
या व्रत ।

ਤਰੰਗ तरङ्ग् Tarang [3] स्त्री०
तरङ्ग (पुं०) तरंग, लहर ।

ਤਲਵਾਰ तलवार Talvar [3] स्त्री॰
तरवारि (पुं॰) तलवार, कृपाण, खड्ग।

ਤਲਾ[1] तला Tala [3] पुं॰
तडाग (पुं॰) तालाब, सर, सरोवर।

ਤਲਾ[2] तला Tala [3] पुं॰
तल (पुं॰, नपुं॰) तला, निचला हिस्सा, अधोभाग।

ਤਲਾਉ तलाउ Talau [3] पुं॰
द्र॰—ਤਲਾ[1]।

ਤਲੀ[1] तली Tali [1] स्त्री॰
तल (नपुं॰, पुं॰) सतह, पेंदी, अधोभाग।

ਤਲੀ[2] तली Tali [3] स्त्री॰
हस्ततल (नपुं॰) हथेली, करतल।

ਤਲੂਣੀ तलूणी Taluṇi [3] स्त्री॰
तैलकुण्ड (नपुं॰) तेल रखने का मिट्टी का पात्र या भाण्ड।

ਤਲੋਲਾ तलोला Talola [1] पुं॰
तिल (पुं॰) तिल, तिल का पौधा या फल; शरीर पर का तिल या मस्सा।

ਤਾ ता Ta [1] पुं॰
ताप (पुं॰) ताप, गर्मी, उष्णता।

ਤਾਂ[1] ताँ Tã [3] क्रि॰ वि॰
तदा (अ॰) तब, उस समय।

ਤਾਂ[2] ताँ Tã [3] अ॰
तथापि (अ॰) तो भी, पुनरपि, फिर भी।

ਤਾਓ ताओ Tao [3] पुं॰
द्र॰—ਤਾ।

ਤਾਉਣਾ ताउणा Tauṇa [3] सक॰ क्रि॰
तापयति (भ्वादि प्रेर॰) तपाना, तप्त करना, गर्म करना।

ਤਾਉਣੀ ताउणी Tauṇi [3] स्त्री॰
ताप (पुं॰) ताप; सेंक, सेंकने का भाव; पसीना।

ਤਾਉੜਾ ताउड़ा Taura [1] पुं॰
तपक (पुं॰) चूल्हे पर चढ़ाने का मृद्भाण्ड या तवा।

ਤਾਉੜੀ ताउड़ी Tauri [1] स्त्री॰
तपकी (स्त्री॰) तवी, छोटा तवा।

ਤਾਇਆ ताइआ Taia [3] वि॰
तापित (वि॰) तपाया हुआ; दुःखी किया हुआ।

ਤਾਖ ताख् Takh [1] वि॰
तीक्ष्ण (वि॰) तीखा, तीव्र।

ਤਾਣ[1] ताण् Tāṇ [3] पुं॰
त्राण (नपुं॰) त्राण, रक्षा।

ਤਾਣ[2] ताण् Tāṇ [3] स्त्री॰
तान (पुं॰) आलाप, संगीत की ध्वनि।

ਤਾਣਨਾ ताण्ना Tāṇna [3] सक॰ क्रि॰
तनोति (तनादि सक॰) तानना, फैलाना, विस्तार करना।

ਤਾਤ[1] तात् Tāt [1] पुं०
तात (पुं०) तात; ताऊ, चाचा।

ਤਾਤ[2] तात् Tāt [1] स्त्री०
तन्तु (पुं०) ताँत, चमड़े की रस्सी।

ਤਾਂਤ तांत् Tāt [3] स्त्री०
तन्तु (पुं०) ताँत; धागा, सूत।

ਤਾਤਪਰਜ तात्परज् Tātparaj [3] पुं०
तात्पर्य (नपुं०) तात्पर्य, आशय।

ਤਾਤਪਰਯ तात्परय् Tātparay [3] पुं०
द्र०—ਤਾਤਪਰਜ

ਤਾਦਾਤਮ तादातम् Tādātam [3] पुं०
तादात्म्य (नपुं०) तादात्म्य, तद्रूपता, एकरूपता; कार्यकारण का संबन्ध; व्यञ्जना शक्ति का संबन्ध-विशेष।

ਤਾਨ तान् Tān [3] स्त्री०
तान (नपुं०) तान, आलाप, संगीत-ध्वनि।

ਤਾਪ ताप् Tāp [3] पुं०
ताप (पुं) ताप, गर्मी; सन्ताप, पीड़ा।

ਤਾਪਣ तापण् Tāpaṇ [1] स्त्री०
तापिनी (स्त्री०) ताप या ज्वर से युक्त स्त्री।

ਤਾਪੀ तापी Tāpī [1] पुं०
तापिन् (वि०) ताप या ज्वर से युक्त।

ਤਾਂਬਾ ताँबा Tābā [3] पुं०
ताम्रक (नपुं०) ताँबा धातु।

ਤਾਮੜਾ तामड़ा Tamṛā [3] वि०
ताम्रिक (वि०) ताँबे का, ताँबा से संबन्धित।

ਤਾਯਾ ताया Tāyā [3] पुं०
तात (पुं०) ताऊ, पिता का बड़ा भाई।

ਤਾਰਨਾ तारना Tārnā [3] सक० क्रि०
तारयति (भ्वादि प्रेर०) पार कराना, उद्धार करना।

ਤਾਰਾ तारा Tārā [3] स्त्री०
तारक (नपुं०) तारा, नक्षत्र।

ਤਾਰੀ तारी Tārī [2] स्त्री०
तारिका (स्त्री०) आँख की पुतली।

ਤਾਲ[1] ताल् Tāl [3] पुं०
ताल (पुं०) ताली, करतल-ध्वनि; हथेली।

ਤਾਲ[2] ताल् Tāl [3] पुं०
तल्ल (पुं०) ताल, तलैया, तालाब।

ਤਾਲਾ ताला Tālā [3] पुं०
ताल (पुं०) सन्दूक आदि में बन्द करने का ताला।

ਤਾਲੀ[1] ताली Tālī [3] स्त्री०
ताली / तालिका (स्त्री०) छोटा ताला; चाबी।

ਤਾਲੀ[2] ताली Tālī [3] स्त्री०
ताल (पुं०) ताली, करतल-ध्वनि।

ਤਾਲੂਆ तालुआ Talua [3] पुं०
तालु (नपुं०) तालु, मुख के अन्दर जीभ से ऊपर का भाग।

ਤਾੜ ताड़् Taṛ [3] पुं०
ताड/ताल (पुं०) ताड़ का वृक्ष।

ਤਾੜਨਾ ताड़्ना Taṛna [3] सक० क्रि०
ताडयति (चुरादि सक०) ताड़ना, मारना।

ਤਾੜੀ ताड़ी Taṛi [3] स्त्री०
द्र०—ਤਾਲੀ[2]।

ਤਾਲ਼ੂ ताळू Taḷu [3] पुं०
तालु (नपुं०) तालु, मुख के अन्दर जीभ से ऊपर का भाग।

ਤਾਲ਼ੂਆ ताळुआ Taḷua [3] पुं०
द्र०—ਤਾਲੂ।

ਤਿਉਹਾਰ त्युहार् Tyuhar [3] पुं०
तिथिवार (नपुं०) त्यौहार, पर्व-दिन।

ਤਿਊਣਾ त्योणा Tyoṇa [1] पुं०
त्रिगुण (वि०) तिगुना, त्रिगुणित।

ਤਿਉਰ त्युर् Tyur [3] पुं०
त्रिवल (नपुं०) तेवर, भृकुटी, भौंह।

ਤਿਉੜੀ त्योड़ी Tyoṛi [3] स्त्री०
भृकुटि > त्रिकुटी (स्त्री०) तेवर, भ्रूभंग, भौंहों की कुटिलता।

ਤਿਊਣਾ तिऊणा Tiuṇa [1] वि०
द्र०—ਤਿਉਣਾ।

ਤਿਊੜੀ तिउड़ी Tiuṛi [1] स्त्री०
द्र०—ਤਿਉੜੀ।

ਤਿਓੜੀ त्योडी Tyoṛi [3] स्त्री०
द्र०—ਤਿਉੜੀ।

ਤਿਅਕਤ त्यक्त् Tyakat [3] वि०
त्यक्त (वि०) त्यागा हुआ, छोड़ा हुआ।

ਤਿਆਸ त्यास् Tyas [1] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤਿਆਹ त्याह् Tyah [2] स्त्री०
द्र०—ਤਿਆਸ।

ਤਿਆਗ त्याग् Tyag [3] पुं०
त्याग (पुं०) छोड़ने या पृथक् होने का भाव; भेंट या दान।

ਤਿਆਗਣਾ त्याग्णा Tyagṇa [3] सक० क्रि०
त्यजति (भ्वादि सक०) त्यागना, छोड़ना; देना, दान करना।

ਤਿਆਗੀ त्यागी Tyagi [3] वि०
त्यागिन् (वि०) त्यागी, त्यागने वाला; दानी।

ਤਿਸ तिस् Tis [1] स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿਸਨਾ तिस्ना Tisna [3] वि०
तृष्णा (स्त्री) तृष्णा, चाह, लोभ।

ਤਿਹੱਤਰ तिहत्तर् Tihattar [2] वि०
त्रिसप्तति (स्त्री०) तिहत्तर (73) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਹੱਤਰਵਾ तिहत्तरवाँ Tihattarvā [3] पुं०
त्रिसप्ततितम (वि०) तिहत्तरवाँ, 73वाँ।

ਤਿਹਰ तिहर् Tihar [3] पुं०
त्रिहल्य (नपुं० / वि०) नपुं०—तीन बार जमीन जोतने की क्रिया। वि०—तीन बार जोती गयी भूमि।

ਤਿਹਾ[1] तिहा Tiha [2] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿਹਾ[2] तिहा Tiha [2] वि०
तादृश (वि०) वैसा, उस प्रकार का।

ਤਿਹਾਇਆ तिहाया Tihaya [3] वि०
तृषार्त्त (वि०) प्यासा, पिपासु।

ਤਿਹਾਈ तिहाई Tihaī [3] वि०
तृतीयभाग (पुं०) तिहाई, तीसरा भाग।

ਤਿਕਾਲ तिकाल् Tikāl [3] स्त्री०
त्रिकाल (पुं०) तीनों काल, प्रात: मध्याह्न और सायंकाल।

ਤਿਕੂਣਾ तिकूणा Tikūṇa [3] वि०
द्र०—ਤਿਕੋਣਾ।

ਤਿਕੋਣਾ तिकोणा Tikoṇā [3] पुं०
त्रिकोण (वि०) त्रिकोण, तिकोना, तीन कोणों वाला।

ਤਿੱਕ तिक्क् Tikk [3] पुं०
त्रिक (नपुं०) कटि देश, रीढ़ का अधो-भाग जहाँ कूल्हे की हड्डियाँ मिलती हैं।

ਤਿੱਕਲ तिक्कल् Tikkal [3] पुं०
द्र०—ਤਿੱਕ।

ਤਿਖ तिख् Tikh [1] स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿੱਖਣਾ तिक्खणा Tikkhṇa [1] पुं०
तीक्ष्ण (वि०) तीखा; चुभने वाली बात आदि।

ਤਿੱਖੜ तिक्खड़ Tikkhaṛ [3] वि०
द्र०—ਤਿੱਖਣਾ।

ਤਿੱਖਾ तिक्खा Tikkhā [3] पुं०
तीक्ष्ण (वि०) तीखा, तेज, नुकीला।

ਤਿੱਗੁਣਾ तिग्गुणा Tigguṇā [3] वि०
त्रिगुण (वि०) तिगुना, तीन-गुना।

ਤਿਣ तिण् Tiṇ [1] पुं०
द्र०—ਤ੍ਰਿਣ।

ਤਿਤਾਲੀ तिताली Titalī [3] वि०
त्रयश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) तैंतालीस (43) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਤਾਲੀਵਾਂ तितालीवाँ Titalīvā [3] पुं०
त्रिचत्वारिंशत्तम (वि०) तैंतालीसवाँ, 43वाँ।

ਤਿੱਤਰ तित्तर् Tittar [3] पुं०
तित्तिर (पुं०) तीतर पक्षी।

ਤਿੱਤਰੀ तित्त्री Tittrī [3] स्त्री०
तित्तिरी (स्त्री०) तीतर पक्षी (मादा)।

ਤਿਥੀ तिथी Tithī [3] स्त्री॰
तिथि (स्त्री॰) तिथि, चन्द्रकलाओं के भाग से होने वाली प्रतिपदा आदि तिथियाँ, चान्द्र दिनमान।

ਤਿਦਣ तिदण् Tidaṇ [3] क्रि॰ वि॰
तद्दिन (क्रि॰ वि॰) उस दिन।

ਤਿਦਰਾ तिद्रा Tidra [3] वि॰
त्रिद्वार (वि॰) तीन द्वारों या दरवाजों वाला।

ਤਿੰਦੂ तिन्दू Tindū [1] पुं॰
द्र॰—ਤੇਂਦੂ।

ਤਿਨ तिन् Tin [3] पुं॰
तृण (नपुं॰) तिनका, घास-फूस।

ਤਿੱਨ तिन्न् Tinn [3] वि॰
त्रि (वि॰) तीन संख्या वाला।

ਤਿਪਤ[1] तिपत् Tipat [2] वि॰
तृप्त (वि॰) तृप्त, संतुष्ट।

ਤਿਪਤ[2] तिपत् Tipat [3] स्त्री॰
तृप्ति (स्त्री॰) तृप्ति, संतुष्टि।

ਤਿਪੱਤੀ तिपत्ती Tipattī [3] स्त्री॰
त्रिपत्रिन् (वि॰) तीन पत्तों वाली घास आदि।

ਤਿਪੱਤੀਆ तिपत्तिआ Tipattia [3] वि॰
द्र॰—ਤਿਪੱਤੀ।

ਤਿਪਾਈ तिपाई Tipāī [3] स्त्री॰
त्रिपादी (स्त्री॰) तिपाई, तीन पैरों से युक्त काष्ठ की चौकी आदि।

ਤਿਮਰ तिमर् Timar [3] पुं॰
तिमिर (पुं॰, नपुं॰) अन्धकार, अन्धेरा।

ਤਿਰਸਕਾਰ तिरस्कार् Tiraskār [3] पुं॰
तिरस्कार (पुं॰) अनादर, अपमान।

ਤਿਰਹਾਇਆ तिर्हाया Tirhaya [3] वि॰
तृषार्त्त (वि॰) प्यासा, पिपासु।

ਤਿਰਕਾਲਾਂ तिर्कालाँ Tirkalā̃ [3] स्त्री॰
तृतीयकाल (पुं॰) तीसरा काल, सायं काल।

ਤਿਰਛਾ तिर्छा Tircha [3] पुं॰
तिरश्च (अ॰) तिरछा, टेढ़ा-मेढ़ा।

ਤਿਰਤਾਲੀ तिर्ताली Tirtālī [3] वि॰
त्रयश्चत्वारिंशत् (स्त्री॰) तैंतालीस (43) संख्या या इससे परिच्छिन्न।

ਤਿਰਵੈਣੀ तिर्वैणी Tirvaiṇī [3] स्त्री॰
त्रिवेणी (स्त्री॰) त्रिवेणी, गंगा यमुना और सरस्वती नदियों का संगम-स्थल।

ਤਿਰਵੰਜਾ तिर्वंजा Tirvañja [3] वि॰
त्रिपञ्चाशत् (स्त्री॰) तिरपन (53) संख्या या इससे परिच्छिन्न।

ਤਿਰਾਸੀ तिरासी Tirasī [3] वि॰
त्र्यशीति (स्त्री॰) तिरासी (83) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਰਾਨਵਾ तिरान्वाँ Tiranva [3] **वि०**
त्रिनवतितम (वि०) तिरान्वेवाँ, 93वाँ।

ਤਿਰਾਨਵੇਂ तिरान्वें Tiranvẽ [3] **वि०**
त्रिनवति (स्त्री०) तिरानवे (93) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਰਿਆ तिर्या Tirya [2] **स्त्री०**
स्त्री (स्त्री०) नारी, महिला।

ਤਿਲ तिल् Til [3] **पुं०**
तिल (पुं०) तिल, अन्न; शरीर पर का तिल या मस्सा।

ਤਿਵੰਜਾ तिवंजा Tivañja [1] **वि०**
द्र०—ਤਿਰਵੰਜਾ।

ਤੀਆ[1] तीआ Tia [2] **वि०**
त्रिक (नपुं०) तीन का समूह, तीन।

ਤੀਆ[2] तीआ Tia [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तीसरा, तृतीय।

ਤੀਆਂ तीआँ Tiã [3] **स्त्री०**
तृतीया (स्त्री०) तीज तिथि; श्रावण शुक्ल तृतीया का पर्व।

ਤੀਸਰਾ तीस्रा Tisra [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तृतीय, तीसरा।

ਤੀਸੀ तीसी Tisi [1] **स्त्री०**
अतसी (स्त्री०) अलसी धान्य जिससे तेल निकलता है।

ਤੀਹ तीह् Tih [3] **वि०**
त्रिंशत् (स्त्री०) तीस (30) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੀਹਰ तीहर् Tihar [1] **स्त्री०**
द्र०—ਤਿਹਰ।

ਤੀਹਰਾ तीह्रा Tihra [3] **वि०**
त्रिहल्य (वि०) तिहरा, तीन तहों में मुड़ा हुआ वस्त्र आदि।

ਤੀਹਵਾਂ तीह्वां Tihvã [3] **पुं०**
त्रिंशत्तम (वि०) तीसवाँ, 30वाँ।

ਤੀਖਣਤਾ तीखण्ता Tikhanta [3] **स्त्री०**
तीक्ष्णता (स्त्री०) तीखापन।

ਤੀਛਣਤਾ तीछण्ता Tichanta [1] **स्त्री०**
द्र०—ਤਿਖਣਤਾ।

ਤੀਜ तीज् Tij [3] **स्त्री०**
तृतीया (स्त्री०) तृतीया तिथि, तीज।

ਤੀਜਾ तीजा Tija [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तीसरा।

ਤੀਣਾ तीणा Tiṇa [3] **वि०**
त्रिगुण (वि०) तीन गुना, तिगुना।

ਤੀਬਰ तीबर् Tibar [3] **वि०/पुं०**
तीव्र (वि०/पुं०) वि०—अत्यन्त, बहुत; तीखा, तेज। पुं०—संगीत में आरोही स्वर; शिव; नदी का किनारा।

ਤੀਰ तीर् Tir [3] **पुं०**
तीर (नपुं०) तीर, बाण।

ਤੀਰਥ तीरथ् Tirath [3] पुं०
तीर्थ (पुं०, नपुं०) तीर्थ, धार्मिक या पवित्र स्थान।

ਤੀਰਥੀ तीर्थी Tirthi [3] पुं०
तीर्थिक (पुं०) तीर्थयात्री, धार्मिक या पवित्र स्थानों की यात्रा करने वाला।

ਤੀਰਥੀਆ तीर्थीआ Tirthia [3] पुं०
द्र०—ਤੀਰਥੀ।

ਤੁਸ तुस् Tus [3] पुं०
तुष (पुं०) तुष, अन्न के ऊपर का छिलका, भूसी।

ਤੁਸਾਂ तुसाँ Tusā̃ [3] सर्व०
युष्मद् (सर्व०) तू, तुम, मध्यम पुरुष।

ਤੁਸੀਂ तुसीं Tusī̃ [3] सर्व०
द्र०—ਤੁਸਾਂ।

ਤੁਹਾਡਾ तुहाडा Tuhada [3] सर्व०
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तुम्हारा, तुम्हारी।

ਤੁਖਾਰ तुखार् Tukhār [3] पुं०
तुषार (पुं०) अथर्ववेद के अनुसार हिमालय के उत्तर-पश्चिम का देश।

ਤੁੱਖਣਾ तुक्खणा Tukkhna [3] स्त्री०
धुक्षण (नपुं०) भड़काहट, उत्तेजन।

ਤੁਗ तुग् Tug [1] पुं०
त्वच् (स्त्री०) छिलका, त्वचा।

ਤੁੰਗ तुंग् Tung [1] पुं०
तुङ्ग (पुं०) चोटी, शिखर।

ਤੁਚਾ तुचा Tuca [3] स्त्री०
त्वचा (स्त्री०) छिलका; खाल; चमड़ी।

ਤੁੱਛ तुच्छ् Tucch [3] वि०
तुच्छ (वि०) हेय, व्यर्थ, बेकार।

ਤੁਟਣਾ तुट्णा Tuṭṇa [1] अक० क्रि०
त्रुट्यति (दिवादि अक०) टूटना, फूटना; अलग होना।

ਤੁਠਣਾ तुट्ठणा Tuṭṭhaṇa [3] अक० क्रि०
तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना।

ਤੁੱਠਾ तुट्ठा Tuṭṭha [3] वि०
तुष्ट (वि०) संतुष्ट, प्रसन्न।

ਤੁਣਕਾ तुण्का Tuṇka [3] पुं०
टङ्कार (पुं०) टंकार, जोर की ध्वनि।

ਤੁੰਨ तुन्न् Tunn [3] स्त्री०
द्र०—ਤੂੰਨੀ।

ਤੁੰਬ तुम्ब् Tumb [1] पुं०
तुम्ब (पुं०) तूंबा, लौकी।

ਤੁੰਬੀ तुम्बी Tumbi [1] स्त्री०
द्र०—ਤੂੰਬੀ।

ਤੁਰ तुर् Tur [1] स्त्री०
तुरी (स्त्री०) करघे का तार या तुर, औजार विशेष जिससे बाने का सूत भरा जाता है।

ਤੁਰਤ तुर्त् Turt [3] क्रि० वि०
त्वरित (नपुं०) तुरत, तुरन्त ।

ਤੁਰੀ तुरी Turi [3] स्त्री०
तूर (पुं०) तुरही, वाद्य-यन्त्र, एक बाजा ।

ਤੁਰੀਆ तुरिआ Turia [3] स्त्री०
तुर्या (स्त्री०) चौथी अवस्था, सुषुप्ति ।

ਤੁਰੰਗਣੀ[1] तुरंग्णी Turangṇi [2] स्त्री०
चतुरङ्गिणी (स्त्री०) चार अंगों (गज, अश्व, रथ तथा पैदल) मे सुसज्जित सेना, अक्षौहिणी सेना ।

ਤੁਰੰਗਣੀ[2] तुरंग्णी Turangṇi [3] स्त्री०
तुरङ्गी (स्त्री०) घोड़ी, अश्वी ।

ਤੁਰੰਤ तुरन्त् Turant [3] क्रि० वि०
त्वरित (क्रि० वि०) तुरन्त, शीघ्र ।

ਤੁਰੰਤਾ तुरन्ता Turanta [3] स्त्री०
तूर्णता (स्त्री०) शीघ्रता, जल्दीबाजी ।

ਤੁਲਸੀ तुल्सी Tulsi [3] स्त्री०
तुलसी (स्त्री०) तुलसी का पौधा ।

ਤੁਲਣਾ तुल्णा Tulṇa [3] सक० क्रि०
तोलति (भ्वादि सक०) तौलना, माप करना, वजन करना ।

ਤੁਲਾ तुला Tula [2] स्त्री०
तुला (स्त्री०) तराजू; वजन, भार ।

ਤੁਲਾਉਣਾ तुलाउणा Tulauṇa [3] सक० क्रि०
तोलयति (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) तुलाना, माप कराना, वजन कराना ।

ਤੁੱਲ तुल्ल् Tull [3] वि०
तुल्य (वि०) समान, सदृश, जैसा ।

ਤੁੱਲਤਾ तुल्लता Tullata [3] स्त्री०
तुल्यता (स्त्री०) तुल्यता, समानता ।

ਤੂੰ तूँ Tū [3] सर्व०
त्वम् (सर्व० प्रथमान्त) तू, तुम ।

ਤੂਤ तूत् Tūt [3] पुं०
तूल (पुं०/नपुं०) पुं०—शहतूत का वृक्ष । नपुं०—शहतूत का फल ।

ਤੂੰਬੜਾ तूँब्ड़ा Tūmbṛa [3] पुं०
द्र०—तूंबी ।

ਤੂੰਬੜੀ तूम्ब्ड़ी Tūmbṛi [3] स्त्री०
द्र०—तूंबी ।

ਤੂੰਬੀ तूंबी Tūmbi [3] स्त्री०
तुम्बिका (स्त्री०) तुम्बी, लौका का एक पात्र ।

ਤੂਲ तूल् Tūl [1] स्त्री०
तूल (पुं, नपुं०) गद्दे आदि की रूई ।

ਤੂਲਕਾ तूल्का Tūlka [3] स्त्री०
तूलिका (स्त्री०) तूलिका, चित्रकार की कूँची ।

ਤੂੜੀ तूड़ी Tūṛi [3] स्त्री०
तुण्ड (नपु०) तूँड़, जौ आदि अन्न का नुकीला अग्रभाग ।

ਤਈ तेई Te [3] **वि०**
त्रयोविंशति (स्त्री०) तेईस (23) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਈਵਾਂ तेईवाँ Teivā̃ [3] **पुं०**
त्रयोविंशतितम (वि०) तेईसवाँ, 23वाँ।

ਤੇਹ[1] तेह् Teh [3] **स्त्री०**
तृष्/तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤੇਹ[2] तेह् Teh [1] **वि०**
त्रि (वि०) तीन (3) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਹਾ तेहा Tehā [3] **पुं०**
तादृश (त्रि०) वैसा, उस प्रकार का।

ਤੇਤਰੀ तेत्री Tetrī [1] **वि०**
त्रयस्त्रिंशत् (स्त्री०) तैंतीस (33) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਤੀ तेती Tetī [3] **वि०**
द्र०—ਤੇਤਰੀ।

ਤੇਤੀਵਾਂ तेतीवाँ Tetīvā̃ [3] **पुं०**
त्रयस्त्रिंशत्तम (वि०) तैंतीसवाँ, 33वाँ।

ਤੇਂਦੂ तेन्दू Tendū [1] **पुं०**
तिन्दुक (पुं०) तेंदू का पेड़।

ਤੇਰਸ तेरस् Teras [3] **स्त्री०**
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी तिथि या व्रत।

ਤੇਰਾ तेरा Terā [3] **सर्व०**
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तेरा, तुम्हारा, तुम्हारी।

ਤੇਰਾਂ तेराँ Terā̃ [3] **वि०**
त्रयोदशन् (वि०) तेरह (13) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਰ੍ਹਵਾਂ तेर्ह्वाँ Terhvā̃ [3] **पुं०**
त्रयोदश (वि०) तेरहवाँ, 13वाँ।

ਤੇਰ੍ਹਵੀਂ तेर्ह्वीं Terhvī̃ [3] **स्त्री०**
त्रयोदशी (स्त्री०) तेरहवीं, 13वीं।

ਤੇਲ तेल् Tel [3] **पुं०**
तैल (नपुं०) तेल, स्नेह।

ਤੇਲਕ तेलक् Telak [1] **पुं०**
तैलिक (पुं०) तेली, तेल का व्यापारी।

ਤੇਲਣ तेलण् Telaṇ [3] **स्त्री०**
तैलिकी (स्त्री०) तेलिन, तेल बेचने वाली।

ਤੇਲੀ तेली Telī [3] **पुं०**
तैलिक (पुं०) तेली, तेल विक्रेता।

ਤੇਲੀਆ तेलिआ Teliā [3] **वि०**
तैलीय (वि०) तेल से संबन्धित, तेल-युक्त।

ਤੇੜ तेड़् Teṛ [3] **स्त्री०**
त्रुटि (पुं०) फटाव, फटन, दरार।

ਤੈਹਕਣਾ तैह्कणा Taihkaṇā [3] **अक० क्रि०**
त्रसति/त्रस्यति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਤੈਤਰੀਜ तैत्रीय् Taitrīy [3] **वि०**
तैत्तिरीय (वि०) कृष्ण यजुर्वेद की एक शाखा या उसके अध्येता और ज्ञाता।

ਤੈਰਨਾ तैरना Tairna [3] सक० क्रि०
तरति (भ्वादि सक०) तैरना, पार करना।

ਤੋਹ तोह् Toh [3] पुं०
तुष (पुं०) भूसी, छिलका।

ਤੋਖਣਾ तोख्णा Tokhṇa [2] सक० क्रि०
तोषयति (दिवादि प्रेर०) संतुष्ट करना; तृप्त करना।

ਤੋਖਤ तोखत् Tokhat [1] वि०
तुष्ट (वि०) संतुष्ट, प्रसन्न।

ਤੋਂਦ तोंद् Tōd [1] पुं०
तुन्द (नपुं०) तोंद, पेट, उदर।

ਤੋਰੀ तोरी Torī [3] पुं०
तोरी (स्त्री०) तोरी, एक सब्जी।

ਤੋਲ तोल् Tol [3] पुं०
तोल (पुं०) तौल, माप, वजन।

ਤੋਲਣਾ तोल्णा Tolṇa [3] सक० क्रि०
तोलयति (चुरादि सक०) तौलना, माप करना, वजन करना।

ਤੋਲਣੀ तोल्णी Tolṇī [3] स्त्री०
तोलन (नपुं०) तौलने का काम या भाव।

ਤੋਲਾ[1] तोला Tola [3] पुं०
तोल (पुं०) तोला, 12 मासे का एक भाग।

ਤੋਲਾ[2] तोला Tola [3] पुं०
तोलक (वि०) तोलने वाला, वजन करने वाला।

ਤੋਲੀ तोली Tolī [3] पुं०
तौलिन् (वि०) तोलने वाला, माप करने वाला।

ਤੋੜਣਾ तोड़्णा Toṛṇa [3] सक० क्रि०
त्रोटयति (दिवादि प्रेर०) तोड़ना, अलग करना।

ਤੌਣੀ तौणी Tauṇī [3] स्त्री०
ताप (पुं०) गर्मी; पसीना।

ਤੌੜਾ तौड़ा Tauṛa [3] पुं०
तपक (पुं०) मटका, घड़ा।

ਤੌੜੀ[1] तौड़ी Tauṛī [3] स्त्री०
तपकी (स्त्री०) मटकी, हाँडी, कलशी।

ਤੌੜੀ[2] तौड़ी Tauṛī [1] स्त्री०
तालो (स्त्री०) ताल, करतल-ध्वनि।

ਤੰਦ तन्द् Tand [3] स्त्री०
तन्तु (पुं०) धागा, सूत्र।

ਤੰਦਲ तन्दल् Tandal [1] पुं०
तण्डुल (पुं०) चावल, तुष रहित धान।

ਤੰਦੜਾ तंद्ड़ा Tandṛa [2] पुं०
तन्तु (पुं०) तार; सूत, डोरा।

ਤੰਬੂਰਾ तम्बूरा Tambūra [3] पुं०
तुम्बुरुवीणा (स्त्री०) तानपूरा, तुम्बुरु गन्धर्व से निर्मित वीणा।

ਤੰਬੋਲ तम्बोल् Tambol [3] पुं०
ताम्बूल (नपुं०) पान, पान का पत्ता।

ਤੰਬੋਲਣ तम्बोलण् Tambolaṇ [3] स्त्री०
ताम्बूलिका (स्त्री०) तमोली की स्त्री, पान बेचने वाली।

ਤੰਬੋਲੀ तम्बोली Tamboli [3] पुं०
ताम्बूलिक (पुं०) तमोली, पान-विक्रेता।

ਤੰਮੋਲ तम्मोल् Tammol [1] पुं०
द्र०—ਤੰਬੋਲ।

ਤ੍ਰਸਤ त्रस्त् Trast [3] वि०
त्रस्त (वि०) भयभीत, डरा हुआ।

ਤ੍ਰਹਿਣਾ त्रैह्णा Traihṇa [3] अक० क्रि०
त्रसति/त्रस्यति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਤ੍ਰਾਸ त्रास् Tras [3] पुं०
त्रास (पुं०) भय; संकट।

ਤ੍ਰਾਹਣਾ त्राह्णा Trahṇa [3] सक० क्रि०
त्रासयति (दिवादि प्रेर०) त्रास देना, डराना।

ਤ੍ਰਾਹ-ਤ੍ਰਾਹ त्राह्-त्राह् Trah-Trah [3] सक० क्रि०
त्रायस्व-त्रायस्व (दिवादि सक० लोट्) त्राहि-त्राहि, बचाओ-बचाओ।

ਤ੍ਰਾਮਾ त्रामा Trama [1] पुं०
द्र०—ਤਾਂਬਾ।

ਤ੍ਰਿਆ त्रिआ Tria [3] स्त्री०
स्त्री (स्त्री०) स्त्री, नारी, औरत।

ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾ त्रिश्ना Triśna [3] स्त्री०
तृष्णा (स्त्री०) चाह, लालच; प्यास।

ਤ੍ਰਿਖਾ त्रिखा Trikha [3] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤ੍ਰਿਣ त्रिण् Tirṇ [3] पुं०
तृण (नपुं०) तिनका, खरपात, घास।

ਤ੍ਰਿਦੋਖ त्रिदोख् Tridokh [3] पुं०
त्रिदोष (पुं०) त्रिदोष, वात-पित्त और कफ की विषमता।

ਤ੍ਰਿਨੁੱਕਰਾ त्रिनुक्करा Trinukkara [3] वि०
त्रिकोण (वि०) त्रिकोण, तिकोना, तीन कोणों वाला।

ਤ੍ਰਿਪਤਣਾ त्रिपत्णा Tripatṇa [2] अक० क्रि०
तृप्यति (दिवादि अक०) तृप्त होना, संतुष्ट होना।

ਤ੍ਰਿਪਤਾਸਣਾ त्रिप्तास्णा Triptasṇa [2] अक० क्रि०
द्र०—ਤ੍ਰਿਪਤਣਾ।

ਤ੍ਰਿਪਤਾਣਾ त्रिप्ताणा Triptaṇa [3] सक० क्रि०
तर्पयति (दिवादि प्रेर०) तृप्त करना, संतुष्ट करना।

ਤ੍ਰਿਵੰਜਾ त्रिवंजा Trivañja [2] वि०
त्रिपञ्चाशत् (स्त्री०) तिरपन (53) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤ੍ਰੁੱਠਣਾ त्रुट्ठ्णा Trutthṇa [3] अक० क्रि०

तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना।

ਤ੍ਰੁੱਠਾ त्रुट्ठा Truttha [3] स्त्री०
द्र०—ਤ੍ਰੁੱਠਾ।

ਤ੍ਰੇੜ त्रेड़् Tret [3] स्त्री०
त्रुटि (पुं०) फटाव, दरार।

ਤ੍ਰੈ त्रै Trai [3] वि०
त्रय. (सर्व० प्रथमान्त) तीन (3) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਤ੍ਰੋੜਨਾ त्रोड़ना Trorna [3] सक० क्रि०
त्रोटयति (दिवादि प्रेर०) तोड़ना, अलग करना।

ਤ੍ਰੌਦਸੀ त्रौदसी Traudsi [1] स्त्री०
द्र०—ਤ੍ਰਉਦਸੀ।

ਥ

ਥਓਂ थओं Thaõ [1] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, ठाँव, जगह।

ਥਹਿ थहि Thahi [1] पुं०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥਹੁ थहु Thahu [1] पुं०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥਕਣਾ थक्णा Thakna [3] अक० क्रि०
स्थगति (भ्वादि अक०) थकना, ठहरना, रुकना।

ਥਕਾ थका Thaka [3] पुं०
स्थगन (नपुं०) थकान, थकावट; रुकावट।

ਥਕਾਣ थकाण् Thakan [3] स्त्री०
द्र०—ਥਕਾ।

ਥਕਿਆ थक्या Thakya [3] पुं०
स्थगित (वि०) थकित, थका हुआ; रुका हुआ।

ਥਕੀਲਾ थकीला Thakila [1] वि०
द्र०—ਥਕਿਆ।

ਥੱਕਣਾ थक्कणा Thakkna [3] अक० क्रि०
स्थगति (भ्वादि अक०) थकना; रुकना।

ਥਣ थण् Than [3] पुं०
स्तन (पुं०) थन, स्तन; कुच।

ਥਨੇਸਰ थनेसर् Thanesar [3] पुं०
स्थाण्वीश्वर (पुं०) कुरुक्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थान।

ਥੱਪਣਾ थप्पणा Thappana [3] सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) थापना, स्थापित करना, प्रतिष्ठित करना; रखना।

ਥੱਬਾ थब्बा Thabba [3] पुं०
स्तबक (पुं०, नपुं०) गुलदस्ता, फूल आदि का गुच्छा।

ਥਰੀ थरी Tharī [1] स्त्री०
त्सरु (पुं०) तलवार या अन्य हथियार की मूंठ।

ਥਲ थल् Thal [3] पुं०
स्थल (नपुं०) स्थल, स्थान, शुष्क भूमि।

ਥੱਲੜਾ थल्लड़ा Thallṛa [3] वि०
तलीय (वि०) तल भाग का, नीचे का, सतही।

ਥੱਲਾ थल्ला Thalla [3] पुं०
तल (पुं०) तल, सतह, अधोभाग।

ਥੜ੍ਹਾ थड़ा Thaṛā [3] पुं०
स्थण्डिल (नपुं०) चबूतरा, चौरस की हुई भूमि।

ਥਾਂ थां Thā̃ [3] स्त्री०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह।

ਥਾਉਂ थाउँ Thāũ [2] स्त्री०
द्र०—थां।

ਥਾਹ थाह् Thāh [3] स्त्री०
स्थाघ (पुं०) थाह, निचली सतह, गहराई।

ਥਾਣਾ थाणा Thāṇa [3] पुं०
स्थानक (नपुं०) थाना, पुलिस स्टेशन।

ਥਾਨ थान् Thān [1] स्त्री०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह; धर्मस्थान; अस्तबल।

ਥਾਪਣਾ थापणा Thāpṇa [3] सक० क्रि०
स्थाप्यते (भ्वादि प्रेर० कर्म०) स्थापित किया जाना; गोबर के उपले आदि बनाते समय थप-थप करना; थपथपाना।

ਥਾਮ੍ਹਾ थामा Thāma [1] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्बा, थूना।

ਥਾਲ थाल् Thāl [3] पुं०
स्थाली (स्त्री०) थाल-पात्र, भोजन करने का पात्र।

ਥਾਲੀ थाली Thālī [3] स्त्री०
स्थाली (स्त्री०) थाली, भोजन करने का पात्र।

ਥਾਵਰ थावर् Thāvar [1] पुं०
स्थावर (पुं०) पहाड़, पर्वत; जड़ वस्तु।

ਥਾਵੇਂ थावें Thāvẽ [3] क्रि० वि०
स्थाने (क्रि० वि०) स्थान पर।

ਥਿਤ थित् Thit [1] स्त्री०
तिथि (स्त्री०) तिथि, चन्द्रकलाओं के अनुसार होने वाली प्रतिपदा आदि तिथियाँ।

ਥਿੰਦਾ थिन्दा Thinda [1] वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, तैलीय, स्नेहिल।

ਥਿਰ थिर् Thir [3] वि०
स्थिर (वि०) स्थिर, दृढ़, अचल।

ਥਿਰਤਾ थिर्ता Thirta [3] स्त्री०
स्थिरता (स्त्री०) स्थिर होने का भाव, ठहराव।

ਥੀਂ थीं Thī̃ [1] वि०
स्थित (वि०) स्थित, अचल, कायम।

ਥੁੱਕ थुक्क् Thukk [3] पुं०
थूत्क (नपुं०) थूक, खँखार।

ਥੁੱਕਣਾ थुक्कणा Thukkṇa [3] पुं०
थूत्करण (नपुं०) थूकने या थूत्कारने का भाव।

ਥੁਥਨੀ थुथ्नी Thuthni [3] स्त्री०
तुण्ड (पुं०, नपुं०) सूअर घोड़ा आदि पशुओं का आगे का निकला हुआ मुख।

ਥੂਹਣੀ थूह्णी Thūhṇi [1] स्त्री०
स्थूणा (स्त्री०) थूनी, खम्भा।

ਥੂਹਾ थूहा Thūha [1] पुं०
स्थूणा (स्त्री०) थूना, खम्भा; सहारा।

ਥੂਣੀ थूणी Thūṇī [2] स्त्री०
स्थूणा (स्त्री०) थूनी, खंभा।

ਥੂਥਣਾ थूथ्णा Thuthṇa [1] पुं०
द्र०—ਥੂਥਣੀ।

ਥੂਥਣੀ थूथ्णी Thūthṇi [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) सूअर आदि पशुओं का आगे का निकला हुआ मुख भाग।

ਥੂਲ थूल् Thūl [1] वि०
स्थूल (वि०) स्थूल, मोटा।

ਥੇਲੀ थेली Theli [1] स्त्री०
हस्ततल (नपुं०) हथेली, करतल।

ਥੈਲਾ थैला Thaila [3] पुं०
स्थवि (पुं०) थैला, झोला।

ਥੈਲੀ थैली Thaili [3] स्त्री०
स्थवि (पुं०, स्त्री०) थैली, झोली।

ਥੋਹਲੂ थोह्लू Thohlū [2] पुं०
स्थौल (पुं०) स्थूलता, मोटापा।

ਥੋਕ थोक् Thok [3] पुं०
स्तबक (पुं०, नपुं०) इकट्ठा सामान, पूरी राशि।

ਥੋਯਾ थोया Thoyā [1] वि०
स्थापित (वि०) स्थापित, रखा गया।

ਥੋੜ थोड़् Thoṛ [3] स्त्री०
स्तोक (नपुं०) थोड़ा, कमी, अल्पता।

ਥੋੜਾ थोड़ा Thoṛa [3] वि०
स्तोक (वि०) थोड़ा, कम, अल्प।

ਥੌਂ थौं Thaũ [1] स्त्री०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥੰਦਾ थन्दा Thandā [1] वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेहिल, तैलीय।

ਥੰਭ थम्भ् Thambh [2] पुं०
द्र०—ਥੰਮ੍ਹ।

ਥੰਭਣਾ थम्भ्णा Thambhṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਥੰਮ੍ਹਣਾ।

थम थम्म् Thamm [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा, स्तम्भ ।

थंम्हण थम्म्हण् Thammhan [1] स्त्री०
स्तम्भन (नपुं०) रुकने या ठहरने का भाव ।

थंम्हणा थम्म्हणा Thammhna [3] सक० क्रि०
स्तम्भयति (भ्वादि प्रेर०) थामना; ठहराना, रोकना ।

थमला थम्म्हला Thammhala [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्बा, थूना ।

थम्हाउणा थम्हाओणा Thamhaona [3] सक० क्रि०
स्तम्भयति (भ्वादि प्रेर०) थम्हाना, सहारा देना, पकड़ाना ।

द

दइआ दइआ Daia [3] स्त्री०
दया (स्त्री०) दया, कृपा ।

दस दस् Das [3] वि०
दशन् (त्रि०) दस (10) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

दसहिरा दसैह्रा Dasaihra [3] पुं०
दशहरा (स्त्री०) दसहरा, शारद या गंगा दशहरा ।

दसम दसम् Dasam [3] वि०
द्र०— दसवां ।

दसवां दस्वाँ Dasvā [3] पुं०
दशम (वि०) दसवाँ, 10वाँ ।

दसवीं दस्वी Dasvī [3] स्त्री०
दशमी (स्त्री०) दसवीं; दशमी तिथि ।

दसाउणा दसाउणा Dasauṇa [1] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखाना, दर्शन करना ।

दसासूल दसासूल् Dasasūl [1] पुं०
दिशाशूल (पुं०) दिशाशूल, किसी दिश में यात्रा का निषिद्ध दिन ।

दसाहा दसाहा Dasaha [3] पुं०
दशाह (पुं०) दसाह, मृत्यु के दसवें दिन की क्रिया, दसवाँ ।

दसूणा दसूणा Dasūṇa [3] पुं०
दशगुण (वि०) दसगुना, दशगुणित ।

दसौणा दसौणा Dasauṇa [3] वि०
द्र०— दसूणा ।

दसौर दसौर् Dasaur [3] पुं०
देशावर (पुं०) विदेश, परदेश ।

दॱसणा दस्सणा Dassaṇa [3] सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, निर्देश करना ।

ਦਹਾ दहा Daha [1] वि०
दशन् वि० दस, 10 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਦਹਿਸਿਰ दैह्सिर् Daihsir [3] पुं०
दशशिरस् (पुं०) दशशिर, रावण ।

ਦਹਿਸਿਰਾ दैह्सिरा Daihsira [3] पुं०
द्र०—ਦਹਿਸਿਰ ।

ਦਹਿਕ दहिक् Dahik [3] पुं०
दाहक (वि०) दाह करने वाला, जलाने वाला ।

ਦਹਿਕਣਾ दैह्कणा Daihkaṇa [3] अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना, दहकना ।

ਦਹਿਣਾ[1] दैह्णा Daihṇa [3] अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना, दहकना ।

ਦਹਿਣਾ[2] दैह्णा Daihṇa [1] पुं०
दक्षिण (वि०) दाहिना, दायाँ ।

ਦਹੀ दही Dahī [3] स्त्री०
दधि (नपुं०) दही, दधि ।

ਦਹੀਂ दहीं Dahī̃ [3] पुं०
द्र०—ਦਹੀ ।

ਦਹੀਂਡਾ दहीण्डा Dahīṇḍa [1] स्त्री०
द्र०— ਦਹੀਂਡੀ ।

ਦਹੀਂਡੀ दहीण्डी Dahīṇḍī [1] स्त्री०
दधिभाण्ड (नपुं०) दहेड़ी, दही जमाने का पात्र ।

ਦਖਸ਼ਣਾ दख्शणा Dakhśaṇa [3] स्त्री०
द्र०—ਦੱਖਣਾ ।

ਦਖੂਤਰਾ दखूत्रा Dahkūtra [3] पुं०
दुःखमूत्र > मूत्रकृच्छ् (नपुं०) पथरी, पेट का एक रोग ।

ਦੱਖਣ दक्खण् Dakkhaṇ [3] पुं०
दक्षिणा (स्त्री०) दक्षिण दिशा ।

ਦੱਖਣਾ दक्खणा Dakkhaṇa [3] स्त्री०
दक्षिणा (स्त्री०) दक्षिणा, ब्राह्मण को धार्मिक कृत्य में देय द्रव्य ।

ਦੱਖਣਾਇਨ दक्ख्णाइन् Dakkhṇain [3] स्त्री०
दक्षिणायन (नपुं०) दक्षिणायन, सूर्य की दक्षिण दिशा की ओर गति ।

ਦੱਖਣੀ दक्खणी Dakkhaṇī [3] वि०
दक्षिणीय (वि०) दक्षिण दिशा का, दाक्षिणात्य ।

ਦਗਧ दगध् Dagadh [3] वि०
दग्ध (वि०) दाह-युक्त, जला हुआ ।

ਦੱਛ दच्छ् Dacch [3] पुं०/वि०
दक्ष (पुं० / वि०) पुं०—दक्ष प्रजापति । वि०—चतुर, कुशल ।

ਦੱਛਣਾ दच्छणा Dacchaṇa [3] स्त्री०
द्र०—ਦੱਖਣਾ ।

ਦੱਥਰ दत्थर Datthar [2] पुं०
प्रस्तर (पुं०) कीमती पत्थर, हीरा जवाहरात आदि रत्न।

ਦੱਥਲ दत्थल् Datthal [1] पुं०
द्र०—ਦੱਥਰ।

ਦੱਦ दद्द् Dadd [3] स्त्री०
दद्रु (पुं०) दाद, दिनाय रोग।

ਦੱਦਰ दद्दर् Daddar [2] स्त्री०
द्र०—ਦੱਦ।

ਦੱਦਰੀ दद्दरी Daddarī [1] स्त्री०
द्र०—ਦੱਦ।

ਦਧ दध् Dadh [3] पुं०
दधि (नपुं०) दधि, दही।

ਦਧੀ दधी Dadhī [3] स्त्री०
द्र०—ਦਧ।

ਦਧੀਚੀ दधीची Dadhīcī [3] पुं०
दधीची (पुं०) अथर्वा के पुत्र महर्षि दधीचि।

ਦੱਧ दद्ध् Daddh [3] पुं०
दग्ध (नपुं०) दाह, जलन।

ਦੱਧਾ दद्धा Daddhā [3] वि०
दग्ध (वि०) जला-भुना; क्रुद्ध, रुष्ट।

ਦਭ दभ् Dabh [3] स्त्री०
दर्भ (पुं०) डाभ, कुशा।

ਦੱਭ दब्भ् Dabbh [3] स्त्री०
द्र०—ਦਭ।

ਦਮਤੂਰਾ दमतूरा Damtūrā [3] पुं०
द्र०—ਧਤੂਰਾ।

ਦਮਨ दमन् Daman [3] पुं०
दमन (नपुं०) दबाने का भाव, दबाना।

ਦਮੋਦਰ दमोदर् Damodar [3] पुं०
दामोदर (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु।

ਦਯਾਲਗੀ दयाल्गी Dayālgī [1] स्त्री०
दयालुता (स्त्री०) दया, कृपा।

ਦਯਾਲੂ दयालू Dayālū [2] वि०
दयालु (वि०) दया-युक्त, कृपालु।

ਦਰਈਂ दरईं Darīṁ [1] पुं०
दृति (पुं०) चमड़े का डोल, चर्म-पात्र।

ਦਰਸ਼ਕ दर्शक् Darśak [3] वि०
दर्शक (वि०) दर्शक, देखने वाला।

ਦਰਸਨ दर्सन् Darsan [1] पुं०
दर्शन (नपुं०) दर्शन, देखने का भाव।

ਦਰਸ਼ਨੀ दर्शनी Darśanī [3] वि०
दर्शनीय (वि०) देखने योग्य, सुन्दर, सुरूप।

ਦਰਸ਼ਨੀਆ दर्शनिआ Darśaniā [1] वि०
द्र०—ਦਰਸ਼ਨੀ।

ਦਰਸ਼ਨੀਕ दर्शनीक् Darśanīk [1] वि०
द्र०—ਦਰਸਨੀ।

ਦਰਸਾਉਣਾ दर्साउणा Darsauṇa [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दर्शाना, दिखाना, दर्शन कराना।

ਦਰਸਾਇਆ दर्साइआ Darsaia [1] वि०
दर्शित (वि०) दिखाया गया, दर्शन कराया हुआ।

ਦਰਸਾਰ दर्सार् Darsār [1] पुं०
द्र०—ਦਰਸਨ।

ਦਰਸਾਵਾ दर्सावा Darsāva [1] पुं०
द्र०—ਦਰਸਨ।

ਦਰਸੀ दर्सी Darsī [2] वि०
दर्शिन् (वि०) देखने का विचार करने वाला।

ਦਰਪ दरप् Darap [3] पुं०
दर्प (पुं०) घमण्ड, अहंकार; उत्साह; कस्तूरी मृग।

ਦਰਬ दरब् Darab [3] पुं०
द्रव्य (नपुं०) वस्तु, पदार्थ; धन, दौलत; सामग्री; औषध।

ਦਰਬੀ[1] दर्बी Darbī [3] स्त्री०
दर्वी (स्त्री०) कड़छी, चमचा; साँप का फण।

ਦਰਬੀ[2] दर्बी Darbī [3] वि०
द्रव्यिन् (वि०) द्रव्य वाला; धनी।

ਦਰਾ दरा Darā [2] पुं०
दर (पुं०) दर्रा, पहाड़ की घाटी का मार्ग।

ਦਰਾਖ दराख् Darākh [1] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) अंगूर की बेल या फल।

ਦਰਾਣੀ द्राणी Drāṇī [3] स्त्री०
देवरपत्नी (स्त्री०) देवरानी, देवर की पत्नी।

ਦਰਾਰ दरार् Darār [2] स्त्री०
दराकार (पुं०) दरार, फटी जमीन; तरेड़।

ਦਰਾਵੜ दरावड़् Darāvaṛ [3] वि०
द्रविड़ (वि०) द्रविड़ देश का मूल निवासी, दाक्षिणात्य।

ਦਰਾਵੜੀ दरावड़ी Darāvṛī [2] स्त्री०
द्राविड (वि०) द्रविड देश की भाषा, तमिल भाषा।

ਦਰਿਘਾ दरिघा Darighā [1] वि०
दीर्घ (वि०) दीर्घ, लम्बा।

ਦਰਿਦਰਨ दरिद्रन् Daridran [3] स्त्री०
द्र०—ਦਰਿੱਦਰਣ।

ਦਰਿੱਦਰ दरिद्दर् Dariddar [3] पुं०
दरिद्र (वि०) दरिद्र, कंगाल, निर्धन।

ਦਰਿੱਦਰਣ दरिद्द्रण् Dariddraṇ [3] स्त्री०
दरिद्रा (स्त्री०) दरिद्र स्त्री, निर्धन स्त्री।

ਦਰਿੱਦਰਤਾ दरिद्द्रता Dariddratā [3] स्त्री०
दरिद्रता (स्त्री०) दरिद्रता, निर्धनता गरीबी।

ਦਰਿੱਦਰਤਾਈ दरिद्द्रताई Driddartai [1] स्त्री०
द्र०—ਦਰਿੱਦਰਤਾ।

ਦਰੀ दरी Darī [3] वि०
द्वारिन् (वि०) द्वार-युक्त, द्वारों वाला।

ਦਰੋਈ द्रोई Droī [3] स्त्री०
द्रोहिणी (स्त्री०) द्रोह या डाह करने वाली स्त्री।

ਦਰੋਹ द्रोह् Droh [3] पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह, द्वेष; अपकार; विरोध।

ਦਲ दल् Dal [3] पुं०
दल (नपुं०) समूह, झुण्ड।

ਦਲਣਾ दल्णा Dalṇā [3] सक० क्रि०
दलति (भ्वादि सक०) दलना; फाड़ना, चीरना; कुचलना।

ਦਲਿਤ दलित् Dalit [3] वि०
दलित (वि०) दलित, कुचला हुआ; शोषित।

ਦਲਿਦਰਣ दलिद्रण् Dalidraṇ [1] स्त्री०
दरिद्रा (स्त्री०) दरिद्र स्त्री, निर्धन स्त्री।

ਦਲਿਦਰੀ दलिद्री Dalidrī [1] पुं०
दरिद्र (वि०) दरिद्र, निर्धन, गरीब।

ਦਲਿੱਦਰ दलिद्द्र् Daliddar [1] पुं०
दारिद्र्य (नपुं०) दरिद्रता, निर्धनता; अलसता।

ਦਲਿੱਦਰਤਾ दलिद्द्रता Daliddarta [1] स्त्री०
दरिद्रता (स्त्री०) दरिद्रता, निर्धनता गरीबी।

ਦਲਿੱਦਰਤਾਈ दलिद्द्रताई Daliddartaī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਲਿੱਦਰਤਾ।

ਦਲਿੱਦਰੀ दलिद्द्री Daliddrī [3] पुं०
दरिद्र/दरिद्रिन् (वि०) दरिद्री, गरीब आलसी।

ਦਲੀਆ दलिआ Daliā [3] वि०
दलित (वि०) दला हुआ अन्न।

ਦਵਾਖੜੀ द्वाखड़ी Dvākhṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਦਵਾਖੀ।

ਦਵਾਖੀ द्वाखी Dvākhī [3] स्त्री०
दीपवृक्ष (पुं०) दीवट, दीपक रखने का काष्ठ-स्तम्भ।

ਦਵੀਪ द्वीप् Dvīp [3] पुं०
द्वीप (नपुं०, पुं०) द्वीप, टापू।

ਦਵੈਤ द्वैत् Dvait [3] स्त्री०
द्वैत (नपुं०) दो होने का भाव; जोड़ा युगल; भेद-दृष्टि; द्वैतवाद।

ਦਵੰਦ द्वन्द् Dvand [3] पुं०
द्वन्द्व (पुं०) द्वन्द्व; कलह; विरोध।

ਦਵੰਦਾਤਮਕ द्वन्दात्मक् Dvandātmak [3] वि०
द्वन्द्वात्मक (वि०) युगल स्वरूप वाला दो परस्पर विरुद्ध स्वभाव का।

ਦੜ ਹੁਤ दड़ हुत् Dar-Hutt [1] पुं०
द्र०—दੜੁਤ ।

ਦੜੁਤ दड़ुत् Darut [2] पुं०
देवरपुत्र (पुं०) देवर का पुत्र ।

ਦੜੁਤ दढ़ुत् Darhat [1] पुं०
द्र०—ਦੜੁਤ ।

ਦਾਉਣ दाओण् Daon [2] स्त्री०
दामन् (नपुं०) रस्सी, रज्जु ।

ਦਾਇਆ दाइआ Daia [3] स्त्री०
द्र—ਦਾਈ ।

ਦਾਇਕ दाइक् Daik [3] पुं०
दायक (वि०) देनेवाला, दाता ।

ਦਾਈ दाई Dai [3] स्त्री०
धात्री (स्त्री०) धाय, दाई, पालन पोषण करने वाली नौकरानी ।

ਦਾਸਤਾ दास्ता Dasta [3] स्त्री०
दासता (स्त्री०) दास होने का भाव, गुलामी ।

ਦਾਸਾਨਦਾਸ दासान्दास् Dasandas [3] पुं०
दासानुदास (पुं०) दासों का दास, भगवद्भक्तों का भक्त ।

ਦਾਹ[1] दाह् Dah [1] पुं०
दाह (पुं०) जलन, जलने का भाव; डाह, ईर्ष्या ।

ਦਾਹ[2] दाह् Dah [1] पुं०
दशन् (वि०) दस, 10 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਦਾਹਣਾ दाह्णा Dahna [3] सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) दाह करना, जलाना ।

ਦਾਹੜਕ दाह्ड़क् Dahrak [3] पुं०
दाड़िम (नपुं० / पुं०) नपुं०—अनार का फल । पुं०—अनार का वृक्ष ।

ਦਾਹਾ दाहा Daha [1] पुं०
दशक (नपुं०) दस का समूह ।

ਦਾਖ दाख् Dakh [3] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) दाख, अंगूर ।

ਦਾਜ दाज् Daj [3] पुं०
दायाद्य (नपुं०) उत्तराधिकार, विरासत, दाय ।

ਦਾਤ दात् Dat [3] पुं०
दात्र (नपुं०) दराती, हँसिया, फसल काटने का साधन ।

ਦਾਤਣ दातण् Datan [3] स्त्री०
दन्तपवन (नपुं०) दातून, दन्तधावन ।

ਦਾਤਰੀ दात्री Datri [3] स्त्री०
द्र०—ਦਾਤੀ ।

ਦਾਤੜਾ दातड़ा Datra [1] पुं०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला ।

ਦਾਤਾਰ दातार् Datar [3] वि०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला ।

ਦਾਤੀ दाती Dati [3] स्त्री०
दात्र (नपुं०) दराती, हँसिया, फसल-घास आदि काटने का उपकरण।

ਦਾੱਤਰ दात्तर् Dāttar [3] पुं०
दात्र (नपुं०) बड़ी दराँती, बड़ा हँसिया।

ਦਾਦਰ दादर् Dādar [1] पुं०
दर्दुर (पुं०) दादुर, मेढक।

ਦਾਦੁਰ दादुर् Dādur [1] पुं०
द्र०—ਦਾਦਰ।

ਦਾਂਦੂ दाँदू Dãdū [3] वि०
द्र०—ਦੰਦਲ।

ਦਾਂਦੋ दाँदो Dãdo [3] स्त्री०
दन्तुरा (स्त्री०) उठे या बाहर निकले दाँतों वाली।

ਦਾਧਾ दाधा Dādhā [1] वि०
दग्ध (वि०) दाह-युक्त, जला हुआ।

ਦਾਨ दान् Dān [3] पुं०
दान (नपुं०) दान, विधिपूर्वक द्रव्य त्याग।

ਦਾਨ-ਪਾਤਰ दान्-पातर् Dān-Pātar [3] पुं०
दानपात्र (नपुं०) दानपात्र, जिसमें दान दिया जाय वह पेटी, पात्र या व्यक्ति।

ਦਾਨੀ दानी Dānī [3] पुं०
दानिन् (वि०) दानी, दान देने वाला।

ਦਾਨੂ दानू Dānū [1] पुं०
दाडिम्ब (पुं० / नपुं०) पुं०—अनार का वृक्ष। नपुं०—अनार का फल।

ਦਾਮਨੀ दामुनी Damni [3] स्त्री०
दामिनी (स्त्री०) बिजली, विद्युत्।

ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ दार्शनिक् Dārśanik [3] पुं०
दार्शनिक (वि०) दार्शनिक, दर्शन-शास्त्र का ज्ञाता या अध्येता अथवा उससे संबद्ध।

ਦਾਰਮ दारम् Dāram [3] पुं०
दाडिम (पुं० / नपुं०) पुं०—अनार का वृक्ष। नपुं०—अनार का फल।

ਦਾਰੀ दारी Dārī [1] स्त्री०
दार (पुं० बहु०) दारा, पत्नी, भार्या।

ਦਾਲ दाल् Dāl [3] स्त्री०
दाल (पुं०) दाल, अरहर-मूँग इत्यादि की दाल।

ਦਾੜ्ह दाढ़् Dāṛh [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾੜ੍ਹ।

ਦਾੜ੍ਹਾ दाढ़ा Dāṛhā [3] पुं०
दाढिका (स्त्री०) बड़ी दाढ़ी-मूँछ।

ਦਾੜ੍ਹੀ दाढ़ी Dāṛhī [3] स्त्री०
दाढिका (स्त्री०) दाढ़ी-मूँछ।

ਦਿਉਂ दिउँ Diũ [3] पुं०
दिन (नपुं०) दिन, दिवस, वासर।

ਦਿਉਸ दिउस् Dius [3] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन।

ਦਿਉਹਾੜੀ दिउहाड़ी Diuhāṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਹਾੜੀ।

ਦਿਓਕਾਜ दयोकाज् Dyokaj [3] पुं०
देवकार्य (नपुं०) देवकार्य; क्षत्रियों में प्रचलित बच्चे के बाल उतारने की प्रथा।

ਦਿਉਣੀ दिउणी Diuṇi [3] स्त्री०
देवयोनि (स्त्री०) डाइन, भूतनी, चुड़ैल।

ਦਿਉਤਾ द्योता Dyota [3] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव।

ਦਿਉਦਾਰ दिउदार् Diudar [3] पुं०
द्र०—ਦਿਆਰ।

ਦਿਓ दिओ Dio [3] पुं०
देवयोनि (पुं०) भूत, जिन्न, देव-जाति-विशेष।

ਦਿਉਤਾ द्योता Dyota [3] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव, सुर।

ਦਿਉਰ द्योर् Dyor [3] पुं०
देवर (पुं०) देवर, पति का छोटा भाई।

ਦਿਆ दिआ Dia [1] स्त्री०
दया (स्त्री०) दया, कृपा।

ਦਿਆਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ दयाद्रिश्टी Dyadrisṭi [1] स्त्री०
दयादृष्टि (स्त्री०) दया की दृष्टि, कृपा-दृष्टि।

ਦਿਆਰ दयार् Dyar [2] पुं०
देवदारु (पुं०, नपुं०) देवदार का वृक्ष।

ਦਿਆਲ दयाल् Dyal [3] वि०
दयालु (वि०) दया-युक्त, कृपालु।

ਦਿਆਲਗੀ दयाल्गी Dyalgi [3] स्त्री०
दयालुता (स्त्री०) दयालुता, कृपालुता।

ਦਿਆਲਤਾ दयाल्ता Dyalta [3] स्त्री०
द्र०—ਦਿਆਲਗੀ।

ਦਿਆਲੂ दयालू Dyalū [3] वि०
द्र०—ਦਿਆਲ।

ਦਿਆਵਾਨ दयावान् Dyavān [3] पुं०
द्र०—ਦਿਆਵੰਤ।

ਦਿਆਵੰਤ दयावन्त् Dyavant [3] वि०
दयावत् (वि०) दयावान्, कृपावान्।

ਦਿਸ[1] दिस् Dis [3] स्त्री०
दिश् (स्त्री०) दिशा; तरफ, ओर।

ਦਿਸ[2] दिस् Dis [3] स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृष्टि, आँख।

ਦਿਸਟ दिसट् Disaṭ [3] स्त्री०
दृष्टि (स्त्री०) दृष्टि, नेत्र, आँख; ज्ञान।

ਦਿਸ਼ਟ दिश्ट् Disṭ [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਸਟ।

ਦਿਸ਼ਟਕੂਟ दिश्ट्-कूट् Disṭ-kūṭ [3] स्त्री०
दृष्टकूट (नपुं०) पहेली, प्रहेलिका, बुझौवल।

ਦਿਸ਼ਟਾਂਤ दिश्टान्त् Disṭant [1] पुं०
दृष्टान्त (पुं०) दृष्टान्त, उदाहरण; एक अलंकार।

ਦਿਸਣਾ दिस्णा Disṇa [3] सक० क्रि०

दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਸਦਾ दिस्दा Disda [3] वि०
दृश्यमान (वि०) दिखाई पड़ने वाला।

ਦਿਸਾਉਰ दिसाउर् Disaur [1] पुं०
द्र०—ਦਿਸੌਰ।

ਦਿਸਾਉਰੀ दिसाउरी Disauri [3] वि०
देशावरीय (वि०) परदेश संबन्धी, विदेशी।

ਦਿਸੀਣਾ दिसीणा Disiṇa [1] अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखाई देना, दृष्ट होना।

ਦਿਸੇਰਾ दिसेरा Disera [1] पुं०
द्विसेटक (नपुं०) दो सेर का बाट।

ਦਿਸੇਰੀ दिसेरी Diseri [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਸੇਰਾ।

ਦਿਸੌਰੀ दिसौरी Disauri [3] वि०
द्र०—ਦਿਸਾਉਰੀ।

ਦਿਸੰਤਰ दिसन्तर् Disantar [3] पुं०
देशान्तर (नपुं०) अन्य देश, दूसरा देश।

ਦਿੱਸਣਾ[1] दिस्स्णा Dissṇa [3] अक क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखना, देखा जाना।

ਦਿੱਸਣਾ[2] दिस्स्णा Dissṇa [3] सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, कहना; सिखाना।

ਦਿਹ दिह् Din [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿੰਹ दिंह् Dĩh [1] पुं०
द्र० —ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਲੀ देह्ली Dehli [3] स्त्री०
देहली (स्त्री०) देहली, दहलीज़, डचोढ़ी।

ਦਿਹੜੀ दिह्ड़ी Dihṛi [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਹਲੀ।

ਦਿਹਾਂ दिहाँ Dihā̃ [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾਂਤ दिहान्त् Dihānt [2] पुं०
देहान्त (पुं०) देहान्त, मृत्यु।

ਦਿਹਾਰ दिहार् Dihar [3] स्त्री०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾਰਾ दिहारा Dihara [1] पुं०
द्र०— ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜ दिहाड़् Dihaṛ [3] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜਾ दिहाड़ा Dihaṛa [3] पुं०
द्र० —ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜੀ दिहाड़ी Dihaṛi [3] स्त्री०
दिवसीय (वि०) दिवस संबन्धी; एक दिन की मजदूरी।

ਦਿਹੁੰ दिहुँ Dihũ [3] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਖਣਾ दिख्णा Dikhna [3] अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कम०) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਖਲਾਉਣਾ दिख्लाउणा Dikhlauṇa [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦਿਖਲਾਵਣਾ दिख्लाव्णा Dikhlāvṇa [2] सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਲਾਉਣਾ।

ਦਿਖਾਉਣਾ दिखाउणा Dikhauṇa [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦਿਖਾਲਣਾ दिखाल्णा Dikhalṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਾਉਣਾ।

ਦਿਗ दिग् Dig [1] स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृग, दृष्टि, आँख।

ਦਿੱਗ दिग्ग् Digg [3] स्त्री०
दिश् (स्त्री०) दिशा; निर्देश, संकेत।

ਦਿੱਤ दित्त् Ditt [3] वि०
दत्त (वि०) प्रदत्त, दिया हुआ; दान-दहेज।

ਦਿੱਤਾ दित्ता Ditta [3] वि०
दत्त (वि०) दिया हुआ; दान।

ਦਿਨ दिन् Din [3] पुं०
दिन (नपुं०) दिन, दिवस।

ਦਿਨਸ दिनस् Dinas [3] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर।

ਦਿਨ-ਸੁਧ दिन्-सुध् Din-Sudh [1] पुं०
शुद्धदिन (नपुं०) शुभ-दिन, मुहूर्त का दिन।

ਦਿਨਕਰ दिन्कर् Dinkar [3] पुं०
दिनकर (पुं०) दिनकर, सूर्य।

ਦਿਨ-ਪਤ੍ਰੀ दिन्-पत्री Din-Patri [3] स्त्री०
दिनपत्री (स्त्री०) दैनिक बही, रोज-नामचा, दैनन्दिनी।

ਦਿਨਪ੍ਰਤਿ दिन्प्रति Dinprati [3] क्रि० वि०
प्रतिदिन (क्रि० वि०) प्रतिदिन, प्रत्येक दिन, हररोज।

ਦਿਨੀਅਰ दिनिअर् Diniar [3] पुं०
द्र०—ਦਿਨਕਰ।

ਦਿਨੰਤ दिनन्त् Dinant [3] पुं०
दिनान्त (पुं०) दिन का अन्तिम भाग, सूर्यास्त काल।

ਦਿਬਸਰੂਪ दिब्सरूप् Dibsarūp [3] पुं०
दिव्यस्वरूप (नपुं०) अलौकिक रूप, बहुत सुन्दर स्वरूप।

ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸਟ दिब्-द्रिशट् Dib-driśaṭ [3] स्त्री०
दिव्यदृष्टि (स्त्री०) दैवी दृष्टि, अलौकिक ज्ञान।

ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ दिब्-द्रिश्टी Dib drisṭī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟ ।

ਦਿਬ-ਦੇਹ दिब्-देह् Dib-deh [3] **पुं०**
दिव्यदेह (पुं०) अलौकिक शरीर, मनोहर शरीर ।

ਦਿਬਨ-ਦ੍ਰਿਸਟ दिबन्-द्रिसट् Diban-drisaṭ [1] **स्त्री०**
द्र०—ਦਿਬਦ੍ਰਿਸ਼ਟ ।

ਦਿਯਾਲੂ दियालू Diyalū [1] **वि०**
द्र०—ਦਿਆਲੂ ।

ਦਿਰਾਣੀ दिराणी Dirāṇī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਦਰਾਣੀ ।

ਦਿਵਸ दिवस् Divas [3] **पुं०**
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर ।

ਦਿਵਾਖਾ दिवाखा Divākha [2] **पुं०**
द्र०—ਦਵਾਖੀ ।

ਦਿਵਾਖੀ दिवाखी Divākhī [2] **स्त्री०**
द्र०—ਦਵਾਖੀ ।

ਦਿਵਾਲੀ दिवाली Divālī [3] **स्त्री०**
दीपावली (स्त्री०) दीपावली उत्सव;

ਦਿਵ੍ਹਾਰ दिव्हार् Divhār [1] **स्त्री०**
द्र०—ਦਿਉਂ ।

ਦਿੱਵ-ਜੋਤੀ दिव्व्-जोती Divv-jotī [3] **स्त्री०**
दिव्यज्योतिस् (नपुं०) अलौकिक प्रकाश, सुन्दर ज्योति ।

ਦਿੜ दिड़् Diṛ [1] **वि०**
दृढ (वि०) दृढ़, पुष्ट, मजबूत ।

ਦ੍ਰਿੜਤਾ द्रिड़्ता Driṛhta [3] **स्त्री०**
दृढता (स्त्री०) दृढ़ता, पुष्टि, मजबूती ।

ਦੀਉਟ दीउट् Diuṭ [1] **स्त्री०**
दीपवर्ति (स्त्री०) दीवट, दीपस्तम्भ ।

ਦੀਆ दिआ Dia [2] **पुं०**
दीप (पुं०) दीप, दीपक ।

ਦੀਂਹ दींह् Dīh [1] **पुं०**
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर ।

ਦੀਖਸ਼ਤ दीख्शत् Dikhśat [3] **वि०**
दीक्षित (वि०) दीक्षित, दीक्षा-प्राप्त, मन्त्रोपदिष्ट ।

ਦੀਖਿਅਤ दीख्यत् Dikhyat [3] **वि०**
द्र०—ਦੀਖਸ਼ਤ ।

ਦੀਖਿਆ दीख्या Dikhya [3] **स्त्री०**
दीक्षा (स्त्री०) दीक्षा, मन्त्रोपदेश ।

ਦੀਖਿਆਗੁਰੂ दीख्यागुरू Dikhyagurū [3] **पुं०**
दीक्षागुरु (पु०) दीक्षा देने वाले गुरु, मन्त्रोपदेशक ।

ਦੀਨ-ਕਿਰਪਾਲ दीन्-किर्पाल् Din-kirpāl [3] **वि०**
दीनकृपालु (वि०) दीनकृपालु, दीन-दुखियों पर दया करने वाला ।

ਦੀਨਬਧ दीनबन्ध Dinbandh [3] पुं०
दीनबन्धु (पुं०) दीनबन्धु, दीन-दुखियों का सहारा।

ਦੀਪਕ दीपक् Dīpak [3] पुं०
दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦੀਨ-ਦਿਆਲ दीन्-दिआल् Dīn-dial [3] वि०
दीनदयालु (वि०) दीनदयाल, दीन-दुखियों पर दया करने वाला।

ਦੀਪਤ दीपत् Dīpat [3] वि०
दीप्त (वि०) प्रकाशित, चमकदार।

ਦੀਪਾਲੀ दीपाली Dīpali [1] स्त्री०
दीपाली (स्त्री०) दीपावली पर्व; दीपमालिका।

ਦੀਰਘ दीरघ् Dīragh [3] वि०
दीर्घ (वि०) दीर्घ, लम्बा, बड़ा।

ਦੀਰਘਾਂਤ दीर्घान्त् Dīrghant [3] वि०
दीर्घान्त (वि०) दीर्घान्त, जिस पद के अन्त में दीर्घ मात्रा हो।

ਦੀਰਣ दीरण् Dīraṇ [3] वि०
दीर्ण (वि०) विदीर्ण, फाड़ा हुआ, चीरा हुआ।

ਦੀਵਟ दीवट् Dīvaṭ [3] स्त्री०
दीपवर्ति (स्त्री०) दीवट, दीपक रखने का स्तम्भ।

ਦੀਵਟੀ दीवटी Dīvṭi [3] स्त्री०
द्र०—ਦੀਵਟ।

ਦੀਵੜਾ दीव्ड़ा Dīvṛa [3] पुं०
द्र०—ਦੀਪਕ।

ਦੀਵਾ दीवा dīva [3] पुं०
दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦੁਅੱਖਾ दुअक्खा Duakkha [3] पुं०
द्व्यक्ष (वि०) दो आँखों वाला।

ਦੁਅਰਥੀ दुअर्थी Duarthī [3] वि०
द्व्यर्थिन् (वि०) दो अर्थों वाला, श्लिष्टार्थक।

ਦੁਅਰਥੀਆ दुअर्थिआ Duarthia [3] वि०
द्व्यर्थक (वि०) दो अर्थों वाला, श्लिष्टार्थक।

ਦੁਆਦਸੀ दुआद्सी Duādsī [3] स्त्री०
द्वादशी (स्त्री०) द्वादशी तिथि।

ਦੁਆਨੀ दुआनी Duānī [3] स्त्री०
द्व्याणकी (स्त्री०) दुअन्नी, दो आने का सिक्का।

ਦੁਆਪਰ दुआपर् Duāpar [3] पुं०
द्वापर (नपुं०, पुं०) द्वापर युग, चार युगों में से एक युग।

ਦੁਆਰ दुआर् Duār [3] पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, दरवाजा।

ਦੁਆਰਕਾ दुआर्का Duārka [3] स्त्री०
द्वारका (स्त्री०) द्वारका पुरी।

ਦੁਆਰਪਾਲ दुआर्पाल् Duārpal [3] पुं०
द्वारपाल (पुं०) द्वारपाल, पहरेदार।

ਦਐਤ दुऐत् Duait [3] स्त्री॰
द्वैत (नपुं॰) द्वैत, दो होने का भाव; भेद-दृष्टि; द्वैतवाद; अज्ञान, मोह।

ਦੁਇ दुइ Dui [1] वि॰
द्वि (वि॰) दो, 2 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਦੁਸ दुस् Dus [1] पुं॰
दोष (पुं॰) दोष, त्रुटि, भूल।

ਦੁਸਹਿ दुस्हि Dushi [3] वि॰
दुस्सह (वि॰) असह्य, दारुण।

ਦੁਸੈਹਰਾ दुसैह्रा Dusaihra [3] पुं॰
दशहरा (स्त्री॰) दसहरा पर्व, विजया-दशमी।

ਦੁਸ਼ਟ दुशट् Duśaṭ [3] पुं॰
दुष्ट (वि॰) दुष्ट, दोष-युक्त, खल।

ਦੁਸ਼ਟਣ दुशटण् Duśṭaṇ [3] स्त्री॰
दुष्टा (स्त्री॰) दुष्ट स्त्री, खल नारी।

ਦੁਸ਼ਟਣੀ दुशटणी Duśṭaṇī [3] स्त्री॰
द्र॰—ਦੁਸ਼ਟਣ।

ਦੁਸ਼ਟਤਾ दुशट्ता Duśṭata [3] स्त्री॰
दुष्टता (स्त्री॰) नीचता, खोटापन, दुष्ट का भाव।

ਦੁਸ਼ਟ-ਭਾਵ दुशट्-भाव् Duśaṭ-Bhāv [3] पुं॰
दुष्टभाव (पुं॰) दुष्टता, बुरे विचार।

ਦੁਸ਼ਪਚ दुश्पच् Duśpac [3] वि॰
दुष्पच (वि॰) अपचकारी, कठिनाई से पचने योग्य, गरिष्ठ भोजन।

ਦੁਸ਼ਾਲਾ दुशाला Duśala [3] पुं॰
द्विःशाल (नपुं॰) दुशाला वस्त्र, ऊनी उत्तरीय।

ਦੁਸਿਰਾ दुसिरा Dusira [3] पुं॰
द्विशिरस् (वि॰) दो शिरों वाला साँप इत्यादि जन्तु।

ਦੁਸੇਰ दुसेर् Duser [3] पुं॰
द्विसेटक (नपुं॰) दुसेरा, दो सेर का बाट।

ਦੁਸੇਰਾ दुसेरा Dusera [3] पुं॰
द्र॰—ਦੁਸੇਰ।

ਦੁਸੇਰੀ दुसेरी Duserī [3] स्त्री॰
द्र॰—ਦੁਸੇਰ।

ਦੁਹ दुह् Duh [1] वि॰
द्वि (वि॰) दो, 2 संख्या से युक्त।

ਦੁਹਕਰਮ दुह्करम् Duhkaram [3] पुं॰
दुष्कर्मन् (नपुं॰) दुष्कर्म, कुकर्म, बुरा कार्य।

ਦੁਹਕ੍ਰਿਤ दुह्क्रित् Duhkrit [1] पुं॰
दुष्कृत (नपुं॰) दुष्कर्म, कुकर्म।

ਦੁਹਣਾ दोह्णा Dohṇa [3] सक॰ क्रि॰
दोग्धि (अदादि सक॰) दूहना, गाय इत्यादि का दूध दोहन करना।

ਦੁਹਤ दुह्त Duht [1] पुं॰
दौहित्र (पुं॰) पुत्री का पुत्र, नाती।

ਦੁਹਤ ਪਤ दुह्त् पोत Duht Pot [3] पुं०
दौहित्र पौत्र (पुं०) दौहित्र-पौत्र, नाती-पोता।

ਦੁਹਤ-ਬਹੂ दुह्त्-बहू Duht-Bahū [3] स्त्री०
दौहित्रवधू (स्त्री०) दौहित्र की पत्नी, नाती की भार्या।

ਦੁਹਤਰਾ दुह्तरा Duhtrā [3] पुं०
दौहित्र (पुं०) पुत्री का पुत्र, नाती।

ਦੁਹਤਰੀ दुह्तरी Duhtrī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) पुत्री की पुत्री, नातिन।

ਦੁਹਰ दुहर् Duhar [3] स्त्री०
द्विहल्य (नपुं०) दूसरी बार हल चलने का भाव।

ਦੁਹਾਗ दुहाग् Duhāg [3] पुं०
दुर्भाग्य (नपुं०) मन्दभाग्य, खोटी किस्मत।

ਦੁਹਾਗਣ दुहागण् Duhāgaṇ [3] स्त्री०
दुर्भाग्य (स्त्री०) अभागिन, दुर्भाग्य वाली।

ਦੁਹਾਜੂ दुहाजू Duhājū [3] पुं०
द्विभार्य (वि०) दूसरा विवाह करने वाला, दो पत्नियों वाला।

ਦੁੱਕ दुक्क् Dukk [3] वि०
द्वि (वि०) दो, 2 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਦੁਖ दुख् Dukh [3] पुं०
द्र०—ਦੁੱਖ।

ਦੁਖਣਾ दुख्णा Dukhṇā [3] अक० क्रि०
दुखति (भ्वादि अक०) दुःखित होना, पीड़ित होना।

ਦੁਖਦਾ दुख्दा Dukhdā [3] वि०
दुःखद (वि०) दुःख देने वाला, दुःखदायी।

ਦੁਖਦਾਇਕ दुख्दाइक् Dukhdāik [3] वि०
दुःखदायक (वि०) दुःखदायक, कष्टकारक।

ਦੁਖਦਾਇਣ दुख्दाइण् Dukhdāiṇ [3] स्त्री०
दुःखदायिनी (स्त्री०) दुःख देने वाली, दुःखदायिका।

ਦੁਖਦਾਈ दुख्दाई Dukhdāī [3] पुं०
दुःखदायिन् (वि०) दुःखदायी, दुःख देने वाला।

ਦੁਖਦਾਰੀ दुख्दारी Dukhdārī [2] पुं०
दुःखदारिन् (वि०) दुःख को दूर करने वाला, दुःख-दलन।

ਦੁਖਾਉ दुखाउ Dukhāu [3] वि०
द्र०—ਦੁਖਦਾਇਕ।

ਦੁਖਾਉਣਾ दुखाउणा Dukhāuṇā [3] सक० क्रि०
दुःखयति (नामधातु सक०) दुःख देना, दुखाना।

ਦੁਖਾਂਤੀ दुखान्ती Dukhāntī [3] वि०
दुःखान्त (वि०) दुःखान्त, दुःख से अन्त होने वाला।

ਦੁਖਿਆਰ दुखिआर Dukhiar [3] वि०
द्र०—दुखी।

ਦੁਖਿਆਰਣ दुखिआरण् Dukhiaran [3] स्त्री०
दुःखिता (स्त्री०) दुःख से युक्त स्त्री, पीड़िता।

ਦੁਖਿਆਰਾ दुखयारा Dukhyara [3] पुं०
द्र०—दुखी।

ਦੁਖਿਆਰੀ दुख्यारी Dukhyari [2] स्त्री०
द्र०—दुखिआरण।

ਦੁਖਿਤ दुखित् Dukhit [3] वि०
दुःखित (वि०) दुःखी, दुःख से युक्त।

ਦੁਖੀ दुखी Dukhi [3] वि०
दुःखिन् (वि०) दुःखी, दुःख से युक्त।

ਦੁਖੀਆ दुखीआ Dukhia [3] पुं०
द्र०—दुखी।

ਦੁੱਖ दुक्ख् Dukkh [3] पुं०
दुःख (नपुं०) दुःख, कष्ट, पीड़ा।

ਦੁੱਖੜਾ दुक्खड़ा Dukkhara [3] पुं०
द्र०—दुःख।

ਦੁਗਣਾ दुगणा Dugna [3] वि०
द्र०—दुगुणा।

ਦੁਗੁਣਾ दुगुणा Duguna [3] पुं०
द्विगुण (वि०) दूना, दुगुना।

ਦੁਚਿਤ[1] दुचित् Ducit [3] पुं०
द्विचित्त (नपुं०, मशयात्मा, घबराहट, चिन्ता।

ਦੁਚਿਤ[2] दुचित् Ducit [3] वि०
द्विचित्त (वि०) संशयालु, सन्देही।

ਦੁਜਣ दुजण् Dujan [1] वि०
दुर्जन (वि०) दुर्जन, दुष्टजन, खल।

ਦੁਤੀਆ दुतीआ Dutia [2] वि०
द्वितीय (वि०) द्वितीय, दूसरा।

ਦੁੰਦ-ਯੁੱਧ दुन्द्-युद्ध् Dund-Yuddh [3] पुं०
द्वन्द्वयुद्ध (नपुं०) मल्लयुद्ध, दो व्यक्तियों में परस्पर होने वाला युद्ध।

ਦੁੱਧ दुद्ध् Duddh [3] पुं०
दुग्ध (नपुं०) दूध, क्षीर, पय।

ਦੁਧਘਰ दुद्ध्-घर् Duddh-Ghar [3] पुं०
दुग्धघर (पुं०) दूध का घर, दूध मिलने का स्थान।

ਦੁੱਧ-ਧੋਤਾ दुद्ध्-धोता Duddh-Dhota [3] पुं०
दुग्धधौत (वि०) दूध का धोया हुआ, निष्कलक।

ਦੁੱਧ-ਨਹਾਤਾ दुद्ध्-नहाता Duddh-Nahata [3] पुं०
दुग्धस्नात (वि०) दूध से नहाया हुआ, निष्कलङ्क।

ਦੁੱਧੀ दुद्धी Duddhi [3] वि०
दुग्धिन् (वि०) दुग्धमय, दूध से युक्त; स्तन।

ਦਨਾਲ਼ੀ दुनाली Dunāḷī [3] स्त्री०
द्विनाली / द्विनालिका (स्त्री०) दो नाल वाली; दुनली बन्दूक।

ਦੁਪਹਰੀਆ दुप्हरीआ Duphria [3] वि०
द्विप्रहरीय (वि०) दोपहर का, दोपहर संबन्धी।

ਦੁਪਟਕਾ दुपट्का Dupaṭkā [1] पुं०
द्र०—दुपੱਟा।

ਦੁਪੱਟ दुपट्ट् Dupaṭṭ [1] पुं०
द्र०—दुਪੱਟा।

ਦੁਪੱਟਾ दुपट्टा Dupaṭṭā [3] पुं०
द्विपट्ट (नपुं०) दुपट्टा, उत्तरीय वस्त्र।

ਦੁਪਦਾ दुप्दा Dupdā [3] पुं०
द्विपद (वि०) द्विपद, दोपाया, दो पदों वाला।

ਦੁਪਾਯਾ दुपाया Dupāyā [3] पुं०
द्विपाद (पुं०) दो पैरों वाला, मनुष्य।

ਦੁਪੈਹਰ दुपैह्र् Dupaihr [3] स्त्री०
द्विप्रहर (नपुं०, पुं०) दोपहर, मध्याह्न।

ਦੁਪੈਹਰਾ दुपैह्रा Dupaihrā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਪੈਹਰ।

ਦੁਬਲ दुबल् Dubal [1] वि०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर।

ਦੁਬਲਤਾ दुबल्ता Dubaltā [1] स्त्री०
दुर्बलता (स्त्री०) दुर्बलता, कमजोरी।

ਦੁਬਲਤਾਈ दुबल्ताई Dubaltāī [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਲਤਾ।

ਦੁਬਲਾ दुब्ला Dublā [1] पुं०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर।

ਦੁਬਲਾਈ दुब्लाई Dublāī [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਲਤਾ।

ਦੁਬਿਧਾ दुबिधा Dubidhā [3] पुं०
द्वैविध्य (नपुं०) दो प्रकार के भाव, द्वैतभाव।

ਦੁੰਬਾ दुम्बा Dumbā [3] पुं०
दुम्बक (पुं०) दूमदार, मोटी पूँछ वाला भेंड़ा।

ਦੁਭਤਾ दुभ्ता Dubhtā [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਿਧਾ।

ਦੁਭਾਸ਼ੀਆ दुभाशीया Dubhāśīā [3] पुं०
द्विभाषिन् (वि०) दुभाषिया, दो भाषाओं को बोलने वाला।

ਦੁਭਾਖੀਆ दुभाखीआ Dubhākhīā [1] पुं०
द्र०—ਦੁਭਾਸ਼ੀਆ।

ਦੁੱਭਰ दुब्भर् Dubbhar [3] वि०
दुर्भर (वि०) कठिन, जिसका भरण या वहन कठिन हो।

ਦੁਮੁੱਖਾ दुमुक्खा Dumukkhā [3] पुं०
द्विमुख (वि०) दुमूँहा, दो मुखों वाला।

ਦੁਮੂੰਹਾ दुमूँहा Dumũhā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਮੁੱਖਾ।

ਦੁਮੂਹਾਂ दुमूहाँ Dumūhā̃ [3] पुं०
द्र०—ਦੁਮੂੰਖਾ।

ਦੁਮੂੰਹੀ दुमूँही Dumū̃hī [3] स्त्री०
द्विमुखी (स्त्री०) दुमूँही, दो मुखों वाली।

ਦੁਰਗ दुरग् Durag [3] पुं०
दुर्ग (नपुं०) किला, गढ़।

ਦੁਰਗਾਹ दुर्गाह् Durgāh [3] वि०
दुर्गाह्य (त्रि०) जिसका अवगाहन करना कठिन है, दुरवगाह।

ਦੁਰਗਾਦ दुरगाद् Durgād [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਗੰਧੀ।

ਦੁਰਗਾਧ दुर्गाध् Durgādh [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਗੰਧੀ।

ਦੁਰਗਾਪੂਜਾ दुर्गापूजा Durgāpūjā [3] स्त्री०
दुर्गापूजा (स्त्री०) दुर्गापूजा, दुर्गा देवी की आराधना।

ਦੁਰਗੰਧੀ दुर्गन्धी Durgandhī [3] स्त्री०
दुर्गन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, बुरी गन्ध, बदबू।

ਦੁਰਤ दुरत् Durat [1] पुं०
दुरित (नपुं०) पाप, दोष।

ਦੁਰਦਸ਼ਾ दुर्दशा Duadaśā [3] स्त्री०
दुर्दशा (स्त्री०) दुर्दशा, खराब स्थिति।

ਦੁਰਨੀਤੀ दुर्नीती Durnītī [3] स्त्री०
दुर्नीति (स्त्री०) दुर्नीति, खराब नीति।

ਦੁਰਬਲ दुर्बल Durbal [3] वि०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर।

ਦੁਰਬਲਤਾ दुरबल्ता Durbaltā [2] स्त्री०
दुर्बलता (स्त्री०) दुर्बलता, कमजोरी।

ਦੁਰਬਲਤਾਈ दुर्बलताई Durbaltāī [2] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਬਲਤਾ।

ਦੁਰਬੁੱਧੀ दुर्बुद्धी Durbuddhī [3] वि०/स्त्री०
दुर्बुद्धि (वि० / स्त्री०) वि०—दुष्ट बुद्धि वाला। स्त्री०—खराब बुद्धि।

ਦੁਰਬੋਧ दुर्बोध् Durbodh [3] वि०
दुर्बोध (वि०) दुर्बोध, जिसका ज्ञान कठिन हो।

ਦੁਰਭਰ दुर्भर् Durbhar [3] वि०
दुर्भर (वि०) दुर्भर, जिसका भरण या वहन कठिन हो।

ਦੁਰਭਾਉ दुर्भाउ Durbhāu [3] पुं०
दुर्भाव (पुं०) दुर्भाव, दुर्भावना; अपमान।

ਦੁਰਭਾਗ दुर्भाग् Durbhāg [3] पुं०/वि०
दुर्भाग्य (नपुं० / वि०) नपुं०—अभाग्य, दुर्भाग्य। वि०—अभागा।

ਦੁਰਭਿਖ दुर्भिख् Durbhikh [3] पुं०
दुर्भिक्ष (नपुं०) दुर्भिक्ष, अकाल, भुखमरी।

ਦੁਰਭਿੱਛ दुर्भिच्छ Durbhicch [3] पुं०
द्र०—ਦੁਰਭਿਖ।

ਦੁਰਮਤੀ दुर्मती Durmati [3] वि०/स्त्री०
दुर्मति (वि०/स्त्री०) वि०—दुर्मति, दुष्ट बुद्धि वाला। स्त्री—दुष्ट बुद्धि, कुमति।

ਦੁਰਮੱਤ दुर्मत्त् Durmatt [3] वि०/पुं०
द्र०—ਦੁਰਮਤੀ।

ਦੁਰਮਿਲਾ दुर्मिला Durmila [3] स्त्री०
दुर्मिला (स्त्री०) दुर्मिला एक छन्द विशेष।

ਦੁਰਲਭ दुर्लभ् Durlabh [3] वि०
दुर्लभ (वि०) दुर्लभ, कठिनाई से प्राप्त होने योग्य।

ਦੁਰਲੰਘ दुर्लंघ् Durlangh [3] वि०
दुर्लङ्घ्य (वि०) कठिनाई से लंघनीय, जिसको पार करना कठिन हो।

ਦੁਰਾਉ दुराउ Durau [1] पुं०
दूर (नपुं०) दूर, आँखों से दूर होने का भाव।

ਦੁਰਾਇ दुराइ Durai [1] पुं०
द्र०—ਦੁਰਾਉ।

ਦੁਰਾਸੀਸ दुरासीस् Durasis [3] स्त्री०
दुराशिस् (नपुं०) दुराशीष, शाप, बददुआ।

ਦੁਰਾਗ੍ਰਹਿ दुराग्रहि Duragrahi [3] पुं०
दुराग्रहिन् (वि०) दुराग्रही, हठी।

ਦੁਰਾਚਾਰਣ दुराचारण् Duracaran [3] स्त्री०
दुराचारिणी (स्त्री०) बुरे आचरण वाली, दुश्चरित्रा।

ਦੁਰਾਚਾਰਨ[1] दुराचारन् Duracaran [3] पुं०
दुराचरण (नपुं०) खराब आचरण।

ਦੁਰਾਚਾਰਨ[2] दुराचारन् Duracaran [3] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਾਚਾਰਣ।

ਦੁਰਾਚਾਰੀ दुराचारी Duracari [3] पुं०
दुराचारिन् (वि०) दुराचारी, बुरे आचरण वाला।

ਦੁਰਾਛੈ दुराछै Durachai [1] स्त्री०
दुरिच्छा (स्त्री०) कुत्सित इच्छा, बुरी वासना।

ਦੁਰਾਂਝ दुराँझ् Durãjh [1] पुं०
द्वैत (वि०) दो, युगल।

ਦੁਰਾਂਝਾ दुराँझा Durãjha [1] पुं०
द्र०—ਦੁਰਾਂਝ।

ਦੁਰਾਡ दुराड् Durad [3] स्त्री०
दूरता (स्त्री०) दूरी, दूर होने का भाव।

ਦੁਰਾਡਲਾ दुराड्ला Duradla [1] वि०
दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰਾਡਾ दुराडा Durada [3] वि०
दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰਾੱਡਾ दुराड्डा Duradda [3] क्रि० वि०
दूर (क्रि० वि०) दूरी पर।

ਦੁਰੇਡ दुरेड् Dureḍ [3] पुं०
द्र०—ਦੁਰਾਡ।

ਦੁਰੇਡਾ दुरेडा Dureḍa [3] वि०
दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰੇਡੇ दुरेडे Dureḍe [3] क्रि० वि०
दूरतर (क्रि० वि०) अधिक दूरी पर।

ਦੁਰੈਤ दुरैत् Durait [1] वि०
द्वैत (वि०) दो, युगल।

ਦੁਰੈਤਭਾਵ दुरैत्भाव् Duraitbhāv [1] पुं०
द्वैतभाव (पुं०) द्वैतभाव, भेद दृष्टि।

ਦੁਲਹਿਨ दुल्हन् Dulhan [3] स्त्री०
दुर्लभ (वि०) दुलहिन, नव विवाहिता।

ਦੁਲਹਾ दुल्हा Dulha [3] पुं०
दुर्लभ (वि०) दुल्हा, वर।

ਦੁਲੰਭ दुलम्भ् Dulambh [3] वि०
दुर्लम्भ (वि०) दुर्लभ, कठिनाई से प्राप्य।

ਦੁਵਿਧਾ दुविधा Duvidha [3] स्त्री०
द्विविधा (स्त्री०) दुविधा, शंका, सन्देह।

ਦੂਆ दूआ Dūa [2] पुं०
द्वितीय (वि०) दूसरा, अन्य।

ਦੂਈ दूई Dūi [3] स्त्री०
द्र०—ਦੂਜੀ।

ਦੂਈਭਾਵ दूईभाव् Dūibhav [3] पुं०
द्वैतभाव (पुं०) भेदभाव, भेद-दृष्टि।

ਦੂਸਣਾ दूस्णा Dūsṇa [3] पुं०
दूषण (नपुं०) दूषण, दोष, कलङ्क।

ਦੂਸ਼ਣਾ दूश्णा Dūśṇa [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दूषित करना, मलिन करना।

ਦੂਸ਼ਤ दूशत् Dūśat [3] वि०
दूषित (वि०) दोष युक्त; नष्ट; कलंकित।

ਦੂਜ दूज् Dūj [3] स्त्री०
द्वितीया (स्त्री०) द्वितीया तिथि।

ਦੂਜੜਾ दूज्ड़ा Dūjṛa [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ।

ਦੂਜਾ दूजा Dūja [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ।

ਦੂਜੀ दूजी Dūji [3] स्त्री०
द्वितीया (स्त्री०) दूसरी, अन्य।

ਦੂੱਜਾ दूज्जा Dūjja [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ।

ਦੂਣ दूण् Dūṇ [3] वि०
द्विगुण (वि०) दून, दूना।

ਦੂਣਾ दूणा Dūṇa [3] पुं०
द्विगुण (वि०) दूना, दुगुना।

ਦੂਣੀ दूणी Dūṇi [3] स्त्री०
द्विगुण (वि०) दूनी, दुगुनी।

ਦੂਤ दूत् Dūt [3] पुं०
यमदूत (पुं०) यमदूत, यमराज का दूत।

ਦੂਤੀ दूती Dūtī [3] स्त्री०
दूती (स्त्री०) दूत की पत्नी, मध्यस्थ स्त्री।

ਦੂਧਾਹਾਰੀ दूधाहारी Dūdhāhārī [3] पुं०
दुग्धाहारिन् (वि०) दूध से निर्वाह करने वाला; जिसके दाँत न निकले हों।

ਦੂਧਾਧਾਰੀ दूधाधारी Dūdhadhārī [1] पुं०
द्र०—ਦੂਧਾਹਾਰੀ।

ਦੂਧੀਆ दूधिआ Dūdhia [3] वि०
दुग्धीय (वि०) दूधिया, दूध के समान रंग वाला।

ਦੂਧੀਆ-ਪੱਥਰ दूधिआ-पत्थर् Dūdhiā-patthar [3] पुं०
दुग्धप्रस्तर (पुं०, नपुं०) दूधिआ पत्थर, दूध के समान सफेद पत्थर।

ਦੂਨ दून् Dūn [3] स्त्री०
द्रोणी (स्त्री०) पर्वत की घाटी।

ਦੂਬ दूब् Dūb [3] स्त्री०
दूर्वा (स्त्री०) दूर्वा, दूब, घास-विशेष।

ਦੂਬੜਾ दूब्ड़ा Dūbṛā [1] पुं०
द्र०—ਦੂਬ।

ਦੂਰ दूर् Dūr [3] वि०
दूर (नपुं०) दूर।

ਦੂਰਦਰਸ਼ਤਾ दूर्दर्शता Dūrdarśata [3] स्त्री०
दूरदर्शिता (स्त्री०) दूरदर्शिता, बहुत दूर तक सोचने विचारने की शक्ति।

ਦੂਰਧਿਆਨੀ दूर्धिआनी Dūrdhiānī [3] वि०
दूरध्यानिन् (वि०) दूरदर्शी, दूर तक ध्यान रखने वाला।

ਦੂਰਪਾਰਦਾ दूर्पार्दा Dūrpārdā [3] वि०
दूरेत्य (वि०) दूर का।

ਦੂਰਬੀਨੀ दूर्बीनी Dūrbīnī [3] स्त्री०
दूरवीक्षण (नपुं०) दूरदृष्टि, सूक्ष्म विचार-शक्ति।

ਦੂਰਾਈ दूराई Dūrāī [3] स्त्री०
दूरता (स्त्री०) दूरता, दूर होने का भाव।

ਦੂਰੋਂ-ਪਾਰੋਂ दूरों-पारों Dūrō-pārō [3] क्रि० वि०
द्र०—ਦੂਰ ਪਾਰ ਦਾ।

ਦੂਰੰਤਰ दूरन्तर् Dūrantar [2] वि०
दुरन्त (वि०) भयानक; दुःखान्त।

ਦੂੜ दूड़् Dūṛ [1] पुं०
धूर्त (वि०) चोर, ठग।

ਦੂੜਾ दूड़ा Dūṛā [1] पुं०
दूत/दूतक (पुं०) दूत, संदेश-वाहक, सन्देश-हर।

ਦੂੜ੍ਹਾ दूढ़ा Dūṛhā [1] पुं०
धावक (वि०) दौड़ने वाला; दूत।

ਦੇ[1] दे De [1] स्त्री०
देवी (स्त्री०) देवी, भगवती।

ਦੇ² दे De [1] वि०
दैवी (स्त्री०) देव संबन्धी, अलौकिक शक्ति।

ਦੇ³ दे De [1] पुं०
देव (पुं०) देवयोनि, जिन्न, भूत।

ਦੇਈ देई Dei [1] स्त्री०
देवी (स्त्री०) देवी, भगवती।

ਦੇਸ-ਚਾਲ देस्-चाल् Des-Cal [1] स्त्री०
देशचाल (पुं०) देश की प्रथा, देश परम्परा।

ਦੇਸਣ देसण् Desan [3] वि०
देशीय (वि०) देश से संबन्धित, देश का।

ਦੇਸ-ਦਸੰਤਰ देस्-दसन्तर् Des-Dasantar [3] पुं०
देशदेशान्तर (नपुं०) देश-देशान्तर, अन्य देश।

ਦੇਸ਼-ਧ੍ਰੋਹ देश्-ध्रोह् Deś-dhroh [3] पुं०
देश-द्रोह (पुं०) देश-द्रोह, स्वदेश का विरोध।

ਦੇਸ਼-ਧ੍ਰੋਹੀ देश्-ध्रोही Deś-dhrohi [3] पुं०
देशद्रोहिन् (वि०) देश-द्रोही, स्वदेश से द्रोह रखने वाला।

ਦੇਸੜੀ देसड़ी Desri [1] वि०
देशीय (वि०) देश से संबन्धित, देशी तम्बाकू आदि।

ਦੇਸਾ देसा Desa [1] पुं०
दाशक/दासक (वि०) दाता दानी देने वाला।

ਦੇਸਾਚਾਰ देसाचार् Desacar [3] स्त्री०
देशाचार (पुं०) देशाचार, लोकाचार।

ਦੇਸਾਚਾਲ देसाचाल् Desacal [1] स्त्री०
द्र०—ਦੇਸਾਚਾਰ।

ਦੇਸੀ देसी Desi [3] वि०
देशिन् (वि०) देशी, देश का।

ਦੇਹ देह् Deh [3] स्त्री०
देह (पुं०) देह, शरीर।

ਦੇਹ-ਅਧਿਆਸ देह्-अधिआस् Deh-Adhias [3] पुं०
देहाध्यास (पुं०) आत्मा में देह का अध्यास, शरीर को आत्मा समझने का भाव।

ਦੇਹ-ਪਰਾਣ देह्-पराण् Deh-Paran [3] पुं०
देहप्राण (पुं०) देह और प्राण।

ਦੇਹਰਾ देह्रा Dehra [3] पुं०
देवघर (पुं०) देवघर, मन्दिर, देवालय।

ਦੇਹਲੀ देह्ली Dehli [3] स्त्री०
देहली (स्त्री०) दहलीज, ड्योढ़ी, दरवाजे का चौखट।

ਦੇਹੜ देहड़् Dehar [1] स्त्री०
देह (पुं०) देह, शरीर।

ਦੇਹਾਂਤ देहांत् Dehant [3] पुं०
देहान्त (पुं०, नपुं०) देहान्त, मृत्यु ।

ਦੇਹੀ देही Dehi [3] स्त्री०
देह (पुं०) शरीर, देह, काया ।

ਦੇਹੁਰਾ देहुरा Dehura [3] पुं०
द्र०—ਦੇਹਰਾ ।

ਦੇਖਣਾ देख्णा Dekhna [3] क्रि०
दर्शन / ईक्षण (नपुं०) दर्शन, देखने का भाव ।

ਦੇਣਾ देणा Deṇa [3] सक० क्रि०
ददाति (जुहोत्यादि सक०) देना, दान करना ।

ਦੇਵਸੀ देव्सी Devsi [3] सक० क्रि०
दास्यति (जुहोत्यादि सक० भविष्यत्) देगा, दान करेगा ।

ਦੇਵਦਾਰ देव्दार् Devdār [3] पुं०
देवदारु (पुं०, नपुं०) देवदारु का वृक्ष ।

ਦੇਵਰ देवर् Devar [1] पुं०
द्र०—ਦਿਓਰ ।

ਦੇਵਾ देवा Deva [1] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव-गण ।

ਦੇਵਾਲਾ देवाला Devala [2] पुं०
देवालय (पुं०) देवालय, मन्दिर ।

ਦੈਤ दैत् Dait [3] पुं०
दैत्य (पुं०) दैत्य, दानव ।

ਦੈਂਤ दैंत् Daīt [3] पुं०
द्र०—ਦੈਤ ।

ਦੈਤਣੀ दैत्णी Daitaṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਦੈਂਤਣੀ ।

ਦੈਂਤਣੀ दैंत्णी Daitṇi [3] स्त्री०
दैत्या (स्त्री०) दैत्या, राक्षसी ।

ਦੈਵੱਗ दैवग्ग् Daivagg [3] पुं०
दैवज्ञ (पुं०) ज्योतिषी, नक्षत्र-विद्या को जानने वाला ।

ਦੋ दो Do [3] वि०
द्वि (सर्वं०) दो, 2 ।

ਦੋਊ दोऊ Doū [2] वि०
द्वितीय (वि०) दूसरा, अन्य ।

ਦੋਈ दोई Doi [2] वि०
द्र०—ਦੋ ।

ਦੋਏ-ਵੇਲੇ दोए-वेले Doe-Vele [3] क्रि० वि०
द्विवेल (नपुं०) दोनों वेला, साम-सवेरे ।

ਦੋਸ दोस् Dos [3] पुं०
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि ।

ਦੋਸ਼ਣ दोशण् Dośaṇ [3] स्त्री०
दोषिणी (स्त्री०) दोष-युक्त स्त्री, अपराधिनी ।

ਦੋਸਣਾ दोसणा Dosṇa [3] क्रि०
द्र०—ਦੋਸਣਾ ।

ਦੋਸਣਾ दोशणा Dośna [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दोष देना, दूषित करना।

ਦੋਸ਼ਣੀ दोश्नी Dośnī [1] स्त्री०
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि।

ਦੋਸਾ दोसा Dosā [1] पुं०
दोषिन् (वि०) दोषी, अपराधी।

ਦੋਂਹ दोंह् Dōh [2] वि०
द्र०—ਦੋ।

ਦੋਹਜ दोह्ज् Dohaj [1] पुं०
दोह (पुं०) दूध दूहने का भाव या कार्य।

ਦੋਹਣਾ[1] दोह्णा Dohṇā [3] सक० क्रि०
दोग्धि (अदादि सक०) दूहना, दूध निकालना।

ਦੋਹਣਾ[2] दोह्णा Dohṇā [2] पुं०
दोहन (नपुं०) दुग्धपात्र, दूहने का पात्र।

ਦੋਹਣੀ दोह्णी Dohṇī [3] स्त्री०
दोहनी (स्त्री०) दुधैड़ी, दूध दूहने का पात्र।

ਦੋਹਤ-ਜੁਆਈ दोह्त्-जुआई Dohat-Juāī [3] पुं०
दुहितृजामातृ (पुं०) बेटी-दामाद पुत्री-जामाता।

ਦੋਹਤ ਪੋਤ दोह्त् पोत् Dohat Pot [3] पुं०
दौहित्रपौत्र (पुं०) नाती-पोता।

ਦੋਹਤ ਬਹੂ दोह्त् बहू Doht-Bahū [3] स्त्री०
दुहितृवधू (स्त्री०) पुत्री की बहू।

ਦੋਹਤਰਵਾਣ दोह्तर्वाण् Dohtarvāṇ [3] पुं०
दुहितृसन्तान (पुं०) पुत्री की सन्तान।

ਦੋਹਤਰਾ दोह्त्रा Dohtrā [3] पुं०
दौहित्र (पुं०) दौहित्र, नाती।

ਦੋਹਤਰੀ दोह्तरी Dohtarī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) दौहित्री, नातिन।

ਦੋਹਤਵਾਣ दोह्तवाण् Dohtavāṇ [3] पुं०
द्र०—ਦੋਹਤਰਵਾਣ।

ਦੋਹਤਾ दोह्ता Dohtā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਹਤ।

ਦੋਹਤੀ दोह्ती Dohtī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) पुत्री की पुत्री।

ਦੋਹੱਥਾ दोहत्था Dohatthā [3] पुं०
द्विहस्तक (वि०) दो हाथ लम्बा व्यक्ति, बौना।

ਦੋਹਰ दोहर् Dohar [3] स्त्री०
द्विहल्य (नपुं०) दूसरी बार हल चलाने की क्रिया।

ਦੋਹਾ दोहा Dohā [3] पुं०
दोहक (वि०) दूहने वाला।

ਦੋਹਾਂ दोहाँ Dohā̃ [3] वि०
द्र०—ਦੋ।

ਦਹੀ[1] दोही Dohi [1] पुं०
दोहिन् (वि०) दूहने वाला; ग्वाला।

ਦੋਹੀ[2] द्रोही Dohī [3] वि०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्रोह करने वाला।

ਦੋਕਣੀ दोक्णी Dokṇī [2] स्त्री०
धुक्षणी (स्त्री०) धौंकनी, भाथी।

ਦੋਖ दोख् Dokh [3] पुं०
द्वेष (पुं०) द्वेष, ईर्ष्या, जलन।

ਦੋਖਣ दोखण् Dokhaṇ [3] स्त्री०
दोषिणी (स्त्री०) दोषयुक्त स्त्री, अपराधिनी।

ਦੋਖਣਾ दोख्णा Dokhṇā [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दोष लगाना, दूषित करना।

ਦੋਖਲਾ दोख्ला Dokhlā [1] पुं०
उलूखल (पुं०) ओखली, ऊखल।

ਦੋਖੀ दोखी Dokhī [3] वि०
दोषिन् (वि०) दोषवाला, कलंकी।

ਦੋਘੜ दोघड़् Doghaṛ [3] पुं०
द्विघट (पुं०) सिर पर रखे गये दो घड़े जो एक दूसरे के ऊपर होते हैं।

ਦੋ-ਜੀਭਾ दो-जीभा Do-Jībhā [3] वि०
द्विजिह्व (वि०) झूठा; ठग; साँप।

ਦੋਜੀਵੀ दो-जीवी Do-Jīvī [3] स्त्री०
द्विजीवा (स्त्री०) दो जीव वाली अर्थात् गर्भवती।

ਦੋਝਣ दोझण् Dojhaṇ [3] स्त्री०
दोग्ध्री (स्त्री०) दूध दूहने वाली स्त्री।

ਦੋਝੀ दोझी Dojhī [3] पुं०
दोग्धृ (वि०) दूध दूहने वाला।

ਦੋਥਣੀ दोथ्णी Dothaṇī [3] स्त्री०
द्विस्तनी (स्त्री०) जिसके दो थनों में ही दूध हो।

ਦੋਦਰਾ दोद्रा Dodrā [3] वि०
द्विद्वारक (वि०) दो द्वारों वाला मकान।

ਦੋਂਦਾ दोंदा Dõdā [3] पुं०
द्विदत् (वि०) जिसके अभी दो दाँत निकले हों।

ਦੋ ਦਾਹਾ दो-दाहा Do-Dāhā [1] वि०
द्विदिवसीय (वि०) दो दिन का।

ਦੋਧਣ दोधण् Dodhaṇ [3] स्त्री०
दोधी (स्त्री०) ग्वालिन, ग्वाले की पत्नी।

ਦੋਧਲ दोधल् Dodhal [3] स्त्री०
दोग्ध्री (स्त्री०) दुधारु, दूध देने वाली गाय।

ਦੋਧੀ दोधी Dodhī [3] पुं०
दोध/दुग्धिन् (पुं०) दूध-विक्रेता।

ਦੋਧੀਆ दोधीआ Dodhīā [3] वि०
दुग्धीय (वि०) दुधिया, दूध संबन्धी।

ਦੋਨਾਂ दोनां Donā̃ [3] वि०
द्र० — ਦੋਨੋਂ।

ਦਨੋ दोनो Doro [3] वि०
द्वौ (वि० प्रथमान्त) दो, दोनों।

ਦੋਵੇਂ दोवें Dove [3] क्रि० वि०
द्वावेव (क्रि० वि०) दोनों को, प्रत्येक को।

ਦੌਸ दौस् Daus [1] पुं०
दासेर (पुं०) दासी-पुत्र, एक प्रकार की गाली।

ਦੌਸਣ दौसण् Dausaṇ [3] स्त्री०
दासेरी (स्त्री०) दासी-पुत्री, एक प्रकार की गाली।

ਦੌਣ दौण् Dauṇ [3] स्त्री०
दामन् (नपुं०) रस्सी, रज्जु।

ਦੌੜਣਾ दौड़्णा Dauṛṇā [3] अक क्रि०
द्रवति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਦੰਡਣਾ दण्डणा Daṇḍaṇā [3] सक० क्रि०
दण्डयति (चुरादि सक०) दण्ड देना, दण्डित करना।

ਦੰਡਾਉਤ दण्डाउत् Daṇḍaut [3] स्त्री०
दण्डवत् वि०) दण्डवत्, वन्दना।

ਦੰਤ दन्त् Dant [1] पुं०
दन्तिन् (पु०) हाथी, गज।

ਦੰਦ दन्द् Dand [3] पुं०
दन्त (पुं०) दाँत, दन्त।

ਦੰਦਲ दन्दल् Dandal [3] पुं०
दन्तुर (वि०) ऊँचे या निकले दाँतों वाला।

ਦਦਲੂ दन्दलू Danalu [1] वि०
द्र०—ਦੰਦਲ।

ਦੰਦੂਰਾ दन्दूरा Dandūra [1] पुं०
धत्तूर (पुं०) धतूरा, एक विषैला पौधा।

ਦੰਭ दम्भ् Dambh [3] पुं०
दम्भ (पुं०) पाखण्ड, आडम्बर।

ਦੰਭਣ दम्भण् Dambhaṇ [3] स्त्री०
दम्भिनी (स्त्री०) दम्भ से युक्त स्त्री।

ਦੰਭਣਾ दम्भ्णा Dambhṇā [1] सक० क्रि०
दम्भयति (चुरादि पद) निन्दा करना; पीड़ा पहुँचाना।

ਦੰਮ दम्म Damm [2] पुं०
दम्म (नपुं०) मुद्रा-विशेष, एक सिक्का।

ਦ੍ਰਸਟਾ द्रश्टा Draśṭā [3] वि०
द्रष्टृ (वि०) द्रष्टा, देखने वाला।

ਦ੍ਰਬ द्रब् Drab [1] पुं०
द्रव्य (नपुं०) धन-सम्पत्ति; धास-विशेष।

ਦ੍ਰਭ द्रभ् Drabh [1] पुं०
द्र०—ਦ੍ਰਬ।

ਦ੍ਰਵਾਉਣਾ द्रवाउणा Dravāuṇā [2] सक० क्रि०
द्रावयति (क्रि० प्रेर०) पिघलाना, द्रवित करना।

ਦ੍ਰਵਿਤ द्रवत् Dravat [3] वि०
द्रवित (वि०) द्रवित, पिघला हुआ।

ਦ੍ਰਿਸ ड्रिश Dris [3] वि०/पुं०
दृश्य (वि० / नपुं०) वि०—दृश्य, देखने योग्य। नपुं०—नाटक का एक दृश्य।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾ ड्रिश्टा Drista [3] पुं०
द्र०—द्रष्टा।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਉਣਾ ड्रिश्टाउणा Dristauna [3] सक० क्रि०
दर्शयति (स्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤ ड्रिश्टांत् Dristant [3] पुं०
दृष्टान्त (पुं०) दृष्टान्त, उदाहरण।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤਕ ड्रिश्टान्तक् Dristantak [3] वि०
दार्ष्टान्तिक (वि०) दृष्टान्त से युक्त, जिसके लिये दृष्टान्त हो वह।

ਦ੍ਰਿਸਟੀਜਾ ड्रिस्टीजा Dristija [1] वि०
दृष्टिज (वि०) दृष्टि से उत्पन्न, नेत्र से उत्पन्न।

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ड्रिढ् Drirh [3] वि०
दृढ (वि०) दृढ़, अटल।

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਤਾ ड्रिढ्ता Drirhta [3] स्त्री०
दृढता (स्त्री०) दृढ़ता, स्थिरता, मजबूती।

ਦ੍ਰੋਹ ड्रोह Droha [1] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोह करने वाला, अपकारी।

ਦ੍ਵੈਸ਼ द्वैश् Dvais [3] स्त्री०
द्र०—द्वैख।

ਦ੍ਵੈਸ਼ੀ द्वैशी Dvaisi [1] पुं०
द्र०—द्वैखी।

ਦ੍ਵੈਖ द्वैख् Dvaikh [1] पुं०
द्वेष (पुं०) द्वेष, ईर्ष्या, जलन।

ਦ੍ਵੈਖੀ द्वैखी Dvaikhi [3] पुं०
द्वेषिन् (वि०) द्वेष करने वाला, ईर्ष्यालु, जलनशील।

ਧ

ਧਉਲ धउल् Dhaul [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत, गौर।

ਧਸਾਕਾ धसाका Dhsaka [1] पुं०
कास (पुं०) खाँसी रोग।

ਧੱਕ[1] धक्क् Dhakk [3] पुं०
द्र०—धੱਕਾ।

ਧੱਕ[2] धक्क् Dhakk [1] पुं०
थाक (पुं०) खम्बा, स्तम्भ।

ਧੱਕਣਾ धक्कणा Dhakkna [3] सक० क्रि०
धक्कयति (चुरादि सक०) धक्का देना, ठेलना, हटाना।

ਧੱਕਾ धक्का Dhakka [3] पुं०

धक्क (पुं० धक्का आघात ठेलने का भाव।

ਧਜਾ धजा Dhajā [3] स्त्री०
ध्वज (पुं०) ध्वजा, पताका।

ਧਣਖ धणख् Dhaṇakh [1] पुं०
द्र०—ਧਨੁਖ।

ਧਣੁਖ धणुख् Dhaṇukh [3] पुं०
धनुस् (नपुं०) धनुष, कमान, कोदण्ड।

ਧਣੁਖਾਕਾਰ धणुखाकार् Dhaṇukhākār [3] वि०
धनुषाकार (वि०) धनुष के आकार वाला।

ਧਣੁਖੀ धणुखी Dhaṇukhī [1] स्त्री०
धनुस् (नपुं०) छोटा धनुष, धनुही।

ਧਤੂਰਾ धतूरा Dhatūrā [3] पुं०
धत्तूर (पुं०) धतूरा, एक विषैला पौधा।

ਧਨ¹ धन् Dhan [3] स्त्री०
धनूराशि (पुं०) धनुराशि, मेष आदि बारह राशियों में से एक।

ਧਨ² धन् Dhan [3] पुं०
धन (नपुं०) धन, सम्पत्ति।

ਧਨਾਢ धनाढ् Dhanāḍh [3] वि०
धनाढ्य (वि०) धनाढ्य, धनी।

ਧਨੀ धनी Dhanī [3] वि०
धनिन् (वि०) धनी, धन वाला।

ਧਨੀਆਂ धनिआँ Dhaniā̃ [3] पुं०
धान्याक (नपुं०) धनिया, एक प्रकार का मशाला।

ਧਨੁਖ धनुख् Dhanukh [3] पुं०
धनुस् (नपुं०) धनुष, शरासन, कोदण्ड।

ਧਨੇਓ धनेओ Dhaneo [1] स्त्री०
धेनुका (स्त्री०) दुधारु गौ, दूध देने वाली गौ।

ਧਨੰਜੈ धनंजै Dhanañjai [3] पुं०
धनञ्जय (पुं०) अग्निदेव, आग।

ਧਨੰਤਰ धनन्तर् Dhanantar [3] पुं०
धन्वन्तरि (पुं०) भगवान् धन्वन्तरि जो आयुर्वेद शास्त्र के प्रवर्तक हैं।

ਧਰ¹ धर् Dhar [2] स्त्री०
धरा (स्त्री०) पृथिवी; आश्रय।

ਧਰ² धर् Dhar [2] स्त्री०
धरणि (स्त्री०) धरन, शहतीर।

ਧਰਚਕ੍ਰ धर्चक्र् Dharcakr [1] पुं०
धराचक्र (नपुं०) धराचक्र, भूमण्डल।

ਧਰਤ धर्त् Dhart [3] स्त्री०
धरित्री (स्त्री०) धरती, पृथिवी।

ਧਰਤੀ धर्ती Dhartī [3] स्त्री०
धरित्री (स्त्री०) धरती, पृथिवी, भूमि।

ਧਰਨ धरन् Dharan [3] स्त्री०
धरिणी (स्त्री०) नस, नाड़ी, शिरा।

ਧਰਨਾ धर्ना Dharnā [3] अक० क्रि०

धरति/ते (भ्वादि सक०) धरना पकड़ना धारण करना, रखना; धरना देना।

ਧਰਮਸਾਲ धरम्साल् Dharamsāl [3] स्त्री०
धर्मशाला (स्त्री०) धर्मशाला; गुरुद्वारा।

ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ धरम्शाला Dharamśālā [3] स्त्री०
द्र०—ਧਰਮਸਾਲ।

ਧਰਮੱਗ धरम्मग् Dharmagg [3] पुं०
धर्मज्ञ (वि०) धर्म को जानने वाला, धर्मवेत्ता।

ਧਰਮਣ धरमण् Dharmaṇ [3] स्त्री०
धर्मिणी (स्त्री०) धर्मिणी, धार्मिक स्त्री।

ਧਰਮਧੁਜੀ धरम्ध्वजी Dharamdhvaji [3] पुं०
धर्मध्वजिन् (वि०) पाखण्डी, दम्भी।

ਧਰਮਪਤਨੀ धरम्पत्नी Dharampatnī [3] स्त्री०
धर्मपत्नी (स्त्री०) धर्मपत्नी, समाज में स्वीकृत पत्नी, भार्या।

ਧਰਮਜੁੱਧ धरम्युद्ध Dharamyuddh [3] पुं०
धर्मयुद्ध (नपुं०) धर्मयुद्ध, युद्ध जो धर्मपूर्वक या नीतिपूर्वक हो।

ਧਰਮਰਾਇ धरम्राए Dharamrāe [3] पुं०
धर्मराज (पुं०) धर्मराज, देव-विशेष।

ਧਰਮਾ धरमा Dharmā [3] पुं०
धर्मिन् (वि०) धर्मी, धार्मिक।

ਧਰਮਾਉਤਣ धरमाउतण् Dharmāutaṇ [1] स्त्री०
धर्मात्मनी (स्त्री०) धर्मात्मा स्त्री, धार्मिक स्त्री।

ਧਰਮਾਤਮਾ धरमात्मा Dharamātmā [3] पुं०
धर्मात्मन् (वि०) धर्मात्मा, धार्मिक।

ਧਰਮਾਤਾ धरमाता Dharmātā [3] पुं०
धर्मात्मन् (वि०) धर्मात्मा, धार्मिक।

ਧਰਮਾਦਾ धरमादा Dharmādā [3] पुं०
धर्मार्थ (पुं०) आय से धर्मार्थ निकाला गया धन, धर्म का धन।

ਧਰਮੀਗੱਲ धरमीगल्ल् Dharmīgall [3] स्त्री०
धर्मिगल्प (पुं०) सही बात, तथ्य कथा।

ਧਰਮੀੜ धरमीड़् Dharmīṛ [3] वि०
धर्मीड्य (वि०) धर्मात्माओं से प्रशंसित, धार्मिकों से स्तुत्य।

ਧਰੜਨਾ धरड़्ना Dharṛanā [2] सक० क्रि०
ध्राडते (भ्वादि सक०) मारना, चीरना।

ਧਰਾਇਣ ध्राइण् Dhrāiṇ [3] पुं०
धारक (वि०) धारण करने वाला, रखने वाला।

ਧਰਾਸ ध्रास् Dhrās [3] पुं०
धैर्याशा (स्त्री०) धैर्य, धीरता।

ਧਰਾਸਣਾ धरासणा Dhrasna [3] सक० क्रि०
धर्षयति (भ्वादि सक०) धर्षित करना, अपमानित करना।

ਧਰਾਖ ध्राख् Dhrakh [1] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) दाख, अंगूर।

ਧਰਾਪਣਾ ध्रापणा Dhrapna [1] अक० क्रि०
घ्रायति (भ्वादि अक०) सन्तुष्ट होना,

ਧਰਿੱਗ ध्रिग्ग् Dhrigg [3] पुं०
धिक् (अ०) धिक्कार, फटकार।

ਧਰੂ धरू Dhrū [3] पुं०
ध्रुव (पुं०) भक्त ध्रुव, ध्रुव तारा।

ਧਰੇਲ ध्रेल् Dhrel [3] स्त्री०
धरणीया (स्त्री०) रखैल स्त्री।

ਧਰੋਈ ध्रोई Dhroī [3] वि०
द्र०—ਧਰੋਹੀ।

ਧਰੋਹ ध्रोह् Dhroh [3] पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह, द्वेष, अपकार।

ਧਰੋਹਣਾ ध्रोह्णा Dhrohna [3] अक० क्रि०
द्रुह्यति (दिवादि अक०) द्रोह करना, अपकार करना।

ਧਰੋਹਾ ध्रोहा Dhroha [3] पुं०
द्र०—ਧਰੋਹ।

ਧਰੋਹੀ ध्रोही Dhrohī [3] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्वेषी; धोखेबाज, कपटी।

ਧਰੋਹੀਆ धरोहिआ Dhrohia [1] वि०
द्र०—ਧਰੋਹੀ।

ਧਵਜ धवज् Dhvaj [3] स्त्री०
द्र०—ਧਜਾ।

ਧਵਲ धवल् Dhaval [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत, गौर।

ਧਵਲਾ धव्ला Dhavla [3] वि०
धवल (वि०) सफेद, सफेद गन्ना आदि।

ਧਵਾਂਖ ध्वाँख् Dhvākh [3] पुं०
धूम्राक्ष (पुं०, नपुं०) धूएँ की मलिनता, धूम-कालुष्य।

ਧੜਵਈ धड़्वई Dhaṛvaī [3] पुं०
धटवाहिन् (वि०) तराजू तौलने वाला।

ਧੜਾ धड़ा Dhaṛa [3] पुं०
धट (पुं०) तराजू; तराजू के दोनों पलड़ों को समान करने वाला भार।

ਧਾਉਣਾ धाउणा Dhauṇa [1] अक० क्रि०
धावति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਧਾਉਣੀ धाउणी Dhauṇī [1] स्त्री०
धावन (नपुं०) धावा, आक्रमण।

ਧਾਈ धाई Dhaī [3] स्त्री०
धावन (नपुं०) दौड़ना; आक्रमण।

ਧਾਈਂ धाईं Dhaī̃ [1] पुं०
धान्य (नपुं०) धान, सतुष चावल।

ਧਾਣਾ[1] धाणा Dhana [1] सक० क्रि०
धापयति (जुहोत्यादि प्रेर०) आधान करवाना, रखवाना।

ਧਾਣਾ[2] धाणा Dhana [3] अक० क्रि०
द्र०—ਧਾਉਣਾ।

ਧਾਣਾ[3] धाणा Dhana [1] स्त्री०
धाना (स्त्री०) भुना हुआ जौ-चावल आदि अन्न, लावा, लाजा।

ਧਾਤ धात् Dhat [3] स्त्री०
धातु (पुं०) धातु, खनिज पदार्थ; वीर्य; शब्द की मूल इकाई।

ਧਾਤੀ धाती Dhati [3] वि०
धात्वीय (वि०) धातु से सम्बद्ध।

ਧਾਤੂ धातू Dhatū [3] स्त्री०
द्र०—ਧਾਤ।

ਧਾਨ[1] धान् Dhān [3] पुं०
धान (नपुं०) आधार; पोषण; आधान।

ਧਾਨ[2] धान् Dhān [3] पुं०
धान्य (नपुं०) अन्न, अनाज।

ਧਾਨਕ धानक् Dhanak [2] पुं०
धानुष्क (वि०) रुई पींजने वाला, पेंजा, धुनकिया।

ਧਾਨ੍ਹਾਂ धान्हां Dhanhā̃ [1] पुं०
धान्याक (नपुं०) धनिया एक प्रकार का मसाला।

ਧਾਪਣਾ धाप्णा Dhapṇa [3] सक० क्रि०
ध्रायति (भ्वादि अक०) तृप्त होना,

ਧਾਮਣ धामण् Dhaman [1] पुं०
धर्मण (पुं०) धामिन, सर्प जाति विशेष।

ਧਾੱਮਾ धाम्मा Dhāmma [3] पुं०
धार्म (वि०) ब्राह्मण भोजन का निमन्त्रण; धार्मिक कार्य।

ਧਾਰ[1] धार् Dhār [3] स्त्री०
धार (पुं०) धारा; झरना।

ਧਾਰ[2] धार् Dhār [3] स्त्री०
धारा (स्त्री०) शस्त्र की धार; पर्वत-पृष्ठ देश।

ਧਾਰਨ धारन् Dhāran [3] स्त्री०
धारण (नपुं०) ग्रहण, पकड़।

ਧਾਰਨਾ धार्ना Dharna [3] सक० क्रि०
धरति/ते (भ्वादि सक०) धारण करना, पहनना।

ਧਾਰਵੀ धार्वी Dharvi [1] पुं०
धारक (वि०) धारक, धारण करने वाला।

ਧਾਰਾ धारा Dhara [3] स्त्री०
धार (पुं०) धारा, झरना।

ਧਾਰਿਣ धारिण् Dhārin [3] स्त्री०
धारिन्/धातृ (पुं० / वि०) पुं०—ब्रह्मा। वि०—कर्ता; धारण करने वाला।

ਧਾਰੀ धारी Dhari [3] स्त्री०

धारणी (स्त्री० मार्ग पङ्क्ति रेखा, किनारा।

ਧਾਵਣਾ धावणा Dhavṇa [3] अक० क्रि०
धावति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਧਾਵਣੀ धावणी Dhavṇi [3] स्त्री०
धावन (नपुं०) दौड़ने का भाव, धावन।

ਧਾਵਤ धावत् Dhavat [1] पुं०
धावत् (वि०) दौड़ता हुआ।

ਧਾਵਾ[1] धावा Dhava [3] पुं०
धाव (पुं०) धावा, आक्रमण।

ਧਾਵਾ[2] धावा Dhava [1] पुं०
धव (पुं०) धव, महुआ।

ਧਾਵਾ[3] धावा Dhava [1] पुं०
धावक (वि०) धावक, हरकारा।

ਧਾਵਾਕਾਰ धावाकार् Dhavakar [3] पुं०
धावनकार (वि०) धावा बोलने वाला, आक्रमणकारी।

ਧਾੜਾ धाड़ा Dhaṛa [3] पुं०
धाटी (स्त्री०) धावा, आक्रमण।

ਧਿਆਉਣਾ धिआउणा Dhiauṇa [3] सक० क्रि०
ध्यायति (भ्वादि सक०) ध्यान करना, चिन्तन करना।

ਧਿਆਈ धिआई Dhiai [2] पुं०
ध्यातृ (वि०) ध्यान-मग्न, ध्यान करने वाला।

ਧਿਆਣ धिआण् Dhiaṇ [1] स्त्री०
दुहितृजन (पुं०) पुत्री; पुत्री की पुत्री।

ਧਿਆਣਾ धिआणा Dhiaṇa [1] पुं०
दुहितृजन (पुं०) पुत्री; नाती।

ਧਿਆਣੀ धिआणी Dhiaṇi [3] स्त्री०
द्र० —ਧਿਆਣ।

ਧਿਆਤਾ धिआता Dhiata [3] पुं०
ध्यातृ (वि०) ध्याता, ध्यान धरने वाला।

ਧਿਆਨ धिआन् Dhian [3] पुं०
ध्यान (नपुं०) ध्यान, किसी के स्वरूप का चिन्तन।

ਧਿਆਨਗੋਚਰੇ धिआन्‌गोच्‌रे Dhiangocre [3] वि०
ध्यानगोचर (वि०) ध्यान का विषय, विचाराधीन।

ਧਿਆਨਣ धिआनण् Dhianaṇ [3] स्त्री०
ध्यात्री (स्त्री०) ध्यान करने वाली।

ਧਿਆਨਣਾ धिआनणा Dhianṇa [3] सक० क्रि०
ध्यायति (भ्वादि सक०) ध्यान करना, विचारना, सोचना।

ਧਿਆਨਵਾਨ धिआन्‌वान् Dhianvan [3] वि०
ध्यानवत् (वि०) ध्यान रखने वाला, सावधान।

ਧਿਆਨੀ धिआनी Dhiani [3] पुं०
ध्यानिन् (वि०) ध्यानी, ध्यान लगाने वाला।

ਧਿੱਕਾਰ धिक्कार् Dhikkar [3] पुं०
धिक्कार (पुं०) भर्त्सना, तिरस्कार।

ਧਿੱਕਾਰਨਾ धिक्कार्ना Dhikkarna [3] सक० क्रि०
धिक्करोति (तनादि सक०) धिक्कारना, तिरस्कार करना।

ਧਿਗ धिग् Dhig [1] अ०
धिक् (अ०) धिक्, धिक्कार।

ਧਿਤਕਾਰ धित्कार् Dhitkar [2] पुं०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰ।

ਧਿਤਕਾਰਨਾ धित्कार्ना Dhitkarna [2] सक० क्रि०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰਨਾ।

ਧਿਰ धिर् Dhir [3] स्त्री०
धारा (स्त्री०); धारा; पक्ष।

ਧਿਰਕਾਰ धिर्कार् Dhirkar [3] स्त्री०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰ।

ਧਿਰਕਾਰਨਾ धिर्कार्ना Dhirkarna [3] सक० क्रि०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰਨਾ।

ਧੀ धी Dhī [3] स्त्री०
दुहितृ (स्त्री०) पुत्री, बेटी।

ਧੀਰਜ धीरज् Dhīraj [3] पुं०
धैर्य (नपुं०) धीरज, धैर्य, धीरता।

ਧੀਰਜਤਾ धीरज्ता Dhīrajta [3] स्त्री०
धीरता (स्त्री०) धीरता, धैर्य।

ਧੀਰਜਤਾਈ धीरज्ताई Dhīrajtai [3] स्त्री०
द्र०—ਧੀਰਜਤਾ।

ਧੀਰਜਮਾਨ धीरज्मान् Dhīrajmān [3] पुं०
धैर्यवत् (वि०) धैर्यवान्, धीर।

ਧੀਰਜਵਾਨ धीरज्वान् Dhīrajvān [3] पुं०
द्र०—ਧੀਰਜਮਾਨ।

ਧੀਰਤਾਈ धीर्ताई Dhīrtāī [1] स्त्री०
द्र०—ਧੀਰਜਤਾ।

ਧੀਰਾ धीरा Dhīra [3] वि०
धीर (वि०) धैर्ययुक्त, गम्भीर।

ਧੀਰੇ धीरे Dhīre [2] क्रि० वि०
धीर (क्रि० वि०) सुस्ती से, धीरे-धीरे।

ਧੁਆਹਾਂ धुआहाँ Dhuahā̃ [3] वि०
द्र०—ਧੁਆਹਾ।

ਧੁਆਂਖਾ धुआँखा Dhuā̃kha [3] वि०
धूम्राक्ष (वि०) धूएँ से मलिन; धूमैले रंग का।

ਧੁਆਖਿਆ धुआखिआ Dhuakhia [3] वि०
द्र०—ਧੁਆਖਾ।

ਧੁਆਂਖਿਆ धुआँखिआ Dhuā̃khia [3] वि०
द्र०—ਧੁਆਂਖਾ।

ਧੁੱਸੜ धुस्सड़् Dhussaṛ [3] पुं०
दूष्य (नपुं०) धुस्सा, मोटा कपड़ा, मोटे सूत का चद्दर।

ਧੁੱਸਾ धुस्सा Dhussā [3] पुं०
दूष्य (नपुं०) अच्छी किस्म का ऊनी वस्त्र।

ਧੁਖਣਾ धुखणा Dhukhna [3] अक० क्रि०
धुक्षते (भ्वादि अक०) जलना, संतप्त होना।

ਧੁਣਕਣਾ धुणकणा Dhuṇakṇa [2] सक० क्रि०
धुनाति (क्र्यादि सक०) धुनना; क्षुब्ध करना।

ਧੁਣਖਣਾ धुणखणा Dhuṇakhṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਧੁਣਕਣਾ।

ਧੁਣਖਵਾ धुणखवा Dhuṇakhva [3] पुं०
धनुर्वात (पुं०) धनुर्वात, धनुष्टकार रोग, टिटनेस।

ਧੁਣਖਵਾਉ धुणखवाउ Dhuṇakhvau [3] पुं०
द्र०—ਧੁਣਖਵਾ।

ਧੁਣਨ धुणन् Dhuṇan [3] पुं०
धूनन (नपुं०) हिलाने का भाव, कम्पन।

ਧੁੰਦ धुन्द् Dhund [3] स्त्री०
धूमान्ध (पुं०) धुन्ध, कुहरा।

ਧੁੱਦਲ धुद्दल् Dhuddal [3] स्त्री०
दलितधूलि (स्त्री०) पैरों से बारीक की गई रास्ते की धूलि, रजकण।

ਧੁੰਧਾਰ धुन्धार् Dhundhar [1] पुं०
धूमधारा (स्त्री०) धुआँधार; अत्यधिक, लगातार; धुएँ की धारा।

ਧੁਨ धुन् Dhun [3] स्त्री०
ध्वनि (स्त्री०) ध्वनि, आवाज; धुन।

ਧੁੰਨ धुन्न् Dhunn [3] पुं०
तुन्दि (स्त्री०) नाभि के बीच का छोटा गर्त।

ਧੁੰਨੀ धुन्नी Dhunni [3] स्त्री०
तुण्डि (स्त्री, पुं०) नाभि, पेट के बीच का गर्त।

ਧੁਨੀਕਾਰ धुनीकार् Dhunikar [3] पुं०
ध्वनिकार (पुं०) एक प्रकार का बाजा।

ਧੁਪਾਲਾ धुपाला Dhupala [3] वि०
धूपित (वि०) धूप दिया हुआ, सुगन्ध युक्त किया हुआ।

ਧੁਪਿਆਲਾ धुपिआला Dhupiala [3] वि०
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁਪੀਲਾ धुपीला Dhupila [3] वि०
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁੱਪ धुप्प् Dhupp [3] स्त्री०
धूप (पुं०) धूप, घाम; धूप द्रव्य जिसे आग में छोड़ने पर सुगन्धित धुआँ निकलता है।

ਧੁੱਪੀਲਾ धुप्पीला Dhuppila [3] वि०
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁਮਾਹਾ धुमाहा Dhumaha [3] वि०
धूमाभ (वि०) धूमिल, धूँए के रंग जैसा।

ਧੁਰ धुर् Dhur [3] पुं०
धुर् (स्त्री०) अन्तिम; किनारा, छोर।

ਧੁਰਨਾ धुर्ना Dhurna [1] सक० क्रि०
ध्वरति (भ्वादि सक०) मारना, हिंसा करना।

ਧੁਰਪਤ धुर्पत् Dhurpat [1] पुं०
ध्रुपद (नपुं०) ध्रुपद ताल, राग-विशेष।

ਧੁਰਾ[1] धुरा Dhura [3] पुं०
धुरा (स्त्री०) शिरा, चोटी।

ਧੁਰਾ[2] धुरा Dhura [3] पुं०
धुरा (स्त्री०) धुरा; जुआ; धुरी के छोरों की कीलें जो पहियों को निकलने से रोकती हैं।

ਧੁਰੀ धुरी Dhuri [3] स्त्री०
धुरिका (स्त्री०) धुरी, कीली।

ਧ੍ਰੂਹ धुरूह् Dhurūh [3] पुं०
ध्रुव (पुं०) ध्रुव-तारा, भक्त-ध्रुव।

ਧੁਲਹੰਡੀ धुलहुण्डी Dhulhaṇḍī [3] स्त्री०
धूलिहिण्डन (नपुं०) धुलेंडी, होलिका-दाह के दूसरे दिन का रंग-खेलने का पर्व।

ਧੁਲਾਉਣਾ धुलाउणा Dhulauṇa [3] सक० क्रि०
धावयति/ते (भ्वादि प्रेर०) धुलवाना, साफ कराना।

ਧੁਲ੍ਹੜਾ धुल्हड़ा Dhulhaṛa [1] पुं०
धूसर/धूलिहिण्डित (वि०) धूलि मिश्रित, धूल भरा हुआ।

ਧੂੰ धूँ Dhū̃ [3] पुं०
धूम (पुं०) धुआँ, धूम्र।

ਧੂਆਂ धूआँ Dhūā̃ [3] पुं०
धूम (पुं०) धुआँ, धूम।

ਧੂਈ धूई Dhūī [3] स्त्री०
धूमिन् (वि०) धूनी; धूम-युक्त।

ਧੂਸਲਾ धूस्ला Dhūsla [3] वि०
धूसरक (वि०) धूसर, धूमिल, मटमैला।

ਧੂਣਾ धूणा Dhūṇa [3] पुं०
धूनन (नपुं०) धूनना; खींचना।

ਧੂਤਾ धूता Dhūta [3] पुं०
धूर्त (वि०) धूर्त, चुगलखोर।

ਧੂਤੀ धूती Dhūṭi [3] स्त्री०
धूर्ता/दूती (स्त्री०) कुटनी, चुगलखोर।

ਧੂਤੂ धूतू Dhūtū [3] पुं०
धूक (पुं०) धूक, घुग्घू, उल्लू।

ਧੂਫ धूफ् Dhūph [3] स्त्री०
धूप (नपुं०) धूप, घाम; सुगन्धित द्रव्य।

ਧੂਫਣਾ धूफणा Dhūphṇa [3] सक० क्रि०
धूपयति (नामधातु सक०) धूप देना, अग्नि में सुगन्धित धूप द्रव्य डालना।

ਧੂਫਦਾਨ धूफ्दान् Dhūphdān [3] पुं०

धूपाधान (नपुं०) धूपदान, धूपदानी, धूप रखने का पात्र ।

ਧੂਫਦਾਨੀ धूफ्दानी Dhūphdānī [3] स्त्री०
द्र०—ਧੂਫਦਾਨ ।

ਧੂਮ धूम् Dhūm [3] पुं०
धूम (पुं०) धूम, धुआँ ।

ਧੂਰ धूर् Dhūr [1] स्त्री०
धूलिका (स्त्री०) कुहरा, कुहासा ।

ਧੂਰਤ धूरत् Dhūrat [3] पुं०
धूर्त (वि०, छली, कपटी

ਧੂਰੀ धूरी Dhūrī [1] स्त्री०
धूलि (स्त्री०) धूलि, धूल, गर्दा ।

ਧੂਲ धूल् Dhūl [1] स्त्री०
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜ़ धूड़् Dhūṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜਾ धूड़ा Dhūṛā [3] पुं०
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜੀ धूड़ी Dhūṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੇਣ धेण् Dheṇ [1] स्त्री०
धेनु (स्त्री०) दुधारु गाय, दूध देने वाली गौ ।

ਧੇਣਵਾਂ धेण्वाँ Dheṇvā̃ [3] पुं०
धैनव (वि०) धेनु से संबन्धित, गाय का ।

ਧੋ धो Dho [2] पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह; डाह, शत्रुता ।

ਧੋਆਵਣਾ धोआवणा Dhoāvaṇā [1] सक० क्रि०
धावयति (भ्वादि प्रेर०) धुलवाना, साफ कराना ।

ਧੋਈ धोई Dhoī [3] वि०
धौत (वि०) धुला हुआ, प्रक्षालित ।

ਧੋਹਾ धोहा Dhohā [3] पुं०
द्रोहक (वि०) द्रोह करने वाला, द्वेषी ।

ਧੋਹੀ धोही Dhohī [3] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोह करने वाला, विद्वेषी ।

ਧੋਣਾ धोणा Dhoṇā [3] सक० क्रि०
धावति (भ्वादि सक०) धोना, साफ करना ।

ਧੋਤ धोत् Dhot [3] स्त्री०
धौत (नपुं०) धोना, प्रक्षालन ।

ਧੋਤਰ धोतर् Dhotar [1] स्त्री०
धोत्र (नपुं०) झीना एवं रूखा कपड़ा ।

ਧੋਤਵਾਂ धोत्वाँ Dhotvā̃ [3] वि०
धौत (वि०) धोया हुआ, साफ-सुथरा ।

ਧੋਤਾ धोता Dhotā [3] वि०
धौत (वि०) धोया हुआ, प्रक्षालित ।

ਧੋਤੀ धोती Dhotī [3] स्त्री०
धोत्र (नपुं०) धोती वस्त्र ।

ਧੋਬੀ धोबी Dhobī [1] पुं०

धावक (पुं०) धोबी, कपड़े धोने वाली एक जाति ।

ਧੋਰ धोर् Dhor [1] पुं०
धूलि (स्त्री०) धूल, गर्दा ।

ਧੋਰੀ धोरी Dhorī [1] वि०
धौरेय (वि०) बोझ ढोने योग्य पशु, भारवाहक; अगुआ ।

ਧੌਣ धौण् Dhauṇ [3] स्त्री०
धमनी (स्त्री०) ग्रीवा, गरदन ।

ਧੌਲ धौल् Dhaul [3] वि०
धवल (वि०) सफेद, श्वेत; स्वच्छ ।

ਧੌਲਾ धौला Dhaulā [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत ।

ਧੌੜ धौड़् Dhauṛ [3] पुं०
धुर् (स्त्री०) धूह, ऊँचा टीला ।

ਧੌੜਾ धौड़ा Dhauṛā [3] पुं०
द्र०—ਧੌੜ ।

ਧੰਗਾੜਾ धंगाड़ा Dhaṅgāṛā [3] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, कन्धरा ।

ਧੰਗੇੜਾ धंगेड़ा Dhaṅgeṛā [3] पुं०
द्र०—ਧੰਗਾੜਾ ।

ਧੰਨ धन्न् Dhann [3] वि०
धन्य (वि०) धन्य; धन-प्राप्त; सुखी ।

ਧੰਨੀ धन्नी Dhannī [3] वि०
द्र० —ਧੰਨ ।

ਧ੍ਰਿਗ ध्रिग् Dhrig [3] अ०
धिक् (अ०) धिक्कार, फटकार ।

ਧ੍ਰੋਹ ध्रोह् Dhroh [3] पुं०
द्रोह (पुं) द्रोह, वैर, विरोध, द्वेष ।

ਧ੍ਰੋਹੀ ध्रोही Dhrohī [3] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, दुश्मन, द्रोह करने वाला ।

ਨ

ਨਊਆ नउआ Naua [1] पुं०
नापित (पुं०) नाई, हजाम ।

ਨਈ नई Naī [3] स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता ।

ਨਈਂ नईं Naī̃ [1] अ०
न हि (अ०) नहीं, निषेध ।

ਨਸ नस् Nas [3] स्त्री०
स्नसा (स्त्री०) नस, नाड़ी, स्नायु, मांस-पेशी ।

ਨਸ਼ਕਾਰਨਾ नश्कार्ना Naśkārnā [3] सक० क्रि०
नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार करना, प्रणाम करना ।

ਨਸਟ नसट् Nasaṭ [3] **वि०**
नष्ट (वि०) नाश हुआ; खोया हुआ; खराब हुआ।

ਨਸਾਉਣਾ नसाउणा Nasauṇa [3] **सक० क्रि०**
नाशयति (दिवादि प्रेर०) भगाना, दौड़ाना।

ਨਸਾਰ नसार् Nasār [3] **पुं०**
सारणि (स्त्री०) पानी की थाल; पतली नाली।

ਨੱਸਣਾ नस्स्णा Nassṇa [3] **अक० क्रि०**
नश्यति (दिवादि अक०) नष्ट होना, गायब होना।

ਨਹਾਉਣ नहाउण् Nahāuṇ [3] **पुं०**
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने का भाव।

ਨਹਾਉਣਾ नहाउणा Nahāuṇa [3] **अक० क्रि०**
स्नाति (अदादि, अक०) नहाना, स्नान करना।

ਨਹੀਂ नहीं Nahī [3] **अ०**
न हि (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਹੁੰ नहुँ Nahū [3] **पुं०**
नख (पुं०) नख, नाखून।

ਨਹੇਰਨਾ नहेर्ना Naherna [3] **पुं०**
नखहरण (नपुं०) नख काटने का साधन, नहरनी।

ਨਹੇਰਨੀ नहेर्नी Nherni [3] **स्त्री०**
नखहरणी (स्त्री०) नख काटने की नहरनी।

ਨਕਾਰ नकार् Nakār [3] **पुं०**
नकार (पुं०) इन्कार, मनाही, अस्वीकार।

ਨਕੇਲ नकेल् Nakel [3] **स्त्री०**
नासाकील (पुं०) नकेल, पशुओं को वश में करने के लिए नाक में पहनाई गयी गुल्ली-छल्ला या नथ।

ਨੱਕ नक्क् Nakk [3] **स्त्री०**
नासिका (स्त्री०) नाक, नासा।

ਨੱਕ-ਸਿੱਖ नक्क्-सिक्ख् Nakk-Sikkh [3] **वि०**
नखशिख (वि०) नखशिख, नख से लेकर शिखा तक का।

ਨਖੱਤਰ नखत्तर् Nakhattar [2] **पुं०**
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा, तारक-पुंज।

ਨਖੱਤਰਾ नखत्त्रा Nakhattra [3] **पुं०**
निःक्षत्र (वि०) राज्य-हीन; सम्पत्ति-विहीन, निर्धन।

ਨਗਨ नगन् Nagan [3] **वि०**
द्र०—ਨੰਗ।

ਨਗਰ नगर् Nagar [3] **पुं०**
नगर (नपुं०) नगर, शहर।

ਨਗਰੀ नग्री Nagri [3] **वि०**
नगरीय (वि०) नगर संबन्धी, नगर का।

ਨਗਰੋਟਾ नगरोटा Nagarota [3] पुं०
नगरक (नपुं०) छोटा नगर, कस्बा ।

ਨਚਵਈਆ नच्वइआ Nacvaia [3] पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला ।

ਨਚਾਉਣਾ नचाउणा Nacauna [3] सक० क्रि०
नर्तयति (दिवादि प्रेर०) नाच कराना, नचाना ।

ਨਚਾਰ नचार् Nacar [3] पुं०
नृत्यकार (वि०) नाच कराने वाला, नृत्य कराने वाला ।

ਨਚਿੰਤ नचिन्त् Nacint [3] वि०
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्ता-रहित, बेफिक्र ।

ਨੱਚਣਾ[1] नच्च्णा Naccna [3] अक० क्रि०
नृत्यति (दिवादि अक०) नाचना, नृत्य करना ।

ਨੱਚਣਾ[2] नच्च्णा Naccna [3] पुं०
नर्तन (नपुं०) नाच, नृत्य ।

ਨਛੱਤਰ नछत्तर् Nachattar [3] पुं०
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा ।

ਨਟ नट् Nat [3] पुं०
नट (पुं०) अभिनेता; खेल दिखाने वाला; नट; नेटुआ ।

ਨਟਣੀ नट्णी Natni [3] स्त्री०
नटी (स्त्री०) नट की स्त्री; नाचने वाली स्त्री; अभिनय करने वाली स्त्री ।

ਨਟਵਟ नट्वट् Natvat [3] क्रि० वि०
नटवत् (अ०) नट के समान, नर्तक के समान ।

ਨਟਵਿੱਦਿਆ नट्विद्दिआ Natviddia [3] स्त्री०
नटविद्या (स्त्री०) नट विद्या, अभिनय कला ।

ਨੱਠਣਾ नट्ठ्णा Natthna [3] अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) भाग जाना, नष्ट होना ।

ਨਣਦ नणद् Nand [3] स्त्री०
ननान्दृ (स्त्री०) ननद, पति की भगिनी ।

ਨਣਦੋਈ नण्दोई Nandoi [3] पुं०
द्र०—ਨਣਦੋਈਆ ।

ਨਣਦੋਈਆ नण्दोइआ Nandoia [3] पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद के पति ।

ਨਣਾਨ नणान् Nanan [3] स्त्री०
द्र०—ਨਣਦ ।

ਨਣਾਨਵਈਆ नणान्वइआ Nananvaia [3] पुं०
द्र०—ਨਣਦੋਈਆ ।

ਨੱਤ नत्त् Natt [3] पुं०
नस्त (पुं०) नथ; नाथ; सुँघनी ।

ਨੱਤਾ नत्ता Natta [3] पुं०
नप्तृ (पुं०) नाती, पुत्री का पुत्र ।

ਨੱਤੀ नत्ती Natti [3] स्त्री०

अनन्त (पुं०) धागे या धातु का बना हुआ आभूषण विशेष जिसे बाजू में धारण किया जाता है।

ਨੱਥ नत्थ् Natth [3] स्त्री०
नाथ (पुं०) नथ, नाक का आभूषण; नकेल, नाथ।

ਨੱਥਣਾ नत्थणा Natthaṇa [3] सक० क्रि०
नाथन (नपुं०) नाथने का भाव, नाक में रस्सी देने का भाव।

ਨੱਥਨਾ नत्थना Natthana [3] सक० क्रि०
द्र० —ਨੱਥਣਾ।

ਨੱਥਲ नत्थल् Natthal [3] वि०
नाथित (वि०) नाथा हुआ बैल आदि पशु।

ਨੱਥੂ नत्थू Natthū [3] वि०
द्र०—ਨੱਥਲ।

ਨਦਰੋੜ नद्रोड़् Nadroṛ [1] वि०
निमन्त्रित (वि०) निमन्त्रण में आने वाले लोग।

ਨਦੀ नदी Nadī [3] स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता।

ਨਦੀਣ नदीण् Nadīṇ [3] वि०
नादेय (वि०) नदी में उगा हुआ, नदी का।

ਨਧਾਣਾ नधाणा Nadhāṇa [3] पुं०
नद्धक (नपुं०) पशुओं को बाँधने की रस्सी, साँकल।

ਨਨਾਣ ननाण् Nanāṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਨਣਦ।

ਨਨਾਣਵਈਆ ननाण्वइआ Nanāṇvaia [1] पुं०
द्र०—ਨਣਵੱਈਆ।

ਨਨੂਤਰ ननूतर् Nanūtar [3] पुं०
ननान्दृपुत्र (पुं०) ननद का पुत्र।

ਨਨੋਤਰ ननोतर् Nanotar [3] पुं०
द्र०—ਨਨੂਤਰ।

ਨਨ੍ਹਾ नन्हा Nanha [3] वि०
न्यून (वि०) कम; छोटा।

ਨਪਾਣ नपाण् Napāṇ [3] पुं०
मापन (नपुं०) नाप, तौल।

ਨਪਿੱਤਣਾ नपित्तणा Napittṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨਪੀੜਨਾ।

ਨਪੀੜਨਾ[1] नपीड़्ना Napīṛna [3] पुं०
निष्पीडन (नपुं०) दबाने अथवा निचोड़ने का भाव।

ਨਪੀੜਨਾ[2] नपीड़्ना Napīṛna [3] सक० क्रि०
निष्पीडयति (चुरादि सक०) निचोड़ना, दबाना।

ਨਪੁੰਸਕ नपुंसक् Napunsak [3] पुं०
नपुंसक (नपुं०) नपुंसक, हिजड़ा; डरपोक; नपुंसकलिङ्ग।

ਨਪੁੱਤਾ नपुत्ता Naputta [3] पुं०
निष्पुत्र (पुं०) पुत्र-हीन, पुत्र-रहित।

ਨੱਪਣਾ नप्पणा Nappaṇa [3] सक० क्रि०

निष्पीडयति (चुरादि सक॰) पीडित करना, दबाना।

ਨਭ नभ् Nabh [3] **पुं॰**

नभस् (नपुं॰) आकाश, नभ, आसमान; श्रावण मास; सामीप्य; आश्रय; शिव; जल; मेघ; वर्षा।

ਨਮਸਕਾਰ नमस्कार् Namaskār [3] **पुं॰**

नमस्कार (पुं॰) नमस्कार, प्रणाम, वन्दन।

ਨਮਸਕਾਰਨਾ नमस्कार्ना Namaskārna [3] **सक॰ क्रि॰**

नमस्करोति (सोपपद तनादि सक॰) नमस्कार करना, प्रणाम करना।

ਨਮਿੱਤ नमित् Namitt [3] **पुं॰**

निमित्त (पुं॰) हेतु, कारण; चिह्न, लक्षण; उद्देश्य।

ਨਮਿੱਤਣਾ नमित्तणा Namittaṇa [3] **सक॰ क्रि॰**

नियतते / नियामयति (भ्वादि, चुरादि सक॰) नियत करना, निश्चय करना।

ਨਮੋਹਾ नमोहा Namoha [3] **वि॰**

निर्मोह (वि॰) मोह रहित, दया से शून्य।

ਨਮੋਹਾਪਣ नमोहापण् Namohāpaṇ [3] **पुं॰**

निर्मोह (पुं॰) निर्मोह, दया का अभाव, ज्ञान-शून्यता।

ਨਮੋਲੀ नमोली Namolī [3] **स्त्री॰**

निम्बगुलिका (स्त्री॰) निमोली नीम का पका फल।

ਨਰ नर् Nar [2] **पुं॰**

नर (पुं॰) नर, पुरुष, आदमी।

ਨਰਕ नरक् Narak [3] **पुं॰**

नरक (नपुं॰) नरक, वह स्थान जहाँ मरने के बाद जीव को पाप का दण्ड मिलता है।

ਨਰਕਣ नर्कण् Narkaṇ [1] **स्त्री॰**

नारकिनी (स्त्री॰) नारकीय कर्म करने वाली स्त्री, पापिनी।

ਨਰਕੀ नर्की Narkī [3] **पुं॰**

नारकिन् (वि॰) नारकी, पापी।

ਨਰਬਦ नर्बद् Narbad [3] **वि॰**

निरवद्य (वि॰) अवचनीय, अकथ्य, अनिन्द्य।

ਨਰਾਇਣ नराइण् Naraiṇ [3] **पुं॰**

नारायण (पुं॰) भगवान् विष्णु।

ਨਰਾੱਤਾ नरात्ता Naratta [3] **पुं॰**

नवरात्र (नपुं॰) नवरात्र, आश्विन और चैत्र के शुक्लपक्ष के प्रारम्भिक नौ दिन।

ਨਰੇਲ नरेल् Narel [2] **पुं॰**

द्र॰—ਨਾਰੀਅਲ।

ਨਰੈਣ नरैण् Naraiṇ [3] **पुं॰**

नारायण (पुं॰) नारायण, भगवान् विष्णु।

ਨਰੈਣੀ नरैणी Naraini [3] वि०
नारायणीय (वि०) नारायण भगवान् से संबन्धित ।

ਨਰੋਆ नरोआ Naroā [3] वि०
नीरोग (वि०) नीरोग, रोग-रहित, स्वस्थ ।

ਨਰੋਆਪਣ नरोआपण् Naroāpaṇ [3] पुं०
नीरोगपण (पुं०) नीरोगपना, आरोग्य ।

ਨਰੋਇਆ नरोइआ Naroiā [1] वि०
द्र०—ਨਰੋਆ ।

ਨਰੰਗੀ नरङ्गी Narangī [3] स्त्री०
नारङ्ग (नपुं०) छोटा नारंगी-फल ।

ਨਲੀ नली Nalī [3] स्त्री०
नलिका (स्त्री०) नली, लोहे आदि की पतली लम्बी डण्डी जिसमें अन्दर छिद्र हो ।

ਨਲ੍ਹਾਉਣਾ नल्हाउणा Nalhauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨਹਾਉਣਾ ।

ਨਵਗ੍ਰਹਿ नव्ग्रह् Navgrah [3] पुं०
नवग्रह (पुं०) सूर्य आदि नौ ग्रहों का समूह ।

ਨਵਨਿਰਮਾਣ नव्निर्माण Navnirmaṇ [3] पुं०
नवनिर्माण (नपुं०) नवनिर्माण, नई रचना ।

ਨਵ-ਵਿਆਹਿਆ नवविआहिआ Nav Viahia [3] स्त्री०
नवविवाहिता (स्त्री०) नवविवाहिता, वह स्त्री जिसका नया विवाह हुआ हो ।

ਨਵਾਂ नवाँ Navā̃ [3] वि०
नव (वि०) नवीन, नया ।

ਨਵਾਰ नवार् Navār [3] स्त्री०
नैवारिक (नपुं०) नेवार, पलंग की नेवार ।

ਨਵਾਰੀ नवारी Navārī [3] वि०
नीवारीय (वि०) निवार घास की रस्सी नेवार आदि ।

ਨਵੀਨਤਾ नवीनता Navīnta [3] स्त्री०
नवीनता (स्त्री०) नवीनता, नयापन ।

ਨਵੀਂ-ਨਿਕੋਰ नवी-निकोर् Nvī-Nikor [3] वि०
नवीन (वि०) नव, नया, बिल्कुल नया ।

ਨਵੇਕਲਾਪਣ नवेक्लापण् Naveklāpaṇ [3] पुं०
एकाकिपण (पुं०) अकेलापन, अकेले रहने का भाव ।

ਨਵੇਲ नवेल् Navel [3] वि०
नव (वि०) नया, नवीन ।

ਨਵੇਲਾ नवेला Navelā [3] पुं०
नव (वि०) नया, नवीन ।

ਨਵੇਲੀ नवेली Navelī [3] स्त्री०
नव (वि०) नया, नवीन ।

ਨਵੇ नव्वे Navve [3] वि०
नवति (स्त्री०) नव्वे, 90।

ਨੜ नड़् Naṛ [3] पुं०
नाड़ी (स्त्री०) नाड़ी, कलाई पर की नाड़ी, धमनी।

ਨੜਾ नड़ा Naṛā [3] पुं०
नड (पुं०) बेंत की जाति की एक वनस्पति, नरकट।

ਨੜਿੰਨਵੇਂ नड़िन्वे Naṛinvē [3] वि०
नवनवति (स्त्री०) निन्यानवे, 99।

ਨੜੀ नड़ी Naṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਨੜ।

ਨਾ ना Nā [3] अ०
न (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਾਂ नाँ Nā̃ [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, किसी व्यक्ति या वस्तु का निर्देश करने वाला शब्द, संज्ञा।

ਨਾਉ नाउ Nāu [3] स्त्री०
नौ (स्त्री०) नाव, नौका।

ਨਾਉਂ नाउँ Nāũ [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, संज्ञा, किसी वस्तु या व्यक्ति का निर्देश करने वाला शब्द।

ਨਾਇਕ नाइक् Nāik [3] पुं०
नायक (वि०) नेता अगुआ, स्वामी; काव्य का नायक।

ਨਾਈ नाई Nāī [3] पुं०
नापित (पुं०) नाई, हज्जाम।

ਨਾਸ नास् Nās [3] स्त्री०
नासापुट (पुं०) नासिका का एक भाग।

ਨਾਸ਼ नाश् Nāś [3] पुं०
नाश (पुं०) नाश, ध्वंस।

ਨਾਸ਼ਕ नाशक् Nāśak [3] वि०
नाशक (वि०) नाश करने वाला, बरबाद करने वाला।

ਨਾਸਕਾ नास्का Nāskā [3] स्त्री०
नासिका (स्त्री०) नासिका, नाक।

ਨਾਸਤਿਕ नास्तिक् Nāstik [3] वि०
नास्तिक (वि०) नास्तिक, वेद-निन्दक।

ਨਾਸਤਿਕਤਾ नास्तिक्ता Nāstiktā [3] स्त्री०
नास्तिकता (स्त्री०) नास्तिकता, वेदों अथवा ईश्वर में श्रद्धा न रखने का भाव।

ਨਾਸਤਿਕਤਾਵਾਦੀ नास्तिक्तावादी Nāstiktāvādī [3] पुं०
नास्तिकतावादिन् (वि०) नास्तिकता-वादी, वेद अथवा ईश्वर में विश्वास न रखने वाला।

ਨਾਸਮਾਨ नाशमान् Nasman [3] वि०
नाशवत् (वि०) नाशवान्, नष्ट होने वाला ।

ਨਾਸ਼ਵਾਨ नाश्वान् Nāśvan [3] वि०
नाशवत् (वि०) नाशवान्, विनाशी ।

ਨਾਸ਼ਵੰਤ नाश्वन्त् Nāśvant [3] वि०
नाशवत् (वि०) नाशवान्, नष्ट होने वाला।

ਨਾਸਿਕ नासिक् Nāsik [3] वि०
नासिक्य (वि०) नाक से संबिन्धत; नासिका से उत्पन्न ध्वनि ।

ਨਾਂਹ नाँह् Nāh [3] अ०
न हि (अ०) नहीं, निषेध ।

ਨਾਹੀਂ नाहीं Nahī [2] अ०
न हि (अ०) नहीं, निषेध ।

ਨਾਗ नाग् Nāg [3] पुं०
नाग (पुं०) नाग, साँप ।

ਨਾਂਗ नाँग् Nāg [3] पुं०
नग्न (वि०) नग्न, नंगा ।

ਨਾਗਣ नागण् Nagaṇ [3] स्त्री०
नागिनी (स्त्री०) नागिनी, सर्पिणी ।

ਨਾਗਦਉਣ नाग्दउण् Nāgdauṇ [3] स्त्री०
नागदन्ती (स्त्री०) एक प्रकार का पौधा, कुंभा नामक सर्पविष-निवारक औषधि; सूर्यमुखी फूल ।

ਨਾਗਦਾਉਣ नाग्दाउण Nagdauṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਨਾਗਦਉਣ ।

ਨਾਗਦੌਣ नाग्दौण् Nāgdauṇ [3] स्त्री०
द्र०— ਨਾਗਦਉਣ ।

ਨਾਗਰਤਾ नागर्ता Nāgarta [1] स्त्री०
नागरता (स्त्री०) नागरिकता, नागरिक होने का भाव ।

ਨਾਗਰਮੋਥਾ नागर्मोथा Nāgarmotha [3] पुं०
नागरमुस्त (नपुं०) नागरमोथा ।

ਨਾਗਾ नागा Nāga [3] पुं०
नग्न (पुं०) नागा साधु (नागा साधु नंगे रहते हैं) ।

ਨਾਚ नाच् Nāc [3] पुं०
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच, नर्तन ।

ਨਾਚਾ नाचा Nāca [3] पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला ।

ਨਾਚੀ नाची Nācī [3] स्त्री०
नर्तिका (स्त्री०) नर्तिका, नाचने वाली ।

ਨਾਚੂ नाचू Nācū [1] पुं०
द्र०—ਨਾਚਾ ।

ਨਾਟਕ नाटक् Nāṭak [3] पुं०
नाटक (नपुं०) नाटक, रूपक के दस भेदों में से एक; दृश्यकाव्य ।

ਨਾਟਕੀ नाट्की Nāṭkī [3] वि०
नाटकीय (वि०) नाटकीय, नाटक संबन्धी ।

ਨਾਥੀ नाथी Nathi [1] स्त्री॰
नाथीय (वि॰) नाथ-सबन्धी, प्रभु-संबन्धी।

ਨਾਂਦ नाँद् Nãd [3] पुं॰
नन्दा (स्त्री॰) नाँद, मिट्टी का छोटा पात्र।

ਨਾਦ-ਵਿਦਿਆ नाद्-विद्या Nad-Vidya [3] स्त्री॰
नाद-विद्या (स्त्री॰) संगीत विद्या।

ਨਾਨਾ नाना Nana [3] वि॰
न्यून (वि॰) कम; छोटा।

ਨਾਪਣਾ नापणा Napṇa [3] पुं॰
मापन (नपुं॰) नापने का भाव, तोलने का भाव।

ਨਾਪਨਾ नाप्ना Napna [3] पुं॰
मापन (नपुं॰) नापने का भाव, तोलने का भाव।

ਨਾਭ नाभ् Nābh [3] स्त्री॰
नाभि (स्त्री॰, पुं॰) नाभि, ढोंडी; चक्र-मध्य, पहिए का मध्य भाग।

ਨਾਭੀ नाभी Nābhī [3] स्त्री॰
नाभि (स्त्री॰) नाभि, सुण्डी।

ਨਾਮ नाम् Nām [3] पुं॰
नामन् (नपुं॰) नाम, अभिधान।

ਨਾਮਦੇਵ नाम्देव Nāmdev [3] पुं॰
नामदेव (पुं॰) नामदेव, महाराष्ट्र के एक भक्त।

ਨਾਮਧਾਰੀਆ नाम्धारिआ Namdharia [3] वि॰
नामधारीय (वि॰) नामधारी संप्रदाय का।

ਨਾਂਮਾਤਰ नाँमातर् Nãmatar [3] क्रि॰ वि॰
नाममात्र (नपुं॰) नाममात्र, अत्यल्प, कहने भर का।

ਨਾਰ नार् Nār [3] स्त्री॰
नारी (स्त्री॰) नारी, स्त्री।

ਨਾਰਦੀ नार्दी Nārdi [3] वि॰
नारदीय (वि॰) नारद द्वारा प्रोक्त (उपदिष्ट), नारद-संबन्धी।

ਨਾਰਿਆਲ नारिआल् Nārial [3] पुं॰
नारिकेल (पुं॰/नपुं॰) पुं॰—नारियल का वृक्ष। नपुं॰—नारियल का फल।

ਨਾਰੀਅਲ नारिअल् Narial [3] पुं॰
नारिकेल (पुं॰/नपुं॰) पुं॰—नारियल का वृक्ष। नपुं॰—नारियल का फल।

ਨਾਰੀਤਵ नारीत्व् Nārītv [3] पुं॰
नारीत्व (नपुं॰) नारीत्व, स्त्रीत्व।

ਨਾਰੇਲ नारेल् Narel [2] पुं॰
नारिकेल (पुं॰/नपुं॰) नारियल का वृक्ष या फल।

ਨਾਰੰਗੀ नारङ्गी Naraṅgi [3] स्त्री॰
नारङ्ग (पुं॰/नपुं॰) पुं॰—नारङ्गी का वृक्ष। नपुं॰—नारङ्गी का फल।

ਨਾਲ नाळ Naḷ [3] **पुं०**
नाल (पुं०) नहर या झरना।

ਨਾਲੀ नाली Nālī [3] **स्त्री०**
नाल (नपुं०) कमल आदि की डण्डी।

ਨਾਵ नाव् Nāv [3] **स्त्री०**
नौका / नौ (स्त्री०) नाव, नौका; जहाज, पोत।

ਨਾਂਵ नाँव् Nā̃v [3] **पुं०**
नामन् (नपुं०) नाम, अभिधान।

ਨਾਵਾ नावा Nāvā [3] **पुं०**
द्र०—ਨਾਵ।

ਨਾੜ नाड़् Nāṛ [3] **स्त्री०**
नाडी (स्त्री०) शिरा, धमनी।

ਨਾੜਾ नाड़ा Nāṛā [3] **पुं०**
नाल (पुं०) बच्चे की नाल, धमनी; नाड़ा।

ਨਾੜੀ[1] नाड़ी Nāṛī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਨਾੜ।

ਨਾੜੀ[2] नाड़ी Nāṛī [3] **स्त्री०**
नालि/नाली (स्त्री०) खोखली नलकी, लोहे आदि की पतली छड़ी जो अन्दर पोली हो।

ਨਾੜੂ नाड़ू Nāṛū [3] **पुं०**
नाल (पुं०) बढ़ी हुई नाभि, बच्चे की नाल; नस, धमनी; नाड़ा।

ਨਾੜੂਆ नाड़ूआ Nāṛūā [3] **पुं०**
द्र०—ਨਾੜੂ।

ਨਿਉਣਾ न्योणा Nyoṇā [3] **सक० क्रि०**
नमति (भ्वादि अक० / सक०) नमन करना; झुकना।

ਨਿਉਤਾ न्योता Nyotā [2] **पुं०**
निमन्त्रण (नपुं०) न्योता, किसी उत्सव आदि में सम्मिलित होने का निवेदन, बुलावा।

ਨਿਉਂਦਣਾ निउँदणा Niũdṇā [3] **सक० क्रि०**
निमन्त्रयति (चुरादि सक०) न्योता देना, उत्सव आदि में सम्मिलित होने के लिए बुलावा भेजना।

ਨਿਉਂਦਰਾ निउँद्रा Niũdrā [3] **पुं०**
द्र०—ਨਿਉਂਦਾ।

ਨਿਉਂਦਾ निउँदा Niũdā [3] **पुं०**
निमन्त्रण (नपुं०) न्योता, बुलावा।

ਨਿਉਲ न्योल् Nyol [3] **पुं०**
नीवि (स्त्री०) जंजीर या रस्सी जो पशुओं को भागने से रोकने के लिए उनके पैरों में डाली जाती है।

ਨਿਉਲਾ न्योला Nyolā [3] **पुं०**
नकुल (पुं०) नेवला, नेउर।

ਨਿਉਲੀ न्योली Nyolī [3] **स्त्री०**
नकुली (स्त्री०) नेवला की मादा, नेवली।

ਨਿਊਨ निऊन् Niūn [3] **वि०**
न्यून (वि०) न्यून, अल्प, कम।

ਨਿਊਨਤਮ निऊनतम् Niūntam [3] **वि०**
न्यूनतम (वि०) न्यूनतम, अत्यन्त कम।

ਨਿਊਨਤਾ निऊनता Niunta [3] स्त्री०
न्यूनता (स्त्री०) अल्पता, कमी ।

ਨਿਆਂ निआँ Niā̃ [3] पुं०
न्याय (पुं०) न्याय, औचित्य ।

ਨਿਆਇ निआए Niāe [3] पुं०
न्याय (पुं०) न्याय-दर्शन, न्याय-शास्त्र ।

ਨਿਆਇ-ਸ਼ਾਸਤਰ निआइ-शासतर्
Niāi-śāstar [3] पुं०
न्यायशास्त्र (नपुं०) न्याय-शास्त्र, न्याय-दर्शन ।

ਨਿਆਇ-ਸ਼ੀਲ निआइ-शील् Niāi-Śīl [3] वि०
न्यायशील (वि०) न्यायशील, न्याय पसन्द ।

ਨਿਆਇ-ਸੂਤਰ निआइ-सूतर् Niāi-Sūtar [3] पुं०
न्यायसूत्र (नपुं०) न्यायसूत्र, महर्षि गौतम-प्रणीत न्याय-दर्शन के सूत्र ।

ਨਿਆਇ-ਹੀਣ निआइ-हीण् Niāi-hīṇ [3] वि०
न्यायहीन (वि०) न्यायहीन, न्याय-विरुद्ध, अन्याय; अनुचित ।

ਨਿਆਇਕਾਰ निआइकार् Niāikār [3] पुं०
न्यायकार (वि०) न्याय करने वाला ।

ਨਿਆਈ निआई Niāī [3] पुं०
न्यायिन् (वि०) न्याय करने वाला, न्याय-प्रिय ।

ਨਿਆਈ[1] नयाईं Nyāī [3] अ०
न इव (अ०) भाँति, नाईं, उपमा-बोधक शब्द ।

ਨਿਆਈ[2] निआईं Niāī [3] पुं०
नैयायिक (वि०) न्यायशास्त्र को जानने वाला, न्याय वेत्ता; न्यायाधीश ।

ਨਿਆਈ[3] निआईं Niāī [3] स्त्री०
निकटभूमि (स्त्री०) गाँव के पास की भूमि; नजदीक, समीप ।

ਨਿਆਸ निआस् Niās [3] स्त्री०
न्यास (पुं०) न्यास, अमानत, धरोहर ।

ਨਿਆਸਰਾ निआस्रा Niāsrā [3] वि०
निराश्रय (वि०) निराश्रय, निराधार, निरवलम्ब; अनाथ ।

ਨਿਆਸੀ निआसी Niāsī [3] पुं०
न्यासिन् (वि०) न्यास रखने वाला, धरोहर रखने वाला ।

ਨਿਆਣਾ निआणा Niāṇā [3] पुं०
निदान (नपुं०) छान, बँधना, गोदोहन के समय गाय का पैर बाँधने की रस्सी ।

ਨਿਆਰਾ नयारा Nyārā [3] पुं०
अन्याकार (वि०) न्यारा, भिन्न, अलग ।

ਨਿਆਲਾ निआला Niālā [3] पुं०
न्यायालय (पुं०) न्यायालय, कचहरी ।

ਨਿਅੰਤਾ निअन्ता Niantā [3] पुं०

नियन्तृ (वि०) नियमन करने वाला प्रेरक, चालक ।

ਨਿਸ निस् Nis [3] **स्त्री०**
निश् (स्त्री०) निशा, रात्रि, रात ।

ਨਿਸ਼ਕਰਸ਼ निष्करष् Niṣkaraṣ [3] **पुं०**
निष्कर्ष (पुं०) निचोड़, सार, तत्त्व; निश्चय ।

ਨਿਸਕਾਰਨਾ निस्कार्ना Niskārna
[3] **सक० क्रि०**
नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार करना, प्रणाम करना ।

ਨਿਸਚਰ निस्चर् Niscar [3] **पुं०**
निशिचर (पुं०) निशाचर, राक्षस ।

ਨਿਸਚਲਤਾ निस्चल्ता Niscalta [3] **स्त्री०**
निश्चलता (स्त्री०) निश्चलता, निस्पन्दता ।

ਨਿਸ਼ਚਾ निश्चा Niścā [3] **पुं०**
निश्चय (पुं०) निश्चय, संशयरहित ज्ञान; निर्णय ।

ਨਿਸ਼ਚਿਤ निश्चित् Niścit [3] **वि०**
निश्चित (वि०) निश्चित, पक्का; निर्णीत ।

ਨਿਸ਼ਚਿੰਤ निश्चिन्त् Niścint [3] **वि०**
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्ता-मुक्त, बेफिक्र ।

ਨਿਸ਼ਚੇ निश्चे Niśce [3] **क्रि० वि०**
निश्चय (क्रि० वि०) निश्चय, विश्वास-पूर्वक ।

ਨਿਸਤਰਨਾ निसतर्ना Nistarna
[3] **अक० क्रि०**
निस्तरति (भ्वादि अक०) मुक्त होना, छुटकारा पाना ।

ਨਿਸਤਾਰ निस्तार् Nistār [3] **पुं०**
निस्तार (पुं०) छुटकारा, मुक्ति, उद्धार ।

ਨਿਸਤਾਰਾ निस्तारा Nistārā [3] **पुं०**
द्र०—ਨਿਸਤਾਰ ।

ਨਿਸਤਾਰੀ निस्तारी Nistārī [1] **पुं०**
निस्तारिन् (वि०) पार करने वाला, निस्तारक, उद्धारक ।

ਨਿਸੱਤਾ निसत्ता Nisattā [3] **वि०**
निःसत्त्व (वि०) सत्ता-रहित, अस्तित्व-हीन ।

ਨਿਸਫਲ निस्फल् Nisphal [3] **वि०**
निष्फल (वि०) निष्फल, फल-रहित, व्यर्थ ।

ਨਿਸਬਾਸਰ निस्बासर् Nisbāsar
[1] **क्रि० वि०**
निशिवासर (क्रि० वि०) रात-दिन अहर्निश ।

ਨਿਸਾ निसा Nisā [3] **स्त्री०**
निशा (स्त्री०) निशा, रात ।

ਨਿਸਾਸ निसास् Nisās [1] **पुं०**
निःश्वास (पुं०) उसाँस, श्वाँस को बाहर निकालने का भाव; आह भरना ।

ਨਿਸਾਰ निसार Nsar [3] पुं०
निस्सार (वि०) सार हीन, तत्त्वहीन .

ਨਿਸਾਰਾ निसारा Nisārā [3] पुं०
निस्सार (पुं०) खिलाव, फुटाव, प्रस्फुटन ।

ਨਿਸੰਗ निसंग् Nisaṅg [2] वि०
निःशङ्क (वि०) निडर, निर्भय ।

ਨਿਸੰਗਤਾ निसंग्ता Nisaṅgtā [3] स्त्री०
निःशङ्कता (स्त्री०) निर्भयता, निडरता ।

ਨਿੱਸਰਨਾ निस्सर्ना Nissarnā [3] अक० क्रि०
निस्सरति (भ्वादि अक०) निकलना; खिलना; फूटना; फैलना ।

ਨਿੱਸਲ निस्सल् Nissal [3] वि०
निश्शल्य (वि०) श्रम-रहित, थकावट से मुक्त ।

ਨਿੱਸਲਤਾ निस्सल्ता Nissaltā [3] स्त्री०
अलसता (स्त्री०) आलस्य, सुस्ती, शिथिलता ।

ਨਿੱਸਲਾ निस्स्ला Nisslā [3] वि०
निस्सरल (वि०) अत्यन्त सरल, बिल्कुल सीधा ।

ਨਿਹਕਪਟ निह्कपट् Nihkapaṭ [3] वि०
निष्कपट (वि०) छल रहित, सरल, निश्छल ।

ਨਿਹਕਰਮਣ निह्कर्मण Nihkarmaṇ [3] स्त्री०
निष्कर्मिणी (स्त्री० काम न करने वाली स्त्री, अकमण्य ।

ਨਿਹਕਰਮੀ निह्कर्मी Nihkarmī [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) काम न करने वाला, निकम्मा, अकर्मण्य ।

ਨਿਹਕਲੰਕ निह्कलंक Nihkalaṅk [3] वि०
निष्कलङ्क (वि०) निर्दोष, निरपराध ।

ਨਿਹਕਾਮ निह्काम् Nihkām [3] वि०
निष्काम (वि०) कामना-रहित, निष्प्रयोजन ।

ਨਿਹਕੇਵਲ निह्केवल Nihkeval [3] वि०
निष्केवल (वि०) मुक्त, परमानन्द को प्राप्त ।

ਨਿਹਚਲ निह्चल् Nihcal [3] वि०
निश्चल (वि०) निश्चल, निष्कम्प, स्थिर, अचल ।

ਨਿਹਚਾ नेह्चा Nehcā [2] पुं०
निश्चय (पु०) निर्णय, संशय-रहित ज्ञान ।

ਨਿਹਚਾਧਾਰੀ निह्चाधारी Nihcādhārī [3] पुं०
निश्चयधारिन् / निष्ठाधारिन् (वि०) श्रद्धालु, आस्तिक ।

ਨਿਹਤਾਣ निह्ताण् Nihtāṇ [3] वि०
निस्त्राण (वि०) अशक्त, दुर्बल; अरक्षित ।

ਨਿਹੱਥਲ निहत्थल् Nihatthal [3] पुं०
द्र०—ਨਿਹੱਥਾ ।

ਨਹੱਥਾ निहत्था Nihattha [3] पुं०
निर्हस्त (वि०) हस्त-हीन, बिना हाथ के, लूला।

ਨੇਹਫਲ निह्फल् Nihphal [3] वि०
निष्फल (वि०) निष्फल, जिसका कोई परिणाम न हो, फल-रहित।

ਨਿਹਾਈ निहाई Nihai [3] स्त्री०
निधालि (स्त्री०) लोहार की निहाई।

ਨਿਹਾਲਣਾ निहाल्णा Nhalna [1] सक० क्रि०
निभालयति/निहारयति (चुरादि सक०) निहारना, देखना।

ਨਿਹੁੰ निहुँ Nihū [3] पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्यार, प्रेम।

ਨਿਹੁਲੀ निहुली Nihuli [1] वि०
स्नेहिल (वि०) नेहभरी, प्रेम-युक्त।

ਨਿਹੰਗ निहंग् Nihang [3] वि०
निरहन्त्व (वि०) निरभिमान; विरक्त।

ਨਿਹੰਗਤਾ निहंग्ता Nihangta [3] स्त्री०
निरहन्ता (स्त्री०) अभिमान-हीनता, निरभिमानिता।

ਨਿਕਸਣਾ निकस्णा Nikasna [3] सक० क्रि०
निष्कसति (भ्वादि अक०) निकलना, बाहर जाना।

ਨਿਕਟੀ निक्टी Nikti [3] वि०
नैकटिक/नैकटीय (वि०) निकट का, समीप का।

ਨਿਕਰਮ निकर्म् Nikarm [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा; अभागा।

ਨਿਕਰਮਣ निकर्मण् Nikarman [3] स्त्री०
निष्कर्मणी (स्त्री०) निकम्मी स्त्री, अकर्मण्य स्त्री।

ਨਿਕਰਮਾ निकर्मा Nikarma [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, अकर्मण्य।

ਨਿਕਲਣਾ निकल्णा Nikalna [3] अक० क्रि०
निष्कलयति (चुरादि अक०) निकलना, पृथक् होना।

ਨਿਕਾਇ निकाइ Nikai [3] पुं०
निकाय (पुं०) समूह, राशि, ढेर।

ਨਿਕਾਸ निकास् Nikas [3] पुं०
निकास/निष्काश (पुं०) निकास; मकान का बराण्डा इत्यादि; निकलने का भाव।

ਨਿਕਾਸਣਾ निकास्णा Nikasna [3] सक० क्रि०
निष्कासयति (चुरादि सक०) निकालना, निष्कासित करना।

ਨਿਕਾਲਣਾ निकाल्णा Nikalna [3] सक० क्रि०
निकालयति (चुरादि सक०) निकालना, बाहर करना, पृथक् करना।

ਨਿਕੰਮਾ निकम्मा Nikamma [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, अकर्मण्य।

ਨਿਖੱਟੂ निखट्टू Nikhattū [3] वि०
निःक्षत्र (वि०) न कमाने वाला, निकम्मा

ਨਿਖਤਰ निखत्तर Nikhattar [1] पुं०
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा ।

ਨਿਖਰਨਾ निखर्ना Nikharna [3] अक० क्रि०
निःक्षरति (भ्वादि अक०) क्षरण होना, टपकना, चूना; अलग होना ।

ਨਿਖਰਬ निखरब् Nikharab [3] वि०
निखर्व (पुं०) दश खरब; वामन, बौना ।

ਨਿਖਲ निखल् Nikhal [3] वि०
निखिल (वि०) निखिल, सम्पूर्ण, सब ।

ਨਿਖਾਦ निखाद् Nikhād [3] पुं०
निषाद (पुं०) संगीत का सप्तम स्वर ।

ਨਿਖਾਰਨਾ निखार्ना Nikhārna [3] सक० क्रि०
निःक्षालयति (चुरादि सक०) निखारना, स्वच्छ करना, धोना ।

ਨਿਖਿੱਧ निखिद्ध् Nikhiddh [1] वि०
निषिद्ध (वि०) वर्जित, मना किया हुआ ।

ਨਿਖੇਧ निखेध् Nikhedh [3] पुं०
निषेध (पुं०) निषेध, मनाही, वर्जन, रोक ।

ਨਿਖੇਧਣਾ निखेध्णा Nikhedhṇā [3] सक० क्रि०
निषेधति (भ्वादि सक०) निषेध करना, रोकना ।

ਨਿਖੇਧਤਾ निखेध्ता Nikhedhtā [3] स्त्री०
निषिद्धता (स्त्री०) निषेध, रोक, मनाही ।

ਨਿਖੇਧਾਤਮਕ निखेधात्मक् Nikhedhātmak [3] वि०
निषेधात्मक (वि०) निषेधात्मक, निषेध रूप ।

ਨਿਖੇਧੀ निखेधी Nikhedhī [3] स्त्री०
निषेध (पुं०) निषेध, मनाही, रोक ।

ਨਿਗਲਣਾ निगल्णा Nigalṇā [3] सक० क्रि०
निगलति (भ्वादि सक०) निगलना, किसी वस्तु को गले के नीचे उतारना; खाना ।

ਨਿਗੁਣਾ निगुणा Niguṇā [3] पुं०
निर्गुण (वि०) गुण-हीन, गुण-रहित ।

ਨਿਗੁਣੀ निगुणी Niguṇī [3] स्त्री०
निर्गुणा (स्त्री०) गुण-हीना स्त्री ।

ਨਿਗੁਣੀਆ निगुणिआ Niguṇiā [3] स्त्री०
द्र०—ਨਿਗੁਣੀ ।

ਨਿਗੁਰਾ निगुरा Nigurā [3] वि०
निर्गुरु (वि०) गुरु-हीन, जिसका शिक्षक न हो ।

ਨਿਗੂਣਾ निगूणा Nigūṇā [3] पुं०
निर्गुण (वि०) निर्गुण, गुण-हीन ।

ਨਿਘਾਸ निघास् Nighās [3] पुं०
निदाघ (पुं०) गर्मी, ताप; सेक ।

ਨਿੱਘ निग्घ् Niggh [3] पुं०
निदाघ (पुं०) गर्मी, ताप, सेक ।

ਨਘਾ निग्घा Niggha [3] वि०
निदाघिन् (वि०) गर्म, ताप-युक्त।

ਨੱਘਾਪਣ निग्घापण् Nigghapan [3] पुं०
निदाघपण (पुं०) गर्मी, ताप, सेक।

ਨੇਚਲਾ निच्ला Nicla [1] वि०
नीच (वि०) निचला, नीचे का।

ਨਿਚੱਲ निचल्ल् Nicall [3] वि०
निश्चल (वि०) स्थिर, अचल, अडिग।

ਨਿਚੱਲਾ निचल्ला Nicalla [3] वि०
निश्चल (वि०) निश्चल, अचल, स्थिर।

ਨਿਚਾਣ निचाण् Nicāṇ [3] पुं०
नीचस्थान (नपुं०) निचली जगह, निम्न स्थान।

ਨਿਚਿੰਤ निचिन्त् Nicint [3] वि०
निश्चिन्त (वि०) चिन्ता रहित, चिन्ता-मुक्त, बेफिक्र।

ਨਿਚੁੜਨਾ निचुड़्ना Nicuṛna [3] अक० क्रि०
निश्च्योतति (भ्वादि अक०) स्वयं सूखना, जल हीन होना।

ਨਿਚੋੜ निचोड़् Nicoṛ [3] पुं०
निश्च्योत (पुं०) निचोड़, निचोड़ने का भाव।

ਨਿਚੋੜਨਾ निचोड़्ना Nicoṛna [3] सक० क्रि०
निश्च्योतयति (चुरादि प्रेर०) निचोड़ना, वस्त्रादि से जल निकालना।

ਨਿਛ निच्छ् Nicch [3] स्त्री०
छिक्का (स्त्री०) छींक।

ਨਿਝੱਕ निझक्क् Nijhakk [3] वि०
निर्भय (वि०) भयरहित, निडर।

ਨਿਝਰ निझर् Nijhar [3] पुं०
निर्झर (पुं०) झरना, जल का स्रोत।

ਨਿਠੁਰ निठुर् Niṭhur [3] वि०
निष्ठुर (वि०) कठोर, कड़ा।

ਨਿਠੁਰਤਾ निठुर्ता Niṭhurta [3] स्त्री०
निष्ठुरता (स्त्री०) कठोरता, बेरहमी सख्ती।

ਨਿਡਰ निडर् Niḍar [3] वि०
निर्दर (वि०) निडर, निर्भय।

ਨਿਤਾਣਾ निताणा Nitāṇa [3] वि०
निस्तान (वि०) शिथिल, कमजोर।

ਨਿਤਾਪ੍ਰਤਿ निताप्रति Nitaprati [3] अ०
नित्यप्रति (अ०) प्रतिदिन, निशदिन।

ਨਿਤਾਰਨਾ नितार्ना Nitarna [3] सक० क्रि
निस्तारयति (चुरादि सक०) निथार निचोड़ना; निस्तार करना।

ਨਿੱਤ नित्त् Nitt [3] क्रि० वि०
नित्य (क्रि० वि०) नित्य, सदा।

ਨਿਥਾਵਾਂ निथावाँ Nithavā̃ [3] वि०
निस्स्थान (वि०) स्थान-हीन, आश्रय रहित।

ਨਿਦਣਾ निन्दणा Nındna [3] सक० क्रि०
निन्दति (भ्वादि सक०) निन्दा करना, बुराई करना।

ਨਿੰਦਣੀ निन्दनी Nindni [3] वि०
निन्दनीय (वि०) निन्दनीय, निन्दा करने योग्य।

ਨਿੰਦਰ निन्दर् Nindar [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा, स्वाप।

ਨਿਦਰਾ निद्रा Nidra [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, स्वाप।

ਨਿੰਦਰਾ निंद्रा Nindra [1] स्त्री०
द्र०—ਨੀਂਦ।

ਨਿਦਰਾਲਾ निद्राला Nidrala [1] पुं०
निद्रालु (वि०) निद्रालु, उनींदा, जिसे नींद आ रही हो।

ਨਿਦਰਾਲੂ निद्रालू Nidrālū [3] वि०
द्र०—ਨਿਦਰਾਲਾ।

ਨਿੰਦਾ निन्दा Nindā [3] स्त्री०
निन्दा (स्त्री०) निन्दा, बुराई।

ਨਿੰਦਿਆ निंदिआ Nindia [3] स्त्री०
निन्दा (स्त्री०) निन्दा, बुराई।

ਨਿੰਦਿਤ निन्दित् Nindit [3] वि०
निन्दित (वि०) निन्दित, निन्दा से युक्त।

ਨਿਦਿਰਿਸ਼ਟ निदिरिषट् Nidiriṣaṭ [3] वि०
नदृष्ट (वि०) अदृष्ट, अनदेखा।

ਨਿਦੋਸਾ निदोसा Nidosa [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, कलंक रहित।

ਨਿਧ निध् Nidh [3] पुं०
निधि (पुं०) निधि, भण्डार, खजाना।

ਨਿਧਾਨ निधान् Nidhān [3] पुं०
निधान (नपुं०) निधान, भण्डार, खजाना; स्थित होने का भाव।

ਨਿਧਿਆਸਨ निध्यासन् Nidhyāsan [3] स्त्री०
निदिध्यासन (नपुं०) बार-बार चित्त-वृत्ति को ध्यान में लाने की क्रिया।

ਨਿਧਿਰਾ निधिरा Nidhira [3] वि०
निर्धार/निर्धर (वि०) निष्पक्ष, निर्गुट।

ਨਿਧੀ निधी Nidhī [3] पुं०
निधि (पुं०) निधि, भण्डार, खजाना।

ਨਿਨਾਣ निनाण् Ninaṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਨਣਦ।

ਨਿਪਟਣਾ निपट्णा Nipaṭṇa [3] पुं०
निवर्तन (नपुं०) निवृत्त होना, छुट्टी पाना; समाप्त होना।

ਨਿਪੱਤਰ निपत्तर् Nipattar [3] वि०
निष्पत्र (वि०) पत्र-रहित, बेपात।

ਨਿਪੁੰਸਕ निपुंसक् Nipunsak [3] पुं०
नपुंसक (नपुं०) नपुंसक, हिजड़ा, नामर्द।

ਨਿਪੁੱਤ निपुत्त् Niputt [3] पुं०
निष्पुत्र (वि०) पुत्र-हीन, पुत्र-रहित।

ਨਿਪੁੱਤਰ निपुत्तर् Niputtar [3] पुं०
निष्पुत्र (वि०) पुत्र हीन, पुत्र-रहित।

ਨਿਪੁੰਨ निपुन्न् Nipunn [3] वि०
निपुण (वि०) निपुण, प्रवीण, कार्य-कुशल।

ਨਿਪੁੰਨਤਾ निपुन्नता Nipunnta [3] स्त्री०
निपुणता (स्त्री०) नपुणता, प्रवीणता।

ਨਿਪੰਗ निपंग् Nipang[3] वि०
निष्पङ्क (वि०) पंक-रहित, स्वच्छ।

ਨਿਫਲ निफल् Niphal [3] वि०
निष्फल (वि०) निष्फल, जिसका फल न हो, व्यर्थ।

ਨਿੰਬਲ निम्बल् Nimbal [3] वि०
निर्मल (वि०) निर्मल, उज्ज्वल, साफ।

ਨਿਬਾਹ निबाह् Nibah [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) सम्पादन; समापन, परिपूर्ति।

ਨਿਬਾਹੁਣਾ निबाहुणा Nibahuṇa
[3] सक० क्रि०
निर्वाहयति (चुरादि सक०) निर्वाह करना, निभाना; सम्पादन करना।

ਨਿੰਬੂ निम्बू Nibū [3] पुं०
निम्बू (पुं०/नपुं०) पुं०—नींबू का वृक्ष। नपुं०—नींबू का फल।

ਨਿਬੇੜਨਾ निबेड़्ना Niberṇā [3] सक० क्रि०
निर्वर्तयति (चुरादि सक०) निष्पन्न करना।

ਨਿਬੰਧ निबन्ध् Nibandh [2] पुं०
निबन्ध (पुं०) निबन्ध, लेख।

ਨਿੱਬੜਨਾ निब्बड़्ना Nibbaṛna
[3] अक० क्रि०
निर्वर्तते (भ्वादि अक०) निष्पन्न होना।

ਨਿਭਣਾ निभ्णा Nibhṇā [3] अक० क्रि०
निर्वहति (भ्वादि अक०) निभना, सम्पन्न होना।

ਨਿਭਰਮਾ निभर्ना Nibharna [3] वि०
निर्भ्रम (वि०) भ्रम-रहित, निर्भ्रान्त, असन्दिग्ध, निःसन्देह।

ਨਿਭਾ निभा Nibha [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा, निभना।

ਨਿਭਾਉ निभाउ Nibhau [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा; पालन।

ਨਿਭਾਉਣਾ निभाउणा Nibhauṇā
[3] सक० क्रि०
निर्वाहयति (भ्वादि प्रेर०) निभाना, निबाहना, निर्वाह करना।

ਨਿਭਾਗ निभाग् Nibhag [3] पुं०
निर्भाग्य (वि०) अभागा, भाग्य-हीन।

ਨਿਭਾਗਾ निभागा Nibhaga [3] पुं०
द्र०—ਨਿਭਾਗ।

ਨਿਭਾਣਾ निभाणा Nibhana [3] पुं०
निर्वाहण (नपुं०) निभाने का भाव, निर्वाह ।

ਨਿੰਮ निम् Nimm [3] स्त्री०
निम्ब (पुं०) नीम का वृक्ष ।

ਨਿਮਖ निमख् Nimakh [3] पुं०
निमिष (नपुं०) निमेष, एक क्षण का काल ।

ਨਿਮਗਨ निमगन् Nimagan [3] वि०
निमग्न (वि०) निमग्न, लीन, डूबा हुआ ।

ਨਿਮਨ निमन् Niman [3] वि०
निम्न (वि०) निम्न, नीचा ।

ਨਿਮਨਾਂਕਿਤ निम्नांकित् Nimnãkit [3] वि०
निम्नाङ्कित (वि०) निम्नांकित, नीचे लिखा ।

ਨਿਮਰ निमर् Nimar [3] वि०
नम्र (वि०) नम्र, विनीत ।

ਨਿਮਰਤਾ निमर्ता Nimartā [3] स्त्री०
नम्रता (स्त्री०) नम्रता, विनीतता ।

ਨਿਮਰਤਾਈ निमर्ताई Nimartāī [1] स्त्री०
द्र०—ਨਿਮਰਤਾ ।

ਨਿਮਾਣ निमाण् Nimāṇ [3] पुं०
नीप (पुं०) निचली भूमि, निम्न भूमि, गहरी जमीन; निम्न तल, घाटी ।

ਨਿਮਾਣਾ निमाणा Nimāṇa [3] वि०
निर्मान (वि०) निरभिमान, अभिमान-रहित ।

ਨਿਮਿੱਤ निमित्त् Nimitt [3] पुं०
निमित्त (नपुं०) निमित्त, हेतु, कारण ।

ਨਿਮੰਤ੍ਰਣ निमन्त्रण् Nimantraṇ [3] पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) निमन्त्रण, बुलावा ।

ਨਿਯੁਕਤ नियुकत् Niyukat [3] पुं०
नियुक्त (वि०) अच्छी तरह जोड़ा गया; किसी काम में लगाया गया ।

ਨਿਯੁਕਤੀ नियुक्ती Niyuktī [3] स्त्री०
नियुक्ति (स्त्री०) नियुक्ति, नियोजन ।

ਨਿਰਉਦੱਮੀ निर्उदम्मी Nirudammī [3] वि०
निरुद्यमिन् (वि०) उद्यम से रहित, आलसी ।

ਨਿਰ-ਅਪਰਾਧ निर्-अप्राध् Nir-Aprādh [3] वि०
निरपराध (वि०) निरपराध, अपराध-रहित, निर्दोष ।

ਨਿਰਖ निरख् Nirakh [3] स्त्री०
निरीक्षा (स्त्री०) निरखा, पहचान; खोज, तलाश ।

ਨਿਰਖਣਾ निरख्णा Nirakhṇā [3] सक० क्रि०
निरीक्षते (भ्वादि सक०) निरीक्षण करना, देखना; ढूंढना ।

ਨਿਰੱਖਰ निरक्खर् Nirakkhar [3] वि०
निरक्षर (वि०) निरक्षर, अक्षर ज्ञान से वंचित, अनपढ़।

ਨਿਰਗੁਣਿਆਰ निर्गुणिआर Nirgunīār [3] वि०
निर्गुणक (वि०) निर्गुण, गुण-हीन।

ਨਿਰਗੁਣਿਆਰਾ निर्गुणिआरा Nirgunīārā [3] वि०
द्र०—ਨਿਰਗੁਣਿਆਰ।

ਨਿਰਜੀਵ निर्जीव् Nirjīv [3] वि०
निर्जीव (वि०) निर्जीव, प्राण-रहित।

ਨਿਰਜੋਗ निर्जोग् Nirjog [3] वि०
निर्योग (वि०) निर्लेप, अनासक्त, असंग।

ਨਿਰਣਾ निर्णा Nirṇā [3] पुं०
निर्णय (पुं०) निर्णय, निश्चय।

ਨਿਰਣਾਜਨਕ निर्णाजनक् Nirṇājanak [3] वि०
निर्णयजनक (वि०) निर्णयजनक, निश्चायक।

ਨਿਰਣਿਤ निर्णित् Nirṇit [3] वि०
निर्णीत (वि०) निर्णीत, निश्चित।

ਨਿਰਤ निरत् Nirat [3] पुं०
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच।

ਨਿਰਤਕ निर्तक् Nirtak [3] पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला।

ਨਿਰਦਇਤਾ निर्दइता Nirdaitā [3] स्त्री०
निर्दयता (स्त्री०) निर्दयता, कठोरता, क्रूरता।

ਨਿਰਦਈ निर्दई Nirdaī [3] वि०
निर्दयिन् (वि०) निर्दयी, कठोर, क्रूर।

ਨਿਰਦੈਤਾ निर्दैता Nirdaitā [1] स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਦਇਤਾ।

ਨਿਰਦੋਸ਼ निर्दोश् Nirdoś [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, निरपराध।

ਨਿਰਦੋਸ਼ਣ निर्दोशण् Nirdośaṇ [3] स्त्री०
निर्दोषिणी (स्त्री०) दोष रहित-स्त्री, निरपराधिन।

ਨਿਰਦੋਖ निर्दोख् Nirdokh [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, निरपराध।

ਨਿਰਦੋਖਣ निर्दोखण् Nirdokhaṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਦੋਸ਼ਣ।

ਨਿਰਦੋਖੀ निर्दोखी Nirdokhī [3] पुं०
निर्दोषिन् (वि०) निर्दोषी, निरपराधी।

ਨਿਰਧਨ निर्धन् Nirdhan [3] वि०
निर्धन (वि०) निर्धन, गरीब।

ਨਿਰਧਨਤਾ निर्धनता Nirdhantā [3] स्त्री०
निर्धनता (स्त्री०) निर्धनता, गरीबी।

ਨਿਰਧਾਰਨਾ निर्धार्ना Nirdhārnā [3] सक० क्रि०

निर्धारयति (भ्वादि प्रेर०) निर्धारित करना, निश्चित करना ।

ਨਿਰਧਾਰਿਤ निर्धारित् Nirdhārit [3] वि०
निर्धारित (त्रि०) निर्धारित, जिसका निर्धारण किया गया हो ।

ਨਿਰਨਾ निर्ना Nirna [3] वि०
निरन्न (वि०) अन्न नहीं खाने वाला, निराहार ।

ਨਿਰਨੇ निर्ने Nirne [3] क्रि० वि०
निरन्नम् (नपुं०) निराहार, बिना कुछ खाये पीये ।

ਨਿਰਪ निरप् Nirap [1] पुं०
नृप (पुं०) नृप, राजा ।

ਨਿਰਪੇਖ निर्पेख् Nirpekh [3] वि०
निरपेक्ष (वि०) निरपेक्ष; उदासीन, निष्पक्ष, मध्यस्थ ।

ਨਿਰਪੱਖ निर्पक्ख् Nirpakkh [3] वि०
निष्पक्ष (त्रि०) निष्पक्ष, पक्षपात-रहित; निरपेक्ष ।

ਨਿਰਪੱਖਤਾ निर्पक्खता Nirpakkhta [3] स्त्री०
निष्पक्षता/निरपेक्षता (स्त्री०) निष्पक्षता, पक्षपात-राहित्य; निरपेक्षता, उदासीनता ।

ਨਿਰਬਲ निर्बल् Nirbal [3] वि०
निर्बल (त्रि०) निर्बल, कमजोर ।

ਨਿਰਬਾਹ निर्बाह् Nibah [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा ।

ਨਿਰਬੀਜ निर्बीज् Nirbij [3] वि०
निर्बीज (वि०) बीज-रहित, कारण-हीन ।

ਨਿਰਭਉ निर्भउ Nirbhau [3] वि०
निर्भय (वि०) निर्भय, भयरहित, निडर ।

ਨਿਰਭਰ निर्भर् Nirbhar [3] वि०
निर्भर (वि०) निर्भर, आश्रित ।

ਨਿਰਭਾਉ निर्भाउ Nirbhau [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा ।

ਨਿਰਭੈ निर्भै Nirbhai [3] वि०
निर्भय (वि०) भय-रहित, निडर ।

ਨਿਰਮਲ निर्मल् Nirmal [3] वि०
निर्मल (वि०) जिसमें मैल न हो, स्वच्छ; पाप-रहित ।

ਨਿਰਮਲੀਆ निर्मलीआ Nirmalia [3] वि०
निर्मल (वि०) मल-रहित, निर्मल; निर्मल सम्प्रदाय का सदस्य ।

ਨਿਰਮਾਣ[1] निर्माण Nirman [3] पुं०
निर्माण (नपुं०) निर्माण, रचना ।

ਨਿਰਮਾਣ[2] निर्माण् Nirman [3] वि०
निर्मान (वि०) निरभिमान, अभिमान-रहित ।

ਨਿਰਮੁੱਲਾ निर्मुल्ला Nirmulla [3] वि०
निर्मूल्य (वि०) निर्मूल्य, अमूल्य ।

ਨਿਰਮੂਲ निर्मूल् Nirmūl [3] वि०
निर्मूल (वि०) मूल-रहित, कारण-रहित; निराधार, असत्य।

ਨਿਰਮੋਹਾ निर्मोहा Nirmoha [3] पुं०
निर्मोह (वि०) निर्मोह, मोह-रहित; ज्ञानी; अनासक्त।

ਨਿਰਰਥਕ निरर्थक् Nirarthak [3] वि०
निरर्थक (वि०) निरर्थक, व्यर्थ, निष्प्रयोजन।

ਨਿਰਲੰਬ निर्लम्ब् Nirlamb [3] वि०
निर्लम्ब/निरालम्ब (वि०) अवलम्ब-हीन, आश्रय-रहित।

ਨਿਰਲੇਪ निर्लेप् Nirlep [3] वि०
निर्लेप (वि०) निर्लिप्त, अनासक्त।

ਨਿਰਵਾਸਨ निर्वासन् Nirvāsan [3] पुं०
निर्वासन (नपुं०) निर्वासन, निष्कासन; देश-निकाला।

ਨਿਰਵਾਸਿਤ निर्वासित् Nirvāsit [3] वि०
निर्वासित (वि०) निर्वासित, निष्कासित, देश से निकाला हुआ।

ਨਿਰਵਾਣ निर्वाण Nirvāṇ [3] पुं०
निर्वाण (नपुं०) निर्वाण, मोक्ष (बौद्धों की मोक्ष प्राप्ति का नाम)।

ਨਿਰਵਿਕਾਰ निर्विकार् Nirvikār [3] वि०
निर्विकार (वि०) निर्विकार, विकार-हीन।

ਨਿਰਵਿਖ निर्विख् Nirvikh [3] वि०
निर्विष (वि०) विष-रहित, बिना जहर।

ਨਿਰਵਿਘਨ निर्विघन् Nirvighan [3] वि०
निर्विघ्न (वि०) विघ्न-रहित, बाधा-रहित।

ਨਿਰਵੈਰ निर्वैर Nirvair [3] वि०
निर्वैर (वि०) वैर से मुक्त, शत्रुता से रहित।

ਨਿਰਾ निरा Nirā [3] पुं०
निकर (पुं०) ढेर, राशि।

ਨਿਰਾਸ निरास् Nirās [3] वि०
निराश (वि०) आशा-रहित, हताश।

ਨਿਰਾਸਰਾ निरास्रा Nirāsrā [3] वि०
निराश्रय (वि०) आश्रय-हीन, अवलम्ब-रहित।

ਨਿਰਾਸ਼ਾ निराशा Nirāśā [3] स्त्री०
निराशा (स्त्री०) निराशा, आशा का अभाव।

ਨਿਰਾਹਾਰ निराहार् Nirāhār [3] वि०
निराहार (वि०) आहार से रहित, अन्न ग्रहण न करने वाला।

ਨਿਰਾਧਾਰ निराधार् Nirādhār [3] वि०
निराधार (वि०) निराधार, निराश्रय, आधार-रहित।

ਨਿਰਾਲਮ निरालम् Nirālam [2] वि०
निरालम्ब (वि०) निरालम्ब, बेसहारा।

ਨਿਰੀਖਕ निरीखक Nirikhak [3] पुं०
निरीक्षक (वि०) निरीक्षक; तलाश करने वाला।

ਨਿਰੀਖਣ निरीखण् Nirikhaṇ [3] पुं०
निरीक्षण (नपुं०) निरीक्षण; पहचान; तलाश।

ਨਿਰੁਕਤੀ निरुक्ती Nirukti [3] स्त्री०
निरुक्ति (स्त्री०) निरुक्ति, निर्वचन, व्याख्या; एक अलंकार।

ਨਿਰੂਪ निरूप् Nirūp [3] वि०
नीरूप (वि०) रूप से रहित, अरूप, निराकार।

ਨਿਰੂਪਣ निरूपण् Nirūpaṇ [3] पुं०
निरूपण (नपुं०) प्रतिपादन, वर्णन, विस्तृत कथन।

ਨਿਰੂਪਣਾ निरूप्णा Nirūpṇa [3] सक० क्रि०
निरूपयति (चुरादि सक०) निरूपण करना, बताना।

ਨਿਰੰਕਾਰ निरंकार् Niraṅkār [3] वि०
निराकार (वि०) निराकार, आकार-रहित, निर्गुण ब्रह्म।

ਨਿਰੰਕਾਰੀ निरंकारी Niraṅkārī [3] पुं०
निराकारिन् (वि० / पुं० / नपुं०) वि०—निरंकारी, निराकारी। पुं०—निरंकार पन्थ या उसका सदस्य। नपुं०—निर्गुण ब्रह्म।

F. 41

ਨਿਰੰਕੁਸ਼ निरकुश् Nirankus [3] वि०
निरङ्कुश (वि०) बन्धन-मुक्त, स्वतन्त्र; उद्दण्ड।

ਨਿਰੰਜਨ निरंजन् Nirañjan [3] पुं०
निरञ्जन (पुं०) निरञ्जन, माया-मुक्त, परब्रह्म।

ਨਿਰੰਤਰ निरन्तर् Nirantar [3] क्रि० वि०
निरन्तर (क्रि० वि०/वि०) क्रि० वि०—निरन्तर, सदा। वि०—व्यापक।

ਨਿਲੱਜ निलज्ज् Nilajj [3] वि०
निर्लज्ज (वि०) लज्जा-हीन, बेशर्म।

ਨਿਲੱਜਾ निलज्जा Nilajja [3] पुं०
निर्लज्ज (वि०) निर्लज्ज, बेशर्म।

ਨਿਵਾਉਣਾ निवाउणा Nivauṇa [3] सक० क्रि०
नमयति (भ्वादि प्रेर०) नवाना, झुकाना; नमन करना।

ਨਿਵਾਸ[1] निवास् Nivās [3] पुं०
निर्वास (पुं०) निर्वासन, बाहर निकालने का भाव।

ਨਿਵਾਸ[2] निवास् Nivās [3] पुं०
निवास (पुं०) निवास, रहने का भाव, रहना; घर, डेरा।

ਨਿਵਾਣ निवाण् Nivaṇ [3] पुं०
नीपस्थान (नपुं०) पर्वत की तलहटी, घाटी।

ਨਿਵਾਰਨਾ निवार्ना Nivarna [3] सक० क्रि०
निवारयति (चुरादि सक०) निवारण करना; अलग करना; मुक्त करना ।

ਨਿਵੇਦਨ निवेदन Nivedan [3] पुं०
निवेदन (नपुं०) निवेदन, प्रार्थना; सौंपने का भाव ।

ਨਿਵ੍ਰਿੱਤੀ निव्रित्ती Nivritti [3] स्त्री०
निवृत्ति (स्त्री०) वापसी; समाप्ति; विरक्ति, संन्यास ।

ਨੀਂਹ नींह् Nih [3] स्त्री०
नेमि (स्त्री०) भवन आदि की नींव; मूल भाग ।

ਨੀਹਲ नीहल् Nihal [1] वि०
नीच (वि०) निम्न, नीचा ।

ਨੀਚ नीच् Nic [3] वि०
नीच (वि०) नीचा, निम्न ।

ਨੀਚਾ नीचा Nica [3] पुं०
द्र०—ਨੀਚ ।

ਨੀਤੱਗ नीतग्ग् Nitagg [3] वि०
नीतिज्ञ (वि०) नीतिज्ञ, नीति-वेत्ता ।

ਨੀਤੀ नीती Niti [3] स्त्री०
नीति (स्त्री०) ले जाने की क्रिया; पथ-प्रदर्शन; राज्य की रक्षा के लिए काम में लायी जाने वाली युक्ति ।

ਨੀਤੀ-ਵਾਕ नीती-वाक् Niti-Vak [3] पुं०
नीतिवाक्य (नपुं०) नीति के वाक्य, नीति-वचन ।

ਨੀਤੀਵੇਤਾ नीतीवेता Nitiveta [3] पुं०
नीतिवेत्ता (वि० प्रथमान्त) नीति-वेत्ता, नीति का जानकार ।

ਨੀਂਦ नींद् Nid [3] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा ।

ਨੀਂਦਰ नींदर् Nidar [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਂਦ ।

ਨੀਂਦਰਾਇਆ नींद्राइआ Nidraia [3] पुं०
निद्रालु (वि०) निद्रालु; सोने वाला, निद्रा-शील ।

ਨੀਂਦਰਾਲਾ नींद्राला Nidrala [3] पुं०
द्र०—ਨੀਂਦਰਾਇਆ ।

ਨੀਂਦਰਾਵਲਾ नींद्राव्ला Nidravla [3] पुं०
द्र०—ਨੀਂਦਰਾਇਆ ।

ਨੀਂਦੜੀ नींद्ड़ी Nidri [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा, स्वाप ।

ਨੀਰਸ नीरस् Niras [3] वि०
नीरस (वि०) नीरस, रस-रहित ।

ਨੀਰਸਤਾ नीरस्ता Nirasta [3] स्त्री०
नीरसता (स्त्री०) नीरसता, शुष्कता ।

ਨੀਰਾ नीरा Nira [3] पुं०
नीर (नपुं०) नीर, पानी, जल ।

ਨੀਲ नील Nil [3] पुं०
नील (नपुं०) वस्त्रों में लगाने का नील-पदार्थ।

ਨੀਲਕੰਵਲ नील्कँवल् Nilcãval [3] पुं०
नीलकमल (नपुं०) नीलकमल, नीले वर्ण का कमल।

ਨੀਲਗਊ नील्गऊ Nilgaū [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਗਾਂ।

ਨੀਲਗਰ नील्गर् Nilgar [3] पुं०
नीलकार (वि०) रंगरेज, कपड़े रंगना जिसका व्यवसाय हो।

ਨੀਲਗਰੀ नील्गरी Nilgari [3] पुं०
नीलकारीय (नपुं०) रंगरेज का काम या व्यवसाय।

ਨੀਲਗਾਂ नील्गाँ Nilgã [3] स्त्री०
नीलगो (स्त्री०) नील गाय, पशु-विशेष।

ਨੀਲਮਣੀ नील्मणी Nilmaṇi [3] स्त्री०
नीलमणि (पुं०) नीलमणि; नीलम पत्थर।

ਨੀਲਾ नीला Nila [3] वि०
नील (वि०) नीला, नीले वर्ण वाला।

ਨੀਲਾਰਣ नीलारण् Nilaraṇ [3] स्त्री०
नीलकारिणी/नीलकारी (स्त्री०) रँगरेज स्त्री; रँगरेज की स्त्री।

ਨੀਲਾਰਨੀ नीलार्नी Nilarni [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਾਰਣ।

ਨੀਲਾਰੀ नीलारी Nilari [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਾਰਣ।

ਨੀਵਾਂ[1] नीवाँ Nivã [3] पुं०।
नीप (पुं०) निम्न वर्ण, नीच जाति।

ਨੀਵਾਂ[2] नीवाँ Nivã [3] वि०
निम्न (वि०) निम्न, नीचे का।

ਨੁਹਾਉਣਾ नुहाउणा Nuhauṇa [3] सक० क्रि०
स्नपयति (अदादि प्रेर०) नहलाना, स्नान कराना।

ਨੁਹਾਲਣਾ नुहाल्णा Nuhalṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਉਣਾ।

ਨੁਹੌਣਾ नुहौणा Nuhauṇa [1] सक० क्रि०
द्र० — ਨੁਹਾਉਣਾ।

ਨੁਚੜਨਾ नुचड़्ना Nucaṛna [3] सक० क्रि०
निश्च्योत्यते (श्वादि कर्मवाच्य क्रि०) निचुड़ना, रस का निकल जाना।

ਨੁੱਚੜਨਾ नुच्चड़्ना Nuccaṛna [3] अक० क्रि०
द्र०—ਨੁਚੜਨਾ।

ਨੁਰਾੱਤਾ नुरात्ता Nuratta [1] पुं०
द्र०—ਨਰਾੱਤਾ।

ਨੁਰਾਤ੍ਰਾ नुरात्रा Nuratra [1] पुं०
द्र० — ਨਰਾੱਤਾ।

ਨੁਲਹਾਉਣਾ नुल्हाउणा Nulhauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਉਣਾ ।

ਨੂੰਹ नूंह् Nūh [3] स्त्री०
स्नुषा (स्त्री०) पुत्रवधू, पुत्र की पत्नी ।

ਨੂਣ नूण् Nūṇ [3] पुं०
लवण (नपुं०) नमक, लोन ।

ਨੂਤਨ नूतन् Nūtan [3] वि०
नूतन (वि०) नूतन, नया ।

ਨੂਨ नून् Nūn [1] पुं०
द्र०—ਨੂਣ ।

ਨੂਪੁਰ नूपुर् Nūpur [3] स्त्री०
नूपुर (नपुं०) नूपुर, पायल ।

ਨੇਸਤੀ नेस्ती Nestī [3] वि०
निःसत्त्व (वि०) अस्तित्व-हीन; निर्बल ।

ਨੇਹੀ नेही Nehī [1] वि०
स्नेहिन् (वि०) स्नेही, चिक्कण, स्निग्ध; प्रेमी ।

ਨੇਹੁ नेहु Nehu [3] स्त्री०
स्नेह (पुं०) नेह, स्नेह, प्रेम ।

ਨੇਹੁੰ नेहुँ Nehũ [3] स्त्री०
द्र०—ਨੇਹੁ ।

ਨੇਣਾ नेणा Neṇa [1] सक० क्रि०
नयति (भ्वादि सक०) रास्ता दिखाना; ले जाना, पहुँचाना; ढोना ।

ਨੇਤਕ नेतक् Netak [2] वि०
नैत्यिक (वि०) नित्य का, प्रतिदिन का, नियमित रूप से अनुष्ठेय ।

ਨੇਤਕੀ नेत्की Netakī [2] वि०
द्र०—ਨੇਤਕ ।

ਨੇਤਰ नेतर् Netar [3] स्त्री०
नेत्र (नपुं०) नेत्र, आँख ।

ਨੇਤਰਾ नेत्रा Netrā [3] पुं०
नेत्र (नपुं०) मथानी की रस्सी ।

ਨੇਤਾ नेता Neta [3] वि०
नेतृ (वि०) नेता, पथ-प्रदर्शक ।

ਨੇਤ੍ਰਾ नेत्रा Netrā [3] पुं०
नेत्र (नपुं०) मथानी की रस्सी ।

ਨੇਪੱਥ नेपत्थ् Nepatth [3] पुं०
नेपथ्य (नपुं०) नेपथ्य, रंगमंच के पर्दे के पीछे का भाग ।

ਨੇਂਬੂ नेम्बू Nembū [3] पुं०
द्र०—ਨਿੰਬੂ ।

ਨੇਮ नेम् Nem [3] पुं०
नियम (पुं०) नियम, विधान; बँधा हुआ क्रम ।

ਨੇਮਾਵਲੀ नेमाव्ली Nemavlī [3] स्त्री०
नियमावली (स्त्री०) नियमावली, नियमों की पुस्तक ।

ਨੇਵਰ नेवर् Nevar [2] स्त्री०
नूपुर (नपुं०) पायल, पायजेब ।

ਨੇੜਾ नेड़ा Nera [3] अ०
निकटता (स्त्री०) निकटता, सामीप्य ।

ਨੇੜੇ नेड़े Nere [3] क्रि० वि०
निकट (क्रि० वि०) निकट, समीप, पास ।

ਨੈ नै Nai [3] स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता ।

ਨੈਣ[1] नैण् Naiṇ [3] पुं०
नयन (नपुं०) नयन, नेत्र, आँख ।

ਨੈਣ[2] नैण् Naiṇ [3] स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाई की पत्नी, नाइन ।

ਨੈਰਤ नैरत् Nairat [3] स्त्री०
नैर्ऋती (स्त्री०) नैर्ऋत्य-कोण, दक्षिण-पश्चिम का कोना ।

ਨੌ नौ Nau [3] वि०
नव (वि०) नवीन, नया ।

ਨੌਂ नौं Naũ [3] वि०
नवन् (वि०) नव संख्या (9), नौ ।

ਨੌਕਾ नौका Nauka [3] स्त्री०
नौका (स्त्री०) नौका, नाव ।

ਨੌਣੀ नौणी Nauṇī [1] स्त्री०
नवनीत (नपुं०) नवनीत, मक्खन ।

ਨੌਂਥੇਹ नौंथेह् Naũtheh [3] पुं०
नामस्थान (नपुं०) पता-ठिकाना ।

ਨੌਂਦੁਆਰ नौंदुआर् Naũduar [3] पुं०
नवद्वार (नपुं०) शरीर आदि के नव द्वार; नौ छिद्र ।

ਨੌਨਿਧ नौनिध् Naunidh [3] स्त्री०
नवनिधि (पुं०) नव निधि, नौ प्रकार की संपत्तियाँ ।

ਨੌਰਸ नौरस् Nauras [3] पुं०
नवरस (पुं०) नवरस, नया रस; शृंगारादि नौ रस ।

ਨੌਰਾਤਰੇ नौरात्रे Nauratre [3] पुं०
द्र०—ਨੌਰਾਤਾ ।

ਨੌਰਾਤਾ नौराता Naurata [3] पुं०
नवरात्र (नपुं०) नवरात्र, आश्विन और चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रारम्भ के नव दिन ।

ਨੌਵਾਂ नौवाँ Nauvā̃ [3] पुं०
नवम (वि०) नवम, नौवाँ ।

ਨੌਵੀਂ नौवीं Nauvī̃ [3] स्त्री०
नवमी (स्त्री०) नवमी तिथि; नौवीं ।

ਨੰਗ नंग् Nang [3] पुं०
नग्न (वि०) नंगा; गरीब; नंगा साधु ।

ਨੰਗਾ नंगा Nanga [3] पुं०
नग्न (वि०) नंगा, निर्वस्त्र ।

ਨੰਦੂ नन्दू Nandū [3] वि०
नन्दित (वि०) आनन्दित, प्रसन्न ।

ਨੰਦੋ नन्दो Nando [3] स्त्री०
आनन्दिता (स्त्री०) आनन्द युक्त स्त्री, प्रसन्न स्त्री ।

ਨੰਦੋਈ नंदोई Nandoī [3] पुं०
द्र०—ਨੰਦੋਈਆ।

ਨੰਦੋਈਆ नँदोइआ Nãdoia [3] पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद का पति।

ਨੰਨਾ नन्ना Nanna [3] अ०
न न (अ०) कदापि नहीं।

ਨੰਨ੍ਹਾ नन्न्हा Nannha [3] पुं०
श्लक्ष्ण (वि०) नन्हाँ, छोटा।

ਨ੍ਰਿਤ न्रित् Nrit [3] पुं०
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच।

ਪ

ਪਊਆ[1] पउआ Paua [3] पुं०
पादुका (स्त्री०) चरण-पादुका, खड़ाऊँ; पाव, चतुर्थांश।

ਪਊਆ[2] पउआ Paua [3] पुं०/वि०
प्रस्थ (पुं०/वि०) एक पाव का माप, एक पाव (कोई वस्तु।)

ਪਇਆਣਾ पइआणा Paiāṇa [2] पुं०
प्रयाण (नपुं०) प्रयाण, चले जाने का भाव, कूच करने या आक्रमण करने का भाव।

ਪਸਚਾਤਾਪ पस्चाताप् Pascātap [3] पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पश्चात्ताप, पछतावा, आत्म-ग्लानि।

ਪਸਮਾਉਣਾ पस्माउणा Pasmāuṇa [3] प्रेर० क्रि०
प्रस्रावयति (भ्वादि प्रेर०) टपकाना, चुलाना।

ਪਸਰਨਾ पसर्ना Pasarna [3] अक० क्रि०
प्रसरति (भ्वादि अक०) पसरना, फैलना।

ਪਸਰਾਉ पस्राउ Pasrāu [3] पुं०
प्रसार (पुं०) प्रसार, फैलाव, विस्तार।

ਪਸਰਾਉਣਾ पस्राउणा Pasrāuṇa [3] सक० क्रि०
प्रसारयति (भ्वादि प्रेर०) प्रसार करना, फैलाना।

ਪਸਾਉ पसाउ Pasāu [2] पुं०
द्र०—ਪਸਰਾਉ।

ਪਸਾਉਣਾ पसाउणा Pasāuṇa [2] सक० क्रि०
प्रस्रावयति (भ्वादि प्रेर०) भात आदि पसाना; जल आदि चुलाना।

ਪਸਾਰ पसार् Pasār [3] पुं०
प्रसार/प्रसर (पुं०) विस्तार, फैलाव।

ਪਸਾਰਨਾ पसार्ना Pasārna [3] क्रि०
प्रसारयति (भ्वादि प्रेर०) प्रसार करना, फैलाना।

ਪਸਾਰਾ पसारा Pasara [3] पुं०
प्रसार (पुं०) पसारा, फैलाव, विस्तार।

ਪਸੀਨਾ पसीना Pasīna [3] पुं०
प्रस्वेद (पुं०) अधिक पसीना।

ਪੱਸਰਣਾ पस्सर्णा Passarṇā [1] अक० क्रि०
द्र०— ਪਸਰਨਾ।

ਪੱਸਰਵਾਂ पस्सर्वाँ Passarvā̃ [3] वि०
प्रसृत (वि०) बिखरा हुआ, फैला हुआ।

ਪੱਸਲੀ पस्स्ली Passlī [3] स्त्री०
पर्शु (पुं०) पसली, पार्श्वास्थि, पाँजर।

ਪਹਾ पहा Paha [3] पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता, पगडण्डी।

ਪਹਿਆ पहिआ Pahia [3] पुं०
पथिन् (पुं०) मार्ग, रास्ता; सड़क; कच्चा रास्ता, पगडण्डी।

ਪਹਿਚਾਨ पहिचान् Pahican [3] स्त्री०
प्रतिज्ञान (नपुं०) पहिचान, परिचय, जानकारी।

ਪਹਿਰ पहिर् Pahir [3] पुं०
प्रहर (पुं०) पहर, अहोरात्र का 1/8वाँ भाग, 3 घण्टे का समय; पहरा, चौकसी; रक्षा।

ਪਹਿਰਾਉਣਾ पहिराउणा Pahirauṇa [3] सक० क्रि०
परिधापयति (जुहोत्यादि प्रेर०) पहनाना, पहनने की प्रेरणा देना।

ਪਹਿਲ पहिल् Pahil [3] वि०
प्रथम (वि०) पहिला, प्रथम।

ਪਹਿਲਾ पहिला Pahila [3] पुं०
प्रथम (वि०) पहला, प्रथम।

ਪਹੀਆ पहिआ Pahia [3] वि०
पथिक (वि०) पथिक, राही।

ਪਹੇਲੀ पहेली Pahelī [3] स्त्री०
प्रहेलिका (स्त्री०) पहेली, बुझौअल।

ਪਕਣਾ पकणा Pakṇa [3] पुं०
पचन (नपुं०) पकने की क्रिया, पकना।

ਪਕਵਾਨ पक्वान् Pakvan [3] पुं०
पक्वान्न (नपुं०) पका हुआ अन्न, घी से निर्मित खाने की वस्तु।

ਪਕਾਉ पकाउ Pakau [3] पुं०
पाक (पुं०) पाक, पकने का भाव।

ਪਕਾਉਣਾ पकाउणा Pakauṇa [3] सक० क्रि०
पाचयति (भ्वादि प्रेर०) पकाना, पकाने की प्रेरणा देना।

ਪਕੌੜੀ पकौड़ी Pakauṛī [3] स्त्री०
पक्ववटी (स्त्री०) पकौड़ी, तेल अथवा घी से पकी हुई वड़ी।

ਪੱਕ पक्क Pakk [3] वि०
पक्व (वि०) पका हुआ; पक्का, प्रौढ़; निर्णीत।

ਪੱਕਣਾ पक्कणा Pakkṇa [3] अक० क्रि०
पच्यते (भ्वादि कर्म वाच्य) पकना, पाक होना।

ਪੱਕਾ पक्का Pakka [3] पुं०
पक्व (वि०) पका हुआ; पक्का, प्रौढ़; निर्णीत।

ਪਖਵਾੜਾ पख्वाड़ा Pakhvaṛa [3] पुं०
द्र०—ਪੱਖ।

ਪਖਾਣ पखाण् Pakhaṇ [3] पुं०
पाषाण (पुं०) पाषाण, पत्थर।

ਪਖਾਣਾ पखाणा Pakhaṇa [1] पुं०
प्रख्यान (नपुं०) कहावत, उपाख्यान।

ਪਖਾਵਜ पखावज् Pakhavaj [3] पुं०
पक्षवाद्य (नपुं०) पखावज बाजा।

ਪਖੰਡ पखण्ड् Pakhanḍ [3] पुं०
पाषण्ड/पाखण्ड (पुं०) पाखण्ड, ढोंग, आडम्बर; छल।

ਪਖੰਡਣ पखण्डण् Pakhanḍaṇ [3] स्त्री०
पाषण्डिनी/पाखण्डिनी (स्त्री०) पाखण्डी स्त्री, धूर्त नारी।

ਪਖੰਡੀ पखण्डी Pakhanḍi [3] पुं०
पाखण्डिन् (वि०) पाखण्डी पुरुष, धूर्त।

ਪੱਖ पक्ख Pakkh [3] पुं०
पक्ष (पुं०) दल, गुट; पक्ष, 15 दिनों का समय (शुक्ल पक्ष/कृष्ण पक्ष)।

ਪੱਖਪਾਤ पक्ख्पात् Pakkhpat [3] पुं०
पक्षपात (पुं०) पक्षपात, भेद-दृष्टि, तरफदारी।

ਪੱਖਪਾਤੀ पक्ख्पाती Pakkhpati [3] पुं०
पक्षपातिन् (वि०) पक्षपाती, तरफदार।

ਪੱਖਪੂਰਤੀ पक्ख्पूर्ती Pakkhpūrti [3] स्त्री०
पक्षपूर्ति (स्त्री०) पक्षपात करने का भाव।

ਪੱਖਵਾਦ पक्ख्वाद् Pakkhvad 3] पुं०
पक्षवाद (पुं०) पक्षपात, पक्ष-विशेष का कथन।

ਪੱਖਵਾਦੀ पक्ख्वादी Pakkhvadi [3] वि०
पक्षवादिन् (वि०) पक्षपाती, पक्ष-विशेष का कथन करने वाला।

ਪੱਖਾ पक्खा Pakkha [3] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख; पंखा।

ਪੱਖੀ[1] पक्खी Pakkhi [3] वि०
पक्षिन् (वि०) किसी एक पक्ष से संबन्धित।

ਪੱਖੀ[2] पक्खी Pakkhi [1] स्त्री०
पक्षिन् (पुं०) चिड़िया, पक्षी, पंखी।

ਪਗ पग् Pag [3] पुं०
पद (पुं०) पग, पाद, पैर।

ਪਚਣਾ पचणा Pacṇā [3] पुं०
पचन (नपुं०) पचना, भक्षित अन्न के पचने का भाव।

ਪਚਵੰਞਾ पच्वंझा Pacvañjha [3] वि०
पञ्चपञ्चाशत् (स्त्री०) पचपन; 55 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਚਾਉਣਾ पचाउणा Pacāuṇa [3] सक० क्रि०
पाचयति (भ्वादि प्रेर०) पचाना, खाये हुए अन्न का परिपाक करना; पकाना, पाक की प्रेरणा देना।

ਪਚਾਸੀ पचासी Pacāsī [3] वि०
पञ्चाशीति (स्त्री०) पचासी; 85 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਚਾਂਗ पचाँग् Pacāg [3] पुं०
पञ्चाङ्क (पुं०) पाँच अंक।

ਪਚਾਨਵੇਂ पचान्वें Pacānvē [3] वि०
पञ्चनवति (स्त्री०) पंचानवें; 95 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੱਚੀ पच्ची Paccī [3] वि०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीस; 25 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਛਤਾਉਣਾ पछ्ताउणा Pachtauṇa [3] अक० क्रि०
पश्चात्तपति (भ्वादि अक०) पछताना, पश्चाताप करना।

ਪਛਤਾਵਾ पछ्तावा Pachtava [3 पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पछतावा, अफसोस।

ਪਛਾਣਨਾ पछाण्ना Pachaṇna [3]सक० क्रि०
प्रत्यभिजानाति (क्र्यादि सक०) पहचानना, अनुस्मरण करना।

ਪਛਾੜੀ पछाड़ी Pachaṛī [3] स्त्री०
पश्चार्ध (वि०) पीछे वाला भाग, अपरार्ध, शेषार्ध; पश्चिमी भाग।

ਪੱਛਮ पच्छम् Paccham [3] पुं०
पश्चिम (पुं०) पश्चिम दिशा।

ਪੱਛੀ पच्छी Pacchī [3] स्त्री०
पक्षिन् (पुं०) पक्षी, चिड़िया।

ਪੱਛੋਂ पच्छों Pacchō [3] पुं०
पश्चिमा (स्त्री०) पश्चिम दिशा, पश्चिम दिशा से आने वाली हवा, पछुवा हवा।

ਪਜੌਣਾ पजौणा Pajauṇa [1] वि०
द्र०—ਪੰਜੌਣਾ।

ਪਟ पट् Paṭ [3] पुं०
पट्ट (नपुं०) पटरा, तख्ता।

ਪਟਨ पटन् Paṭan [2] पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर, पुर, शहर।

ਪਟਰਾਣੀ पट्राणी Paṭraṇī [3] स्त्री०
पट्टराज्ञी (स्त्री०) पटरानी, राजा की धर्मपत्नी।

ਪਟਵਾਰਨ पट्वारन् Paṭvaran [3] स्त्री०
पट्टधारिणी (स्त्री०) पटवारी की स्त्री।

ਪਟਾ पटा Paṭa [3] पुं०
पट्ट (नपुं०) धारीदार वस्त्र।

ਪਟਾਰ पटार् Paṭar [3] पुं०
पिटक > पेट्टार (पुं०, नपुं०) पिटारी, टोकरी, पेटी।

ਪਟਾਰਾ पटारा Paṭara [3] पुं०
द्र०—ਪਟਾਰ।

ਪਟਾਰੀ पटारी Paṭari [3] स्त्री०
द्र०—ਪਟਾਰ।

ਪਟੋਕੀ पटोकी Paṭoki [3] स्त्री०
चपेटिका (स्त्री०) चपेड़, थप्पड़।

ਪੱਟ पट्ट् Paṭṭ [3] पुं०
पट्ट (पुं०, नपुं०) रेशम का वस्त्र, रेशमी कपड़ा।

ਪੱਟਾ पट्टा Paṭṭa [1] पुं०
पट्ट (पुं०, नपुं०) श्यामपट्ट; फट्टा।

ਪੱਟੀ पट्टी Paṭṭi [3] स्त्री०
पट्टी (स्त्री०) लिखने की पट्टिका, तख्ती; घाव बाँधने की पट्टी; लम्बा कपड़ा।

ਪਠਾਉਣਾ पठाउणा Paṭhauṇa [3] सक० क्रि०
प्रस्थापयति (भ्वादि प्रेर०) पठाना, भेजना।

ਪਠਾਣਾ पठाणा Paṭhāṇa [2] सक० क्रि०
द्र०—ਪਠਾਉਣਾ।

ਪੱਠਾ पट्ठा Paṭṭha [3] पुं०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, मजबूत, पट्ठा।

ਪਡੋਲ पडोल् Paḍol [3] पुं०
पटोल (पुं०) परवल-सब्जी।

ਪੱਡ पड्ड् Paḍḍ [2] पुं०
पर्द (पुं०) अपान वायु, पाद।

ਪਤਨੀ पत्नी Patni [3] स्त्री०
पत्नी (स्त्री०) पत्नी, भार्या।

ਪਤਲਾ पत्ला Patla [3] वि०
प्रतनु (वि०) पतला, कृश।

ਪਤਾਕਨੀ पताक्नी Patakni [3] स्त्री०
पताकिनी (स्त्री०) पताका रखने वाली सेना, फौज।

ਪਤਾਲੂ पतालू Patalū [3] वि०
पतयालु (वि०) पतनशील, गिरने योग्य।

ਪਤਿਆਉਣਾ पत्याउणा Patyauṇa [3] क्रि०
प्रत्याययति (भ्वादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, प्रतीति कराना; भरोसा देना।

ਪਤਿਆਰ पत्यार् Patyar [1] पुं०
प्रत्यय (पुं०) विश्वास, प्रतीति, भरोसा; ज्ञान, समझ।

ਪਤਿਆਰਾ पत्यारा Patyara [1] पुं०
प्रत्यय (पुं०) विश्वास, यकीन; प्रतीति, ज्ञान।

ਪਤਿਤ पतित् Patit [3] वि०

पतित (वि०) पतित गिरा हुआ नीच अधम।

ਪਤੀ पती Patī [3] पुं०
पति (पुं०) पति, स्वामी।

ਪਤੀਜਣਾ पतीज्णा Patījṇā [3] सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) विश्वास करना, प्रतीति करना; जानना, समझना।

ਪਤੀਬਰਤਾ पतीबर्ता Patībartā [3] स्त्री०
पतिव्रता (स्त्री०) पतिव्रता, पतिपरायणा।

ਪਤੰਦਰ पतन्दर् Patandar [3] पुं०
पत्यन्तर (नपुं०) बलपूर्वक बना पति, दूसरा पति।

ਪੱਤ पत्त् Patt [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्ता, पात।

ਪੱਤਣ पत्तण् Pattaṇ [3] पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर; बन्दरगाह।

ਪੱਤਰ पत्तर् Pattar [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, पत्ता; पत्र, चिट्ठी।

ਪੱਤਰਕਾ पत्तर्का Pattarkā [3] स्त्री०
पत्रिका (स्त्री०) पत्रिका; छोटा लेख या पत्र।

ਪੱਤਰ-ਵਿਹਾਰ पत्तर्-विहार् Pattar-Vihār [3] पुं०
पत्रव्यवहार (पुं०) पत्रव्यवहार, पत्राचार।

ਪੱਤਰਾ पत्त्र Pattra [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, पत्ता; धातु की पतली चादर।

ਪੱਤਰੀ पत्त्री Pattrī [3] स्त्री०
पत्री (स्त्री०) जन्मपत्री, जन्मकुण्डली; धातु की पतली चादर।

ਪੱਤਲ पत्तल् Pattal [3] स्त्री०
पत्रल (नपुं०) पत्तल, पत्ते का बना भोजन-पात्र।

ਪੱਤਾ पत्ता Pattā [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्ता, पात।

ਪੱਤੀ पत्ती Pattī [3] स्त्री०
पत्र (नपुं०) छोटा पत्ता, पत्ती।

ਪਥ पथ् Path [3] पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग।

ਪਥਰੀ पथ्री Pathrī [3] स्त्री०
प्रस्तरी (स्त्री०) पथरी, छोटा पत्थर।

ਪਥਰੀਲਾ पथ्रीला Pathrīlā [3] वि०
प्रास्तरिक (वि०) पथरीला, पत्थर-युक्त; कठोर।

ਪੱਥਰ पत्थर् Patthar [3] पुं०
प्रस्तर (पुं०) पत्थर, शिलाखण्ड।

ਪਦ[1] पद् Pad [3] पुं०
पद्य (नपुं०) पद्य, कविता।

ਪਦ[2] पद् Pad [3] पुं०
पाद >पद् (पुं०) पाद, पग, पैर।

ਪਦਮਣੀ पद्मणी Padmaṇī [3] स्त्री०
पद्मिनी (स्त्री०) कमल का पौधा; कोकशास्त्र के अनुसार स्त्रियों की चार जातियों में से सर्वोत्तम जाति।

ਪਦਾਰਥ पदारथ् Padārath [3] पुं०
पदार्थ (पुं०) पदार्थ, वस्तु; धन।

ਪਦਾਰਥਕ पदार्थक् Padārthak [3] वि०
पादार्थिक (वि०) पदार्थ-संबन्धी, वस्तु से संवन्धित।

ਪਦਾਰਥ-ਵਿਗਿਆਨ पदारथ्-विग्यान् Padārath-Vigyān [3] पुं०
पदार्थविज्ञान (वि०) पदार्थ-विज्ञान, भौतिक-शास्त्र।

ਪੱਦ पद्द् Padd [3] पुं०
पर्द (पुं०) पाद, अपान वायु।

ਪੱਦਣਾ पद्दना Paddanā [3] अक० क्रि०
पर्दते (भ्वादि अक०) पादना, अपानवायु छोड़ना।

ਪੱਧਤੀ पद्धती Paddhatī [3] स्त्री०
पद्धति (स्त्री०) पद्धति, रीति, तरीका।

ਪੱਧਰਾ पद्धरा Paddhrā [3] वि०
प्रतल (वि०) समतल, बराबर।

ਪਨਵਾੜੀ[1] पन्वाड़ी Panvāṛī [3] स्त्री०
पर्णवाटी/पर्णवाटिका (स्त्री०) पान का बाग, पान की बाड़ी।

ਪਨਵਾੜੀ[2] पन्वाड़ी Panvāṛī [3] पुं०
पर्णवाटिन् (वि०) पान बेचने वाला, पान का धन्धा करने वाला।

ਪਨਿਹਰ पनिहर् Panihar [3] पुं०
पानीयहार (पुं०) जलवाहक, पनिहार, पानी भरने वाली जाति।

ਪਨਿਹਾਰਨ पनिहारन् Panihāran [3] स्त्री०
पानीयहारिका (स्त्री०) जलवाहिका, पनिहारिन, पनिहार जाति की स्त्री।

ਪਪੜੀ पप्ड़ी Papṛī [3] स्त्री०
पर्पटी (स्त्री०) पपड़ी, पापड़ी, छोटा पापड़।

ਪੱਬੀ पब्बी Pabbī [3] स्त्री०
पर्वतक (पुं०) छोटा पहाड़, पहाड़ी; पर्वत।

ਪਯਾਲ पयाल् Payāl [3] पुं०
पाताल (न०, पुं०) पाताल, नीचे के सप्त लोकों में से अन्तिम लोक।

ਪਰ[1] पर् Par [3] अ०
परम् (अ०) परन्तु, लेकिन।

ਪਰ[2] पर् Par [3] पुं०
पक्ष/पक्ष्मन् (नपुं०) पंख, पाँख।

ਪਰ[3] पर् Par [3] अ०
परुत् (अ०) पर साल, गतवर्ष, गये साल।

ਪਰ-ਉਪਕਾਰ पर्-उपकार् Par-Upkār [3] पुं०

परोपकार (पुं०) परोपकार दूसरे की भलाई, पर-हित।

ਪਰ-ਉਪਕਾਰੀ पर्-उप्कारी Par-Upkārī [3] पुं०
परोपकारिन् (वि०) परोपकारी, दूसरे की भलाई करने वाला।

ਪਰਸਣ पर्सण् Parsaṇ [1] पुं०
स्पर्शन (नपुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਪਰਸਣਾ पर्सणा Parsṇā [1] सक० क्रि०
स्पृशति (तुदादि सक०) स्पर्श करना, छूना।

ਪਰਸਪਰ पर्स्पर् Paraspar [3] क्रि० वि०
परस्पर (क्रि० वि०) परस्पर, आपस में।

ਪਰਸਾ पर्सा Parsā [3] पुं०
परशु (पुं०) फरसा, कुल्हाड़ा।

ਪਰਸਾਦ पर्साद् Parsād [2] पुं०
प्रसाद (पुं०) प्रसाद, वह भोज्य पदार्थ जो देवता को निवेदित किया गया हो।

ਪਰਸ਼ਾਦ परशाद् Parśād [3] पुं०
प्रसाद (पुं०) प्रसाद, देवता को निवेदित भोज्य वस्तु।

ਪਰਸਿਉ पर्सिउ Parsiu [3] पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-बिन्दु।

ਪਰਸਿਉਣਾ पर्सिउणा Parsiuṇā [3] अक० क्रि०
प्रस्विद्यति (दिवादि अक०) पसीना होना; पसीजना।

ਪਰਸਿੱਜਣਾ पर्सिज्जणा Parsijjṇā [3] अक० क्रि०
प्रस्विद्यति (दिवादि अक०) पसीजना, पसीना होना।

ਪਰਸੀਨਾ पर्सीना Parsīnā [2] पुं०
प्रस्विन्न (नपुं०) पसीना, प्रस्वेद।

ਪਰਸੂੰ पर्सूँ Parsū̃ [1] अ०
परश्वस् (अ०) परसों, दो दिन पूर्व या पर का दिन।

ਪਰਸੇ पर्से Parse [1] पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, पसेउ।

ਪਰਸੇਉ पर्सेउ Parseu [3] पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-बिन्दु।

ਪਰਸੋਂ पर्सों Parsõ [1] अ०
परश्वस् (अ०) परसों, दो दिन पूर्व या पर का दिन।

ਪਰਹੱਥੀਂ पर्हत्थीं Parhatthī̃ [3] क्रि० वि०
परहस्ते (क्रि० वि०) दूसरे हाथ पर।

ਪਰਹਾਸ पर्हास् Parhās [3] पुं०
परिहास (पुं०) परिहास, मजाक।

ਪਰ੍ਹਾਂ पर्हाँ Parhā̃ [3] क्रि० वि०
पर (क्रि० वि०) दूर, आगे।

ਪਰਕਾਜ पर्काज् Parkāj [3] पुं०
परकार्य (नपुं०) परकाज, दूसरे का काम।

ਪਰਕਰਮਾ पर्कर्मा Parkarma [3] स्त्री०
परिक्रमा (स्त्री०) परिक्रमा, प्रदक्षिणा; चारों ओर घूमना।

ਪਰਕਿਰਤ पर्किरत् Parkirat [2] पुं०
परकृत/परकृत्य (नपुं०) दूसरे का काम।

ਪਰਕੀਆ पर्कीआ Parkia [3] स्त्री०
परकीया (स्त्री०) परकीया, दूसरे पुरुष की पत्नी; नायिका का एक भेद।

ਪਰਕੰਮਿਆ पर्कम्मिआ Parkammia [1] स्त्री०
परिक्रमा (स्त्री०) परिक्रमा, प्रदक्षिणा; चारों ओर घूमना।

ਪਰਖ परख् Parakh [3] स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परख, परीक्षण, जाँच।

ਪਰਖਣਾ पर्खणा Parkhṇa [3] सक० क्रि०
परीक्षते (भ्वादि सक०) परखना, परीक्षा करना।

ਪਰਖਾਉਣਾ पर्खाउणा Parkhauṇa [3] सक० क्रि०
परीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) परखना, परखने का काम करना; परीक्षण कराना।

ਪਰਚਾਰਕ पर्चारक् Parcarak [3] पुं०
प्रचारक (वि०) प्रचारक, प्रचार करने वाला।

ਪਰਛਾਈਂ पर्छाईं Parchaĩ [3] स्त्री०
प्रतिच्छाया (स्त्री०) परछाईं, छाया।

ਪਰਛਾਵਾਂ पर्छावाँ Parchavā̃ [3] पुं०
द्र०—ਪਰਛਾਈਂ।

ਪਰਛਿੰਨਾ पर्छिन्ना Parchinna [2] वि०
प्रच्छन्न (वि०) छिपा हुआ, तिरोहित।

ਪਰਜਾ पर्जा Parja [3] स्त्री०
प्रजा (स्त्री) प्रजा, जनता।

ਪਰਜਾਤ पर्जात् Parjat [3] वि०
परजातीय (वि०) दूसरी जाति का, विजातीय।

ਪਰਜਾਤੀ पर्जाती Parjati [3] स्त्री०
परजाति (स्त्री०) दूसरी जाति, विजाति।

ਪਰਜਾਤੰਤਰ पर्जातन्तर् Parjatantar [3] पुं०
प्रजातन्त्र (नपुं०) प्रजातन्त्र, प्रजा के प्रतिनिधियों द्वारा परिचालित शासन-व्यवस्था।

ਪਰਜਾਤੰਤਰੀ पर्जातन्त्री Parjatantri [3] वि०
प्रजातन्त्रीय (वि०) प्रजातन्त्र से संबन्धित।

ਪਰਜਾਪਤੀ पर्जापती Parjapati [3] पुं०
प्रजापति (पुं०) प्रजापति, सृष्टिकर्ता; राजा, मालिक।

ਪਰਜਾਪਾਲਕ पर्जापालक् Parjapalak [3] पुं०
प्रजापालक (वि०) राजा; प्रजा का पालन करने वाला।

ਪਰਜਾਲਣਾ परजालणा Parjalna [3] सक० क्रि०
प्रज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, प्रज्ज्वलित करना।

ਪਰਣਾਉਣਾ परणाउणा Parnauna [3] सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) परिणय (विवाह) करवाना।

ਪਰਤਣਾ परतणा Partana [3] अक० क्रि०
परिवर्तते (भ्वादि अक०) वापस आना, लौटना, वचन से फिरना।

ਪਰਤਾਪ परताप् Partap [3] पुं०
प्रताप (पुं०) प्रताप, प्रभाव, तेजस्विता।

ਪਰਤਾਪਵਾਨ परतापवान् Partapvan [3] पुं०
प्रतापवत् (वि०) प्रतापवान्, प्रतापी, तेजस्वी।

ਪਰਤਾਪੀ परतापी Partapi [3] वि०
प्रतापिन् (वि०) प्रतापी, तेजस्वी, प्रभावी।

ਪਰਤਿਆਉਣਾ परत्याउणा Partyauna [3] सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) भरोसा करना; परखना।

ਪਰਤਿਆਵਾ परत्यावा Partyava [3] पुं०
प्रत्यय (पुं०) परख, जाँच; भरोसा।

ਪਰਤੀਖਿਆ परतीख्या Partikhya [3] स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजार।

ਪਰਤੰਤਰ परतन्तर् Partantar [3] वि०
परतन्त्र (वि०) परतन्त्र, पराधीन।

ਪਰਤੰਤਰਤਾ परतन्तरता Partantarta [3] स्त्री०।
परतन्त्रता (स्त्री०) परतन्त्रता, पराधीनता।

ਪਰਦੱਖਣਾ परदक्खणा Pardakkhna [3] स्त्री०
प्रदक्षिणा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, परिक्रमा, चारों ओर घूमने का भाव।

ਪਰਦੱਛਣਾ परदच्छणा Pardacchana [3] स्त्री०
द्र०—ਪਰਦੱਖਣਾ।

ਪਰਦਾਰਾ परदारा Pardara [3] स्त्री०
परदारा (पुं०) पराई स्त्री, दूसरे पुरुष की पत्नी।

ਪਰਦੇਸ਼ परदेश् Pardeś [3] पुं०
परदेश (पुं०) परदेश, दूर देश, विदेश।

ਪਰਦੇਸਣ परदेसण् Pardesan [3] स्त्री०
परदेशिनी (स्त्री०) दूसरे देश में रहने वाली स्त्री।

ਪਰਦੇਸੀ परदेसी Pardesi [3] पुं०
परदेशीय (वि०) परदेशी, दूसरे देश का।

ਪਰਨਾਉਣਾ परनाउणा Parnauṇa
[3] सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) परिणय/विवाह कराना।

ਪਰਨਾਲਾ परनाला Parnala [3] पुं०
प्रनाड/प्रणाल (पुं०) बरसाती या गन्दे जल का नाला।

ਪਰਨੀਣਾ परनीणा Parniṇa [3] सक० क्रि०
परिणीयते (भ्वादि कर्म वाच्य) विवाहित होना, ब्याहा जाना।

ਪਰਪੁਰਖ परपुरख् Parpurakh [3] पुं०
परपुरुष (पुं०) पराया पुरुष, पराई स्त्री का पति।

ਪਰਬ परब् Parab [3] पुं०
पर्वन् (नपुं०) पर्व, त्योहार।

ਪਰਬਤ परबत् Parbat [3] पुं०
पर्वत (पुं०) पर्वत, पहाड़।

ਪਰਬਤੀ परबती Parbati [3] वि०
पर्वतीय (वि०) पर्वतीय, पर्वत से संबन्धित।

ਪਰਭ परभ् Parabh [1] पुं०
प्रभु (पुं०) प्रभु, भगवान्, स्वामी।

ਪਰਭਵਣ परभवण् Parbhavaṇ [2] पुं०
परिभ्रमण (नपुं०) परिभ्रमण, घूमने का भाव।

ਪਰਭਾਉ परभाउ Parbhau [1] पुं०
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर, तेज।

ਪਰਮਗਤ परमगत् Paramgat [3] स्त्री०
परमगति (स्त्री०) परमगति, मोक्ष।

ਪਰਮ-ਗਿਆਨ परम्-गिआन् Param-Gian [3] पुं०
परमज्ञान (नपुं०) परम ज्ञान, आत्म-ज्ञान।

ਪਰਮਤੱਤ परमतत् Paramtatt [3] पुं०
परमतत्त्व (नपुं०) परमतत्त्व, आत्मज्ञान; अन्तिम स्वरूप।

ਪਰਮਪੁਰਖ परम्पुरख् Parampurakh [3] पुं०
परमपुरुष (पुं०) परम पुरुष, परमात्मा।

ਪਰਮਲ परमल् Parmal [3] पुं०
परिमल (नपुं०) गन्ध, सुगन्ध; सुगन्धित चावल-विशेष।

ਪਰਮਾਣਤ परमाणत् Parmaṇat [3] वि०
प्रमाणित (वि०) प्रमाणित, प्रमाण-युक्त, तर्क संगत।

ਪਰਮਾਣੂ परमाणू Parmaṇū [3] पुं०
परमाणु (पुं०) परमाणु, किसी वस्तु का सबसे छोटा भाग जिसका विभाग न हो सके, अणु से छोटा।

ਪਰਮਾਨੰਦ परमानन्द Parmanand [3] पुं०
परमानन्द (पुं०) परमानन्द, सर्वोत्तम सुख।

ਪਰਮਾਰਥ परमारथ Parmarath [3] पुं०
परमार्थ (पुं०) परमार्थ, परोपकार।

ਪਰਮਾਰਥਕ पर्मार्थक् Parmārthak [3] वि०
पारमार्थिक (वि०) परमार्थ-संबन्धी, दूसरों के हित का; धार्मिक।

ਪਰਮੇਸਰ पर्मेसर् Parmesar [2] पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਰਮੇਸ਼ਰ पर्मेशर् Parmeśar [3] पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਰਮੇਸ਼ਰੀ पर्मेश्री Parmeśrī [3] वि०
परमेश्वरीय (वि०) ईश्वरीय, ईश्वर से संबन्धित।

ਪਰਮੇਹ पर्मेह् Parmeh [3] पुं०
प्रमेह (पुं०) प्रमेह, मधुमेह, मूत्र-संबन्धी एक रोग।

ਪਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ पर्योगशाला Paryogśala [3] स्त्री०
प्रयोगशाला (स्त्री०) प्रयोगशाला, जहाँ रासायनिक या अन्य प्रकार के प्रयोग किये जाते हैं।

ਪਰਯੰਤ पर्यन्त् Paryant [3] अ०
पर्यन्तम् (अ०) पर्यंत, तक।

ਪਰਲੋਂ पर्लों Parlõ [3] पुं०/स्त्री०

प्रलय (पुं०) प्रलय, नाश, लय को प्राप्त होना।

ਪਰਲੋਕ पर्लोक् Parlok [3] पुं०
परलोक (पुं०) परलोक, स्वर्गलोक।

ਪਰਲੋਂਕਾਲ पर्लोंकाल् Parlõkal [3] पुं०
प्रलयकाल (पुं०) प्रलय-काल, नाश का समय।

ਪਰਵਸ पर्वस् Parvas [3] वि०
परवस (वि०) परवश, पराधीन।

ਪਰਵਸ਼ੀ पर्वशी Parvaśī [3] स्त्री०
पारवश्य/परवशता (नपुं०, स्त्री०) परवशता, पराधीन।

ਪਰਵਰਤੀ पर्वर्ती Parvartī [3] वि०
परवर्तिन् (वि०) परवर्ती, बाद में होने वाला।

ਪਰਵਾਸਣ पर्वासण् Parvāsaṇ [3] पुं०
प्रवासन (नपुं०) प्रवासन, देश-निकाला।

ਪਰਵਾਸੀ पर्वासी Parvāsī [3] पुं०
प्रवासिन् (वि०) प्रवासी, परदेश में रहने वाला।

ਪਰਵਾਹ पर्वाह् Parvāh [3] पुं०
प्रवाह (पुं०) प्रवाह, धारा, बहाव।

ਪਰਾ परा Parā [3] वि०
पर (वि०) परे, उत्कृष्ट, श्रेष्ठ, सुन्दर।

ਪਰਾਇਆ परा‍इआ Paraia [3] वि०
परकीय (वि०) परकीय, पराया, गैर।

ਪਰਾਇਣ[1] पराइण् Parain [3] वि०
परायण (वि०) परायण, तत्पर, उद्यत।

ਪਰਾਇਣ[2] पराइण् Parain [3] स्त्री०
प्राजन (नपुं०, पुं०) अंकुश, कोड़ा, चाबुक।

ਪਰਾਸਰੀਰਕ परास्रीरक् Parasrirak [3] वि०
परशारीरक (वि०) जीवात्मा से परे, प्रकृति से पर, परब्रह्म।

ਪਰਾਹਾਂ पराहाँ Paraha [2] क्रि० वि०
परम्/परस्थानम् (क्रि० वि०) परे, दूर।

ਪਰਾਹੁਣਗੀਰੀ पराहुण्गीरी Parahungiri [2] स्त्री०
प्राघुणता (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਹੁਣਚਾਰੀ पराहुण्चारी Parahuncari [3] स्त्री०
प्राघुणचर्या (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਹੁਣਾ पराहुणा Parahuna [3] पुं०
प्राघुणिक (पुं०) पाहुन, अतिथि, मेहमान।

ਪਰਾਹੁਣਾਚਾਰੀ पराहुणाचारी Parahunacari [3] स्त्री०
प्राघुणचर्या (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਕ੍ਰਮ पराक्रम् Parakram [3] पुं०
पराक्रम (पुं०) पराक्रम, शक्ति, बल।

ਪਰਾਕ੍ਰਮੀ पराक्रमी Parakrami [3] वि०
पराक्रमिन् (वि०) पराक्रमी, शक्तिशाली

ਪਰਾਗ पराग् Parag [3] पुं०
पराग (पुं०) पराग, फूलों के बीच लग केसरों पर जमा रज या धूल।

ਪਰਾਜੈ पराजै Parajai [3] स्त्री०
पराजय (पुं०) पराजय, हार।

ਪਰਾਤ परात् Parat [3] स्त्री०
पात्र (नपुं०) परात, बड़ी थाली, थाल

ਪਰਾਤਮ परातम् Paratam [3] पुं०
परात्मन् (पुं०) परमात्मा, भगवान्।

ਪਰਾਤੜਾ परातड़ा Paratra [3] पुं०
पात्र (नपुं०) परात, काठ का कठौता

ਪਰਾਰ परार् Parar [3] अ०
परारि (अ०) परार साल, दो वर्ष पूर्व

ਪਰਾਰਧ परारध् Pararadh [3] पुं०
परार्ध (नपुं०) परार्ध, सबसे बड़ी संख्य

ਪਰਾਰਾ परारा Parara [3] वि०
पलालीय (वि०) पलाल का, भूसे का

ਪਰਾਲ पराल् Paral [3] पुं०
पलाल (नपुं०) पुआल, भूँसा।

ਪਰਾਲਬਧ परालब्ध Paralabdh [3] स्त्री०
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, तीन प्रकार के कर्मों से वह कर्म जिसका फल भोगा जा रहा हो; भाग्य ।

ਪਰਾਲੀ पराली Parali [3] स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲ ।

ਪਰਿਆਇ पर्याय् Paryay [3] पुं०
पर्याय (पुं०) पर्याय, समानार्थ का वाचक शब्द ।

ਪਰਿਸਥਿਤਿ परिस्थिति Paristhiti [3] स्त्री०
परिस्थिति (स्त्री०) परिस्थिति, अवस्था, दशा ।

ਪਰਿਸ੍ਰਮ परिश्रम् Parisram [3] पुं०
परिश्रम (पुं०) परिश्रम, मेहनत ।

ਪਰਿਸ੍ਰਮੀ परिश्रमी Parisarmi [3] वि०
परिश्रमी (वि०) परिश्रम करने वाला, मेहनती ।

ਪਰਿਚਤ परिचत् Paricat [3] वि०
परिचित (वि०) परिचित, जाना-पहचाना ।

ਪਰਿਚਯ परिचय् Paricay [3] पुं०
परिचय (पुं०) परिचय, पहचान ।

ਪਰਿਛੇਦ परिछेद् Parichcd [3] पुं०
परिच्छेद (पुं०) परिच्छेद; छाँट कर अलग करने का भाव; किसी ग्रन्थ का खण्ड या अध्याय ।

ਪਰਿਣਾਮ परिणाम् Pariṇam [3] पुं०
प्रणाम (पुं०) प्रणाम, नमस्कार ।

ਪਰਿਤਿਆਗ परित्याग् Parityag [3] पुं०
परित्याग (पुं०) परित्याग, पूरी तरह छोड़ देना ।

ਪਰਿਪੱਕ परिपक्क् Paripakk [3] वि०
परिपक्व (वि०) परिपक्व, प्रौढ़, निपुण ।

ਪਰਿਪੱਕਤਾ परिपक्कता Paripakkata [3] स्त्री०
परिपक्वता (स्त्री) परिपक्वता, प्रौढ़ता, निपुणता ।

ਪਰਿਪਾਟੀ परिपाटी Paripaṭi [3] स्त्री०
परिपाटी (स्त्री०) परिपाटी, परम्परा, रीति ।

ਪਰਿਪੂਰਣ परिपूरण् Paripuraṇ [3] वि०
परिपूर्ण (वि०) परिपूर्ण, सम्पूर्ण, बिल्कुल भरा हुआ ।

ਪਰਿਪੂਰਣਤਾ परिपूरणता Paripuraṇta [3] स्त्री०
पारिपूर्णता (स्त्री०) पारिपूर्णता, परिपूर्ण होने का भाव ।

ਪਰਿਭਾਸ਼ਕ परिभाषक् Paribhaṣak [3] वि०
पारिभाषिक (वि०) पारिभाषिक, जिसका अर्थ परिभाषा द्वारा सूचित किया जाय ।

ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ परिभाषा Paribhaṣa [3] स्त्री०
परिभाषा (स्त्री०) परिभाषा, लक्षण ।

ਪਰਿਮਾਣ परिमाण् Pariman [3] पुं०
परिमाण (नपुं०) परिमाण, तौल, माप।

ਪਰਿਵਰਤਕ परिवर्तक् Parivartak [3] पुं०
परिवर्तक (वि०) परिवर्तन करने वाला, बदलने या विनिमय करने वाला।

ਪਰਿਵਰਤਨ परिवर्तन् Parivartan [3] पुं०
परिवर्तन (नपुं०) परिवर्तन, घुमाव; हेर-फेर, अदला-बदली।

ਪਰਿਵਰਤਿਤ परिवर्तित् Parivartit [3] वि०
परिवर्तित (वि०) परिवर्तित, बदला हुआ।

ਪਰਿਵਾਰ परिवार् Parivar [3] पुं०
परिवार (पुं०) कुटुम्ब; आश्रित जन।

ਪਰਿਵਾਰਕ परिवारक् Parivarak [3] वि०
पारिवारिक (वि०) पारिवारिक, परिवार-संबन्धी।

ਪਰੀਹਣਾ परीह्णा Parihna [3] सक० क्रि०
परिवेषति (भ्वादि सक०) परोसना, जिमाना।

ਪਰੀਹਣੀ परीह्णी Parihni [2] स्त्री०
परिवेशिनी/परिवेषिणी (स्त्री०) भोजन परोसने वाली।

ਪਰੀਹਾ परीहा Pariha [2] पुं०
परिवेषक / परिवेशक (वि०) भोजन परोसने वाला।

ਪਰੀਖਕ परीखक् Parikhak [3] वि०
परीक्षक (वि०) परीक्षक, परीक्षा करने वाला।

ਪਰੀਖਿਆ परीख्या Parikhya [3] स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच।

ਪਰੁੱਚਣਾ परुच्चणा Paruccana [3] सक० क्रि०
प्रवते (भ्वादि सक०) पिरोना, सूई में धागा डालना, डोरे में मनका आदि गूँथना या पूरना।

ਪਰੁੱਤਾ परुत्ता Parutta [3] वि०
प्रोत (वि०) पिरोया हुआ, अनुस्यूत।

ਪਰੇ परे Pare [3] अ०
परम् (अ०) आगे; बाहर; पश्चात्; किन्तु।

ਪਰੇਡੇ परेडे Parede [3] सर्व०
द्र०—ਪਰੇ।

ਪਰੇਣ परेण् Paren [2] पुं०
परायणी (स्त्री०) अंकुश, अंकुशी।

ਪਰੇਤ परेत् Paret [3] वि०
परेत/प्रेत (वि०) मृत, मरा हुआ, भूत-प्रेत।

ਪਰੇਰੇ परेरे Parere [3] वि०
परतर (वि०) दूरतर, अपेक्षाकृत पर।

ਪਰੋਸਣਾ परोसणा Parosna [3] सक० क्रि०
परिवेषति / परिवेशयति (भ्वादि प्रेर०) परोसना, जिमाना।

ਪਰੋਸਾ परोसा Parosa [3] पुं०
परिवेशन / परिवेषण (नपुं०) परोसने का भाव।

ਪਰਹਤੀ परोह्ती Paroht [3] स्त्री०
द्र०—ਪੁਰੋਹਿਤਾਈ ।

ਪਰੋਖ परोख् Parokh [3] वि०
परोक्ष (वि०) परोक्ष, ओझल, अप्रत्यक्ष ।

ਪਰੋਖਾ परोखा Parokha [3] पुं०
परोक्ष (वि०) परोक्ष, अदृश्य, आँखों से ओझल ।

ਪਰੋਖੇ परोखे Parokhe [3] क्रि० वि०
परोक्षे (सप्तम्यन्त) परोक्ष रूप में, गुप्त रूप में ।

ਪਰੋਣਾ परोणा Paroṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਪਰੁੱਚਣਾ ।

ਪਰੰਤੂ परन्तू Parantū [3] अ०
परन्तु (अ०) परन्तु, किन्तु, लेकिन ।

ਪਰੰਪਰਾ परम्परा Parampara [3] स्त्री०
परम्परा (स्त्री०) अविच्छिन्न क्रम, परिपाटी ।

ਪਰੰਪਰਾਈ परम्पराई Paramparaī [3] वि०
परम्परागत (वि०) परम्परागत, परम्परा से प्राप्त ।

ਪਲ पल् Pal [3] पुं०
पल (नपुं०) क्षण, समय का एक लघु विभाग जो 60 विपल अर्थात् 24 सेकेण्ड के बराबर होता है ।

ਪਲਕ पलक् Palak [3] स्त्री०
पक्ष्मन् (नपुं०) पलक, बरौनी ।

ਪਲਣਾ पलणा Palṇ [3] अक० क्रि०
पाल्यते (कर्मवाच्य) पालित होना, संरक्षित होना ।

ਪਲੱਥੀ पलत्थी Palatthī [3] स्त्री०
पर्यस्तिका / पर्यस्ति (स्त्री०) पलत्थी, दोनों पैरों को समेट कर आराम से बैठने का आसन, सुखासन ।

ਪਲਪੀਹੀ पल्पीही Palpīhī [3] स्त्री०
पिपीलिका (स्त्री०) चींटी ।

ਪਲਮਣਾ पल्मणा Palmaṇa [3] अक० क्रि०
प्रलम्बते (भ्वादि अक०) लटकना, झूलना ।

ਪਲਾ पला Pala [1] पुं०
पल (नपुं०) पली, तरल पदार्थों का माप-विशेष ।

ਪਲਾਉਣਾ पलाउणा Palauṇa [3] अक० क्रि०
पलायते (भ्वादि अक०) आगे दौड़ना, भागना, पलायन करना ।

ਪਲਾਇਨ पलाइन् Palain [3] स्त्री०
पलायन (नपुं०) पलायन; भागने का भाव ।

ਪਲਾਇਨਵਾਦ पलाइन्वाद् Palainvad [3] पुं०
पलायनवाद (पुं०) पलायनवाद, कर्तव्यों से पराङ्मुख होने का सिद्धान्त ।

ਪਲਾਇਨਵਾਦੀ पलाइन्वादी Palainvadī [3] पुं०

पलायनवादिन (वि०) भागन अर्थात् कर्त्तव्यों से विमुख होने वाला व्यक्ति।

ਪਲਾਸ पलास् Palas [3] पुं०
पलाश (पुं०) पलाश, पलास एक वृक्ष-विशेष।

ਪਲਾਹ पलाह् Palah [2] पुं०
पलाश (नपुं०) पत्ते-पत्ती, पर्णावली, ढाक।

ਪਲਾਖ पलाख् Palakh [2] पुं०
पलाख (पुं०) पलाश, ढाक, टेसू।

ਪਲਾਂਘ पलाँघ् Palāgh [3] पुं०
प्रलङ्घ (पुं०) उछाल, कुदान, लाँघने का भाव।

ਪਲਾਣ पलाण् Palāṇ [3] पुं०
पल्याण (नपुं०) ऊँट आदि पशुओं की पीठ पर रखने की जीन या काठी, पालान।

ਪਲਾਲ पलाल् Palāl [1] पुं०
प्रलाप (पुं०) व्यर्थ की बात, प्रलाप, गप-शप।

ਪਲਿਆ पल्या Palya [3] वि०
पालित (वि०) पालित, पाला हुआ।

ਪਲੂਣ पलूण् Palūṇ [2] स्त्री०
पलिक्नी (स्त्री०) पहली बार ब्याई हुई गौ।

ਪਲੋਣਾ पलोणा Paloṇā [1] सक० क्रि०
प्रलोपयति (दिवादि प्रेर०) उच्छिन्न करना, नष्ट करना।

ਪਲੰਘ पलंघ् Palaṅgh [3] पुं०
पल्यङ्क/पर्यङ्क (पुं०) पलँग, बड़ी खाट।

ਪਲੰਗੀਰੀ पलंगीरी Palaṅgīrī [1] स्त्री०
पल्यङ्क/पर्यङ्क (पुं०) पलंग, शय्या।

ਪਲੰਘੜੀ पलंघ्ड़ी Palaṅghṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਪਲੰਗੀਰੀ।

ਪੱਲ पल्ल् Pall [1] स्त्री०
पल्य/पल्ल (नपुं० / पुं०) नपुं०—अनाज रखने या नापने का बोरा। पुं०—बाँस से निर्मित ढाँचा जिसमें प्रभूत मात्रा में अन्नादि रखा जाता है; अनाज का भण्डार या बखार।

ਪਵਨ पवन् Pavan [3] पुं०
पवन (पुं०) वायु, हवा, समीर।

ਪਵਿੱਤਰ पवित्तर् Pavittar [3] वि०
पवित्र (वि०) पवित्र, पावन।

ਪਵਿੱਤਰਤਾ पवित्तर्ता Pavittartā [3] स्त्री०
पवित्रता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਪੜਸਾਂਗ पड़्साँग Paṛsāg [3] स्त्री०
प्रश्नङ्क (पुं०) बहुत लम्बी लाठी; बड़ी सीढ़ी।

ਪੜਦੋਹਤਰੀ पड़्दोह्तरी Paṛdohtarī [3] स्त्री०
प्रदौहित्री (स्त्री०) परदोहती, परनातिन, नातिन की पुत्री।

ਪੜਦੋਹਤਾ पड़दोह्ता Pardohta [3] पुं०
प्रदौहित्र (पुं०) परदोहता, परनाती।

ਪੜਦੋਹਤੀ पड़्दोह्ती Pardohti [3] स्त्री०
द्र०—ਪੜਦੋਹਤਰੀ।

ਪੜਨੱਤਾ पड़्नत्ता Parnatta [3] पुं०
प्रनप्तृ (पुं०) नाती का पुत्र।

ਪੜਨੱਤੀ पड़्नत्ती Parnatti [3] स्त्री०
प्रनप्त्री (स्त्री०) नाती की पुत्री।

ਪੜਪੋਤਰਾ पड़्पोत्रा Parpotra [3] पुं०
प्रपौत्र (पुं०) परपोता, प्रपौत्र।

ਪੜਪੋਤਾ पड़्पोता Parpota [3] पुं०
द्र०—ਪੜਪੋਤਰਾ।

ਪੜੋਸ पड़ोस् Paros [3] पुं०
प्रतिवेश (पुं०) पड़ोस, आस-पास के आवास।

ਪੜੋਸਣ पड़ोसण् Parosan [3] स्त्री०
प्रतिवेशिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, पास के के मकान में रहने वाली।

ਪੜੋਸੀ पड़ोसी Parosi [3] पुं०
प्रतिवेशिन् (पुं०) पड़ोसी, पास का निवासी।

ਪੜੋਤਰਾ पड़ोत्रा Parotra [2] पुं०
प्रपौत्र > प्रतिपौत्र (पुं०) परपोता, पौत्र का पुत्र।

ਪੜੋਤਰੀ पड़ोत्री Parotri [2] स्त्री०
प्रपौत्री < प्रतिपौत्री (स्त्री०) परपाती, पौत्र की पुत्री।

ਪੜੋਤਾ पड़ोता Parota [3] पुं०
द्र०—ਪੜੋਤਰਾ।

ਪੜੋਤੀ पड़ोती Paroti [3] स्त्री०
द्र०—ਪੜੋਤਰੀ।

ਪੜ੍ਹਨਾ पढ़्ना Parhna [3] सक० क्रि०
पठति (भ्वादि सक०) पढ़ना, पठन करना।

ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ पढ़ाउणा Parhauna [3] सक० क्रि०
पाठयति (भ्वादि प्रेर०) पढ़ाना, पठन कराना।

ਪਾ पा Pa [3] पुं०
पाद (पुं०) चतुर्थांश, चौथाई, चौथा भाग।

ਪਾਂ पाँ Pã [3] स्त्री०
पामन् (पुं०) खुजली, खाज।

ਪਾਉ पाउ Pau [3] पुं०
द्र०—ਪਾ।

ਪਾਉਣਾ[1] पाउणा Pauna [3] सक० क्रि०
पातयति (भ्वादि प्रेर०) गिराना, चुवाना।

ਪਾਉਣਾ[2] पाउणा Pauna [3] सक० क्रि०
प्रापयति (स्वादि प्रेर०) प्राप्त कराना, पहुँचाना।

ਪਾਈ पाई Pai [3] स्त्री०
पादिका (स्त्री०) पाई, चतुर्थांश, 1/12 आना।

ਪਈਆ पइया Paia [3] वि०
पादीय (वि०) पाव भर, चौथाई।

ਪਾਸ पास् Pas [3] अ०
पार्श्वम् (अ०) पास, समीप, नजदीक।

ਪਾਸਕ पासक् Pasak [3] पुं०
प्रासङ्ग (नपुं०) पासँग, पसंगा।

ਪਾਸਲਾ पास्ला Pasla [3] पुं०
पार्श्वल (वि०) बगल-सम्बन्धी, बगल का।

ਪਾਸ਼ਵਿਕ पाश्विक Paśvik [3] वि०
पाशविक (वि०) पशु संबन्धी; निन्दित; निर्मम-क्रूर।

ਪਾਸ਼ਵਿਕਤਾ पाश्विक्ता Paśvikta [3] स्त्री०
पाशविकता (स्त्री०) पशु-सम्बन्धी भाव, जंगलीपन; निन्दित कर्म; क्रूरता।

ਪਾਸ਼ਵੀ पाश्वी Paśvi [3] वि०
पाशविक (वि०) पशु-सम्बन्धी।

ਪਾਸਾ पासा Pasa [3] पुं०
पाश (पुं०) पासा, अक्षपाश; यमपाश; फाँस, फन्दा।

ਪਾਸੇ पासे Pase [3] क्रि० वि०
पार्श्वे (क्रि० वि०) पास में, समीप में।

ਪਾਸੋਂ पासों Pasõ [3] क्रि० वि०
पार्श्वेन (तृतीयान्त पद) पास से, समीप से।

ਪਾਹ पाह् Pah [3] अ०
पार्श्वम् (अ०) पास, समीप।

ਪਾਕ पाक् Pak [3] पुं०
पाक (पुं०) पाक, पकाने की क्रिया या भाव।

ਪਾਕਸਾਰ पाक्सार् Paksar [3] स्त्री०
पाकशाला (स्त्री०) भोजनालय, रसोई-घर।

ਪਾਕਸਾਜ਼ पाक्साज् Paksaj [3] स्त्री०
पाकशाला (स्त्री०) भोजनालय, रसोई-घर।

ਪਾਕਾ पाका Paka [3] पुं०
पक्व (वि०) पका हुआ, पका।

ਪਾਖਰ[1] पाखर् Pakhar [3] पुं०
प्रखर (पुं०) हाथी या घोड़े का पाखर (कवच)।

ਪਾਖਰ[2] पाखर् Pakhar [3] पुं०
प्लक्ष (पुं०) पाकड़ या पकड़ी का वृक्ष।

ਪਾਟਣਾ पाट्णा Paṭṇa [3] अक० क्रि०
पाट्यते (चुरादि कर्मवाच्य) विभक्त होना, फटना।

ਪਾਠ पाठ् Paṭh [3] पुं०
पाठ (पुं०) पाठ, पुस्तक का वह भाग जो किसी विषय से सम्बद्ध हो।

ਪਾਠਕਾ पाठ्का Paṭhka [3] स्त्री०
पाठिका (स्त्री०) पाठिका, पढ़ने वाली स्त्री।

ਪਾਠੀਆ पाठीआ Paṭhia [3] पुं०
पाठक (वि०) पाठक, पढ़ने वाला, पाठ करने वाला।

ਪਾਂਡੂ पाँडू Pāṇḍū [3] वि०
पाण्डु (वि०) स्वच्छ, सफेद, कुछ पीला-सफेद।

ਪਾਂਡੋ पांडो Pāṇḍo [3] पुं०
पाण्डव (पुं०) पाण्डव, राजा पाण्डु के पाँचों पुत्र।

ਪਾਣਾ पाणा Pāṇā [3] पुं०
पान (नपुं०) पशुओं का उष्ण पेय, बाँटा इत्यादि।

ਪਾਣੀ पाणी Pāṇī [3] पुं०
पानीय (नपुं०) पानी, जल।

ਪਾਤ पात् Pāt [1] पुं०
पातक (नपुं०) पातक, पाप।

ਪਾਤਣੀ पात्णी Pātṇī [3] पुं०
पत्तनीय (वि०) पत्तन का निवासी, नागरिक, शहरी।

ਪਾਤਰ पातर् Pātar [3] पुं०
द्र०—पतरा।

ਪਾਤੀ[1] पाती Pātī [1] पुं०
पातिन् (वि०) गिरने वाला; फिसलने वाला।

ਪਾਤੀ[2] पाती Pātī [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, चिट्ठी।

ਪਾਂਦ पाँद् Pād [3] स्त्री०
पादान्त (पुं०) पैर का छोर, अंगुली; पाद का अन्त।

ਪਾਂਧਣ पाँधण् Pādhaṇ [3] स्त्री०
पान्थी (स्त्री०) पथिक स्त्री, राहगीरनी।

ਪਾਧਾ पाधा Pādhā [3] पुं०
पुरोधस् (पुं०) पुरोधा, पुरोहित।

ਪਾਂਧੀ पाँधी Pādhī [3] पुं०
पान्थ (वि०) पथिक, राही।

ਪਾਪ पाप् Pāp [3] पुं०
पाप (नपुं०) पाप, अघ, अधार्मिक कृत्य।

ਪਾਪਣ पापण् Pāpaṇ [3] स्त्री०
पापिनी (स्त्री०) पाप करने वाली स्त्री।

ਪਾਪੜ पापड़् Pāpaṛ [3] पुं०
पर्पट (पुं०) पापड़, उड़द या मूँग के आटे से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਪਾਪੜੀ पाप्ड़ी Pāpṛī [3] स्त्री०
पर्पटी (स्त्री०) छोटा पापड़, पपड़ी, पापड़ी; पापड़ से छोटे आकार में आटे से बनी खाद्य वस्तु।

ਪਾਪਾਤਮਾ पापात्मा Pāpātmā [3] पुं०
पापात्मन् (वि०) पापात्मा, पापी।

ਪਾਰ पार् Pār [3] पुं०
पार (पुं०, नपुं०) पार, उस पार, दूसरा छोर, अपर तट।

ਪਾਰਸੀ पारसी Parsi [3] पुं०, स्त्री०
पारसिक / पारसीक (वि०) फारश देश (ईरान) की भाषा, परम्परा या वहाँ का निवासी ।

ਪਾਰਗਾਮੀ पार्गामी Pargami [3] पुं०
पारगामिन् (वि०) पारगामी, पारंगत, निष्णात ।

ਪਾਰਦਰਸ਼ਕ पार्दर्शक् Pārdarśak [3] वि०
पारदर्शक (वि०) पारदर्शक, पार दिखलाई देने वाला ।

ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ पार्दर्शी Pārdarśi [3] वि०
पारदर्शिन् (वि०) पारदर्शी, उस पार देखने वाला; दूरदर्शी; परिणामविद् ।

ਪਾਰਲਾ पार्ला Parla [3] पुं०
पारीण (वि०) उस पार का; पारंगत ।

ਪਾਰਾ पारा Pāra [3] पुं०
पारद (पुं०) पारा धातु ।

ਪਾਰੇ पारे Pāre [3] पुं०
पारे (सप्तम्यन्त पद) उस पार में, अपर तट में ।

ਪਾਰੰਗਤ पारंगत् Parańgat [1] स्त्री०
परमगति (स्त्री०) परमगति, मोक्ष, मुक्ति ।

ਪਾਲਕ¹ पालक् Pālak [3] स्त्री०
पालक्या (स्त्री०) पालक साग ।

ਪਾਲਕ² पालक् Pālak [3] पुं०
पालक (वि०) पालक, पालन करने वाला ।

ਪਾਲਣਾ पाल्णा Palṇa [3] सक० क्रि०
पालयति (चुरादि सक०) पालन-पोषण करना, संरक्षण करना ।

ਪਾਲਤੀ पाल्ती Palti [1] स्त्री०
द्र०—पलॅथी ।

ਪਾਲਤੂ पाल्तू Paltū [3] वि०
पालित (वि०) पालतू, पाला हुआ ।

ਪਾਲਨ पालन् Pālan [3] पुं०
पालन (नपुं०) पालन-पोषण, संरक्षण ।

ਪਾਲਾ पाला Pālā [3] पुं०
प्रालेय (नपुं०) पाला, सर्दी, ठंड ।

ਪਾਲੀ¹ पाली Pali [3] पुं०
पाल (पुं०) गड़ेरिया, गड़रिया; ग्वाला ।

ਪਾਲੀ² पाली Pali [3] स्त्री०
पालि / पाली (स्त्री०) किनारा, छोर; रेखा ।

ਪਾਵਾ पावा Pāva [3] पुं०
पाद (पुं०) चारपाई आदि आसन का पावा ।

ਪਾੜਨਾ पाड़्ना Parna [3] सक० क्रि०
उत्पाटयति (चुरादि सक०) खोदना; उखाड़ना; फाड़ना ।

ਪਾੜਾ पाड़ा Para [3] पुं०
पाट (पुं०) क्रीडांगन का एक भाग जिसमें एक पक्ष के खिलाड़ी रहते हैं ।

ਪਾੜ੍ਹਾ पाढ़ा Patha [3] पुं०
पाठक (वि०) पढ़ाने वाला गुरु; पढ़ने वाला, विद्यार्थी ।

ਪਿਉ पिउ Piu [3] पुं०
पितृ (पुं०) पिता-माता ।

ਪਿਊਸ पिऊस् Piūs [2] पुं०
पीयूष (नपुं०) पीयूष, अमृत, सुधा ।

ਪਿਆਊ प्याउ Pyau [3] पुं०
प्रपा (स्त्री०) प्याऊ, पौसला ।

ਪਿਆਉਣਾ प्याउणा Pyauṇa [3] सक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना ।

ਪਿਆਸ प्यास् Pyas [3] स्त्री०
पिपासा (स्त्री०) प्यास, पीने की इच्छा ।

ਪਿਆਸਾ प्यासा Pyasa [3] पुं०
पिपासित (त्रि०) प्यासा, पीने का इच्छुक ।

ਪਿਆਣ प्यान् Pyan [1] पुं०
प्रयाण (नपुं०) अन्तिम गति, मरण; मृत्यु के समय शरीर त्यागने का भाव ।

ਪਿਆਲਣਾ प्याल्णा Pyalṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਪਿਆਉਣਾ ।

ਪਿਸਣਾ पिस्णा Pisṇa [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना ।

ਪਿਸਾਉਣਾ पिसाउणा Pisauṇa [3] सक० क्रि०
पेषयति (रुधादि प्रेर०) पिसाना, पिसवाना, पीसने की प्रेरणा देना ।

ਪਿਸ਼ਾਚਣੀ पिशाच्णी Piśacṇī [3] स्त्री०
पिशाची (स्त्री०) पिशाची, प्रेतिनी, एक निम्न देवयोनि की स्त्री ।

ਪਿਸ਼ਾਚੀ पिशाची Piśacī [3] स्त्री०
पैशाची (स्त्री०) पैशाची भाषा; पिशाचों की भाषा ।

ਪਿੱਸੂ पिस्सू Pissū [3] पुं०
प्लुषि (पुं०) क्षुद्र जन्तु, घृण्य जीव ।

ਪਿਹਾਉਣਾ पिहाउणा Pihauṇa [3] सक० क्रि०
पेषयति (रुधादि प्रेर०) पिसाना, पिसवाना ।

ਪਿੰਗਲਾ पिंग्ला Piṅgla [3] पुं०
पङ्गुल (त्रि०) पंगु, लँगड़ा, खोड़ा ।

ਪਿੰਗਲੀ पिंग्ली Piṅglī [3] स्त्री०
पङ्गुली (स्त्री०) लँगड़ी, खोड़ी ।

ਪਿਚਕਣਾ पिचक्णा Picakṇa [3] अक० क्रि०
पिच्चयति (नामधातु अक०) पिचकना, दबना ।

ਪਿਚਕਾਉਣਾ पिच्काउणा Pickauṇa [3] सक० क्रि०
पिच्चाययति (नामधातु प्रेर०) पिचकाना ।

ਪਿਛਗਾਮੀ पिछ्गामी Pichgamī [3] वि०
पश्चगामिन् (वि०) पीछे जाने वाला, अनुगामी, पिछलग्गू ।

ਪਿਛਵਾੜ ਪਿछ्वाड़् Pichvāṛ [3] स्त्री०
पश्चवाट (पुं०) पिछवाड़ा; पृष्ठ-प्रदेश ।

ਪਿਛਵਾੜਾ ਪਿछ्वाड़ा Pichvāṛā [3] पुं०
द्र०—ਪਿਛਵਾੜ ।

ਪਿਛਾਂਹ ਪਿछाँह् Pichāh [3] वि०
पश्चिम (वि०) पीछे की ओर, पृष्ठ-भाग ।

ਪਿਛੌਟੀ ਪਿछौटी Pichauṭī [3] स्त्री०
पश्चपट्ट (पुं०) पृष्ठ-भार को बाँधने की रज्जु; पिछौटा ।

ਪਿੱਛ ਪਿच्छ् Picch [3] स्त्री०
पिच्छा (स्त्री०) चावल का माँड़ ।

ਪਿੱਛਾ ਪिच्छा Picchā [3] वि०
पश्चार्ध (वि०) पिछला भाग, अपरार्ध, शेषार्ध ।

ਪਿੱਛੇ ਪिच्छे Picche [3] अ०
पश्चात् (अ०) पीछे, पीछे से; अन्त में, अन्ततोगत्वा ।

ਪਿੰਜਣ ਪिंजण् Piñjaṇ [3] पुं०
पिञ्जन (नपुं०) रुई धुनने की धुनकी या यन्त्र ।

ਪਿੰਜਣਾ ਪिंजणा Piñjṇā [3] सक० क्रि०
पिञ्जयति (चुरादि सक०) धुनना, पींजना; मारना-पीटना ।

ਪਿੰਜਣੀ ਪिंजणी Piñjṇī [3] स्त्री०
पिण्डि/पिण्डी (स्त्री०) पिण्डली, टाँग की पिण्डुरी ।

ਪਿੰਜਰ ਪिंजर् Piñjar [3] पुं०
पिञ्जर / पञ्जर (पुं०, नपुं०) अस्थि-पंजर, कंकाल ।

ਪਿੰਜਰਾ ਪिंजरा Piñjrā [3] पुं०
पिञ्जर/पञ्जर (पुं०, नपुं०) पिंजड़ा ।

ਪਿੰਜੇਰਾ ਪिंजेरा Piñjerā [3] पुं०
पिञ्जक (वि०) धुनिया, रुई धुनने वाला ।

ਪਿੱਠ ਪिट्ठ् Piṭṭh [3] स्त्री०
पृष्ठ/पृष्टि/पृष्टी (नपुं० / स्त्री०) पीठ, मेरुदण्ड ।

ਪਿੱਠਭੂਮੀ ਪिट्ठ्भूमी Piṭṭh-Bhūmī [3] स्त्री०
पृष्ठभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, पिछला भाग; प्रसंग ।

ਪਿਡ ਪिड् Piḍ [3] पुं०
पिण्ड (पुं०) पिण्ड, देह ।

ਪਿੰਡ ਪिण्ड् Piṇḍ [3] पुं०
द्र०— ਪਿਡ ।

ਪਿੰਡਾ ਪिण्डा Piṇḍā [3] पुं०
पिण्ड (नपुं०, पुं०) पिण्ड, पिण्डा, खीर आदि का पिण्ड जो पितरों के लिए होता है ।

ਪਿਤਰੀ¹ ਪितरी Pitrī [3] पुं०
पितृ (पुं०) पितर, मृत पूर्वज आदि ।

ਪਿਤਰੀ² ਪितरी Pitrī [3] वि०
पित्र्य (वि०) पितरों से सम्बन्धित, पितृ-कर्म आदि ।

ਪਿਤਰੀ-ਕਰਮ पित्री करम् Pitri Karam [3] पुं०
पितृकर्मन् (नपुं०) पितृ-कर्म, श्राद्ध आदि कर्म।

ਪਿਤਰੀ-ਧਨ पित्री-धन् Pitri-Dhan [3] पुं०
पितृधन (नपुं०) पैत्रिक सम्पत्ति।

ਪਿਤਰੀ-ਰਿਣ पित्री-रिण् Pitri-Riṇ [3] पुं०
पितृऋण / पितृण (नपुं०) पितृ-ऋण, प्रजोत्पादन।

ਪਿਤਰੀ-ਲੋਕ पित्री-लोक् Pitri-Lok [3] पुं०
पितृलोक (पु०) पितृलोक, यमलोक।

ਪਿਤਾਮਾ पितामा Pitamā [3] पुं०
पितामह (पु०) पितामह, दादा, बाबा।

ਪਿਤਾਵਤ पितावत् Pitāvat [3] क्रि० वि०
पितृवत् (अ०) पितृ-तुल्य, पिता के समान।

ਪਿਤੰਬਰ पितम्बर् Pitambar [3] स्त्री०
पीताम्बर (नपुं०) पीताम्बर, पीलावस्त्र।

ਪਿਤੰਬਰਧਾਰੀ पितम्बर्-धारी Pitambar-Dhārī [3] पुं०
पीताम्बरधारिन् (त्रि०) पीताम्बरधारी, पीला वस्त्र धारण करने वाला।

ਪਿੱਤ पित्त् Pitt [3] पुं०, स्त्री०
पित्त (नपुं०) पित्त, एक तरल पदार्थ जो शरीर के भीतर यकृत् में बनता है।

ਪਿੱਤਲ पित्तल् Pittal [3] पुं०
पित्तल (नपुं०) पीतल धातु।

ਪਿੱਤਲੀ पित्तली Pittalī [3] वि०
पित्तलीय (त्रि०) पीतल का, पीतल से सम्बन्धित।

ਪਿੱਤਾ पित्ता Pittā [3] पुं०
पित्त (नपुं०) पित्त, एक तरल पदार्थ जो शरीर के भीतर यकृत् में बनता है।

ਪਿਦੜਾ पिद्ड़ा Pidṛā [3] पुं०
पिद्द (पुं०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿਦੜੀ पिद्ड़ी Pidṛī [3] स्त्री०
पिद्दी (स्त्री०) छोटे कद की एक मादा चिड़िया।

ਪਿੱਦਾ पिद्दा Piddā [3] पुं०
पिद्द (पुं०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿੱਦੀ पिद्दी Piddī [3] स्त्री०
पिद्दी (स्त्री०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿੰਨ पिन्न् Pinn [3] पुं०
पिण्ड (नपुं०, पुं०) खीर आदि पिण्ड जो पितरों के लिए होता है।

ਪਿੰਨਣਾ पिन्नणा Pinnaṇā [3] अक० क्रि०
पिण्डयति (चुरादि सक०) संकलित करना, इकट्ठा करना; पिण्ड बनाना।

ਪਿੰਨਾ पिन्ना Pinnā [3] पुं०
पिण्ड (वि०) रस्सी की लूँडी, रस्सी का लपेटा हुआ गोला।

ਪਿਨੀ पिन्नी Pinni [3] स्त्री
पिण्डि/पिण्डो (स्त्री०) टाँग की पिण्डली; गीली रेत का पिण्ड।

ਪਿਪਲੀਹੀ पिप्लीहीं Piplihi [3] पुं०
पिपील (पुं०) चींटा, एक बड़ा काला कीड़ा।

ਪਿੱਪ पिप्प् Pipp [1] स्त्री०
पिप्लु (पुं०) मस्सा, तिल, शरीर पर होने वाली चित्ती, एक रोग-विशेष

ਪਿੱਪਲ पिप्पल् Pippal [3] पुं०
पिप्पल (पुं० / नपुं०) पुं०—पीपल का वृक्ष। नपुं० —पीपल का फल।

ਪਿੱਪਲਾ-ਮੂਲ पिप्पला-मूल् Pipla-Mūl [3] पुं०
पिप्पली (स्त्री०) पीपर, ओषधि-विशेष।

ਪਿੱਪਲੀ पिप्प्ली Pippli [3] स्त्री०
पिप्पल (पुं०) पीपल का छोटा पेड़।

ਪਿਰਥਮੇ पिर्थमे Pirthame [1] अ०
प्रथमम् (क्रि० वि०) पहले, सबसे पहले।

ਪਿਰਥਵੀ पिर्थ्वी Pirthvī [3] स्त्री०
पृथ्वी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪਿਰਮ पिरम् Piram [1] पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, अनुराग।

ਪਿਰਾਉਣਾ पिराउणा Pirauṇa [1] अक० क्रि०
पीड्यते (चुरादि कर्मवाच्य) पीड़ित होना, दुःखना।

ਪਿਲਾਉਣਾ पिलाउणा Pilauṇa [3] अक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना।

ਪਿੜਾ पिड़ा Piṛa [2] स्त्री०
पिटक (पुं०, नपुं०) ढक्कनदार छोटी टोकरी।

ਪੀ पी Pī [3] पुं०
प्रिय (वि०) प्यारा; मित्र।

ਪੀਂ पीं Pī [1] वि०
पीत (वि०) पीला, पीत वर्ण से युक्त।

ਪੀਆ पीआ Pīa [3] पुं०
प्रिय (पुं०) प्रिय, प्रेमी; पति।

ਪੀਸਕ पीसक् Pīsak [1] पुं०
पिष्टक (नपुं०) चूर्ण; लुगदी; आटा।

ਪੀਹਣ पीहण् Pīhaṇ [3] स्त्री०
पेषणीय (वि०) पीसने के लिये रखा हुआ अन्न।

ਪੀਸਣਾ पीस्णा Pīsṇa [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਹਣਾ पीह्णा Pīhṇa [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਂਘ पींघ् Pīgh [3] स्त्री०
प्रेङ्ख (पुं०) पेंग; पालना, झूला।

ਪੀਚਣਾ पीच्णा Picṇa [3] सक० क्रि०
पिच्चयति (नामधातु सक०) पीचना, दोनों ओर से दबाना।

ਪੀਠਣਾ पीठ्णा Piṭhṇa [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਠਾ पीठा Piṭha [1] पुं०
पिष्ट (नपुं०, पुं०) आटा, पीठी।

ਪੀਠੀ पीठी Piṭhi [3] स्त्री०
पिष्टि (स्त्री०) पीठी, आटे या चावल का बना खाद्य पदार्थ।

ਪੀਣਾ पीणा Piṇa [3] सक० क्रि०
पिबति (भ्वादि सक०) पीना, पान करना।

ਪੀਤੰਬਰ पीतम्बर् Pitambar [3] पुं०
पीताम्बर (वि०) पीत वस्त्रों वाला।

ਪੀਤੰਬਰਧਾਰੀ पीतम्बर्धारी Pitambardhari [3] पुं०
पीताम्बरधारिन् (वि०) पीत वस्त्र धारण करने वाला।

ਪੀਲਪਾਵਾ पील्पावा Pilpava [3] पुं०
पीनपाद (पुं०) फीलपाँव, एक प्रकार का पैर का रोग।

ਪੀਲਾ पीला Pila [3] वि०
पीत (वि०) पीला, पीले वर्ण से युक्त।

ਪੀੜਨਾ पीड़्ना Piṛna [3] सक० क्रि०
पीडयति (चुरादि सक०) दबाना, पीड़ित करना।

ਪੀੜਿਤ पीड़ित् Piṛit [3] वि०
पीडित (वि०) पीड़ित, दुःखी।

ਪੀੜ੍ਹਾ पीढ़ा Piṛha [3] पुं०
पीठ (नपुं०, पुं०) बैठने के लिए काष्ठ का बना आसन, पीठ, पीढ़ा।

ਪੀੜ੍ਹੀ पीढ़ी Piṛhi [3] स्त्री०
पीठिका (स्त्री०) पीढ़ी, छोटी पीढ़ी।

ਪੁਆਉਣਾ प्वाउणा Pvauṇa [3] सक० क्रि०
प्रपातयति (भ्वादि प्रेर०) गिराना; ढलवाना।

ਪੁਸ਼ਟ पुशट् Puśaṭ [3] वि०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, तगड़ा।

ਪੁਸ਼ਟੀ पुशटी Puśṭi [3] स्त्री०
पुष्टि (स्त्री०) पुष्टि, पोषण; समर्थन।

ਪੁਸ਼ਟੀਕਾਰ पुशटीकार् Puśṭikar [3] पुं०
पुष्टिकार (वि०) पुष्टि करने वाला, समर्थक।

ਪੁਸ਼ਟੀਕਾਰਕ पुशटीकारक् Puśṭikarak [3] वि०
पुष्टिकारक (वि०) पुष्टिकारक, पौष्टिक, बल-वर्द्धक।

ਪੁਸਤਕ पुस्तक् Pustak [3] स्त्री०
पुस्तक (नपुं०, पुं०) पुस्तक, ग्रन्थ।

ਪੁਸਤਕਾਲਾ पुसतकाला Pustakala [1] पुं०
पुस्तकालय (पुं०) पुस्तकालय, ग्रन्थालय ।

ਪੁਸਤਿਕਾ पुस्तिका Pustika [3] स्त्री०
पुस्तिका (स्त्री०) छोटी-पुस्तक; कापी ।

ਪੁਸ਼ਪ पुशप् Puśap [3] पुं०
पुष्प (नपुं०) पुष्प, फूल ।

ਪੁਸ਼ਪੀ पुशपी Puśpī [3] स्त्री०
शङ्खपुष्पी (स्त्री०) शंखपुष्पी नामक एक वनस्पति ।

ਪੁਹਾਰਾ पुहारा Puhara [1] पुं०
प्रसार (पुं०) बुखार या रेचक का विस्तार, फैलाव ।

ਪੁੱਗਣਾ पुग्गणा Puggṇa [3] अक० क्रि०
पूर्यते (दिवादि कर्मवाच्य) पूर्ण होना, भरा जाना ।

ਪੁਛਾਉਣਾ पुछाउणा Puchauṇa [3] सक० क्रि०
प्रच्छयति (तुदादि प्रेर०) पुछवाना, पूछने की प्रेरणा देना ।

ਪੁੱਛ पुच्छ् Pucch [3] स्त्री०
पृच्छा (स्त्री०) पूछने की इच्छा ।

ਪੁੱਛਣਾ पुच्छणा Pucchṇa [3] सक० क्रि०
पृच्छति (तुदादि सक०) पूछना, प्रश्न करना ।

ਪੁਜਾਉਣਾ[1] पुजाउणा Pujauṇa [3] अक० क्रि०
पूज्यते (चुरादि कर्मवाच्य) पूजा कराना, पूजित होना ।

ਪੁਜਾਉਣਾ[2] पुजाउणा Pujauṇa [1] सक० क्रि०
पूरयति (चुरादि सक०) भरना, पूरा करना ।

ਪੁਜਾਰੀ पुजारी Pujari [3] पुं०
पूजाचारिन् (वि०) पुजारी, पूजा करने वाला ।

ਪੁੱਜਣਾ पुज्जणा Pujjṇa [3] सक० क्रि०
प्राप्नोति (स्वादि सक०) पहुँचना, प्राप्त करना ।

ਪੁੱਠ पुट्ठ् Puṭṭh [3] पुं०
पुट (पुं०) परत, आच्छादन ।

ਪੁੱਠਾ[1] पुट्ठा Puṭṭha [3] पुं०
पृष्ठ (नपुं०) पृष्ठ प्रदेश, पीठ; पशुओं का पुट्ठा ।

ਪੁੱਠਾ[2] पुट्ठा Puṭṭha [3] वि०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, मजबूत, दृढ़ ।

ਪੁਣਨਾ पुण्ना Puṇna [3] सक० क्रि०
पुनाति (क्र्यादि सक०) छानना, शुद्ध करना ।

ਪੁਣੀਣਾ पुणीणा Puṇīṇa [3] सक० क्रि०
पूयते (क्र्यादि कर्मवाच्य) पुनीत होना, शुद्ध होना ।

ਪੁਤਲਾ पुतला Putla [3] पुं०
पुत्रक > पुत्रल (पुं०) पुतला, पुतली; कठ-पुतली; आँख का गोलक।

ਪੁਤਲੀ पुतली Putli [3] स्त्री०
पुत्रिका (स्त्री०) पुतली, कठपुतली।

ਪੁੱਤ पुत् Putt [3] पुं०
पुत्र (पुं०) पुत्र, सुत, बेटा।

ਪੁੱਤਰ पुत्तर् Puttar [3] पुं०
द्र०—ਪੁੱਤ।

ਪੁੱਤਰਵਾਨ पुत्तर्वान् Puttarvān [3] पुं०
पुत्रवत् (वि०) पुत्रवान्, पुत्रवाला।

ਪੁੱਤਰਵੰਤੀ पुत्तर्वन्ती Puttarvantī [3] स्त्री०
पुत्रवती (स्त्री०) पुत्रवती, पुत्रवाली।

ਪੁੱਤਰੀ पुत्तरी Puttari [3] स्त्री०
पुत्री (स्त्री०) पुत्री, बेटी, कन्या।

ਪੁੰਨ पुन्न् Punn [3] पुं०
पुण्य (अ०) पुण्य, धर्म, सुकृत्।

ਪੁਨਰ पुनर् Punar [3] अ०
पुनर् (अ०) पुनः, फिर।

ਪੁਨਰੁਕਤੀ पुनरुक्ती Punrukti [3] स्त्री०
पुनरुक्ति (स्त्री०) पुनरुक्ति दुहराने की क्रिया।

ਪੁੰਨਾਤਮਾ पुन्नात्मा Punnātmā [3] वि०
पुण्यात्मन् (वि०) पुण्यात्मा, धर्मात्मा।

ਪੁੰਨਾਰਥ पुन्नारथ् Punnārath [3] पुं०
पुण्यार्थ (पुं०) पुण्यार्थ, धर्मार्थ।

ਪੁੰਨਿਆਂ पुन्निआँ Punniā̃ [3] पुं०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा, पूनम, शुक्ल पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਪੁੰਨੀ पुन्नी Punnī [3] वि०
पुण्यिन् (वि०) पुण्यशाली, धर्मात्मा।

ਪੁਨੀਤ पुनीत् Punīt [3] वि०
पुनीत (वि०) पुनीत, पवित्र।

ਪੁਰ पुर् Pur [1] क्रि० वि०
उपरि (अ०) ऊपर, ऊर्ध्व।

ਪੁਰਸ਼ਾਰਥ पुर्शारथ् Purśārath [3] पुं०
पुरुषार्थ (पुं०) पुरुषार्थ, उद्यम।

ਪੁਰਸ਼ਾਰਥੀ पुर्शार्थी Purśārthī [3] पुं०
पुरुषार्थिन् (वि०) पुरुषार्थी, उद्यमी।

ਪੁਰਸ਼ੋਤਮ पुरशोतम् Puaśotam [3] पुं०
पुरुषोत्तम (पुं० / वि०) पुं०—भगवान् पुरुषोत्तम, ईश्वर। वि०—श्रेष्ठ पुरुष।

ਪੁਰਖ पुरख् Purakh [3] पुं०
पुरुष (पुं०) पुरुष, आदमी, नर।

ਪੁਰਖਵਾਚਕ पुरख्वाचक् Purakhvācak [3] वि०

पुरुषवाचक (वि०) पुरुष से संबन्धित; व्याकरण का एक पारिभाषिक शब्द ।

ਪੁਰਖਾ पुर्खा Purkha [3] पुं०
पुरुष (पुं०) प्राचीन पुरुष, पूर्वज ।

ਪੁਰਖਾਰਥ पुर्खारथ् Purkharath [3] पुं०
पुरुषार्थ (पुं०) पुरुषार्थ, उद्यम ।

ਪੁਰਖਾਰਥੀ पुर्खार्थी Purkharthi [3] पुं०
द्र०—ਪੁਰਸਾਰਥੀ ।

ਪੁਰਬ पुरब Purab [3] पुं०
पर्वन् (नपुं०) पर्व, उत्सव ।

ਪੁਰਬਾਸੀ पुर्बासी Purbasi [1] वि०
पुरवासिन् (वि०) नगर-निवासी, नागरिक ।

ਪੁਰਵਾ पुर्वा Purva [2] स्त्री०, वि०
पूर्व (स्त्री० / वि०) स्त्री०—पूर्व दिशा । वि०—पहले का ।

ਪੁਰਵਾਈ पुर्वाई Purvai [3] स्त्री०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी हवा, पूर्वीय वायु ।

ਪੁਰਾ पुरा Pura [3] पुं०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी वायु, पुरवैया ।

ਪੁਰਾਣਾ पुराणा Purana [3] पुं०
पुराण (वि०) पुराना, प्राचीन ।

ਪੁਰਾਣਿਕ पुराणिक् Puranik [3] वि०
पौराणिक (वि०) पौराणिक, पुराण से संबन्धित, पुराण का प्रवक्ता, व्यास, कथावाचक ।

ਪੁਰਾਤਨ पुरातन् Puratan [3] वि०
पुरातन (वि०) पुरातन, पुराना, प्राचीन ।

ਪੁਰਾਤੱਤਵ-ਵਿਗਿਆਨ पुरातत्तव्-विग्यान् Puratattav-Vigyan [3] पुं०
पुरातत्त्वविज्ञान (नपुं०) पुरातत्त्व विज्ञान, अध्ययन की एक शाखा ।

ਪੁਰਾਤਨਤਾ पुरातन्ता Puratanta [3] स्त्री०
पुरातनता (स्त्री०) पुरातनता, प्राचीनता ।

ਪੁਰਾਨ पुरान् Puran [3] वि०/पुं०
पुराण (वि० / नपुं०) वि०—पुराना, प्राचीन । नपुं०—अट्ठारह पुराण ।

ਪੁਰਾਵਿਦਿਆ पुराविद्या Puravidya [3] स्त्री०
पुराविद्या (स्त्री०) पुराविद्या, अध्यात्म-ज्ञान-आत्म-विज्ञान ।

ਪੁਰੋਹਤ पुरोहत् Purohat [3] पुं०
पुरोहित (पुं०) पुरोहित, पुरोधा ।

ਪੁਰੋਹਿਤਾਈ पुरोहिताई Purohitai [3] स्त्री०
पौरोहित्य (नपुं०) पौरोहित्य, पुरोहित का कर्म या भाव ।

ਪੁਲਕਿਤ पुल्कित् Pulkit [3] वि०
पुलकित (वि०) पुलकित, रोमांचित (प्रसन्नता की स्थिति में) ।

ਪੁੜਾ पुड़ा Pura [3] पुं०
पुट (पुं०, नपुं०) पुड़िया, पैकेट ।

ਪੁੜੀ पुड़ी Puṛī [3] स्त्री०
पुट (पुं०) पुड़िया, छोटी पैकेट ।

ਪੂਛ पूछ् Pūch [3] स्त्री०
पुच्छ (नपुं०, पुं०) पूँछ, दुम ।

ਪੂੰਛ पूँछ् Pũch [3] स्त्री०
द्र०—पूछ ।

ਪੂਛਲ पूछल् Pūchal [3] स्त्री०
द्र०—पूछ ।

ਪੂਜਣਾ पूज्णा Pūjṇā [3] सक० क्रि०
पूजयति (चुरादि सक०) पूजना, सम्मानित करना ।

ਪੂਜਨੀਕ पूज्नीक् Pūjnīk [3] वि०
पूजनीय (त्रि०) पूजनीय, पूजा के योग्य ।

ਪੂਜਾ पूजा Pūja [3] स्त्री०
पूजा (स्त्री०) पूजा, अर्चना, आराधना ।

ਪੂਜਾਚਾਰ पूजाचार् Pūjacār [3] स्त्री०
पूजाचार (पुं०) पूजा करने की प्रक्रिया या विधि ।

ਪੂੰਜੀ पूँजी Pũjī [3] स्त्री०
पुञ्ज (पुं०) ढेर, राशि, समूह ।

ਪੂੰਝਣ पूँझण् Pũjhaṇ [3] पुं०
प्रोञ्छन (नपुं०) झाड़न, झाड़ने का भाव ।

ਪੂੰਝਣਾ पूँझ्णा Pũjhṇā [3] सक० क्रि०
प्रोञ्छति (भ्वादि सक०) पोंछना, झाड़ना ।

ਪੂਨਾ पूना Pūnā [3] पुं०
पुन्नामन् (पुं०) पुन्नाग वृक्ष, वृक्ष-विशेष ।

ਪੂਰ पूर् Pūr [3] पुं०
पूर (पुं०) समूह, खेप ।

ਪੂਰਣ पूरण् Pūraṇ [3] वि०
पूर्ण (वि०) पूर्ण, भरा हुआ, सम्पूर्ण ।

ਪੂਰਣਮਾਸੀ पूरण्माशी Pūraṇmāśī [3] स्त्री०
पूर्णमासी (स्त्री०) पूर्णमासी, पूर्णिमा ।

ਪੂਰਣਿਮਾ पूर्णिमा Pūrṇima [3] स्त्री०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा तिथि, पूर्णमासी ।

ਪੂਰਤੀ पूर्ती Purtī [3] स्त्री०
पूर्त्ति (स्त्री०) पूर्त्ति, समाप्ति ।

ਪੂਰਨਾ पूर्ना Purnā [3] सक० क्रि०
पूरयति (चुरादि सक०) पूर्ण करना, भरना ।

ਪੂਰਬ पूरब् Pūrab [3] वि०/पुं०
पूर्व (त्रि०/स्त्री) वि०—पूर्व, पहले, प्रथम । स्त्री०—पूर्व दिशा ।

ਪੂਰਬਕ पूरबक् Pūrbak [3] क्रि० वि०
पूर्वक (क्रि० वि०) पूर्वक, सहित ।

ਪੂਰਬਕਾਲੀ पूरब्काली Pūrabkālī [3] वि०
पूर्वकालिक (वि०) पूर्वकालीन, पहले का ।

ਪੂਰਬਾਰਧ पूरबारध Purbaradh [3] वि०
पूर्वार्द्ध (वि०) पूर्वार्द्ध, पहला आधा।

ਪੂਰਬੀ पूर्बी Pūrbī [3] वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्वीय, पूर्व का, पहले का; पूर्व दिशा का।

ਪੂਰਬੀਆ पूर्बिआ Pūrbiā [3] वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्वीय, पूर्व दिशा का; पहले का।

ਪੂਰਬੋਕਤ पूर्बोकत् Pūrbokat [3] वि०
पूर्वोक्त (वि०) पहले कहा हुआ, पूर्व में कथित।

ਪੂਰਬੋਤਰ पूर्बोतर् Pūrbotar [3] पुं०
पूर्वोत्तर (नपुं०) पूर्वोत्तर, पूर्व और उत्तर।

ਪੂਰਵ पूरव् Pūrav [3] क्रि० वि०
पूर्व (क्रि० वि०) पूर्व, पहले।

ਪੂਰਵਜ पूर्वज् Pūrvaj [3] पुं०
पूर्वज (पुं०) पूर्वज, पुरखे।

ਪੂਰਵ-ਪੱਖ पूरव्-पक्ख् Pūrav-Pakkh [3] पुं०
पूर्वपक्ष (पुं०) पूर्वपक्ष, खण्डनीय पक्ष।

ਪੂਰਵਾਰਧ पूर्वारध् Pūrvāradh [3] वि०
पूर्वार्द्ध (वि०) पहला आधा।

ਪੂਰਾ पूरा Pūrā [3] पुं०
पूर्ण (वि०) पूर्ण, सारा।

ਪੂਰੀ पूरी Purī [3] स्त्री०
पूर (पुं०) पूड़ी, पूरी।

ਪੂਲਾ पूला Pūlā [3] पुं०
पूल (पुं०) तृण आदि का ढेर, पूला।

ਪੂਲੀ पूली Pūlī [3] स्त्री०
पूलिका (स्त्री०) तृण आदि की छोटी ढेरी।

ਪੂੜਾ पूड़ा Pūṛā [2] पुं०
अपूप/पूप (पुं०, नपुं०) पूआ, मालपूआ।

ਪੂੜੀ पूड़ी Pūṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਪੂਰੀ।

ਪੇਖਣ पेखण् Pekhaṇ [3] पुं०
प्रेक्षण (नपुं०) प्रेक्षण, देखने की क्रिया।

ਪੇਖਣਾ पेख्णा Pekhṇā [3] सक० क्रि०
प्रेक्षते (भ्वादि सक०) देखना, अवलोकन करना।

ਪੇਪੜੀ पेप्ड़ी Pepṛī [3] स्त्री०
पर्पटी (स्त्री०) पपड़ी, शुष्क कीचड़ की परत।

ਪੇਮੀ पेमी Pemī [1] पुं०
प्रेमिन् (वि०) प्रेमी, प्रेम करने वाला।

ਪੇਲਣਾ पेल्णा Pelṇā [3] सक० क्रि०
प्रपीडयति (सोपसर्ग चुरादि सक०) दण्डादि व्यायाम करना; गन्ने आदि का पेरना।

ਪੇੜ पेड़ Per [3] पुं०
पेट (नपुं०, पुं) लोहार या स्वर्णकार के उपकरण को रखने का झोला।

ਪੈਸਾ पैसा Paisa [3] पुं०
पणक/पण (पुं०) पैसा।

ਪੈਂਹਠ पैंह्ठ् Paihṭh [3] वि०
पञ्चषष्टि (स्त्री०) पैंसठ, 65 संख्या मे परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੈਂਹਠਵਾਂ पैंह्ठवाँ Paihṭhavā̃ [3] पुं०
पञ्चषष्टितम (वि०) पैंसठवाँ, 65वाँ।

ਪੈਜ पैज् Paij [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रतिज्ञा, शपथ।

ਪੈਂਡਾ पैंडा Paiḍa [3] पुं०
पददण्ड (पुं०) पगदण्डी, पतला रास्ता, छोटा मार्ग।

ਪੈਣਾ पैणा Paiṇa [3] अक० क्रि०
पतति (भ्वादि अक०) लोटना; गिरना, पड़ना।

ਪੈਂਤੜਾ पैंतड़ा Paitṛa [3] पुं०
पदान्तर (नपुं०) पैंतरा, दृष्टिकोण का परिवर्तन।

ਪੈਂਤੀ पैंती Paiti [3] वि०
पञ्चत्रिंशत् (स्त्री०) पैंतीस; 35 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੈਤੀਵਾਂ पैंतीवाँ Paitivā̃ [3] पुं०
पञ्चत्रिंशत्तम (वि०) पैंतीसवाँ, 35वाँ।

ਪੈਂਦ पैंद् Paid [3] स्त्री०
द्र०—ਪੰਦ।

ਪੈਦਲ पैदल् Paidal [3] वि०
पदाति (स्त्री०) पैदल चलने वाला यात्री, सेना का सिपाही।

ਪੈਨਾ पैना Paina [3] पुं०
प्रतीक्ष्ण (नपुं०) अत्यन्त तीखा, तेज।

ਪੈਰ पैर् Pair [3] पुं०
पाद (पुं०) पैर, पाँव।

ਪੋਆ पोआ Poa [1] पुं०
पोट (पुं०) किसलय, वृक्षादि का कोंपल।

ਪੋਈ पोई Poi [1] स्त्री०
पूतिका (स्त्री०) पोय का साग, पोई।

ਪੋਸਣ पोसण् Posaṇ [3] पुं०
पोषण (नपुं०) पोसने का भाव, पालन, पोषण।

ਪੋਹ पोह् Poh [3] पुं०
पौष (पुं०) पौस मास।

ਪੋਹਣਾ पोह्णा Pohṇa [3] सक० क्रि०
प्रबोधयति (भ्वादि प्रेर०) प्रभावित करना, बोधन करना।

ਪੋਹਲੋ पोह्लो Pohlo [3] वि०
द्र०—ਪੁਹਲੋ।

ਪੋਖਰ पोखर Pokhar [1] पुं०
पुष्कर (पुं०) तालाब; सरोवर।

ਪੋੱਗਾ पोग्गा Pogga [2] पुं०
प्रोद्गत (वि०) अंकुर।

ਪੋਚਣਾ पोचणा Pocṇa [3] सक० क्रि०
पोतन (नपुं०) पोंछना, पोतना, लीपना।

ਪੋਚਾ पोचा Poca [3] पुं०
पोत (पुं०) पोंछा लगाने का वस्त्र, प्रोञ्छन।

ਪੋਂਡਾ पोण्डा Ponḍa [3] पुं०
पौण्ड्र (पुं०) ईख या गन्ना विशेष।

ਪੋਣਾ पोणा Poṇa [3] पुं०
पवन (नपुं०) कपड़े का छोटा टुकड़ा जिससे दूध आदि छाना जाता है, रसोई घर का वह वस्त्र जिससे गर्म पात्र पकड़ा या उतारा जाता है।

ਪੋਤ पोत् Pot [3] पुं०
पौत्र (पुं०) पोता, पुत्र का पुत्र।

ਪੋਤਣਾ पोत्णा Potṇa [3] सक० क्रि०
पवते (भ्वादि सक०) पोंछना, पोतना, लीपना।

ਪੋਤਰ पोतर् Potar [3] पुं०
पुत्र (पुं०) पुत्र, बेटा।

ਪੋਤੜਾ पोतड़ा Potṛa [3] पुं०
पोत्र (नपुं०) बच्चे का निचला या अधोवस्त्र, कच्छा।

ਪੋਤੀ पोती Potī [3] स्त्री०
पौत्री (स्त्री०) पोती, पुत्र की पुत्री।

ਪੋਥਾ पोथा Potha [3] पुं०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) पोथा, मोटी पुस्तक।

ਪੋਥੀ पोथी Pothī [3] स्त्री०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) छोटी पुस्तक, पोथी।

ਪੋਨਾ पोना Pona [3] पुं०
द्र०—ਪੋਂਡਾ।

ਪੋਲੀ पोली Polī [3] स्त्री०
पोलिका / पोली (स्त्री०) पतली रोटी, रोटी।

ਪੌਸ਼ਟਿਕ पौष्टिक् Pauṣṭik [3] वि०
पौष्टिक (वि०) पुष्टिकारक, बलवर्द्धक।

ਪੌਣ पौण् Pauṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਪਵਨ।

ਪੌਣ-ਚੱਕੀ पौण्-चक्की Pauṇ-Cakkī [3] स्त्री०
पवनचक्री (स्त्री०) पनचक्की।

ਪੌਣਾ पौणा Pauṇa [3] वि०
पादोन (वि०) पौन, ¾ भाग।

ਪੌਰਾਣਿਕ पौराणिक् Pauraṇik [3] पुं०/वि०
पौराणिक (वि०/पुं०) वि०—पुराणों का ज्ञाता, पुराण-संबन्धी। पुं०—पुराण-वाचक, व्यास।

ਪੌਲਾ पौला Paula [3] पुं०
पादुका (स्त्री०) जूता, पनही, खड़ाऊँ।

ਪੌਲੀ पौली Pauli [3] स्त्री०
पादोन (वि०) रूपये का चौथा हिस्सा, चवन्नी।

ਪੌੜ पौड़ Paur [3] पुं०
पादु (पुं०) घोड़े का खुर।

ਪੰਸੇਰਾ पंसेरा Pansera [3] वि०
पञ्चसेटक (नपुं०) पसेरा, पाँच सेर का बाट।

ਪੰਸੇਰੀ पंसेरी Panseri [3] स्त्री०
पञ्चसेटिका (स्त्री०) पसेरी, पाँच सेर का एक माप।

ਪੰਕ पंक् Pank [3] पुं०
पङ्क (पुं०) पंक; धूली।

ਪੰਖ पंख् Pankh [3] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख, पाँख।

ਪੰਖਬਸੇਰਾ पंख्बसेरा Pankh-Basera [3] पुं०
पक्षिवास (पुं०) पक्षियों का आवास स्थान, घोंसला।

ਪੰਖੇਰੂ पंखेरू Pankherū [3] पुं०
पक्षिरूप (पुं०) पक्षी, चिड़िया।

ਪੰਗਤ पंगत् Pangat [3] स्त्री०
पङ्क्ति (स्त्री०) पंक्ति, कतार।

ਪੰਗੂ पंगू Pangū [3] पुं०
पङ्गु (पुं०) लंगड़ा, पंगु।

ਪੰਘਾਰਨਾ पंघार्ना Pangharna [3] सक० क्रि०
प्रगालयति (स्वादि प्रेर०) गलाना।

ਪੰਚਤੰਤਰ पंचतन्तर् Pañcatantar [3] पुं०
पञ्चतन्त्र (नपुं०) पञ्चतन्त्र नामक ग्रन्थ।

ਪੰਚਾਇਤ पंचाइत् Pañcait [3] स्त्री०
पञ्चायतन (नपुं०) पंचायत, पंचों की सभा।

ਪੰਜ पंज् Pañj [3] वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5।

ਪੰਜਕ पंजक् Pañjak [3] वि०
पञ्चक (वि०) पाँच का समूह, 5 संख्या से सम्पन्न।

ਪੰਜਤਾਲੀ पंज्ताली Pañjtali [3] वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੰਜਭੂਤ पंज्भूत् Pañjbhūt [3] पुं०
पञ्चभूत (नपुं०) क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर ये पाँच तत्त्व।

ਪੰਜਮ पंजम् Pañjam [1] वि०
पञ्चम (वि०) पाँचवाँ।

ਪੰਜਰਤਨ पंज्-रतन् Pañj-Ratan [3] पुं०
पञ्चरत्न (नपुं०) सोना, हीरा, नीलम, लाल और मोती ये पाँच रत्न।

ਪੰਜਲੂਣ पंज्लूण् Pañjlūṇ [1] पुं०
पञ्चलवण (नपुं०) समुद्री, सौवर्चल, बिड़, सेंधा और साँभर—ये पाँच प्रकार के नमक।

ਪੰਜਵਾਂ पंज्वाँ Pañjvā̃ [3] पुं०
पञ्चम (वि०) पाँचवाँ, 5वाँ।

ਪੰਜਵੀਂ पंज्वीं Pañjvī̃ [3] स्त्री०
पञ्चमी (स्त्री०) पञ्चमी तिथि।

ਪੰਜਾਹ पंजाह् Pãnjāh [3] वि०
पञ्चाशत् (स्त्री०) पचास, 50।

ਪੰਜਾਂਗ पंजांग् Pañjāṅg [3] पुं०
पञ्चाङ्क (पुं०) पाँच का अंक।

ਪੰਜੀਰੀ पंजीरी Pañjīrī [3] स्त्री०
पञ्चजीरक (नपुं०) पंजीरी।

ਪੰਜੂਣਾ पंजूणा Pañjūṇā [1] वि०
पञ्चगुण (वि०) पाँचगुना।

ਪੰਜੋਕੜਾ पंजोकड़ा Pañjokṛā [2] वि०
पञ्चक (वि०) पाँच का समूह।

ਪੰਜੌਣਾ पंजौणा Pañjauṇā [3] वि०
पञ्चगुण (वि०) पाँचगुना।

ਪੰਝ पंझ् Pañjh [3] वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5।

ਪੰਝੱਤਰ पंझत्तर् Pañjhattar [3] वि०
पञ्चसप्तति (स्त्री०) पचहत्तर, 75 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੰਝੱਤਰਵਾਂ पंझत्तर्वाँ Pañjhattarvā̃ [3] पुं०
पञ्चसप्ततितम (वि०) पचहत्तरवाँ।

ਪੰਝੀ पंझी Pañjhī [3] वि०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीसवाँ, 25 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੰਝੀਵਾਂ पंझीवाँ Pañjhīvā̃ [3] वि०/पुं०
पञ्चविंशतितम (वि०) पच्चीसवाँ।

ਪੰਡਾ पण्डा Paṇḍā [3] पुं०
पण्डित (पुं०) तीर्थों का पण्डा।

ਪੰਡੋਲ पण्डोल Paṇḍol [3] पुं०
पटोल (पुं०) परवल, सब्जी-विशेष।

ਪੰਤਾਲੀ पंताली Pantālī [3] वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੰਤਾਲੀਵਾਂ पंतालीवाँ Pantālīvā̃ [3] वि०/पुं०
पञ्चचत्वारिंशत्तम (वि०) पैंतालीसवाँ, 45वाँ।

ਪੰਥ पन्थ् Panth [3] पुं०
पन्थाः (प्रथमान्त) पन्थ, पथ, मार्ग।

ਪੰਦਰਵਾਂ पन्दर्वां Pandarvā̃ [3] पुं०
पञ्चदश (वि०) पन्द्रहवाँ, 15वाँ

ਪੰਦਰਾਂ पन्द्रां Pandrā̃ [3] वि०
पञ्चदशन् (वि०) पन्द्रह, 15 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਪੰਧ पन्ध् Pandh [3] पुं०
पन्थाः (प्रथमान्त एक व०) मार्ग, पथ, रास्ता, सड़क ।

ਪੰਨਾ पन्ना Pannā [3] पुं०
पर्ण (पुं०) पत्ता; पृष्ठ, पेज ।

ਪ੍ਰਸਤਾਰ प्रस्तार् Prstār [3] पुं०
प्रस्तार (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਪ੍ਰਸ਼ਨ प्रश्न् Praśn [3] पुं०
प्रश्न (पुं०) प्रश्न, सवाल ।

ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਤਰੀ प्रश्नोत्री Praśnotrī [3] स्त्री०
प्रश्नोत्तरी (स्त्री०) प्रश्नोत्तरी; प्रश्नों और उनके उत्तरों की पुस्तक ।

ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ प्रशासक् Praśāsak [3] पुं०
प्रशासक (पुं०) प्रशासक, शासन करने वाला ।

ਪ੍ਰਸਾਰ प्रसार् Prasār [3] पुं०
प्रसार (पुं०) प्रसार, फैलाव ।

ਪ੍ਰਸਿੱਧ प्रसिद्ध् Prasiddh [3] वि०
प्रसिद्ध (वि०) प्रसिद्ध, विख्यात ।

ਪ੍ਰਸਿੱਧੀ प्रसिद्धी Prasiddhī [3] स्त्री०
प्रसिद्धि (स्त्री०) प्रसिद्धि, ख्याति ।

ਪ੍ਰਸੂਤ प्रसूत् Prasūt [3] पुं०
प्रसूति (स्त्री०) प्रसव, जनन, उत्पत्ति; उद्भव; सन्तति ।

ਪ੍ਰਸੂਤਕਾ प्रसूत्का Prasūtkā [3] स्त्री०
प्रसूतिका (स्त्री०) प्रसूतिका, जच्चा स्त्री, वह स्त्री जिसके हाल में बच्चा पैदा हुआ हो ।

ਪ੍ਰਸੂਤਾ प्रसूता Prasūtā [3] स्त्री०
प्रसूता (स्त्री०) जच्चा स्त्री, प्रसूतिका ।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ प्रशंसक् Praśansak [3] पुं०
प्रशंसक (वि०) प्रशंसा करने वाला, गुण वर्णन करने वाला ।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਨੀ प्रशंस्नी Praśansnī [3] वि०
प्रशंसनीय (वि०) प्रशंसनीय, प्रशंसा के योग्य ।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ प्रशंसा Praśansā [3] स्त्री०
प्रशंसा (स्त्री०) प्रशंसा, बड़ाई ।

ਪ੍ਰਸੰਗ प्रसंग् Prasang [3] पुं०
प्रसङ्ग (पुं०) सम्बन्ध; उपयुक्त काल ।

ਪ੍ਰਸੰਨ प्रसन्न् Prasann [3] वि०
प्रसन्न (वि०) प्रसन्न, खुश ।

ਪ੍ਰਸੰਨਤਾ प्रसन्नता Prasannata [3] स्त्री०
प्रसन्नता (स्त्री०) प्रसन्नता, खुशी ।

ਪ੍ਰਕਰਣ प्रक्रण Prakran [3] पुं०
प्रकरण (नपुं०) प्रकरण, प्रसंग ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ प्रकाश् Prakaś [3] पुं०
प्रकाश (पुं०) प्रकाश, चमक, आभा ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ प्रकाशक् Prakaśak [3] पुं०
प्रकाशक (वि०) प्रकाश करने वाला ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਣਾ प्रकाश्णा Prakaśṇa
[3] सक० क्रि०
प्रकाशयति (स्वादि प्रेर०) प्रकाशित करना ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ प्रकाशन् Prakaśan [3] पुं०
प्रकाशन (नपुं०) प्रकाशन, प्रकाश में लाने का काम ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਵਾਨ प्रकाश्वान् Prakaśvan [3] वि०
प्रकाशवत् (वि०) प्रकाशवान्, प्रकाश से युक्त ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ प्रकाशित् Prakaśit [3] वि०
द्र०—ਪਰਕਾਸ਼ਤ ।

ਪ੍ਰਕਾਰ प्रकार् Prakar [3] पुं०
प्रकार (पुं०) प्रकार, तरह, ढंग, तौर-तरीका ।

ਪ੍ਰਕਿਰਤਕ प्रकिर्तक् Prakirtak [3] वि०
प्राकृतिक (वि०) प्राकृतिक, प्रकृति से सम्बन्धित ।

ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ प्रकिर्ती Prakirti [3] स्त्री०
प्रकृति (स्त्री०) प्रकृति, स्वभाव ।

ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ प्रकिरिआ Prakiria [3] स्त्री०
प्रक्रिया (स्त्री०) प्रक्रिया, ढंग ।

ਪ੍ਰਗਟ प्रगट् Pragaṭ [3] वि०
प्रकट (वि०) जो दिखलाई पड़े, प्रत्यक्ष, स्पष्ट ।

ਪ੍ਰਗਟਾਉ प्रग्टाउ Pragṭau [3] पुं०
प्रकटन (नपुं०) प्रकट होने का भाव ।

ਪ੍ਰਗਟਾਉਣਾ प्रग्टाउणा Pragṭauṇa
[3] सक० क्रि०
प्रकटयति (स्वादि प्रेर०) प्रकट करना ।

ਪ੍ਰਗਤੀ प्रग्ती Pragti [3] स्त्री०
प्रगति (स्त्री०) प्रगति, उन्नति ।

ਪ੍ਰਗੂੜ੍ਹ प्रगूढ़् Pragūṛh [3] वि०
प्रगूढ (वि०) प्रगूढ़, अधिक गहरा; गुप्त ।

ਪ੍ਰਚਲਿਤ प्रच्लित् Praclit [3] वि०
प्रचलित (वि०) प्रचलित, चालू ।

ਪ੍ਰਚਾਰ प्रचार् Pracar [3] पुं०
प्रचार (पुं०) प्रचार, किसी वस्तु का निरन्तर उपयोग में आना ।

ਪ੍ਰਚਾਰਕ प्रचारक Pracarak [3] पुं०
प्रचारक (वि०) प्रचारक, प्रचार करने वाला।

ਪ੍ਰਚਾਰਕਾ प्रचार्का Pracarka [3] स्त्री०
प्रचारिका (स्त्री०) प्रचार करने वाली।

ਪ੍ਰਚੰਡ प्रचण्ड् Pracand [3] वि०
प्रचण्ड (वि०) प्रचण्ड, प्रखर; बलवान्; तेजस्वी।

ਪ੍ਰਚੰਡਤਾ प्रचण्डता Pracandata [3] स्त्री०
प्रचण्डता (स्त्री०) प्रचण्डता, प्रखरता; तेजस्विता।

ਪ੍ਰਜ੍ਵਲਿਤ प्रज्वलित् Prajvalit [3] वि०
प्रज्वलित (वि०) प्रज्वलित, आग की लपट से युक्त।

ਪ੍ਰਣਾਮ प्रणाम् Pranam [3] पुं०
प्रणाम (पुं०) प्रणाम, नमस्कार, नमन।

ਪ੍ਰਣਾਲੀ प्रणाली Pranali [3] स्त्री०
प्रनाडी / प्रणाली (स्त्री०) छोटी नाली; रीति-रिवाज।

ਪ੍ਰਤੱਖ प्रतक्ख् Pratakkh [3] क्रि० वि०
प्रत्यक्ष (क्रि० वि०) प्रत्यक्ष, आँखों के सामने।

ਪ੍ਰਤਯਾਹਾਰ प्रत्याहार् Pratyahar [3] पुं०
प्रत्याहार (पुं०) प्रत्याहार, योग के आठ अंगों में से एक अंग।

ਪ੍ਰਤਿ प्रति Prati [3] अ०
प्रति (अ०) प्रति, ओर, तरफ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾ प्रतिष्ठा Pratistha [3] स्त्री०
प्रतिष्ठा (स्त्री०) प्रतिष्ठा, मान।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾਵਾਨ प्रतिष्ठावान् Pratisthavan [3] पुं०
प्रतिष्ठावत् (वि०) प्रतिष्ठावान्, इज्जतदार।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਿਤ प्रतिष्ठित् Pratisthit [3] वि०
प्रतिष्ठित (वि०) प्रतिष्ठित, सम्मानित।

ਪ੍ਰਤਿਗਿਆ प्रतिगिआ Pratigia [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रतिज्ञा, प्रण, दृढ़ संकल्प; भरोसा, विश्वास।

ਪ੍ਰਤਿਗਿਆ-ਪੱਤਰ प्रतिगिआ-पत्तर् Pratigia-Pattar [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा-पत्र (नपु०) प्रतिज्ञा-पत्र, शपथ-पत्र।

ਪ੍ਰਤਿਦ੍ਵੰਦੀ प्रतिद्वन्दी Pratidvandi [3] पुं०
प्रतिद्वन्द्विन् (वि०) प्रतिद्वन्द्वी, विरोधी।

ਪ੍ਰਤਿਧੁਨੀ प्रतिधुनी Pratidhuni [3] स्त्री०
प्रतिध्वनि (पुं०) प्रतिध्वनि, गूँज।

ਪ੍ਰਤਿਨਿਧ प्रतिनिध् Pratinidh [3] पुं०
प्रतिनिधि (पुं०) प्रतिनिधि, वह व्यक्ति जो दूसरे के बदले काम करने के लिये नियुक्त किया जाय।

ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ प्रतिपाल Pratipal [3] वि०
प्रतिपाल (वि०) प्रतिपाल, प्रतिपालन करने वाला।

ਪ੍ਰਤਿਪਾਲਣਾ प्रतिपाल्णा Pratipalṇa [3] स्त्री०
प्रतिपालना (स्त्री०) प्रतिपालन, पालन करने का भाव।

ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬ प्रतिबिम्ब् Pratibimb [3] पुं०
प्रतिबिम्ब (पुं०, नपुं०) प्रतिबिम्ब, प्रतिच्छाया।

ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬਤ प्रतिबिम्बत् Pratibimbat [3] वि०
प्रतिबिम्बित (वि०) प्रतिबिम्बित, जिसकी छाया पड़ती हो; जिसका आभास होता है।

ਪ੍ਰਤਿਬੰਧ प्रतिबन्ध् Pratibandh [3] पुं०
प्रतिबन्ध (पुं०) प्रतिबन्ध, बाधा, रुकावट।

ਪ੍ਰਤਿਮਾ प्रतिमा Pratima [3] स्त्री०
प्रतिमा (स्त्री०) प्रतिमा, मूर्ति, अनुकृति, चित्र।

ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਤਾ प्रतियोग्ता Pratiyogta [3] स्त्री०
प्रतियोगिता (स्त्री०) प्रतियोगिता, प्रतिस्पर्धा, होड़।

ਪ੍ਰਤੀਖਿਆ प्रतिखीआ Pratikhia [3] स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजार।

ਪ੍ਰਤੀਤ प्रतीत् Pratit [3] पुं०
प्रतीति (स्त्री०) प्रतीति, विश्वास, भरोसा।

ਪ੍ਰਤੀਤਮਾਨ प्रतीत्मान् Pratitman [3] वि०
प्रतीतिमत् (वि०) प्रतीतिमान्, विश्वसनीय।

ਪ੍ਰਥਮ प्रथम् Pratham [3] वि०
प्रथम (वि०) प्रथम, पहला।

ਪ੍ਰਥਾ प्रथा Pratha [3] स्त्री०
प्रथा (स्त्री०) प्रथा, परम्परा, रीति।

ਪ੍ਰਦੱਖਣਾ प्रदक्खणा Pradakkhaṇa [3] स्त्री०
प्रदक्षिणा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, परिक्रमा, फेरी।

ਪ੍ਰਦੱਛਣਾ प्रदच्छणा Pradacchaṇa [3] स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਦੱਖਣਾ।

ਪ੍ਰਦੀਪ प्रदीप् Pradip [3] पुं०
प्रदीप (पुं०) प्रदीप, दीपक।

ਪ੍ਰਦੀਪਤ प्रदीपत् Pradipat [3] वि०
प्रदीप्त (वि०) प्रदीप्त, जगमगाता हुआ।

ਪ੍ਰਦੇਸ਼ प्रदेश् Prades [3] पुं०
प्रदेश (पुं०) प्रदेश, राज्य।

ਪ੍ਰਧਾਨ प्रधान् Pradhan [3] वि०
प्रधान (वि०) प्रधान, मुख्य।

ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ प्रधान्गी Pradhangi [3] स्त्री०
प्रधानता (स्त्री०) मुख्यता, अध्यक्षता।

ਪ੍ਰਧਾਨਤਾ प्रधान्ता Pradhanta [3] स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ।

ਪ੍ਰਪੰਚ प्रपंच् Prapañc [3] पुं०
प्रपञ्च (पुं०) प्रपंच; जाल, धोखा।

ਪ੍ਰਪੰਚੀ प्रपंची Prapañci [3] पुं०
प्रपञ्चिन् (वि०) प्रपंची, कपटी, धोखेबाज ।

ਪ੍ਰਫੁੱਲਤ प्रफुल्लत् Praphullat [3] वि०
प्रफुल्लित (वि०) प्रफुल्लित, प्रसन्न, आनन्दित ।

ਪ੍ਰਫੁੱਲਤਾ प्रफुल्लता Praphullata [3] स्त्री०
प्रफुल्लता (स्त्री०) प्रफुल्लता, प्रसन्नता।

ਪ੍ਰਬਲ प्रबल् Prabal [3] वि०
प्रबल (वि०) प्रबल, बलशाली ।

ਪ੍ਰਬਲਤਾ प्रबल्ता Prabalta [3] स्त्री०
प्रबलता (स्त्री०) प्रबलता, दृढ़ता ।

ਪ੍ਰਬੀਣ प्रबीण् Prabīṇ [3] वि०
प्रवीण (वि०) प्रवीण, निपुण, चतुर।

ਪ੍ਰਬੀਣਤਾ प्रबीण्ता Prabīṇta [3] स्त्री०
प्रवीणता (स्त्री०) प्रवीणता, चतुराई, कुशलता ।

ਪ੍ਰਬੁੱਧ प्रबुद्ध् Prabuddh [3] वि०
प्रबुद्ध (वि०) प्रबुद्ध, जाग्रत; ज्ञानी ।

ਪ੍ਰਬੁੱਧਤਾ प्रबुद्धता Prabuddhata [3] स्त्री०
प्रबुद्धता (स्त्री०) प्रबुद्धता, जागरूकता, ज्ञान ।

ਪ੍ਰਬੋਧ प्रबोध् Prabodh [3] पुं०
प्रबोध (पुं०) प्रबोध, ज्ञान ।

ਪ੍ਰਬੋਧਣਾ प्रबोध्णा Prabodhṇa [3] सक० क्रि०
प्रबोधयति (भ्वादि प्रेर०) जगाना; ज्ञान देना, प्रकाशित करना ।

ਪ੍ਰਬੰਧ प्रबन्ध् Prabandh [3] पुं०
प्रबन्ध (पुं०) प्रबन्ध, इन्तजाम; उपाय ।

ਪ੍ਰਬੰਧਕ प्रबन्धक् Prabandhak [3] पुं०
प्रबन्धक (वि०) प्रबन्धक, व्यवस्थापक ।

ਪ੍ਰਭ प्रभ् Prabh [2] पुं०
प्रभु (पुं०) ईश्वर, ब्रह्म ।

ਪ੍ਰਭਾ प्रभा Prabhā [3] स्त्री०
प्रभा (स्त्री०) प्रभा, ज्योति, चमक ।

ਪ੍ਰਭਾਉ प्रभाउ Prabhāu [1] पुं०
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर ।

ਪ੍ਰਭਾਕਰ प्रभाकर् Prabhākar [3] पुं०
प्रभाकर (पुं०) प्रभाकर, सूर्य ।

ਪ੍ਰਭਾਤ प्रभात् Prabhāt [3] पुं०
प्रभात (नपुं०) प्रभात, सबेरा ।

ਪ੍ਰਭਾਤੀ प्रभाती Prabhātī [3] वि०
प्रभातीय (वि०) प्रभाती राग; प्रभात से संबन्धित।

ਪ੍ਰਭਾਵ प्रभाव् Prabhāv [3] पुं०
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर।

ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ प्रभाव्शाली Prabhāvśālī [3] पुं०
प्रभावशालिन् (वि०) प्रभावशाली, प्रभाव वाला।

ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ੀਲ प्रभाव्शील् Prabhāvśīl [3] वि०
प्रभावशील (वि०) प्रभावशील, प्रभावी।

ਪ੍ਰਭਾਵਕ प्रभावक् Prabhāvak [3] पुं०
प्रभावक (वि०) प्रभावक, प्रभाव वाला, प्रभावी।

ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ प्रभावित् Prabhāvit [3] वि०
प्रभावित (वि०) प्रभावित, प्रभाव से युक्त या आकृष्ट।

ਪ੍ਰਭੁਤਾ प्रभुता Prabhutā [3] स्त्री०
प्रभुता (स्त्री०) प्रभु का भाव, स्वामित्व, मालिकपन।

ਪ੍ਰਭੂ प्रभू Prabhū [3] पुं०
प्रभु (पुं०) प्रभु, स्वामी, मालिक।

ਪ੍ਰਮਾਣ प्रमाण् Pramāṇ [3] पुं०
प्रमाण (वि०) तुल्य, समान; प्रमाण, सबूत।

ਪ੍ਰਮਾਣਕ प्रमाणक् Pramāṇak [3] वि०
प्रामाणिक (वि०) प्रामाणिक, प्रमाण-युक्त।

ਪ੍ਰਮਾਣਕਤਾ प्रमाणक्ता Pramāṇakta [3] स्त्री०
प्रामाणिकता (स्त्री०) प्रामाणिकता, प्रमाण।

ਪ੍ਰਮਾਣ-ਪੱਤਰ प्रमाण्-पत्तर् Pramāṇ-Pattar [3] पुं०
प्रमाणपत्र (नपुं०) प्रमाणपत्र, वह लिखा हुआ कागज जिसका लेख किसी बात का प्रमाण हो।

ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ प्रमाणित् Pramāṇit [3] वि०
प्रमाणित (वि०) प्रमाणित, प्रमाण-युक्त।

ਪ੍ਰਮੁੱਖ प्रमुक्ख् Pramukkh [3] वि०
प्रमुख (वि०) प्रमुख, मुख्य।

ਪ੍ਰਮੋਦ प्रमोद् Pramod [3] पुं०
प्रमोद (पुं०) प्रमोद, आनन्द।

ਪ੍ਰਯਤਨ प्रयत्न Prayatn [3] पुं०
प्रयत्न (नपुं०) प्रयत्न, प्रयास, कोशिश।

ਪ੍ਰਯਤਨਸ਼ੀਲ प्रयतनशील् Prayatanśīl [3] पुं०
प्रयत्नशील (वि०) प्रयत्नशील, यत्नवान्।

ਪ੍ਰਯੁਕਤ प्रयुकत् Prayukat [3] वि०
प्रयुक्त (वि०) प्रयुक्त, व्यवहार में लाया हुआ।

ਪ੍ਰਯੋਗ प्रयोग् Prayog [3] पुं०
प्रयोग (पुं०) प्रयोग, व्यवहार ।

ਪ੍ਰਯੋਗ-ਸ਼ਾਲਾ प्रयोग्-शाला Prayog-Śala [3] स्त्री०
प्रयोगशाला (स्त्री०) प्रयोगशाला ।

ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ੀਲਤਾ प्रयोग्शील्ता Prayogśilta [3] स्त्री०
प्रयोगशीलता (स्त्री०) प्रयोगशीलता ।

ਪ੍ਰਯੋਗਕ प्रयोगक् Prayogak [3] पुं०
प्रयोगिन् (वि०) प्रयोगी, प्रयोग कर्ता ।

ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦ प्रयोग्वाद् Prayogvād [3] पुं०
प्रयोगवाद (पुं०) प्रयोगवाद ।

ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦੀ प्रयोग्वादी Prayogvādī [3] पुं०
प्रयोगवादिन् (वि०) प्रयोगवादी ।

ਪ੍ਰਯੋਜਨ प्रयोजन् Prayojan [3] पुं०
प्रयोजन (नपुं०) प्रयोजन, उद्देश्य; अपेक्षा ।

ਪ੍ਰਯੋਜਨੀ प्रयोज्नी Prayojnī [3] वि०
प्रयोजनीय (वि०) प्रयोजनीय, व्यवहरणीय ।

ਪ੍ਰਯੰਤ प्रयन्त् Prayant [3] अ०
पर्यन्तम् (अ०) पर्यन्त, तक ।

ਪ੍ਰਲਾਪ प्रलाप् Pralāp [3] पुं०
प्रलाप (पुं०) व्यर्थ की बकवाद, अनाप-शनाप बातचीत ।

ਪ੍ਰਲਾਪਕ प्रलापक् Pralāpak [3] वि०
प्रलापीय / प्रलाप्यक (वि०) प्रलाप की बात ।

ਪ੍ਰਲਾਪੀ प्रलापी Pralāpī [3] पुं०
प्रलापिन् (वि०) प्रलापी, प्रलाप करने वाला ।

ਪ੍ਰਲੈ प्रलै Pralai [3] स्त्री०
प्रलय (पुं०) प्रलय, सृष्टि का अन्त ।

ਪ੍ਰਲੈਕਾਰੀ प्रलैकारी Pralaikārī [3] पुं०
प्रलयकारिन् (वि०) प्रलयकारी, नाश करने वाला ।

ਪ੍ਰਲੋਭ प्रलोभ् Pralobh [3] पुं०
प्रलोभ (पुं०) प्रलोभन, लालच ।

ਪ੍ਰਲੋਭਨ प्रलोभन् Pralobhan [3] पुं०
प्रलोभन (नपुं०) प्रलोभन, लालच ।

ਪ੍ਰਵਕਤਾ प्रवक्ता Pravaktā [3] पुं०
प्रवक्तृ (वि०) प्रवक्ता, बोलने वाला ।

ਪ੍ਰਵਾਸ प्रवास् Pravās [3] पुं०
प्रवास (पुं०) प्रवास, परदेश में निवास ।

ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟ प्रविशट् Praviśaṭ [3] वि०
प्रविष्ट (वि०) घुसा हुआ, संलग्न ।

ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ प्रविर्ती Pravirtī [3] स्त्री०
प्रवृत्ति (स्त्री०) प्रवृत्ति, रुचि ।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ प्रवेश् Praveś [3] पुं०
प्रवेश (पुं०) पहुँच, पैठ, द्वार; किसी विषय की जानकारी।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਕ प्रवेशक् Praveśak [3] पुं०
प्रवेशक (वि०) प्रवेशक, प्रवेश करने वाला व्यक्ति।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼-ਪੱਤਰ प्रवेश्-पत्तर् Praveś-Pattar [3] पुं०
प्रवेशपत्र (नपुं०) प्रवेश-पत्र।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਿਕਾ प्रवेशिका Praveśikā [3] स्त्री०
प्रवेशिका (स्त्री०) प्राक्कथन, पुरोवाक्।

ਪ੍ਰਾਇਦੀਪ प्राय्दीप् Prāydīp [3] पुं०
प्रायद्वीप (नपुं०, पुं०) प्रायद्वीप, जिसके तीन ओर पानी तथा एक ओर स्थल हो।

ਪ੍ਰਾਸ਼ਚਿਤ प्राश्चित् Prāścit [3] पुं०
प्रायश्चित्त (नपुं०) प्रायश्चित्त, पश्चाताप।

ਪ੍ਰਾਕ प्राक् Prāk [3] वि०
प्राक् (प्राच्) (वि०) पहले का, पहला।

ਪ੍ਰਾਕਥਨ प्राकथन् Prākathan [3] पुं०
प्राक्कथन (नपुं०) प्राक्कथन, भूमिका, पुरोवाक्।

ਪ੍ਰਾਕਿਰਤਕ प्राकिर्तक् Prākirtak [3] वि०
प्राकृतिक (वि०) प्राकृतिक, स्वाभाविक।

ਪ੍ਰਾਚੀਨ प्राचीन् Prācīn [3] वि०
प्राचीन (वि०) प्राचीन, पुराना।

ਪ੍ਰਾਣ प्राण् Prāṇ [3] पुं०
प्राण (पुं० बहुव०) प्राण, साँस, प्राणवायु।

ਪ੍ਰਾਣ-ਪਤੀ प्राण्-पती Prāṇ-Pati [3] पुं०
प्राणपति (पुं०) प्राणपति, प्राणनाथ।

ਪ੍ਰਾਣਾਯਾਮ प्राणायाम् Prāṇāyām [3] पुं०
प्राणायाम (पुं०) प्राणायाम, साँस को रोकने की प्रक्रिया।

ਪ੍ਰਾਤਾਕਾਲ प्राताकाल् Prātākāl [3] पुं०
प्रातःकाल (पुं०) प्रातः काल, सवेरे।

ਪ੍ਰਾਦੇਸ਼ਿਕ प्रादेशिक् Prādeśik [3] वि०
प्रादेशिक (वि०) प्रादेशिक, प्रदेश-सम्बन्धी।

ਪ੍ਰਾਪਕ प्रापक् Prāpak [3] पुं०
प्रापक (वि०) प्रापक, प्राप्त-कर्ता।

ਪ੍ਰਾਪਤ प्रापत् Prāpat [3] वि०
प्राप्त (वि०) प्राप्त, उपलब्ध।

ਪ੍ਰਾਪਤੀ प्राप्ती Prāptī [3] स्त्री०
प्राप्ति (स्त्री०) प्राप्ति, लाभ।

ਪ੍ਰਾਰਥਕ प्रार्थक् Prārthak [3] पुं०
प्रार्थक (वि०) प्रार्थी, याचक।

ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ प्रार्थना Prārthanā [3] स्त्री०
प्रार्थना (स्त्री०) प्रार्थना, विनय।

ਪ੍ਰਾਰਬਧ प्रारबध् Prarabadh [3] स्त्री०
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य ।

ਪ੍ਰਾਰੰਭ प्रारम्भ् Prarambh [3] पुं०
प्रारम्भ (पुं०) प्रारम्भ, आरम्भ ।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਕ प्रारम्भक् Prārambhak [3] वि०
प्रारम्भिक (वि०) प्रारम्भिक, आरम्भ का ।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਣਾ प्रारम्भणा Prārambhaṇā [3] सक० क्रि०
प्रारम्भते (भ्वादि सक०) प्रारम्भ करना, शुरू करना ।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਿਕ प्रारम्भिक् Prārambhik [3] वि०
प्रारम्भिक (वि०) प्रारम्भ में होने वाला ।

ਪ੍ਰਾਲਬਧ प्रालबध् Pralabadh [3] स्त्री०
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य ।

ਪ੍ਰਿਅ प्रिअ Pria [3] वि०/पुं०
प्रिय (वि० / पुं०) वि०—प्रिय, इष्ट, अभिलषित । पुं०—प्रेमी; पति ।

ਪ੍ਰਿਆ प्रिआ Priā [3] स्त्री०
प्रिया (स्त्री०) प्रिया, प्रेमिका ।

ਪ੍ਰਿਸ਼ਠਭੂਮੀ प्रिशठ्भूमी Priṣaṭhbhūmī [3] स्त्री०
पृष्ठभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, आधार ।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲ प्रित्पाल् Pritpal [3] पुं०
प्रतिपाल (वि०) प्रतिपालक, रक्षक ।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਕ प्रित्पालक् Pritpalak [3] पुं०
प्रतिपालक (वि०) पालन करने वाला, रक्षक ।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਣਾ प्रित्पालणा Pritpalṇa [3] पुं०
प्रतिपालन (नपुं०) प्रतिपालन, रक्षा ।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਾ प्रित्पाला Pritpala [3] पुं०
प्रतिपाल (पुं०) प्रतिपालक, रक्षक ।

ਪ੍ਰਿਥਕ प्रिथक् Prithak [5] क्रि० वि०
पृथक् (अ०) पृथक् अलग ।

ਪ੍ਰਿਥਵੀ प्रिथ्वी Prithvī [3] स्त्री०
पृथवी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती ।

ਪ੍ਰਿਥਵੀਪਾਲ प्रिथ्वीपाल् Prithvīpal [3] पुं०
पृथवीपाल (पुं०) पृथ्वीपाल, राजा ।

ਪ੍ਰਿਥੀਪਾਲ प्रिथीपाल् Prithīpal [3] पुं०
पृथ्वीपाल (पुं०) पृथ्वीपाल, भूपाल, राजा ।

ਪ੍ਰੀਤ प्रीत् Prīt [3] स्त्री०
प्रीति (स्त्री०) प्रीति, प्रेम ।

ਪ੍ਰੀਤਮ प्रीतम् Prītam [3] पुं०
प्रियतम (वि० / पु०) वि०—प्रियतम, सबसे प्रिय । पुं०—पति ।

ਪ੍ਰੀਤਮਾ प्रीत्मा Prītmā [3] स्त्री०
प्रियतमा (स्त्री०) प्रियतमा, सबसे अधिक प्रिय; भार्या पत्नी ।

ਪ੍ਰੀਤਵਾਨ प्रीतवान् Pritvan [3] पुं०
प्रीतिमत् (वि०) प्रेम रखने वाला, प्रेमी।

ਪ੍ਰੀਤਵੰਤ प्रीत्वन्त् Pritvant [3] वि०
प्रीतिमत् (वि०) प्रीतिमान्, प्रेमपूर्ण।

ਪ੍ਰੀਤੀ प्रीती Priti [3] स्त्री०
प्रीति (स्त्री०) प्रेम, रुचि।

ਪ੍ਰੇਤਜੂਨ प्रेत्जून् Pretjūn [3] स्त्री०
प्रेतयोनि (स्त्री०) प्रेत-योनि, भूत-योनि।

ਪ੍ਰੇਤਤਾ प्रेत्ता Prettā [3] स्त्री०
प्रेतता (स्त्री०) प्रेत होने का भाव या कर्म।

ਪ੍ਰੇਤਪੁਣਾ प्रेत्पुणा Pretpuṇa [3] पुं०
प्रेतपण (पुं०) प्रेत होने का भाव।

ਪ੍ਰੇਮ प्रेम् Prem [3] पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, प्रीति।

ਪ੍ਰੇਮਕਾ प्रेम्का Premkā [3] स्त्री०
प्रेमिका (स्त्री०) प्रेमिका, प्रियतमा; पत्नी।

ਪ੍ਰੇਮਣ प्रेमण् Premaṇ [3] स्त्री०
प्रेमिणी (स्त्री०) प्रेमिणी, प्रेमिका।

ਪ੍ਰੇਮ-ਪਾਤਰ प्रेम्-पातर Prem Patar [3] वि०
प्रेमपात्र (नपुं०) प्रेम-पात्र।

ਪ੍ਰੇਮੀ प्रेमी Premi [3] पुं०
प्रेमिन् (वि०) प्रेमी, प्रेम करने वाला।

ਪ੍ਰੇਰਕ प्रेरक् Prerak [3] पुं०
प्रेरक (वि०) प्रेरक, प्रेरणा देने वाला।

ਪ੍ਰੇਰਣਾ प्रेर्णा Prerṇa [3] स्त्री०
प्रेरणा (स्त्री०) प्रेरणा, किसी को किसी कार्य में प्रवृत्त करने का भाव, उत्तेजित करने का भाव।

ਪ੍ਰੇਰਿਤ प्रेरित् Prerit [3] वि०
प्रेरित (वि०) प्रेरित, प्रेरणा-प्राप्त।

ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਨ प्रोत्साहन् Protsāhan [3] पुं०
प्रोत्साहन (नपुं०) प्रोत्साहन, अतिशय उत्साह।

ਪ੍ਰੌਢ प्रौढ् Prauḍh [3] पुं०
प्रौढ (वि०) प्रौढ; वृद्ध; निपुण।

ਪ੍ਰੌਢਤਾ प्रौढ्ता Prauḍhtā [3] स्त्री०
प्रौढता (स्त्री०) प्रौढता; वृद्धता; निपुणता।

ਫ

ਫਸਣਾ फस्णा Phasṇā [3] अक० क्रि०
स्पश्यते (भ्वादि कर्मवा०) फँसना, बँधना।

ਫਸਾਉਣਾ फसाउणा Phasāuṇā [3] सक० क्रि०
पाशयति (चुरादि० सक०) फँसाना, जाल में डालना।

ਫਹਾਉਣਾ फहाउणा Phahauṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਫਾਹੁਣਾ।

ਫਗਵਾੜਾ फग्वाड़ा Phagvāṛā [1] पुं०
फल्गु (स्त्री०) गूलर, वृक्ष-विशेष ।

ਫਗਵਾੜੀ फग्वाड़ी Phagvāṛī [1] स्त्री०
द्र० — ਫਗਵਾੜਾ ।

ਫਗੂੜਾ फगूड़ा Phagūṛā [2] पुं०
फल्गु (स्त्री०) गूलर, एक वृक्ष का फल ।

ਫੱਗਣ फग्गण् Phaggaṇ [3] पुं०
फाल्गुन (पुं०) फागुन मास, फरवरी-मार्च का समय ।

ਫਟਕ फटक् Phaṭak [1] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक मणि, बिल्लौर ।

ਫਟਕਣਾ फटक्णा Phaṭakṇā [3] अक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि सक०) फटकना, शूप आदि से अनाज को साफ करना; ओसाना; फड़-फड़ाना; पंखा झलना ।

ਫਟਕੜੀ फट्कड़ी Phaṭkaṛī [2] स्त्री०
स्फटिका (स्त्री०) फिटकिरी ।

ਫਟਕਾਰਣਾ फट्कार्णा Phaṭkārṇā [3] सक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि सक०) फटकारना; हिलाना, ओसाना ।

ਫਟਣਾ फट्णा Phaṭṇā [3] अक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि अक०) फटना, विभक्त होना ।

ਫੱਟ फट्ट् Phaṭṭ [3] पुं०
स्फाट (पुं०) फूटने का भाव, फाट; घाव फोड़ा ।

ਫਣ फण् Phaṇ [3] स्त्री०
फण (पुं०) साँप का फन ।

ਫਣੀ फणी Phaṇī [3] पुं०
फणिन् (पुं०) फनवाला साँप ।

ਫਨ फन् Phan [1] पुं०
द्र० — ਫਣ ।

ਫਨੀਅਰ फनिअर् Phaniar [3] पुं०
फणिन् (पुं०) फणी, फन वाला साँप ।

ਫਫੋਲਾ फफोला Phaphola [3] पुं०
प्रस्फोट (पुं०) फफोला, छाला ।

ਫਰ फर् Phar [3] पुं०
फलक (नपुं०) कन्धे की हड्डी, स्कन्धास्थि ।

ਫਰਸਾ फर्सा Pharsā [3] पुं०
परशु (पुं०) फरसा, कुल्हाड़ा ।

ਫਰਕਣਾ फरक्णा Pharakṇā [3] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) फड़कना, स्फुरित होना, स्पन्दित होना ।

ਫਰਾਹਾ फराहा Pharāhā [3] पुं०
स्पाश (पुं०) बन्धन, जाल, फन्दा ।

ਫਰਾਹੀ फराही Pharāhī [3] स्त्री०
द्र० — ਫਰਾਹਾ ।

ਫਰੀ फरी Pharī [3] स्त्री०
फलक (नपुं०) ढाल, फरी, रक्षक वस्तु।

ਫਰੂਹਾ फरूहा Pharūha [3] पुं०
परुष (वि०) चितकबरा वस्त्र आदि।

ਫੜ੍ਹ फड़्ह् Pharh [3] स्त्री०
द्र०—ਫਰੀ।

ਫੜ੍ਹਾ फड़्हा Pharha [3] पुं०
फल (नपुं०) किसी शस्त्र की धार, तीर आदि का नोक।

ਫੜ੍ਹੀ फड़्ही Pharhi [3] स्त्री०
द्र०—ਫਰੀ।

ਫਲ फल् Phal [3] पुं०
फल (नपुं०) हथियार की धार या नोक।

ਫਲ਼ फळ Phaḷ [3] पुं०
फल (नपुं०) वृक्ष का फल; परिणाम; कर्मों का फल।

ਫਲ਼ਣਾ फळ्ना Phaḷna [3] अक० क्रि०
फलति (भ्वादि अक०) फलना; सफल होना।

ਫਲਵਾਨ फल्वान् Phalvān [1] पुं०
फलवत् (फलवान्) (पुं०) फलदार वृक्ष।

ਫਲਾਇਰ फलाइर् Phalāir [1] स्त्री०
द्र०—ਫਲਾਹਾਰ।

ਫਲਾਹਰ फलाहर् Phalāhar [1] स्त्री०
द्र०—ਫਲਾਹਾਰ।

ਫਲਾਹਲ फलाहल् Phalāhal [1] स्त्री०
द्र०—ਫਲਾਹਾਰ।

ਫਲਾਹਾਰ फलाहार् Phalāhār [3] स्त्री०
फलाहार (पुं०) फलों का भोजन, व्रतादि में खाद्यफल, फलों का आहार।

ਫਲੀ फली Phalī [3] स्त्री०
फल (पुं०) फली, मटर, सेम, सरसों इत्यादि की फली जिसके अन्दर दाने हों।

ਫਲੀਰਾ फलीरा Phalīra [3] पुं०
स्फाल (पुं०) हल की फाल।

ਫਲੀਰੀ फलीरी Phalīrī [2] स्त्री०
द्र०—ਫਲੀਰਾ।

ਫਲੋਹਾਰ फलोहार् Phalohār [3] पुं०
द्र०—ਫਲਾਹਾਰ।

ਫਲੋਹਾਰੀ फलोहारी Phalohārī [3] पुं०
फलाहारिन् (वि०) फलाहारी।

ਫਲੌਰੀ फलौरी Phalaurī [3] स्त्री०
फुल्लपूर (पुं०) फुलौरी, फूली हुई बड़ी।

ਫਲ੍ਹਾ फल्हा Phalhā [3] पुं०
फलक (नपुं०) तख्ता, पट्ट, पट्टी।

ਫੜਕਣਾ फड़कणा Pharakṇa [3] **अक० क्रि०**
स्फुरति (तुदादि अक०) फड़कना।

ਫਾਉਣਾ फाउणा Phauṇa [3] **सक० क्रि०**
पाशयति (चुरादि सक०) फाँसना, बाधा में डालना, उलझाना।

ਫਾਂਸੀ फाँसी Phāsī [3] **स्त्री०**
स्पाश/पाश (पुं०) फाँसी, फाँस, फन्दा।

ਫਾਹ फाह् Phah [3] **पुं०**
पाश (पुं०) फाँसी, फाँस, फन्दा।

ਫਾਹਣਾ फाह्णा Phahṇa [3] **सक० क्रि०**
पाशयति (चुरादि सक०) बाँधना, फँसाना।

ਫਾਹਾ फाहा Phaha [3] **पुं०**
स्पाश/पाश (पुं०) फाँस, बन्धन, जाल।

ਫਾਹੀ फाही Phahī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਫਾਹਾ।

ਫਾਹੁਣਾ फाहुणा Phahuṇa [3] **क्रि०**
द्र०—ਫਾਹਣਾ।

ਫਾਗ[1] फाग् Phag [3] **स्त्री०**
फल्गु (स्त्री०) फगुआ, फाग, वसन्त ऋतु।

ਫਾਗ[2] फाग् Phag [2] **पुं०**
फल्गु (पुं०) गूलर/अंजीर का वृक्ष।

ਫਾਂਟ फाँट् Phāṭ [3] **पुं०**
फाण्ट (पुं०) फटने अथवा टुकड़े-टुकड़े होने का भाव, विभाग।

ਫਾਟਣਾ फाट्णा Phaṭṇa [2] **सक० क्रि०**
स्फटयते (भ्वादि कर्मवा०) फटना, विदीर्ण होना।

ਫਾਂਧਣ फाँधण् Phādhaṇ [1] **स्त्री०**
द्र०—ਫਾਂਧੀ।

ਫਾਂਧੀ फाँधी Phādhi [3] **पुं०**
स्पाशिन् / पाशिन् (पुं०) बहेलिया, चिड़ीमार।

ਫਾਲਾ फाला Phala [3] **पुं०**
फाल (नपुं०, पुं०) हल का नुकीला लोहा, जिससे जमीन खुदती है, कुसी।

ਫਾਲੀ फाली Phali [3] **स्त्री०**
द्र०—ਫਾਲਾ।

ਫਾੜਨਾ फाड़्णा Pharṇa [3] **सक० क्रि०**
स्फाटयति (भ्वादि प्रेर०) फाड़ना, विदीर्ण करना।

ਫਿਟਕਾਰ फिट्कार् Phiṭkar [3] **पुं०**
फेटकार (पुं०) फटकार, डाँट।

ਫੀਲਪਾ फीलपा Philpa [3] **पुं०**
श्लीपद (पुं०) एक रोग जिसमें पैर भारी हो जाता है, फीलपाँव रोग।

ਫੁਕਾਰ फुकार् Phukar [3] **स्त्री०**
फूत्कार (पुं०) फूत्कार, फुंकार।

ਫੁੰਕਾਰ फुंकार् Phuṅkar [3] **स्त्री०**
फूत्कार (पुं०) फूँफकार, फुंकार।

ਫੁਕਾਰਣਾ फुकारणा Phukarna [1] क्रि०
द्र०—फੂਕਾਰਣਾ ।

ਫੁੰਕਾਰਣਾ फुंकार्णा Phunkarna [3] पुं०
फूत्करण (नपुं०) शंखादि फूंकने या बजाने का भाव ।

ਫੁਕਾਰਾ फुकारा Phukara [1] पुं०
फूत्कार (पुं०) साँप का फुत्कार, फुंकार ।

ਫੁਟਾਰ फुटार् Phutar [1] स्त्री०
स्फोट (पुं०) दरार ।

ਫੁਟਾਲ फुटाल् Phutal [1] पुं०
द्र०—ਫੁਟਾਰ ।

ਫੁਟਾੜ फुटाड़् Phutar [1] स्त्री०
द्र०—ਫੁਟਾਰ ।

ਫੁੱਟਣਾ फुट्ट्णा Phuttna [3] अक० क्रि०
स्फुटति (तुदादि अक०) फूटना, स्फुटित होना ।

ਫੁਰਕਣਾ फुरक्णा Phurakna [2] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) अंगादि का फड़कना, स्फुरण होना ।

ਫੁਰਨਾ फुर्ना Phurna [3] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) सूझना, स्फुरित होना ।

ਫੁਲਵਾੜ फुल्वाड़् Phulvar [1] स्त्री०
फुल्लवाटी (स्त्री०) फुल्लवाड़ी, पुष्पोद्यान ।

ਫੁਲਵਾੜੀ फुल्वाड़ी Phulvari [3] स्त्री०
फुल्लवाटी (स्त्री०) पुष्पोद्यान, फूलों का बाग ।

ਫੁਲਾ फुला Phula [3] पुं०
फुल्लन (नपुं०) फूलने का भाव, फुलाव ।

ਫੁਲਾਉ फुलाउ Phulau [3] पुं०
द्र०—ਫੁਲਾ ।

ਫੁਲਾਉਣਾ फुलाउणा Phulauna [3] सक० क्रि०
फुल्लयति (भ्वादि प्रेर०) फुलाना ।

ਫੁਲਾਣਾ फुलाणा Phulana [3] सक० क्रि०
द्र०—ਫੁਲਾਉਣਾ ।

ਫੁਲੇਲ फुलेल् Phulel [3] पुं०
फुल्लतैल (नपुं०) सुगन्धित तेल-विशेष, तेल-फुलेल ।

ਫੁਲੇਲਣ फुलेलण् Phulelan [3] स्त्री०
फुल्लतैलिनी (स्त्री०) सुगन्धित तेल बेचने वाली ।

ਫੁਲੇਲੀ फुलेली Phuleli [3] पुं०
फुल्लतैलिन् (वि०) सुगन्धित तेल बेचने वाला ।

ਫੁੱਲ फुल्ल् Phull [3] पुं०
फुल्ल (नपुं०) खिला हुआ पुष्प, फूल ।

ਫੁੱਲਣਾ फुल्ल्णा Phullṇa [3] अक० क्रि०
फुल्लति (भ्वादि अक०) फूलना, विकसित होना।

ਫੂਕ फूक् Phūk [3] स्त्री०
फूत्/फूक (पुं०) फूँक।

ਫੂਕਣਾ फूक्णा Phūkṇa [3] पुं०
फूत्करण (नपुं०) फूँकना, शंख आदि बजाना।

ਫੂਟਣਾ फूट्णा Phūṭṇa [3] अक० क्रि०
स्फोटन (नपुं०) फूटना।

ਫੇਣੀ फेणी Pheṇī [3] स्त्री०
फेणिका (स्त्री०) फेणी, फेनी, सूतफेनी।

ਫੇਣੂ फेणू Pheṇū [1] वि०
फेणिल/फेनिल (वि०) फेनिल, फेन-युक्त।

ਫੇਫੜਾ फेफ्ड़ा Phephṛa [2] पुं०
फुफ्फुस (पुं०) फेफड़ा।

ਫੈਣ फैण् Phaiṇ [2] स्त्री०
फेन/फेण (पुं०) फेन, झाग।

ਫੈਲਾਉਣਾ फैलाउणा Phailāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रथयति / ते (चुरादि सक०) फैलाना, विस्तार करना।

ਫੈਲਾਰਣਾ फैलार्णा Phailārṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਫੈਲਾਉਣਾ।

ਫੋੱਲਾ फोल्ला Pholla [3] पुं०
फुल्ल (नपुं०) आँख का फूला रोग।

ਫੋੜਣਾ फोड़्णा Phoṛṇa [3] सक० क्रि०
स्फोटयति (भ्वादि प्रेर०) फोड़ना।

ਫੋੜਨਾ फोड़्ना Phoṛnā [3] पुं०
स्फोटन (नपुं०) फोड़ने का भाव।

ਫੋੜਾ फोड़ा Phoṛā [3] पुं०
स्फोट (पुं०) फोड़ा, घाव।

ਫੌਹੀ फौही Phauhī [1] पुं०
फेरु (पुं०) सियार, शृगाल।

ਫੰਘ फंघ् Phaṅgh [2] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख, पाँख।

ਫੰਦਾ फन्दा Phandā [1] पुं०
स्पाश (पुं०) फन्दा, पाश, जाल।

ਫੰਧਣਾ फन्ध्णा Phandhṇa [3] सक० क्रि०
पाशयति (चुरादि सक०) फाँसना, बाँधना।

ਫੰਧਾ फन्धा Phandhā [3] पुं०
द्र०—ਫੰਦਾ।

ਫੰਬ फंब् Phamb [1] स्त्री०
पक्ष्मन् (नपुं०) कपास या ऊन का महीन धागा।

ਫੰਭ फम्भ् Phambh [3] स्त्री०
द्र०—ਫੰਬ।

ਫੰਮ੍ਹਣ फम्म्हण् Phammhaṇ [3] पुं०
पक्ष्मन् (नपुं०) पलक, बरौनी, निमेष।

ਬ

ਬਉਰਾ बउरा Baurā [3] वि०
वातूल (वि०) बावला, पागल, वात-दोष से जिसका दिमाग खराब हो; मस्त, बेपरवाह ।

ਬਸਤਰ बस्तर् Bastar [3] पुं०
वस्त्र (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा, पोशाक ।

ਬਸਤਾ बस्ता Bastā [3] पुं०
वेष्टन (नपुं०) बेठन; बस्ता ।

ਬਸਤੀ बस्ती Basti [3] स्त्री०
वसति (स्त्री०) बस्ती, ग्राम या निवास स्थान ।

ਬਸੇਖ बसेख् Basekh [3] वि०
विशेष (पुं०) विशेष ।

ਬਸੋਆ बसोआ Basoā [3] पुं०
वर्षोदय (पुं०) वर्ष का प्रथम दिन, वर्ष का आरम्भ ।

ਬਸੰਤ बसन्त् Basant [3] स्त्री०
बसन्त (पुं०) वसन्त ऋतु ।

ਬਸੰਤ-ਰੁੱਤ बसन्त्-रुत्त् Basant-Rutt [3] स्त्री०
वसन्तर्तु (पुं०) वसन्त ऋतु ।

ਬੱਸ बस्स् Bass [2] पुं०
वश (पुं०, नपुं०) वश, अधिकार ।

ਬਹੱਤਰ बहत्तर् Bahattar [3] वि०
द्वासप्तति (स्त्री०) बहत्तर, 72 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਹਾਰੂ बहारू Bahārū [1] स्त्री०
द्र०—बुहारी ।

ਬਹਿਣਾ[1] बहिणा Bahiṇā [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) ठहरना, निवास करना, बैठना ।

ਬਹਿਣਾ[2] बहिणा Bahiṇā [3] अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) बहना, जल का बहना ।

ਬਹਿਤ੍ਰ बहित्र् Bahitr [1] पुं०
वहित्र (वि०) बोझ उठाने वाला पशु ।

ਬਹਿਨੋਈ बहिनोई Bahinoī [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहनोई, बहन का पति ।

ਬਹਿਰੂਪ बहिरूप् Bahirūp [3] पुं०
बहुरूप (नपुं०) बहुरूप, अनेक रूप बदलने का भाव, स्वाँग ।

ਬਹਿਰੂਪਿਆ बहिरूपिया Bahirūpiyā [3] पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया, बहरूपिया ।

ਬਹੀ बही Bahī [3] स्त्री०
वहिका (स्त्री०) बही-खाता, लेखा-पुस्तिका ।

ਬਹੁ बहु Bahu [3] वि०
बहु (वि०) बहुत, अधिक; बड़ा।

ਬਹੁਤ बहुत् Bahut [3] वि०
बहुत्व (नपुं०) बहुत, आधिक्य।

ਬਹੁਤਾ बहुता Bahuta [3] वि०
बहुत्व (नपुं०) बहुत, आधिक्य।

ਬਹੁਤੇਰਾ बहुतेरा Bahutera [3] वि०
बहु (वि०) बहुत, अधिक; बड़ा।

ਬਹੁਮੁੱਲਾ बहुमुल्ला Bahumulla [3] वि०
बहुमूल्य (वि०) बहुमूल्य, कीमती।

ਬਹੁਰੂਪੀਆ बहुरूपिया Bahrūpiya [3] पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया अनेकों रूप धारण करने वाला।

ਬਹੁਲਤਾ बहुल्ता Bahulta [3] स्त्री०
बहुलता (स्त्री०) बहुलता, अधिकता।

ਬਹੁਲੋ बहुलो Bahulo [1] वि०
बहुल (वि०) बहुल, अधिक।

ਬਹੁੜਨਾ बौहड़्णा Bauhṛna [3] अक० क्रि०
व्याघुटति (तुदादि अक०) बहुरना, लौटना, पहुँचना।

ਬਹੂ बहू Bahū [3] स्त्री०
वधू (स्त्री०) बहू, पुत्र की पत्नी, दुलहन।

ਬਹੇੜਾ बहेड़ा Bahera [3] पुं०
विभीतक (पुं० / नपुं०) पुं०—बहेड़े का वृक्ष। नपुं०—बहेड़ा का फल।

ਬਹੋਲਾ बहोला Bahola [2] पुं०
वाशी (स्त्री०) बसूला, बढ़ई का एक औजार।

ਬਕਬਾਦੀ बक्बादी Bakbadī [3] पुं०
वक्वन् (वि०) बहुत बोलने वाला।

ਬੱਕ बक्क् Bakk [1] स्त्री०, पुं०
वल्क (पुं०) वृक्ष की छाल।

ਬੱਕਰ बक्कर् Bakkar [1] पुं०
बर्कर (पुं०) बकरा; भेंड़ा।

ਬੱਕਰਾ बक्क्रा Bakkra [3] पुं०
बर्कर (पुं०) बकरा; भेंड़ा।

ਬੱਕਰੀ बक्क्री Bakkri [3] स्त्री०
बर्करी (स्त्री०) बकरी, भेड़।

ਬੱਕਰੂ बक्करू Bakkarū [1] पुं०
द्र०—ਬੱਕਰ।

ਬਖਾਣ बखाण् Bakhaṇ [3] पुं०
व्याख्यान (नपुं०) कथन; कथा, व्याख्यान।

ਬਖਾਣਨਾ बखाण्ना Bakhaṇna [3] क्रि०
व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्यान करना, भाषण देना।

ਬਖਾਰ बखार् Bakhar [3] पुं०
विक्रयागार (पुं०) अनाज की कोठी, वह स्थान जहाँ बेचने के लिये अन्न रखा जाय।

ਬਖਾਰਾ बखारा Bakhara [2] पुं०
वक्षस्कार (पुं०) टोकरा, अन्नागार।

ਬਖਾਰੀ बखारी Bakhari [2] स्त्री०
द्र०—ਬਖਾਰਾ।

ਬਖਿਆਣ बखिआण् Bakhian [1] पुं०
द्र०—ਬਖਾਣ।

ਬਖੇਰਨਾ बखेर्ना Bakherna [3] सक० क्रि०
विक्षरति (भ्वादि सक०) बिखेरना।

ਬਖੇੜਾ बखेड़ा Bakhera [3] पुं०
व्यक्षेप (पुं०) कलह-करना, बवाल पैदा करना।

ਬੱਖ बक्ख् Bakkh [1] स्त्री०
वक्षस् (नपुं०) बगल, वक्षस्थल।

ਬੱਖੀ बक्खी Bakkhi [3] स्त्री०
वक्षस् (नपुं०) बगल, वक्षस्थल।

ਬਗਣਾ बग्णा Bagna [1] अक० क्रि०
व्रजति (भ्वादि सक०) भागना, पलायन करना।

ਬਗਲਾ बग्ला Bagla [3] पुं०
बक/वक (पुं०) बगुला पक्षी।

ਬੱਗ बग्ग् Bagg [2] पुं०
वर्ग (पुं०) वर्ग, समूह, दल।

ਬਘਾਰ बघार् Baghar [1] पुं०
व्याघार (पुं०) छौंक (साग इत्यादि का)।

ਬਘਾਰਨਾ बघार्ना Bagharna [1] सक० क्रि०
व्याघारयति (चुरादि सक०) बघारना, छौंक लगाना, छौंकना।

ਬਘਿਆੜੀ बघिआड़ी Baghiari [3] स्त्री०
व्याघ्री (स्त्री०) व्याघ्री, बाघ की मादा।

ਬਚਾਉਣਾ बचाउणा Bacauna [3] सक० क्रि०
वञ्चति / वञ्चयति (भ्वादि प्रेर०) बचाना, रक्षा करना।

ਬੱਚ बच्च Bacc [1] पुं०
अपत्य (नपुं०) पुत्र, बच्चा, सन्तान।

ਬੱਚਾ बच्चा Bacca [3] पुं०
द्र०—ਬੱਚ।

ਬਛਰੂ बछ्रू Bachru [1] पुं०
द्र०—ਬੱਛਾ।

ਬਛੇਰਾ बछेरा Bachera [2] पुं०
वत्सतर (पुं०) बड़ा बछड़ा।

ਬੱਛਾ बच्छा Baccha [2] पुं०
वत्स (पुं०) गाय का बछड़ा।

ਬੱਛੀ बच्छी Bacchi [2] स्त्री०
द्र०—ਬੱਛਾ।

ਬਜਰੰਗ बजरंग् Bajrang [3] पुं०
वज्राङ्ग (वि० / पुं०) वि०—वज्र के समान कठोर अंग वाला। पुं०—हनुमान् (एक देवता)।

ਬਜਰੰਗੀ बजरंगी Bajrangī [3] वि०/पुं०
वज्राङ्गिन् (वि० / पुं०) वि०—वज्र के समान कठोर अंग वाला। पुं०—हनुमान्।

ਬਜਾਉਣਾ बजाउणा Bajauṇa [1] सक० क्रि०
वादयते (चुरादि सक०) बजाना।

ਬੱਜਰ बज्जर् Bajjar [3] पुं०
वज्र (नपुं, पुं०) वज्र, इन्द्र का अस्त्र-विशेष।

ਬੱਜਰ-ਪਾਤ बज्जर्-पात् Bajjar-Pāt [3] पुं०
वज्रपात (पुं०) वज्रपात, बिजली गिरने का भाव।

ਬੱਜਾ बज्जा Bajjā [1] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा, वाद्य।

ਬੱਝਣਾ बज्झणा Bajjhṇa [3] अक० क्रि०
बध्यते (भ्वादि कर्म वा०) बँधना, बद्ध होना।

ਬਟਣਾ[1] बट्णा Batṇā [3] अक० क्रि०
वृ यते (दिवादि सक०) सेवा करना, चाकरी करना, कमाना।

ਬਟਣਾ[2] बट्णा Batṇā [3] अक० क्रि०
प्रत्यावर्त्यते (भ्वादि कर्म वा०) विनिमय होना, अदला-बदली होना, बदल जाना।

ਬਟਨਾ बट्ना Batna [3] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) तेल आदि से शरीर की मालिस, मर्दन।

ਬਟਲੋਹਾ बट्लोहा Batloha [1] पुं०
द्र०—ਬਲਟੋਹ।

ਬਟਾਉਣਾ बटाउणा Baṭauṇa [1] सक० क्रि०
परिवर्तयति/ते (चुरादि प्रेर०) परिवर्तित कराना, मुद्रा विनिमय।

ਬਟੇਰ बटेर् Baṭer [3] पुं०
वर्तिक/वर्तक (पुं०) बटेर पक्षी।

ਬਟੇਰਾ बटेरा Baṭera [3] पुं०
द्र०—ਬਟੇਰ।

ਬਟੇਰੀ बटेरी Baṭerī [3] स्त्री०
वर्तिका / वर्तका (स्त्री०) बटेरी पक्षी, मादा बटेर।

ਬੱਟੀ बट्टी Baṭṭī [1] स्त्री०
द्र०—ਬੱਤੀ[1]।

ਬਢਈ बढ्ई Baḍhī [3] पुं०
वर्धकि (पुं०) बढ़ई, काठ का काम करने वाला, काष्ठकार।

ਬਣ बण् Baṇ [3] पुं०
वन (नपुं०) वन, जंगल, अरण्य।

ਬਣ-ਮਾਣਹੂ बण माह णू Ban Mānhu [3] पुं०
बनमानुष (पुं०) बनमानुष ।

ਬਤਵਾਲ बत्वाल् Bat-Val [1] पुं०
वर्त्मपाल (पुं०) चौकीदार, मार्ग-रक्षक ।

ਬਤਾਲੀ बताली Batali [1] वि०
द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस; 42 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਤੀਸੀਆ बतीस्या Batisya [1] पुं०
द्वात्रिंश (वि०) बत्तीसवाँ, 32वाँ ।

ਬਤੀਤ बतीत् Batit [3] वि०
व्यतीत (वि०) व्यतीत, अतीत ।

ਬੱਤਰੀ बत्त्री Battri [1] वि०
द्वात्रिंशत् (स्त्री०, वि०) बत्तीस; 32 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਬੱਤੀ[1] बत्ती Batti [3] स्त्री०
वर्ति/वर्ती (स्त्री०) दीपक की बत्ती ।

ਬੱਤੀ[2] बत्ती Batti [3] वि०
द्वात्रिंशत् (स्त्री०, वि०) बत्तीस, 32 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਥੇਰਾ बथेरा Bathera [3] पुं०
बहुतर (वि०) अधिक, बहुत ।

ਬਦਖਸਾਂ बदखसाँ Badkhsā̃ [3] पुं०
बदक्सान (नपुं०) अफगानिस्तान के उत्तरी सीमा का एक नगर जहाँ के लाल रत्न मशहूर हैं ।

ਬਦਰੰਗ बद्रंग् Badrang [3] वि०
विवर्ण (वि०/पुं०) वि०—बुरे रंग का। पुं०—प्रेम-भंग ।

ਬਦਾਮੀ बदामी Badami [3] वि०
वातादीय (वि०) बदामी, बादाम के रंग का ।

ਬਦੀ बदी Badi [3] अ०
बदी (अ०) बदी, कृष्ण पक्ष ।

ਬਦੂਹਣਾ बदूह्णा Badūhṇa [1] सक० क्रि०
विदूषयति (दिवादि प्रेर०) कलंकित करना, आरोप लगाना, निन्दा करना।

ਬਦੇਸ बदेस् Bades [1] पुं०
विदेश (पुं०) विदेश, परदेश ।

ਬੱਦਲ बद्दल् Baddal [3] पुं०
वर्दल (नपुं, पुं०) बादल ।

ਬਧਨਾ बध्ना Badhna [1] पुं०
वर्धनी (स्त्री०) जल का घड़ा, जल-घट।

ਬਧਾਈ बधाई Badhai [3] स्त्री०
वर्धापन (नपुं०) बधाई, मंगल-कामना।

ਬਧੂਆ बधूआ Badhūa [1] वि०, पुं०
द्र०—ਬੰਧੂਆ ।

ਬੱਧ बद्ध् Baddh [1] स्त्री०
वर्धमन्/व्रध्म (पुं०) ग्रन्थि, कौड़ी, गिल्टी।

ਬੱਧਰੀ बद्ध्री Baddhri [2] स्त्री०
वर्ध्र (पुं०) चमड़े का धागा, चर्म रज्जु, चमड़े की पतली पट्टी ।

ਬੱਧਾ बद्धा Baddhā [3] पुं०
बद्ध (वि०) कैदी, बँधा हुआ।

ਬੱਧੀ बद्धी Baddhī [1] स्त्री०
द्र०—ਬੱਧਰੀ।

ਬਨ बन् Ban [2] पुं०
वन (नपुं०) वन, जंगल।

ਬਨਵਾਸਣ बन्वासण् Banvāsaṇ [3] स्त्री०
वनवासिनी (स्त्री०) वनवासिनी, वन में रहने वाली।

ਬਨਵਾਸੀਆ बन्वासिआ Banvāsiyā [1] पुं०
वनवासिन् (वि०) वनवासी, वन में रहने वाला।

ਬਨੀਆ बनिआ Baniā [3] पुं०
वणिज् (पुं०) बनिया, व्यापारी।

ਬਨੋਵਾਸ बनोवास् Banovās [1] पुं०
वनवास (पुं०) वनवास, वन में रहने का भाव।

ਬਨ੍ਹਾਉਣਾ बन्हाउणा Banhāuṇā [3] सक० क्रि०
बन्धयति (क्र्यादि प्रेर०) बँधवाना, बन्धन कराना।

ਬੰਨਾ बन्ना Bannā [3] पुं०
वन्ध्य (पुं०) वर, दूल्हा।

ਬੰਨੀ बन्नी Bannī [3] स्त्री०
वन्ध्या (स्त्री०) वधू, दुल्हन।

ਬਫਾਉਣਾ बफाउणा Baphāuṇā [3] अक० क्रि०
बाष्पायते (नामधातु अक०) भाप देना; फूलना, गर्व करना।

ਬਫਾਰਾ बफारा Baphārā [3] पुं०
बाष्पायन (नपुं०) भाप होने की क्रिया।

ਬਬਰਾਨਾ बब्राना Babrānā [1] स्त्री०
बर्वर (पुं०) घुँघराले बाल।

ਬਬੂਲ बबूल् Babūl [3] पुं०
बब्बूल (पुं०) बबूल का वृक्ष।

ਬਭੂਤੀ बभूती Babhūtī [2] स्त्री०
विभूति (स्त्री०) राख, भस्म।

ਬਰਸ बरस् Baras [3] पुं०
वर्ष (नपुं०) वर्ष, साल।

ਬਰਸਣਾ बर्सणा Barsaṇā [3] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना, आकाश से जल गिरना, बरसात होना।

ਬਰਸਨਾ बर्सना Barsanā [3] अक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि अक०) बरसना, वर्षा होना।

ਬਰਸਾਉਣਾ बर्साउणा Barsāuṇā [3] सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) वर्षा कराना।

ਬਰਸਾਊ बर्साऊ Barsāū [3] पुं०
वर्षक (त्रि०) बरसने वाला।

ਬਰਸਾਤ बर्सात् Barsāt [3] स्त्री०
वर्षर्तु (पुं०) बरसात, वर्षा का मौसम।

ਬਰਸੀ बर्सी Barsī [3] स्त्री०
वार्षिकी (वि०) बरसी, एक वर्ष पर होने वाला कृत्य।

ਬਰਖ बरख् Barakh [2] पुं०
द्र०—ਬਰਸ।

ਬਰਖਣਾ बर्खणा Barkhaṇā [1] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना, वर्षा होना।

ਬਰਖਾ बर्खा Barkhā [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री० बहुव०) बरखा, वर्षा।

ਬਰਖਾ-ਰੁੱਤ बर्खा-रुत्त् Barkhā-Rutt [3] स्त्री०
वर्षर्तु (पुं०) वर्षा ऋतु, वर्षा का मौसम।

ਬਰਤ बरत् Barat [3] स्त्री०
वरत्रा (स्त्री०) चमड़े का तसमा/रज्जु, लौहपट्टी।

ਬਰਨਾ बर्ना Barnā [1] पुं०
वरण (पुं०) वरुण; वरुना नामक वृक्ष।

ਬਰਬਰ बर्बर् Barbar [3] पुं०
बर्बर (पुं०) अफ्रीका का उत्तरी समभाग।

ਬਰਭੰਡ बर्भण्ड् Barbhaṇḍ [1] पुं०
ब्रह्माण्ड (पुं०, नपुं०) भूगोल एवं खगोल रूप जगत्, तीनों लोक एवं चौदहों भुवन।

ਬਰਮੀ बर्मी Barmī [2] स्त्री०
वम्रिय / वम्रीय (पुं०) दीमक की थूह, बाँबी, बल्मीक।

ਬਰਾਉਣਾ बराउणा Barāuṇā [3] सक० क्रि०
विरामयति (भ्वादि प्रेर०) बच्चों का दिल बहलाना, (विशेषतया कथादि से)।

ਬਰਾਗ बराग् Barāg [1] पुं०
वैराग्य (नपुं०) वैराग्य, संसार से उदासीनता।

ਬਰਾਗਣ बरागण् Barāgaṇ [1] स्त्री०
वैरागिणी (स्त्री०) वैरागन, विरागिणी।

ਬਰਾਗਣਾ बरागणा Barāgṇā [1] अक० क्रि०
विराज्यते (दिवादि अक०) वैराग्य धारण करना, संसार से उदासीन होना।

ਬਰਾਗੀ बरागी Barāgī [1] पुं०
वैरागिन् (वि०) वैरागी, उदासीन।

ਬਰਾਂਡਾ बराण्डा Barāṇḍā [3] पुं०
वरण्ड (पुं०) बरामदा, बराण्डा।

ਬਰਾਤ बरात् Barāt [3] स्त्री०
वरयात्रा (स्त्री०) बरात; वरमाला।

ਬਰਾਤੀ वराती Barati [3] वि०
वरयात्रिक (वि०) वराती, बरात के लोग।

ਬਰੋਟਾ बरोटा Barota [3] पुं०
वट (पुं०) बरगद का पेड़।

ਬਲ बल् Bal [3] पुं०
बल (नपुं०) शक्ति, ताकत।

ਬਲਟੋਹ Baltoh [3] स्त्री०
वर्तलोह (नपुं०) काँसे, लोहे या पीतल का भाण्ड, बटलोहा।

ਬਲਣਾ बल्णा Balṇa [3] अक० क्रि०
ज्वलति (भ्वादि अक०) जलना।

ਬਲਦ बल्द् Bald [3] पुं०
वलिवर्द (पुं०) बैल।

ਬਲਵਾਨ बल्वान् Balvan [3] वि०
बलवत् (वि०) बलवान्, शक्तिशाली।

ਬਲਾਉਣਾ बलाउणा Balauṇa [3] सक० क्रि०
विलासयति (भ्वादि० प्रेर०) सहानुभूति प्रगट करना, विलास करना, मनोरंजन करना।

ਬਲੀ[1] बली Bali [3] वि०
बलिन् (वि०) बलवान्, शक्तिमान्।

ਬਲੀ[2] बली Bali [3] स्त्री०
बलि (पुं०) उपहार, अर्चा, किसी देवता को भेंट किया हुआ अन्न; बलिदान।

ਬਲੇਦ वलेद् Baled [2] पुं०
द्र०—ਬਲੇਦੀ।

ਬਲੇਦਾ वलेदा Bleda [1] पुं०
द्र०—ਬਲੇਦੀ।

ਬਲੇਦੀ वलेदी Baledi [3] पुं०
वलिवर्दिन् (वि०) बैलों का चरवाहा।

ਬਲੋਣਾ वलोणा Baloṇa [1] सक० क्रि०
विलोडयति (भ्वादि सक०) विलोना, मथना।

ਬਲ੍ਹਦ वल्हद् Balhad [3] पुं०
द्र०—ਬਲਦ।

ਬੱਲ बल्ल् Ball [2] स्त्री०
वल्लि (स्त्री०) वेल, लता।

ਬੱਲਮ वल्लम् Ballam [3] पुं०
भल्ल (पुं०) बल्लम, भाला।

ਬਵੰਜਾ ववंजा Bavañja [3] वि०
द्वापञ्चाशत् (स्त्री०) बावन; 52 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬੜ वड़् Baṛ [3] पुं०
वट (पुं०) वट-वृक्ष, बरगद का वृक्ष।

ਬੜਾ[1] बड़ा Baṛa [3] पुं०
वड् (वि०) वड़ा, महान्।

ਬੜਾ[2] बड़ा Baṛa [3] पुं०
वटक (पुं०, नपुं०) बड़ा, पकौड़ा।

ਬੜੀ बड़ी Baṛī [3] स्त्री०
वटिका (स्त्री०) बड़ी, पकौड़ी।

ਬਾਂ बाँ Bā̃ [1] स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावड़ी, छोटा जलाशय।

ਬਾਉਰ बाउर् Baur [3] स्त्री०
वागुरा (स्त्री०) जाल, फन्दा।

ਬਾਂਉਰ बाँउर Bā̃ur [1] स्त्री०
वागुरा (स्त्री०) पशुओं के मुख का जाल या फन्दा जिसे ग्रामीण भाषा में 'जाब' कहते हैं।

ਬਾਂਉਰਾ बाँउरा Bā̃ura [1] पुं०
द्र०— ਬਾਵਰਾ।

ਬਾਉਰੀਆ बाउरिआ Bauria [1] पुं०
वागुरिक (वि०) जाल फैलाने वाला, बहेलिया।

ਬਾਉਲੀ बाउली Baulī [3] स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावली, छोटा जलाशय।

ਬਾਉੜੀ बाउड़ी Bauṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਬਾਉਲੀ।

ਬਾਇਆਂ बायाँ Bayā̃ [3] वि०
वाम (वि०) वाम, बायाँ।

ਬਾਈ बाई Baī [3] वि०
द्वाविंशति (स्त्री०) बाईस, 22 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਾਈਵਾਂ बाईवाँ Baīvā̃ [3] पुं०
द्विविंशतितम (वि०) बाइसवाँ, 22वाँ।

ਬਾਸ बास् Bas [3] स्त्री०
वास (पुं०) सुगन्धि, मँहक, खुशबू।

ਬਾਂਸ बाँस् Bā̃s [3] पुं०
वंश (पुं०) बाँस।

ਬਾਸਨ[1] बासन् Basan [1] पुं०
वसन (नपुं०) वासा, निवास, घर।

ਬਾਸਨ[2] बासन् Basan [1] स्त्री०
वासना (स्त्री०) वासना, इच्छा।

ਬਾਸਨ[3] बासन् Basan [3] पुं०
वासन (नपुं०) बासन, बर्तन; निवास, घर।

ਬਾਸਰੀ बास्री Basrī [1] पुं०
वसिन् (वि०) निवासी, रहने वाला।

ਬਾਸਲੋਚਨ बासलोचन् Baslocan [3] पुं०
वशलोचन (नपुं०) बंसलोचन।

ਬਾਸੀ बासी Basī [3] वि०
वासित (वि०) बासी, स्वादहीन।

ਬਾਸੁਰ बासुर Basur [1] पुं०
वासर (नपुं०) वासर, दिन।

ਬਾਸ਼ੇਖਕ बाशेखक् Baśekhak [3] वि०
वैशेषिक (वि०) वैशेषिक दर्शन।

ਬਾਂਹ बाँह Bãh [3] स्त्री०
बाहु (पुं०) बाहु, हाथ, भुजा ।

ਬਾਹਠ बाहठ् Bahaṭh [3] वि०
द्वाषष्टि (स्त्री०) बासठ, 62 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਾਹਠਵਾਂ बाहठ्वाँ Bahaṭhvã [3] पुं०
द्विषष्टितम (वि०) बासठवाँ, 62वाँ ।

ਬਾਹਮਣ बाह्मण् Bahmaṇ [2] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) ब्राह्मण, विप्र ।

ਬਾਹਰ बाहर् Bahar [3] अ०
बहिस् (अ०) बाहर ।

ਬਾਹਰਲਾ बाहर्ला Bahaṛla [3] पुं०
बहिरङ्ग (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾਹਰਾ बाह्रा Bahra [3] वि०
द्र०—ਬਾਹਰਲਾ ।

ਬਾਹਰੀ बाह्री Bahrī [3] वि०
द्र०—ਬਾਹਰਲਾ ।

ਬਾਹਲਾ बाह्ला Bahla [3] वि०
बहुल (वि०) अधिक, बहुत ।

ਬਾਹੁਲੀ बाहुली Bahulī [3] स्त्री०
बाहुल (नपुं०) आस्तीन, बाहु-कवच ।

ਬਾਂਕਾ बांका Bãka [3] पुं०
वङ्क/वङ्किम (वि०) बाँका बाँकपन से युक्त ।

ਬਾਖੜਾ बाखड़ा Bakhṛa [1] स्त्री०
वष्कयणी/वष्कयिणी (स्त्री०) चिर प्रसूता गौ, बहुत दिनों की ब्याई हुई गाय, बकेन गौ ।

ਬਾਂਗਣਾ बाँगणा Bãgṇa [3] क्रि०
उपाञ्जन (नपुं०) लेप करना ।

ਬਾਘ बाघ् Bagh [3] पुं०
व्याघ्र (पुं०) बाघ, शेर ।

ਬਾਘੰਬਰ बाघम्बर् Baghambar [1] पुं०
व्याघ्राम्बर (नपुं०) बाघम्बर, बाघ की खाल ।

ਬਾਛਣਾ बाछ्णा Bachṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਬਾਂਛਣਾ ।

ਬਾਂਛਣਾ बाँछ्णा Bãchṇa [3] सक० क्रि०
वाञ्छति (भ्वादि सक०) चाहना, इच्छा करना ।

ਬਾਂਛਤ बांछत् Bañchat [3] वि०
वाञ्छित (वि०) वांछित, इच्छित ।

ਬਾਛਰ बाछर् Bachar [1] पुं०
वत्सतर (पुं०) बछेड़ा, बछेड़ा ।

ਬਾਂਛਾ बांछा Bañcha [3] स्त्री०
वाञ्छा (स्त्री०) इच्छा, अभिलाषा ।

ਬਾਜ बाज् Baj [3] पुं०
वाज (पुं०) बाज पक्षी ।

ਬਾਜਰਾ बाज्रा Bajra [3] पुं०
वर्जरी / वज्रान्न (स्त्री०) बाजरा, मोटा अनाज ।

ਬਾਜਰੀ बाज्री Bajri [3] स्त्री०
वर्जरी (स्त्री०) बाजरा, मोटा अनाज ।

ਬਾਜਿੰਤ੍ਰ बाजिन्त्र् Bajintr [1] पुं०
वाद्ययन्त्र (नपुं०) वाद्ययन्त्र, बाजा ।

ਬਾੱਜਾ बाज्जा Bajja [3] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा, वाद्य-यन्त्र ।

ਬਾਝ बाझ् Bājh [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾਂਝ बाँझ् Bā̃jh [3] स्त्री०
बन्ध्या (स्त्री०) बाँझ, सन्तान-रहित स्त्री या गौ ।

ਬਾਂਝਾ बाँझा Bājha [1] स्त्री०
द्र०—ਬਾਂਝ ।

ਬਾਝੋਂ¹ बाझों Bajhõ [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾੱਝੋਂ² बाज्झों Bajjhõ [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾਟ बाट् Baṭ [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) मार्ग, राह ।

ਬਾਂਟਣਾ बाँट्णा Bā̃ṭṇa [3] सक० क्रि०
बण्टयति / ते (चुरादि सक०) बाँटना, विभाग करना ।

ਬਾਟੀ बाटी Baṭi [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) मार्ग, रास्ता, पथ ।

ਬਾਂਡਾ बांडा Bā̃ḍa [3] पुं०
वण्ड (वि०) पङ्गु; बिना पूँछ का बैल ।

ਬਾਢ बाढ् Baḍh [2] स्त्री०
वर्ध (स्त्री०) काटना, कर्तन, छेदन ।

ਬਾਢੀ बाढी Baḍhi [2] स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) फसल की कटाई, कटनी ।

ਬਾੱਢੀ बाड्ढी Baḍḍhi [1] पुं०
वर्धकि/वर्धकिन् (पुं०) बढ़ई, तक्षक ।

ਬਾਣ¹ बाण् Baṇ [3] स्त्री०
व्यसन (नपुं०) आदत, स्वभाव ।

ਬਾਣ² बाण् Baṇ [3] पुं०
बाण (पुं०) सरपत, रस्सी बनाने की कच्ची वस्तु घास इत्यादि ।

ਬਾਣ³ बाण् Baṇ [3] पुं०
बाण (पुं०) तीर, वाण ।

ਬਾਣਾ¹ बाणा Baṇa [3] पुं०
वान (नपुं०) बुनने की क्रिया ।

ਬਾਣਾ² बाणा Baṇa [1] पुं०
बाण (पुं०) वाण, तीर ।

ਬਾਣੀਆ वाणिआ Baṇia [2] पुं०
वणिक् (पुं०) बनिया, व्यापारी ।

ਬਾਤ बात् Bat [3] स्त्री०
वार्त / वार्ता (पु०/स्त्री०) समाचार, संवाद, खबर ।

ਬਾਤਚੀਤ बात्चीत Batcit [3] स्त्री०
वार्ता (स्त्री०) बातचीत, वार्तालाप ।

ਬਾਤੀ बाती Batī [3] स्त्री०
वस्तु (नपुं०) वस्तु, चीज ।

ਬਾਥੂ बाथू Bathū [3] पुं०
वास्तुक (नपुं०) बथुआ, एक प्रकार का साग ।

ਬਾਂਦਰ बांदर् Bãdar [3] पुं०
वानर (पुं०) वानर, बन्दर ।

ਬਾਂਦਰੀ बांद्री Bãdrī [3] स्त्री०
वानरी (स्त्री०) बन्दरी, वानरी ।

ਬਾਨਵੇ बानवे Banve [3] वि०
द्विनवति (स्त्री०) बानवे; 92 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਬਾਨਵੇਂਵਾਂ बान्वेवाँ Banvevã [3] पुं०
द्विनवतितम (वि०) बानवेवाँ, 92वाँ ।

ਬਾਨੀਆ बानिआ Bania [2] पुं०
वणिक् (पुं०) वनिया, व्यापारी ।

ਬਾਰ[1] बार् Bar [3] पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, दरवाजा ।

ਬਾਰ[2] बार् Bar [3] पुं०
वार (नपुं०) बारी, अवसर ।

ਬਾਰਤਾ बार्ता Barta [3] स्त्री०
वार्ता (स्त्री०) वार्ता, समाचार; बात ।

ਬਾਰਨਾ बार्ना Barna [3] सक० क्रि०
वारयति (चुरादि सक०) वारण करना, हटाना ।

ਬਾਰਾ बारा Bara [1] वि०
द्वादश (वि०) बारह; 12 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਾਰਾਂ बाराँ Barã [3] वि०
द्वादश (वि०) बारह; 12 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਾਰੀ बारी Barī [3] स्त्री०
द्वारी (स्त्री०) खिड़की, गवाक्ष ।

ਬਾਰੋ बारो Baro [1] पुं०
बालक (पुं०) बालक, बच्चा ।

ਬਾਰੰਤਰੀ बारन्तरी Barantarī [3] क्रि० वि०
बहिरन्तस् (क्रि० वि०) बाहर-भीतर ।

ਬਾਰੰਬਾਰ बारम्बार् Barambar [3] क्रि० वि०
वारंवार (अ०) बार-बार, कई बार, फिर-फिर ।

ਬਾਰਾ नार्हा Barha [3] पु०
द्वादशाह (पुं०) मृतक के बारहवें दिन की क्रिया।

ਬਾਲ वाल् Bal [3] पुं०
बाल (पुं०) बालक, बच्चा।

ਬਾਲਘਾਤਨੀ बाल्घात्नी Balghatni [3] स्त्री०
बालघातिनी (स्त्री०) बालघातिनी, बालक की हत्या करने वाली।

ਬਾਲਣ बालण् Balaṇ [3] पुं०
ज्वालन (नपुं०) ईन्धन।

ਬਾਲਣਾ बाल्णा Balna [3] अक० क्रि०
ज्वालयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, बालना।

ਬਾਲਮੱਤ बाल्मत्त् Balmatt [3] स्त्री०
बालमति (स्त्री०) बालमति, बालबुद्धि।

ਬਾਲਾ बाला Bala [1] स्त्री०
बाला (स्त्री०) बालिका, बच्ची, शिशु।

ਬਾਲੂ[1] वालू Balū [3] स्त्री०
बालुका/बालूका (स्त्री०) बालू, रेत।

ਬਾਲੂ[2] बालू Balū [1] पुं०
भल्लूक (पुं०) भालू, रीछ।

ਬਾਵਣਾ बाव्णा Bavṇa [1] पुं०
वामन (वि०) वामन, बौना, ठिंगना।

ਬਾਵਨ बावन् Bavan [3] पुं०
वामन (पुं०/वि०) पुं०—वामन अवतार। वि०—बौना, वामन, ठिंगना।

ਬਾਵਰਾ बाव्रा Bavra [3] पुं०
वायुर/वातुल (वि०) पागल, विक्षिप्त।

ਬਾੜ वाड़् Baṛ [2] स्त्री०
वाट (पुं०) बाड़ा, घेरा, हाता।

ਬਾੜਾ बाड़ा Baṛa [3] पुं०
वाट (पुं०) बाड़ा, घेरा, हाता; भवन।

ਬਾੜੀ बाड़ी Baṛi [2] स्त्री०
वाटिका (स्त्री०) फुलवारी, बगीचा, उद्यान।

ਬਿਉਹਾਰ बिउहार् Biuhar [3] पुं०
व्यवहार (पुं०) बर्ताव, आचरण; धन्धा; रीति-रिवाज।

ਬਿਉਹਾਰੀ बिउहारी Biuhari [3] पुं०
व्यवहारिन् (वि०) कारोबार करने वाला व्यक्ति, व्यापारी; मुकदमेबाज।

ਬਿਉਪਾਰ बिउपार् Biupar [3] पुं०
व्यापार (पुं०) व्यापार, तिजारत।

ਬਿਉਪਾਰਕ बिउपारक् Biuparak [3] वि०
व्यापारिक (वि०) व्यापार-संबन्धी।

ਬਿਉਪਾਰੀ बिउपारी Biupari [3] पुं०
व्यापारिन् (वि०) व्यापारी, तिजारती।

ਬਿਓਰਾ ब्योरा Byora [1] पुं०
विवरण (नपुं०) विवरण, ब्योरा।

ਬਿਅਰਥ ब्यरथ् Byarath [1] वि०
व्यर्थ (वि०) व्यर्थ, बेकार।

ਬਿਆਈ बिआई Biai [3] स्त्री०
विपादिका (स्त्री०) पैर का एक रोग, बेवाई।

ਬਿਆਸ बिआस Bias [3] स्त्री०
विपाश् (स्त्री०) व्यास नदी।

ਬਿਆਸਾ बिआसा Biasa [3] पुं०
विपाशा (पुं०) व्यास नदी।

ਬਿਆਸੀ बिआसी Biasi [3] वि०
द्व्यशीति (स्त्री०) बयासी; 82 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਆਸੀਵਾਂ बिआसिवां Biasivā̃ [3] पुं०
द्व्यशीतितम (वि०) बयासिवां 82वाँ।

ਬਿਆਹ ब्याह् Byah [1] पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, परिणय, शादी।

ਬਿਆਹੁਣਾ ब्याह्णा Byahṇa [3] सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना।

ਬਿਆਹਾ ब्याहा Byaha [1] पुं०
विवाहित (वि०) जिसका विवाह हो गया हो, विवाहित।

ਬਿਆਹਿਆ ब्याहिया Byahia [3] पुं०
विवाहित (वि०) विवाहित, जिसका विवाह हो गया हो।

ਬਿਆਨਵੇਂ ब्याण्वे Byaṇvē [1] वि०
द्वानवति (स्त्री०) बानवे; 92 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਆਧ ब्याध् Byadh [3] स्त्री०
व्याधि (पुं०) रोग, व्याधि।

ਬਿਆਲੀ बिआली Biali [3] वि०
द्विचत्वारिंशत् / द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस; 42 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਸਟਾ बिस्टा Bisṭa [2] स्त्री०
विष्ठा (स्त्री०) विष्ठा, पुरीष, मल।

ਬਿਸਠਾ बिसठा Bisṭha [2] स्त्री०
द्र०—ਬਿਸਟਾ।

ਬਿਸਤ੍ਰਿਤ बिसत्रित् Bistrit [3] वि०
विस्तृत (वि०) फैला हुआ, विस्तार-युक्त।

ਬਿਸਨ बिसन् Bisan [2] पुं०
विष्णु (पुं०) विष्णु भगवान्।

ਬਿਸ਼ਨ बिशन् Biśan [2] पुं०
द्र०—ਬਿਸਨ।

ਬਿਸਨੀ बिस्नी Bisnī [1] वि०, पुं०
द्र०—ਬਿਸਨੀ।

ਬਿਸ਼ਨੀ विशनी Bisi [1] वि० पुं०
विषयिन् (वि०/पुं०) वि०—विषयासक्त, विलासी। पुं०—संसार में फँसा हुआ आदमी।

ਬਿਸਮ विसम् Bisam [3] पुं०
विस्मय (नपुं०) आश्चर्य, हैरानी।

ਬਿਸਮਨ बिस्मन् Bisman [3] पुं०
विस्मयन (नपुं०) विस्मय होने का भाव।

ਬਿਸਮਾ बिस्मा Bisma [1] वि०
विस्मित (वि०) विस्मित, चकित।

ਬਿਸਮੈ बिस्मै Bismai [3] पुं०
विस्मय (पुं०) विस्मय, आश्चर्य।

ਬਿਸਮ੍ਰਿਤ बिस्म्रत् Bismrat [3] वि०
विस्मृत (वि०) विस्मृत, भूला हुआ।

ਬਿਸਰਾਮ बिस्राम् Bisram [3] पुं०
विश्राम (पुं०) आराम; विराम; शान्ति।

ਬਿਸਵਾਸ बिस्वास् Bisvas [2] पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा।

ਬਿਸਾਹੁਣਾ बिसाहुणा Bisahuna
[3] अक० क्रि०
विश्वासयति (अदादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, विश्वस्त करना।

ਬਿਸਾਖਾ बिसाखा Bisakha [3] स्त्री०
विशाखा (स्त्री०) विशाखा नक्षत्र।

ਬਿਸਾਂਧ बिसांध Bisãdh [3] स्त्री०
विस्रगन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, सड़ाँध।

ਬਿਸਾਂਧਾ बिसांधा Bisãdha [3] वि०
विस्रगन्ध (वि०) सड़ाँध युक्त, दुर्गन्ध युक्त, बदबूदार।

ਬਿਸਾਰਨਾ बिसार्ना Bisarna [3] सक० क्रि०
विस्मारयति (भ्वादि प्रेर०) भुलाना, विस्मृत करना।

ਬਿਸੀਅਰ बिसीअर् Bisiar [3] पुं०
विषधर (पुं०) विषधर, सर्प।

ਬਿਸੁਰਤੀ बिसुर्ती Bisurti [2] स्त्री०
विस्मृति (स्त्री०) विस्मृति, बेसुधि।

ਬਿਸੂਚਕਾ बिसूच्का Bisucka [2] पुं०
विषूचिका (स्त्री०) विसूचिका, हैजा।

ਬਿਸੰਭਰ बिसंभर् Bisambhar [3] पुं०
विश्वम्भर (पुं०) विश्व का भरण करने वाला, परमात्मा, भगवान्।

ਬਿੱਸਰਣਾ बिस्सरणा Bissarna [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) भूलना, विस्मृत होना।

ਬਿਹ बिह् Bih [1] स्त्री०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਬਿਹਬਲ बिह्बल् Bihbal [3] वि०
विह्वल (वि०) व्याकुल, बेचैन; भयाकुल।

ਬਿਹਬਲਤਾ बिह्वल्ता Bihbalta [3] स्त्री०
विह्वलता (स्त्री०) व्याकुलता, बेचैनी; भय, डर।

ਬਿਹਾ विहा Biha [3] पुं०
उषित (वि०) पर्युषित, बचा हुआ, बासी अन्न।

ਬਿਹੁ बिहु Bihu [3] स्त्री०
विष (नपुं०) जहर, विष।

ਬਿਹੰਗਮ बिहंगम् Bihangam [3] पुं०
विहङ्गम (पुं०) विहंगम, पक्षी।

ਬਿਕਟ बिकट् Bikat [3] वि०
विकट (वि०) विकट, कठिन; भयानक।

ਬਿਕਣਾ बिकणा Bikna [3] सक० क्रि०
विक्रीयते (क्रयादि कर्म वा०) बेचा जाना, बिकना।

ਬਿਕਰਮੀ बिकर्मी Bikarmi [3] स्त्री०
विकर्मन् (नपुं०) दुष्कर्म, बुरे कार्य।

ਬਿਕਲ बिकल् Bikal [1] वि०
विकल (वि०) व्याकुल, बेचैन, भयाकुल।

ਬਿਕਾਉਣਾ बिकाउणा Bikauna
[3] सक० क्रि०
विक्रायति (क्रयादि प्रेर०) बेचवाना, विक्रय कराना।

ਬਿੱਕ बिक्क् Bikk [3] पुं०, स्त्री०
वल्क (पुं०) पेड़ की छाल, वल्कल।

ਬਿਖ बिख् Bikh [3] स्त्री०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਬਿਖਈ बिखई Bikhi [1] पुं०
विषयिन् (वि०) संसारी; विलासी।

ਬਿਖਮ बिखम् Bikham [3] वि०
विषम (वि०) असमान; कठिन; प्रतिकूल; दो से पूरा-पूरा न बंटने वाला अंक।

ਬਿਖਯੰਤ बिख्यन्त् Bikhyant [1] वि०
विषयवत् (वि०) विलासी, विषयों में लिप्त।

ਬਿਖਰਣਾ बिख्रणा Bikharna [3] क्रि०
विष्किरति (तुदादि प्रेर०) बिखरना, बिखर जाना।

ਬਿਖਰਾਉਣਾ बिख्राउणा Bikhrauna
[3] सक० क्रि०
विक्षारयति (स्वादि प्रेर०) बिखेरना, फैलाना।

ਬਿਖਲੀਆ बिख्लिआ Bikhlia [1] वि०
विषलिन् (वि०) विषैला, विष-युक्त।

ਬਿਖਾਗਨ बिखागन् Bikhagan [1] स्त्री०
विषाग्नि (पुं०) विषाग्नि, विषरूपी आग।

ਬਿਖਿਆ[1] बिखिआ Bikhia [1] पुं०
द्र०—विष।

ਬਿਖਿਆ² विखिआ Bikhia [3] पु०
विषय (पुं०) ज्ञानेन्द्रियों द्वारा गृहीत होने वाले पदार्थ—रूप, रस, गन्धादि, लौकिक आनन्द या भोग।

ਬਿਖਿਆਸਕਤ विखिआसकत् Bikhiasakat [1] पुं०
विषयासक्त (वि०) भोग में आसक्त, विलासी।

ਬਿਖੈ विखै Bikhai [1] पुं०
विषय (पुं०) इन्द्रियों का विषय (रूप, रस, गन्ध, स्पर्श एवं शब्द)।

ਬਿਖੰਡਣਾ विखण्डणा Bikhandaṇa [3] सक० क्रि०
विखण्डयति (चुरादि प्रेर०) खण्डन करना।

ਬਿੰਗ बिंग् Bing [2] पुं०
व्यङ्ग्य (नपुं०) गूढ़ अथवा छिपा हुआ अर्थ; ताना, चुटकी।

ਬਿਗੜਨਾ बिगड़्ना Bigaṛna [3] अक० क्रि०
विघटते (भ्वादि अक०) खराब होना, विघटित होना।

ਬਿਗਾੜ बिगाड़ Bigaṛ [3] पुं०
विघटन (नपुं०) तोड़ने या अलग करने का भाव, बरबादी, नाश।

ਬਿਚਖਣ विच्खण् Bickhaṇ [2] वि०
विचक्षण (वि०) विचक्षण, चतुर, बुद्धिमान्।

ਬਿਚਲਣਾ विचल्ना Bicalna [3] अक० क्रि०
विचलति (भ्वादि अक०) विचलित होना, पथभ्रष्ट होना।

ਬਿਚਾਲਣਾ बिचाल्ना Bicalna [3] सक० क्रि०
विचालयति (भ्वादि प्रेर०) विचलित करना; नष्ट करना।

ਬਿਛੂਆ बिछूआ Bichūa [3] पुं०
द्र०— ਬਿੱਛੂ।

ਬਿਛੋੜਣਾ बिछोड़्णा Bichoṛṇa [3] सक० क्रि०
विच्छोटयति (चुरादि प्रेर०) छुड़ाना, पृथक् करना।

ਬਿਛੋੜਨਾ विछोड़्ना Bichoṛna [2] सक० क्रि०
द्र०—ਬਿਛੋੜਣਾ।

ਬਿੱਛੂ बिच्छू Bicchū [3] पुं०
वृश्चिक (पुं०) बिच्छू, डंक वाला एक विषैला जन्तु।

ਬਿਜਣਾ बिज्णा Bijṇa [1] क्रि०
विबुध्यते (दिवादि अक०) जगना, जग जाना, निद्रा से उठना।

ਬਿਜਲੀ बिज्ली Bijli [3] स्त्री०
विद्युल्लता (स्त्री०) बिजली, विद्युत्।

ਬਿੱਜ बिज्ज् Bijj [3] स्त्री०
विद्युत् (स्त्री०) विद्युत्, बिजली।

ਬਿਠਲ बिठल Bitهal [3] पुं०
विट्ठल (पु०) भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु।

ਬਿੱਠ बिट्ठ Bitth [3] स्त्री०
विष्ठा (स्त्री०) पुरीष, मल।

ਬਿਣਨਾ बिणना Binna [3] सक० क्रि०
वयते (भ्वादि सक०) बिनना, बुनना।

ਬਿਤਾਉਣਾ बिताउणा Bitauna [3] सक० क्रि०
व्यत्येति (अदादि सक०) बिताना, समय बिताना, काल-यापन करना।

ਬਿਤਾਲੀ बिताली Bitali [3] वि०
द्विचत्वारिंशत् / द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस, 42 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਥਾਰਨਾ बिथारना Bitharna [1] सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्तार करना, फैलाना।

ਬਿੰਦ बिन्द Bind [3] स्त्री०
बिन्दु (पु०) बूंद, बिंदिया।

ਬਿੰਦਲੀ बिन्दली Bindli [1] स्त्री०
द्र०—बिंद।

ਬਿੰਦਾ बिन्दा Binda [1] पुं०
द्र०—बिंद।

ਬਿੰਦੀ बिन्दी Bindi [3] स्त्री०
बिन्दु (पुं०) बिन्दी, माथे की बिन्दी।

ਬਿਧ-ਮਾਤਾ बिधमाता Bidh-Mata [3] स्त्री०
विधिमातृ (स्त्री०) भाग्य, किस्मत।

ਬਿਨ बिन् Bin [3] अ०
विना (अ०) बिना, बगैर।

ਬਿਨਉ बिनउ Binau [1] स्त्री०
विनय (पुं०) विनय, नम्रता।

ਬਿਨਸ Binas [1] पुं०
विनाश (पुं०) विनाश, हानि।

ਬਿਨਸਣਾ बिनसणा Binasna[3] सक० क्रि०
विनश्यति (दिवादि अक०) विनष्ट होना।

ਬਿਨਤ बिनत् Binat [1] स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनय, नम्रता।

ਬਿਨਤੀ बिनती Binti [3] स्त्री०
विज्ञप्ति (स्त्री०) अनुरोध, प्रार्थना, सूचना।

ਬਿਨਾ बिना Bina [3] अ०
विना (अ०) बिना, बगैर।

ਬਿਨੀਤ बिनीत् Binit [3] पुं०
विनीत (वि०) विनीत, विनम्र।

ਬਿਨੈ बिने Bine [3] स्त्री०
विनय (पुं०) विनय, नम्रता।

ਬਿਪ बिप् Bip [1] पुं०
विप्र (पुं०) विप्र, ब्राह्मण।

ਬਿਪਤ विपत् Bipat [3] स्त्री०
विपद् (स्त्री०) विपदा, विपत्ति ।

ਬਿਪਤਾ विपता Bipta [3] स्त्री०
विपदा (स्त्री०) विपदा, आफत ।

ਬਿਪਾਸ विपास् Bipas [1] पुं०
विपाशा (स्त्री०) व्यास नदी ।

ਬਿਭੂਖਣ विभूखण् Bibhūkhaṇ [1] पुं०
विभूषण (नपुं०) आभूषण, गहना; सौन्दर्य ।

ਬਿਭੂਤ विभूत् Bibhūt [2] पुं०
विभूति (स्त्री०) वैभव, संपत्ति; भस्म ।

ਬਿਭੂਤੀ विभूती Bibhūtī [3] स्त्री०
द्र०— ਬਿਭੂਤ ।

ਬਿਰਹ विरह् Birah [3] पुं०
विरह (पुं०) वियोग, विछोह ।

ਬਿਰਹਨ बिर्हन् Birhan [3] स्त्री०
विरहिणी (स्त्री०) वह स्त्री जिसका अपने पति या प्रियतम से वियोग हो गया हो ।

ਬਿਰਹਾ बिर्हा Birha [3] पुं०
द्र०—ਬਿਰਹ ।

ਬਿਰਹੀ बिर्ही Birhī [3] पुं०
विरहिन् (वि०) विरही, वियोगी ।

ਬਿਰਹੋਂ बिर्हों Birhõ [3] पुं०
विरह (पुं०) विरह, वियोग ।

ਬਿਰਖ बिरख् Birakh [3] पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़ ।

ਬਿਰਛ बिरछ् Birach [3] पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़ ।

ਬਿਰਜ बिरज् Biraj [3] स्त्री०
व्रज (पुं०) मथुरा और वृन्दावन के आस-पास का क्षेत्र ।

ਬਿਰਤ[1] बिरत् Birat [3] पुं०
वृत्त (नपुं०) गोल परिधि, गोल घेरा ।

ਬਿਰਤ[2] बिरत् Birat [1] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) वृत्ति, जीविका, रोजगार ।

ਬਿਰਤਾਂਤ बिर्तान्त् Birtant [3] पुं०
वृत्तान्त (नपुं०) किसी बीती हुई घटना का विवरण, इतिहास; कथा, कहानी; संवाद, समाचार ।

ਬਿਰਤਾਂਤੀ बिर्तान्ती Birtanti [3] पुं०
वृत्तान्तिन् (वि०) वृत्तान्त वाला ।

ਬਿਰਤੀ बिर्ती Birtī [3] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) जीविका, रोजगार ।

ਬਿਰਥਾ बिर्था Birthā [3] अ०
वृथा (अ०) व्यर्थ, बेकार, वृथा ।

ਬਿਰਧ बिरध् Biradh [3] पुं०
वृद्ध (वि०) वृद्ध, बूढ़ा ।

ਬਿਰਧੀ बिर्धी Birdhi [2] स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) बढ़ती, उन्नति, समृद्धि; लाभ।

ਬਿਰਮਣਾ बिरम्णा Biramṇā [2] अक० क्रि०
विरमति (भ्वादि अक०) रुकना, विराम लेना।

ਬਿਰਮਾਉਣਾ बिर्माउणा Birmauṇā [3] सक० क्रि०
विरमयति (भ्वादि प्रेर०) रुकवाना, विराम दिलाना।

ਬਿਰਲਾ बिर्ला Birla [3] वि०
विरल (वि०) दुर्लभ; थोड़ा, कम; पतला।

ਬਿਰਵਾ बिर्वा Birva [3] पुं०
वीरुध (नपुं०) पौधा, पौध।

ਬਿਰੁੱਧ विरुद्ध Biruddh [1] वि०
विरुद्ध (वि०) विपरीत, खिलाफ।

ਬਿਲ बिल् Bil [3] पुं०
बिल्व (नपुं० / पुं०) नपुं०—बेल-पत्र। पुं०—बेल का वृक्ष।

ਬਿਲਕ बिलक् Bilak [3] स्त्री०
द्र०—ਬਿੱਲ।

ਬਿਲਮ बिलम् Bilam [3] पुं०
विलम्ब (पुं०) देर, सुस्ती।

ਬਿਲਮਾਉਣਾ बिल्माउणा Bilmauṇā [3] सक० क्रि०
विलम्बयति (भ्वादि प्रेर०) विलमाना, विलम्ब कराना।

ਬਿਲਲਾਉਣਾ बिल्लाउणा Billauṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) विलाप करना, रोना।

ਬਿਲਲਾਟ बिल्लाट् Billāṭ [3] स्त्री०
द्र०—ਬਿਲਾਪ।

ਬਿਲਾਸ बिलास् Bilās [2] पुं०
विलास (पुं०) प्रेमपूर्ण, आमोद-प्रमोद, नाज-नखड़ा।

ਬਿਲਾਪ बिलाप् Bilāp [3] पुं०
विलाप (पुं०) विलाप, रुदन।

ਬਿਲਾਪਣਾ बिलाप्णा Bilāpṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਬਿਲਲਾਉਣਾ।

ਬਿਲੋਣਾ बिलोणा Biloṇā [2] सक० क्रि०
विलोडति (भ्वादि सक०) बिलोना; मथना।

ਬਿਲੋਵਣਾ बिलोवणा Bilovṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਬਿਲੋਣਾ।

ਬਿੱਲਮਣਾ बिल्लम्णा Billamṇā [1] अक० क्रि०
विलम्बते (भ्वादि अक०) विलम्ब करना, देर करना।

ਬਿੱਲਾ बिल्ला Billa [3] पुं०
बिडाल (पुं०) बिलाव, बिल्ला।

ਬਿੱਲਾਉਣਾ बिल्लाउणा Billauṇa [3] अक० क्रि०
विलापयति (भ्वादि प्रेर०) विलाप करना या कराना।

ਬਿੱਲੀ बिल्ली Billi [3] स्त्री०
बिडाली (स्त्री०) बिल्ली, मादा बिलाव।

ਬੀ बी Bi [3] पुं०
बीज (नपुं०) वह दाना या गुठली जिससे पेड़-पौधे या अंकुर उगें; वीर्य।

ਬੀਹ बीह् Bih [3] पुं०
विंशति (स्त्री०) बीस; 20 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬੀਹੀ बीही Bihi [3] स्त्री०
वीथी (स्त्री०) गली, मार्ग, रास्ता।

ਬੀਜਣਾ बीज्ना Bijna [1] पुं०
व्यजन (नपुं०) पंखा।

ਬੀਜ-ਮਾਤਰ बीज्-मातर Bij-Matar [3] वि०
बीजमात्र (नपुं०) बीजमात्र, नाममात्र।

ਬੀਠਲ बीठल् Bithal [3] पुं०
द्र०—ਬਿਠਲ।

ਬੀਣ बीण् Bin [3] स्त्री०
वीणा (स्त्री०) वीणा, बीन।

ਬੀਨ बीन् Bin [3] स्त्री०
बीन (नपुं०) बीन बाजा।

ਬੀਰਜ बीरज् Biraj [3] पुं०
वीर्य (नपुं०) वीर्य, पराक्रम।

ਬੀਰਤਾਈ बीर्ताई Birtai [3] स्त्री०
वीरता (स्त्री०) वीरता, बहादुरी, पराक्रम।

ਬੀੜਾ बीड़ा Biṛa [3] पुं०
वीटी (स्त्री०) पान का बीड़ा या खिल्ली।

ਬੁਹਾਰਾ बुहारा Buhara [3] पुं०
द्र०—ਬੁਹਾਰੀ।

ਬੁਹਾਰੀ बुहारी Buhari [3] स्त्री०
बहुकरी (स्त्री०) बुहारी, झाड़ू, बढ़नी।

ਬੁਝਣਾ बुझ्णा Bujhna [3] अक० क्रि०
बुध्यते (दिवादि सक०) बूझना, समझना, पहेली आदि बूझना।

ਬੁੱਝਣਾ बुज्झ्णा Bujjhna [3] सक० क्रि०
बुध्यते (दिवादि सक०) समझना, जानना।

ਬੁੰਡ बुण्ड् Bund [3] पुं०
बुध्न (पुं०) पेंदी, तल-भाग।

ਬੁਡਾਣਾ बुडाणा Budana [2] सक० क्रि०
ब्रोडयति (चुरादि प्रेर०) डुबोना।

ਬੁੱਢ बुड्ढ् Buddh [1] पुं०
द्र०—ਬੁੱਢਾ।

ਬੁੱਢਾ बुड्ढा Buḍḍhā [3] पुं०
वृद्ध (वि०) बूढ़ा, वृद्ध ।

ਬੁੱਢੀ बुड्ढी Buḍḍhī [3] स्त्री०
वृद्धा (स्त्री०) वृद्धा, बुढ़ी ।

ਬੁਣਨਾ बुण्ना Buṇnā [3] सक० क्रि०
वयति/ते (भ्वादि सक०) बुनना; बँटना ।

ਬੁਣਾਈ बुणाई Buṇāī [3] स्त्री०
वयन (नपुं०) बुनाई, बुनने का भाव ।

ਬੁੱਤੀ बुत्ती Buttī [3] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) सेवा; निःशुल्क सेवा, बेगारी; सहायता ।

ਬੂੰਦ बुन्द् Bund [1] स्त्री०
बिन्दु (पुं०) बूँद, जलकण ।

ਬੁੱਧ¹ बुद्ध् Buddh [3] पुं०
बुध (पुं०) बुध ग्रह; बुधवार ।

ਬੁੱਧ² बुद्ध् Buddh [3] स्त्री०
बुद्धि (स्त्री०) ज्ञान, बोध ।

ਬੁੱਧਮਾਨ बुद्धमान् Buddhmān [3] पुं०
बुद्धिमत् (वि०) बुद्धिमान्, समझदार, चतुर ।

ਬੁੱਧਵਾਦ बुद्धवाद् Buddhvād [3] पुं०
बुद्धिवाद (पुं०) बुद्धिवाद, वह सिद्धान्त जिसमें विचारधारा का आधार बुद्धि मानी जाती है ।

ਬੁੱਧਵਾਨ बुद्धवान् Buddhavān [3] पुं०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ ।

ਬੁੱਧਵੰਤ बुद्धवंत् Buddhavant [3] वि०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ

ਬੁੱਧਵੰਤਾ बुद्धवन्ता Buddhavantā [3] वि०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ ।

ਬੁੱਧੀ बुद्धी Buddhī [3] स्त्री०
बुद्धि (स्त्री०) बुद्धि, मस्तिष्क, दिमाग ।

ਬੁਰਸਣਾ बुर्सणा Bursṇā [1] क्रि०
द्र० —ਬੁਰਛਣਾ ।

ਬੁਰਛਣਾ बुर्छणा Burchṇā [1] अक० क्रि०
वृश्चति (तुदादि सक०) धीरे से काटना, छीलना, रेतना ।

ਬੁੱਲਾ बुल्ला Bullā [3] पुं०
बुदबुद् (नपुं) पानी का बुलबुला ।

ਬੁੜ੍ਹਾ बुढ़ा Buṛhā [3] पुं०
द्र०—ਬੁੱਢਾ ।

ਬੁੜ੍ਹੀ बुढ़ी Buṛhī [3] स्त्री०
वृद्धा (स्त्री०) बूढ़ी, वृद्धा ।

ਬੂਝਣਾ बूझ्णा Būjhṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਬੁੱਝਣਾ ।

ਬੂੜਨਾ बूड्णा Būḍṇā [3] अक० क्रि०
बूडति (तुदादि अक०) डूबना ।

ਬੇਹਾ बेहा Beha [3] वि०
द्र० बिना।

ਬੇਨਤੀ बेनती Benti [3] स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनय, प्रार्थना।

ਬੇਰ बेर् Ber [3] पुं०
बदर (नपुं०) बेर फल।

ਬੇਲ बेल् Bel [2] स्त्री०
वेल्लि (नपुं०) बेल, लता।

ਬੇਲਣਾ बेल्णा Belṇa [3] पुं०
वेल्लन (नपुं०) बेलन।

ਬੇਵਾ बेवा Beva [2] स्त्री०
विधवा (स्त्री०) विधवा, जिसका पति मर गया हो।

ਬੇੜਾ बेड़ा Beṛa [3] पुं०
बेडा (स्त्री०) नौका, नाव।

ਬੇੜੀ बेड़ी Beṛi [3] स्त्री०
बेडा (स्त्री०) छोटी नौका, किश्ती; बेड़ी, पैर को बाँधने की जंजीर।

ਬੈਂਗਣ बैंगण् Baigaṇ [2] पुं०
वातिङ्गण (पुं०) बैंगन-सब्जी।

ਬੈਠਣਾ बैठ्णा Baiṭhṇa [3] अक० क्रि०
उपविशति (तुदादि अक०) बैठना।

ਬੈਠਵਾਂ बैठ्वाँ Baiṭhvā̃ [3] वि०
उपविष्ट (वि०) बैठा हुआ; दबा हुआ।

ਬੈਣ बैण् Baiṇ [1] पुं०
वचन (नपुं०) कथन, भाषण।

ਬੈਤ बैत Bait [3] पुं०
वेत्र (नपुं०) बेंत।

ਬੈਂਤ बैंत् Bait [3] स्त्री०
वेत्र (नपुं०) बेंत।

ਬੈਨ बैन् Bain [1] पुं०
द्र०—ਬੈਣ।

ਬੈਰਾਈ बैराई Bairai [1] पुं०
वैरिन (वि०) वैरी, शत्रु।

ਬੋਹਣੀ बोह्णी Bohṇi [3] स्त्री०
वर्धनी (स्त्री०) बोहनी, दुकान खुलने पर सबसे पहले की बिक्री, बेंचने की क्रिया।

ਬੋਹੜ बोह्ड् Bohṛ [1] पुं०
वट (पुं०) बड़, वट-वृक्ष।

ਬੋੱਝਾ बोज्झा Bojjha [3] वि०
वह्य (वि०) बोझा, भार, ढोने योग्य।

ਬੋਣਾ बोणा Boṇa [2] सक० क्रि०
वपति (भ्वादि सक०) बोना, बीज बोना।

ਬੋਧ बोध् Bodh [3] पुं०
बोध (पुं०) ज्ञान, समझ।

ਬੋਧਾਉਣਾ बोधाउणा Bodhauṇa [2] सक० क्रि०

बोधयति (भ्वादि प्रेर०) बोध कराना, समझाना।

ਬੋਧੀ बोधी Bodhī [3] **पुं०**
बोधिन् (वि०) ज्ञानी, ज्ञानवान्।

ਬੋਲਣਾ बोल्णा Bolṇa [3] **सक० क्रि०**
वदति (भ्वादि सक०) बोलना, कथन करना।

ਬੌਹਲੀ बौह्ली Bauhlī [3] **स्त्री०**
द्र०—बाहुली।

ਬੌਣਾ बौणा Bauṇā [1] **पुं०**
वामन (पुं०) बौना, ठिगना।

ਬੌਨਾ बौना Bauna [3] **पुं०**
वामन (पुं०/वि०) पुं०—विष्णु का एक अवतार वामन भगवान्। वि०—बौना, ठिगना।

ਬੌਰ बौर् Baur [1] **स्त्री०**
वागुरा (स्त्री०) पशुओं के मुख का जाल या फन्दा जिसे ग्रामीण भाषा में जाब कहते हैं।

ਬੌਰਾ बौरा Baura [3] **पुं०**
वायुर/वातुल (वि०) पागल, विक्षिप्त।

ਬੌਰੀਆ बौरिआ Bauria [3] **पुं०**
वागुरिक (पुं०) हिरण पकड़ने वाली एक प्रकार की निम्न जाति।

ਬੌਲਾ बौला Baula [2] **पुं०**
वातुल (वि०) बावला, विक्षिप्त।

ਬੰਸ बंस् Bans [3] **पुं०**
वंश (पुं०) वंश, कुल, खानदान।

ਬੰਸਰੀ बंसरी Bansarī [3] **स्त्री०**
वंशी (स्त्री०) वंशी, बाँसुरी।

ਬੰਸਾਵਲੀ बंसावली Bansāvalī [3] **स्त्री०**
वंशावली (स्त्री०) वंशावली, किसी वंश में उत्पन्न पुरुषों की पूर्वोत्तर क्रम से सूची।

ਬੰਸੀ बंसी Bansī [3] **वि०**
वंशीय (वि०) वंश का।

ਬੰਸੀਆ बंसीआ Bansīā [1] **वि०**
द्र०—ਬੰਸੀ।

ਬੰਗ बंग् Bang [1] **पुं०**
वङ्ग (नपुं०) सीसा, राँगा।

ਬੰਝ¹ बंझ् Bañjh [1] **पुं०**
वंश (पुं०) बाँस।

ਬੰਝ² बंझ् Bañjh [1] **स्त्री०**
वन्ध्या (स्त्री०) बाँझ, वन्ध्या स्त्री या गौ।

ਬੰਝਲੀ बंझ्ली Bañjhlī [2] **स्त्री०**
द्र०—ਬੰਝੁਲੀ।

ਬੰਝੁਲੀ बंझुली Bañjhulī [1] **स्त्री०**
वंशी (स्त्री०) बाँसुरी, छोटी-बाँसुरी।

ਬੰਦਨਾ बन्दणा Bandṇā [3] सक० क्रि०
वन्दते (भ्वादि सक०) वन्दना करना, प्रशंसा करना।

ਬੰਦਰ बन्दर् Bandar [3] पुं०
वानर (पुं०) बन्दर, वानर।

ਬੰਦੀ बन्दी Bandī [3] पुं०
बन्दी/बन्दि (वि०) कैदी, दास।

ਬੰਧਣ बन्धण् Bandhaṇ [3] पुं०
बन्धन (नपुं०) बाँधने की क्रिया, बन्धन।

ਬੰਧਾ बन्धा Bandhā [3] पुं०
बन्ध (पुं०) बाँध; पकड़, गिरफ्तारी।

ਬੰਧੂਆ बँधुआ Bādhuā [3] पुं०
बन्धित (वि०) बँधा हुआ, कैद में पड़ा हुआ।

ਬੰਨ੍ਹ बन्न्ह् Bannh [3] पुं०
बन्ध (पुं०) बाँध, बन्धन, पकड़।

ਬੰਨ੍ਹਣ बन्न्हण् Bannhaṇ [2] पुं०
द्र० – ਬੰਧਣ।

ਬੰਨ੍ਹਣਾ बन्न्हणा Bannhṇā [3] क्रि०
बध्नाति (क्र्यादि सक०) बाँधना, पकड़ना।

ਬ੍ਰਹਸਪਤ ब्रह्स्पत् Brahaspat [2] पुं०
बृहस्पति (पुं०) बृहस्पति ग्रह; देवगुरु।

ਬ੍ਰਹਸਪਤੀ ब्रह्स्पती Brahaspatī [3] पुं०
बृहस्पति (पुं०) बृहस्पति ग्रह; देवगुरु।

ਬ੍ਰਹਮਣ ब्रह्मण Brahmaṇ [3] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) चारों वर्णों में प्रथम और श्रेष्ठ वर्ण, ब्राह्मण।

ਬ੍ਰਹਮਣੀ ब्रह्मणी Brahmaṇī [3] स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मणी, ब्राह्मण जाति की स्त्री।

ਬ੍ਰਹਿਮੰਡ ब्रहिमण्ड् Brahimaṇḍ [3] पुं०
ब्रह्माण्ड (नपुं०) ब्रह्माण्ड, अण्डाकार भुवन कोष जिसके भीतर से यह सारा जगत् उत्पन्न हुआ।

ਬ੍ਰਾਹਮਣ ब्राह्मण् Brāhmaṇ [3] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) ब्राह्मण-जाति।

ਬ੍ਰਾਹਮਣੀ ब्राह्मणी Brāhmaṇī [3] स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मण-स्त्री।

ਭ

ਭਉ भउ Bhau [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਭਈ भई Bhai [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) सम्बोधन-वाचक (भ्राता के अर्थ में)।

ਭਈਆ भइआ Bhaiā [2] पुं०
द्र०—ਭਈ।

ਭਈਆਦੂਜ भइआदूज् Bhaiādūj [3] पुं०

भ्रातृद्वितीया (स्त्री०) भैया दूज, दीपावली के ठीक बाद की द्वितीया।

ਭਸਮ भसम् Bhasam [3] **स्त्री०**
भस्मन् (नपुं०) भस्म, राख।

ਭਸਮਧਾਰੀ भसम्धारी Bhasamdhārī [3] **पुं०**
भस्मधारिन् (वि०) शरीर पर भस्म रमाने वाला अवधूत साधु।

ਭਸਮਾਭੂਸ भस्माभूस् Bhasmābhūs [1] **वि०**
भस्मीभूत (वि०) भस्मीभूत, जो राख हो गया; बिल्कुल समाप्त।

ਭਸਮੀ भस्मी Bhasmī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਭਸਮ।

ਭਸਮੰਦਰ भस्मन्दर् Bhasmandar [3] **पुं०**
भस्ममन्दिर (नपुं०) राख का मकान; नाशवान्।

ਭੱਸ भस्स् Bhass [3] **स्त्री०**
भस्मन् (नपुं०) भस्म, राख।

ਭੱਸਰ भस्सर् Bhassar [3] **स्त्री०**
भस्मर (वि०) धूलि-बहुल।

ਭਖਣਾ[1] भख्णा Bhakhṇa [3] **अक० क्रि०**
धुक्षते (स्वादि अक०) सुलगना, जलना।

ਭਖਣਾ[2] भख्णा Bhakhṇa [3] **सक० क्रि०**
भक्षति (स्वादि सक०) खाना, भोजन करना।

ਭਖਾਰੀ भखारी Bhakhārī [3] **पुं०**
भिक्षाचारिन् (वि०) भिखारी, भीख माँगने वाला।

ਭੱਖਣਾ भक्खणा Bhakkhṇa **सक० क्रि०** [3]
भक्षयति (चुरादि प्रेर०) निगलना, भक्षण करना।

ਭਗਉਤੀ भग्उती Bhagautī [3] **स्त्री०**
भगवती (स्त्री०) भगवती, देवी दुर्गा।

ਭਗਤਣੀ भग्तणी Bhagtaṇī [3] **स्त्री०**
भक्ता (स्त्री०) भक्ति करने वाली, भक्त की पत्नी।

ਭਗਤ भगत् Bhagat [3] **पुं०**
भक्त (वि०) उपासक, सेवक, भक्त।

ਭਗਤਮਾਲ भगत्माल् Bhagatmāl [3] **स्त्री०**
भक्तमाल (नपुं०) भक्तमाल ग्रन्थ।

ਭਗਤਮਾਲਾ भगत्माला Bhagatmālā [3] **स्त्री०**
द्र०—ਭਗਤਮਾਲ।

ਭਗਤ-ਵਛਲ भगत्-वछल् Bhagat-Vachal [3] **पुं०**
भक्तवत्सल (पुं०) भक्तवत्सल, भक्तों पर वात्सल्यभाव रखने वाला।

ਭਗਤੀ भग्ती Bhagtī [3] **स्त्री०**
भक्ति (स्त्री०) सेवा; अनुराग; भजन; श्रद्धा।

ਭਗਵੰਤ भगवन्त् Bhagvant [3] पुं०
भाग्यवत् (वि०) भाग्यवान् ।

ਭਗੌਤੀ भगौती Bhagautī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਗਉਤੀ ।

ਭੱਛ भच्छ् Bhacch [2] वि०
भक्ष्य (वि०) भक्ष्य, खाने योग्य ।

ਭੱਛਕ भच्छक् Bhacchak [3] पुं०
भक्षक (वि०) भक्षक, खाने वाला ।

ਭੱਛਣਾ भच्छणा Bhacchṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਭੱਖਣਾ ।

ਭਜਣਾ भज्णा Bhajṇā [3] सक० क्रि०
भजते (भ्वादि सक०) सेवा करना, भजना ।

ਭਟਕਾਉਣਾ भट्काउणा Bhaṭkāuṇā [3] सक० क्रि०
भ्रंशयति (भ्वादि प्रेर०) भटकाना, कुमार्ग पर चलाना ।

ਭਟੇਟਾ भटेटा Bhaṭeṭā [3] पुं०
भट्टपुत्र (पुं०) भाँट का पुत्र ।

ਭਟੇਟੀ भटेटी Bhaṭeṭī [3] स्त्री०
भट्टपुत्री (स्त्री०) भाँट की पुत्री ।

ਭੱਟ भट्ट् Bhaṭṭ [3] पुं०
भट्ट (पुं०) भाँट, एक वर्ण संकर जाति ।

ਭੱਟਣ भट्टण् Bhaṭṭaṇ [2] स्त्री०
भट्टिनी (स्त्री०) भाँट की स्त्री, भाँट जाति की स्त्री ।

ਭੱਟਣੀ भट्टणी Bhaṭṭaṇī [2] स्त्री०
द्र०—ਭੱਟਣ ।

ਭਠਿਆਰਨ भठिआरन् Bhaṭhiāran [3] स्त्री०
भ्रष्टकारी (स्त्री०) भड़भूँजे की पत्नी ।

ਭਠਿਆਰਾ भठिआरा Bhaṭhiārā [3] पुं०
भ्रष्टकार (पुं०) भड़भूँजा ।

ਭਠਿਆਰੀ भठिआरी Bhaṭhiārī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਠਿਆਰਾ ।

ਭਠੂਰਾ भठूरा Bhaṭhūrā [3] पुं०
भ्राष्टपूर (नपुं०) भट्ठी के तवे पर तैयार पक्वान्न, भठूरा ।

ਭੱਠ भट्ठ् Bhaṭṭh [2] पुं०
भ्राष्ट्र (नपुं०, पुं०) भट्ठी; दाना भूनने का पात्र ।

ਭੱਠਾ भट्ठा Bhaṭṭhā [3] पुं०
भ्राष्ट्र (नपुं०, पुं०) आँवा, आपाक; भट्ठा ।

ਭੱਠੀ भट्ठी Bhaṭṭhī [3] स्त्री०
भ्राष्ट्री (स्त्री०) भट्ठी, आँवा ।

ਭਣਵਈਆ भणवइआ Bhaṇvaiā [3] पुं०
भगिनिपति (पुं०) बहनोई, बहन का पति ।

ਭਣੇਆ भणेआ Bhaṇeā [2] पुं०
भागिनेय (पुं०) भगिना, बहन का पुत्र।

ਭਣੇਈ भणेई Bhaṇeī [2] स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) बहन की पुत्री, भांजी।

ਭਣੇਵਾਂ भणेवाँ Bhaṇevā̃ [3] पुं०
द्र०—ਭਣੇਆ।

ਭਣੇਵੀਂ भणेवीं Bhaṇvī̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਭਣੇਈ।

ਭਣੋਈਆ भणोइआ Bhaṇoiā [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहन का पति।

ਭਤਾਰ भतार् Bhatār [3] पुं०
भर्तृ (भर्तार) (पुं०/वि०) पुं०—भर्ता, पति। वि०—पालक, स्वामी।

ਭਤੀਜ भतीज् Bhatīj [3] पुं०
भ्रातृज (पुं०) भतीजा, भाई का पुत्र।

ਭਤੀਜਾ भतीजा Bhatījā [3] पुं०
द्र०—ਭਤੀਜ।

ਭਤੀਜੀ भतीजी Bhatījī [3] स्त्री०
भ्रातृजा (स्त्री०) भाई की पुत्री, भतीजी।

ਭੱਤ भत्त् Bhatt [2] पुं०
भक्त (नपुं०) भात, पका चावल।

ਭੱਤਾ भत्ता Bhattā [3] पुं०
भ्रातृ (भ्राता) (पुं०) भ्राता, भाई।

ਭਤ੍ਰੀਜਾ भत्रीजा Bhatrījā [2] पुं०
द्र०—ਭਤੀਜ।

ਭੱਦਣ भद्दण् Bhaddaṇ [3] पुं०
भद्राकरण (नपुं०) मुण्डन, शिरोमुण्डन।

ਭੱਦਣਾ भद्दणा Bhaddṇā [2] अक० क्रि०
भद्रयति (नामधातु प्रेर०) शिर मुँडवाना।

ਭੱਦਾ भद्दा Bhaddā [3] पुं०
अभद्र (वि०) भद्दा, कुरूप, बेढब।

ਭਨਵਾਉਣਾ भन्वाउणा Bhanvāuṇā [3] सक० क्रि०
भञ्जयति (रुधादि प्रेर०) तोड़वाना।

ਭਨੋਈਆ भनोइआ Bhanoiā [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहनोई, बहिन का पति।

ਭਰ भर् Bhar [1] वि०
भर (वि०) अधिक, बहुत।

ਭਰਜਾਈ भर्जाई Bharjāī [3] स्त्री०
भ्रातृजाया (स्त्री०) भौजाई, भाई की पत्नी।

ਭਰਨਾ भर्ना Bharnā [3] अक० क्रि०
भरति (भ्वादि सक०) ढोना, भरण करना।

ਭਰੱਪਣ भरप्पण् Bharappaṇ [2] वि०
भ्रातृपण / भ्रातृत्व (नपुं०) भाईपना, भ्रातृत्व।

ਭਰਮ भरम् Bharam [1] पुं०
भ्रम (पुं०) भ्रम, सन्देह ।

ਭਰਮਣ भर्मण् Bharman [3] पुं०
भ्रमण (नपुं०) भ्रमण, घूमना ।

ਭਰਮਣਾ भरम्णा Bharamṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति/भ्राम्यति (भ्वादि अक०) घूमना-फिरना, टहलना ।

ਭਰਮਾਈ भर्माई Bharmāī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਰਮ ।

ਭਰਮੀ भर्मी Bharmī [3] वि०
भ्रमिन् (वि०) भ्रम-युक्त, सन्देहास्पद ।

ਭਰਮੀਆ भर्मिआ Bharmiā [3] वि०
द्र०—ਭਰਮੀ ।

ਭਰਾ भरा Bharā [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) भ्राता, भाई ।

ਭਰੀ भरी Bharī [3] स्त्री०
भर (पुं०) बोझ, भार ।

ਭਲਾਵਾ भलावा Bhalāvā [3] पुं०
भल्लातक (पुं० / नपुं०) पुं०—भिलावा, एक वृक्ष । नपुं०—भिलावा का फल ।

ਭਲੇਰਾ भलेरा Bhalerā [3] वि०
भद्र (वि०) अच्छा; कल्याण-युक्त, मंगलमय ।

ਭਵਣ भवण् Bhavaṇ [3] पुं०
भवन (नपुं०) अधिष्ठान, मन्दिर ।

ਭਵਣਾ भव्णा Bhavṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਭਰਮਣਾ ।

ਭਵਨਾ भव्ना Bhavnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਭਰਮਣਾ ।

ਭਵਾਂ भवाँ Bhavā̃ [3] स्त्री०
भ्रू (स्त्री०) भौंहे, भौं ।

ਭਵਿੱਖ भविक्ख् Bhavikkh [3] पुं०
भविष्यत् (नपुं०) भविष्य, आगे आने वाला समय; भाग्य ।

ਭਵਿੱਖਤ भविक्खत् Bhavikkhat [3] पुं०
द्र०—ਭਵਿੱਖ ।

ਭੜਭੂੰਜਾ भड़्भूंजा Bhaṛbhū̃jā [3] पुं०
भ्राष्ट्रभर्जक (पुं०) भड़भूजा ।

ਭਾ[1] भा Bhā [3] पुं०
भाव (पुं०) वास्तविकता; स्वभाव; आदर, प्रेम; मूल्य; अभिप्राय, अर्थ ।

ਭਾ[2] भा Bhā [2] स्त्री०
भास् (स्त्री०) चमक, प्रकाश ।

ਭਾਉ भाउ Bhāu [3] पुं०
भाव (पुं०) भाव; अस्तित्व; आदर, प्रेम ।

ਭਾਉਣਾ[1] भाउणा Bhāuṇā [3] सक० क्रि०

भाति (अदादि अक०) भाना, अच्छा लगना।

ਭਾਉਣਾ² भाउणा Bhauṇa [3] पुं०
भावना (स्त्री०) कल्पना, विचार।

ਭਾਈ भाई Bhai [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) भाई, भ्राता।

ਭਾਈਆ भाइआ Bhaia [1] पुं०
द्र०—ਭਾਈ।

ਭਾਸ਼ भाश् Bhaś [3] पुं०
भाष्य (नपुं०) भाष्य, व्याख्या, विस्तृत टीका।

ਭਾਸ਼ਕਾਰ भाश्कार् Bhaśkar [3] पुं०
भाष्यकार (वि०) भाष्यकार, टीकाकार।

ਭਾਸ਼ਣ भाशण् Bhaśaṇ [3] पुं०
भाषण (नपुं०) भाषण, व्याख्यान।

ਭਾਸਣਾ भासणा Bhasṇa [3] अक० क्रि०
भासते (भ्वादि अक०) प्रतीत होना, सूझना।

ਭਾਸ਼ਣਕਾਰ भाषन्कार् Bhasankar [3] पुं०
भाषणकार (वि०) भाषण करने वाला।

ਭਾਸਮਾਨ भास्मान् Bhasman [3] पुं०
भास्वत् (भास्वान्) (पुं०) भास्कर, सूर्य।

ਭਾਹ भाह् Bhah [3] पुं०
भास (पुं०) चमक, प्रकाश।

ਭਾਖਣਾ भाख्णा Bhakhṇa [1] सक० क्रि०
भाषते (भ्वादि सक०) बोलना, कहना।

ਭਾਖਾ भाखा Bhakha [3] स्त्री०
भाषा (स्त्री०) भाषा, वाणी।

ਭਾਗ भाग् Bhag [3] पुं०
भाग्य (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य, किस्मत।

ਭਾਗਸ਼ਾਲਤਾ भाग्शाल्ता Bhagśalta [1] स्त्री०
भाग्यशालिता (स्त्री०) भाग्यशाली होने का भाव।

ਭਾਗਸ਼ਾਲੀ भाग्शाली Bhagśali [3] पुं०
भाग्यशालिन् (वि०) भाग्यशाली।

ਭਾਗਹੀਣ भाग्हीण् Bhaghiṇ [3] पुं०
भाग्यहीन (वि०) अभागा, मंदभाग्य।

ਭਾਗਣ भागण् Bhagaṇ [3] स्त्री०
भागिनी (स्त्री०) हिस्सेदार या साझेदार स्त्री।

ਭਾਗਵਾਦੀ भाग्वादी Bhagvadi [3] पुं०
भाग्यवादिन् (वि०) भाग्यवादी, भाग्य को ही सब कुछ माननेवाला व्यक्ति।

ਭਾਗਵਾਨ भाग्वान् Bhagvan [3] पुं०
भाग्यवत् (वि०) भाग्यवान्, भाग्यशाली, खुशकिस्मत।

ਭਾਗੀ भागी Bhagi [3] पुं०

भागिन् (वि०) भागी, भागवाला, हिस्सेदार, भागीदार ।

ਭਾਂਡ भाण्ड Bhāṇḍ [3] पुं०
भाण्ड (नपुं०) पात्र, बर्तन ।

ਭਾਂਡਾ भांडा Bhāṇḍā [3] पुं०
भाण्ड (नपुं०) भोजन बनाने का पात्र ।

ਭਾਣ भाण् Bhāṇ [3] स्त्री०
भानु (पुं०) किरण, प्रकाश ।

ਭਾਣਜਾ भाण्जा Bhāṇjā [3] पुं०
भागिनेय (पुं०) भांजा, भगिना, बहिन का पुत्र ।

ਭਾਣਜੀ भाण्जी Bhāṇjī [3] स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) भाँजी, बहिन की पुत्री ।

ਭਾਂਤ भांत् Bhā̃t [3] पुं०
भक्ति (स्त्री०) प्रकार, वर्ग, पार्थक्य ।

ਭਾਦਰੋਂ भाद्रों Bhādrõ [3] पुं०
द्र०— ਭਾਦੋਂ ।

ਭਾਦੋਂ भादों Bhādõ [3] पुं०
भाद्रपद (पुं०) भाद्रमास, अगस्त-सितम्बर मास ।

ਭਾਨ भान् Bhān [3] पुं०
भानु (पुं०) भानु, सूर्य ।

ਭਾਫ भाफ् Bhāph [3] स्त्री०
बाष्प (नपुं०) भाप, वाष्प ।

ਭਾਫਣਾ भाफ्णा Bhāphṇā [3] अक० क्रि०
बाष्पायते (नामधातु सक०) भाप लेना, अन्तःश्वसन ।

ਭਾਰ भार् Bhār [3] पुं०
भार (पुं०) बोझ, भार ।

ਭਾਰਾ भारा Bhārā [3] पुं०
भारिक (वि०) भारी, बोझ युक्त, कुली ।

ਭਾਰੀ भारी Bhārī [3] वि०
भारिन् (वि०) भारी, बोझ युक्त कुली ।

ਭਾਲਣਾ भाल्णा Bhālṇā [3] सक० क्रि०
भालयते (चुरादि० सक०) ढूँढना, खोजना, देखना ।

ਭਾੱਲਾ भाल्ला Bhāllā [3] पुं०
भल्ल (पुं०, नपुं०) भाला, शस्त्र-विशेष ।

ਭਾਵੁਕ भावुक् Bhāvuk [3] वि०
भावुक (वि०) रसज्ञ, सहृदय ।

ਭਾਵੁਕਤਾ भावुक्ता Bhāvuktā [3] स्त्री०
भावुकता (स्त्री०) भावुकता, सहृदयता ।

ਭਾੜਾ भाड़ा Bhāṛā [3] पुं०
भाटक (पुं०) मजदूरी, किराया, भाड़ा ।

ਭਿਆਣਾ भ्याणा Bhyāṇā [2] पुं०
भियान (वि०) डरा हुआ, बेचैन, उत्तेजित ।

ਭਿਖਾਰਨ भिखारन् Bhikhāran [3] स्त्री०
भिक्षुणी (स्त्री०) भिखारिन ।

ਭਿਖਾਰੀ मिखारी Bhikhari [3] पुं०
भिक्षाचारिन् (वि०) भिक्षुक, भिखारी, भिखमंगा।

ਭਿੱਖ मिक्ख् Bhikkh [3] स्त्री०
भिक्षा (स्त्री०) भीख, भिक्षा।

ਭਿੱਖਕ भिक्खक् Bhikkhak [3] पुं०
भिक्षुक (पुं०) भिखारी, भिक्षुक।

ਭਿੱਖਿਆ भिक्ख्या Bhikkhya [3] पुं०
भिक्षुक (पुं०) भिखारी, भिक्षु।

ਭਿੱਛਿਆ भिच्छ्या Bhicchya [1] स्त्री०
भिक्षा (स्त्री०) भिक्षा, भीख।

ਭਿਜਵਾਉਣਾ भिज्वाउणा Bhijvauna [3] सक० क्रि०
भाजयति (चुरादि प्रेर०) भिजवाना, भेजना; पृथक् करना।

ਭਿੰਡੀ भिण्डी Bhindi [3] स्त्री०
भिण्डा (स्त्री०) भिण्डी, सब्जी।

ਭਿੰਡੀਪਾਲ भिण्डीपाल् Bhindipal [1] पुं०
भिन्दिपाल (पुं०) एक छोटा डण्डा जिससे प्रचीन काल में फेंक कर मारा जाता था। गुलेल, जिसमें कंकड़ या पत्थर रखकर उससे निशाना लगाया जाता है।

ਭਿੰਨ-ਭਿੰਨ भिन्न्-भिन्न् Bhinn-Bhinn [3] वि०
भिन्न-भिन्न (वि०) पृथक्-पृथक्; अलग-अलग।

ਭਿਲਾਵਾ भिलावा Bhilava [2] पुं०
भल्लात/भल्लातक (पुं०) भिलारे का वृक्ष।

ਭੀਸ਼ਮ भीशम् Bhisam [3] वि०/पुं०
भीष्म (वि०/पुं०) वि०—भयावह, डरावना। पुं०—शिव; भीष्म पितामह।

ਭੀਖਣ भीखण् Bhikhan [2] वि०
भीषण (वि०) भयानक, खौफनाक।

ਭੀਤ भीत् Bhit [3] स्त्री०
भित्ति (स्त्री०) भीत, दीवार।

ਭੀਤਰ भीतर् Bhitar [3] क्रि० वि०
अभ्यन्तर (क्रि० वि०) भीतर, अन्दर, बीच, मध्य में।

ਭੀਲ भील् Bhil [3] पुं०
भिल्ल (पुं०) जंगली, असभ्य जाति।

ਭੁਆਉਣਾ भुआउणा Bhuauna [3] क्रि०
भ्रामयति (भ्वादि प्रेर०) घुमाना, घुमाने की प्रेरणा देना।

ਭੁਅੰਗ भुअंग Bhuang [1] पुं०
भुजङ्ग (पुं०) सर्प, साँप।

ਭੁਈਂ भुईं Bhui [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती।

ਭੁਸ भुस् Bhus [3] स्त्री०
बुस (नपुं०) भूसा, भूसी।

ਭੁੱਸੀ भुस्सी Bhussī [3] स्त्री०
बुस (नपुं०) भूसा, भूसी।

ਭੂਹੇ भूहे Bhūhe [3] वि०
भर्ज (वि०) क्रुद्ध, खफा।

ਭੁਕਤ भुकत् Bhukat [3] वि०
भुक्त (वि०) खाया हुआ, भोग किया हुआ।

ਭੁੱਖੜ भुक्खड़् Bhukkhaṛ
द्र०—ਭੁੱਖਾ।

ਭੁੱਖਾ भुक्खा Bhukkhā [3] पुं०
बुभुक्षु/बुभुक्षित (वि०) भूखा, क्षुधित।

ਭੁਗਤਾ भुग्ता Bhugtā [3] पुं०
भोक्तृ (भोक्ता) (वि०) भोक्ता; भोग करने वाला।

ਭੁਚਾਲ भुचाल् Bhucāl [3] पुं०
भूचाल (पुं०) भूकम्प, भूचाल।

ਭੁੱਜਣਾ भुज्जणा Bhujjṇā [3] क्रि०
भृज्यते (स्वादि कर्म वा०) भूनना।

ਭੁੱਜੀ भुज्जी Bhujjī [3] स्त्री०
द्र०—ਭੁਰਜੀ।

ਭੁਨਾਉਣਾ भुनाउणा Bhunāuṇā
[3] सक० क्रि०
भ्रस्जयति (तुदादि प्रेर०) भुजवाना, भुनाना।

ਭੁੰਨਣਾ भुन्नणा Bhunnṇā [3] पुं०
भर्जन (नपुं०) भूंजने अथवा भूनने का भाव।

ਭੁਰਜੀ भुर्जी Bhurjī [3] स्त्री०
भृजित/भर्जित (वि०) भुना हुआ।

ਭੁਰਜੂ भुर्जू Bhurjū [3] वि०
भुजित (वि०) भुना हुआ।

ਭੁਰਭੁਰਾ भुर्भुरा Bhurbhurā [3] वि०
भूर्णि (वि०) चंचल, तेज, तीव्रगामी।

ਭੂੰ भूं Bhū̃ [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) पृथ्वी, जमीन, भूमि।

ਭੂਸਲਾ भूस्ला Bhūslā [3] वि०
धूसर (वि०) धूसर, मटमैला।

ਭੂਹਾਲੂ भूहालू Bhūhālū [2] पुं०
बुसशाला (स्त्री०) भुसौला, भूसा रखने का घर।

ਭੂਖਣ भूखण् Bhūkhaṇ [3] पुं०
भूषण (नपुं०) अलंकार, गहना।

ਭੂਤ भूत् Bhūt [3] पुं०
भूत (पुं०) भूत-प्रेत; पाँच तत्त्व; भूतकाल।

ਭੂਪਤ भूपत् Bhūpat [3] पुं०
भूपति (पुं०) नृपति, राजा।

ਭੂਮ भूम् Bhūm [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, पृथ्वी।

ਭੂਮੀ भूमी Bhūmī [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती, पृथ्वी।

ਭੂਰਾ भूरा Bhūrā [3] वि०
बभ्रु > भूर (वि० / नपुं) वि०—भूरा।
नपुं०—भूरा रंग।

ਭੇਂ भें Bhē [3] पुं०
बिस (नपुं०) कमलनाल, कमल का दण्ड।

ਭੇਸ भेस् Bhes [3] पुं०
वेश (पुं०) वेश, पहिनावा, पोशाक।

ਭੇਜਾ भेजा Bhejā [3] पुं०
मेदुर (नपुं०) शिर का माँस, मगज।

ਭੇਡ भेड् Bheḍ [3] स्त्री०
भेड (पुं०) मेष, भेंड़ा।

ਭੇਡਾ भेडा Bheḍā [3] पुं०
भेड (पुं०) भेड़ा, मेष; छाग।

ਭੇਡੂ भेडू Bheḍū [3] पुं०
भेड (पुं०) भेड़, छाग; मेष।

ਭੇਤ भेत् Bhet [3] पुं०
भेद (पुं०) भेद, रहस्य।

ਭੇਤੀ भेती Bhetī [3] पुं०, वि०
भेदिन् (वि०) भेदी, भेद या रहस्य को जानने वाला।

ਭੇਤੀਆ भेतिआ Bhetiā [3] वि० पुं०
द्र०—ਭੇਤੀ।

ਭੇਦੀਆ भेदिआ Bhediā [3] पुं०, वि०
द्र०—ਭੇਤੀ।

ਭੇਰ भेर् Bher [2] पुं०
भेरी (स्त्री०) भेरी, नगाड़ा।

ਭੇਰਾ भेरा Bherā [3] पुं०
द्र०—ਭੇਰ।

ਭੈ भैं Bhai [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਭੈਂਸ भैंस् Bhaĩs [2] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਭੈਂਸਾ भैंसा Bhaĩsā [3] पुं०
महिष (पुं०) भैंसा।

ਭੈਣ[1] भैण् Bhaiṇ [3] स्त्री०
भगिनी (स्त्री०) बहिन, बहन।

ਭੈਣ[2] भैण् Bhaiṇ [3] पुं०
भ्रमण (नपुं०) भ्रमण, चक्कर।

ਭੈਣਾ भैणा Bhaiṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) घूमना, चक्कर काटना।

ਭੈਭੀਤ भैभीत् Bhaibhīt [3] वि०
भयभीत (वि०) भय से डरा हुआ, भयाक्रान्त।

ਭੈਰੋਂ भैरों Bhairō [3] पुं०
भैरव (पुं०) शिव के गण-विशेष जो उन्हीं के अवतार माने जाते हैं, भैरव।

ਭੋ भो Bho [3] पुं०
द्र०— भूमी।

ਭੋਇੰ भोइँ Bhoĩ [3] स्त्री०
द्र०—भूमी।

ਭੋਗ भोग् Bhog [3] पुं०।
भोग (पुं०) उपभोग, उपभोग के लिये पदार्थ; भोज।

ਭੋਗਣਾ भोगणा Bhogṇā [3] सक० क्रि०
भुनक्ति (रुधादि सक०) भोगना, भोग करना।

ਭੋਗਾ भोगा Bhogā [1] पुं०
भोक्तृ (वि०) भोक्ता, भोग करने वाला।

ਭੋਗੀਆ भोगिआ Bhogīā [1] पुं०
भोगिन् (वि०) भोगी, भोग करने वाला।

ਭੋਛਣ भोछण् Bhochaṇ [3] स्त्री०
प्रोञ्छन (नपुं०) पोंछने का वस्त्र, मार्जन।

ਭੋਜ[1] भोज् Bhoj [2] पुं०
भूर्ज (पुं०) भोज-पत्र का वृक्ष।

ਭੋਜ[2] भोज् Bhoj [3] पुं०
भोज्य (नपुं०) भोज्य पदार्थ; भोजोत्सव।

ਭੋਜਕ भोजक् Bhojak [2] पुं०
भोजक (पुं०) ब्राह्मणों की एक जाति।

ਭੋਜਕੀ भोज्की Bhojkī [2] पुं०
भोजकीय (वि०) भोजक ब्राह्मणों का कुल या कर्म।

ਭੋਜਨ भोजन् Bhojan [1] पुं०
भोजन (नपुं०) खाने योग्य वस्तु, खाद्य पदार्थ।

ਭੋਜਨ-ਬਿੰਜਨ भोजन्-बिंजन् Bhojan-Biñjan [3] पुं०
भोजनव्यञ्जन (नपुं०) अनेक प्रकार के खाद्य-पदार्थ, भाँति-भाँति की खाद्य-सामग्री।

ਭੋਜ-ਪੱਤਰ भोज्-पत्तर् Bhoj-Pattar [3] पुं०
भूर्जपत्र (नपुं०) भोज-पत्र।

ਭੋਰ भोर् Bhor [3] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौंरा, भ्रमर।

ਭੋਰਾ भोरा Bhorā [3] पुं०
भौमघर (पुं०) तहखाना, अन्न-प्रकोष्ठ।

ਭੌ भौ Bhau [1] पुं०
भाग (पुं०) हिस्सा, भाग।

ਭੌਂ[1] भौं Bhaũ [3] पुं०
द्र०—ਭਵਾਂ।

ਭੌਂ[2] भौं Bhaũ [3] पुं०
भ्रम (पुं०) चक्कर, घुमरी।

ਭੌਂਚਲ भौंचल् Bhaũcal [3] पुं०
द्र०—ਭੁਚਾਲ।

ਭੌਂਚਾਲ भौंचाल् Bhaũcāl [3] पुं०
द्र० ਭੁਚਾਲ।

ਭੌਣ भौण् Bhauṇ [3] पुं०
भवन (नपुं०) भवन, मकान, मन्दिर।

ਭੌਣਾ भौणा Bhauṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) घूमना, भ्रमण करना।

ਭੌਤਿਕ भौतिक् Bhautik [3] वि०
भौतिक (वि०) चेतन-अचेतन संबन्धी, भूत संबन्धी; संसारी।

ਭੌਣੀ भौनी Bhaunī [3] स्त्री०
भ्रमणी (स्त्री०) घिरनी जिस पर पानी निकालने का रस्सा घूमता है।

ਭੌਰ भौर् Bhaur [3] पुं०
द्र० – ਭੰਵਰ।

ਭੌਰਾ भौरा Bhaurā [3] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौंरा, भ्रमर-कीट।

ਭੌਰੀ भौरी Bhaurī [2] स्त्री०
भ्रमरक (पुं०, नपुं०) घुँघराले बाल, कुन्तल केश।

ਭੰਗ भंग् Bhaṅg [3] स्त्री०
भङ्ग (पुं०) भाँग, विजया।

ਭੰਗਣਾ भंगणा Bhaṅgṇā [3] स्त्री०
भञ्जन (नपुं०) रुकावट डालने या बाधा पहुँचाने का भाव।

ਭੰਜਣਾ भंजणा Bhañjṇā [3] सक० क्रि०
भनक्ति (रुधादि सक०) भग्न करना, तोड़ना।

ਭੰਜਨਾ भंजना Bhañjnā [3] सक० क्रि०
द्र – ਭੰਜਣਾ।

ਭੰਡ भण्ड् Bhaṇḍ [3] पुं०
भण्ड (पुं०) भाँड़; विदूषक; वर्ण संकर जाति।

ਭੰਡਣਾ भण्डणा Bhaṇḍṇā [3] सक० क्रि०
भण्डते (भ्वादि सक०) निन्दा फैलाना, उपहास करना।

ਭੰਡਾਰ भण्डार् Bhaṇḍār [3] पुं०
भाण्डागार (नपुं०) भण्डार, मालगोदाम, गोदाम।

ਭੰਡਾਰੀ भण्डारी Bhaṇḍārī [3] पुं०
भाण्डागारिक (पुं०) भण्डारी, मालगोदाम का अधिकारी।

ਭੰਨਣਾ भन्नणा Bhannṇā [3] सक० क्रि०
भनक्ति (रुधादि सक०) तोड़ना, भग्न करना।

ਭੰਵਰ[1] भँवर् Bhăvar [1] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौंरा, भ्रमर-कीट।

ਭੰਵਰ[2] भँवर् Bhăvar [3] पुं०
भ्रमर (नपुं०) भँवर, आवर्त, जलावर्त।

ਭੰਵਰਾ भँवरा Bhăvarā [2] पुं०
द्र० – ਭੰਵਰ[1]

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ भ्रिषट् Bhriṣaṭ [3] वि०

भ्रष्ट (वि०) भ्रष्ट, पतित, दुराचारी।

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਣਾ भ्रिषट्णा Bhriśaṭṇā [3] अक० क्रि०
भ्रंशते (भ्वादि अक०) भ्रष्ट होना, पतित होना, नीचे गिरना।

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਿਆ भृश्टिआ Bhriśṭiā [3] वि०
द्र०—ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ।

ਭ੍ਰਿਤ भ्रित् Bhrit [2] पुं०
भृत्य (पुं०) भृत्य, नौकर, सेवक।

ਮ

ਮਇਆ मइआ Maiā [3] सर्व०
मया (सर्व० तृ०) मेरे द्वारा।

ਮਸ਼ਕ मशक् Maśak [3] स्त्री०
मशक (पुं०) मशक, जो भिस्तियों के पास रहती है।

ਮਸ਼ਟਾਨ मश्टान् Maśṭān [3] पुं०
मिष्टान्न (नपुं०) मिष्टान्न, मिठाई।

ਮਸਰ मसर् Masar [3] पुं०
मसूर (पुं०) मसूर अन्न या उसकी दाल।

ਮਸਰੀ मस्री Masrī [3] स्त्री०
मसूरा (स्त्री०) मसूर अन्न या मसूर की दाल।

ਮਸਲਣਾ मसल्णा Masalṇā [3] क्रि०
मथति (भ्वादि सक०) मसलना, रगड़ना; कुचलना।

ਮਸਵਾਣੀ मस्वाणी Masvāṇī [3] स्त्री०
मसिदानी (स्त्री०) मसीपात्र, स्याही की दावात।

ਮਸਾਣ मसाण् Masāṇ [3] पुं०
श्मशान (नपुं०) मसान, दाह-स्थान, मरघट।

ਮਸਾਣਾਂ मसाणाँ Masāṇā̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਮਸਾਣ।

ਮਸਾਣੀ मसाणी Masāṇī [2] पुं०
श्माशानिक (पुं०) श्मशान में मुर्दा जलाने वाला।

ਮਸਾਣੀਆ मसाणिआ Masāṇiā [3] पुं०
द्र०—ਮਸਾਣੀ।

ਮਸਾਤ मसात् Masāt [1] पुं०
मातुःस्वसृपुत्र (पुं०) मौसी का पुत्र, मौसेरा भाई।

ਮਸਾਂਦ मसाँद् Masā̃d [1] पुं०, स्त्री०
मासान्त (पुं०) मासान्त, महीने का अन्तिम दिन।

ਮਸਿਅਹੁਰਾ मसिअहुरा Masiahurā [3] पुं०
मातुष्वसृश्वसुर > मातुःष्वसृश्वश्रू (पुं०) मौसेरा श्वसुर।

ਮਸੂੜ੍ਹਾ मसूह्ड़ा Masūhṛa [3] पुं०
मांसपुटक (नपुं०) मसूड़ा ।

ਮਸੇਹਸ मसेहस् Masehas [3] स्त्री०
मातुःष्वसृश्वश्रू (स्त्री०) मौसेरी सास, सास की बहन ।

ਮਸੇਰ मसेर् Maser [3] पुं०
मातास्वस्रीय (पुं०) मौसेरा भाई ।

ਮਸੇਰਾ मसेरा Masera [3] पुं०
द्र०—ਮਸੇਰ ।

ਮੱਸ[1] मस्स् Mass [1] स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ, दाढ़ी-मूँछ ।

ਮੱਸ[2] मस्स् Mass [1] स्त्री०
मसि (स्त्री०, पुं०) मसी, स्याही; कज्जल, काजल ।

ਮੱਸਾ मस्सा Massā [3] पुं०
मशक (पुं०) मस्सा, मसा नामक चर्म रोग ।

ਮੱਸਿਆ मस्स्या Massyā [3] स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस, कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि ।

ਮਹਤ महत् Mahat [1] वि०
महत् (वि०) बड़ा, विपुल; बड़े महत्त्व का ।

ਮਹੱਤਤਾ महत्तता Mahattatā [3] स्त्री०
महत्ता (स्त्री०) महत्त्व, बड़प्पन ।

ਮਹੱਤਵ महत्त्व् Mahattv [3] पुं०
महत्त्व (नपुं०) महत्ता, बड़प्पन, गुरुता ।

ਮਹਲੀ मह्ली Mahlī [2] स्त्री०
महिला (स्त्री०) महिला, स्त्री, औरत ।

ਮਹਾਜਨ महाजन् Mahājan [3] पुं०
महाजन (पुं०) महान् जन, श्रेष्ठ जन ।

ਮਹਾਤਮਤਾਈ महातमताई Mahātamtāī [3] स्त्री०
महात्मता (स्त्री०) महात्मता, महात्मा होने का भाव ।

ਮਹਾਮਨ महामन् Mahāman [3] वि०
महामनस् (वि०) उदार दिल वाला, बड़े दिल वाला ।

ਮਹਾਵਟ महावट् Mahāvaṭ [1] पुं०
माघवृष्टि (स्त्री०) माघ की वर्षा, जाड़े की वर्षा ।

ਮਹਾਵਤ महावत् Mahāvat [3] पुं०
महामात्र (पुं०) महावत, हस्ति-चालक ।

ਮਹਿੰ महिं Mahĩ [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस, महिषी ।

ਮਹਿਆਂ महिआँ Mahiā̃ [3] पुं०
महिष (पुं०) भैंसा ।

ਮਹਿੰਗਾ मैहँगा Maihā̃ga [3] पुं०
महार्घ (वि०) मँहगा ।

ਮਹਿੰਦੀ मैंह्दी Maihdī [3] स्त्री०
मेन्धी, मेन्धिका (स्त्री०) मेंहदी ।

ਮਹਿਰੂ महिरू Mahirū [3] वि०
महिषरूप (वि०) भैंस, भैंस जैसा ।

ਮਹੀ मही Mahī [2] स्त्री०
द्र०— ਮਹਿੰ ।

ਮਹੀਂ महीं Mahī̃ [2] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੀਓਂ महिओं Mahiõ [3] सर्व०
अहमेव (सर्व०) मैं ही ।

ਮਹੀਅਰ महीअर् Mahīar [3] पुं०
महिषचर (पुं०) भैंस का चरवाहा, भैंस चराने वाला ।

ਮਹੀਅਲ महीअल् Mahīal [1] स्त्री०
महीतल (पुं०) महीतल, भूतल, धरती की सतह ।

ਮਹੀਨ महीन् Mahīn [3] वि०
मात्सैन (वि०) महीन, बारीक ।

ਮਹੀਪਤ महीपत् Mahīpat [3] पुं०
महीपति (पुं०) महीपति, भूपति, राजा ।

ਮਹੀਂਵਾਲ महींवाल् Mahīval [3] पुं०
महिषीपाल (वि०) भैंस चराने वाला ।

ਮਹੁਕਾ महुका Mahukā [3] पुं०
द्र०— ਮੱਸਾ ।

ਮਹੂਰਤ महूरत् Mahūrat [3] पुं०
मुहूर्त्त (नपुं०) मुहूर्त्त, काल का एक मान जो 48 मिनट का होता है; विवाह यात्रा आदि के लिए शुभाशुभ काल ।

ਮਹੇਸਰ महेसर् Mahesar [2] पुं०
महेश्वर (पुं०) महेश्वर, भगवान्, शिव ।

ਮਹੇਣਵਾਂ म्हेण्वाँ Mahenvā̃ [2] पुं०
मन्दधैनव (नपुं०) कम दूध ।

ਮਹੈਂਸ महैंस Mhais [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੋਛਾ महोछा Mahochā [3] पुं०
महोत्सव (पुं०) महोत्सव, समारोह (महन्थ की गद्दीनसीनी का समारोह)।

ਮਹੌਤ महौत् Mahaut [1] पुं०
द्र०—ਮਹਾਵਤ ।

ਮਕ मक् Mak [3] स्त्री०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मक्का, मकई (अन्न विशेष) ।

ਮਕਈ मकई Makī [3] स्त्री०
मर्कक (पुं०) मकई, मक्का ।

ਮਕਨਾ मक्ना Maknā [1] पुं०
मत्कुण (पुं०) छोटा हाथी, बेदाँत का हाथी ।

ਮਕੜੀ मक्ड़ी Makṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੱਕੜੀ ।

ਮਕੋੜਾ मकोड़ा Makoṛā [1] पुं०
द्र०—ਮਕੌੜਾ ।

ਮਕੌੜਾ मकौड़ा Makauṛā [3] पुं०
मर्कोटक (पुं०) मकौड़ा, बड़ी काली चींटी, बड़ा काला चींटा ।

ਮੱਕੜ मक्कड़् Makkaṛ [2] पुं०
मर्कट (पुं०) मकड़ा-जन्तु ।

ਮੱਕੜੀ मक्कड़ी Makkaṛī [3] स्त्री०
मर्कटी (स्त्री०) मकड़ी-जन्तु ।

ਮੱਕਾ मक्का Makkā [3] पुं०
मर्कक > मर्कटक (पु०) मक्का, मकई ।

ਮੱਕੀ मक्की Makkī [3] स्त्री०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मकई, मक्का ।

ਮਖਣੀ मख्णी Makhṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੱਖਣ ।

ਮਖਣੀਆ मखणिआ Makhṇiā [2] पुं०
म्राक्षणिक (वि०) मक्खन-विक्रेता ।

ਮਖਾਸਰ मखासर् Makhāsar [1] पुं०
महिषासुर (पुं०) महिषासुर राक्षस ।

ਮਖਾਣਾ मखाणा Makhāṇā [3] पुं०
माक्षिककण (पुं०) चीनी में पका हुआ इलायची आदि का दाना ।

ਮਖੀਰ मखीर् Makhīr [3] पुं०
मक्षिका (स्त्री०) शहद की मक्खी, मधुमक्खी ।

ਮਖੀਰਾ मखीरा Makhīrā [2] पुं०
द्र०—ਮਖੀਰ ।

ਮਖੁ मखु Makhu [1] अ०
मा खलु (अ०) बिल्कुल नहीं ।

ਮੱਖ मक्ख् Makkh [2] पुं०
मक्षा/मक्षिका (स्त्री०) मक्खी ।

ਮੱਖਣ मक्खण् Makkhaṇ [3] पुं०
म्रक्षण (नपुं०) मक्खन; तेल; उबटन ।

ਮੱਖੀ मक्खी Makkhī [3] स्त्री०
मक्षा/मक्षिका (स्त्री०) मक्खी ।

ਮਗਨਤਾ मगन्ता Magantā [3] स्त्री०
मग्नता (स्त्री०) मग्नता, तल्लीनता ।

ਮਗਨਤਾਈ मगन्ताई Magantāī [3] स्त्री०
द्र०—ਮਗਨਤਾ ।

ਮਗਰ मगर् Magar [2] पुं०
मकर (पुं०) मगरमच्छ ।

ਮਗਰਮੱਛ मगर्मच्छ् Magarmacch [3] पुं०
मकरमत्स्य (पुं०) मगरमच्छ, घड़ियाल, ग्राह ।

ਮੱਗ मग्ग् Magg [2] पुं०
मार्ग (पुं०) मार्ग, रास्ता ।

ਮਘਵਾ मघ्वा Maghva [2] पुं०
मघवन् (मघवा) (पुं०) इन्द्र देवता।

ਮਘੇਰ मघेर् Magher [3] पुं०
द्र०—ਮੱਘਰ।

ਮੱਘਰ मग्घर् Magghar [3] पुं०
मार्गशीर्ष (पुं०) मार्गशीर्ष, अगहन मास।

ਮੱਘਾ मग्घा Maggha [3] पुं०
मघा (स्त्री०) मघा नक्षत्र।

ਮਛਹਿਰੀ मछ्हिरी Machhiri [3] स्त्री०
मशहरी (स्त्री०) मसहरी, मच्छरदानी।

ਮਛਰੀ मछ्री Machri [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਛ।

ਮਛਿਆਂਧ मछिआँध् Machiãdh [3] पुं०
मत्स्यगन्ध (पुं०) मछली की गन्ध।

ਮਛਿਆਰਾ मछिआरा Machiara [3] पुं०
मच्छमार / मत्स्यमार (पुं०) मछुआ, मछुआरा।

ਮਛੁਲੀ मछुली Machuli [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਛ।

ਮਛੂਆ मछूआ Machūa [2] पुं०
द्र०—ਮਛਿਆਰਾ।

ਮੱਛ¹ मच्छ् Macch [3] पुं०
मच्छ (पुं०) बड़ी मछली।

ਮੱਛ² मच्छ् Macch [3] पुं०
मत्स्य (पुं०) बड़ी मछली।

ਮੱਛਰ¹ मच्छर् Macchar [3] पुं०
मत्सर (पुं०) मच्छर, मश।

ਮੱਛਰ² मच्छर् Macchar [3] पुं०
मत्सर (पुं०) मत्सर, डाह, ईर्ष्या।

ਮੱਛੀ मच्छी Macchi [3] स्त्री०
मत्स्य (पुं०) छोटी मछली।

ਮੱਛੀ-ਹੱਟਾ मच्छी-हट्टा Macchi-Hatta [2] पुं०
मत्स्यहट्ट/मच्छहट्ट (पुं०) मछली-बाजार।

ਮੱਛੀਮਾਰ मच्छीमार् Macchimar [3] पुं०
द्र०—ਮਛਿਆਰਾ।

ਮਜਨ मजन् Majan [3] पुं०
मज्जन (नपुं०) मज्जन, स्नान।

ਮਜਨੀਠਾ मज्नीठा Majnitha [3] पुं०
इष्टमज्जन (नपुं०) मनभाता स्नान।

ਮਜਾਨ मजान् Majan [1] पुं०
द्र०—ਮਜਨ।

ਮਜੀਠ मजीठ् Majith [3] स्त्री०
मञ्जिष्ठ (पुं०) मजीठ, मजीठा।

ਮਜੀਠੜਾ मजीठ्ड़ा Majithra [2] पुं०
द्र०—ਮਜੀਠ।

ਮਜੀਠਾ मजीठा Majitha [2] पुं०
मञ्जिष्ठ (पुं०) मजीठ, औषध के काम आने वाली।

ਮਜੀਰਾ मजीरा Majira [1] पुं०
मञ्जीर (नपुं०) मजीरा, झाल।

ਮਜੂਲਾ मजूला Majūlā [2] पुं०
द्र०—ਮੰਜੂਲਾ।

ਮਝਲਾ मझला Majhlā [3] पुं०
मध्यम (वि०) मझला, बीच का।

ਮਝਾਹਿ मझाहि Majhāhi [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝਾਹੂ मझाहू Majhāhū [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝਾਰ मझार् Majhār [3] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝੂਰ मझूर् Majhūr [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝੇਰੂ मझेरू Majherū [3] पुं०
महिषीभुण्ड (पुं०) भैंसों का समूह, या झुण्ड।

ਮਝੇਲੂ मझेलू Majhelū [3] पुं०
मध्यम (वि०) मझला, बीच का, मध्यम।

ਮਝੋਲਾ मझोला Majholā [1] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮਝੋਲੀ मझोली Majholī [3] स्त्री०
द्र०—ਮਝੋਲਾ।

ਮਝੋਲੀਆ मझोलिआ Majholiā [2] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮੱਝ मज्झ् Majjh [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਮੱਝੀ मज्झी Majjhī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਝ।

ਮੱਝੂ मज्झू Majjhū [2] पुं०
महिषीभुण्ड (पुं०) भैंसों का समूह।

ਮਟ मट् Maṭ [1] पुं०
द्र०—ਮੱਟ।

ਮਟਮੈਲਾ मट्मैला Maṭmailā [3] वि०
मृन्मलिन (वि०) मटमैला।

ਮਟੀ मटी Maṭī [3] स्त्री०
मठी (स्त्री०) छोटा मठ।

ਮਟੀਆ मटिआ Maṭiā [1] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी।

ਮੱਟ मट्ट् Maṭṭ [3] पुं०
मार्तिक (वि०) मटका, मिट्टी का बड़ा घड़ा।

ਮੱਟੀ[1] मट्टी Maṭṭī [3] स्त्री०
मार्त्तिकी (स्त्री०) मटकी, मिट्टी का घड़ा।

ਮੱਟੀ[2] मट्टी Maṭṭī [3] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी।

ਮਠ मठ् Math [3] पुं०
मठ (पुं०) मठ, मन्दिर।

ਮਠਿਆਈ मठ्याई Mathyai [3] स्त्री०
द्र०—ਮਿਠਾਈ।

ਮੱਠਾ[1] मट्ठा Mattha [2] पुं०
मृष्ट (नपुं०) बड़ी मठड़ी, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ।

ਮੱਠਾ[2] मट्ठा Mattha [3] वि०
मन्दिष्ठ (वि०) मन्द, बहुत धीमा।

ਮੱਠਾ[3] मट्ठा Mattha [3] पुं०
मथित (नपुं०) मट्ठा, मथित दही।

ਮੱਠੀ मट्ठी Matthi [3] स्त्री०
मृष्ट (नपुं०) मठड़ी, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ।

ਮਣ मण् Man [3] पुं०
मण (पुं०) मन, अनाज तौलने का परिमाण-विशेष 37½ किलो, 40 सेर।

ਮਣਕਾ मण्का Manka [3] पुं०
मणि (पुं०) मनका, माला का दाना।

ਮਣਿਆਰ मणिआर् Maniar [2] पुं०
द्र०—ਮਣਿਆਰਾ।

ਮਣਿਆਰਾ मणिआरा Maniara [2] पुं०
मणिकार (पुं०) मणिहार, चूड़ीहार।

ਮਣੀ मणी Mani [3] स्त्री०
मणि (पुं०) मणि, बहुमूल्य रत्न, जवाहर।

ਮਣੀਕਾਰ मणीकार Manikar [3] पुं०
मणिकार (पुं०) जौहरी, मनिहार।

ਮਤ मत् Mat [3] पुं०
मत (नपुं०) विचार; धारणा; सलाह; सिद्धान्त।

ਮਤਸਰ मत्सर् Matsar [1] पुं०
मत्सर (पुं०) मत्सर, जलन, ईर्ष्या।

ਮਤਰੇਆ मत्रेआ Matrea [3] पुं०
विमात्रीय (पुं०) सौतेला भाई।

ਮਤਰੇਈ मत्रेई Matrei [3] स्त्री०
विमातृ (स्त्री०) विमाता, सौतेली माँ।

ਮਤਰੇਰਾ मत्रेरा Matrera [2] वि०
द्र०—ਮਤਰੇਆ।

ਮਤਰੇਰੀ मत्रेरी Matreri [2] स्त्री०
द्र०—ਮਤਰੇਆ।

ਮਤਵਾਰ मत्वार् Matvar [1] वि०
द्र०—ਮਤਵੰਤਾ।

ਮਤਵਾਲਾ मतवाला Matvala [3] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त, मस्त।

ਮਤਵੰਤਾ मत्वन्ता Matvanta [2] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त।

ਮਤੜੀ मतड़ी Matri [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਤ।

ਮਤਾ मता Mata [2] पुं०
मत (नपुं०) सलाह; विचार, धारणा; सिद्धान्त ।

ਮਤੀ मती Mati [3] स्त्री०
मति (स्त्री०) बुद्धि; समझदारी; विचार; सलाह ।

ਮੱਤ[1] मत् Matt [3] स्त्री०
मत/मति (नपुं०/स्त्री०) मत, सम्मति; सम्प्रदाय; विचार, सलाह ।

ਮੱਤ[2] मत् Matt [3] स्त्री०
मति (स्त्री०) मति, बुद्धि; विचार, परामर्श ।

ਮੱਤਹੀਣਤਾ मत्हीणता Matthīṇtā [3] स्त्री०
मतिहीनता (स्त्री०) बुद्धिहीनता; विचार-शून्यता ।

ਮੱਤਾ मत्ता Matta [3] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त, मस्त ।

ਮੱਤਿਆ मत्या Mattyā [1] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, मद-मस्त ।

ਮਥ मथ् Math [3] पुं०
मत (नपुं०) मत, सिद्धान्त ।

ਮਥਣਾ मथ्णा Mathṇā [3] सक० क्रि०
मथ्नाति (क्र्यादि सक०) मथना, मंथन करना ।

ਮੱਥਾ मत्था Matthā [3] पुं०
मस्तक (पुं०, नपुं०) मस्तक, मत्था ।

ਮਦਰਾ मद्रा Madrā [3] स्त्री०
मदिरा (स्त्री०) मदिरा, शराब ।

ਮਦੀਰ मदीर् Madīr [1] स्त्री०
मञ्जीर (पुं०, नपुं०) पायल; बिछिया ।

ਮਧ[1] मध् Madh [1] पुं०
मधु (नपुं०) मधु, शहद ।

ਮਧ[2] मध् Madh [2] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में ।

ਮਧਮੱਖੀ मध्मक्खी Madhmakkhī [3] स्त्री०
मधुमक्षिका/मधुमक्षा (स्त्री०) मधुमक्खी ।

ਮਧਲਾ मध्ला Madhlā [1] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ ।

ਮਧਾਣਾ मधाणा Madhāṇā [2] पुं०
मन्था (प्रथमान्त पुं०) मथानी, दही बिलोने का दण्ड ।

ਮਧਾਣੀ मधाणी Madhāṇī [3] स्त्री०
मन्था (प्रथमान्त पुं०) मथानी, दही बिलोने का छोटा दण्ड ।

ਮਧਿਅਸਤ मधिअसत् Madhiasat [2] पुं०
मध्यस्थ (वि०) मध्यवर्ती, मतोली, दो के बीच झगड़े को मिटाने वाला व्यक्ति, पंच ।

ਮਧੁਕਰੀ मधुक्री Madhukrī [2] स्त्री०
मधुकरी (स्त्री०) भौंरी, भ्रमरी ।

ਮਧੁਪ मधुप् Madhup [1] पुं०
मधुप (पुं०) मधुप, भौंरा ।

ਮਧੁਰਤਾਈ मधुर्ताई Madhurtāī [3] स्त्री०
मधुरता (स्त्री०) मधुरता, मीठापन ।

ਮਧੁਰਿਆ मधुरिआ Madhuriā [1] स्त्री०
मधुरिमन् (पुं०) मधुरता, मिठास ।

ਮਧੂ मधू Madhū [3] पुं०
मधु (नपुं०) मधु, शहद ।

ਮਧੇ मधे Madhe [3] क्रि० वि०
मध्ये (सप्तम्यन्त) मध्य में ।

ਮੱਧਣਾ मद्धणा Maddhṇā [3] सक० क्रि०
मन्थति (भ्वादि सक०) मथना, आलोडन करना ।

ਮੱਧਮਾ मद्धमा Maddhmā [3] स्त्री०
मध्यमा (स्त्री०) मध्यमा अंगुली, बीच की अँगुली ।

ਮੱਧੇ मद्धे Maddhe [3] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में ।

ਮਨ मन् Man [3] पुं०
मनस् (नपुं०) प्राणियों में वह शक्ति जिसके द्वारा उनको वेदना, संकल्प, इच्छा, द्वेष, प्रयत्न, बोध और विचार आदि का अनुभव होता है, अन्तः-करण, चित्त ।

ਮਨਸਾ मनसा Mansā [3] वि०
मानस (वि०) मन का, मन से संबन्धित ।

ਮਨੱਖਾ मनक्खा Manakhā [3] पुं०
मन्दाक्ष (वि०) मन्दाक्ष, मन्द दृष्टि वाला ।

ਮਨਾਉਣਾ मनाउणा Manāuṇā [3] सक० क्रि०
मानयति (दिवादि प्रेर०) मनाना, प्रसन्न करना; संमानित करना ।

ਮਨਾਕ मनाक् Manāk [3] अ०
मनाक् (अ०) थोड़ा, किंचित् ।

ਮਨਾਖਾ मनाखा Manākhā [1] वि०
द्र०—ਮਨੱਖਾ ।

ਮਨਿਆਰ मनिआर् Maniār [3] पुं०
मणिकार (पुं०) जौहरी ।

ਮਨਿਆਰਾ मनिआरा Maniārā [2] पुं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ ।

ਮਨੀ मनी Manī [2] स्त्री०
मणि (पुं०) मणि, बहुमूल्य रत्न ।

ਮਨੁਸ मनुस् Manus [1] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव ।

ਮਨੁੱਖ मनुक्ख् Manukkh [3] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव ।

ਮਨੁੱਖਹਾਰ मनुक्खहार् Manukkhhār [3] वि०

मनुष्याकार (वि०) मनुष्य के आकार वाला, मनुष्यवत् ।

ਮਨੁੱਖਤਾ मनुक्खता Manukkhta [3] स्त्री०
मनुष्यता (स्त्री०) मनुष्य का गुण, मानवता ।

ਮਨੁੱਖਤਾਵਾਦ मनुक्खतावाद Manukkhtavād [3] पुं०
मनुष्यतावाद (पुं०) मनुष्यतावाद, मानवतावाद ।

ਮਨੁੱਖੱਤਵ मनुक्खत्तव Manukkhattv [3] पुं०
मनुष्यत्व (नपुं०) मनुष्यत्व, मनुष्यता; मनुष्य के गुण ।

ਮਨੁੱਖਮਾਤਰ मनुक्खमातर् Manukkhmātar [3] पुं०
मनुष्यमात्र (नपुं०) मनुष्यमात्र ।

ਮਨੁੱਖਰੂਪ मनुक्खरूप् Manukkhrūp [3] वि०
मनुष्यरूप (वि०) मनुष्य की आकृति वाला ।

ਮਨੁੱਖਾ मनुक्खा Manukkhā [2] वि०
मानुष्य (वि०) मनुष्य का, मनुष्य संबन्धी ।

ਮਨੁੱਖਾਕਾਰ मनुक्खाकार् Manukkhākār [3] वि०
द्र०—ਮਨੁੱਖਾਕਾਰ ।

ਮਨੁੱਖੀ मनुक्खी Manukkhī [3] स्त्री०
मानुषी (स्त्री०) मनुष्य की ।

ਮਨੁੱਖੀਕਰਣ मनुक्खीकरण् Manukkhikaraṇ [3] पुं०
मानुषीकरण (नपुं०) मानवीकरण ।

ਮਨੂਆ मनूआ Manūā [1] पुं०
द्र०—ਮਨ ।

ਮਨੋਵੇਗਤਾ मनोवेग्ता Manovegtā [3] स्त्री०
मनोवेगता (स्त्री०) मनोवेगता, मनोवेग उठने का भाव ।

ਮਨੋਵੇਗੀ मनोवेगी Manovegī [3] पुं०
मनोवेगिन् (वि०) मनोवेग से पूर्ण ।

ਮਨੋਵੇਧਕ मनोवेधक् Manovedhak [3] वि०
मनोवेधक (वि०) मन को बींधने वाला ।

ਮਪਾਉਣਾ मपाउणा Mapauṇā [2] सक० क्रि०
मापयति (अदादि प्रेर०) मापने का काम करवाना ।

ਮੱਪਣਾ मप्पणा Mappaṇā [1] सक० क्रि०
मापयति (अदादि प्रेर०) मापना, नापना ।

ਮਮਤਾ मम्ता Mamtā [3] स्त्री०
ममता (स्त्री०) अपनेपन का भाव, अपनापन; स्नेह ।

ਮਰਹਣ मर्हण् Marhaṇ [3] पुं०
मरघट्ट (पुं०) श्मशान, जहाँ मुर्दा जलाया जाता है ।

ਮਰਚ मर्च् Marac [1] स्त्री०
द्र०—मिरच ।

ਮਰਜਾਦ मर्जाद् Marjad [2] स्त्री०
मर्यादा (स्त्री०) सीमा, हद, अन्त, छोर; शिष्टता की मर्यादा ।

ਮਰਜਾਦਾ मर्जादा Marjada [1] स्त्री०
द्र०—ਮਰਜਾਦ ।

ਮਰਜੰਗ मर्जंग् Marjang [1] पुं०
मृदङ्ग (नपुं०) ढोल की तरह काएक बाजा, मुरज, मृदंग ।

ਮਰਣਾਊ मर्णाऊ Marṇaū [2] वि०
मरणीय (वि०) मरने योग्य ।

ਮਰਤ मरत् Marat [1] पुं०
मृत्युलोक (पुं०) मृत्युलोक संसार ।

ਮਰਤਬਾਨ मर्तबान् Martaban [3] पुं०
मृद्भाण्ड (नपुं०) मर्तबान, अँचार आदि रखने का पात्र ।

ਮਰਤੰਜਾ मरतंजा Martañja [1] पुं०
मृत्युञ्जय (पुं०) मृत्युञ्जय महादेव, शिव ।

ਮਰਦਕ मर्दक् Mardak [1] वि०
मृतक (वि०) मृतक, मरा हुआ ।

ਮਰਦੰਗ मर्दंग् Mardang [3] पुं०
मृदङ्ग (पुं०) ढोल के आकार का एक बाजा, मुरज, मृदंग ।

ਮਰਦੰਗੀ मर्दंगी Mardangī [3] पुं०
मृदङ्गिन् (वि०) मृदंगी, मृदंग बजाने वाला ।

ਮਰਨ मरन् Maran [3] स्त्री०
मरण (नपुं०) मृत्यु, मौत ।

ਮਰਨਾ मर्ना Marnā [3] अक० क्रि०
मरण (नपुं०) मरना, मृत्यु को प्राप्त होना ।

ਮਰਨੀ मर्नी Marnī [3] स्त्री०
मरण (नपुं०) मरण, मृत्यु ।

ਮਰਮ मरम् Maram [3] पुं०
मर्मन् (नपुं०) शरीर का मर्मस्थल; रहस्य; तत्त्व ।

ਮਰਮੱਗ मर्मग्ग् Marmagg [3] पुं०
मर्मज्ञ (वि०) मर्मज्ञ, वह जो किसी का मर्म या गूढ रहस्य जानता हो, रहस्य का जानकार, तत्त्वज्ञ ।

ਮਰਵਾਉਣਾ मर्वाउणा Marvauṇa [3] प्रेर० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मरवाना, मारने की प्रेरणा देना ।

ਮਰਾ मरा Marā [1] पुं०
द्र०—ਮਰਨ ।

ਮਰਾਉਣਾ मराउणा Marāuṇa [3] सक० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मरवाना, मारने की प्रेरणा देना ।

ਮਰਾਲਣ मरालण् Maralan [3] स्त्री०
मराली (स्त्री०) मादा हंस, हंसी।

ਮਰੀ मरी Mari [3] स्त्री०
मरक/महामारी (पुं०) महामारी, संक्रामक रोग जिससे अनेक लोगों की मृत्यु तत्काल होती है जैसे हैजा, प्लेग, इत्यादि।

ਮਰੀਆ मरिआ Maria [1] स्त्री०
द्र०—ਮਰਨ।

ਮਰੀਖ मरीख् Marikh [2] पुं०
मृगशिरस् (पुं०) मृगशिरा नक्षत्र।

ਮਰੂਆ मरुआ Mrua [3] पुं०
मरुव (पुं०) दवना, मरुआ वन तुलसी पौधा न्याजबो।

ਮਲ਼ मळ् Mal [3] पुं०
मल (नपुं०) मैल, गन्दगी, विष्ठा।

ਮਲਣਾ मल्णा Malna [3] सक० क्रि०
मर्दयति (भ्वादि प्रेर०) मर्दन करना, कुचलना, मसलना।

ਮਲਤਾ मल्ता Malta [3] स्त्री०
मलता (स्त्री०) मल का भाव।

ਮਲਨ मलन् Malan [1] वि०
मलिन (वि०) मैला, गन्दा; काला।

ਮਲਭਖ਼ मल्भख् Malbhakh [3] पुं०
मलभक्ष्य (नपुं०) अशुद्ध भोजन, अपवित्र भोजन।

ਮਲਾਉਣਾ मलाउणा Malauna [1] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलना, दो वस्तुओं को मिलाना या जोड़ना।

ਮਲਾਰ मलार् Malar [3] पुं०
मल्लार (पुं०) मल्हार राग।

ਮਲਿਅਹੁਰਾ मल्यहुरा Malyahura [3] पुं०
मातुलश्वसुर (पुं०) ममेरा ससुर, पति या पत्नी की माँ का भाई।

ਮਲਿਆਗਰ मल्यागर् Malyagar [3] पुं०
मलयगिरि (पुं०) मलयाचल, मलयगिरि।

ਮਲਿਹਸ मलिहस् Malihas [2] स्त्री०
द्र०—ਮਲੇਹਸ।

ਮਲੀਆਗਰ मलिआगर् Maliagar [1] पुं०
द्र०—ਮਲਿਆਗਰ।

ਮਲੀਨਤਾਈ मलीन्ताई Malintai [3] स्त्री०
मलिनता (स्त्री०) मलिनता।

ਮਲੂਕਤਾ मलूक्ता Malukta [3] स्त्री०
मृदुलता (स्त्री०) मृदुलता, कोमलता।

ਮਲੇਹਸ मलेहस् Malehas [3] स्त्री०
मातुलश्वश्रू (स्त्री०) ममेरी सास।

ਮਲੇਛ मलेछ् Malech [3] वि०

म्लेच्छ (वि०) म्लेच्छ, अनार्य या जंगली जाति के लोग।

ਮਲੇਛਣੀ मलेछ्णी Malechṇi [3] स्त्री०
म्लेच्छा (स्त्री०) म्लेच्छा, अनार्य जाति की स्त्री।

ਮਲੇਰ मलेर् Maler [2] वि०
मातुलेय (वि०) मातुल अर्थात् मामा का, मामा-सम्बन्धी।

ਮਲ੍ਹਾਰ मल्हार् Malhar [3] पुं०
मल्लारी (स्त्री०) मल्हार राग, संगीत की विशेष ध्वनि।

ਮੱਲ मल्ल् Mall [3] पुं०
मल्ल (पुं०) पहलवान, ताकतवर आदमी।

ਮੱਲਣਾ मल्लणा Mallaṇa [3] सक० क्रि०
मल्लते (भ्वादि सक०) अधिकृत करना, हथिआना।

ਮੜ੍ਹਿਹਾਣ मड़िहाण् Maṛihaṇ [3] स्त्री०
मृतकगन्ध (पुं०) मृतक (शव) के जलने की दुर्गन्ध।

ਮਾਂ[1] मां Mā̃ [3] वि०
मौखिक (वि०) मौखिक; जबानी।

ਮਾਂ[2] माँ Mā̃ [3] स्त्री०
मातृ (स्त्री०) माँ, माता, जननी।

ਮਾਉ माउ Mau [1] स्त्री०
द्र०—ਮਾਂ[2]।

ਮਾਂਉ माँउ Mā̃u [2] स्त्री०
द्र०—ਮਾਂ[2]।

ਮਾਇਆ[1] माइआ Maia [1] स्त्री०
द्र०—ਮਾਈ।

ਮਾਇਆ[2] माइआ Maia [3] स्त्री०
माया (स्त्री०) कपट, छल, ऐन्द्रजाल।

ਮਾਈ माई Maī [3] स्त्री०
मातृ (स्त्री०) माँ; बूढ़ी औरत, सेविका।

ਮਾਏ माए Mae [3] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में, भीतर।

ਮਾਸ[1] मास् Mās [3] पुं०
मांस (नपुं०) मांस, गोश्त।

ਮਾਸ[2] मास् Mās [2] पुं०
मास (पुं०) मास, माह, महीना।

ਮਾਸਹਾਰਾ मास्हारा Mashara [3] पुं०
मांसाहार (वि०) मांसाहारी, मांस खाने वाला।

ਮਾਸਕ मासक् Masak [3] वि०
मासिक (वि०) मासिक, मास से संबन्धित।

ਮਾਸ਼ਕੀ माश्की Maśkī [3] पुं०
मशकिन् (पुं०) मश्की, भिश्ती।

ਮਾਸਲ मासल् Masal [3] वि०
मांसल (वि०) मांस-युक्त, मोटा, स्थूल।

ਮਾਸੜ मासड़् Masaṛ [3] पुं०
मातृष्वसृपति (पुं०) मौसा।

ਮਾਸੀ मासी Māsī [3] स्त्री०
मातृष्वसृ (स्त्री०) मौसी।

ਮਾਸੇਹਸ मासेहस् Māsehas [3] स्त्री०
मातृष्वसृश्वश्रू (स्त्री०) मौसेरी सास।

ਮਾਹ[1] माह् Mah [1] पुं०
माघ (पुं०) माघ मास।

ਮਾਹ[2] माह् Māh [3] पुं०
मास (पुं०) मास, महीना।

ਮਾਂਹ माँह् Māh [3] पुं०
माष (पुं०) उड़द।

ਮਾਂਹਗ मैंह्ग Maihg [1] पुं०
द्र०—ਮਹਿੰਗ।

ਮਾਂਹਗਾ मैंह्गा Maihga [1] वि०
द्र०—ਮਹਿੰਗਾ।

ਮਾਹਣੂੰ माह्णूँ Mahṇū̃ [3] पुं०
द्र०—ਮਾਣਸ।

ਮਾਹੀ माही Māhī [1] पुं०
माहिष (वि०) भैंस चराने वाला।

ਮਾਹੋਂ माहों Mahõ [1] स्त्री०
माष (पुं०) उड़द।

ਮਾਖਿਓਂ माख्यों Mākhyõ [3] पुं०
माक्षिकमधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਾਖੋ माखो Mākho [1] पुं०
माक्षिकमधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਾਂਗ माँग् Mãg [3] स्त्री०
मङ्ग (पुं०) माँग, सीमन्त।

ਮਾਂਗਣੂ माँग्नू Māgnū [1] पुं०
मत्कुण (पुं०) खटमल।

ਮਾਘ माघ् Māgh [1] पुं०
माघ (पुं०) माघ मास, माघ महीना।

ਮਾਘੀ माघी Māghī [3] वि०
माघीय (वि०) माघ की संक्रान्ति, मेला आदि, माघ-संबन्धी।

ਮਾਛਣ माछण् Machaṇ [3] स्त्री०
मत्स्यहन् > **मत्स्यघ्नी** (स्त्री०) मछियारिन, मल्लाहिन।

ਮਾਛੀ माछी Māchī [3] पुं०
मात्सिक (पुं०) माझी, मछुआरा, धीवर।

ਮਾਂਜਣਾ[1] माँज्णा Mājṇa [3] सक० क्रि०
मार्जति (चुरादि सक०) माँजना, बर्तन इत्यादि की सफाई करना।

ਮਾਂਜਣਾ[2] माँज्णा Mājṇa [3] पुं०
मार्जन (नपुं०) माँजने या साफ करने का का भाव, झाड़ने-पोंछने का भाव।

ਮਾਂਜਾ माँजा Mājā [3] पुं०
मार्जक (वि०) झाड़ू बुहारी

ਮਾਂਝ माँझ् Mājh [3] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, भीतर।

ਮਾਂਝਾ माँझा Mājhā [1] वि०
माध्य (वि०) पंजाब के एक भाग का नाम।

ਮਾਂਡ माँड् Mād [3] स्त्री०
मण्ड (पुं०, नपुं०) माँड़, चिकना तरल पदार्थ, पके हुए चावल का पानी।

ਮਾਂਡਨਾ माँड्ना Mādnā [3] सक० क्रि०
मण्डयति (चुरादि सक०) भूषित करना, अलंकृत करना।

ਮਾਣ माण् Māṇ [3] पुं०
मान (पुं०) अभिमान, घमण्ड, सम्मान।

ਮਾਣਸ माणस् Māṇas [3] पुं०
मानुष (पुं०) मानुष, मनुष्य।

ਮਾਣਕ माणक् Māṇak [3] पुं०
माणिक्य (नपुं०) लाल रंग का रत्न, माणिक्य, माणिक।

ਮਾਣਤਾ माण्ता Māṇtā [3] स्त्री०
द्र०—ਮਾਨਤਾ।

ਮਾਣਨੀ माण्नी Māṇnī [3] वि०
माननीय (वि०) माननीय, सम्मान के योग्य।

ਮਾਤ मात् Māt [3] स्त्री०
मातृ (स्त्री०) माँ, माता।

ਮਾਤਭਾਸ਼ਾ मात्भाषा Mātbhāṣā [3] स्त्री०
मातृभाषा (स्त्री०) मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा।

ਮਾਤਰ[1] मातर् Mātar [3] अ०
मात्र (नपुं०) मात्र, केवल।

ਮਾਤਰ[2] मातर् Mātar [3] स्त्री०
द्र०—ਮਾਂ।

ਮਾਤਾ माता Mātā [3] पुं०
मत्त (वि०) मत्त, उन्मत्त; मस्त, मद-मस्त; अभिमानी।

ਮਾਂਦਰੀ माँद्री Mādrī [3] पुं०
मान्त्रिक (पुं०) झाड़-फूँक करने वाला, ओझा।

ਮਾਦਲ मादल् Mādal [3] पुं०
मर्दल (पुं०) मृदंग के आकार का एक प्राचीन बाजा।

ਮਾਨਸ मानस् Mānas [3] पुं०
मानुष (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਾਨਤਾ मान्ता Māntā [3] स्त्री०
मान्यता (स्त्री०) मान्यता, मनौती; आदर-सत्कार।

ਮਾਨਾ माना Mānā [3] अ०
समान (वि०) समान, सदृश, तुल्य।

ਮਾਪਣਾ माप्णा Mapṇa [3] सक० क्रि०
मापयति (चुरादि सक०) मापना, नापना, तौलना ।

ਮਾਮੀ मामी Mamī [3] स्त्री०
मामी/मातुली/मातुलानी (स्त्री०) मामी, मामा की पत्नी ।

ਮਾਯਾ माया Māyā [3] स्त्री०
माया (स्त्री०) माया, दया, कृपा ।

ਮਾਰ मार् Mār [3] पुं०
मार (पुं०) मार, कामदेव ।

ਮਾਰਕ मारक् Mārak [1] पुं०
मारक (वि०) मारक, मारने वाला ।

ਮਾਰਗ मारग् Mārag [3] पुं०
मार्ग (पुं०) पथ, राह, रास्ता ।

ਮਾਰਜਨੀ मार्जनी Mārjanī [1] स्त्री०
मार्जनी (स्त्री०) सफाई करने वाली; झाड़ू, बुहारी ।

ਮਾਰਨਾ मार्ना Mārnā [3] सक० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मारना, हत्या करना ।

ਮਾਰੂਥਲ मारूथल् Mārūthal [3] पुं०
मरुस्थल (नपुं०) मरुस्थल, रेगिस्तान ।

ਮਾਲ माल् Māl [3] पुं०
माल (नपुं०) धन; माल; पशुधन ।

ਮਾਲਣ मालण् Mālaṇ [3] स्त्री०
मालिनी (स्त्री०) मालिन, माली की पत्नी ।

ਮਾਲਤੀ माल्ती Māltī [3] स्त्री०
मालती (स्त्री०) मालती पुष्प; मालती छन्द ।

ਮਾਲੀ माली Mālī [3] पुं०
मालिन् (पुं०) माली, फूलों का व्यापार करने वाला ।

ਮਾਲ੍ਹ माल्ह् Mālh [3] स्त्री०
माला (स्त्री०) चर्खा घुमाने वाला धागा; रहट की माला ।

ਮਿਸ਼ਟ मिशट् Miśaṭ [3] वि०
मिष्ट (वि०) मीठा, मधुर; स्वादिष्ठ ।

ਮਿਸ਼ਟਾਨ मिश्टान् Miśṭān [3] पुं०
मिष्टान्न (नपुं०) मिष्टान्न, मिठाई ।

ਮਿੱਸ मिस्स् Miss [3] पुं०
मिश्र (नपुं०) मिलावट, मिलाने का भाव ।

ਮਿੱਸਾ मिस्सा Missā [3] वि०
मिश्रित (वि०) मिला हुआ ।

ਮਿੱਸੀ मिस्सी Missī [3] स्त्री०
मसी (स्त्री०) दाँतों को रंगने वाली एक काली वस्तु, मिस्सी ।

ਮਿਹਣਾ मिह्णा Mihṇā [3] भाव० सं०
मेथन (नपुं०) ताना देने, का भाव, आक्षेप ।

ਮਿਹਤਰ मिह्तर् Mihtar [3] पुं०
महत्तर (पुं०) शूद्र, भंगी, जमादार।

ਮਿਹਰੀ मिह्री Mihri [2] स्त्री०
महिला (स्त्री०) महिला, औरत, स्त्री।

ਮਿੱਝ मिज्झ् Mijjh [3] स्त्री०
मज्जन् (पुं०) मज्जा, गूदा।

ਮਿੱਟੀ मिट्टी Mitti [3] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी, मृत्तिका।

ਮਿਠਾਈ मिठाई Mithai [3] स्त्री०
मिष्टान्न (नपुं०) मिठाई, मिष्टान्न।

ਮਿੱਠਤਾ मिट्ठता Mitthta [3] स्त्री०]
मिष्टता (स्त्री०) मिष्टता, मधुरता, मिठास।

ਮਿੱਠਾ मिट्ठा Mittha [3] पुं०
मृष्ट/मिष्ट (वि०) मीठा, स्वादिष्ठ, मधुर।

ਮਿਣਤੀ मिण्ती Minti[3] स्त्री०
मिति (स्त्री०) मापना, नापने की क्रिया।

ਮਿਣਨਾ मिण्ना Minna [3] सक० क्रि०
माति (अदादि सक०) नापना, मापना।

ਮਿਣਾਉਣਾ मिणाउणा Minauna [3] सक० क्रि०
मापयति (अदादि प्रेर०) नपाना, मापने का काम कराना।

ਮਿਤ मित् Mit [1] स्त्री०
मिति (स्त्री०) सीमा, हद; शक्ति।

ਮਿੱਤ मित्त् Mitt [3] पुं०
मित्र (नपुं०) मित्र, मीत, दोस्त।

ਮਿੱਤਰ मित्तर् Mittar [3] पुं०
मित्र (नपुं०) मित्र, दोस्त।

ਮਿੱਤਰਤਾ मित्तर्ता Mittarta [3] स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, दोस्ती।

ਮਿੱਤਰਤਾਈ मित्तर्ताई Mittartai [3] स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, दोस्ती।

ਮਿਥਲੀ मिथ्ली Mithli [3] स्त्री०
मैथिली (स्त्री०) मिथिला प्रदेश की भाषा, लिपि आदि।

ਮਿਥਿਆ मिथ्या Mithya [3] अ०
मिथ्या (अ०) मिथ्या, झूठ।

ਮਿਥਿਹਾਸ मिथिहास् Mithihas [3] पुं०
मिथ्येतिहास (पुं०) कल्पित इतिहास।

ਮਿੱਧਣਾ मिद्धणा Middhna [3] क्रि०
मेदति (भ्वादि सक०) रौंदना, गूँधना, दबाना।

ਮਿਰਗ मिरग् Mirag [3] पुं०
मृग (पुं०) मृग, हरिण।

ਮਿਰਗਾਣੀ मिर्गाणी Mirgani [3] स्त्री०
मृगाजिन (नपुं०) मृग-छाला, मृग-चर्म।

ਮਿਰਗਾਨੀ मिर्गानी Mirgani [3] स्त्री०
मृगी (स्त्री०) मादा मृग, हिरनी।

ਮਿਰਚ मिर्च Mirc [3] स्त्री०
मरिच / मरीच (नपुं०) काली या लाल मिर्च।

ਮਿਰਤ मिरत् Mirat [3] वि०
मृत (वि०) मृत, मरा हुआ।

ਮਿਰਤਕ मिर्तक Mirtak [3] वि०
मृतक (वि०) मृतक, मरा हुआ।

ਮਿਰਤ-ਮੰਡਲ मिरत्-मण्डल Mirat-Mandal [3] पुं०
मृत्युमण्डल (नपुं०) मृत्युलोक, संसार।

ਮਿਰਤ-ਲੋਕ मिरत्-लोक् Mirat-Lok [3] पुं०
मृत्युलोक (पुं०) मृत्युलोक, संसार।

ਮਿਰਤੂ मिरतू Mirtū[3] स्त्री०
मृत्यु (पुं०) मृत्यु, मौत।

ਮਿਲਣਾ मिल्णा Milṇa [3] अक० क्रि०
मिलति (तुदादि सक०) मिलना।

ਮਿਲਾਉਣਾ मिलाउणा Milauṇa [2] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलाना।

ਮਿਲਾਈ मिलाई Milāī [3] स्त्री०
मेलन (नपुं०) मिलाने का भाव, मेल।

ਮੀਂਹ मींह् Mīh [3] पुं०
मेघ/मेह (पुं०) मेघ, बादल; वर्षा।

ਮੀਢਾ मीढा Mīḍha [2] पुं०
द्र०—मींढा।

ਮੀਂਢਾ मींढा Mīḍha [2] पुं०
मेण्ढ (पुं०) मेंढा, भेंड़ नर भेंड़।

ਮੀਢੀ मीढी Mīḍhī [3] स्त्री०
मेण्ढी (स्त्री०) मादा भेंड़।

ਮੀਤ मीत् Mīt [3] पुं०
द्र०—ਮਿੱਤ।

ਮੁਸਟ मुसट् Musaṭ [1] पुं०
मुष्टि (स्त्री०) मुष्टि, मुक्का।

ਮੁਸਣਾ मुस्णा Musṇa [1] क्रि०
मुष्यते (क्र्यादि कर्मवा०) चुराया जाना; लुटना।

ਮੁਹਰੀ[1] मुह्री Muhrī [3] पुं०
मुखर (पुं०) मुखर, बातूनी; अग्रणी नेता; कुर्ता अथवा जाकेट की बाँह का सिरा, पाजामे की टांग का सिरा।

ਮੁਹਰੀ[2] मुह्री Muhrī [3] पुं०
मुखाग्र (पुं०) कुर्ते अथवा जाकेट की बाँह का सिरा, पाजामे की टांग का सिरा।

ਮੁਹਲਾ मुह्ला Muhlā [3] पुं०
मुसल (पुं०, नपुं०) मूसल जिससे अनाज की भूसी निकाली जाती है।

ਮੁਹਲੀ मुह्ली Muhlī [3] स्त्री०
मुसली (स्त्री०) छोटा मूसल।

ਮੁਹਾਣ मुहाण् Muhāṇ [3] पुं०
मुखायन (नपुं०) मुहाना, नदी का मुख, नदी का स्रोत; दिशा।

ਮੁਹਾਂਦਰਾ मुहाँदरा Muhā̃drā [3] वि०
मुखचन्द्र (वि०) मुखाकृति, चेहरा।

ਮੁਹੜ मुहड़् Muhaṛ [3] पुं०
मूढ (वि०) मूढ़, मूर्ख।

ਮੁਕਤਾ मुक्ता Muktā [3] वि०
मुक्त (वि०) बन्धन-रहित, स्वतन्त्र किया हुआ।

ਮੁਕਰ मुकर् Mukar [1] पुं०
मुकुर (पुं०) दर्पण, शीशा।

ਮੁਕੰਦ मुकन्द् Mukand [3] पुं०
मुकुन्द (पुं०) मुकुन्द, भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु, परमेश्वर।

ਮੁੱਕਾ मुक्का Mukkā [3] पुं०
मुष्टिका (स्त्री०) मुक्का, मुष्टि।

ਮੁਖੀਆ मुखिआ Mukhiā [3] पुं०
मुख्य (वि०) मुखिया, प्रधान, मुख्य।

ਮੁੱਖ[1] मुक्ख् Mukkh [3] पुं०
मुख (नपुं०) मुख, चेहरा।

ਮੁੱਖ[2] मुक्ख् Mukkh [3] वि०
मुख्य (वि०) मुख्य, प्रधान।

ਮੁਗਧਤਾ मुग्धता Mugdhatā [3] स्त्री०,
मुग्धता (स्त्री०) मुग्धता, भोलापन।

ਮੁਗਧਾ[1] मुग्धा Mugdhā [3] वि०
मुग्ध (वि०) मुग्ध, भोला, मोहित।

ਮੁਗਧਾ[2] मुग्धा Mugdhā [3] स्त्री०
मुग्धा (स्त्री०) मुग्धा नायिका।

ਮੁੰਚਣਾ मुंचणा Muñcṇā [2] सक० क्रि०
मुञ्चति (तुदादि सक०) छोड़ना, त्यागना।

ਮੁਛਲਾ मुछ्ला Muchlā [1] पुं०
श्मश्रुल (वि०) मूँछों वाला।

ਮੁਛਲੀਆਲਾ मुछ्लिआला Muchliālā [1] पुं०
श्मश्रुवत् (वि०) मूँछों वाला।

ਮੁਛੈਲ मुछैल् Muchail [3] पुं०
द्र० — ਮੁਛਲਾ।

ਮੁਛੈਲਾ मुछैला Muchailā [2] पुं०
द्र०—ਮੁੱਛਲ।

ਮੁੱਛ मुच्छ् Mucch [3] स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ।

ਮੁੱਛਲ मुच्छल् Mucchal [3] पुं०
श्मश्रुल (वि०) दाढ़ी-मूँछ वाला।

ਮੁੰਜ मूंज् Muñj [3] स्त्री०
मुञ्ज (पुं०) मूँज, एक प्रकार की घास, जिससे रस्सी आदि बनाई जाती है।

ਮੁੰਜਣ मुंजण् Muñjaṇ [1] सक० क्रि०
मुञ्चति (तुदादि सक०) भेजना; छोड़ना।

ਮੁੰਜਣਾ मुंज्णा Muñjṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਮੁੰਜਣ।

ਮੁੰਜਰ मुंजर् Muñjar [2] स्त्री०
मञ्जरी (स्त्री०) वृक्ष या पौधे में फूलों अथवा फलों के स्थान में एक सींके में लगे हुए अनेक दानों का समूह, धानों की मंजरी या बाली।

ਮੁੰਜਾਲ मुंजाल् Muñjal [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਜ।

ਮੁੰਜਾਲੀ मुंजाली Muñjali [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਜ।

ਮੁਠੜੀ मुठ्ड़ी Muthṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੱਠ।

ਮੁੱਠ मुट्ठ् Mutth [3] स्त्री०
मुष्टि (स्त्री०) मुट्ठी, मूँठ।

ਮੁੱਠਣਾ मुट्ठ्णा Mutthṇa [3] सक० क्रि०
मुष्णाति (क्र्यादि सक०) चुराना, लूटना।

ਮੁੱਠਾ मुट्ठा Muttha [3] पुं०
मुष्टक (नपुं०) गट्ठा, हैण्डिल या दस्ता।

ਮੁੱਠੀ मुट्ठी Mutthī [3] स्त्री०
मुष्टि (स्त्री०) मुट्ठी, मूँठ।

ਮੁੰਡ मुण्ड् Muṇḍ [1] पुं०
मुण्ड (त्रि०) मूँड़ा हुआ या गंजा शिर; माथा, मस्तक।

ਮੁੰਡਾ मुण्डा Muṇḍa [1] पुं०
मुण्ड (त्रि०) मनुष्य जिसका सिर मूँड़ा हुआ हो, मुण्डित।

ਮੁੰਡੀ मुण्डी Muṇḍī [2] स्त्री०
मुण्डक (नपुं०) मूँड़ा आ हुआ गंजा शिर; शिर, मस्तक।

ਮੁੰਡੀਆ मुण्डिआ Muṇḍia [3] पुं०
मुण्डिन् (त्रि०) वैरागी, संन्यासी।

ਮੁੰਢ मुण्ढ् Muṇḍh [1] पुं०
द्र०—ਮੁੱਢ।

ਮੁੱਢ मुड्ढ् Muḍḍh [3] पुं०
मूर्धन् (पुं०) प्रारम्भ; उत्स।

ਮੁਣਸ मुणस् Muṇas [3] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮੁੱਥਾ मुत्था Muttha [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास।

ਮੁਦ मुद् Mud [1] स्त्री०
मुद् (स्त्री०) मोद, प्रसन्नता, खुशी।

ਮੁਦਕਰ मुदकर् Mudkar [1] पुं०
मुद्गर (पुं०) मुदगर, काठ का बना हुआ एक प्रकार का दण्ड जो मूँठ की ओर पतला और आगे की ओर भारी होता है, गदा, मोगरा।

ਮੁੰਦਣਾ मुन्दणा Mundṇa [3] सक० क्रि०
मुद्रयति (चुरादि सक०) बन्द करना, मूँदना।

ਮੁੰਦਰ मुन्दर् Mundar [1] पुं०
मुद्रा/मुद्रिका (स्त्री०) कर्णफूल, एक प्रकार का आभूषण; मुद्रिका, अँगूठी।

ਮੁੰਦਰਾ मुन्द्रा Mundra [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁੰਦਰਾਂ मुन्द्रां Mundrā̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁੰਦਰੀ मुन्द्री Mundrī [3] स्त्री०
मुद्रिका (स्त्री०) नाम या चिह्न खुदी हुई अँगूठी।

ਮੁੰਦੀ मुन्दी Mundī [2] स्त्री०
मुद्रा/मुद्रिका (स्त्री०) मुद्रिका, अँगूठी।

ਮੁੱਦਰਕਾ मुद्दर्का Muddarkā [1] स्त्री०
मुद्रिका (स्त्री०) मुद्रिका, अँगूठी जिस पर नाम या कोई चिह्न खुदा हुआ हो।

ਮੁਦ੍ਰਕਾ मुद्र्का Mudrka [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੱਦਰਕਾ।

ਮੁੰਦ੍ਰਾ मुन्द्रा Mundrā [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁਧਕਰ मुधकर् Mudhkar [1] पुं०
द्र०—ਮੁਦਕਰ।

ਮੁਨਸ मुनस् Munas [1] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य; पति।

ਮੁਨਸੜਾ मुनसड़ा Munasṛa [1] पुं०
द्र०—ਮੁਣਸ।

ਮੁੰਨਣ मुँनण् Mūnaṇ [3] सक० क्रि०
मुण्डति (भ्वादि सक०) मुण्डन करना, शिर मूँड़ना।

ਮੁੰਨਣਾ मुँनणा Mūnṇā [3] सक० क्रि०
मुण्डति (भ्वादि सक०) मुण्डन करना, शिर मूँड़ना।

ਮੁਨਾਉਣਾ मुनाउणा Munāuṇa [3] क्रि०
मुण्डापयति (भ्वादि प्रेर०) मुँड़वाना, मुण्डन की प्रेरणा देना।

ਮੁਨਿ मुनि Muni [3] पुं०
मुनि (पुं०) मुनि, ऋषि।

ਮੁਨਿਆਰ मुनिआर् Muniār [3] पुं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰਨ मुनिआरन् Muniāran [3] स्त्री०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰਾ मुनिआरा Muniāra [2] सं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰੀ मुनिआरी Muniārī [3] वि०
मणिकारीय (वि०) मणिहार से संबन्धित।

ਮੁਨੀ मुनी Munī [3] पुं०
द्र०—ਮੁਨਿ।

ਮੁੰਮਾ सुम्मा Mumma [2] पुं०
द्र०—ਮੰਮਾ ।

ਮੁਮੁੱਖੂ मुमुक्खू Mumukkhū [1] वि०
मुमुक्षु (वि०) मुमुक्षु, मोक्ष-प्राप्ति का इच्छुक, बन्धन से छूटने का इच्छुक ।

ਮੁਰਲੀ मुर्ली Murlī [3] स्त्री०
मुरली (स्त्री०) मुरली, वंशी, बाँसुरी ।

ਮੁਰਾਰ मुरार् Murār [3] पुं०
मुरारि (पुं०) मुरारि, मुरा राक्षस के हन्ता श्रीकृष्ण ।

ਮੁਲੱਠੀ मुलट्ठी Mulaṭṭhī [3] स्त्री०
मधुयष्टि / मुलैठिका (स्त्री०) मुलट्ठी, मुलेठी, एक जड़ी ।

ਮੁਲਤਾਨ मुल्तान् Multān [3] पुं०
मूलत्राण (नपुं०) पंजाब के एक मण्डल का प्रधान नगर ।

ਮੁਲਾਂਕਣ मुलांकण् Mulãkaṇ [3] पुं०
मूल्याङ्कन (नपुं०) मूल्याङ्कन, किसी वस्तु के मूल्य को आंकने की प्रक्रिया ।

ਮੁਲਿਅੰਕਣ मुल्अिंकण् Muliãkaṇ [1] पुं०
द्र०—ਮੁਲਾਂਕਣ ।

ਮੁੱਲ मुल्ल् Mull [3] पुं०
मूल्य (नपुं०) मूल्य, कीमत ।

ਮੁੱਲਵਾਨ मुल्लवान् Mullavān [3] पुं०
मूल्यवत् (वि०) मूल्यवान्, कीमती ।

ਮੂਸ मूस् Mūs [2] पुं०
द्र०—ਮੂਸਾ ।

ਮੂਸ਼ मूश् Mūś [2] पुं०
द्र०—ਮੂਸਾ ।

ਮੂਸਲ मूसल् Mūsal [3] पुं०
मुसल/मूसल (नपुं०, पुं०) मूसल, जिससे धान इत्यादि कूटा जाता है ।

ਮੂਸਲੀ मूस्ली Mūslī [3] स्त्री०
मुसली/मुसल (स्त्री०, पुं०, नपुं०) छोटा मूसल ।

ਮੂਸਾ मूसा Mūsā [2] पुं०
मूष (पुं०) मूषक, चूहा ।

ਮੂੰਹ मूँह् Mũh [3] पुं०
मुख (नपुं०) मुख, मुँह ।

ਮੂੰਹਰਲਾ मूह्र्ला Mūharlā [1] वि०
द्र०—ਮੋਹਰਲਾ ।

ਮੂੰਹਾਂ मूँहाँ Mũhā̃ [2] पुं०
मुख (नपुं०) मुँहाना, नदी के दोनों ओर का वह भूभाग जहाँ वह नदी समुद्र में गिरती हो ।

ਮੂੰਗ मूँग् Mũg [1] पुं०
मुद्ग (पुं०) मूँग, एक प्रकार का अन्न ।

ਮੂੰਗਲੀ मूँग्ली Mūgli [3] पुं०
मुद्गल (पुं०) मुद्गर, मोगरा, काठ का बना हुआ एक प्रकार का दण्ड जो मूंठ की ओर पतला और आगे की ओर मोटा तथा भारी होता है।

ਮੂੰਗੀ मूँगी Mūgī [3] स्त्री०
मुद्ग (पुं०) मूँग, एक प्रकार का अन्न।

ਮੂੰਡ मूंड् Mūṇd [2] पुं०
मुण्ड (वि०) मुड़ा हुआ शिर, माथा, मस्तक।

ਮੂਤ मूत् Mūt [3] पुं०
द्र०—ਮੂਤਰ।

ਮੂਤਣਾ मूत्णा Mūtṇā [2] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि सक०) मूतना, पेशाब करना।

ਮੂਤਨੀ मूत्नी Mūtnī [3] स्त्री०
मूत्रनाली (स्त्री०) मूत्रनाली, मूत्रेन्द्रिय।

ਮੂਤਰ मूतर् Mūtar [3] पुं०
मूत्र (नपुं०) मूत, मूत्र।

ਮੂਤਰਨਾ मूतर्ना Mūtarnā [3] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि अक०) मूतना, पेशाब करना।

ਮੂਤਰੀ मूत्री Mūtrī [3] स्त्री०
मूत्रिन् (वि०) मूत्रेन्द्रिय, मूत्र-नलिका।

ਮੂਤੀ मूती Mūtī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੂਤਰ।

ਮੂਤ੍ਰਣ मूत्रण् Mūtraṇ [3] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि सक०) मूतना, मूत्र त्याग करना।

ਮੂਰਖਣੀ मूरख्णी Mūrakhṇī [3] स्त्री०
मूर्खा (स्त्री०) मूर्ख स्त्री।

ਮੂਰਖਤਾ मूरख्ता Mūrakhtā [3] स्त्री०
मूर्खता (स्त्री०) मूर्खता, बेवकूफी।

ਮੂਰਖਮੱਤ मूरखमत्त् Mūrakhmatt [3] पुं०
मूर्खमति (वि०) मूर्ख बुद्धि वाला, मन्द बुद्धि।

ਮੂਰਛਿਤ मूर्छित् Mūrchit [3] वि०
मूर्च्छित (वि०) मूर्च्छित, बेहोश।

ਮੂਰਤ मूरत् Mūrat [3] स्त्री०
मूर्ति (स्त्री०) मूर्ति; आकृति, सूरत।

ਮੂਰਤੀ मूर्ती Mūrtī [3] स्त्री०
मूर्ति (स्त्री०) मूर्ति, आकृति, सूरत।

ਮੂਰਤੀਕਾਰ मूर्तीकार् Mūrtīkār [3] पुं०
मूर्तिकार (वि०) मूर्तिकार, मूर्ति बनाने वाला।

ਮੂਰਤੀਪੂਜ मूर्तीपूज् Mūrtīpūj [3] पुं०
मूर्तिपूजक (वि०) मूर्तिपूजक, मूर्ति की पूजा करने वाला।

ਮੂਰਧਨੀ मूर्ध्नी Mūrdhnī [3] वि०
मूर्धन्य (वि०) मूर्धन्य, श्रेष्ठ; मूर्धा से उत्पन्न।

ਮੂਰਧਾ मूर्धा Mūrdha [2] पुं०
मूर्धन् (पुं०) मूर्धा, मस्तक, शिर।

ਮੂਰੀ मूरी Mūrī [3] स्त्री०
मूल (नपुं०) जड़; जड़ी-बूटी; किसी वस्तु के सबसे नीचे का भाग।

ਮੂਲ਼ मूळ् Mūḷ [3] पुं०
मूल (नपुं०) मूल, जड़; आधार।

ਮੂਲਕ मूलक् Mūlak [3] वि०
मौलिक (वि०) मौलिक, आरम्भिक।

ਮੂਲ਼ੀ मूळी Mūḷī [3] स्त्री०
मूली/मूलिका (स्त्री०) मूली, एक प्रकार का खाद्य व्यंजन।

ਮੂੜ੍ਹਮਤੀਆ मूड़्मतिआ Mūṛmatia [3] वि०
मूढमति (वि०) मूर्ख, मन्द बुद्धि वाला।

ਮੂੜ੍ਹਮੱਤ मूड़्मत्त् Mūṛmatt [3] वि०
मूढमति (वि०) मूढ़मति, मन्द बुद्धि।

ਮੂੜ੍ਹ मूढ़् Mūṛh [3] पुं०
मूढ (वि०) मूढ, मूर्ख।

ਮੂੜ੍ਹਤਾ मूढ्ता Mūṛhta [3] स्त्री०
मूढता (स्त्री०) मूढ़ता, मूर्खता।

ਮੇਉ मेउ Meu [3] पुं०
मेद (पुं०) निषाद, वर्णसंकर जाति विशेष, मेवात का निवासी।

ਮੇਉਣੀ मेउणी Meuṇī [3] स्त्री०
मेदी (स्त्री०) निषाद जाति की स्त्री, वर्ण संकर जाति विशेष।

ਮੇਹਣਾ मेह्णा Mehṇa [3] अक० क्रि०
मेथति (भ्वादि सक०) निन्दा करना, भर्त्सना करना, तिरस्कार करना।

ਮੇਹਦਾ मेह्दा Mehda [3] पुं०
मेदस् (नपुं०) मेदा, आमाशय।

ਮੇਹਰੂ मेह्रू Mehrū [3] पुं०
महिषरूप (पुं०) भैंसा।

ਮੇਹਾ मेहा Meha [2] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਖ मेख् Mekh [3] पुं०
मेष (पुं०) मेष, भेड़ा, मेढ़ा; मेष राशि।

ਮੇਖਲੀ मेख्ली Mekhlī [3] स्त्री०
मेखला (स्त्री०) मेखला, करधनी।

ਮੇਘ मेघ् Megh [3] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਘਲਾ मेघ्ला Meghla [2] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਂਘਲਾ मेंघ्ला Mẽghla [3] पुं०
द्र०—ਮੇਘ।

ਮੇਘਾ मेघा Megha [2] पुं०
द्र०—ਮੇਘ।

ਮੇਟਣਾ मेट्णा Metṇa [3] क्रि० स०
मेटति (भ्वादि सक०) मेटना, नाश करना।

ਮੇਂਡਕ मेंडक् Mĕḍak [3] पुं०
मण्डूक (पुं०) मेंढक।

ਮੇਂਡਕੀ मेंड्की Mĕḍki [3] स्त्री०
मण्डूकी (स्त्री०) मेंढकी।

ਮੇਂਢੀ मेंढी Mĕḍhī [3] स्त्री०
मेण्ढी (स्त्री०) मेंढी, भेंड़।

ਮੇਥਰਾ मेथ्रा Methra [2] पुं०
मेथि / मेथिका / मेथिनी (स्त्री०) मेथी (पौधा या दाना), मेथी का दाना मसाले के काम में आता है।

ਮੇਥਰੀ मेथ्री Methrī [3] स्त्री०
द्र० —ਮੇਥੀ।

ਮੇਥੀ मेथी Methī [3] स्त्री०
मेथी/मेथिका/मेथिनी (स्त्री०) मेथी का पौधा या दाना।

ਮੇਥੇ मेथे Methe [3] पुं०
मेथि/मेथिक/मेथिनी. (स्त्री०) मेथी का पौधा या दाना, मेथी का दाना जो मसाले के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।

ਮੇਦ मेद् Med [1] स्त्री०
मेदस् (नपुं०) मेदा, आमाशय।

ਮੇਦਨੀ मेद्नी Medni [2] स्त्री०
मेदिनी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਮੇਰਦੰਡ मेर्दण्ड् Merdaṇḍ [1] पुं०
मेरुदण्ड (पुं०, नपुं०) मेरुदण्ड, रीढ़।

ਮੇਰਾ मेरा Mera [3] सर्व०
मम (षष्ठचन्त सर्व०) मेरा।

ਮੇਰੁ मेरु Merū [3] पुं०
मेरु (पुं०) पुराणोक्त सोने का पर्वत; माला के बीच का मनका, जहाँ से जप प्रारंभ किया जाता है।

ਮੇਰੂ मेरू Merū [3] पुं०
द्र०—ਮੇਰੁ।

ਮੇਲ मेल् Mel [3] पुं०
मेल (पुं०) मेल-जोल, मित्रता; मुलाकात, संगम।

ਮੇਲਣ मेलण् Melaṇ [3] पुं०
मेलन (नपुं०) मिलाने का भाव।

ਮੇਲਣਾ मेल्णा Melṇa [3] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलाना।

ਮੇਲਾ मेला Mela [3] पुं०
मेला (स्त्री०) मेला; सभा, समाज।

ਮੇਲ੍ਹਣਾ मेल्ह्णा Melhṇa [3] क्रि०
मेलन (नपुं०) मस्ती में झूमना; मृदुल होना, पिघलना।

ਮੇੜ मेढ़् Merh [3] वि०
मिथुन (वि०) युगल, जोड़ी, दो का समूह।

ਮੈਂ[1] मैं Mai [3] स्त्री०
मद (पुं०) नशा; पागलपन; घमण्ड, अहङ्कार।

ਮੈਂ[2] मैं Mai [3] सर्व०
अहम् (सर्व० प्रथमान्त) मैं।

ਮੈਂਹਗਾ मैंह्गा Maihga [3] वि०, पुं०
महर्घ (वि०) मँहगा, कीमती, मूल्यवान्।

ਮੈਂਹਾ मैंहा Maiha [2] पुं०
द्र०—ਮਹਿਂ।

ਮੈਣਾ मैणा Maiṇa [3] पुं०
मदना/मदनी (स्त्री०) वेल, पौधा विशेष।

ਮੈਣੀ मैणी Maiṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਮੈਣਾ।

ਮੈਤਰੀ मैत्री Maitri [3] स्त्री०
मैत्री (स्त्री०) मैत्री, मित्रता।

ਮੈਥੋਂ मैथों Maitho [3] सर्व०
मत्तः (पञ्चम्यन्त) मुझसे।

ਮੈਨਾ मैना Maina [3] स्त्री०
मदनसारिका (स्त्री०) मैना, सारिका।

ਮੈਰਾ मैरा Maira [3] पुं०
मर्यादा (स्त्री०) नदी के तट की रेतीली और ऊँची जमीन।

ਮੈਲ मैल् Mail [3] पुं०
मल (नपुं०) मल, मैल, गन्दगी।

ਮੈਲਾ मैला Maila [3] पुं०
मलिन (वि०) मलिन मैला।

ਮੋਇਆ मोया Moya [3] पुं०
मृत (वि०) मृतक; मरा हुआ, एक प्रकार की गाली।

ਮੋਇਰ मोइर् Moir [1] पुं०
मयूर (पुं०) मोर पक्षी।

ਮੋਹ मोह् Moh [3] पुं०
मोह (पुं०) मोह, माया; भ्रम; नेह।

ਮੋਹਣਾ मोह्णा Mohṇa [3] सक० क्रि०
मोहयति (दिवादि प्रेर०) मोहित करना, आकर्षित करना।

ਮੋਹਰਲਾ मोह्र्ला Moharla [3] पुं०
मुखर (वि०) अग्रणी; मुखर।

ਮੋਹਰੀ मोह्री Mohri [2] पुं०
द्र०—ਮੁਹਰੀ।

ਮੋਹਲਾ मोह्ला Mohla [2] पुं०
द्र०—ਮੁਹਲਾ।

ਮੋਹਿਤ मोहित् Mohit [3] वि०
मोहित (वि०) मोहित, मोह-प्राप्त, लुभाया हुआ।

ਮੋਹੀ मोही Mohi [1] सर्व०
माम् (सर्व० द्वितीयान्त) मुझको या मुझे।

ਮੋਹੇ मोहे Mohe [1] सर्व०
माम् (सर्व० द्वितीयान्त) मुझे, मुझको ।

ਮੋਕਲਾ मोक्ला Mokla [3] वि०
मुक्त (वि०) मुक्त; शिथिल, ढीला; खुला; स्वतन्त्र ।

ਮੋਖ मोख् Mokh [3] पुं०
मोक्ष (पुं०) मोक्ष, मुक्ति; छुटकारा ।

ਮੋਖਸ਼ मोखश् Mokhaś [1] स्त्री०
द्र०—ਮੋਖ ।

ਮੋਖਦੁਆਰ मोख्दुआर् Mokhduar [3] पुं०
मोक्षद्वार (नपुं०) मोक्ष का द्वार ।

ਮੋਗਲਾ मोग्ला Mogla [1] पुं०
द्र०—ਮੁਹਲਾ ।

ਮੋਚੀ मोची Moci [3] पुं०
मोचिक (पुं०) मोची, चमार ।

ਮੋਠ मोठ् Moth [3] पुं०
मुकुष्ठ / मकुष्ठ (पुं०) मोंठ नामक अन्न, वन-मूंग ।

ਮੋਡਾ मोडा Moda [3] पुं०
मुण्डित (वि०) मुण्डन किया हुआ; साधु ।

ਮੋਣ मोण् Mon [3] पुं०
मोदन (नपुं०) मोयन, आटा आदि में मिलाया जाने वाला घृतादि ।

ਮੋਣਾ मोणा Mona [3] क्रि०
मोदयति (चुरादि प्रेर०) मिलाना, घृतादि मिलाकर मुलायम करना ।

ਮੋਤੀ मोती Moti [3] पुं०
मौक्तिक (नपुं०) मोती ।

ਮੋਥਰਾ मोथ्रा Mothra [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) नागर मोथा, एक प्रकार की घास जो दवा के काम आती है ।

ਮੋਥਾ मोथा Motha [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास ।

ਮੋੱਥਾ मोत्था Mottha [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास ।

ਮੋਨ मोन् Mon [1] स्त्री०
मौन (नपुं०) मौन, चुप्पी, खामोशी ।

ਮੋਨਵਰਤੀ मोन्वर्ती Monvarti [3] पुं०
मौनव्रतिन् (वि०) मौन-व्रती, मौन-व्रत धारण करने वाला ।

ਮੋਨਾ मोना Mona [3] पुं०
मौण्ड्य (नपुं०, पुं०) मुण्डित, शिर के बाल मुड़ाया हुआ ।

ਮੋਨੀ मोनी Moni [2] पुं०
मौनिन् (वि०) मौनी, मौन व्रत धारण करने वाला व्यक्ति या संन्यासी ।

ਮੋਰ मोर् Mor [3] पुं०
मयूर (पुं०) मोर पक्षी।

ਮੋਰਛੜ मोर्छड़् Morchaṛ [3] पुं०
मयूरपिच्छ (नपुं०) मोर का पंख, मोर के पंख का चँवर।

ਮੋਰਝਲ मोर्झल् Morjhal [2] पुं०
द्र०—ਮੋਰਛੜ।

ਮੋਰਨੀ मोर्नी Mornī [3] स्त्री०
मयूरी (स्त्री०) मोरनी, मयूरी।

ਮੌਸ मौस् Maus [2] पुं०
अमावास्या (स्त्री०) अमावास्या तिथि, मावस।

ਮੌਲ मौल् Maul [1] पुं०
मुकुल (नपुं०) मुकुल, नई कोंपल, कली।

ਮੌਲਣਾ मौल्णा Maulṇā [3] अक० क्रि०
मुकुलयति (नामधातु अक०) खिलना, मुकुलित होना, विकसित होना।

ਮੌਲਿਕ मौलिक् Maulik [3] वि०
मौलिक (वि०) मौलिक; मुख्य, प्रधान; जो किसी की छाया, उलथा आदि न हो।

ਮੌਲਿਕਤਾ मौलिक्ता Mauliktā [3] स्त्री०
मौलिकता (स्त्री०) मौलिकता, प्रधानता।

ਮੰਗ मंग् Maṅg [3] पुं०
मार्ग्य (वि०) मँगेतर, कोई वस्तु जो माँगी जाय, मांग।

ਮੰਗਣਾ मंग्णा Maṅgṇā [3] अक० क्रि०
मृग्यति (दिवादि सक०) माँगना; खोजना; पूछना।

ਮੰਗਣੀ मंग्णी Maṅgṇī [3] स्त्री०
मार्गण (नपुं०) माँगने, याचना करने या खोजने का भाव; मंगाई।

ਮੰਗਨਾ मंग्ना Maṅgnā [3] पुं०
मार्गण (नपुं०) माँगने या खोजने का भाव।

ਮੰਗਲ मंगल् Maṅgal [3] वि०/पुं०
मङ्गल (त्रि० / नपुं० / पुं०) वि०—मंगल, शुभ। नपुं०—कुशल, आनन्द। पुं०—मंगल-ग्रह; ग्रह।

ਮੰਗਲਾ मंग्ला Maṅglā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਗਲ।

ਮੰਗਲਾਰੀਂ मंग्लारीं Maṅglārīṃ [1] क्रि० वि०
मङ्गलवारे (सप्तम्यन्त) मंगलवार को।

ਮੰਗਲਾਰੇਂ मंग्लारें Maṅglāreṃ [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਗਲਾਰੀਂ।

ਮੰਗਲੈਂ मंगलैं Maṅgalaiṃ [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਗਲਾਰੀਂ।

ਮੰਘਰ मंघर् Maṅghar [1] पुं०
द्र०—ਮੱਘਰ।

ਮੰਜਵਾਈ मंजवाई Mañjvāī [3] स्त्री०
मार्जन (नपुं०) वर्तन इत्यादि माँजने या साफ करने का भाव।

ਮੰਜਾ मंजा Mañjā [3] पुं०
मञ्च (पुं०) मंच, खाट, चारपाई।

ਮੰਜਾਊ मंजाऊ Mañjāū [3] वि०
मार्जनीय (वि०) माँजने योग्य।

ਮੰਜਾਈ मंजाई Mañjāī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੰਜਵਾਈ।

ਮੰਜੀ मंजी Mañjī [3] स्त्री०
मञ्चिका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला, मँचिया।

ਮੰਜੀਠ मंजीठ् Mājīṭh [1] स्त्री०
द्र०—ਮਜੀਠ।

ਮੰਜੀਠਾ मँजीठा Mājīṭhā [1] पुं०
मञ्जिष्ठ (नपुं०) मजीठ; गहरा लाल रंग, मजीठ रंग।

ਮੰਜੀਰਾ मँजीरा Mājīrā [3] पुं०
मञ्जीर (पुं०, नपुं०) झाँझ, मँजीरा, वाद्य-विशेष।

ਮੰਜੂ मंजू Mañjū [1] पुं०
द्र०—ਮੰਜਾ।

ਮੰਜੂਲਾ मंजूला Mājūlā [2] पुं०
मुञ्जपूलक (पुं०) मूँज का गट्ठर।

ਮੰਝ मंझ् Mañjh [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਮੰਝਲਾ मंझला Mañjhlā [3] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮੰਝਾ मंझा Mañjhā [1] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) बीच में, मध्य में।

ਮੰਝੀ मंझी Mañjhī [1] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਮੰਝੋਲਾ मंझोला Mañjholā [2] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮੰਝੋਲੀ मंझोली Mañjholī [2] स्त्री०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮੰਡਣਾ मण्डणा Mandaṇā [3] सक० क्रि०
म्रदते (भ्वादि सक०) मलना, मालिश करना।

ਮੰਡਪ मण्डप् Mndap [3] पुं०
मण्डप (पुं०, नपुं०) मण्डप; छप्पर।

ਮੰਡਲ मण्डल् Mandal [3] पुं०
मण्डल (नपुं०) मण्डल, घेरा, अक्ष।

ਮੰਡਲੀ मण्डली Mandlī [3] स्त्री०
मण्डल (नपुं०) सभा, मण्डली, टोली।

ਮੰਡੂਆ मण्डुआ Manduā [3] पुं०
मण्डप (पुं०) मंडप, तम्बू।

ਮੰਤਰ मन्तर् Mantar [3] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र, वह शब्द या शब्द-समूह जिससे किसी देवता की सिद्धि या अलौकिक शक्ति की प्राप्ति होती है।

ਮੰਤਰੀ[1] मन्त्री Mantrī [3] पुं०
मान्त्रिक (वि०) मन्त्र का वेत्ता या प्रयोक्ता, तान्त्रिक।

ਮੰਤਰੀ[2] मन्त्री Mantrī [3] पुं०
मन्त्रिन् (पुं०) मंत्री, वज़ीर।

ਮੰਤਾ मन्ता Mantā [3] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र।

ਮੰਥਣਾ मन्थणा Manthṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਮਥਣਾ।

ਮੰਦ मन्द् Mand [3] वि०
मन्द (वि०) मन्द, सुस्त; मन्द-बुद्धि; उदासीन, तटस्थ।

ਮੰਦਰ मन्दर् Mandar [3] पुं०
मन्दिर (नपुं०) मन्दिर, देवालय।

ਮੰਦਰਾ मन्दरा Mandarā [2] पुं०
मन्दार (पुं०) मदार, आक; इन्द्र के नन्दन-वन के पाँच वृक्षों में से एक वृक्ष।

ਮੰਦਲ[1] मन्दल् Mandal [1] पुं०
मर्दल (पुं०) मृदङ्ग के आकार का एक प्राचीन बाजा।

ਮੰਦਲ[2] मन्दल् Mandal [3] पुं०
द्र०—ਮੰਦਰਾ।

ਮੰਦਲੀਆ मँदलिआ Mādliā [1] पुं०
मार्दलिक (वि०) ढोलकिया, ढोलक बजाने वाला।

ਮੰਦੜਾ मन्दड़ा Mandṛā [2] वि०
द्र०—ਮੰਦ।

ਮੰਦਾ मन्दा Mandā [3] पुं०
मन्द (वि०) सुस्त, धीमा; मन्द बुद्धि का; कमज़ोर; सस्ता।

ਮੰਦੀਲੜਾ मन्दील्ड़ा Mandīlṛā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਦਲ[1]।

ਮੰਦੀਲਾ मन्दीला Mandīlā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਦਲ[2]।

ਮੰਦ੍ਰ मन्द्र् Mandr [1] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र, वह शब्द या शब्द समूह जिससे किसी देवता की सिद्धि या आलौकिक शक्ति की प्राप्ति हो; जादू-टोना।

ਮੰਧਾਣੀ मन्धाणी Mandhāṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਮਧਾਣੀ।

ਮੱਨ मन्न् Mann [3] पुं०
महदन्न (नपुं०) रोट, मोटा पूआ।

ਮੰਨਣਾ मन्नणा Mannaṇa [3] सक० क्रि०
मन्यते (दिवादि सक०) स्वीकार करना, मनन करना; पूजना।

ਮੰਨੀ मन्नी Mannī [3] स्त्री०
द्र०—मंन।

ਮ੍ਰਿਦ म्रिद् Mrid [1] वि०
मृदु (वि०) मृदु, कोमल, मुलायम।

ਯ

ਯਸ਼ यश् Yaś [3] पुं०
यशस् (नपुं०) यश, कीर्ति, बड़ाई।

ਯਹਿਣਾ यैह्णा Yaihṇa [3] सक० क्रि०
यभति (भ्वादि सक०) संभोग या मैथुन करना।

ਯਕ यक् Yak [3] वि०
एक (वि०) एक; 1।

ਯੱਕਾ यक्का Yakka [3] वि०
एकल (वि०) अकेला; एकाकी।

ਯਖ यख् Yakh [3] पुं०
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवजाति-विशेष।

ਯੱਗ यग्ग् Yagg [3] पुं०
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, पूजनादि।

ਯਜੁਰ यजुर् Yajur [3] पुं०
यजुस् (नपुं०) यजुर्वेद, यजुर्वेद संहिता के वे मन्त्र जो यज्ञ के समय पढ़े जाते हैं।

ਯਜੁਰਵੇਦ यजुर्वेद् Yajurved [3] पुं०
यजुर्वेद (पुं०) यजुर्वेद, वेदत्रयी में दूसरा वेद। यजुर्वेद की दो मुख्य शाखायें हैं—तैत्तिरीय या कृष्ण यजुर्वेद और वाजसनेयी अथवा शुक्ल यजुर्वेद।

ਯਜੁਰਵੇਦੀ यजुर्वेदी Yajurvedī [3] पुं०
यजुर्वेदिन् (वि०) यजुर्वेद का अध्येता या ज्ञाता, यजुर्वेद शाखा से संबद्ध।

ਯਤਨ यतन् Yatan [3] पुं०
यत्न (पुं०) यत्न, उद्योग; उपाय; परिश्रम।

ਯਤਿ यति Yati [3] स्त्री०
यति (स्त्री०) संगीत में विश्राम, छन्द में स्थायी या विराम, पाठच्छेद।

ਯਤੀ यती Yatī [3] पुं०
यति (पुं०) संन्यासी जिसने अपनी इन्द्रियों को अपने वश में कर रखा हो और जो सांसारिक जंजाल से विरक्त हो।

ਯਥਾਯੋਗ यथायोग् Yathayog [3] क्रि० वि०
यथायोग्य (क्रि० वि०) यथोचित, योग्यतानुसार, मुनासिब।

ਜਥਾਤਥ यथारथ् Yatharath [3] **वि०**
यथार्थ (वि०) यथार्थ, वास्तविक।

ਜੱਧਣਾ यद्धणा Yaddhṇa [2] **सक० क्रि०**
यभति (भ्वादि सक०) संभोग या मैथुन करना।

ਜਮ यम् Yam [3] **पुं०**
यम (पुं०) यमराज, मृत्यु के देवता, भूत-प्रेतादि का स्वामी।

ਜਾਤਰੀ यात्री Yatri [3] **वि०**
यात्रिन् (वि०) यात्री, यात्रा करने वाला, मुसाफिर।

ਜਾਤਰੂ यात्रू Yatrū [3] **पुं०**
यात्रिन् (वि०) यात्री, यात्रा करने वाला, मुसाफिर।

ਜਾਰ यार् Yar [2] **पुं०**
जार (पुं०) उपपति; मित्र, दोस्त।

ਜਾਰਾਂ यारां Yarā̃ [2] **वि०**
एकादशन् (वि०) ग्यारह; 11 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਜਾਰੀ यारी Yari [3] **स्त्री०**
जारीय (वि०) यारी, मित्रता।

ਜੁਕਤ युकत् Yukat [3] **वि०**
युक्त (वि०) संयुक्त, जुड़ा हुआ, मिला हुआ, सहित, संगत, उचित।

ਜੁਗ-ਪਲਟਾਊ युग्-पल्टाऊ Yug-Palṭaū [3] **पुं०**
युगप्रवर्तक (वि०) युग-प्रवर्तक, युग पुरुष।

ਜੁਗਮ युगम् Yugam [3] **वि०/पुं०**
युग्म (वि०/नपुं०) वि०—दो की संख्या वाला (व्यक्ति, पदार्थ आदि)। नपुं—जोड़ा, युगल।

ਜੁੱਧ-ਖੇਤਰ युद्ध्-खेतर् Yuddh-Khetar [3] **पुं०**
युद्धक्षेत्र (नपुं०) युद्ध-क्षेत्र, लड़ाई का मैदान।

ਜੁਵਕ युवक् Yuvak [3] **पुं०**
युवक (पुं०) युवा, जवान।

ਜੁਵਕੀ युव्की Yuvkī [3] **स्त्री०**
युवती (स्त्री०) युवती, युवा स्त्री।

ਜੋਗਕ योगक् Yogak [3] **वि०**
यौगिक (वि०) यौगिक, संयुक्त; योग-संबन्धी।

ਜੋਗਤਾ योग्ता Yogta [3] **स्त्री०**
योग्यता (स्त्री०) योग्यता, क्षमता।

ਜੋਜਨ योजन् Yojan [3] **पुं०**
योजन (नपुं०) योजन, मार्ग का एक माप, चार कोश।

ਜੋਧਾ योधा Yodha [3] **पुं०**
योद्धृ (वि०) युद्ध करने वाला, लड़ाकू वीर।

ਯੰਤਰਕ यंत्रक् Yantrak [3] वि०
यान्त्रिक (वि०) यन्त्र-संबन्धी ।

ਯੰਤਰਾਤਮਕ यन्तरात्मक् Yantaratmak [3] वि०
यन्त्रात्मक (वि०) यन्त्र रूप, यन्त्रमय ।

ਰ

ਰਉ रउ Rau [3] पुं०
रय (पुं०) वेग; जल-प्रवाह; नदी ।

ਰਉਣਾ रउणा Rauṇā [2] अक० क्रि०
रमते (भ्वादि अक०) रमण करना, विहार करना; लीन होना ।

ਰਸ रस् Ras [3] पुं०
रस (पुं०) रस; सार-तत्त्व; द्रव पदार्थ; प्रेम; प्रीति ।

ਰਸਕਸ रस्कस् Raskas [3] पुं०
षड्रस (पुं०) (कषाय इत्यादि) छः रस ।

ਰਸਗੁੱਲਾ रस्गुल्ला Rasgullā [3] पुं०
रसगोलक (पुं०) रसगुल्ला, पनीर की एक मिठाई ।

ਰਸੱਗ रसग्ग् Rasagg [3] पुं०
रसज्ञ (वि०) रस-ज्ञाता, रस-मर्मज्ञ, रसिक, सहृदय ।

ਰਸਣਾ रस्णा Rasṇā [3] अक० क्रि०
रसयते (चुरादि अक०) रस युक्त होना; रिसना ।

ਰਸਨ रसन् Rasan [3] स्त्री०
रसना (स्त्री०) रसना, जिह्वा, जीभ ।

ਰਸਪਤੀ रस्पती Raspatī [3] पुं०
रसपति (पुं०) रस के स्वामी; वरुण; जीभ ।

ਰਸਪੂਰਣ रस्पूरण् Raspūraṇ [1] वि०
रसपूर्ण (वि०) रसमय, रस से भरा ।

ਰਸ-ਭਰਿਆ रस्भर्या Rasbharyā [3] वि०
रसभरित (वि०) रस से भरा, रसपूर्ण ।

ਰਸਭਿੰਨੜਾ रस्भिन्ड़ा Rasbhinnṛā [3] वि०
रसभिन्न (वि०) रस से भरा रसपूर्ण ।

ਰਸਭਿੰਨਾ रस्भिना Rasbhinnā [3] वि०
द्र० -ਰਸਭਿੰਨੜਾ ।

ਰਸਮਈ रस्मई Rasmaī [3] वि०
रसमय (वि०) रसीला, रसमय ।

ਰਸਮੱਤਾ रस्मत्ता Rasmattā [3] वि०
रसमत्त (वि०) रस में मग्न, रस में सराबोर ।

ਰਸਲ रसल् Rasal [1] वि०
रसाल (वि०) रसीला, रस वाला।

ਰਸਵਤੀ रस्वती Rasvatī [3] स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रस वाली, रस से युक्त।

ਰਸਵੰਤ रस्वन्त् Rasvant [3] पुं०
रसवत् (वि०) रसवाला, रस से भरा।

ਰਸਾ रसा Rasā [3] पुं०
रस (पुं०) रस, सत्त्व, द्रव-पदार्थ।

ਰਸਾਉਣਾ रसाउणा Rasāuṇā [3] सक० क्रि०
रसयति (चुरादि सक०) रस से भरना, आनन्दित करना।

ਰਸਾਇਣ रसाइण Rasāiṇ [3] स्त्री०
रसायन (नपुं०) रसायन-शास्त्र।

ਰਸਾਇਣਕ रसाइणक् Rasāiṇak [3] वि०
रासायनिक (वि०) रसायन-संबन्धी।

ਰਸਾਇਣੀ रसाइणी Rasāiṇī [3] पुं०
रासायनिक (वि०) रसायन-विद्, रसायन-शास्त्र का ज्ञाता।

ਰਸਾਕ रसाक् Rasāk [2] वि०
रसदायक (वि०) रसदाता, रस देने वाला।

ਰਸਾਤਮਕਤਾ रसात्मक्ता Rasātmaktā [3] स्त्री०
रसात्मकता (स्त्री०) रस-रूपता, रसमयता।

ਰਸਾਲੂ रसालू Rasālū [3] वि०
रसाल (वि०) रसदार, रसयुक्त।

ਰਸਿਕ रसिक् Rasik [3] पुं०
रसिक (वि०) रसिया, रस-ज्ञाता, गुण-ग्राही, सहृदय, भावुक।

ਰਸੀਆ रसिया Rasiā [3] पुं०
रसिक (पुं०) रसिक, रसिया।

ਰਸੀਣ रसीण् Rasīṇ [3] वि०
रसलीन (वि०) रस में लीन।

ਰਸੋਈ रसोई Rasoī [3] स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रसोई, भोजनालय।

ਰਸੌਂਤ रसौंत् Rasaũt [3] पुं०
रसोद्भूत (नपुं०) दारुहल्दी, ओषधि-विशेष।

ਰੱਸਾ रस्सा Rassā [3] पुं०
रश्मि (पुं०) मोटी रस्सी, रस्सा, डोर।

ਰੱਸੀ रस्सी Rassī [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रस्सी, पतली रस्सी।

ਰਹੱਸ रहस्स् Rahass [3] पुं०
रहस्य (नपुं०) रहस्य, गुप्त विषय या वार्ता।

ਰਹੱਸਮਈ रहस्समई Rahassamaī [3] वि०
रहस्यमय (वि०) रहस्यमय, गुप्त भेद-सहित।

ਰਹੱਸਵਾਦ रहस्सवाद् Rahassavad [3] पुं०
रहस्यवाद (पुं०) रहस्यवाद, हिन्दी काव्य की एक विधा।

ਰਹੱਸਵਾਦੀ रहस्सवादी Rahassavadī [3] पुं०
रहस्यवादिन् (वि०) रहस्यवादी, रहस्यवाद का अनुयायी।

ਰਹੱਸਾਤਮਕ रहस्सात्मक् Rahassatmak [3] क्रि०
रहस्यात्मक (वि०) रहस्यमय, गोपनीय।

ਰਹਿਣਾ रहिणा Rahiṇa [3] अक० क्रि०
रहति (भ्वादि अक०) रह जाना, शेष बचना; त्यक्त होना; निवास करना।

ਰਹਿਲ रहिल् Rahil [2] स्त्री०
रेखा (स्त्री०) रेखा, लकीर।

ਰਹਿਲਾ रहिला Rahila [1] पुं०
रथ (पुं०) गाड़ी, ताँगा, एक्का।

ਰਹਿਲੀ रहिली Rahilī [1] स्त्री०
द्र०—ਰਹਿਲਾ।

ਰਹੁ रहु Rahu [3] स्त्री०
रस (पुं०) रस, गन्ने आदि का रस, द्रव के रूप में तत्त्व या सार।

ਰਕਤ रकत् Rakat [3] वि०/पुं०
रक्त (वि०/नपुं०) वि०—लाल रंग वाला, अनुरक्त। नपुं०—लहू, खून, रुधिर।

ਰਖਸ਼ਾਬੰਧਨ रख्शाबन्धन् Rakhśabandhan [3] पुं०
रक्षाबन्धन (नपुं०) रक्षाबन्धन, राखी।

ਰਖਪਾਲ रख्पाल् Rakhpal [1] पुं०
रक्षपाल (वि०) रखवारा, रक्षक।

ਰਖਵਈਆ रख्वैया Rakhvaiya [3] वि०
द्र०—ਰੱਖਿਅਕ।

ਰਖਵਾਲ रख्वाल् Rakhval [3] वि०
द्र०—ਰਖਵਾਲਾ।

ਰਖਵਾਲਾ रख्वाला Rakhvala [3] पुं०
रक्षपाल (पुं०) रखवाला, चौकीदार।

ਰਖੇਣ रखेण् Rakheṇ [3] पुं०
रक्षणे (नपुं० सप्तम्यन्त) रक्षा करने में।

ਰੱਖ रक्ख् Rakkh [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) रक्षा-सूत्र या यन्त्र; रखने का भाव।

ਰੱਖਣਾ रक्खणा Rakkhṇa [3] सक० क्रि०
रक्षति (भ्वादि सक०) रखना, रक्षा करना।

ਰੱਖਣੀ रक्खणी Rakkhṇī [3] स्त्री०
रक्षण (नपुं०) रक्षा सम्मान; पालन।

ਰੱਖੜੀ रक्खड़ीं Rakkhṛī [3] स्त्री०
रक्षणी (स्त्री०) रक्षा-सूत्र जो कलाई पर बाँधी जाती है।

ਰੱਖਿਅਕ रक्ख्यक् Kakkhyak [3] वि०
रक्षक (वि०) रखवाला, रक्षा करने वाला।

ਰੱਖਿਅਤ रक्ख्यत् Rakkhyat [3] वि०
रक्षित (वि०) रक्षा से युक्त, सुरक्षित।

ਰੱਖਿਆ रक्ख्या Rakkhya [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) सुरक्षा, बचाने की क्रिया।

ਰੱਖਿਆਮੰਤਰੀ रक्ख्यामन्त्री Rakkhyāmantrī [3] पुं०
रक्षामन्त्रिन् (वि०) रक्षामन्त्री।

ਰਗੜਨਾ रगड़्ना Ragaṛnā [3] सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सक०) रगड़ना, छीलना,

ਰਗੜਾਉਣਾ रगड़ाउणा Ragṛauṇā [3] सक० क्रि०
रदयति (भ्वादि प्रेर०) रगड़ने, छीलने या घीसने का काम करवाना, रगड़वाना, छिलवाना, घिसवाना।

ਰਚ रच् Rac [3] स्त्री०
रचना (स्त्री०) रचना, निर्माण; रची हुई वस्तु।

ਰਚਣ रचण् Racaṇ [3] स्त्री०
रचना (स्त्री०) कृति, निर्माण।

ਰਚਣਾ रच्णा Racṇā [3] सक० क्रि०
रचयति (चुरादि सक०) रचना, निर्माण करना, तैयार करना; लिखना, निबन्धादि रचना।

ਰਚਨਾਕਾਰ रच्नाकार् Racnākār [3] वि०/पुं०
रचनाकार (वि०/पुं०) वि०—रचना करने वाला। पुं०—परमात्मा।

ਰਚਨਾਕਾਰੀ रच्नाकारी Racnākārī [3] स्त्री०
रचनाकारिता (स्त्री०) रचना करने वाले का काम।

ਰਚਿਤ रचित् Racit [3] वि०
रचित (वि०) रचा हुआ, निर्मित; लिखित।

ਰਚੇਤਾ रचेता Racetā [3] पुं०
रचयितृ (वि०) रचयिता, रचनाकार; निर्माता; लेखक।

ਰਛਪਾਲ रछ्पाल् Rachpāl [3] पुं०
रक्षपाल (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला; पहरेदार, चौकीदार।

ਰਛਪਾਲਕ रछ्पालक् Rachpālak [3] पुं०
रक्षपालक (वि०) रक्षा करने वाला, रक्षक।

ਰਛਾਣੀ रछाणी Rachāṇī [3] स्त्री०
रथ्यधानी (स्त्री०) नाई के औजार रखने की पेटी।

ਰਛਿਆ रछिआ Rachiā [3] स्त्री०
द्र०—रੱਛਾ।

ਰੱਛ[1] रच्छ् Racch [3] पुं०
रक्षस् (नपुं०) राक्षस, दानव, निशाचर।

ਰੱਛ² रच्छ् Racch [3] पुं०
रक्षा/रक्ष (स्त्री०/पुं०) सुरक्षा, बचाव, रखवाली।

ਰੱਛ³ रच्छ् Racch [3] पुं०
रथ्य (वि०) राछ जिससे कपड़ा बुना जाता है।

ਰੱਛਕ रच्छक् Racchak [1] पुं०
रक्षक (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला।

ਰੱਛਾ रच्छा Raccha [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) रक्षासूत्र, राखी जो कलाई पर बाँधी जाती है।

ਰਜਵਾੜਾ रज्वाड़ा Rajvara [3] पुं०
राज्यवाट (पुं०) राज्य की सीमा, राज्य-भाग; राज्य चलाने वाला, जागीरदार।

ਰਜਾਉਣਾ रजाउणा Rajauṇa [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) तृप्त करना, संतुष्ट करना।

ਰਜਾਈ रजाई Rajāī [3] स्त्री०
राजाज्ञा (स्त्री०) राजाज्ञा, राजा का आदेश।

ਰਜੂਹ रजूह् Rajūh [3] पुं०
रुचि (स्त्री०) रुचि, अभिरुचि, इच्छा, अभिलाषा; झुकाव, प्रवृत्ति।

ਰਜੋਗੁਣ रजोगुण् Rajoguṇ [3] पुं०
रजोगुण (पुं०) तीन गुणों में से दूसरा गुण, रजोगुण।

ਰੱਜ रज्ज् Rajj [3] पुं०
रक्ति (स्त्री०) तृप्ति, सन्तोष।

ਰੱਜਣ रज्जण् Rajjaṇ [3] अक० क्रि०
रज्यते (दिवादि अक०) तृप्त होना, सन्तुष्ट होना।

ਰੱਜਣਾ रज्जणा Rajjṇa [3] अक० क्रि०
रज्यते (दिवादि अक०) तृप्त होना, सन्तुष्ट होना।

ਰਟ रट् Raṭ [3] स्त्री०
रट/रटन (पुं०/नपुं०) किसी बात को बार-बार रटने का भाव।

ਰਟਣਾ रट्णा Raṭṇa [3] सक० क्रि०
रटति (भ्वादि सक०) रटना, बार-बार दुहराना; चीख मारना।

ਰਟੰਤ रटन्त् Raṭant [1] वि०
रटित (वि०) कण्ठस्थ, रटा हुआ।

ਰਠੌਰ रठौर् Raṭhaur [3] पुं०
राष्ट्रमौलि (पुं०) रियासत का मुकुट; राजपूतों की एक जाति।

ਰਣ रण् Raṇ [3] पुं०
रण (नपुं०, पुं०) रण, संग्राम, लड़ाई का मैदान।

ਰਣਕ रणक् Raṇak [3] स्त्री०
रणक (पुं०) नूपुर आदि की झंकार।

ਰਣਕਣਾ रणक्णा Ranakna [2] अक० क्रि०
रणति (भ्वादि अक०) रुनझुन का शब्द करना, झुनझुनाना, नूपुर आदि की झंकार होना।

ਰਣ-ਖੇਤਰ रण्-खेतर् Ran-Khetar [3] पुं०
रणक्षेत्र (नपुं०) रण-भूमि, युद्ध का मैदान।

ਰਣ-ਖੰਭਾ रण्-खम्भा Ran-Khambha [3] पुं०
रणस्कम्भ/रणस्तम्भ (पुं०) वह स्तम्भ विशेष, जिस पर लड़ाई के समय झंडा झूलता है।

ਰਣ-ਚੰਡੀ रण्-चण्डी Ran-Candi [3] स्त्री०
रणचण्डी (स्त्री०) युद्ध की देवी, दुर्गा; तलवार, खड्ग।

ਰਣਜੀਤ रण्जीत् Ranjit [3] वि०
रणजित (वि०) रण या युद्ध जीतने वाला।

ਰਣ-ਜੇਤੂ रण्जेतू Ran-Jetu [3] पुं०
रणजेतृ (वि०) रण जेता, युद्ध जीतने वाला।

ਰਣ-ਧੀਰ रण्-धीर् Ran-Dhir [3] पुं०
रणधीर (वि०) रण में धैर्य धारण करने वाला, बहादुर व्यक्ति।

ਰਣ-ਭੂਮੀ रण्-भूमी Ran Bhumi [3] स्त्री०
रणभूमि (स्त्री०) रण-स्थल, युद्ध-क्षेत्र, संग्राम-क्षेत्र।

F. 57

ਰਣ-ਜੋਧਾ रण्योधा Ran-Yodha [3] पुं०
रणयोद्धृ (वि०) रण योद्धा, शूर-वीर।

ਰਤ रत् Rat [3] स्त्री०
रात्रि (स्त्री०) रात, रात्रि, निशा।

ਰਤਜਗਾ रत्जगा Ratjaga [3] पुं०
रात्रिजागरा (स्त्री०) रात्रि-जागरण, रात में जागने की क्रिया।

ਰਤਨ रतन् Ratan [3] पुं०
रत्न (नपुं०) रत्न, बहुमूल्य छोटे और चमकीले पत्थर।

ਰਤਨ-ਮਾਲਾ रतन्-माला Ratan-Mala [3] स्त्री०
रत्नमाला (स्त्री०) रत्नों की माला, मणि-माला।

ਰਤਨੀ रत्नी Ratni [3] पुं०
रत्निन् (वि०) रत्नों वाला।

ਰਤੀ रती Rati [3] स्त्री०
रति (स्त्री०) अनुराग, प्रेम; सम्भोग, काम-क्रीड़ा; कामदेव की पत्नी।

ਰਤੌਂਧਾ रतौंधा Ratauँdha [2] पुं०
रात्र्यन्ध (वि०) जिसे रात में दिखाई न पड़े, रतौंधी से युक्त।

ਰਤੌਂਧੀ रतौंधी Ratauँdhi [3] स्त्री०
रात्र्यान्ध्य (नपुं०) रतौंधी, नेत्र का रोग-विशेष।

ਰੱਤ रत्त् Ratt [3] **पुं०**
रक्त (नपुं० / वि०) नपुं०—रक्त, खून, लहू। वि०—लाल, रञ्जित।

ਰੱਤ-ਹੀਣ रत्त्-हीण् Ratt-Hiṇ [3] **वि०**
रक्तहीन (वि०) रक्तहीन, विना रक्त के; दुर्बल।

ਰੱਤੜਾ रत्तड़ा Rattaṛa [3] **पुं०**
रञ्जित (वि०) लाल रंग से रंगा हुआ, रंगीन।

ਰੱਤਾ रत्ता Ratta [3] **वि०/पुं०**
रक्त (वि०/नपुं०) वि०—रञ्जित, लाल। नपुं०—रक्त वर्ण।

ਰੱਤੀ रत्ती Ratti [3] **स्त्री०**
रक्तिका (स्त्री०) रत्ती, गुञ्जा, घुंघची; एक माप।

ਰਥ रथ् Rath [3] **पुं०**
रथ (पुं०) रथ, यात्रा या युद्धोपयोगी प्राचीन कालीन एक सवारी, जिसमें घोड़े जुते होते हैं।

ਰਥਵਈਆ रथ्वैया Rathvaiya [3] **पुं०**
द्र०—ਰਥਵਾਹ।

ਰਥਵਾਹ रथ्वाह् Rathvah [3] **पुं०**
रथवाहक (वि०) रथ चलाने वाला, सारथि।

ਰਥਵਾਹੀ रथ्वाही Rathvahi [3] **पुं०**
रथवाहिन् (वि०) रथ चलाने वाला, रथवाहक।

ਰਥਵਾਹੀਆ रथ्वाह्या Rathvahya [3] **पुं०**
द्र०—ਰਥਵਾਹ।

ਰਥਵਾਨ रथ्वान् Rathvan [3] **पुं०**
रथवत् (वि०) रथवाला, रथी।

ਰਮਣਾ रम्णा Ramṇa [3] **अक० क्रि०**
रमते (भ्वादि सक०/अक०) सक०—रमण या संभोग करना। अक०—क्रीडा करना, खेलना; विचरना।

ਰਮਣੀਕ रम्णीक् Ramṇik [3] **वि०**
रमणीक (वि०) मनोरम, सुन्दर।

ਰਮਣੀਕਤਾ रम्णीक्ता Ramṇikta [3] **स्त्री०**
रमणीयता (स्त्री०) रमणीयता, सुन्दरता।

ਰਮਨਾ रम्ना Ramna [3] **स्त्री०**
रमणा (स्त्री०) रमणी, स्त्री।

ਰਮਾਉਣਾ रमाउणा Ramauṇa [1] **प्रेर० क्रि०**
रमयति (भ्वादि प्रेर०) समा जाना; रमाना।

ਰਮਾਇਣ रमाइण् Ramaiṇ [3] **स्त्री०**
रामायण (नपुं०) श्रीमद्वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण-ग्रन्थ।

ਰਵਾ रवा Rava [3] **पुं०**
रव (पुं०) पशुओं की नस्ल; सूजी आदि का कण।

ਰਵਾਂਹ रवाँह् Ravāh [3] पुं०
राजमाष (पुं०) राजमा—अन्नविशेष, राजमाष ।

ਰਵਿੰਦ रविन्द् Ravind [3] पुं०
रवीन्दु (पुं०) रवि और इन्दु, सूर्य-चन्द्र ।

ਰਾਉ राउ Rau [2] पुं०
द्र०—राइ ।

ਰਾਇ राइ Rai [3] पुं०
राजन् (पुं०) राजा, नृप ।

ਰਾਈ राई Rai [3] स्त्री०
राजिका (स्त्री०) राई, सरसों की जाति का एक अन्न ।

ਰਾਸ[1] रास् Ras [3] स्त्री०
राशि (पुं०) राशि, ढेर, पुञ्ज ।

ਰਾਸ[2] रास् Ras [3] पुं०
रास (पुं०) कोलाहल, शोरगुल, हल्ला; रासलीला, गोपों की प्राचीन काल की क्रीड़ा, जिसमें वे सब मण्डल बना कर एक साथ नाचते थे ।

ਰਾਕਸ਼ राकश् Rakas [3] पुं०
राक्षस (पुं०) राक्षस, दैत्य, निशाचर ।

ਰਾਖ राख् Rakh [2] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) राख, भस्म ।

ਰਾਖਸ਼ राखश् Rakhaś [3] पुं०
द्र०—ਰਾਕਸ਼ ।

ਰਾਖਸ਼ਣੀ राख्शणी Rakhsaṇi [3] स्त्री०
राक्षसी (स्त्री०) राक्षसी, दानवी ।

ਰਾਖਸੀ राख्सी Rakhsi [3] वि०
राक्षसीय (वि०) राक्षसी, राक्षस-संबन्धी ।

ਰਾਖਣ-ਹਾਰ राखण्-हार् Rakhaṇ-Har [1] पुं०
रक्षाकार (वि०) राखनहार, रक्षा करने वाला ।

ਰਾਖਾ राखा Rakha [3] पुं०
रक्षक (वि०) रखवाली करने वाला, रखवाला ।

ਰਾਗ राग् Rag [3] पुं०
राग (पुं०) संगीत-संबन्धी राग ।

ਰਾਗਣੀ रागणी Ragṇi [3] स्त्री०
रागिणी (स्त्री०) संगीत-संबन्धी रागिनियाँ, जिनकी संख्या 30 या 36 है ।

ਰਾਗ-ਦ੍ਵੈਖ राग्-द्वैख् Rag-Dvaikh [3] पुं०
रागद्वेष (पुं०) राग-द्वेष, अनुराग-विरोध ।

ਰਾਂਗਾ राँगा Rāga [3] पुं०
द्र०—ਰਾਂਗ ।

ਰਾਜ राज् Raj [3] पुं०
राज्य (नपुं०) वह देश जिसमें एक राज्य का शासन हो, शासन, हुकूमत ।

ਰਾਜ-ਸੱਤਾ राज्-सत्ता Raj-Satta [3] **स्त्री॰**
राजसत्ता (स्त्री॰) राज्य-शासन, राज्याधिकार।

ਰਾਜਹੰਸ राज्हंस Rajhans [2] **पुं॰**
राजहंस (पुं॰) राजहंस, एक प्रकार का हंस, जिसे सुवर्ण पक्षी भी कहते है।

ਰਾਜਕੀ राज्की Rajki [3] **वि॰**
राजकीय (वि॰) शासक या राज्यसत्ता से संबन्धित, शासकीय।

ਰਾਜਕੁਆਰੀ राजकुआरी Rajkuari [3] **स्त्री॰**
राजकुमारी (स्त्री॰) राजकुमारी।

ਰਾਜਜੋਗ राज्जोग Rajjog [3] **पुं॰**
राजयोग (पुं॰) ग्रहों का एक योग, जिसके जन्म-कुण्डली में पड़ने से राजा या राजा के तुल्य फल होता है; राज्य होने पर भी उदासीन रहने का भाव।

ਰਾਜਜੋਗੀ राज्जोगी Rajjogi [3] **पुं॰**
राजयोगिन् (वि॰/पुं॰) वि॰—सांसारिक सुख होने पर भी विरक्त रहने वाला व्यक्ति। पुं॰—राजयोगी।

ਰਾਜਦੁਆਰ राज्दुआर् Rajduar [3] **पुं॰**
राजद्वार (नपुं॰) राज-दरबार, राजमहल की ड्योढ़ी, कचहरी।

ਰਾਜ-ਦੰਡ राज-दण्ड् Raj-Dand [3] **पुं॰**
राजदण्ड (पुं॰, नपुं॰) राजदण्ड, सरकारी दण्ड।

ਰਾਜ-ਧਰੋਹ राज्-धरोह् Raj-Dharoh [3] **पुं॰**
राजद्रोह (पुं॰) राज-द्रोह, बगावत, ऐसा काम, जिसमे राजा या राज्य के अनिष्ट की संभावना है।

ਰਾਜ-ਧਰੋਹੀ राज्धरोही Raj-Dharohi [3] **पुं॰**
राजद्रोहिन् (वि॰) राजद्रोही, बागी।

ਰਾਜਧਾਨੀ राज्धानी Rajdhani [3] **स्त्री॰**
राजधानी (स्त्री॰) राजधानी, वह प्रधान नगर जहाँ किसी देश का राजा या शासक निवास करे।

ਰਾਜਨੀਤਿਕ राजनीतिक् Rajnitik [3] **वि॰**
राजनीतिक (वि॰) राजनीति-ज्ञाता, राजनीति से संबन्धित।

ਰਾਜਪਤ राजपत् Rajpat [1] **पुं॰**
राज्यपति (वि॰) राज्य का स्वामी, राजा।

ਰਾਜਪਤੀ राज्पती Rajpati [3] **पुं॰**
द्र॰—ਰਾਜਪਤ।

ਰਾਜਬੰਸੀ राज्बंशी Rajbanśi [3] **वि॰**
राजवंशीय (वि॰) राजकुल से संबन्धित।

ਰਾਜਰੋਗ राज्रोग् Rajrog [3] **पुं॰**
राजरोग (पुं॰) राजरोग यक्ष्मा

ਰਾਠ राठ् Rath [3] पुं०
राष्ट्रकूट (पुं०) राजपूतों की एक जाति; ऐंठू, बहादुर पुरुष।

ਰਾਂਡ राँड Rãḍ [1] स्त्री०
द्र०—रंड।

ਰਾਣਾ राणा Rana [3] पुं०
राजन्य (पुं०) राजा; प्रमुख, मुखिया; गोत्र-विशेष।

ਰਾਣੀ राणी Rani [3] स्त्री०
राज्ञी (स्त्री०) रानी, राजा की पत्नी।

ਰਾਤ रात् Rat [3] स्त्री०
रात्रि/रात्री (स्त्री०) रात, निशा, रजनी।

ਰਾਤੜੀ रातड़ी Ratṛi [1] स्त्री०
रात्रि/रात्री (स्त्री०) रात, निशा, रजनी।

ਰਾਤਾ राता Rata [3] वि०
रक्तक (वि०) लाल, रक्त; लाल वर्ण का वस्त्र आदि।

ਰਾਤੀਂ रातीं Rati [3] क्रि० वि०
रात्रि/रात्रीम् (स्त्री० द्वितीयान्त) रात को, रात में।

ਰਾਤੇ राते Rate [3] क्रि० वि०
रात्रौ (क्रि० वि०, अधि०) रात में, रात के समय।

ਰਾਮ राम् Ram [3] पुं०
राम (पुं०) राम, परमात्मा; व्यापक, विभु।

ਰਾਮਸਨੇਹੀ राम्सनेही Ramsanehi [3] पुं०
रामस्नेहिन् (पुं०) रामस्नेही संप्रदाय या उसका साधु।

ਰਾਲ[1] राल् Ral [3] स्त्री०
लाला (स्त्री०) लार, लालारस; थूक।

ਰਾਲ[2] राल् Ral [3] स्त्री०
राल (पुं०) धूना, राल।

ਰਾਵੀ रावी Ravi [3] स्त्री०
इरावती (स्त्री०) रावी नदी।

ਰਾੜ राड़ Raṛ [3] स्त्री०
राटि (स्त्री०) रार, झगड़ा।

ਰਿਊਹ रिउह् Riuh [2] पुं०
इक्षुरस (पुं०) गन्ने का रस; रस।

ਰਿਆਇਤਾ र्याइता Ryaita [3] स्त्री०
राजिकाक्त (नपुं०) रायता, राई (सरसों), दही, लौकी इत्यादि से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਰਿਸ਼ਟ रिषट् Risat [3] वि०
रिष्ट (वि०) त्रुटित, भग्न, खोया हुआ।

ਰਿਸ਼ਟ-ਪੁਸ਼ਟ रिषट्-पुषट् Risat Pusat [3] वि०
हृष्ट पुष्ट (वि०) प्रसन्न और शक्तिशाली; मोटा-ताजा।

ਰਿਸਣਾ रिस्णा Risna [3] अक० क्रि०

ऋषति (तुदादि अक०) बहना, पानी का टप-टप चूना।

ਰਿਸ਼ਮ रिशम् Riśam [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रश्मि, किरण।

ਰਿਹੜਾ रिह्ड़ा Rihṛa [3] पुं०
रथ (पुं०) गाड़ी, ऐसी गाड़ी, जिसमें घोड़े जुते हों।

ਰਿਹੜੀ रिह्ड़ी Rihṛī [3] स्त्री०
रथिका (स्त्री०) छोटा रथ, ताँगा या एक्का।

ਰਿਹਾੜ रिहाड़् Rihāṛ [3] स्त्री०
रेषति (भ्वादि सक०) जिद्द, हठ।

ਰਿਕਤਾ रिक्ता Rikta [3] स्त्री०
रिक्ता (स्त्री०) रिक्ता (चतुर्थी, नवमी एवं चतुर्दशी) तिथि।

ਰਿਖ रिख् Rikh [1] पुं०
ऋषि (पुं०) ऋषि, मुनि।

ਰਿੰਗਣਾ रिंगणा Ringṇa [3] अक० क्रि०
रणति (भ्वादि अक०) गाय का बोलना, बाँय-बाँय करना।

ਰਿੱਛ रिच्छ् Ricch [3] पुं०
ऋक्ष (पुं०) रीछ, भालू।

ਰਿਝਾਉਣਾ रिझाउणा Rijhauṇa [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) रिझाना, प्रसन्न करना, रञ्जन करना।

ਰਿੱਝਣਾ रिज्झणा Rijjhaṇa [3] सक० क्रि०
रध्यति (दिवादि सक०) रीन्हना, पकाना।

ਰਿੱਝਿਆ रिज्झ्या Rijjhya [3] वि०
रद्ध (वि०) पक्व, पका हुआ।

ਰਿੰਡ रिंड् Rinḍ [3] स्त्री०
द्र०—ਅਰਿੰਡ।

ਰਿਣ रिण् Riṇ [3] पुं०
ऋण (नपुं०) ऋण, कर्ज, उधार।

ਰਿਣੀ रिणी Riṇī [3] वि०
ऋणिक (वि०) ऋणी, कर्जदार; अनुगृहीत।

ਰਿਤੁਮਾਨ रितुमान् Rituman [3] स्त्री०
ऋतुमती (स्त्री०) रजस्वला स्त्री।

ਰਿਤੂ[1] रितू Ritū [3] पुं०
ऋत (नपुं०) ऋषि-अन्न; मोक्ष; जल; कर्म-फल; यज्ञ; सत्य; प्रकाशमान, पूजित।

ਰਿਤੂ[2] रितू Ritū [3] स्त्री०
ऋतु (पुं०) ऋतु, मौसम।

ਰਿਦਾ रिदा Rida [3] पुं०
हृत् (नपुं०) हृदय, मन।

ਰਿੱਧ रिद्ध् Riddh [2] स्त्री०
ऋद्धि (स्त्री०) समृद्धि सफलता।

ਰਿੱਧਾ रिद्धा Riddha [3] वि०
रन्धित (वि०) पकाया हुआ ।

ਰਿੱਧੀ रिद्धी Riddhī [3] स्त्री०
ऋद्धि (स्त्री०) समृद्धि; सफलता ।

ਰਿਨ੍ਹਾਉਣਾ रिन्हाउणा Rinhāuṇa
[3] सक० क्रि०
रन्धयति (दिवादि प्रेर०) पकाने का काम करना ।

ਰਿੰਨ੍ਹਣਾ रिन्न्हणा Rinnhaṇa [3] सक० क्रि०
रध्यति (दिवादि सक०) रीन्हना, पकाना ।

ਰਿਪ रिप् Rip [3] पुं०
रिपु (पुं०) रिपु, शत्रु ।

ਰਿੜਕਣਾ रिड़कणा Riṛakṇa [3] सक० क्रि०
रिण्वति (भ्वादि सक०) बिलोना, विलोडन करना ।

ਰੀਠਾ रीठा Riṭha [3] पुं०
अरिष्ट (नपुं०) रीठा का वृक्ष या फल । रीठा कपड़े धोने के काम में आता है ।

ਰੀਣ रीण् Rīṇ [3] स्त्री०
रेणु (पुं०) धूलि, रज-कण, रेत; पुष्पराग ।

ਰੀਤ रीत् Rīt [3] स्त्री०
रीति (स्त्री०) रीति, रिवाज, चलन ।

ਰੀਤਣਾ रीत्णा Rītṇa [1] अक० क्रि०
रिणक्ति / रिङ्क्ते (रुधादि अक०) रिक्त होना, खाली होना ।

ਰੀਤੀ रीती Rītī [3] स्त्री०
द्र०—ਰੀਤ ।

ਰੁਆਉਣਾ रुआउणा Rūauṇa [3] प्रेर० क्रि०
रोदयति (अदादि प्रेर०) रुलाना ।

ਰੁਸਣਾ रुस्णा Rusṇa [3] अक० क्रि०
रोषयति (चुरादि अक०) क्रोध करना, गुस्सा करना ।

ਰੁੱਸਣਾ रुस्स्णा Russṇa [3] अक० क्रि०
रुष्यति (दिवादि अक०) रूठना; क्रुद्ध होना ।

ਰੁਕਮ रुकम् Rukam [3] पुं०
रुक्म (नपुं०) सोना, कञ्चन; धतूरा; चाँदी; लोहा; नागकेशर ।

ਰੁਖੜਾ रुख्ड़ा Rukhṛa [3] पुं०
द्र०—ਰੁੱਖ ।

ਰੁੱਖ रुक्ख् Rukkh [3] पुं०
वृक्ष > रुक्ष > रुक्ख (पुं०) वृक्ष, रूख, पेड़ ।

ਰੁੱਖਾ रुक्खा Rukkha [3] पुं०
रूक्ष (वि०) रूखा, सूखा ।

ਰੁੱਖਾ-ਸੁੱਖਾ रुक्खा-सुक्खा Rukkha-Sukkha
[3] पुं०
रूक्षशुष्क (वि०) रूखा-सूखा ।

ਰੁਚਣਾ रुच्णा Rucṇā [3] अक० क्रि०
रोचते (भ्वादि० अक०) रुचना, अच्छा लगना, पसन्द होना।

ਰੁਚੀ रुची Rucī [ ] स्त्री०
रुचि (स्त्री०) रुचि, इच्छा; स्वाद, जायका।

ਰੁਝਣ रुझण् Rujhaṇ [3] पुं०
रुद्ध (नपुं०) काम में लगना, व्यस्त होना।

ਰੁਝਾਉਣਾ रुझाउणा Rujhāuṇā [3] प्रे० क्रि०
रोधयति (रुधादि प्रेर०) काम में लगाना, व्यस्त करना।

ਰੁੱਝਣਾ रुज्झ्णा Rujjhṇā [3] अक० क्रि०
रुणद्धि/रुन्धे (रुधादि अक०) काम में लगना, व्यस्त होना।

ਰੁਠਾਉਣਾ रुठाउणा Ruṭhāuṇā [3] सक० क्रि०
रोषयति (चुरादि सक०) रुष्ट करना, क्रोधित करना।

ਰੁੱਠਣਾ रुट्ठ्णा Ruṭṭhṇā [3] अक० क्रि०
रुष्ट (नपुं०) रुष्ट होने या क्रुद्ध होने का भाव।

ਰੁੱਠੜਾ रुट्ठ्ड़ा Ruṭṭhṛā [1] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, क्रुद्ध।

ਰੁੱਠਾ रुट्ठा Ruṭṭhā [3] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, क्रुद्ध।

ਰੁੱਤੜੀ रुत्ड़ी Ruttṛī [2] स्त्री०
ऋतु (पुं०) ऋतु, मौसम; वसन्तादि छः ऋतुएँ।

ਰੁਦਰ रुदर् Rudar [3] पुं०
रुधिर (नपुं०) लहू, रुधिर, रक्त।

ਰੁਦ੍ਰਾਖ रुद्राख् Rudrākh [3] पुं०
रुद्राक्ष (पुं०/नपुं०) पुं०—रुद्राक्ष का वृक्ष। नपुं०—रुद्राक्ष का फल।

ਰੁੱਧਾ रुद्धा Ruddhā [3] वि०
रुद्ध (वि०) अवरुद्ध, कार्यव्यस्त, आकुल।

ਰੁਪਈਆ रुपय्या Rupayyā [3] पुं०
रूप्यक (नपुं०) रुपया, नोट।

ਰੁਪਣਾ रुप्णा Rupṇā [3] अक० क्रि०
आरोप्यते (चुरादि क्रि०) आरोपित होना, थोपा जाना।

ਰੁੱਪਾ रुप्पा Ruppā [3] पुं०
रूप्य (नपुं०/वि०) नपुं०—चाँदी। वि०—सुन्दर; मुद्रित, मुद्रा-युक्त।

ਰੁਮਾਂਚਕ रुमांचक् Rumāñcak [3] वि०
रोमाञ्चक (वि०) रोमांचक, पुलकित।

ਰੁਮਾਂਚਕਤਾ रुमांचक्ता Rumāñcaktā [3] स्त्री०
रोमाञ्चकता (स्त्री०) रोमांचकता, पुलकित होने का भाव, आनन्द या भय से शरीर के रोंगटों का खड़ा होना।

ਰੂੰ रूँ Rū̃ [3] पुं०
रोमन् (नपुं०) रोम, रोआँ; रुई।

ਰੂਪਵੰਤ रूप्वन्त Rūpvant [3] पुं०
रूपवत् (वि०) रूपवान्, सुन्दर।

ਰੂਪੀ रूपी Rūpī [3] वि०
रूपिन् (वि०) तुल्य, सदृश; बहुरूपिया ।

ਰੂੜੀ रूड़ी Rūṛī [3] स्त्री०
रूढि (स्त्री०) प्रसिद्धि, ख्याति; प्रथा, चाल; शब्द की शक्ति जो यौगिक न होने पर भी अर्थ स्पष्ट करती है ।

ਰੇਖਾ रेखा Rekhā [3] स्त्री०
रेखा (स्त्री०) रेखा, लकीर, धारी ।

ਰੇਠਾ रेठा Reṭhā [2] पुं०
द्र०—ਰੀਠਾ ।

ਰੇਣ रेण् Reṇ [3] स्त्री०
रेणु (पुं०) रेणु, धूलि, रज, कण ।

ਰੇਣਕਾ रेण्का Reṇkā [3] स्त्री०
रेणुका (स्त्री०) धूलि, धूल, गर्दा ।

ਰੇਤ रेत् Ret [3] स्त्री०
रेत्र (नपुं०) रेत, बालू ।

ਰੇਤਾ रेता Retā [3] पुं०
रेत्र (नपुं०) रेत, बालू ।

ਰੇਤੀ रेती Retī [3] स्त्री०
रेत्री (स्त्री०) रेती, लोहे से निर्मित औजार विशेष ।

ਰੇੜ੍ਹਨਾ रेढ़ना Reṛhnā [3] सक० क्रि०
लोठति (भ्वादि सक०) लुढ़काना, खेलना, धक्के से जमीन पर चलाना ।

ਰੈਣ रैण् Raiṇ [3] स्त्री०
रजनी (स्त्री०) रैन, रात, रात्रि ।

ਰੈਣੀ[1] रैणी Raiṇī [3] स्त्री०
रजनी (स्त्री०) रजनी, रात, रात्रि ।

ਰੈਣੀ[2] रैणी Raiṇī [3] स्त्री०
रजन (नपुं०) रंग-विशेष; धन की बहुतायत ।

ਰੋਸ रोस् Ros [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध ।

ਰੋਸਾ रोसा Rosā [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध, कोप; रूठने का भाव ।

ਰੋਹ रोह् Roh [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध ।

ਰੋਹਣਾ रोह्णा Rohṇā [2] अक० क्रि०
रोषयति (चुरादि अक०) नष्ट होना, क्रोधित होना ।

ਰੋਹਾ रोहा Rohā [3] पुं०
रोषक (वि०) रोष वाला, क्रोध-युक्त ।

ਰੋਹੀ रोही Rohī [3] स्त्री०
अरुह (स्त्री०) वृक्षहीन भूमि, बंजर, ऊसर ।

ਰੋਕਣਾ रोक्णा Rokṇā [3] पुं०
रोधन (नपुं०) रोकने का भाव, प्रतिबन्ध ।

ਰੋਗ रोग् Rog [3] पुं०
रोग (पुं०) रोग, बीमारी; कष्ट, झंझट ।

ਰੋਗਣ रोगण् Rogaṇ [3] स्त्री०
रोगिणी (स्त्री०) रोगिणी, बीमार स्त्री ।

ਰੋਗੀ रोगी Rogī [3] पुं०
रोगिन् (वि०) रोगी, बीमार ।

ਰੋਝ रोझ् Rojh [3] स्त्री०
रोहि < रोह्य = रोहिय (पुं०) नील गाय, मृग-विशेष ।

ਰੋਝਾ रोझा Rojhā [3] वि०
द्र०—ਰੋਝ ।

ਰੋਟ रोट् Roṭ [3] पुं०
रोटिका (स्त्री०) रोटी, मोटी रोटी ।

ਰੋਟਾ रोटा Roṭā [1] पुं०
द्र०—ਰੋਟ ।

ਰੋਟੀ रोटी Roṭī [3] पुं०
रोटी (स्त्री०) रोटी ।

ਰੋਣ रोण् Roṇ [3] पुं०
रोदन (नपुं०) रोने का भाव, रुदन ।

ਰੋਣਾ रोणा Roṇā [3] अक० क्रि०
रोदिति (अदादि अक०) रोना ।

ਰੋਪਣੀ रोप्नी Ropnī [3] स्त्री०
रोपण (नपुं०) रोपने का भाव, पौधा लगाने की क्रिया ।

ਰੋਮ रोम् Rom [3] पुं०
रोमन्/लोमन् (नपुं०) रोयाँ, रोंगटा, रोम ।

ਰੋਵਣਾ रोव्णा Rovṇā [3] अक० क्रि०
रोदिति (अदादि अक०) रोना ।

ਰੋਵਨਾ रोव्ना Rovnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਰੋਵਣਾ ।

ਰੋੜ੍ਹਨਾ रोढ़्ना Roṛhnā [3] सक० क्रि०
लोठयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना, गति देना, लुढ़काना ।

ਰੌ रौ Rau [3] पुं०
रय (पुं०) मन: स्थिति; नदी का प्रवाह, धारा; वेग; उत्साह, धुन ।

ਰੌਹ रौह् Rauh [3] पुं०
द्र०—ਰੌਂਗੀ ।

ਰੌਂਗ रौंग् Raũg [1] स्त्री०
रस (पुं०) गन्ने का रस, रस ।

ਰੌਂਗਟਾ रौंग्टा Raũgṭā [3] पुं०
द्र०—ਰੋਮ ।

ਰੌਂਗੀ रौंगी Raũgī [3] स्त्री०
राजमुद्ग (पुं०) लोबिया, एक सब्जी का बीज जिसकी दाल वगैरह बनती है ।

ਰੌਲਾ रौला Raula [3] पुं०
रव (पुं०) चीख, शोरगुल; ध्वनि, शब्द।

ਰੰਗ रङ्ग् Rang [3] पुं०
रङ्ग (पुं०, नपुं०) रङ्ग, वर्ण; कलई अथवा राँगा धातु।

ਰੰਗਣ रंगण् Rangaṇ [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) प्रभाव, असर।

ਰੰਗਣਾ रंग्णा Rangṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (स्वादि प्रेर०) रँगना, रंग चढ़ाना।

ਰੰਗਾਉਣ रंगाउण् Rangāuṇ [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) रंगने का भाव, रंग चढ़ाने की क्रिया।

ਰੰਗਾਉਣਾ रंगाउणा Rangāuṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (स्वादि प्रेर०) रंगवाना, रँगना।

ਰੰਗਾਈ रँगाई Rāgāī [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) रँगाई, रंग चढ़ाने का भाव।

ਰੰਗੀਨ रंगीन् Rangīn [3] वि०
रञ्जित (वि०) रंगीला, सुन्दर, मनोरम।

ਰੰਗੀਲ रंगील् Rangīl [2] वि०
रञ्जित (वि०) रँग से रँगा हुआ, रञ्जित।

ਰੰਗੀਲਾ[1] रंगीला Rangīlā [3] पुं०
रञ्जित (वि०) रँगा हुआ, रंगदार।

ਰੰਗੀਲਾ[2] रंगीला Rangīlā [3] पुं०
रङ्गिन् (वि०/पुं०) वि०—रंगीला, सुन्दर। पुं०—विलासी, रसिया।

ਰੰਗੇਤੜਾ रंगेतड़ा Rangetṛā [1] वि०
रञ्जित (वि०) रंगा हुआ, रंजित।

ਰੰਚ रंच् Rañc [3] क्रि० वि०
किञ्चित् (क्रि० वि०) कुछ-कुछ, थोड़ा-सा।

ਰੰਚਕ रंचक् Rañcak [3] क्रि० वि०
द्र० —ਰੰਚ।

ਰੰਚਕ-ਮਾਤਰ रंचक्-मातर् Rañcak-Mātar [3] क्रि० वि०
किञ्चिन्मात्र (क्रि० वि०) थोड़ा-सा, कुछ-कुछ।

ਰੰਡ रण्ड् Raṇḍ [3] स्त्री०
रण्डा (स्त्री०) विधवा; फूहड़ स्त्री; स्त्री के लिए एक गाली; वेश्या।

ਰੰਡੜੀ रण्ड्री Raṇḍṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਰੰਡੀ।

ਰੰਡਾ रण्डा Raṇḍā [3] वि०
रण्ड (वि०) रँडुआ, वह पुरुष जिसका ब्याह न हुआ हो अथवा सन्तान हीन हो, विधुर।

ਰੰਡਾਪਾ रण्डापा Randapa [3] पुं०
रण्डत्व (नपुं०) विधवापन, रण्डी होने का भाव।

ਰੰਡੀ रण्डी Randi [3] स्त्री०
रण्डा (स्त्री०) विधवा अथवा फूहड़ स्त्री, राँड; वेश्या; स्त्री के लिए एक गाली।

ਰੰਡੇਪਣਾ रण्डेपणा Randepna [3] पुं०
द्र०—ਰੰਡਾਪਾ।

ਰੰਡੇਪਾ रण्डेपा Randepa [3] पुं०
द्र०—ਰੰਡਾਪਾ।

ਰੰਦਣਾ रन्दणा Randna [3] सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सं०) राँदना, तरासना, छीलना।

ਰੰਭਣਾ रम्भणा Rambhna [3] अक०, सक० क्रि०
रम्भते (भ्वादि अक०, सक० क्रि०) अक०—रँभाना, रम्हणा। सक०—आरम्भ करना।

ਲ

ਲਸਣ लसण् Lasan [3] पुं०
लशुन (नपुं०) लहसुन।

ਲੱਸ[1] लस्स् Lass [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रस्सा, रस्सी।

ਲੱਸ[2] लस्स् Lass [3] स्त्री०
लसन (नपुं०) चमक, आभा।

ਲਹਿਰ लहिर् Lahir [3] स्त्री०
लहरि/लहरी (स्त्री०) लहर, तरंग; उमंग।

ਲਹੁਕਾ लहुका Lahuka [2] पुं०
लघु (वि०) लघु, छोटा।

ਲਹੁਕੀ लहुकी Lahuki [3] स्त्री०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, कद्दू, घीया।

ਲਹੂ लहू Lahū [3] पुं०
लोहित (नपुं०) लहु, रक्त, खून।

ਲਕਸ਼ लकश् Lakaś [3] पुं०
लक्ष्य (नपुं०) उद्देश्य; निशान, चिह्न।

ਲਕੜੀ लकड़ी Lakṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਲਕੜੀ।

ਲੱਕੜ लक्कड़् Lakkaṛ [3] पुं०
लकुट > लक्कुट (पुं०) लकड़ी।

ਲੱਕੜੀ लक्कड़ी Lakkaṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਕੜ।

ਲਖਣਾਰਥ लखणारथ् Lakhṇarath [3] पुं०
लक्षणार्थ / लाक्षणिकार्थ (पुं०) लक्षणा शक्ति से प्राप्त अर्थ।

ਲਖਾਉਣਾ लखाउणा Lakhauna [3] सक० क्रि०
लक्षयति (चुरादि सक०) समझाना, शोध कराना।

ਲਖਾਇਕ लखाइक् Lakhaik [3] वि०
लक्षक (वि०) बोध कराने वाला, सूचक।

ਲਖੇਰਾ लखेरा Lakhera [3] पुं०
लाक्षाकार (पुं०) लाख अथवा गोंद बनाने वाला।

ਲੱਖ[1] लक्ख् Lakkh [3] पुं०
लक्ष (नपुं०) एक लाख; 100000 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਲੱਖ[2] लक्ख् Lakkh [3] पुं०
लक्ष्य (नपुं०) लक्ष्य, उद्देश्य।

ਲੱਖਣ लक्खण् Lakkhan [3] पुं०
लक्षण (नपुं०) लक्षण, चिह्न; प्रतीक।

ਲੱਖਣਾ लक्खणा Lakkhana [3] सक० क्रि०
लक्षयति (चुरादि सक०) लखना, देखना; पहचानना, निरूपण करना।

ਲੱਖਪਤੀ लक्खपती Lakkhapati [3] वि०
लक्षपति (वि०) लखपति, लाखों का स्वामी, धनवान् आदमी।

ਲੱਖਮੀ लक्खमी Lakkhmi [3] स्त्री०
लक्ष्मी (स्त्री०) धन, संपत्ति; शोभा, चमक; धन की देवी, जो पुराणानुमार विष्णु की पत्नी हैं।

ਲੱਖੀ लक्खी Lakkhi [3] वि०
लक्षिन् (वि०) लाखों वाला, लखपति।

ਲਗਨ लगन् Lagan [3] वि०/पुं०
लग्न (वि० / पुं०) वि०—लगा हुआ, संलग्न। पुं०—मेषादि राशियों का उदय, शुभ मुहूर्त।

ਲਜਾਉਣਾ लजाउणा Lajauna [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जित होना।

ਲਜਾਵਣਾ लजावणा Lajavana [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जित होना।

ਲਜਿਆਣਾ[1] लज्याणा Lajyana [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जा करना।

ਲਜਿਆਣਾ[2] लज्याणा Lajyana [3] प्रेर० क्रि०
लज्जयति (तुदादि प्रेर०) लज्जित करना।

ਲੱਜ[1] लज्ज् Lajj [3] स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी, डोरी।

ਲੱਜ[2] लज्ज् Lajj [3] स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म।

ਲੱਜਣ लज्जण् Lajjan [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਜ[2]।

ਲੱਜਿਆ लज्या Lajjyā [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਜਾ।

ਲੱਜਿਆਮਾਨ लज्ज्यामान् Lajjyāmān
[3] पुं०
लज्जावत् (त्रि०) लज्जा से युक्त, लजीला, शर्मीला।

ਲੱਜਿਤ लज्जित् Lajjit [3] वि०
लज्जित (वि०) लज्जायुक्त, शर्मिन्दा।

ਲਝਾਉਣਾ लझाउणा Lajhāuṇā [2] पुं०
लब्ध (नपुं०) प्राप्त करने का भाव, प्राप्ति।

ਲੱਝਣਾ लज्झणा Lajjhṇā [2] पुं०
लब्ध (नपुं०) प्राप्त करने का भाव, अधिकार में करने का भाव।

ਲੱਠ लट्ठ् Laṭṭh [3] पुं०
यष्टि/लगुड (स्त्री/पुं०) लाठी, छड़ी, दण्ड।

ਲਡਾਉਣਾ लडाउणा Laḍāuṇā [3] सक० क्रि०
लाडयति (चुरादि सक०) प्यार देना, लाड़ करना।

ਲਡਿਆਉਣਾ लड्याउणा Laḍyāuṇā
[3] सक० क्रि०
द्र०—ਲਡਾਉਣਾ।

ਲੱਧਣਾ लद्धणा Laddhṇā [2] क्रि०
लब्ध (नपुं०) लब्ध होना, प्राप्त होना।

ਲਧਾ लद्धा Laddhā [2] वि०
लब्ध (वि०) लब्ध, प्राप्त।

ਲਪਸੀ लप्सी Lapsī [3] स्त्री०
लप्सिका (स्त्री०) लप्सी, लापसी, निम्न कोटि का हलुआ।

ਲਪਾਈ लपाई Lapāī [3] स्त्री०
लेपन (नपुं०) लिपाई, लीपने का काम।

ਲਬਧ लबध् Labadh [3] स्त्री०
लब्धि (स्त्री०) लाभ, प्राप्ति।

ਲੱਭਣਾ लब्भ्णा Labbhṇā [3] सक० क्रि०
लभते (भ्वादि सक०) प्राप्त होना, मिलना।

ਲੱਭਤ लब्भत् Labbhat [3] स्त्री०
लब्धता (स्त्री०) लब्धि, लाभ, प्राप्ति।

ਲਮਕਣਾ लम्कणा Lamkaṇā [3] अक० क्रि०
लम्बते (भ्वादि अक०) लटकना, किसी के साथ लगना या नत्थी होना।

ਲਮਿਆਈ लम्याई Lamyāī [3] स्त्री०
द्र०—ਲਮਿਆਣ।

ਲਮਿਆਣ लम्याण् Lamyāṇ [3] स्त्री०
लम्बता (स्त्री०) लम्बाई।

ਲਮੂਤਰਾ लमूत्रा Lamūtrā [3] पुं०
लम्बतर (वि०) लम्बा, बड़ा, दीर्घ।

ਲਲਾਰਨ ललारन् Lalāran [3] स्त्री०
नीलकारी (स्त्री०) रँगरेज की पत्नी।

ਲਲਾਰੀ ललारी Lalari [3] पुं०
नीलकार (वि०) रंगरेज, कपड़े रंगने वाला ।

ਲਲਿਤ ललित् Lalit [3] वि०
ललित (वि०) मनोहर, सुन्दर ।

ਲਲਿਤਾ ललिता Lalita [3] स्त्री०
ललिता (स्त्री०, वि०) राधा जी की एक सखी; कस्तूरी; दुर्गा; सुन्दर, मनोहर ।

ਲਵਣ लवण् Lavaṇ [3] पुं०
लवण (पुं०) नमक, लोन ।

ਲਵਾ[1] लवा Lava [3] पुं०
लव (नपुं०) टुकड़ा, खण्ड; बहुत थोड़ी मात्रा; नर्म ।

ਲਵਾ[2] लवा Lava [3] पुं०
लव (पुं०) बटेर, पक्षी-विशेष ।

ਲੜਕਾ लड़्का Laṛka [3] पुं०
लटक (पुं०) लड़का ।

ਲੜਕੀ लड़की Laṛki [3] स्त्री०
लटका (स्त्री०) लड़की ;

ਲੜੀ लड़ी Laṛi [3] स्त्री०
लटी (स्त्री०) लड़ी, मनकों की माला ।

ਲਾਉਣਾ लाउणा Lauṇa [3] सक० क्रि०
लिम्पति (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना; चिपकाना ।

ਲਾਸ[1] लास् Las [3] स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी; चोट का चिह्न ।

ਲਾਸ[2] लास् Las [3] पुं०
लास्य (नपुं०) लास्य नृत्य, शृंगारिक नृत्य ।

ਲਾਹਾ लाहा Laha [3] पुं०
लाभ (पुं०) आय, प्राप्ति, फायदा ।

ਲਾਖ[1] लाख् Lakh [3] वि०
लक्ष्य (वि०) लक्ष्य, जो देखा या पहचाना जा सके ।

ਲਾਖ[2] लाख् Lakh [3] स्त्री०
लाक्षा (स्त्री०) लाख या लाह ।

ਲਾਗ लाग् Lag [3] स्त्री०
लग्नता (स्त्री०) लगे, चिपके या जुड़े होने का भाव, सामीप्य ।

ਲਾਂਘ लाँघ् Lāgh [3] स्त्री०
लङ्घन (नपुं०) लाँघना, फाँदना ।

ਲਾਂਘਾ लाँघा Lāgha [3] पुं०
द्र०—ਲਾਂਘ ।

ਲਾਚੀ लाची Laci [3] स्त्री०
एला (स्त्री०) इलायची ।

ਲਾਜ लाज् Laj [3] स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म ।

ਲਾਜਵੰਤੀ लाज्वन्ती Lajvanti [3] स्त्री०
लज्जावती (स्त्री०) लजीली, शर्मीली ।

ਲਾਜਾ लाजा Laja [1] **स्त्री०**
लाज (पुं०) धान का लावा, खील, भुना हुआ अन्न।

ਲਾਠੀ लाठी Lathi [3] **स्त्री०**
द्र०—लੱਠ।

ਲਾਡ लाड् Lad [3] **पुं०**
लाड (पुं०) लाड़-प्यार।

ਲਾਡਲਾ लाड्ला Ladla [3] **पुं०**
लाडित (वि०) लाडला।

ਲਾਪਸੀ लाप्सी Lapsi [3] **स्त्री०**
द्र—ਲਪਸੀ।

ਲਾਪਣਾ लाप्णा Lapna [3] **सक० क्रि०**
लुनाति (क्र्यादि सक०) काटना, कतरना; तरासना।

ਲਾਭ लाभ् Labh [3] **पुं०**
लाभ (पुं०) लाभ, मुनाफा; प्राप्ति।

ਲਾਰ लार् Lar [3] **स्त्री०**
लाला (स्त्री०) लार्, थूक।

ਲਾਲਾਂ लालाँ Lalã [2] **पुं०**
द्र—ਲਾਰ।

ਲਾਵਾ लावा Lava [3] **पुं०**
लावक (पुं०) खेत की फसल इत्यादि को काटने वाला व्यक्ति।

ਲਾਵੀ[1] लावी Lavi [3] **स्त्री०**
लाविका स्त्री०) कटाई करन वाली स्त्री

ਲਾਵੀ[2] लावी Lavi [3] **स्त्री०**
लाव (पुं०) कटाई की मजदूरी।

ਲਿਉੜ ल्योड़् Lyor [3] **पुं०**
लेपन (नपुं०) लेपन; लीपने का भाव।

ਲਿਆਉਣਾ ल्याउणा Lyauna [3] **सक० क्रि०**
आनयति (भ्वादि सक०) लाना, ले आना।

ਲਿਆਣਾ लिआणा Liana [2] **सक० क्रि०**
द्र०—ਲਿਆਉਣਾ।

ਲਿਆਵਣਾ लिआवणा Liavana [2] **सक० क्रि०**
द्र०—ਲਿਆਉਣਾ।

ਲਿਸ਼ਕਣ लिश्कण् Liskan [3] **स्त्री०**
लसन (नपुं०) चमक, ज्योति, प्रकाश।

ਲਿਸ਼ਕਣਾ लिश्कणा Liśkna [3] **अक० क्रि०**
लसति (भ्वादि अक०) चमकना, प्रकाशित होना।

ਲਿਸ਼ਕਾਉਣਾ लिश्काउणा Liśkauna [3] **प्रेर० क्रि०**
लासयति (भ्वादि प्रेर०) चमकाना, प्रकाशित करना।

ਲਿਸ਼ਕਾਰ लिश्कार् Liśkar [3] **पुं०**
हस्कार (पुं०) बिजली की चमक।

ਲਿਹਣਾ लिह्णा Lihna [3] **सक० क्रि०**
लेढि (अदादि सक०) चाटना, बछड़े के द्वारा गाय का दूध पीना।

ਲਿਖਣ लिखण् Likhaṇ [3] सक० क्रि०
लिखति (तुदादि सक०) लिखना ।

ਲਿਖਣਹਾਰਾ लिखण्हारा Likhaṇhara [3] पुं०
लेखनकार (वि०) लिखने वाला ।

ਲਿਖਣਾ लिख्णा Likhṇa [3] अक० क्रि०
लिखति (चुरादि अक०) लिखना ।

ਲਿਖਤ लिखत् Likhat [3] वि०
लिखित (वि०) लिखित, लिखा हुआ ।

ਲਿਖਤੀ लिख्ती Likhti [3] वि०
द्र०—ਲਿਖਤ ।

ਲਿਖਵਈਆ लिख्वइया Likhvaiya [3] पुं०
लेखक (वि०) लिखने वाला, रचयिता, रचनाकार ।

ਲਿਖਵਾਉਣਾ लिख्वाउणा Likhvauṇa [3] सक० क्रि०
लेखयति (तुदादि प्रेर०) लिखवाना, लिखने का काम कराना ।

ਲਿਖਾਈ लिखाई Likhai [3] स्त्री०
लेखन (नपुं०) लिखाई, लिखने का भाव ।

ਲਿਖਿਆ लिख्या Likhya [3] वि०
द्र०—ਲਿਖਤ ।

ਲਿੰਗ लिंग् Ling [3] पुं०
लिङ्ग (नपुं०) लिंग, जननेन्द्रिय; चिह्न ।

ਲਿਡੱਕਾ लिडक्का Liḍakka [3] पुं०
लाडित (वि०) लाडला, प्यारा ।

ਲਿਡੱਕੀ लिडक्की Liḍakki [3] स्त्री०
लाडिता (स्त्री०) लाडली, प्यारी ।

ਲਿੱਦ लिद्द् Lidd [3] स्त्री०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े-गधे आदि की विष्ठा ।

ਲਿਪਕ लिपक् Lipak [3] पुं०
लिपिक (पुं०) लिपिक, लिखने वाला, क्लर्क ।

ਲਿਪਤ लिपत् Lipat [3] वि०
लिप्त (वि०) लिप्त, लीन हुआ ।

ਲਿਪਵਾਉਣਾ लिप्वाउणा Lipvauṇa [3] सक० क्रि०
लेपयति (तुदादि प्रेर०) लीपने का काम कराना, लिपाना ।

ਲਿਪਵਾਈ लिप्वाई Lipvai [3] स्त्री०
लेपन (नपुं०) लिपाई, लीपने का काम ।

ਲਿਪੀਅੰਤਰ लिप्यन्तर् Lipyantar [3] पुं०
लिप्यन्तर (नपुं०) एक लिपि से दूसरी लिपि में लिखने का भाव ।

ਲਿਪੀਅੰਤਰਣ लिप्यन्तरण् Lipyantaraṇ [3] पुं०
लिप्यन्तरण (नपुं०) लिपि का परिवर्तन ।

ਲਿਪਣਾ लिप्पणा Lippna [3] सक० क्रि०
लिम्पति / ते (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना।

ਲਿੱਫ लिप्फ् Lipph [3] स्त्री०
प्लीहन् (पुं०) तिल्ली का बढ़ाव।

ਲਿੰਬਣਾ लिम्ब्णा Limbṇā [3] सक० क्रि०
लिम्पति/ते (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना।

ਲਿਲਾਟ लिलाट् Lilāṭ [3] पुं०
ललाट (नपुं०) ललाट, मस्तक।

ਲਿਲਾਰੀ लिलारी Lilāri [2] स्त्री०
द्र०—ललारी।

ਲਿਵ लिव् Liv [3] स्त्री०
द्र०—लिउ।

ਲਿਵਲੀਨ लिव्लीन् Livlin [3] वि०
द्र०—लिउ।

ਲਿਵਲੀਨਤਾ लिव्लीन्ता Livlinta
लीनता (स्त्री०) तल्लीनता, ध्यान-मग्नता।

ਲੀਹ लीह् Lih [3] स्त्री०
लेखा/रेखा (स्त्री०) लीख, पंक्ति, लकीर।

ਲੀਹਣਾ लीह्णा Lihṇa [3] पुं०
लेहन (नपुं०) चाटना; चुसक-चुसक कर पीना।

ਲੀਹਾ लीहा Liha [3] पुं०
लेखा/रेखा (स्त्री०) मार्ग, रेखा, लीक।

ਲੀਕਣ लीकण् Likaṇ [3] अक० क्रि०
लिखति (तुदादि अक०) रेखा खींचना।

ਲੀਕਣਾ लीक्णा Likṇa [3] अक० क्रि०
लिखति (चुरादि अक०) रेखा खींचना।

ਲੀਖ लीख् Likh [3] स्त्री०
लिक्षा (वि०) लीख, जूँ, ढील।

ਲੀਂਡ लींड् Liḍ [3] पुं०
लेण्ड (नपुं०) बँधा हुआ मल, कड़ी विष्ठा।

ਲੀਨ लीन् Lin [3] वि०
लीन (वि०) लीन, मग्न, व्यापृत।

ਲੀਪਤ लीपत् Lipat [3] वि०
लिप्त (वि०) आसक्त; डूबा हुआ; सना हुआ।

ਲੀਲਾ लीला Lila [3] स्त्री०
लीला (स्त्री०) क्रीडा, केलि।

ਲੁਹਾਂਡਾ लुहाँडा Luhāḍa [1] पुं०
लोहभाण्ड (नपुं०) लौहपात्र।

ਲੁਹਾਰ लुहार् Luhār [3] पुं०
लोहकार / लौहकार (पुं०) लोहार, लुहार, लोहे का व्यवसाय करने वाला।

ਲੁਹਾਰੀ लुहारी Luhāri [3]] स्त्री०
लौहकारी (स्त्री०) लोहार की पत्नी।

ਲੁਕਣਾ लुकणा Lukṇa [3] अक० क्रि०
लुप्यति (दिवादि अक०) लुप्त होना, लुकना, छिप जाना।

ਲਕਾਉਣਾ लुकाउणा Lukāuna [3] सक० क्रि०
लोपयति (दिवादि प्रेर०) छिपाना, लुप्त करना।

ਲੁਕਾਈ लुकाई Lukāi [3] स्त्री०
लोक (पुं०) लोक, संसार।

ਲੁਕਾਣਾ लुकाणा Lukāṇa [2] सक० क्रि०
द्र०—ਲੁਕਾਉਣਾ।

ਲੁਕਿਆ लुक्या Lukya [3] वि०
लुप्त (वि०) लोप-युक्त, अदृश्य, छिपा हुआ; नष्ट।

ਲੁਕੋਣਾ लुकोणा Lukoṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਲੁਕਾਉਣਾ।

ਲੁਟਾਈ लुटाई Luṭāi [3] पुं०
लुण्टन (नपुं०) लूटने की क्रिया।

ਲੁਟੇਰਾ लुटेरा Lutera [3] पुं०
लुण्ठाक/लुण्टाक (वि०) लुटेरा, डाकू।

ਲੁੱਟ लुट्ट Luṭṭ [3] स्त्री०
लुण्टन (नपुं०) लूटने का भाव, चोरी-डकैती।

ਲੁੱਟਣਾ लुट्ट्णा Luṭṭṇā [3] सक० क्रि०
लुण्टति (भ्वादि सक०) लूटना, बदमाशी करना।

ਲੁੰਡੀ लुण्डी Lundi [3] स्त्री०
लुण्डिका (स्त्री०) सूत, सन आदि का लपेटा हुआ गुच्छा।

ਲੁਣ लुण् Luṇ [3] वि०
लून (वि०) काटा हुआ; नष्ट किया हुआ।

ਲੁਣਨਾ लुण्ना Luṇna [3] क्रि०
लुनाति (क्र्यादि प्रेर०) फसल काटना।

ਲੁਣਾਈ लुणाई Luṇāi [3] स्त्री०
लवन (नपुं०) फसल की कटाई।

ਲੁਪਤ लुपत् Lupat [3] वि०
लुप्त (वि०) छिपा हुआ, ढका हुआ; नष्ट।

ਲੁਪਰੀ लुप्री Lupri [3] स्त्री०
लोप्त्री (स्त्री०) फोड़े आदि पर बाँधने की टिक्की या लेप।

ਲੁਬਧ लुबध् Lubadh [3] वि०
लुब्ध (वि०) लोभी; शिकारी, बहेलिया।

ਲੂੰ लूँ Lū̃ [3] स्त्री०
लोमन् (नपुं०) लोम, रोयें।

ਲੂਈਂ लूईं Lūĩ [2] स्त्री०
द्र०—ਲੂੰ।

ਲੂਸਣਾ लूस्णा Lūsṇā [3] सक० क्रि०
लूषयति (चुरादि सक०) जलाना, जला देना।

ਲੂਹਣਾ लूह्णा Lūhṇā [3] सक० क्रि०
लूषयति (चुरादि सक०) जलाना, जला देना।

ਲੂਠਾ लूठा Lutha [1] वि०
प्लुष्ट (वि०) जला हुआ, दग्ध ।

ਲੂਣ लूण् Lūṇ [3] पुं०
लवण (पुं०, नपुं०) नमक, लोन ।

ਲੂਣਕਾ लूण्का Lūṇka [3] वि०
लावणिक (वि०) नमकीन, नमक-युक्त ।

ਲੂਣਨਾ लूण्ना Lūṇna [3] सक० क्रि०
लुनाति (क्र्यादि सक०) काटना, कतरना ।

ਲੂਣਾ लूणा Lūṇa [3] वि०
द्र०—ਲੂਣਕਾ ।

ਲੂਣੀ लूणी Lūṇi [3] वि०
लवणित (वि०) नमकीन, नमक-युक्त ।

ਲੂਤ लूत् Lūt [3] स्त्री०
लूता (स्त्री०) लुता रोग, चर्मरोग-विशेष, वह रोग जो मकड़ी के संसर्ग से हो जाता है ।

ਲੂੰਬੜੀ लूंबड़ी Lūbṛī [3] स्त्री०
लोमटिका (पुं०) लोमड़ी ।

ਲੇ ले Le [3] पुं०
लेप (पुं०) पोतने या चुपड़ने की चीज, लेप, उबटन आदि; लेपने, या पोतने की क्रिया ।

ਲੇਉ लेउ Leu [3] पुं०
द्र०—ਲੇ ।

ਲੇਸ[1] लेस् Les [3] स्त्री०
श्लेष्मन् (पुं०) श्लेष्मा; लेस, चिपचिपाहट ।

ਲੇਸ[2] लेस् Les [3] स्त्री०
लेश (पुं०) लेश, थोड़ा ।

ਲੇਸਣਾ लेस्णा Lesṇa [1] प्रेर० क्रि०
श्लेषयति (चुरादि प्रेर०) मिलाना, जोड़ना ।

ਲੇਹਜ लेहज् Lehaj [1] वि०
लेह्य (वि०) चाटने योग्य, वह वस्तु जो चाटकर खाई जाये ।

ਲੇਖ लेख् Lekh [3] पुं०
लेख (पुं०) भाग्य; लेख, निबन्ध आदि ।

ਲੇਖਣ[1] लेखण् Lekhaṇ [3] पुं०
लेखन (नपुं०) लिखने का भाव; रचना ।

ਲੇਖਣ[2] लेखण् Lekhaṇ [2] पुं०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम ।

ਲੇਖਣੀ लेख्णी Lekhṇī [3] स्त्री०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम, पेन ।

ਲੇਖਾ लेखा Lekha [3] स्त्री०
लेखा (स्त्री०) लेखा-जोखा, हिसाब-किताब ।

ਲੇਖਾਧਾਰੀ लेखाधारी Lekhadhari [1] पुं०
लेखाधारिन् (वि०) लेखा रखने वाला, हिसाब रखने वाला ।

ਲੇਖੂ लेखू Lekhū [1] पुं०
लेखक (वि०) लिखने वाला; क्लर्क; लेखक, ग्रन्थकार।

ਲੇਟਣਾ लेट्णा Letṇā [3] अक० क्रि०
लेटयति (भ्वादि अक०) लेटना, सोना।

ਲੇਡਣਾ लेड्णा Leḍṇā [1] पुं०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲੇਡਾ लेडा Leḍā [3] पुं०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲੇਪ लेप् Lep [3] पुं०
लेप्य (वि०) लेपने या पोतने की चीज, उबटन, लेप।

ਲੇਪੜ लेपड़् Lepaṛ [3] पुं०
लेपन (नपुं०) पलस्तर, पपड़ी, उबटन आदि।

ਲੇਪਾ लेपा Lepā [2] पुं०
लेप (पुं०) लेपन या पोतने की क्रिया, लिपाई।

ਲੇਪੀ लेपी Lepī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੇਪਾ।

ਲੇਂਬੀ लेंबी Lẽbī [3] स्त्री०
लिम्पा (स्त्री०) लीपने वाली; लीपने या पोतने का काम करने वाली स्त्री।

ਲੇਵੀ लेवी Levī [3] स्त्री०
लेपकी (स्त्री०) लेई, चिपकाने हेतु निर्मित आटे का घोल आदि।

ਲੈ लै Lai [3] पुं०
लय (पुं०) संगीत की लय—द्रुत, मध्य एवं विलम्बित, संगीत की ताल या तान।

ਲੈਣਾ लैणा Laiṇā [3] पुं०
लभन (नपुं०) लेना, प्राप्त करना।

ਲੋ लो Lo [3] स्त्री०
आलोक (पुं०) प्रकाश, आलोक।

ਲੋਅ लोअ Loa [3] पुं०
लोक (पुं०) लोग, जनता, संसार, लोक।

ਲੋਇਣ लोइण् Loiṇ [1] पुं०, स्त्री०
लोचन (नपुं०) लोचन, आँख।

ਲੋਇਣੀ लोइनी Loinī [2] स्त्री०
(मृग) लोचनी (स्त्री०) नैनों वाली, आंखों वाली।

ਲੋਈ लोई Loī [3] स्त्री०
लोमवती (स्त्री०) लोई, ओढ़ने या बिछाने की रोयेंदार चादर।

ਲੋਸਟ लोसट् Losaṭ [1] पुं०
लोष्ट (नपुं०) लोहे की मैल, मण्डूर भस्म; मिट्टी का ढेला।

ਲੋਹ[1] लोह् Loh [3] स्त्री०
लोही (स्त्री०) बड़ा तवा।

ਲੋਹ[2] लोह् Loh [3] पुं०
लौह/लोह (पुं०) लोहा।

ਲੋਹ-ਸਾਰ लोह्-सार् Loh-Sar [3] पुं०
लोहसार (पुं०) बढ़िया लोहा, इस्पात ।

ਲੋਹ-ਕਣ लोह्-कण् Loh-Kan [3] पुं०
लोहकण (पुं०) लोहे के कण ।

ਲੋਹ-ਚੂਰ लोह्‌चूर्, Loh-Cūr [3] पुं०
लोहचूर्ण (नपुं०) लोहे का चूर्ण ।

ਲੋਹਟੀਆ लोह्‌टिआ Lohṭia [3] पुं०
लोहहट्टिका (स्त्री०) लोहटिया, लोहे का बाजार ।

ਲੋਹ-ਤ੍ਰਾਣ लोह्-त्राण् Loh-Trāṇ [3] पुं०
लोहत्राण (नपुं०) लोहे का कवच ।

ਲੋਹ-ਭੇਦ लोह्-भेद् Loh-Bhed [3] वि०
लोह-भेद (वि०) लोहे को भेदने वाला ।

ਲੋਹਾ लोहा Loha [3] पुं०
लोह (पुं०) लोहा ।

ਲੋਹਾਰ लोहार् Lohār [3] पुं०
लोहकार (पुं०) लोहार ।

ਲੋਹਾਰੀ लोहारी Lohārī [3] स्त्री०
लोहकारीय (वि०) लोहार का काम, लोहारी ।

ਲੋਹੀ लोही Lohī [2] वि०
लोहित (वि०) लाल रंग का, लोहू के रंग का ।

ਲੋਹੂ लोहू Lohū [2] पुं०
द्र०—लहू ।

ਲੋਹੰਡਾ लोहण्डा Lohaṇḍa [3] पुं०
लोहभाण्ड (नपुं०) लोहे के बर्तन ।

ਲੋਕ लोक् Lok [3] पुं०
लोक (पुं०) लोग, संसार । सामान्यतः लोक तीन हैं—स्वर्ग, पृथिवी और पाताल । किन्तु विशेष रूप से वर्णन करने वालों ने लोकों की संख्या 14 मानी है । सात ऊर्ध्व लोक और सात अधः लोक ।

ਲੋਕ-ਅਲੋਕ लोक्-अलोक् Lok-Alok [3] पुं०
लोकालोक (पुं०) इहलोक और परलोक ।

ਲੋਕ-ਪੱਖੀ लोक्-पक्खी Lok-Pakkhī [3] वि०
लोकपक्षीय (वि०) लोगों से संबन्धित ।

ਲੋਕ-ਪ੍ਰਸਿੱਧੀ लोक्-प्रसिद्धी Lok-Prasiddhī [3] स्त्री०
लोकप्रसिद्धि (स्त्री०) लोक में ख्याति, विश्वविख्यात ।

ਲੋਕ-ਭਾਵ लोक्-भाव् Lok-Bhāv [3] पुं०
लोकभाव (पुं०) लोगों के भाव अथवा व्यवहार ।

ਲੋਕ-ਭਾਵਨਾ लोक्-भावना Lok-Bhāvna [3] स्त्री०
लोकभावना (स्त्री०) लोक-भावना, लोकोपकार की भावना ।

ਲਕ-ਮਾਰੂ लोक मारू Lok Maru [3] वि०
लोकमारक (वि०) लोगों की हानि करने वाला।

ਲੋਕ-ਰਾਜਕ लोक्-राजक् Lok-Rajak [3] वि०
लोकराजकीय (वि०) लोकराज्य, गण-तन्त्र से संबन्धित।

ਲੋਕ-ਲੱਜਿਆ लोक्-लज्ज्या Lok-Lajjya [3] स्त्री०
लोकलज्जा (स्त्री०) लोक-लज्जा, लोक-लाज।

ਲੋਕਾਚਾਰ लोकाचार Lokācar [3] पुं०
लोकाचार (पुं०) लोकाचार, लोक-रीति या रिवाज।

ਲੋਚਣਾ लोच्णा Locṇā [3] सक० क्रि०
लुञ्चति (भ्वादि सक०) नोंचना, उखाड़ना; बालों को उखाड़ने का भाव।

ਲੋਟਣਾ लोट्णा Loṭṇā [1] अक० क्रि०
लोटति/लोठति (भ्वादि अक०) लोटना।

ਲੋਟੂ लोटू Loṭū [3] वि०
लुण्टक (वि०) लुटेरा, लूटने वाला।

ਲੋਦਰ लोदर् Lodar [1] पुं०
लोध्र (पुं०) लोध का पेड़। इसमें लाल एवं सफेद फूल लगते हैं।

ਲੋਂਦਾ लोंदा Lõdā [1] पुं०
लोष्ठ (नपुं०) मिट्टी का ढेला; गीली मिट्टी का लोंदा।

ਲੋਧ लोध् Lodh [1] पुं०
द्र०—लोदर।

ਲੋਪ लोप् Lop [3] पुं०
लोप (पुं०) लोप, अदर्शन, अभाव।

ਲੋਪੀਕਰਣ लोपीकरण् Lopīkaraṇ [3] पुं०
लोपीकरण (नपुं०) लुप्त होने का भाव, लोपीकरण।

ਲੋਭ लोभ् Lobh [3] पुं०
लोभ (पुं०) लोभ, लालच।

ਲੋਭਕ लोभक् Lobhak [2] वि०
लोभक (वि०) लोभ करने वाला, लोभी, लालची।

ਲੋਭਣ लोभण् Lobhaṇ [3] स्त्री०
लोभिनी (स्त्री०) लोभी या लालची स्त्री।

ਲੋਭੀ लोभी Lobhī [3] पुं०
लोभिन् (वि०) लोभी, लालची।

ਲੋੜਨਾ लोड़्ना Loṛnā [3] सक० क्रि०
आलोडति (भ्वादि) ढूँढना, तलाश करना।

ਲੋੜ੍ਹਾ लोड़्हा Loṛhā [3] पुं०
लोठ (पुं०) अत्याचार, जुल्म।

ਲੌ लौ Lau [3] पुं०
लव (पुं०) कटाई; कटी हुई फसल।

ਲੌਹ लौह् Lauh [3] पुं०
द्र०—ਲੋਹ ।

ਲੌਂਹਡਾ लौंह्डा Laũhḍa [2] पुं०
द्र०—ਲੁਹਾਂਡਾ ।

ਲੌਕਾ लौका Lauka [1] पुं०
अलाबू (स्त्री०) लौका, बड़ी लौकी ।

ਲੌਕੀ लौकी Laukī [3] स्त्री०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, छोटी लौकी ।

ਲੌਂਗ लौंग् Laũg [3] पुं०
लवङ्ग (पुं०/नपुं०) पुं०—लौंग का वृक्ष ।
नपुं०—लौंग का फल ।

ਲੌਢਾ लौढ़ा Lauṛha [3] स्त्री०
लोहितवेला (स्त्री०) सायम्, शाम ।

ਲੌਣ लौण् Lauṇ [3] पुं०
लून (वि०) कटी फसल ।

ਲੰਗੂਰ लंगूर् Langūr [3] पुं०
लाङ्गूलिन् (वि०/पुं०) वि०—पूँछवाला ।
पुं०—लंगूर, बन्दर ।

ਲੰਗੂਰਨੀ लङ्गूर्नी Langūrnī [3] स्त्री०
लाङ्गूलिनी (स्त्री०) लंगूर की मादा बन्दरी ।

ਲੰਗੂਰੀ लंगूरी Langūrī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੰਗੂਰਨੀ ।

ਲੰਗੋਟ लंगोट् Lãgoṭ [3] स्त्री०
लङ्गपट्ट (नपुं०) लँगोट ।

ਲੰਗੋਟਾ लँगोटा Langoṭā [2] पुं०
द्र०—ਲੰਗੋਟ ।

ਲੰਗੋਟੀ लँगोटी Langoṭī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੰਗੋਟ ।

ਲੰਘਣਾ लंघ्णा Langhṇa [3] क्रि०
लङ्घन (नपुं०) लाँघना, पार करना, फाँदना ।

ਲੰਘਾਉਣਾ लंघाउणा Langhāuṇa
[3] प्रेर० क्रि०
लङ्घयते (भ्वादि प्रेर०) लँघाना, पार कराना, गुजारना ।

ਲੰਘਾਣੀ लंघाणी Langhāṇī [1] स्त्री०
लङ्घणी (स्त्री०) खेतों की बाड़ में लगी लकड़ी विशेष, जिसे केवल मनुष्य ही पार कर सकते हैं, पशु नहीं ।

ਲੰਘਾਵਣਾ लंघाव्णा Langhāvṇa
[1] प्रेर० क्रि०
द्र०—ਲੰਘਾਉਣਾ ।

ਲੰਝਾ लंझा Lañjha [3] पुं०
लञ्जिन् (पुं० / वि०) वि०—लम्बी पूँछ वाला । पुं०—मोर ।

ਲੰਬ लम्ब् Lamb [3] पुं०
लम्ब (नपुं०) समकोण, दीर्घ, लम्बा ।

ਲੰਬਾ लम्बा Lamba [3] वि०
लम्ब (पुं०, वि०) लम्बा, लम्बा होने का भाव; समकोण ।

ਲਬਾਉਣਾ[1] लम्बाउणा Lambauna
[1] सक० क्रि०
लम्बयति (भ्वादि प्रेर०) लम्बा करना; लटकाना।

ਲੰਬਾਉਣਾ[2] लम्बाउणा Lambauna
[1] अक० क्रि०
विलम्बते (भ्वादि अक०) विलम्ब करना, देर करना।

ਲੰਬਿਆਉਣਾ लम्ब्याउणा Lambyauna
[1] अक० क्रि०
द्र०—ਲੰਬਾਉਣਾ।

ਲੰਬੂ लम्बू Lambū [3] वि०
लम्ब (वि०) लम्बा, दीर्घ।

ਲੰਬੋਦਰ लम्बोदर् Lambodar [3] पुं०
लम्बोदर (वि०/पुं०) वि०—लम्बोदर, बड़ी तोंद वाला। पुं०—भगवान् गणेश।

ਲੰਮਾ लम्मा Lamma [3] पुं०
द्र०—ਲੰਬਾ।

ਲੰਮਿਆਉਣਾ लम्म्याउणा Lamyauna
[3] सक० क्रि०
द्र०—ਲੰਬਾਉਣਾ।

ਲੰਮੂਤਰਾ लम्मूत्रा Lammūtrā [3] वि०
द्र०—ਲਮੂਤਰਾ।

ਵ

ਵਈ वई Vaī [1] पुं०
भातृ (पुं०) सम्बोधन वाचक (भ्राता के अर्थ में)

ਵਈਆ वइआ Vaia [3] पुं०
वचन (नपुं०) वचन, वायदा।

ਵਸ वस् Vas [3] पुं०
वश (पुं०, नपुं०) वश, शक्ति, सामर्थ्य; अधिकार।

ਵਸਣ वसण् Vasaṇ [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) बसना, रहना, निवास करना।

ਵਸਨਾ वस्ना Vasnā [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) निवास करना, रहना।

ਵਸਤ वसत् Vasat [3] स्त्री०
वस्तु (नपुं०) वस्तु, चीज; धन-दौलत।

ਵਸਤਰ वस्तर् Vastar [3] पुं०
वस्त्र (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा, पोशाक।

ਵਸਤੀ वसती Vastī [3] **स्त्री॰**
वसति (स्त्री॰) वस्ती, आबादी; निवास, घर।

ਵਸਤੀ-ਵਾਸੀ वसती-वासी Vastī-Vāsī [3] **पुं॰**
वसतिवासिन् (वि॰) बस्ती या घर में रहने वाला।

ਵਸਤੂ वस्तू Vastū [3] **स्त्री॰**
द्र॰—ਵਸਤ।

ਵਸਾਉਣਾ[1] वसाउणा Vasāuṇā [3] **सक॰ क्रि॰**
वासयति (भ्वादि प्रेर॰) बसाना, आबाद करना।

ਵਸਾਉਣਾ[2] वसाउणा Vasāuṇā [3] **सक॰ क्रि॰**
वर्षयति (भ्वादि प्रेर॰) वर्षा कराना।

ਵਸਾਊ वसाऊ Vasāū [3] **पुं॰**
वासक (वि॰) बसाने वाला।

ਵਸਾਹ वसाह् Vasāh [3] **पुं॰**
विश्वास (पुं॰) विश्वास, भरोसा, यकीन; निश्चय।

ਵਸਾਣਾ वसाणा Vasāṇā [3] **सक॰ क्रि॰**
द्र॰—ਵਸਾਉਣਾ[1]।

ਵਸ਼ੀਕਰਣ वशीकरण् Vaśīkaraṇ [3] **पुं॰**
वशीकरण (नपुं॰) वश में करने का भाव।

ਵਸੇਖ वसेख् Vasekh [3] **वि॰**
द्र॰—ਵਿਸ਼ੇਸ਼।

ਵਸੇਰਾ वसेरा Vaserā [3] **वि॰**
वास (वि॰) आवास, निवास, घर।

ਵਸੰਦਾ वसन्दा Vasandā [3] **वि॰**
वासिन् (वि॰) निवासी, वासी।

ਵਹਾ वहा Vahā [3] **पुं॰**
प्रवाह (पुं॰) जल का वहाव, प्रवाह, धार, स्रोत।

ਵਹਾਉ वहाउ Vahāu [3] **पुं॰**
प्रवाह (पुं॰) बहाव, धारा, पानी का वेग।

ਵਹਾਉਣਾ वहाउणा Vahāuṇā [3] **सक॰ क्रि॰**
वाहयति (भ्वादि प्रेर॰) वहाना; हल चलवाना।

ਵਹਾਣਾ वहाणा Vahāṇā [3] **सक॰ क्रि॰**
द्र॰—ਵਹਾਉਣਾ।

ਵਹਿੰਗਾ वहिंगा Vahīgā [3] **पुं॰**
विहङ्गिका (स्त्री॰) बँहगी, जिसके दोनों शिरों पर बोझ लटका कर जाया जा सके।

ਵਹਿੰਗੀ वहिंगी Vahīgī [3] **स्त्री॰**
विहङ्गिका (स्त्री॰) बँहगी, जिसके दोनों शिरों पर बोझ लटका कर ढोया जाता है।

ਵਹਿਣ वहिण् Vahiṇ [3] **पुं॰**
वहन (पुं॰, नपुं॰) प्रवाह, वहाव, स्रोत।

ਵਹਿਣਾ वहिणा Vahiṇa [3] अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) बहना, प्रवाहित होना।

ਵਹਿਤਰ वहितर् Vahitar [3] पुं०
वहित्र (नपुं०) वाहन, सवारी।

ਵਹਿੰਦਾ वहिन्दा Vahinda [3] वि०
वहत् (वि०) बहता हुआ जल; वहने वाला।

ਵਹੀ वही Vahi [3] स्त्री०
वहिका (स्त्री०) हिसाब-किताब लिखने की पुस्तक, बही।

ਵਹੀਣ[1] वहीण् Vahiṇ [3] पुं०
विभेदन (नपुं०) नाली, मोरी।

ਵਹੀਣ[2] वहीण् Vahiṇ [3] वि०
विहीन (वि०) रहित, बिना।

ਵਹੀਣ[3] वहीण् Vahiṇ [3] पुं०
वहन (नपुं०) नदी या जल का बहाव, प्रवाह।

ਵਹੁਟੀ वहुटी Vahuṭi [3] स्त्री०
वधूटी (स्त्री०) बहू, पत्नी, भार्या।

ਵਹੋਲਾ वहोला Vahola [3] पुं०
वासि (पुं०) बसूला जिससे बढ़ई लकड़ी का समान बनाता है।

ਵਕਸ਼ਥਲ वक्शथल् Vakśathal [1] पुं०
वक्षःस्थल (नपुं०) वक्षस्थल, छाती।

ਵਕਤਾ वक्ता Vakta [3] वि०
वक्तृ (वक्ता) (वि०) वक्ता, बोलने वाला।

ਵਕੁੰਠ वकुण्ठ् Vukunṭh [1] पुं०
वैकुण्ठ (पुं०, नपुं०) वैकुण्ठ, गोलोक, भगवान् विष्णु का परमधाम।

ਵੱਕਣਾ वक्कणा Vakkaṇa [3] अक० क्रि०
विक्लवते (भ्वादि अक०) भागना, दौड़ना; चलना।

ਵੱਕਮਣਾ वक्कमणा Vakkamṇa [1] अक० क्रि०
विक्लवते (भ्वादि अक०) आसन्न प्रसवा होना, गाय, भैंस, बकरी आदि का बच्चा जनने के समीप होना।

ਵੱਕੋਂਦੀ वक्कोंदी Vakkōdi [1] स्त्री०
विक्लवा (स्त्री०) आसन्न प्रसवा, प्रसव वेदना से युक्त, समीप प्रसूतावस्था वाली (गाय, भैंस आदि)।

ਵਖਰਤ वख्रत् Vakhrat [3] स्त्री०
विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵਖਰਤਾ वखर्ता Vakharta [3] स्त्री०
विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵਖਰਿਆਉਣਾ वख्रिआउणा Vakhriauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵੱਖਰਾਉਣਾ।

ਵਖਾਣ वखाण् Vakhaṇ [3] पुं०
व्याख्यान (नपुं०) भाषण, किसी शास्त्रीय संदर्भ का निरूपण, प्रतिपादन।

ਵਖਾਧ वखाध् Vakhadh [3] पुं०

विक्षोभ (पुं०) विक्षोभ, वैर, विरोध शत्रुता।

ਵਖਾਧਣ वखाधण् Vakhādhaṇ [3] स्त्री०
विक्षोभण (नपुं०) वैर, विरोध, शत्रुता।

ਵਖਾਧੀ वखाधी Vakhādhī [3] पुं०
विक्षोभिन् (वि०) विक्षोभी, झगड़ालू।

ਵਖਾਨਣਾ वखान्णा Vakhanṇa [3] सक० क्रि०
व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्या करना, ब्योरा देना।

ਵਖਿਆਣ वख्याण् Vakhyāṇ [1] पुं०
द्र०—ਵਖਾਣ।

ਵਖਿਆਨ वख्यान् Vakhyan [3] पुं०
द्र०—ਵਖਾਣ।

ਵਖਿਆਨਕਾਰ वख्यान्कार् Vakhyānkār [3] पुं०
व्याख्यानकार (वि०) व्याख्यान करने वाला, वक्ता।

ਵਖਿਆਨਣਾ वख्यान्णा Vakhyānṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਵਖਾਨਣਾ।

ਵਖੇਪ वखेप् Vakhep [1] पुं०
विक्षेप (पुं०) विक्षेप, विघ्न, रुकावट।

ਵਖੇਰਨਾ वखेर्ना Vakherna [1] सक० क्रि०
विष्किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, फैलाना, छींटना।

ਵਖੇੜਾ वखेड़ा Vakheṛa [1] पुं०
द्र०—ਬਖੇੜਾ।

ਵਖੌਣਾ वखौणा Vakhauṇa [3] सक० क्रि०
वीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) दिखाना।

ਵੱਖ वक्ख् Vakkh [3] स्त्री०
वखति (भ्वादि अक०) अलग होना।

ਵੱਖਰ वक्खर् Vakkhar [2] पुं०
उपस्कर (पुं०) सामान, सामग्री, वस्तु उपकरण।

ਵੱਖਰਤਾ वक्खर्ता Vakkharta [3] स्त्री०
विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव

ਵੱਖਰਾ वक्खरा Vakkhara [3] वि०
विष्कीर्ण (वि०) वखरा, भिन्न, पृथक्।

ਵੱਖਰਾਉਣਾ वक्ख्राउणा Vakkhrauṇa [3] सक० क्रि०
विष्किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, छींटना, पृथक् करना।

ਵੱਖਰਿਆਉਣਾ वक्खर्याउणा Vakkharyauṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵੱਖਰਾਉਣਾ।

ਵੱਖੀ वक्खी Vakkhī [3] स्त्री०
पक्ष (पुं०) पार्श्व, दायां या बायां भाग।

ਵਗਣਾ वग्णा Vagṇa [3] वि०
वल्गनम् (नपुं०) वहना, तेजी से निकलना, जाना।

ਵਗਾਉਣਾ वगाउणा Vagauṇa [3] सक० क्रि०
वल्गयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना ।

ਵਗਾਣਾ वगाणा Vagaṇa [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਗਾਉਣਾ ।

ਵਗਾਵਣਾ वगावणा Vagavṇa [1] सक० क्रि०
द्र०—ਵਗਾਉਣਾ ।

ਵੱਗ वग्ग् Vagg [3] पुं०
वर्ग (पुं०) वर्ग, समूह, दल, टोली ।

ਵੱਗਾ वग्गा Vagga [3] पुं०
वङ्क (पुं०) छत का शहतीर ।

ਵਚਵਾਲ वच्वाल् Vacval [2] पुं०
विक्रेतृ/विक्रायक (वि०) बेचने वाला ।

ਵਚਵਾਲੀ वच्वाली Vacvalī [2] स्त्री०
विक्रय (पुं०) बेचने का भाव या क्रिया, विक्री ।

ਵਚਾਰ वचार् Vacār [1] स्त्री०
विचार (पुं०) विचार, राय, ख्याल, परामर्श; संकल्प ।

ਵਚਾਰਾ वचारा Vacara [1] पुं०
बराक (वि०) बेचारा, असहाय ।

ਵਚਿੱਤਰ वचित्तर् Vacittar [3] वि०
विचित्र (वि०) विचित्र, अद्‌भुत, अनोखा ।

ਵਛਰੂ वछ्‌रू Vachrū [1] पुं०
द्र०—ਵੱਛਾ ।

ਵਛੜਾ वछ्‌ड़ा Vachṛa [3] पुं०
वत्सतर (पुं०) गाय का नर बच्चा, बछड़ा, बछरू ।

ਵਛੜੀ वछ्‌ड़ी Vachṛī [3] स्त्री०
वत्सतरी (स्त्री०) गाय का मादा बच्चा, बछड़ी, बछिया

ਵਛਾਉਣਾ वछाउणा Vachauṇa [2] पुं०
विच्छादन (नपुं०) बिस्तर, बिछौना ।

ਵਛਾਈ वछाई Vachaī [2] स्त्री०
द्र०—ਵਛਾਉਣਾ ।

ਵਛੁੰਨਾ वछुन्ना Vachunna [2] वि०
विच्छिन्न (वि०) टुकड़ा किया हुआ, पृथक् हुआ, पृथक् या जुदा ।

ਵਛੇਰਾ वछेरा Vachera [3] पुं०
(अश्व) वत्सर (पुं०) घोड़े का नर बच्चा।

ਵਛੇਰੀ वछेरी Vacheri [3] स्त्री०
(अश्व) वत्सतरी (स्त्री०) घोड़े का मादा बच्चा ।

ਵਛੋੜਾ वछोड़ा Vachoṛa [2] पुं०
विच्छेद (पुं०) टुकड़े करने की क्रिया, तोड़ने या पृथक् करने की क्रिया; विरह ।

ਵੱਛਲ वच्छल् Vacchal [1] वि०
वत्सल (वि०) वात्सल्य भाव से युक्त, पुत्र या संतान के प्रति स्नेह-युक्त ।

ਵੱਛਲਤਾ वच्छल्ता Vacchalta [3] स्त्री०
वत्सलता (स्त्री०) वात्सल्य, स्नेह ।

ਵੱਛਾ वच्छा Vaccha [3] पुं०
वत्स (पुं०) गाय का नर बछड़ा, वछड़ा ।

ਵੱਛੀ वच्छी Vacchī [3] स्त्री०
गाय का मादा बच्चा, वछिया, बछड़ी ।

ਵਜਾਉਣਾ वजाउणा Vajāuṇa [3] सक० क्रि०
वादयति (भ्वादि प्रेर०) बजाना, शब्द निकालना ।

ਵਜੋਗ वजोग् Vajog [2] पुं०
वियोग (पुं०) संयोग का अभाव, विरह, बिछोह ।

ਵੱਜਣਾ वज्जणा Vajjṇa [3] अक० क्रि०
वाद्यते (भ्वादि कर्मवा०) बजना ।

ਵਟਣਾ[1] वट्णा Vaṭṇa [3] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, लेप ।

ਵਟਣਾ[2] वट्णा Vaṭṇa [3] सक० क्रि०
विपरिवर्त्यते (कर्म वा०) बदलना, बदल जाना ।

ਵਟਵਾਂ वट्वाँ Vaṭvā̃ [3] वि०
परिवर्तित (वि०) परिवर्तित, बदला हुआ ।

ਵਟਵਾਉਣਾ वट्वाउणा Vaṭvāuṇa [3] सक० क्रि०
परिवर्तयति (भ्वादि प्रेर०) परिवर्तित कराना, बदलवाना ।

ਵਟਾਂਦਰਾ वटाँद्रा Vaṭā̃dra [3] पुं०
वर्तान्तर (वि०) विनिमय, बदलाव ।

ਵੱਟ वट्ट् Vaṭṭ [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) वर्त्म, मार्ग, रास्ता ।

ਵੱਟਣਾ वट्टणा Vaṭṭaṇa [3] अक० क्रि०
वटति (भ्वादि अक०) बँटना, ऐंठन देना, अर्जित करना, कमाई करना ।

ਵੱਟਣੀ वट्टणी Vaṭṭaṇī [3] स्त्री०
वर्तनी (स्त्री०) छोटा तकुआ, तकली ।

ਵੱਟਣੂ वट्टणू Vaṭṭaṇū [3] पुं०
वर्तन (नपुं०) बड़ा तकुआ, बड़ा तकला ।

ਵੱਟਮਾਰ वट्टमार् Vaṭṭamār [3] वि०
वर्त्ममार (वि०) लुटेरा, राहजन ।

ਵੱਟਮਾਰੀ वट्ट्मारी, Vaṭṭmārī[3] स्त्री०
वर्त्ममारीय (नपुं०) बँटमारी, राहजनी।

ਵੱਟਾ वट्टा Vaṭṭa [3] पुं०
वर्तुल (वि०) छोटा पत्थर, कंकड़; तौलने का एक पत्थर ।

ਵੱਟੀ[1] वट्टी Vaṭṭī [3] स्त्री०
वर्ति (स्त्री०) लैंप या दीपक की बत्ती, घाव में भरने की बत्ती; घाव पर बाँधने की पट्टी ।

ਵੱਟੀ[2] वट्टी Vaṭṭī [3] स्त्री०
वटक, वटी (स्त्री०) गोली या टिकिया ।

ਵੱਟੀ³ वट्टी Vatti [2] स्त्री०
वतुला (स्त्री०) गोल छोटा पत्थर; तौलने का एक पत्थर।

ਵਡਤਮ वड्तम् Vadtam [3] वि०
वड्तम (वि०) सर्वश्रेष्ठ, सबसे बड़ा।

ਵਡੱਤਣ वडत्तण् Vadattan [3] स्त्री०
वड्ता (स्त्री०) बड़प्पन, बड़ाई।

ਵਡਿਆਈ वड्याई Vadyai [3] स्त्री०
वड्कि (स्त्री०) बड़ाई, प्रशंसा।

ਵਡਿੱਤਣ वडित्तण् Vadittan [3] स्त्री०
द्र०—ਵਡੱਤਣ।

ਵਡੇਰਾ वडेरा Vadera [1] पुं०
वड्तर (वि०) वडेरा, अधिक बड़ा।

ਵੱਡਾ वड्डा Vadda [3] पुं०
वड् (वि०) बड़ा, दीर्घाकार।

ਵੱਡੀ वड्डी Vaddi [3] स्त्री०
वड्डी (स्त्री०) बड़ी, बहुत, अधिक।

ਵੱਢ वड्ढ Vaddh [3] पुं०
वर्ध (पुं०) छीलने या काटने का भाव; तराश।

ਵੱਢਣਾ वड्ढणा Vaddhna [3] अक० क्रि०
वर्धयति (चुरादि सक०) काटना, (फसल आदि); चीरना।

ਵਣ वण् Van [3] पुं०
वन (नपुं०) जंगल, वन।

ਵਣਜ वणज् Vanaj [3] पुं०
वाणिज्य (नपुं०) बनिज, व्यापार।

ਵਣਜਣਾ वण्जणा Vanjana [3] सक० क्रि०
पणते (भ्वादि, सक०) व्यापार करना।

ਵਣਜਾਰ वण्जार Vanjar [2] वि०
पण्य (वि०) सौदा करने योग्य वस्तु।

ਵਣਜਾਰਨ वण्जारन् Vanjaran [3] स्त्री०
वणिजी (स्त्री०) व्यापारी की पत्नी, व्यापार करने वाली स्त्री।

ਵਣਜਾਰਾ वण्जारा Vanjara [3] पुं०
वणिज (पुं०) व्यापारी, बनिया।

ਵਣਰੱਖਿਅਕ वण्रख्यक् Vanrakkhyak [3] पुं०
वनरक्षक (वि०) वन का रक्षक।

ਵਤ वत् Vat [3] अ०
वत् (प्रत्यय, अ०) वत्, समान, तरह।

ਵਤਸਲ वत्सल् Vatsal [3] वि०
वत्सल (वि०) वात्सल्य-युक्त, स्नेही।

ਵੱਤਣ वत्तण् Vattan [1] अक० क्रि०
आवर्तते (भ्वादि अक०) घूमना-फिरना।

ਵਦਣਾ वद्णा Vadna [3] अक० क्रि०
वदति (भ्वादि सक०) बोलना, कहना।

ਵਦਾਣਾ वदाणा Vadana [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਦਣਾ।

ਵਦੀ वदी Vadi [3] पुं०
वदि (अ०) वदि, कृष्ण पक्ष ।

ਵਧਣਾ वध्णा Vadhna [2] अक० क्रि०
बर्द्धते (भ्वादि अक०) बढ़ना, उन्नत होना।

ਵਧਾਉਣਾ वधाउणा Vadhauna
[3] सक० क्रि०
वर्धापयति (भ्वादि प्रेर०) आगे बढ़ाना, बढ़ाना; बधाई देना ।

ਵਧਾਊ वधाऊ Vadhau [3] पुं०
वर्धक (वि०) बढ़ने वाला, बढ़ाने वाला।

ਵਧਾਈ वधाई Vadhai [3] स्त्री०
वर्धापन (नपुं०) बधाई, मुबारकबाद ।

ਵਧੀਕ वधीक् Vadhik [3] वि०
अधिक (वि०) अधिक, ज्यादा ।

ਵਧੀਕਤਾ वधीक्ता Vadhikta [3] स्त्री०
अधिकता (स्त्री०) अधिकता, बढ़ती, विशेषता ।

ਵਧੇਰਾ वधेरा Vadhera [3] वि०
वृद्धतर (वि०) वृद्धतर, आपेक्षिक बड़ा; अधिक ।

ਵਧੌਤਰ वधौतर् Vadhautar [1] वि०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵਧੌਤਰੀ वधौत्री Vadhautri [3] स्त्री०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵਧੌਤੀ वधौती Vadhauti [3] स्त्री०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵੱਧ वद्ध् Vaddh [3] वि०
वृद्ध (वि०) वृद्ध; बढ़ा हुआ; ज्यादा अधिक; उन्नत; ज्येष्ठ; श्रेष्ठ ।

ਵੱਧਰੀ वद्ध्री Vaddhri [3] स्त्री०
वर्ध्र (पुं०) चमड़े का धागा, चर्मरज्जु, चमड़े की पतली पट्टी ।

ਵਨ वन् Van [3] पुं०
वन (नपुं०) वृक्ष-समुदाय, जंगल ।

ਵਨਾਸਪਤੀ वनास्पती Vanaspati [3] स्त्री०
वनस्पति (पुं०) बड़ा जंगली वृक्ष, वृक्ष-मात्र, वनस्पति ।

ਵੰਨਗੀ वन्नगी Vannagi [3] स्त्री०
वर्णक (पुं०, नपुं०) बानगी, नमूना ।

ਵਪਾਰ वपार् Vapar [3] पुं०
व्यापार (पुं०) व्यापार, व्यवसाय ।

ਵਪਾਰਕ व्पारक् Vaparak [3] वि०
व्यापारिक (वि०) व्यापारिक, व्यापार-संबन्धी ।

ਵਪਾਰਨ वपारन् Vaparan [3] स्त्री०
व्यापारिणी (स्त्री०) व्यापार करने वाली, व्यापारी की स्त्री ।

ਵਪਾਰੀ वपारी Vapari [3] पुं०
व्यापारिन् (वि०) व्यापारी, व्यवसायी ।

ਵਭਿੱਨ वभिन्न Vabhinn [1] वि०
विभिन्न (वि०) विभिन्न, अलग किया हुआ, तोड़ा हुआ ।

ਵਰ वर् Var [3] पुं०
वर (पुं०) दूल्हा, वर; श्रेष्ठ; वरण; वरदान ।

ਵਰਸ वरस् Varas [1] पुं०
वर्ष (नपुं०) वर्ष, साल ।

ਵਰਸ਼ਾ वरशा Varśa [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री०) वर्षा, बरसात ।

ਵਰਸਾਊ वरसाउ Varsāu [3] पुं०
वर्षुक (वि०) वर्षक, बरसाने वाला, वर्षा करने वाला ।

ਵਰਹੀ वर्ही Varhī [3] वि०
वार्षिक (वि०) वार्षिक, सालाना, वर्ष भर का ।

ਵਰਖਾ वरखा Varkha [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री०) वर्षा, बरसात ।

ਵਰਖਾਈ वरखाई Varkhai [1] स्त्री०
द्र०—ਵਰਸ਼ਾ ।

ਵਰਗ वर्ग् Varg [3] पुं०
वर्ग (पुं०) दल, समूह; कवर्गादि वर्ग; समकोण ।

ਵਰਗ-ਖੇਤਰ वरग्-खेतर् Varag-Khetar [3] पुं०
वर्गक्षेत्र (नपुं०) वर्ग-क्षेत्र, समभुज या समकोण जमीन ।

ਵਰਗ-ਵਿਤਕਰਾ वरग्-वित्करा Varg-Vitkara [3] पुं०
वर्गव्यतिकर (पुं०) वर्ग-भेद ।

ਵਰਗੀ वर्गी Vargī [3] वि०
वर्गीय (वि०) वर्ग-संबन्धी, वर्गीय; वर्गाकार ।

ਵਰਗੀਆ वर्गीआ Vargīā [1] वि०
वर्गीय (वि०) वर्गीय, वर्ग का ।

ਵਰਘਰ वर्घर् Varghar [3] पुं०
वरघर (पुं०) कन्या के लिए रिश्ता, वर का घर ।

ਵਰਚ वरच् Varac [3] स्त्री०
वचा (स्त्री०) वच नामक औषधि या जड़-विशेष ।

ਵਰਜਣਾ वर्जणा Varjṇa [3] सक० क्रि०
वर्जयति (चुरादि सक०) रोकना, मना करना ।

ਵਰਜੇਵਾਂ वर्जेवाँ Varjevā̃ [3] पुं०
वर्जनाज्ञा (स्त्री०) वर्जन, रोकने की आज्ञा, निषेधाज्ञा ।

ਵਰਣ वरण् Varaṇ [3] पुं०
वर्ण (पुं०) वर्ण, ब्राह्मणादि चारों वर्ण; अक्षर; **रंग** ।

ਵਰਣ-ਸੰਕਰਤਾ वरण्-संकर्ता Varaṇ-Saṅkarta [3] स्त्री०
वर्णसंकरता (स्त्री०) रंगों का मिश्रण; वह व्यक्ति या जाति जो भिन्न-भिन्न जातियों के स्त्री-पुरुष के संयोग से उत्पन्न हो ।

ਵਰਣਨਕਾਰ वर्णन्कार् Varṇankār [3] वि०
वर्णनकार (वि०) वर्णन या व्याख्या करने वाला ।

ਵਰਣਨ-ਗੋਚਰਾ वर्णन्-गोच्रा Varṇan-Gocrā [3] वि०
वर्णनगोचर (वि०) वर्णन का विषय, वर्णनीय ।

ਵਰਣਨਾਉਣਾ वरण्नाउणा Varaṇnāuṇā [1] सक० क्रि०
वर्णयति (चुरादि सक०) वर्णन करना, बयान करना ।

ਵਰਣ-ਵਿਚਾਰ वरण्-विचार Varaṇ-vicār [3] पुं०
वर्णविचार (पुं०) वर्ण-विचार, भाषा-विज्ञान का वह भाग जिसमें वर्णों के उच्चारण-सम्बन्धी नियमों का विवरण दिया गया हो ।

ਵਰਣ-ਵਿੱਥ वर्ण्-वित्थ् Vrṇ Vitth [3] स्त्री०
वर्णवृत्ति (स्त्री०) वर्णों अथवा जाति के आधार पर की गयी सामाजिक व्यवस्था या व्यवहार ।

ਵਰਣਿਕ वर्णिक् Varṇik [3] वि०
वर्णिक (वि०) वर्णों अथवा अक्षरों से संबन्धित ।

ਵਰਣਿਤ वर्णित् Varṇit [3] वि०
वर्णित (वि०) वर्णन किया हुआ, व्याख्यात, निरूपित, कथित ।

ਵਰਤ वर्त् Vart [3] पुं०
व्रत (नपुं०) संकल्प, प्रतिज्ञा; पुण्य के साधन उपवासादि नियम-विशेष ।

ਵਰਤਣ वर्तण् Vartaṇ [3] स्त्री०
व्रतिनी (स्त्री०) व्रत रखने वाली स्त्री ।

ਵਰਤਣਾ वर्तणा Vartaṇā [3] सक० क्रि०
वर्तयति (भ्वादि प्रेर०) वर्तना, प्रयोग में लाना, इस्तेमाल करना ।

ਵਰਤਮਾਨਜੁਗ वरत्मान्जुग् Varatmānjug [3] पुं०
वर्तमानयुग (नपुं०, पुं०) वर्तमान युग ।

ਵਰਤਵਰਤਾ वरत्वर्ता Varatvartā [1] पुं०
वर्तितता (स्त्री०) बरताव, रीति-रिवाज ।

ਵਰਤਾਉ वर्ताउ Vartāu [3] पुं०
वर्तन (नपुं०) व्यवहार, वर्ताव ।

ਵਰਤਾਉਣਾ वर्ताउणा Vartauṇa [3] **सक० क्रि०**
वर्तयति (चुरादि सक०) वर्तना, व्यवहार करना, आचरण करना।

ਵਰਤਾਰਾ वर्तारा Vartārā [3] **पुं०**
वर्तित (नपुं०) व्यवहार, वर्ताव।

ਵਰਤਿਆ वरत्या Vartyā [3] **वि०**
वर्तित (वि०) उपयोग में लाया हुआ, व्यवहृत।

ਵਰਤੀਜਣਾ वर्तीज्णा Vartījṇā [3] **अक० क्रि०**
वर्त्यते (कर्मवा०) प्रयुक्त किया जाना, प्रयोग में लाया जाना।

ਵਰਤੀਣਾ वर्तीणा Vartīṇā [3] **अक० क्रि०**
द्र०—ਵਰਤੀਜਣਾ।

ਵਰਤੋਂ वर्तों Vartõ [3] **स्त्री०**
वर्तन (नपुं०) वर्ताव; प्रयोग, व्यवहार।

ਵਰਦਾਇਕ वर्दाइक् Vardāik [3] **पुं०**
वरदायक (वि०) वरदायक, वर देने वाला।

ਵਰਧਨ वर्धन् Vardhan [3] **पुं०**
वर्धन (नपुं०) वृद्धि, बढ़ोत्तरी।

ਵਰਨ-ਅਵਰਨ वर्न्-अवर्न् Varn-Avarn [3] **वि०**
वर्णावर्ण्य (वि०) वर्णों (अक्षरों) से अवर्णनीय, वर्णनातीत।

ਵਰਨ-ਵਿਚਿੱਤਰਤਾ वर्न्-विचित्तरता Varn-Vicittartā [3] **स्त्री०**
वर्णविचित्रता (स्त्री०) वर्णों की विचित्रता, रंग-बिरंगापन।

ਵਰਨ-ਵਿਪਰਜ वर्न्-विप्रज् Varn-Vipraj [3] **पुं०**
वर्णविपर्यय (पुं०) वर्ण-विपर्यय, वर्णों का विपरीत-क्रम।

ਵਰਨਾ वर्ना Varnā [3] **सक० क्रि०**
वरयति (चुरादि सक०) वरण करना, शादी करना; चाहना।

ਵਰਨੀ वर्नी Varnī [3] **स्त्री०**
वरण (नपुं०) वरण, वरणी, ब्राह्मणों द्वारा जप पूजा अनुष्ठान आदि कराने का भाव या क्रिया।

ਵਰਮਾ वर्मा Varmā [3] **पुं०**
वम्र (पुं०) वर्मा (औजार-विशेष)।

ਵਰਮਾਉਣਾ वर्माउणा Varmāuṇā [3] **सक० क्रि०**
वम्रयति (नामधातु सक०) वर्मा द्वारा छेद करना।

ਵਰਮੀ वर्मी Varmī [3] **स्त्री०**
वम्री (स्त्री०) बाँबी; साँप का बिल; छोटा वर्मा।

ਵਰਾਉਣਾ वराउणा Varāuṇā [3] **अक० क्रि०**
विरामयति (भ्वादि प्रेर०) बच्चे को चुप कराना, बहलाना।

ਵਰਾਗਣਾ वरागणा Varagṇa [3] अक० क्रि०
विरज्यते (भ्वादि अक०) विरक्त होना, वैराग्य लेना ।

ਵਰੀੜਾ वरीड़ा Variṛa [1] स्त्री०
व्रीडा (स्त्री०) व्रीडा, लज्जा ।

ਵਰੋਸਾਉਣਾ वरोसाउणा Varosauṇa [3] सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) वर्षा बरसाना ।

ਵਰੋਲਣਾ वरोलणा Varolṇa [3] सक० क्रि०
विलोडति (भ्वादि सक०) बिलोणा, मथना ।

ਵਰ੍ਹਨਾ वर्हना Varhana [3] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना ।

ਵਰ੍ਹਾ वर्हा Varha [3] पुं०
वर्ष (पुं०, नपुं०) वर्ष, साल ।

ਵਰ੍ਹਾਊ वर्हाऊ Varhaū [3] वि०
वर्षुक (वि०) वर्षा करने वाला, वर्षक ।

ਵਲ[1] वल् Val [3] पुं०
बल (नपुं०) बल, शक्ति ।

ਵਲ[2] वल् Val [3] पुं०
वलन (नपुं०) वलन, चक्कर; लपेट ।

ਵਲ[3] वल् Val [3] पुं०
वलि (स्त्री०) झुर्री, सिकुड़न ।

ਵਲਸਣਾ वल्सणा Valsaṇa [2] सक० क्रि०
वलते (भ्वादि सक०) लपेटना, मरोड़ना ।

ਵਲਟੋਣਾ वल्टोणा Valtoṇa [3] पुं०
वर्तुल (नपुं०) बड़ा पात्र-विशेष ।

ਵਲਣਾ वल्णा Valṇa [3] क्रि०
वलते (भ्वादि प्रेर०) लपेटना, मरोड़ना ।

ਵਲਾ वला Vala [3] पुं०
वलय (नपुं०) चक्कर; घुमाव ।

ਵਲਾਉਣਾ वलाउणा Valauṇa [3] सक० क्रि०
वलयति (भ्वादि प्रेर०) घुमाना, वापिस करना, लौटाना ।

ਵਲੀ वली Vali [3] पुं०
बलिन् (वि०) बली, बलवान् ।

ਵਲੀਣਾ वलीणा Valiṇa [3] अक० क्रि०
वल्यते (कर्म वा०) घेरे अथवा चक्कर में आना ।

ਵੱਲ[2] वल्ल् Vall [3] स्त्री०
वल्लरी (स्त्री०) बेल, लता ।

ਵੱਲਭ वल्लभ् Vallabh [3] पुं०
वल्लभ (वि०) वल्लभ, सर्वोपरि प्रिय, प्रेमी ।

ਵੜਨਾ वड़्ना Vaṛna [3] अक० क्रि०
उपपतति (भ्वादि अक०)/वरण्यति (क्र्यादि अक०) प्रवेश करना ।

ਵੜਾ वड़ा Vaṛa [3] पुं०
वट/वटक (पुं०, नपुं०) बड़ा, पकौड़ा।

ਵੜੀ वड़ी Vaṛī [3] स्त्री०
वटी (स्त्री०) वड़ी, पकौड़ी।

ਵਾ वा Va [3] पुं०
वायु (पुं०) वायु, पवन।

ਵਾਉ वाउ Vau [3] स्त्री०
वायु (पुं०) वायु, वात।

ਵਾਈ वाई Vaī [3] स्त्री०
वात (पुं०) वायु-रोग, वात-रोग।

ਵਾਸ वास् Vas [3] स्त्री०
वास (पुं०) निवास, आवास।

ਵਾਸਤਵਿਕ वास्तविक् Vastavik [3] वि०
वास्तविक (वि०) परमार्थ, सत्य; ठीक, यथार्थ।

ਵਾਸ਼ਨਾ वाश्ना Vaśna [3] स्त्री०
वासना (स्त्री०) चाह, इच्छा, अभिलाषा।

ਵਾਸ਼ਨਾਤਮਕ वाश्नातमक Vaśnatmak [3] वि०
वासनात्मक (वि०) वासना-स्वरूप।

ਵਾਸ਼ਪ वाशप् Vaśap [3] पुं०
वाष्प (पुं०, नपुं०) वाष्प, भाप।

ਵਾਸਾ वासा Vasa [3] स्त्री०
वास (पुं०) आवास, निवास।

ਵਾਸੀ वासी Vasī [3] पुं०
वासिन् (वि०) निवासी, रहने वाला।

ਵਾਸੂਲ वासूल् Vasūl [3] पुं०
वायुशूल (पुं०, नपुं०) पेट में वायु-जन्य पीड़ा।

ਵਾਹ[1] वाह् Vah [3] पुं०, स्त्री०
वश (पुं०) अधिकार, स्वामित्व, शक्ति, प्रभाव।

ਵਾਹ[2] वाह् Vah [3] स्त्री०
वाह/प्रवाह (पुं०) जल-प्रवाह।

ਵਾਹ[3] वाह Vah [3] अ०
अहा (अ०) हर्ष सूचक शब्द।

ਵਾਹਕ वाहक् Vahak [3] पुं०
वाहक (वि०) हल जोतने वाला, खेती करने वाला।

ਵਾਹਣ वाहण् Vahaṇ [3] पुं०
वाहन (नपुं०) वाहन, सवारी।

ਵਾਹੁਣਾ वाहुणा Vahṇa [2] सक० क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) गाड़ी चलाना अथवा हाँकना।

ਵਾਹਰਨਾ वाहर्ना Vahrna [3] अक० क्रि०
वाश्रयति (नाम धातु) पशु में मैथुनेच्छा का होना।

ਵਾਹਰੀ वाहरी Vahrī [1] स्त्री०
वाश्रा (स्त्री०) भोग की इच्छा वाली।

ਵਾਹਾ वाहा Vaha [3] वि०
द्र० – ਵਾਹਕ ।

ਵਾਹੁਣਾ वाहुणा Vahuna [3] क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) रथ या गाड़ी चलाना अथवा हाँकना ।

ਵਾਕ वाक् Vak [3] पुं०
वाक्य (नपुं०) वाक्क, वचन, शब्द ।

ਵਾਕ-ਸਿੱਧ वाक्-सिद्ध् Vak-Siddh [3] वि०
वाक्सिद्ध (वि०) वाक्-सिद्ध, जिसकी वाणी सही सिद्ध हो ।

ਵਾਕ-ਛਲ वाक्-छल् Vak-Chal [3] पुं०
वाक्छल (नपुं०) वाक्-छल, वाक्यों अथवा शब्दों के हेर-फेर से कोई अन्य अर्थ निकालने का भाव या क्रिया ।

ਵਾਕ-ਬੋਧ वाक्-बोध Vak-Bodh [3] पुं०
वाक्यबोध (पुं०) वाक्य-बोध, भाषा का ज्ञान ।

ਵਾਕ-ਯੁੱਧ वाक्-युद्ध् Vak-Yuddh [3] पुं०
वाग्युद्ध (नपुं०) वाग् युद्ध, मौखिक लड़ाई, शाब्दिक वाद-विवाद ।

ਵਾਕ-ਰਚਨਾ वाक्-रच्ना Vak-Racna [3] स्त्री०
वाक्य-रचना (स्त्री०) वाक्य-रचना ।

ਵਾਕਾਂਸ਼ वाकांश् Vakāś [3] पुं०
वाक्यांश (पुं०) वाक्य का अंश, वाक्य खण्ड ।

ਵਾਗ वाग् Vag [3] स्त्री०
वल्गा (स्त्री०) लगाम, रास ।

ਵਾਚ वाच् Vac [3] स्त्री०
वाच् (स्त्री०) वाणी, भाषा ।

ਵਾਚਣ वाचण् Vacan [3] सक० क्रि०
वाचयति (चुरादि सक०) बाँचना, पढ़ना

ਵਾਚਣਾ वाचणा Vacna [3] सक० क्रि०
वाचयति (चुरादि सक०) बाँचना, पढ़ना

ਵਾਚਨਾਲਾ वाच्नाला Vacnala [3] पुं०
वाचनालय (पुं०) वाचनालय ।

ਵਾਚਾਰਥ वाचारथ् Vacarath [3] पुं०
वाच्यार्थ (पुं०) वाच्यार्थ, अभिधेयार्थ ।

ਵਾਜਾ वाजा Vaja [3] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा ।

ਵਾਟ वाट् Vat [3] स्त्री०
वाट (नपुं०) रास्ता, मार्ग, बाट ।

ਵਾਟੇ वाटे Vate [3] क्रि० वि०
वाटे (सप्त, अधि०) वाट में, मार्ग में ।

ਵਾੜੀ वाड़ी Vadri [3] स्त्री०
वाटिका (स्त्री०) बाड़ा, उद्यान ।

ਵਾਢ वाढ् Vadh [3] स्त्री०
वर्धयति (चुरादि प्रेर०) काटना, चीरना

ਵਾਢੀ वाढी Vadhi [3] पुं०
द्र०— ਬਾਢੀ ।

ਵਾਣ वाण् Vāṇ [3] पुं॰
बट (पुं॰) बान, रस्सी।

ਵਾਤ वात् Vāt [1] स्त्री॰
वात (पुं॰) वातरोग, गठिया रोग।

ਵਾਤਸਲ वात्सल् Vātsal [3] पुं॰
वात्सल्य (नपुं॰) स्नेह जो अपने से छोटों के प्रति होता है, वात्सल्य-भाव।

ਵਾਦ वाद् Vād [3] पुं॰
वाद (पुं॰) बातचीत, कथन, वाद-विवाद; पक्ष।

ਵਾਦੀ वादी Vādī [3] वि॰
वादिन् (वि॰) वादी, अभियोगी, मुद्दई।

ਵਾਧ वाध् Vādh [3] स्त्री॰
वृद्धि (स्त्री॰) वृद्धि, उन्नति, बढ़ोत्तरी।

ਵਾਧਾ वाधा Vādhā [3] पुं॰
वर्धन (नपुं॰) वृद्धि, लाभ।

ਵਾਧੂ वाधू Vādhū [3] वि॰
वृद्ध (वि॰) वृद्धि को प्राप्त, बढ़ा हुआ।

ਵਾਪਰਨਾ वापर्ना Vāparnā [3] अक॰ क्रि॰
व्याप्नोति (स्वादि अक॰) व्याप्त होना; प्रभावित करना, फैलना।

ਵਾਮ वाम Vām [3] वि॰
वाम् (वि॰) वाम, उल्टा, विरोधी।

ਵਾਯੂ वायू Vāyū [3] पुं॰
वायु (पुं॰) वायु, पवन, अनिल।

ਵਾਯੂਗੋਲਾ वायुगोला Vāyugolā [3] पुं॰
वातगुल्म (पुं॰) वात के विकार से होने वाला वायुगोला।

ਵਾਰ¹ वार Vār [3] पुं॰
वार (पुं॰) वार, दिन।

ਵਾਰ² वार Vār [3] अ॰
वार (नपुं॰) एक वार, एक दिन।

ਵਾਰ³ वार् Vār [2] पुं॰
वार (पुं॰, नपुं॰) बारी, दफा।

ਵਾਰ-ਸਾਹਿਤ वार्-साहित् Vār-Sāhit [3] पुं॰
वीरसाहित्य (नपुं॰) वीर रस का साहित्य।

ਵਾਰਸ਼ਿਕ वार्षिक् Vārṣik [3] वि॰
वार्षिक (वि॰) वार्षिक, सालाना; वर्षा ऋतु से संबद्ध।

ਵਾਰਸ਼ਿਕੀ वार्षिकी Vārṣikī [3] पुं॰
वार्षिकी (स्त्री॰) वर्ष के अन्त में प्राप्त होने वाला भत्ता।

ਵਾਰਤਾ वार्ता Vārtā [3] स्त्री॰
वार्ता (स्त्री॰) वृत्तान्त, हाल; बातचीत।

ਵਾਰਨਾ वार्ना Vārnā [3] सक॰ क्रि॰
वारयति (चुरादि प्रेर॰) वारना, दूल्हे आदि के लिए वारना।

ਵਾਰੀ वारी Vārī [3] अ॰
वार (नपुं॰) वारी, दफा।

ਵਾਲ वाल् Val [3] पुं०
बाल (पुं०) बाल, केश ।

ਵਾਲਾ वाला Vala [3] पुं०
वलय (पुं०) कानों में पहनी जाने वाली बड़ी बाली, मुँदरा ।

ਵਾਲੀ वाली Vali [3] स्त्री०
वलय (पुं०) बाली, कुण्डल ।

ਵਾੜ वाड़् Vaṛ [3] स्त्री०
वाट (पुं०) बाड़, घेरा; सीमा ।

ਵਾੜਨਾ वाड़्ना Vaṛna [3] सक० क्रि०
उपपातयति (भ्वादि प्रेर०) प्रवेश कराना, भीतर करना ।

ਵਾੜਾ वाड़ा Vaṛa [3] पुं०
वाड (पुं०) कटीली झाड़ियों, पौधों आदि से घेरा हुआ स्थान, बाड़ा, घेरा ।

ਵਾੜੀ वाड़ी Vaṛi [3] स्त्री०
वाड (पुं०) वाटिका; घेरा ।

ਵਿਊਂਤਣਾ व्यूंत्णा Vyūtṇa [3] सक० क्रि०
व्यवच्छिनत्ति (रुधादि सक०) काटना, छेदन करना ।

ਵਿਓਂਤ व्योंत् Vyōt [3] स्त्री०
व्यूयन (नपुं०) योजना, युक्ति ।

ਵਿਓਂਤਣਾ व्योंत्णा Vyōtṇa [3] सक० क्रि०
व्यूयते (भ्वादि सक०) कपड़े को काटना, नापना, योजना बनाना ।

ਵਿਅਸਤ व्यसत् Vyasat [3] वि०
व्यस्त (वि०) लगा हुआ, आकुल; अस्त-व्यस्त, बिखरा हुआ ।

ਵਿਅਸਨ विअसन् Viasan [3] पुं०
व्यसन (नपुं०) व्यसन, बुरी आदत, बुरी लत; विपत्ति, संकट ।

ਵਿਅਕਤਕ विअक्तक् Viaktak [3] वि०
वैयक्तिक (वि०) वैयक्तिक, व्यक्तिगत ।

ਵਿਅਤਿਰੇਕ व्यतिरेक् Vyatirek [3] पुं०
व्यतिरेक (पुं०) भेद, अन्तर; व्यतिरेक अलंकार जिसमें उपमान से उपमेय उत्कृष्ट होता है ।

ਵਿਅਥਾ व्यथा Vyatha [3] स्त्री०
व्यथा (स्त्री०) व्यथा, पीड़ा; कष्ट; चिन्ता ।

ਵਿਅਰਥ व्यरथ् Vyarath [3] वि०
व्यर्थ (वि०) निरर्थक, बेकार; निष्फल ।

ਵਿਅਰਥਤਾ व्यर्थता Vyarthata [3] स्त्री०
व्यर्थता (स्त्री०) व्यर्थता, निरर्थकता ।

ਵਿਅਰਥਾ व्यर्था Vyartha [3] वि०
व्यर्थ (वि०) व्यर्थ, बेकार; निष्फल ।

ਵਿਆਈ विआई Viai [1] स्त्री०
विपादिका (स्त्री०) बेवाई, पैर का एक रोग ।

ਵਿਆਹ व्याह् Vyah [3] पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, शादी ।

ਵਿਆਹਣੂ व्याहणू Vyahnu [1] वि०
वैवाहिक (वि०) विवाह-संबन्धी ।

ਵਿਆਹੁਣਾ व्याहुणा Vyahuna [3] सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) ब्याहना, विवाह करना ।

ਵਿਆਹੁਤਾ व्याहुता Vyahuta [3] स्त्री०
विवाहिता (स्त्री०) विवाहित स्त्री ।

ਵਿਆਕਰਣ व्याकरण् Vyakran [3] पुं०
व्याकरण (नपुं०) व्याकरण ।

ਵਿਆਕਰਣੀ व्याकरणी Vyakarni [3] वि०
व्याकरणिन् (वि०) वैयाकरण, व्याकरण जानने वाला ।

ਵਿਆਕਰਨੀ व्याकरनी Vyakarni [3] वि०
व्याकरणिन् (वि०) व्याकरण का ज्ञाता, वैयाकरण ।

ਵਿਆਕੁਲ व्याकुल् Vyakul [3] वि०
व्याकुल (वि०) आकुल, परेशान; भयभीत, डरा हुआ ।

ਵਿਆਕੁਲਤਾ व्याकुल्ता Vyakulta [3] स्त्री०
व्याकुलता (स्त्री०) आकुलता, घबड़ाहट ।

ਵਿਆਖਿਆਉਣਾ व्याख्याउणा Vyakhyauna [3] सक० क्रि०
व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्या करना, व्याख्यान देना ।

F. 62

ਵਿਆਖਿਆਕਾਰ व्याख्याकार् Vyakhyakar [3] वि०
व्याख्याकार (पुं०) व्याख्याकार, व्याख्या करने वाला ।

ਵਿਆਖਿਆਤ व्याख्यात् Vyakhyat [3] वि०
व्याख्यात (वि०) व्याख्या-युक्त, विवेचित ।

ਵਿਆਜ व्याज् Vyaj [3] स्त्री०
व्याज (पुं०) व्याज, बहाना; कपट; व्याजस्तुति ।

ਵਿਆਧ[1] व्याध् Vyadh [3] स्त्री०
व्याधि (स्त्री०) व्याधि, रोग; पीड़ा ।

ਵਿਆਧ[2] व्याध् Vyadh [3] पुं०
व्याध (पुं०) व्याध, शिकारी, बहेलिया ।

ਵਿਆਪਕ व्यापक् Vyapak [3] वि०
व्यापक (वि०) व्यापक, चारों ओर फैला हुआ ।

ਵਿਆਪਕਤਾ व्यापक्ता Vyapakta [3] स्त्री०
व्यापकता (स्त्री०) चारों ओर फैलने का भाव, व्याप्ति ।

ਵਿਆਪਣਾ व्यापणा Vyapna [3] अक० क्रि०
व्याप्नोति (स्वादि सक०) व्याप्त होना, फैलना ।

ਵਿਆਪਤੀ व्याप्ती Vyapti [3] स्त्री०
व्याप्ति (स्त्री०) व्याप्त होने का भाव, व्याप्ति, फैलाव ।

ਵਿਆੜ विआड़् Viāṛ [3] पुं०
बीजाई (नपुं०) बीज डालने योग्य खेत, बिआड़ ।

ਵਿਅੰਗ विअँग् Viang [3] पुं०
व्यङ्ग्य (नपुं०) व्यंग्य, गूढार्थ, कटाक्ष ।

ਵਿਅੰਗਕਰਤਾ विअँग्कर्ता Viang-Karta [3] पुं०
व्यङ्ग्यकर्तृ (वि०) व्यंग्य करने वाला ।

ਵਿਅੰਗਕਾਰ विअँग्कार् Viang-Kar [3] वि०
व्यङ्ग्यकार (पुं, वि०) व्यंग्यकार, व्यंग्य करने वाला व्यक्ति या लेखक ।

ਵਿਅੰਗੀ विअँगी Viangi [3] वि०
व्यङ्ग्यिन् (वि०) व्यंग्यी, व्यंग्य करने वाला ।

ਵਿਅੰਜਨ व्यंजन् Vyañjan [3] पुं०
व्यञ्जन (नपुं०) शाग-सब्जी; मसाला-अचार आदि ।

ਵਿਸ विस् Vis [3] पुं०
द्र०—ਵਿਸ਼ ।

ਵਿਸ਼ विष् Viṣ [3] पुं०
विष (नपुं०) विष, जहर ।

ਵਿਸ਼ਈ विषई Viṣai [3] पुं०
विषयिन् (वि०) विषयासक्त, विलासी, भोग-लिप्त ।

ਵਿਸਤਾਰ विस्तार् Vistar [3] पुं०
विस्तार (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਵਿਸ਼ਤਾਰਨਾ विस्तार्ना Vistarna [3] सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्तृत करना, फैलाना ।

ਵਿਸਤਾਰਮਈ विस्तार्मई Vistarmai [3] वि०
विस्तारमय (वि०) विस्तार-बहुल, विस्तार-सहित ।

ਵਿਸ਼ਤ੍ਰਿਤ विश्त्रित् Viśtrit [3] वि०
विस्तृत (वि०) विस्तार-युक्त, फैला हुआ, व्याप्त; विशाल, बहुत बड़ा ।

ਵਿਸ਼ਥਾਪਨਾ विश्थाप्ना Viśthapna [3] सक० क्रि०
विस्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उजाड़ना, विस्थापित करना ।

ਵਿਸਥਾਪਿਤ विस्थापित् Visthapit [3] वि०
विस्थापित (वि०) विस्थापित, उजाड़ा हुआ, निर्वासित ।

ਵਿਸ਼-ਭਰਿਆ विष्-भर्या Viṣ-Bharya [3] वि०
विषभरित (वि०) विष-भरा, विषैला, विषाक्त ।

ਵਿਸਮ विसम् Visam [3] पुं०
विस्मय (नपुं०) विस्मय, आश्चर्य ।

ਵਿਸਮਣਾ विसम्णा Visamṇā [3] अक० क्रि०
विश्रामयति (दिवादि सक०) विश्राम करना, आराम करना ।

ਵਿਸ਼ਮਤਾ विशम्ता Viśamtā [3] स्त्री०
विषमता (स्त्री०) विषमता, असमानता ।

ਵਿਸਮਰਨਾ विस्मर्ना Vismarnā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मृत करना, भूलना ।

ਵਿਸਮਾਉਣਾ विस्माउणा Vismāuṇā [3] अक० क्रि०
विस्मयते (भ्वादि अक०) विस्मित होना, हैरान होना ।

ਵਿਸਮੇਕਾਰੀ विस्मेकारी Vismekārī [3] वि०
विस्मयकारिन् (वि०) विस्मयकारी, आश्चर्यजनक ।

ਵਿਸਰਜਨ विसर्जन् Visarjan [3] पुं०
विसर्जन (नपुं०) विसर्जन, त्याग, समाप्ति ।

ਵਿਸਰਜਿਤ विसर्जित् Visarjit [3] वि०
विसर्जित (वि०) विसर्जित, त्यक्त; समाप्त ।

ਵਿਸਰਨਾ विसर्ना Visarnā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मरण करना, भूलना, बिसरना ।

ਵਿਸਲ विसल् Visal [1] वि०
विषल (वि०) विषैला, विष-भरा ।

ਵਿਸ਼ਵਾਸ विश्वास् Viśvās [3] पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा ।

ਵਿਸ਼ਵਾਸੀ विश्वासी Viśvāsī [3] पुं०
विश्वासिन् (वि०) विश्वास युक्त, भरोसे-मन्द ।

ਵਿਸ਼ਾ विशा Viśā [3] पुं०
विषय (पुं०) विषय, इन्द्रियों द्वारा ग्राह्य पदार्थ ।

ਵਿਸਾਹ विसाह् Visāh [3] पुं०
द्र०—विश्वास ।

ਵਿਸਾਹਘਾਤ विसाह्घात् Visāhghāt [3] पुं०
विश्वासघात (नपुं०) विश्वासघात, किसी के विश्वास के विरुद्ध की गयी क्रिया ।

ਵਿਸਾਹਘਾਤੀ विसाह्घाती Visāhghātī [3] पुं०
विश्वासघातिन् (वि०) विश्वासघाती, दगाबाज ।

ਵਿਸਾਖ विसाख् Visākh [3] पुं०
वैशाख (पुं०) वैशाख मास ।

ਵਿਸਾਖੀ विसाखी Visākhī [1] स्त्री०
वैशाखी (स्त्री०) वैशाख मास की पूर्णिमा; वैसाखी नामक पंजाब में होने वाला उत्सव ।

ਵਿਸ਼ਾਦ विशाद् Viśād [3] पुं०
विषाद (पुं०) विषाद, दुःख ।

ਵਿਸ਼ਾਦੀ विशादी Viśādī [3] **वि॰**
विषादिन् (वि॰) विषाद-युक्त, उदास ।

ਵਿਸਾਂਧ विसाँध् Visāndh [2] **स्त्री॰**
द्र॰—ਬਿਸਾਂਧ ।

ਵਿਸਾਂਧਾ विसाँधा Visāndha [2] **वि॰**
विस्रगन्ध (वि॰) सड़ाँध-युक्त, दुर्गन्ध-युक्त, वदबूदार ।

ਵਿਸਾਰਨਾ विसार्ना Visārnā [3] **सक॰ क्रि॰**
विस्मरति (भ्वादि सक॰) विसारना, भूलना-भुलाना ।

ਵਿਸਾਰਾ विसारा Visārā [3] **पुं॰**
विस्मार (पुं॰) विस्मरण, भुलाने का भाव ।

ਵਿਸ਼ਾਲ विशाल् Viśāl [3] **वि॰**
विशाल (वि॰) विशाल, बड़ा, प्रशस्त, लंबा-चौड़ा; महान् ।

ਵਿਸ਼ਾ-ਵਸਤੂ विशा-वस्तू Viśā-Vastū [3] **पुं॰**
विषयवस्तु (नपुं॰) विषय-वस्तु, वर्णन का विषय, प्रसंग ।

ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ विशिश्ट् Viśiśṭ [3] **वि॰**
विशिष्ट (वि॰) विशेषता से युक्त, गुणी; प्रसिद्ध, मशहूर ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ विशेश् Viśeś [3] **वि॰**
विशेष (पुं॰) असाधारण, विलक्षण, विशेष; भेद, अन्तर ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ विशेशण् Viśeśaṇ [3] **पुं॰**
विशेषण (नपुं॰) विशेषण-किसी प्रकार की विशेषता बताने वाला, भेदक ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ विशेश्ता Viśeśtā [3] **स्त्री॰**
विशेषता (स्त्री॰) विशेषता, भेदता ।

ਵਿੱਸਰਨਾ विस्सर्ना Vissarnā [3] **सक॰ क्रि॰**
द्र॰—ਵਿਸਮਰਨਾ ।

ਵਿਸ੍ਵ विश्व् Viśv [3], **पुं॰ सर्व॰**
विश्व (पुं॰/सर्व॰) पुं॰—विश्व, संसार । सर्व॰—समस्त, सब ।

ਵਿਹਲੜ वेह्लड़् Vehlaṛ [3] **पुं॰**
अलस (वि॰) निकम्मा ।

ਵਿਹਲਾ वेल्हा Velhā [3] **वि॰**
विरिक्त/अलस (वि॰) बेकार ।

ਵਿਹੜਾ वेह्ड़ा Vehṛā [3] **पुं॰**
वेष्ट (पुं॰) घेरा, चारदीवारी; आँगन ।

ਵਿਹਾਜਣਾ विहाज्णा Vihājṇā [3] **अक॰ क्रि॰**
विवाह्यते (भाव वा॰) विवाहित होना, विवाहा जाना ।

ਵਿਹਾਰ विहार् Vihār [3] **पुं॰**
व्यवहार (पुं॰) व्यवहार, लेन-देन; व्यापार ।

ਵਿਹਾਰਕ विहारक् Vihārak [3] **वि॰**
व्यावहारिक (वि॰) व्यापार-संबन्धी ।

ਵਿਹਾਰਕਤਾ विहारक्ता Vihāraktā [3] **स्त्री॰**